नमोऽस्तुरामाय



नमोऽस्तुरामाय

अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादस्तेषु केवलम्। प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्रसाक्षिणौ॥

दृक्सिद्ध निरयन भारतीय

श्री राघवेन्द्र पञ्चाङ्गम्

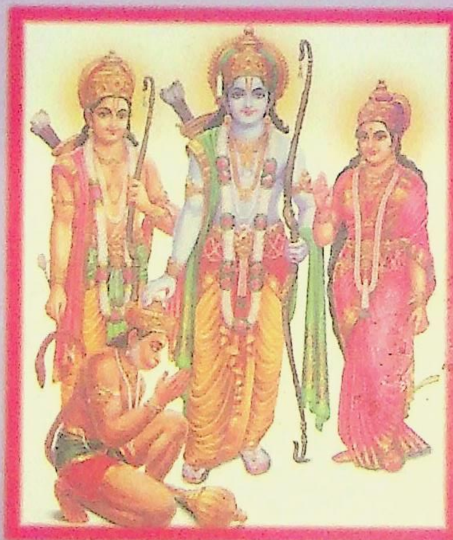
संवत् 2063 (सन् 2006-07 ई॰)
जय हिन्द संवत् 59-60

राजा गुरु

मंत्री शुक्र



दैवज्ञ भूषण
पं. रामेश्वर दत्त रैणा
राज ज्योतिषी

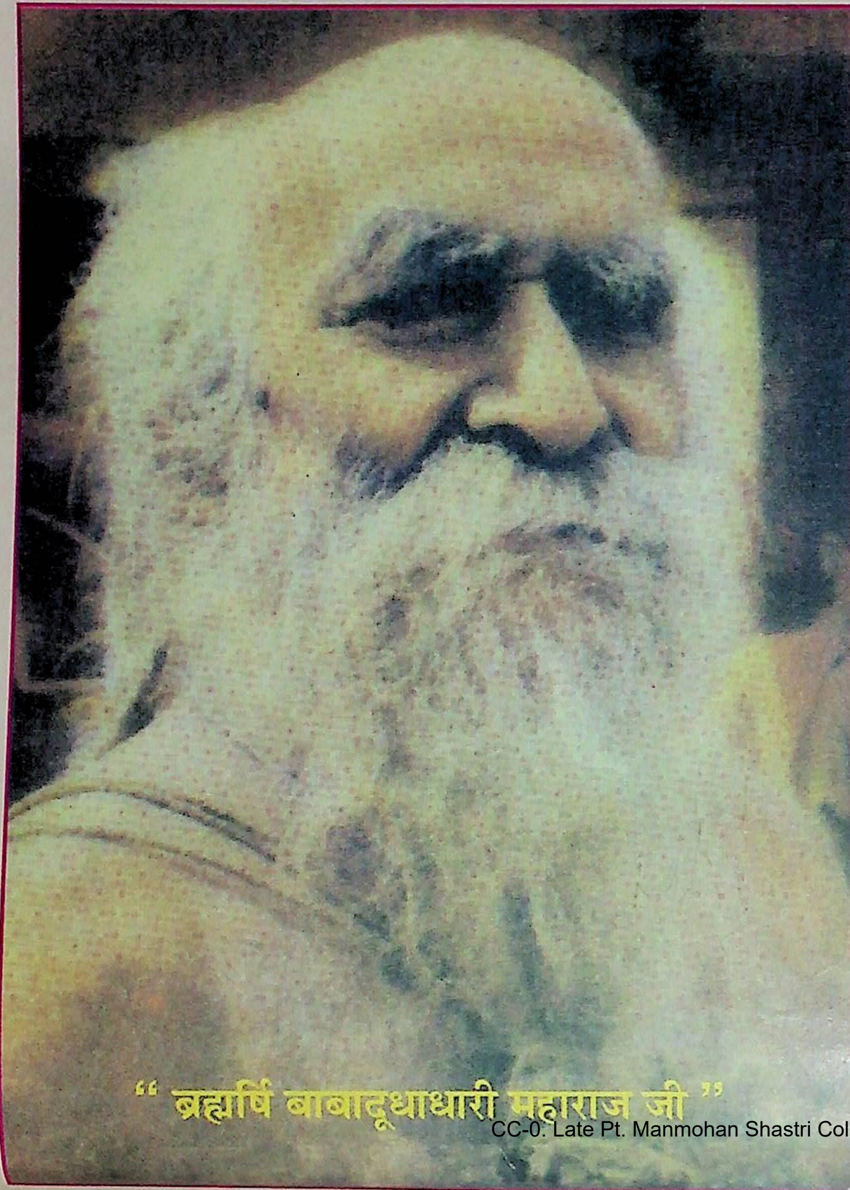


रामाय राम भद्राय रामचन्द्राय वेधसे।
रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः॥



डॉ. चन्द्रमौलि रैणा
प्राध्यापक ज्योतिष विभाग
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
गरली परिसर, कांगड़ा (हि॰प्र॰)

दैनिक लग्न सारिणी कांगड़ा (हि.प्र.) सहित



“ ब्रह्मर्षि बाबादूधाधारी महाराज जी ”

“ब्रह्मर्षि बाबादूधाधारी महात्मनां प्रशस्तिः।।”

श्री १०८ श्री ब्रह्मर्षिदूधाधारी प्रशस्तिः

दुग्धाधारी यतिवर प्रभुर्वैष्णवानन्दकारी
वेदोद्धारी प्रतिपटमहो विश्वतो यज्ञकारी।
सिद्धाचारी स शणवसनो बाल्यतो ब्रह्मचारी
ब्रह्मनन्दं जनयति हृदि स्मर्तुरुद्धारकारी।।१।।

नाम्नां धाम्नामुपधविरहेणाऽऽत्मसिद्धौ प्रसिद्धाः
पुण्यात्मानो द्विजसुरगवां सर्वदैवावधानाः।
यज्ञैरिष्ट्वा जनगणमनोहारि पर्जन्यहेतो-
र्धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपातं दधानाः।२।

दुग्धाधारिमहात्मनां द्विजकुले जातं शतं जन्मना-
मित्थं मे प्रतिभाति सन्मुखधिया यज्ञव्रताभ्यासतः।
नानातीर्थनिषेवणाद्गुरुकृपामासाद्यगोपालनाद्
देवानां सततार्चनात्षडक्षरजपादष्टाङ्गयोगार्जनात्।।३।।

वेदानां श्रवणाज्जगद्गुरुमुखान्मौनव्रतालम्बनात्
सच्छास्त्राचरणात्पुराण श्रवणात्पित्रर्चनान्नित्यशः।
गायत्र्याविधिवज्जपन्द्विजमुखान्नित्यं पुरश्चर्यया
श्रौतस्मार्तमखैः सदेह जगतः कल्याण सञ्चिन्तनात्।।४।।

ब्रह्मर्षिप्रवरा जगद्गुरुवरा दृष्ट्वैक दृष्टया जगत्
हस्त्राक्षं जितवन्त इत्थमपि ते जाताः सहस्त्राध्वराः।
नानातीर्थवनादिषु हिमजलाश्शय्यास्तपश्चर्यया
कृत्वाऽऽत्मानमतीव निर्मलमहो जगतां हिताय स्वयम्।।५।।

उड्राङ्गासमवङ्ग मागधखसाऽऽसाकेत्त काशी गया
जम्बू श्रीनगर सदूधमपुराम्बाराम आर्यश्रियम्।
राजौरी ह्यखनूर मानससरो जन्द्राह भड्डूगुढा
गङ्गायामुनसङ्गमं हरिहरद्वारोज्जयिन्याह्वयम्।।६।।

क्षेत्रं नैमिषिकं समेत्य वदरीक्षेत्रं कुरूणां वरम्
गामं गामहो सदर्षिप्रवराश्चान्त्ये स्मरन्तः प्रभुम्
न्यास्थञ्छ्री प्रभुदास वैष्णव कृते सत्कार्यभारं महत्
भारश्री वहताँ सतां प्रभुवरा जीवन्तु कल्पावधिम्।।७।।

इति विहारिलाल वाशिष्ठ प्रणीता
श्री १०८ श्रीब्रह्मर्षिदुग्धा धारिमहात्मनां
।। प्रशस्तिः समाप्ता ।।

नमोऽस्तुरामाय



नमोऽस्तुरामाय

दृक्सिद्ध निरयन भारतीय



श्री राघवेन्द्र पञ्चाङ्गम्



सम्पादक एवं गणितकर्त्ता :
डॉ० चन्द्रमौलि रैणा
प्राध्यापक ज्योतिष विभाग
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
गरली परिसर, कांगड़ा (हि०प्र०)
स्थाई पता :
४४/२ त्रिकुटा नगर जम्मू,
दूरभाष : ०१९१-२४७३६६३
मोवाईल : ०९४१९१९४२३०
०९४१८२२५६९९

संवत् २०६३ (सन् २००६-०७ ई०)
जयहिन्दसंवत् ५९-६०

सत्प्रेरका :
प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी
निदेशिक ज्योतिष पाठ्यक्रम
श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत
विद्यापीठ, नई दिल्ली - 16

सहायक मण्डल :
श्रीमती कमलेश रैणा, *शास्त्री बी०एड०*
डॉ० के०एस० चरक, *एम०एस० ज्योतिष विशारद*
डॉ० राजीव झाण्जी
श्री सुरेश शास्त्री, *फलित ज्योतिषाचार्य*
श्री पीयूष रैणा, *अभियन्ता*

दैनिक लग्न सारिणी
हरिद्वार एवं कांगड़ा सहित

प्रकाशन वर्ष : **षष्ठम्**

मूल्य : **51.00 रुपये**

प्रकाशक : मल्होत्रा ब्रदर्ज, पक्का डंगा जम्मू



॥ नमोऽस्तु रामाय॥

श्रीदूधाधारी बर्फानी आश्रम

भूपतवाला, हरिद्वार-२४९४१०

परमाध्यक्ष- सन्तश्री प्रभुदासजी महाराज

दिनाङ्क - ०५/१०/२००३

शुभाशंसा

ज्योतिष शास्त्र में हमारे ऋषियों का अनुसन्धान चमत्कृत होता है। गणित, फलित सिद्धान्त आदि वर्गों में विभक्त इस शास्त्र की वैज्ञानिकता हमारे ही देश में नहीं, बल्कि दुनियाभर के लोग स्वीकार करते हैं। उसी प्रक्रिया में पञ्चाङ्गविधा को गणितीय आधार पर तैयार किया जाता है। लौकिक व्यवहारोपयोगी, दैनिक कृत्यों में सहयोगी यह पञ्चाङ्ग परिपाटी हमारे देश में बहुत ही लोकप्रिय है। इस परम्परा के पालन में विद्वान् ज्योतिषी डॉ०चन्द्रमौलि रैणा श्रीराघवेन्द्र-पञ्चाङ्ग का प्रकाशन बड़े ही श्रम और लगन के साथ कर रहे हैं। वास्तव में इस विधा को आगे बढ़ाने से ऋषि ऋण का शोधन होता है। इनके पिता पं०श्री रामेश्वरदत्त जी रैणा एक ख्यातिप्राप्त राजपण्डित थे। अपने पितृचरण की कीर्तिशृङ्खला में श्री रैणा का यह कृत्य श्लाघनीय है। मैं श्रीराघवेन्द्र-पञ्चाङ्ग की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करते हुए श्री चन्द्रमौलि रैणा के कल्याण हेतु आशीर्वाद प्रदान करता हूँ। शुभमस्तु।

श्रीसीतारामचरणानुरागी

प्रभुदास

(सन्त प्रभुदास)



ॐ श्रीगणेशाय नमः



द्विपुष्करेषु श्री चन्द्रभागा गङ्गातीर परिसरेऽखनूर पत्तन वास्तव्य रैणाद्विजवंशीय ज्योतिषकर्मकाण्डपौरोहित्यादि ब्रह्मकुलोचितवृत्त्याचरण परायण पराशरगोत्राभिजन पं० मेलारामात्मजः श्रीरामेश्वर दत्ताभिध प्रसिद्ध पण्डितः श्रीमत्यां शान्तिमत्यांभार्यायां सर्वश्री चन्द्रमौलि, शिवप्रसाद, रवीन्द्र कुमार इत्यभिख्यं दैवज्ञरत्नमयं पुत्रत्रयं प्रासिषवत्। त्रयोऽपीमे निजेन बुद्धिवैभवेन सर्वत्रलब्धप्रतिष्ठा दैवज्ञा वर्तन्ते। एष्वन्यतमो ज्येष्ठः श्रीचन्द्रमौलिः जम्बूस्थ श्रीरणवीर केन्द्रीय संस्कृतविद्यापीठीय विदुषां सान्निध्यसौविध्यमासाद्य फलित सिद्धान्तयोराचार्यपरीक्षेद्वेऽपि समुत्तीर्य प्रातःस्मरणीय प्रो० श्रीरामचन्द्र पाण्डेयवर्याणां श्रीगुरुचरणानां चरणयोरध्युष्य विद्यावारिधिपरीक्षोदधिसमुत्तीर्य श्रीरणवीरकेन्द्रीय संस्कृतविद्यापीठ एव ज्योतिषाध्यापक पदमधिष्ठाय घोर परिश्रमं विधाय सनातनधर्मास्याभ्युदयाय कटिबद्धः सन् दृग्गणित पद्धत्या धर्मशास्त्रानुसारं व्रतपर्वोत्सवमुहूर्तादि विषयैः समलङ्कृतं पञ्चाङ्ग रत्नं सम्पाद्य विदुषां करकमलायत्तीकर्तुमुद्यतोऽस्तीति श्रावं श्रावं मे मानसराजहंसो भूयोभूयः सुतरां मुदमावहतितराम्। तेनैतेन प्रकाशन बल सम्बलेन सुमहाँल्लोकोपकारः सनातनधर्मस्य पौनः पुन्येन प्रचारः प्रसारश्च सम्भविष्यतीति समुद्रन्नेवाहं विरमामि।

पौषी सोमवत्यमा 2057 वैक्रम
23 श्री रघुनाथपुरी, जम्मू (तवी)
दिनाङ्काः 25/12/2000

श्रीमतां विदुषां वशंवदः
विहारि लाल शर्मवासिष्ठः



ॐ श्रीगणेशाय नमः



श्री राघवेन्द्र पञ्चाङ्ग

डॉ० चन्द्रमौलि रैणा द्वारा नवनिर्मित श्री राघवेन्द्र पञ्चाङ्ग के प्रकाशन से मुझे अत्यन्त हर्ष हो रहा है। धर्मप्रधान जम्मू नगरी से इस प्रकार का सारस्वत कार्य वहाँ की विद्वत् परम्परा का परिचायक भी होगा। भारतीय पञ्चाङ्ग विश्व के सभी प्रकार के कैलेण्डर में सर्वाधिक महत्वपूर्ण, प्रामाणिक एवं विस्तृत सूचनाओं से सम्पन्न होता है। अपने नगर का पञ्चाङ्ग सुलभ होने से दैनिक धार्मिक, व्यावहारिक, सामाजिक एवं पारम्परिक कार्यों में अत्यन्त सरलता हो जाती है। अतः यह कार्य जनहित में एक सुन्दर कड़ी के रूप में सिद्ध होगा।

निश्चय ही डॉ० रैणा ने इस पञ्चाङ्ग का सम्पादन एवं प्रकाशन कर एक प्रतिष्ठा परक शास्त्रीय एवं सामाजिक कार्य किया है। इस उपलब्धी के लिए मैं इनको हार्दिक बधाइयों से विभूषित करते हुए आशीर्वाद प्रदान करता हूँ, साथ ही बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना करता हूँ कि यह पञ्चाङ्ग अपनी प्रामाणिकता को अक्षुण्ण रखते हुए जनता का मार्गदर्शन करने में सतत् अग्रसर रहे। पुनः पञ्चाङ्ग एवं उसके कर्ता की सर्वविध सफलताओं की कामना के साथ–

दिनांक 11–12–2001
वाराणसी

प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय
अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय



ॐ श्रीगणेशाय नमः



जम्मू कश्मीर का भूभाग भारतवर्ष का मुकुट है, यह तथ्य सम्पूर्ण विश्व में सर्वविदित है, जम्मू काश्मीर की यह पवित्र भूमि विविध शास्त्र वेत्ताओं की खनि रही है।

इस भू मण्डल पर 'संस्कृत वाङ्मय' वेद-ब्राह्मण-अरण्यक उपनिषद-रामायण-महाभारत-पुराणादियों में विभक्त है। शास्त्र भी शिक्षा कल्पादि छः अंगों में विभक्त है। छः अंगों में चक्षु का कार्य ज्योतिषशास्त्र करता है, यह शास्त्र केवल तिथि-वार-नक्षत्र-योग-करण इन पांच अंगो तक ही सीमित नहीं है अपितु ज्योतिष शास्त्र गणित-फलित-सिद्धान्त के द्वारा पूर्णवैज्ञानिक होने का दावा करता है।

ज्योतिष शास्त्र की आवश्यकता सम्पूर्ण भू मण्डल पर वर्तमान भूत-भविष्यत् की घटनाओं को जानने के लिए अनुभव की जा रही है यही कारण है कि विज्ञानस्वरूप यह शास्त्र विश्वविद्यालयों में अध्ययनाध्यापन के लिए स्वीकार किया जा चुका है। इसी विज्ञान के ज्ञान को प्रसारित करने के लिए तथा इसके द्वारा होने वाले कल्याण को दर्शाने के लिए अपनी परम्पराओं का निर्वहन करते हुए पुण्य पावन शीतल वाहिनी चन्द्रभागा के तटपर स्थित अखनूर उपमण्डलों में स्वनाम धन्य रैणा वंशावतंस स्व० पं० रामेश्वर दत्त रैणा जी के सुपुत्र ज्योतिषशास्त्र की सम्पत्ति से सम्पन्न डॉ० चन्द्रमौलि रैणा जी ने राघवेन्द्र पञ्चाङ्ग सम्पादन एवं प्रकाशन करके अपने वैदुष्य का परिचय देकर ज्योतिष शास्त्र में अपना अन्यतम स्थान प्राप्त करके अपनी दृढ़ कार्य कुशलता का सप्रमाण परिचय दिया है।

मैं डॉ० रैणा जी को हार्दिक शुभकामनाओं तथा शुभाशीर्वाद से विभूषित करता हुआ रैणा जी के समस्त परिवार को आदरणीय माता शान्ति देवी जी को एवं परम सौभाग्य शालिनी श्रीमती कमलेश शास्त्री जी को तथा भाई श्री विश्वप्रसाद रैणा शास्त्री एवं श्री रवीन्द्र रैणा जी को तथा विद्वानों में अग्रगण्य परमादरणीय गुरु श्रेष्ठ वाराणसेय हिन्दुविश्व विद्यालय में ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० राम चन्द्र पाण्डेय जी को तथा श्री र.के. सं विद्यापीठ के ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्षय डॉ० बिहारी लाल शास्त्री जी को हार्दिक बधाई देता हूं जिनके आशीर्वाद से यह असाधारण कार्य सम्पन्न हो सका है।

मैं इस शुभ अवसर पर डॉ० रैणा जी को पुनः शुभाशीर्वाद देता हुआ मां भगवती जगजजननी जगदम्बा से सादर प्रार्थना करता हूं कि वह इस पंचांग का सम्पादन एवं प्रकाशन करने में अपना आशीर्वाद देती रहे जिससे यह पंचांग अपनी प्रामाणिकता के आधार पर जनमानस का पथ प्रदर्शक बना रहे :-

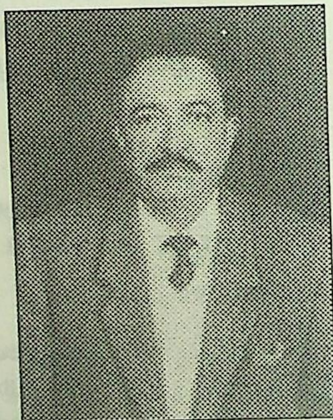
त्रिकालदर्शको विष्णुः त्रिकालज्ञो महेश्वरः।
राघवेन्द्रो त्रिकालज्ञः पञ्चाङ्गो त्रिफलं दिशेत्।।
चन्द्रमौलौ सदायस्य सर्वदा भक्ति विधते।
पञ्चाङ्ग प्रवर्तकः साक्षात् चन्द्रमौलि विराजते।।

विजय दशमी
ई० सन् 12-10-2005

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ
प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री
प्राचार्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
गरली परिसर, कांगड़ा (हि०प्र०)



ॐ श्रीगणेशाय नमः



श्रीराघवेन्द्रपञ्चाङ्गम्

ज्योतिश शास्त्र एक ऐसा सोपान है जिससे जीवन की समस्त शुभाशुभ घटनाओं का अवलोकन किया जा सकता है ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है।

हमारे कुलगुरु, कुलाचार्य डॉ० चन्द्रमौलि रैणा सुपुत्र दैवज्ञ भूषण पण्डित रामेश्वर दत्त रैणा राज ज्योतिषी अखनूर निवासी ने 'श्री राघवेन्द्र पञ्चाङ्ग' का सम्पादन एवं प्रकाशन करके हमारे प्रान्त के लिए ही नहीं अपितु समस्त भारत वर्ष के प्रति तथा धार्मिक श्रद्धालु जनता के लिए उपकार किया है। इस पञ्चाङ्ग से दैनिक, धार्मिक सामाजिक व्यवहारिक परम्पराओं का मार्गदर्शन सरलता से होता रहेगा।

भगवान श्रीराघवेन्द्र जी से मेरी प्रार्थना है कि यह पञ्चाङ्ग अपनी प्रमाणिकता को निभाते हुए सफलता की ओर अग्रसर होती रहे।

धन्यवाद!

दिनांक : 12-10-2005

ठाकुर दिवाकर सिंह
प्रधान धर्मार्थ ट्रस्ट
जम्मू

विषय सूची

प्रमुख व्रत, पर्व, त्योहार एवं अवकाश (सन् 2006–07 ई०)

जनवरी 2006 ई०

इंग्लिश नववर्ष प्रारंभ	1 जनवरी रवि
लोहड़ी पर्व	13 जनवरी शुक्र
मकर संक्रान्ति (माघी)	14 जनवरी शनि
पौष पूर्णिमा	14 जनवरी शनि
माघस्नान प्रारंभ	14 जनवरी शनि
श्रीगणेश संकट चतुर्थी (भुग्गा व्रत)	26 जनवरी बुध
गणतन्त्र दिवस भारत	26 जनवरी बुध
भौमवती मौनी अमावस	29 जनवरी रवि

फरवरी

गौरी तृतीया	1 फरवरी बुध
तिल चतुर्थी व्रतादौ	1 फरवरी बुध
बसन्त पंचमी	2 फरवरी गुरु
रथ-आरोग्य सप्तमी	4 फरवरी शनि
भीष्माष्टमी	5 फरवरी रवि
भीष्म द्वादशी	9 फरवरी बुध
माघ पूर्णिमा	13 फरवरी सोम
माघ स्नान समाप्त	13 फरवरी सोम
गुरु रविदास जयंती	13 फरवरी सोम
श्रीमहाशिवरात्रि व्रत	26 फरवरी मंगल

मार्च

होलाष्टक प्रारम्भ	7 मार्च मंगल
गोविन्द द्वादशी	11 मार्च शनि
पूर्णिमा, होली पर्व	14 मार्च मंगल
होलाष्टक समाप्त	14 मार्च मंगल
होलिका दहन	14 मार्च मंगल
होला मेला (आनंदपुर सा.)	15 मार्च बुध
श्री शीतलाष्टमी व्रत	23 मार्च गुरु
वारुणी पर्व	27 मार्च सोम
वि. संवत् 2062 पूर्ण	29 मार्च बुध
वि. संवत् 2063 प्रा.	30 मार्च गुरु
चैत्र नवरात्रे प्रारम्भ	30 मार्च गुरु

अप्रैल

गौरी तृतीया (गणगौर)	1 अप्रैल शनि
श्री लक्ष्मी पंचमी	2 अप्रैल रवि
श्री दुर्गाष्टमी	5 अप्रैल बुध
श्री रामनवमी	7 अप्रैल गुरु
नवरात्रे समाप्त	7 अप्रैल गुरु
महावीर जयन्ती	11 अप्रैल मंगल
वैशाख स्नान प्रारंभ	13 अप्रैल गुरु
वैशाखी पर्व, संक्रान्ति	14 अप्रैल शुक्र
श्रीपरशुराम जयन्ती	30 अप्रैल रवि
अक्षया तृतीया	30 अप्रैल रवि

मई

गुरु शंकराचार्य जयं.	2 मई मंगल
श्री गंगा जयन्ती	4 मई गुरु
श्रीजानकी जयंती	7 मई शनि
श्रीबगुलामुखी जयंती	7 मई शनि
टैगोर जयंती	7 मई रवि
नरसिंह चौदश	11 मई गुरु
वैशाख-बुद्ध पूर्णिमा	13 मई शनि
वैशाख स्नान समाप्त	13 मई शनि
रम्भा तृतीया व्रत	29 मई सोम

जून

मेलाक्षीर भवानी (काश.)	4 जून रवि
श्रीगंगा दशहरा (हरिद्वार)	6 जून मंगल
निर्जला एकादशी व्रत	7 जून बुध
वटसावित्री व्रत (पूर्णिमा पक्ष)	11 जून रवि
सन्त कबीर जयन्ती	11 जून रवि
रथ-यात्रा (पुरी)	27 जून मंगल

जुलाई

कुमार षष्ठी	1 जुलाई शनि
विवस्वत सप्तमी	3 जुलाई सोम
चातुर्मास्य व्रतादि प्रा.	7 जुलाई शुक्र
गुरुपूर्णिमा, व्यास पूजा	11 जुलाई मंगल
चातुर्मास्य व्रतादि (मतान्तरे)	11 जुलाई मंगल
हरियाली अमावस	25 जुलाई मंगल
मधुस्रवा-सिंघारा तीज	28 जुलाई शुक्र
नाग-पंचमी	30 जुलाई रवि

अगस्त

गो. तुलसी जयंती	1 अगस्त मंगल
दुर्गाष्टमी (मेला चिंतपूर्णी)	2 अगस्त बुध
भारत स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त मंगल
रक्षा-बन्धन	9 अगस्त बुध
श्रीगणेश बहुला चतुर्थी	12 अगस्त शनि
चन्दन षष्ठी व्रत	14 अगस्त सोम
दूर्वाष्टमी व्रत	
श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत. स्मा.	15 अगस्त मंगल
श्री कृष्ण जन्माष्टमी वैष्ण.	16 अगस्त बुध
गुग्गा नवमी	17 अगस्त गुरु

वत्स द्वादशी	20 अगस्त रवि
कुशोत्पाटनी पिठौरी अमा.	23 अगस्त बुध
हरितालिका तृतीया	27 अगस्त रवि
सिद्धि विनायक व्रत	27 अगस्त रवि
कलंक चतुर्थी (सोमदर्शन निषेध)	27 अगस्त रवि
ऋषि पंचमी	29 अगस्त मंगल
सूर्य षष्ठी व्रत	30 अगस्त बुध
मुक्ताभरण सन्तान सप्तमी	31 अगस्त गुरुवार
श्रीमहालक्ष्मी व्रत प्रा.	

सितम्बर

श्री राधाष्टमी	1 सितम्बर शुक्र
श्रीचन्द्र नवमी (उदासीन)	2 सितम्बर शनि
श्रीवामन जयं. (द्वादशी)	5 सितम्बर मंगल
अनन्त चतुर्दशी व्रत	6 सितम्बर बुध
पूर्णिमा श्राद्ध	7 सितम्बर गुरु
पितृपक्ष (श्राद्ध) प्रारंभ	7 सितम्बर गुरु
सर्वपितृ श्राद्ध	22 सितम्बर शुक्र
श्राद्ध समाप्त	2 सितम्बर शुक्र
शरद् नवरात्रे प्रारम्भ	23 सितम्बर
सरस्वती आवाहन	29 सितम्बर शुक्र
सरस्वती पूजन	29 सितम्बर शुक्र
बलिदान दिवस	
श्रीदुर्गाष्टमी, महाष्टमी	30 सितम्बर शनि
सरस्वती विसर्जन	

अक्तूबर

महानवमी	1 अक्तूबर रवि
नवरात्रे समाप्त	1 अक्तूबर रवि
महात्मा गाँधी जयं.	2 अक्तूबर सोम
विजयादशमी (दशहरा)	2 अक्तूबर सोम
भरत मिलाप	2 अक्तूबर मंगल
शरद् पूर्णिमा-कोजागर व्रत	7 अक्तूबर शनि
महर्षि बाल्मीकि जयं.	7 अक्तूबर शनि
कार्तिक स्नान प्रारंभ	7 अक्तूबर शनि
करवा चौथ व्रत	10 अक्तूबर मंगल
अहोई अष्टमी व्रत	14 अक्तूबर शनि
गोवत्स द्वादशी	18 अक्तूबर बुध
धन त्रयोदशी	19 अक्तूबर गुरु
नरक चतुर्दशी	20 अक्तूबर शुक्र
श्री हनुमान जयन्ती	20 अक्तूबर शुक्र
दीपावली	21 अक्तूबर शनि
महालक्ष्मी पूजन	21 अक्तूबर शनि
अन्नकूट, गोवर्धन पूजा	22 अक्तूबर रवि
विश्वकर्मा दिवस (पंजाब)	22 अक्तूबर रवि
भाई दूज, यमद्वितीया	24 अक्तूबर मंगल
सूर्य षष्ठी व्रत	28 अक्तूबर शनि
गोपाष्टमी	30 अक्तूबर सोम
अक्षय-कूष्माण्ड नवमी	31 अक्तूबर मंगल

नवम्बर

भीष्म पंचक प्रारम्भ	1 नवंबर बुध
देवप्रबोधिनी एकादशी	2 नवंबर गुरु
चातुर्मास्यादि समा.	2 नवम्बर गुरु
तुलसी विवाह	2 नवम्बर गुरु
बैकण्ठ चौदश	4 नवंबर शनि
श्रीगुरु नानक जयन्ती	5 नवम्बर रवि
भीष्मपंचक समाप्त	5 नवम्बर रवि
कार्तिक पूर्णिमा	5 नवम्बर रवि
मेला पुष्कर, रामतीर्थ	5 नवम्बर रवि
श्रीकाल भैरवाष्टमी	12 नवम्बर रवि
स्कन्द-चम्पा षष्ठी	26 नवम्बर रवि

दिसम्बर

मोक्षदा एकादशी व्रत	1 दिसम्बर शुक्र
दत्तात्रेय जयं., पूर्णिमा	4 दिसम्बर सोम
सूर्य उत्तरायण में	22 दिसम्बर शुक्र
क्रिसमिस डे	25 दिसम्बर सोम
पुत्रदा एकादशी व्रत	26 दिसम्बर शनि

जनवरी 2007 ई०

लोहड़ी पर्व	12 जनवरी शनि
मकर संक्रान्ति (माघी)	14 जनवरी रवि
पूर्णिमा, माघस्नान प्रारंभ	
षट्तिला एकादशी (वैष्णव)	15 जनवरी सोम
माघ (मौनी) अमावस	19 जनवरी शुक्र

फरवरी

गौरी तृतीया	21 जनवरी रवि
श्रीगणेश तिल चतुर्थी	22 जनवरी सोम
बसन्त पंचमी	23 जनवरी मंगल
रथ-आरोग्य सप्तमी	25 जनवरी गुरु
भीष्माष्टमी	26 जनवरी शुक्र
भीष्म द्वादशी	29 जनवरी शुक्र
माघ पूर्णिमा	2 फरवरी शुक्र
गुरु रविदास जयंती	2 फरवरी शुक्र
श्रीमहाशिवरात्रि व्रत	16 फरवरी शुक्र
शनिवासरी फा. अमावस	17 फरवरी शनि
होलाष्टक प्रारम्भ	24 फरवरी शनि
गोबिन्द द्वादशी	28 फरवरी बुध

मार्च

पूर्णिमा, होली पर्व	3 मार्च शनि
होलिका दहन	3 मार्च शनि
होलाष्टक समाप्त	3 मार्च शनि
होला मेला (आनंदपुर सा.)	4 मार्च रवि
श्रीशीतलाष्टमी व्रत	12 मार्च सोम
वारुणी योग	
खण्डग्रास सूर्यग्रहण	19 मार्च सोम
वि. संवत् 2063 पूर्ण	19 मार्च सोम

एकादशी व्रत

सफला एका. (पौष कृ.)	27 दिसम्बर 2005 मंगल
पुत्रदा एका. (पौष शुक्ल)	10 जनवरी 2006 मंगल
षट्तिला एका. (माघ कृ.)	27 जनवरी 2006 बुध
जया एका. (माघ शु.)	8 फरवरी बुध
विजया एका. (फागु. कृ.)	24 फरवरी शुक्र
आमलकी एका. (फागु. शुक्र)	10 मार्च शुक्र
पापमोचनी एका. (चैत्र कृ.)	25 मार्च शनि
कामदा एका. (चैत्र शुक्ल)	9 अप्रैल रवि
वरूथिनी एका. (वैशा. कृ.)	24 अप्रैल सोम
मोहिनी एका. (वैशा. शुक्र)	9 मई मंगल
अपरा एका. (ज्ये. कृ.)	23 मई मंगल
निर्जला एका. (ज्ये. शुक्र)	7 जून बुध
योगिनी एका. (आषा. कृ.)	21 जून बुध
देवशयनी एका. (वैष्णव)	7 जुलाई शुक्र
कामिका एका. (श्राव. कृ.)	21 जुलाई शुक्र
पवित्रा एका. (श्राव. शुक्र)	5 अगस्त शनि
अजा एका. (भाद्र. कृ.)	19 अगस्त शनि
पद्मा एका. (भाद्र. शुक्र)	4 सितम्बर सोम
इन्दिरा एका. (आश्वि. कृ.)	18 सितम्बर मंगल
पापांकुशा एका. (आ. शुक्र)	3 अक्तूबर मंगल
पापांकुशा एका. वैष्णव	3 अक्तूबर मंगल
रमा एका. (कार्ति. कृ.)	17 अक्तूबर गुरु
देवप्रबोधिनी एका. (का. शुक्र)	2 नवम्बर गुरु
उत्पन्ना एका. (मार्ग. कृ.)	16 नवम्बर गुरु
मोक्षदा एका. (मार्ग. शुक्र)	1 दिसम्बर शुक्र
सफला एका. (पौष कृ.)	16 दिसम्बर शनि

(सन् 2007 ई.)

पुत्रदा एका. (पौष शुक्र)	30 दिसम्बर शनि
षट्तिला एका. (माघ कृ.)	15 जनवरी 2007 सोम
जया एका. (माघ शुक्र)	29 जनवरी सोम
विजया एका. (फा. कृ.)	13 फरवरी मंगल
आमलकी एका. (फा. शुक्र)	27 फरवरी मंगल
पापमोचनी एका. स्मा.	15 मार्च गुरु
पापमोचनी एका. वैष्ण	15 मार्च गुरु

व्रत श्री सत्यनारायण

पौष पूर्णिमा व्रत	13 जनवरी शुक्र
माघ पूर्णिमा व्रत	12 फरवरी रवि
फाल्गुन पूर्णिमा व्रत	14 मार्च मंगल
चैत्र पूर्णिमा व्रत	13 अप्रैल गुरु
वैशाख पूर्णिमा व्रत	12 मई शुक्र
ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत	11 जून रवि
आषाढ़ पूर्णिमा व्रत (चंद्रोदय व्यापिनी)	10 जुलाई सोम
आषाढ़ पूर्णिमा व्रत (गुरु पूर्णिमा)	11 जुलाई मंगल
श्रावण पूर्णिमा व्रत (रक्षा बंधन)	9 अगस्त बुध
भाद्रपद पूर्णिमा व्रत	7 सितम्बर गुरु
आश्विन पूर्णिमा व्रत (चंद्रोदय व्यापिनी)	6 अक्तूबर शुक्र
आश्विन पूर्णिमा व्रत (शरद पूर्णिमा)	7 अक्तूबर शनि
कार्तिक पूर्णिमा व्रत	5 नवम्बर रवि
मार्गशीर्ष पूर्णिमा व्रत	4 दिसम्बर सोम

(सन् 2007 ई.)

पौष पूर्णिमा व्रत	3 जनवरी बुध
माघ पूर्णिमा व्रत (चंद्रोदय व्यापिनी)	1 फरवरी गुरु
माघ पूर्णिमा व्रत (सूर्योदय व्यापिनी)	2 फरवरी शुक्र
फाल्गुन पूर्णिमा व्रत	3 मार्च शनि

अमावस्याएँ

(स्नान–दान, देव पितरादि तर्पणाय)

वैशाख अमावस	27 अप्रैल गुरु
ज्येष्ठ अमावस	27 मई शनि
आषाढ़ अमावस	25 जून रवि
श्रावण अमावस (सोमवती)	24 जुलाई सोम
हरियाली श्रावण अमा. (स्नानदानार्थ)	25 जुलाई
भाद्रपद अमावस (पिठौरी)	23 अगस्त बुध
आश्विन अमावस	22 सितम्बर शुक्र
कार्तिक अमावस (दीपावली)	
कार्तिक अमावस (सू.उ.)	22 अक्तूबर रवि
मार्गशीर्ष अमावस (सोमवती)	20 नवम्बर सोम
पौष अमावस	20 दिसम्बर बुध

सन् 2007 ई०

माघ (मौनी) अमावस	19 जनवरी शुक्र
फाल्गुन (शनिवारी) अमावस	17 फरवरी शनि
चैत्र अमावस	19 मार्च सोम

श्री गणेश चतुर्थी व्रत

श्री गणेश संकट चतुर्थी	18 जनवरी बुध
श्री गणेश तिल चतुर्थी	1 फरवरी बुध
श्रीगणेश चतुर्थी (फाल्गुन)	16 फरवरी गुरु
श्री गणेश चतु. (चैत्र)	18 मार्च शनि
श्री गणेश चतु. (वैशाख)	17 अप्रैल सोम
श्री गणेश चतु. (ज्येष्ठ)	16 मई मंगल
श्री गणेश चतु. (आषाढ़)	14 जून बुध
श्री गणेश चतु. (श्रावण)	14 जुलाई शुक्र
श्री गणेश चतु. (भाद्र.)	12 अगस्त शनि

श्रीसिद्धि विनायक (भाद्र. शुक्र)	27 अगस्त रवि
श्रीगणेश चतु. (आश्विन)	10 सितम्बर रवि
श्रीगणेश चतु. (कार्तिक)	10 अक्तूबर मंगल
श्रीगणेश चतु. (मार्ग.)	8 नवम्बर बुध
श्रीगणेश चतु. (पौष)	8 दिसम्बर शुक्र

(सन् 2006 ई.)

श्रीगणेश संकट चतुर्थी	6 जनवरी शनि
श्रीगणेश तिल चतुर्थी	22 जनवरी सोम
श्रीगणेश चतु. (फाल्गुन)	5 फरवरी सोम
श्रीगणेश चतु. (चैत्र)	7 मार्च बुध

जैन व्रत-पर्व व उत्सव

मेरू त्रयोदशी	27 जनवरी शुक्र
मर्यादा महोत्सव	4 फरवरी शनि
जैन महोत्सव (कांगड़ा)	12-14 मार्च
ऋषभदेव जयंती	22 मार्च बुध
वरसी तप शुरु	23 मार्च गुरु
ओली तप शुरु	5 अप्रैल बुध
महावीर जयंती	11 अप्रैल मंगल
ओली तप समाप्त	13 अप्रैल गुरु
वरसी तप समापन	30 अप्रैल रवि
केवल ज्ञान दिवस	7 मई रवि
मे. चक्रेश्वरी देवी (सरहिन्द)	5-7 जून सोम. मंग. बुध
चातुर्मास्य व्रतादि प्रारंभ	11 जुलाई मंगल
तेरापन्थ स्थापना दिवस	11 जुलाई मंगल
जैन महोत्सव	25 जुलाई मंगल
श्रीजयाचार्य निर्वाण	20 अगस्त रवि
पर्युषण पर्वारम्भ	21 अगस्त सोम
सवत्सरी महापर्व	28 अगस्त सोम
श्रीकालू निर्वाण दिवस	30 अगस्त गुरु
श्री तुलसी पट्टारोहण	2 सितम्बर शनि
श्री महावीर निर्वाण	21 अक्तूबर शनि
श्री वीर संवत् 2532 शुरु	22 अक्तूबर रवि
जन्म आचार्य श्रीतुलसी	24 अक्तूबर मंगल
ज्ञान पंचमी	27 अक्तूबर शुक्र
चातुर्मास्य व्रतादि समाप्त	5 नवम्बर रवि
मौनी एकादशी	1 दिसम्बर शुक्र
आचार्य श्रीतुलसी दीक्षा	9 दिसम्बर शनि
श्री पार्श्वनाथ जयंती	15 दिसम्बर शुक्र

(सन् 2007 ई.)

मेरू त्रयोदशी	17 जनवरी बुध
मर्यादा महोत्सव	25 जनवरी गुरु
जैन महोत्सव (कांगड़ा)	1-3 मार्च गुरु, शुक्र, शनि
ऋषभदेव जयंती	11 मार्च रवि
वरसी तप शुरू	12 मार्च सोम

मुस्लिम त्योहार

ईदुलजुहा (बकरीद)	1 जनवरी बुध
मुहर्रम, 1427 हिजरी प्रा.	31 जनवरी मंगल
मुहर्रम (ताजिया)	9 फरवरी गुरु
चेहलुम	20 मार्च सोम
आखिरी चहार	29 मार्च बुध
शहादत-ए-ईमामहसन	29 मार्च बुध
ईद-ए-मिलाद	11 अप्रैल मंगल
ईद-ए-मौलाद	16 अप्रैल रवि
ग्यारहवीं शरीफ़	10 मई बुध
जन्म श्री हजरत अली	8 अगस्त मंगल
शबे-मिराज	22 अगस्त मंगल
शबे-बारात	9 सितम्बर शनि
रमज़ान (रोज़े शुरु)	25 सितम्बर सोम
शहादत-ए-हजरत अली	15 अक्तूबर रवि
जमातुलविदा	20 अक्तूबर शुक्र
शबे-कदर	21 अक्तूबर शनि
ईद-उल-फितर	25 अक्तूबर बुध

पितृ पक्ष में श्राद्ध

आयु वृद्धि, यश, प्रतिष्ठा, सुख शान्ति वृद्धि के लिए श्रद्धा एवं सद्भावना से पितृ यज्ञ तथा श्राद्ध करना सर्वदा शुभफलदायक होता है। सन् 205 ई० में श्राद्ध तिथियाँ निम्न प्रकार से हैं :-

पूर्णिमा का श्राद्ध	7 सितम्बर गुरु
प्रतिपदा का श्राद्ध	8 सितम्बर शुक्र
द्वितीया का श्राद्ध	9 सितम्बर शनि
तृतीया का श्राद्ध	10 सितम्बर रवि
चतुर्थी का श्राद्ध	10 सितम्बर रवि
पंचमी का श्राद्ध	11 सितम्बर सोम
षष्ठी का श्राद्ध	12 सितम्बर मंगल
सप्तमी का श्राद्ध	13 सितम्बर बुध
अष्टमी का श्राद्ध	14 सितम्बर गुरु
नवमी का श्राद्ध	15 सितम्बर शुक्र
दशमी का श्राद्ध	16 सितम्बर शनि
एकादशी का श्राद्ध	17 सितम्बर रवि
द्वादशी का श्राद्ध	18 सितम्बर सोम
त्रयोदशी का श्राद्ध	19 सितम्बर मंगल
चतुर्दशी का श्राद्ध	21 सितम्बर गुरु

अमावस (सर्वपितृ) श्राद्ध	22 सितम्बर शुक्र

पर्व श्रीपिण्डोरीधाम (गुरदासपुर)

श्रीरामानन्दाचार्य जयंती	31 जनवरी मंगल
होलिका दहन	14 मार्च मंगल
श्रीभगवत्नारायण जयं.	18 मार्च शनि
रामनवमी पर्व	6 अप्रैल शुक्र
वैशाखी पर्व	14 अप्रैल शुक्र
जानकी जयंती	6 मई शनि
गंगा दशहरा	6 जून मंगल
गुरु पूर्णिमा	11 जुलाई मंगल
तुलसी जयंती पर्व	1 अगस्त मंगल
श्रीकृष्ण जयंती पर्व	15-17 अगस्त
वामन जयंती	5 सितम्बर मंगल
विजयादशमी	2 अक्तूबर सोम
शरद् पूर्णिमा पर्व	6-7 अक्तूबर शुक्र, शनि
श्री हनुमान जयंती	20 अक्तूबर शुक्र
महंत गुरु गोबिंददास जयं.	27 अक्तूबर शुक्र
दीपावली पर्व	21 अक्तूबर शनि
श्री गीता जयंती	1 दिसम्बर शुक्र

प्रदोष व्रत

पौष शुक्ल	11 जनवरी बुध
माघ कृष्ण	27 जनवरी शुक्र
माघ शुक्ल	10 फरवरी शुक्र
फाल्गुन कृष्ण	25 फरवरी शनि
फाल्गुन शुक्ल	12 मार्च रवि
चैत्र कृष्ण (सोम)	27 मार्च सोम
चैत्र शुक्ल (सोम)	10 अप्रैल सोम
वैशाख कृष्ण (भौम)	25 अप्रैल मंगल
वैशाख शुक्ल	10 मई बुध
ज्येष्ठ कृष्ण	24 मई बुध
ज्येष्ठ शुक्ल	9 जून शुक्र
आषाढ़ कृष्ण	23 जून शुक्र
आषाढ़ शुक्ल	8 जुलाई शनि
आषाढ़ कृष्ण	22 जुलाई शनि
श्रावण शुक्ल	7 अगस्त सोम
भाद्रपद कृष्ण	21 अगस्त सोम
भाद्रपद शुक्ल	5 सितम्बर मंगल
आश्विन कृष्ण	19 सितम्बर मंगल
आश्विन शुक्ल	5 अक्तूबर गुरु
कार्तिक कृष्ण	19 अक्तूबर गुरु
कार्तिक शुक्ल	3 नवम्बर शुक्र
मार्गशीर्ष कृष्ण	18 नवम्बर शनि
मार्गशीर्ष शुक्ल	2 दिसम्बर शनि
पौष कृष्ण	18 दिसम्बर सोम
पौष शुक्ल (2007 ई०)	1 जनवरी सोम
माघ कृष्ण	16 जनवरी मंगल
माघ शुक्ल	30 जनवरी मंगल
फाल्गुन कृष्ण	15 फरवरी गुरु
फाल्गुन शुक्ल	1 मार्च गुरु
चैत्र कृष्ण	16 मार्च शुक्र

सिद्ध महापुरुषों के जन्मदिन

स्वामी विवेकानन्द	21 जनवरी शनि
स्वामी रामानन्दाचार्य	21 जनवरी शनि
नेताजी सुभाषचन्द्र बोस	23 जनवरी सोम
लाला लाजपतराय जयं.	28 जनवरी शनि
सिद्ध बाबा लालदयाल जी	31 जनवरी मंगल
श्री गुरु रविदास जयंती	13 फरवरी सोम
श्री गुरु रामदास जी	22 फरवरी बुध
स्वा. दयानन्द सरस्वती	26 फरवरी रवि
श्रीरामकृष्ण परमहंस	1 मार्च बुध
श्री चैतन्य महाप्रभु	14 मार्च मंगलवार
सन्त श्रीतुकाराम	17 मार्च शुक्र
शहीदी स: भगत सिंह	23 मार्च गुरु
श्री महावीर जयंती	11 अप्रैल मंगल
डॉ. बी.आर. अम्बेदकर	14 अप्रैल शुक्र
श्री वल्लभाचार्य जयं.	24 अप्रैल सोम
श्री छत्रपति शिवाजी जयं.	29 अप्रैल शनि
श्री परशुराम जयं.	30 अप्रैल रवि
आ. गुरु शंकराचार्य	2 मई मंगलवार
स्वामी रामानुजाचार्य	3 मई बुध
श्री रविन्द्रनाथ टैगोर	7 मई रविवार
श्री नारद जयन्ती	15 मई सोम
महाराणा प्रताप	30 मई मंगल
सन्त कबीर जयंती	11 जून रवि
श्री ध्यानू भगत जयंती	24 जून शनि
ऋषि वेदव्यास जयंती	11 जुलाई मंगल
लोकमान्य तिलक जयं.	23 जुलाई रवि
गो. सन्त तुलसीदास	1 अगस्त मंगल
सन्त ज्ञानेश्वर	16 अगस्त बुध
भक्त नवल (जोधपुर)	16 अगस्त बुध
श्री चन्द्र जयंती	2 सितम्बर शनि
स्वामी शिवानन्द जी	8 सितम्बर शुक्र
श्री अग्रसेन जयंती	23 सितम्बर शनि
महात्मा गाँधी, शास्त्री जी	2 अक्तूबर सोम
श्री माधवाचार्य	2 अक्तूबर सोम

श्री धनवन्तरी	19 अक्तूबर गुरु
श्री हनुमान जयंती	20 अक्तूबर शुक्र
विश्वकर्मा जयंती	24 अक्तूबर मंगल
श्री वीर वैरागी	3 नवम्बर शुक्र
श्री गुरु नानक देव	5 नवम्बर रवि
महा. रणजीत नेहरू	13 नवम्बर सोम
पं. जवाहरलाल नेहरू	14 नवम्बर मंगल
सत्य श्री साईं बाबा	23 नवम्बर गुरु
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	3 दिसम्बर रवि
श्री दत्तात्रेय	4 दिसम्बर सोम

(सन् 2007 ई.)

स्वामी रामानन्दाचार्य जी	10 जन बुध
स्वामी विवेकान्द जी	10 जन बुध
सिद्ध बा. लालदयाल जी	20 जनवरी शनि
नेताजी सुभाषचन्द्र बोस	23 जनवरी मंगल
लाला लाजपतराय जी	28 जनवरी रवि
गुरु रविदास जी	2 फरवरी शुक्र
गुरु रामदास जी	11 फरवरी रवि
स्वामी दयानन्द सरस्वती	12 फरवरी सोम
परमहंस रामकृष्ण जी	19 फरवरी सोम
श्री चैतन्य महाप्रभु	3 मार्च शनि
सन्त तुकाराम जी	6 मार्च मंगल

जम्मू-कश्मीर के मेले

लोहड़ी पर्व	13 जनवरी शुक्र
मे. पुरमण्डल (जम्मू)	27-28 मार्च सोम मंगल
गुप्तगंगा (अखनूर)	28-30 मार्च मंगल बुध गुरु
नवरात्रे पर्व (कटड़ा)	30 मार्च से 5 अप्रैल
गुरुगद्दी 1008 सतगुरु बा.	13-14 अप्रैल गुरु शुक्र
कांशीगिर जी (सुन्दरबनी)	13-14 अप्रैल गुरु शुक्र
मे. बाहूफोर्ट	5 अप्रैल, बुध
मे. रामबन	6 अप्रैल, गुरु
नृसिंह चौदश (ऊधमपुर)	11 मई गुरु
मे. मानसर	2 से 3 जून शुक्र शनि
मे. क्षीर भवानी	4 जून रवि
शुद्ध महादेव (ऊधमपुर)	11 जून रवि
जन्म गुरु हरगोबिन्द	12 जून सोम
मे. शरीक भवानी	5 जुलाई बुध
मे. हरिप्रयाग (बनी)	7 जुलाई शुक्र
मे. ज्वालामुखी	10 जुलाई सोम
मे. रूद्रगंगा, सोमेणी देसा (डोडा)	11 जुलाई मंगल
शहीदी दिवस	13 जुलाई गुरु
दर्शन श्री अमरनाथ गुफा	9 अगस्त बुध
मेला स्वा. शंकराचार्य	9 अगस्त बुध
मे. रामबन	16 अगस्त बुध
कैलाश यात्रा प्रारम्भ	21-22 अगस्त सोम मंग
मेला पात (भद्रवाह)	29-31 अगस्त मंग बुध गुरु
मेला आशापति, मार्तण्ड	21-22 सितंबर गुरु शुक्र
मेला झिड़ी बाबा	5 नवम्बर रवि
मेला पुरमण्डल	19 नवम्बर रवि

हिमाचल प्रदेश के मेले-सन् 2006 ई.

मे. श्री ब्रह्मा (कुल्लू)	20 जनवरी शुक्र
बसन्त पंचमी (बिलासपुर)	2 फरवरी गुरु
श्रीमहाशिवरात्रि (मण्डी)	26 फरवरी से 6 मार्च
कालेश्वर महादेव (नादौन)	26 फरवरी
मे. स्वर्गाश्रम (नूरपुर)	26 फरवरी
मे. काठगढ़	26 फरवरी
मे. बैजनाथ (कांगड़ा)	27 फरवरी
बड़भाग सिंह (ऊना)	11 से 14 मार्च
बाबा बालकनाथ प्रारंभ	14 मार्च
कनिहारा (धर्मशाला) प्रा.	14 मार्च
सुजानपुर टिहरा (हमीरपुर)	14 से 19 मार्च
होला मेला (पौंटा साहिब)	15 मार्च
नलवाड़ (बिलासपुर)	17 से 22 मार्च
नलवाड़ (सुन्दरनगर)	22 से 29 मार्च
बाला सुन्दरी (सिरमौर)	30 मार्च से 13 अप्रैल
नयना देवी (बिलासपुर)	30 मार्च से 6 अप्रैल
लाहौल (मण्डी)	4 अप्रैल
श्री दुर्गाष्टमी (कांगड़ा)	5 अप्रैल
नलवाड़ (घुमारवीं)	5 से 9 अप्रैल
मेला रोहरू (महासू)	9 से 10 अप्रैल
मे. मारकण्डा (बिलासपुर)	12 से 16 अप्रैल
कालेश्वर महादेव, दोहरा	14 अप्रैल
राजगढ़ (सिरमौर)	14 से 16 अप्रैल
बिशू	14 अप्रैल से
हिमाचल दिवस	15 अप्रैल
कशाधा, हुरला (कुल्लू)	16-17 अप्रैल
खुनाणी (शिम, कुल्लू)	20-21 अप्रैल
पीपल जातर (कुल्लू)	28-30 अप्रैल
मे. स्वीटी	30 अप्रैल
मणीकरण (कुल्लू)	7-13 मई
ढुंगरी जातर (मनाली)	14-15 मई
पशु मेला	15 मई
मे. शाढ़ी जातर, नगर	18-23 मई
हरि देवी (घुमारवीं)	21 मई
मे. शीतलादेवी (सुंदरनगर)	22-24 मई
मे. मुरारी देवी (सरकाघाट)	25-27 मई
ग्राम पंचगाई (बिलासपुर)	29-30 मई
स्थूल मढोल	1-4 जून

मे. पीपलू (हमीरपुर)	7 जून
मेला भुन्तर (कुल्लू)	15 - 17 जून
मे. अहल (हमीरपुर)	15 जून
टौणी देवी (हमीरपुर)	24 जून
मे. माँशूलिनी (सोलन)	25 - 27 जून
मे. त्रिमौणी (सिरमौर)	9 जुलाई
मे. नागनी (नूरपुर)	16 जुलाई
सिद्ध बाबा शिव्वो (ज्वाली)	23 जुलाई
मिंजर (चम्बा) प्रारंभ	23 जुलाई
मे. चिन्तपूर्णी (ऊना) प्रा.	26 जुलाई से 9 अगस्त
नयनादेवी (बिलासपुर)	26 जुलाई से 2 अगस्त
संतोषी माता (लदरौर)	16 अगस्त
गुग्गा नवमी (बिलासपुर)	17 अगस्त
बंद्राल (कुल्लू)	17 अगस्त
अम्बिकादेवी-सदर (मण्डी)	22 अगस्त
गणपति उत्सव (मण्डी)	27 अगस्त
मे. वामन द्वादशी (नाहन)	5 सितंबर
मे. सायर (अर्की)	16 सितम्बर
मे. चामुण्डा (कांगड़ा)	23 सितंबर से 1 अक्तूबर
मे. बगुलामुखी (वनखण्डी)	23 सितम्बर से 2 अक्तूबर
मे. रामलीला	23 सितंबर से 2 अक्तूबर
शीतलामाता (मच्छिभवन)	30 सितम्बर
मे. ज्वालामुखी	30 सितम्बर से 2 अक्तूबर
मे. तारादेवी (शिमला)	30 सितम्बर से 2 अक्तूबर
मे. दशहरा (कुल्लू)	2 से 7 अक्तूबर
मे. काली बाड़ी (शिमला)	20 - 22 अक्तूबर
मे. रेणुका रिवालसर (सिरमौर)	1 - 2 नवम्बर
मे. जोगी पांगा, ऊना	5 नवम्बर
मे. लावी (रामपुर, चिच्चोट)	11 - 14 नवम्बर

क्रिश्चियन त्यौहार

नववर्ष प्रारम्भ	1 जनवरी शनि
गुड फ्राइडे	14 अप्रैल शुक्र
ईस्टर सण्डे	16 अप्रैल रवि
लो सण्डे	23 अप्रैल रवि
क्रिसमिस डे	25 दिसम्बर सोम
(2007 ई.)	
नववर्ष प्रारंभ	1 जनवरी सोम

दशमहाविद्या जयन्ती

श्री महातारा जयंती	6 अप्रैल गुरु
श्री मातङ्गी जयंती	30 अप्रैल रवि
श्री बगुलामुखी जयंती	6 मई शनि
श्री छिन्नमस्तिका जयंती	13 मई शनि
श्री धूमावती जयंती	4 जून रवि
श्री महाकाली जयंती	15 अगस्त मंगल
श्री भुवनेश्वरी जयंती	5 सितम्बर मंगल
श्री कमला जयंती	9 अक्तूबर सोम
श्री त्रिपुरभैरव जयंती	4 दिसम्बर सोम
श्री ललिता जयंती	2 फरवरी शुक्र

दशावतार जयंतियां

श्री मत्स्यावतार जयंती	31 मार्च शुक्र
श्री रामावतार जयंती	6 अप्रैल गुरु
श्री परशुराम जयंती	20 अप्रैल रवि
श्री नृसिंहावतार जयंती	11 मई गुरु
श्री कूर्मावतार जयंती	12 मई शुक्र
श्री बुद्धावतार जयंती	13 मई शनि
श्री कल्कि अवतार	31 जुलाई सोम
श्री कृष्णावतार जयंती	15 अगस्त मंगल
श्री वाराहावतार जयंती	26 अगस्त शनि
श्री वामनावतार जयंती	5 सितम्बर मंगल

पञ्चक आरम्भ तथा समाप्ति काल विक्रमी संवत् 2063
30 मार्च 2006 से 19 मार्च 2007

आरम्भ काल (भा.स्टै समय) 2006 घ.मि.	समाप्ति काल (भा.स्टै समय) 2006 घ.मि.
	30 मार्च सायं 4:36
22 अप्रैल रात्रि 12:00	26 अप्रैल अर्द्धरात्रोपरि 4:58
20 मई प्रात: 5:50	24 मई 11:17
16 जून 11:24	20 जून सायं 5:26
13 जुलाई सायं 6:32	17 जुलाई रात्रि 10:48
9 अगस्त रात्रि 4:00	14 अगस्त प्रात: 5:19
6 सितम्बर दिवा 2:48	10 सितम्बर दिवा 2:10
3 अक्तूबर रात्रि 1:10	7 अक्तूबर रात्रि 12:56
31 अक्तूबर प्रात: 9:24	4 नवम्बर दिवा 11:53
27 नवम्बर दिवा 3:21	1 दिसम्बर रात्रि 8:57
24 दिसम्बर रात्रि 8:50	28 दिसम्बर रात्रि 3:02
सन् 2007 ई०	
20 जनवरी रात्रि 4:13	25 जनवरी प्रात: 8:42
17 फरवरी दिवा 2:07	दिवा 3:36
16 मार्च रात्रि 1:03	20 मार्च रात्रि 1:07 तक

पञ्चक विचार

धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण से रेवती नक्षत्रान्त तक पञ्चक होते हैं। शास्त्र दृष्टि से पञ्चकों में लकड़ी काटना; लकड़ी खरीदना; दक्षिण दिशा की यात्रा; प्रेत दाह संस्कार; धातु संचय करना; दुकान-मकान का छत डालना; चटाई, चारपाई, सोफा, आदि का बनाना शुभ नहीं होता। पञ्चकों में यदि यह कार्य किए जाएँ तो उसमें पाँच गुणा हानि होती है। **ध्यान रहे**– विवाह, मुण्डन, यज्ञोपवीत, गृहारम्भ, गृहप्रवेश, वधु प्रवेश, रक्षाबन्धन, भैया दूज, आदि पर्वों में शास्त्रकारों ने कहीं भी निषेध नहीं किया है। व्यर्थ में पञ्चकों के विषय में भ्रमित नहीं रहना चाहिए।

–सम्पादक

निरयण संक्रान्ति प्रवेश एवं पुण्यकाल–सन् 2006 – 07 ई.

नाम संक्रान्ति	ता. मास. वार	प्रवेशकाल	पुण्यकाल विवरण
माघ संक्रान्ति	14 जन. शनि	11 - 54	प्रातः उषा काल से प्रारम्भ
फागु. संक्रान्ति	12 फर. रवि	24 - 55	अगले दिन प्रातः 7 - 19 तक
चैत्र संक्रान्ति	14 मार्च मंग	21 - 49	दुपैहर के बाद
वैशाख संक्रान्ति	14 अप्रै शुक्र	6 - 19	प्रातः काल से दुपैहर तक
ज्येष्ठ संक्रान्ति	14 मई रवि	3 - 10 रात्रि	अग्रिम दिन दुपैहर तक
आषाढ़ संक्रान्ति	15 जून गुरु	9 - 45	पूरा दिन
श्रावण संक्रान्ति	16 जुला रवि	8 - 37 रात्रि	दुपैहर के बाद
भाद्र. संक्रान्ति	16 अग. बुध	5 - 02 रात्रि	अग्रिम दिन दुपैहर तक
आश्विन संक्रान्ति	16 सित. शनि	5 - 00 रात्रि	अग्रिम दिन दुपैहर तक
कार्तिक संक्रान्ति	17 अक्तू. मंग	4 - 58 दिन	दुपैहर से शाम तक
मार्ग. संक्रान्ति	16 नवं. गुरु	4 - 45 सायं	प्रातः 10 बजे से शाम तक
पौष संक्रान्ति	16 दिसं. शनि	7 - 23 प्रातः	दुपैहर तक
माघ संक्रान्ति	14 जन. रवि	6 - 06 सायं	दुपैहर से शाम तक
फागु. संक्रान्ति	12 फर सोम	7 - 06 प्रातः	अग्रिम दिन
चैत्र संक्रान्ति	14 मार्च बुध	3 - 58 रात्रि	अग्रिम दिन दुपैहर से पूर्व

गुरु–पर्व दश गुरु साहिबान संवत् 2063 (प्राचीन मतानुसार) (नानकशाही कैलण्डर मतानुसार)

सद्गुरु साहिबान के नाम	जन्म दिन	गुरयाई	ज्योति – ज्योत	जन्म दिन	गुरयाई	ज्योति – ज्योत
(1) गुरु नानक देव जी	5 नवम्बर	जन्म से	16 सितम्बर	5 नवम्बर	जन्म से	22 सितम्बर
(2) गुरु अंगद देव जी	28 अप्रैल	12 सितम्बर	1 अप्रैल	18 अप्रैल	18 सितम्बर	16 अप्रैल
(3) गुरु अमरदास जी	12 मई	30 मार्च	7 सितम्बर	23 मई	16 अप्रैल	16 सितम्बर
(4) गुरु रामदास जी	8 अक्तूबर	6 सितम्बर	26 अगस्त	9 अक्तूबर	16 सितम्बर	16 सितम्बर
(5) गुरु अर्जुन देव जी	20 अप्रैल	25 अगस्त	31 मई	2 मई	16 सितम्बर	16 जून
(6) गुरु हरगोबिन्द जी	12 जून	20 मई	2 अप्रैल	5 जुलाई	11 जून	19 मार्च
(7) गुरु हरिराय जी	10 फरवरी	27 मार्च	15 अक्तूबर	31 जनवरी	14 मार्च	20 अक्तूबर
(8) गुरु हरकिशन जी	19 जुलाई	15 अक्तूबर	12 अप्रैल	23 जुलाई	20 अक्तूबर	16 अप्रैल
(9) गुरु तेग बहादुर जी	18 अप्रैल	11 अप्रैल	25 नवम्बर	18 अप्रैल	16 अप्रैल	24 नवम्बर
(10) गुरु गोबिन्द सिंह जी	6 जनवरी (07)	23 नवम्बर	27 अक्तूबर	5 जनवरी	24 नवम्बर	21 अक्तूबर

श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी का प्रथम प्रकाश – 1 सितम्बर

राजा मन्त्री आदि का विवरण

ऊँ श्री गणेशाय नमः

अथास्मिन् दर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापुरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०७ भोग्यकलिः ४२६८९३ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीर - विक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६३ शाकः १९२८ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरु। मन्त्रीशुक्रः। सस्येशो रवि। धान्येशो शनिः। मेघेशोगुरु। रसेशश्चंद्र। नीरसेशः रवि। फलेशो बुधः। धनेशः शुक्रः। दुर्गेशोबुधः। एतेदशाधिकारिणाः। तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १३ विकारिनाम संवत्सरः प्रवर्नते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः १०/२७/२४/५८ भोग्यमासादिः १/२/३५/२ पितृदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम वैशाखः। मेघनाम पुष्करः। रोहिणीनिवासः पर्वते। समयनिवासो कुंभकारगृहे। समय विश्वा १० समयवाहनम् चातकः। स्तंभौः २ जलतृणयोः सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी ३, भानुसप्तमी २ रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३५१, तिथिक्षयः १४ तिथिवृद्धिः ५ उत्पत्तिविश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् ५ तृणम् १५ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०९ सत्यम्।। धर्म १४ पापं १८ शनिदृष्टिः दक्षिणेग्रहणानि ५ चन्द्रस्य २ सूर्यस्य ३)।

राजा मन्त्री आदि का शास्त्रोक्त निर्णय

चैत्रस्य शुक्लप्रतिपत्तिथौ यो वारः स उक्तो नृपतिस्तदाब्दे।
मेषप्रवेशे किल भास्करस्य यस्मिन्दिने स्यात्स तु राजमन्त्री।।
कर्कसंक्रान्तेर्यो वारः स अग्रधान्येश्वरः।
धनसंक्रान्तेर्यो वारः स पश्चिमधान्येश्वरः।।
कर्कप्रवेशे दिनपस्य उक्तं सस्यस्य नाथो मुनिभिः पुराणैः।
आर्द्राप्रवेशे दिननाथ उक्तो मेघाधिपः प्रोक्तनविप्रवर्यैः।।
सिंहसंक्रान्तिवारेशो दुर्गेशः परिकीर्तितः।
कन्यासंक्रान्तिदिनपो धनेशः परिकीर्तितः।।
तुलाप्रवेशेऽह्नि यस्य वारो रसाधिपोऽयं नियतः प्रदिष्टः।
चापप्रवेशे दिवसाधिनाथे धान्याधिपो वै कथितो मुनीन्द्रैः।।
नक्रसंक्रान्तिवारेशो नीरसेशः प्रकीर्तितः।
मीनसंक्रान्तिदिनपः फलेशः परिकीर्तितः।।

दशाधिकारी – शुभाशुभफलम्

बार्हस्पत्यमान से 33वां विकारी नामक नया संवत्सर 2063 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 30 मार्च 2006 वृहस्पतिवार को प्रारम्भ होगा। आगामी संवत् 2063 में सङ्कल्पादि में विकारी नामसंवत्सर का प्रयोग करना श्रेयस्कर रहेगा।

विकारी नामक संवत्सर का फल

स्तोकं जलं मुञ्चति वारिवाहस्तथापि नाना विधसस्यपूर्वा
विकारिवर्षे निखिला जनास्ते जीवन्ति नानाविध वृक्षमूलैः
(वसिष्ठासंहिता 6/61)

विकारी संवत्सर में मेघराज न्यून जल वृष्टि करते हैं तो भी नाना प्रकार के सस्यों (धान्यों) से भरपूर एवं नाना प्रकार के वृक्ष मूल फलों द्वारा प्रजा सुख से जीवनानन्द प्राप्त करती है।

विकारिणो विकार्यब्दे पित्तरोगादिर्भिनराः।
मेघो वर्षति सम्पूर्णं समुद्रवसनक्षितौ।। ना.स. 3-49

विकारि नाम संवत्सर में मनुष्य पित्तादि रोगो से पीड़ित अत्याधिक वर्षा के कारण जन धनादि की क्षति होने की सम्भावना रहेगी।

1. वर्ष के राजा गुरु का फल

गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुधाश्चधेनवः।
यजन्ति विप्रा वाह्वोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवः सर्वजनेषु वर्तते।।

वर्ष का राजा वृहस्पति होने से प्रचुर वर्षा हो, गाय भैंसादि चौपासे अच्छी मात्रा में दूध देंगे। ब्राह्मण लोग धर्म परायण होकर यज्ञ होमादि करते रहेंगे जनता परस्पर उत्सवों में व्यस्त रहेगी।

2. मन्त्री शुक्र का फल

भृगुसुतेननुमन्त्रिपदं गते शलभमूषकशुकरौहिषः
भवति धान्य समर्धतयामलं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम्।

मन्त्री शुक्र होने के कारण टिड्डी दल मूषक, शलभ तोतादि, अतिवृष्टि, भूस्खलन (भूकम्प), सूखा बाढ़ इत्यादि से प्राकृतिक प्रकोपों का भय अधिक होगा, बादल अच्छे बरसेंगे, धान्य प्रचुर होगा, भयानक रोगों की उत्पत्ति होने की सम्भावना होगी। शुक्र स्त्री ग्रह है अतः इस वर्ष देश में स्त्री जाति का वर्चस्व अधिक होगा।

3. सस्येश सूर्य का फल

सस्याधिनाथेत्तरणौहिपूर्व धान्यं समर्धं बहवोपिचौराः।
युद्धं नृणाणां जलदा जलाढयाः स्वल्पं च सस्यं बहुभूतहाश्च।

फसलों का स्वामि सूर्य बना है अतः धान्य मंहगा, राजाओं में परस्पर युद्ध, चोरों की अधिकता, प्रचुर मात्रा में वर्षा होगी परन्तु अन्न की कमी से जनता में परेशानी होगी।

4. धान्येश शनि का फल

निर्धनाः क्षिति भुजोरणादराः सस्यमल्पमनि रोगोणोनराः
नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद् यदाव्यकणयः शनैश्चरः।।

धान्येश शनि आ जाने से उपयोगी समय पर वर्षा की न्यूनता, फसलों की पैदावार कम होगी, युद्धाभ्यास अथवा युद्ध की तैयारियों में धन का खर्चा अधिक, विविध प्रकार के लाईलाज रोगों से जनता पीड़ित हो, भूखमरी की स्थिति तथा किसी वरिष्ठ नेता का निधन होने की सम्भावना होगी।

5. मेघेशगुरु का फल

गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाखिल विलासवती धरणीतदा
श्रुति विचारपरा नरपालकाः रस समृद्धियुताखिलमानवाः।

देवगुरु वृहस्पति की कृपा से प्रचुर वर्षा के योग हैं पृथ्वी पर सुख विलास तथा उपभोग वस्तुओं की भरमार होगी, उच्च पदाधिकारी, प्रतिष्ठित मान्य लोग धार्मिक प्रवृत्ति के हो जाएँ। अधिकतर लोग सुख साधन एवं धन सम्पदा से युक्त होंगे, शास्त्र विधिविधान को सभी लोग स्वीकार करेंगे।

6. रसेश मंगल का फल

यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशि युता जनता शुभा।
नरपतिर्विषमोभोजन जनता नदो जलदो बहुवृष्टिकरो भुवि।।

उपयोगी वर्षा की न्यूनता, रससम्पन्न चीजों में रस की कमी हो, लोगों में परस्पर प्रेम भावनाओं की कमी होगी, राजनेताओं का व्यवहार जनता के प्रति प्रतिकूल रहेगा, खाद्य पदार्थ सभी महंगे होंगे।

7. फलों के स्वामी बुध का फल

यदि बुधेफलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा।
बहुतृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जनसौख्यमुदान्वितः।।

फलों का स्वामी बुध है अतः पृथ्वी पर प्रचुर वर्षा के योग है, फल फूल, तृण घासादि की मात्रा अधिक हो अधिकांश लोग सुख सुविधाओं से सम्पन्न एवं आनंद सहित रहेंगे।

8. नीरसेश सूर्य का फल

नीरसाधिपतौसूर्येताम्रचन्दनयोरपि।
रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धि प्रजायते।।

धातुओं का स्वामी सूर्य बना है अतः सोना, चान्दी, ताम्बा, लोहा, लाल चन्दन, माणिक्य, मोती पुरवराज पन्नादि रत्नों के मूल्यों में वृद्धि होगी।

9. धनेश शनि का फल

द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा।
अधनतां वणिजां कृषि जीविनो द्विजवराः परिपीड़ितमानसाः।।

साधारण जनता के पास धन की कमी, राजालोग रोग, भ्रष्टाचार एवं असन्तोष के कारण परेशान रहेंगे, व्यापारी एवं किसान लोग सरकारी नीतियों से परेशान रहेंगे, दुष्ट लोगों में ब्राह्मणों का मान-सम्मान न हो अर्थात् ब्राह्मण वर्ग पीड़ित रहेगा।

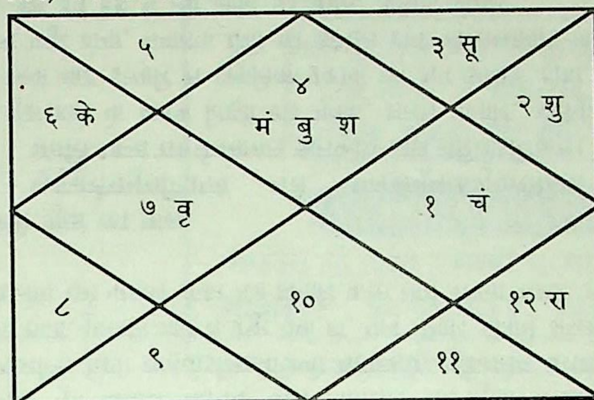
10. दुर्गेश (सेना) बुध का फल

विषम साम्यसुखंशशिजे प्रभौभवति राष्ट्रजनेषुविशेषताम्
शशिसुतेयदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुतां न भयं क्वचित।

सेनाधिपति बुध होने के कारण जनता को सम विषय दोनों प्रकार की स्थितियों का सामना करना होगा, सुख सुविधाओं से सम्पन्न, धनवान लोगों को किसी भी प्रकार का भय नहीं होगा।

आर्द्रा प्रवेश लग्नम्

वि. संवत् २०६३ में सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में आषाढ़ कृष्ण द्वादशी तिथि गुरुवार दिवा०घ०९/मि० 22 भरणी नक्षत्र, चन्द्र मेष राशिस्थ कर्क लग्न में प्रवेश करेगा।



आर्द्रा प्रवेश लग्न कर्क जलतत्त्व प्रधान है चन्द्रमा मेष (अग्नि तत्त्वराशि) में दशम स्थान में है चन्द्रमा पर गुरु की सप्तम दृष्टि भी है शुक्र स्वक्षेत्री बलशाली होकर एकादश भाव में है– मंगल शनि बुध का योग लग्न में है अतः योगायोग विचार से इस वर्ष पर्याप्त मात्रा में वर्षा होगी परन्तु कहीं-कहीं समयानुकूल उपयोगी वर्षा की न्यूनता भी होगी। नदियों में बाढ़ की भीष्म परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है, जनधन की हानि भी होगी, चावल, गन्ना तथा अन्य फसलें पर्याप्त मात्रा में हो जाएंगी।

आय व्यय चक्र (विंशोत्तरी मतानुसार)

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धन	मकर	कुम्भ	मीन
लाभ	११	५	८	२	५	८	५	१	१४	२	२	१४
व्यय	५	१४	११	११	५	११	१४	५	११	८	८	११

लाभ व्यय देखने की रीति :– अपनी राशि के लाभ खर्च अंकों को जोड़कर एक घटा कर ८ का भाग देने पर यदि १,२,६,७ बचें तो वर्ष उत्तम फलप्रद ३,४,५,० बचें तो वर्ष अधमफलप्रद जानें। "शुभमस्तु"

प्राक्कथन

रामाय रामभद्राय राम चन्द्राय वेधसे।
रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः।।

श्रीराम के लिए, रामभद्र के लिए, जगन्निर्माता के लिए और सीता पति स्वामी रघुनाथ के लिए मेरा नमस्कार है।

नमस्कृत्य गणाधीशं गुरुत्रयं च सरस्वतीम्।
पञ्चाङ्ग दृग्गणित तुल्यं संशोध्य क्रियतेमया।।

श्री गणेश जी, श्रद्धेय गुरुजन एवं माता सरस्वती जी को प्रणाम कर दृग्गणित, सूक्ष्मदृश्य गणिततुल्य 'श्रीराघवेन्द्र पञ्चाङ्गम्' की रचना की है।

मान्यवर, आपके करकमलों में 'श्रीराघवेन्द्र पञ्चाङ्गम्' का छठा अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है इसका निर्माण केतकी चित्रापक्षीय अयनांश तत्तुल्य सूक्ष्मातिसूक्ष्म गणित द्वारा ग्रीन्विच से पूर्व रेखांश 74°/54" एवं उत्तर अक्षांश 32'-44" पर स्थित परमपवित्र तविषी (तवी) नदी के तट पर स्थित जम्मू नगर के आधार पर किया गया है। सम्पूर्ण भारतवर्ष के लिए उपयोगी इस पञ्चाङ्ग का गणित कम्प्यूटर द्वारा किया गया है अतः गणित में भ्रान्ति की आशंका नहीं है।

ज्योतिषशास्त्र का कर्मकाण्ड तथा धर्मशास्त्र के साथ विशेष सम्बंध है अतः इस प्रकाशन में कर्मकाण्ड सम्बंधी वेद मन्त्रों का संकलन किया गया है। वेदों में प्रधान स्थान 'कर्मकाण्ड' को ही प्राप्त है। **यज्ञ ही वेदों का मुख्य विषय है।** वेदों का मुख्य विषय होने के कारण वेद मन्त्रों का उच्चारण यज्ञों में किया जाता है। वेदमन्त्रों के बिना यज्ञ नहीं हो सकते और यज्ञों के बिना वेदमन्त्र सार्थक नहीं लगते, यहाँ यह बात स्पष्ट हो जाती है कि वेद हैं तो यज्ञ है और यज्ञ है तो वेद हैं **'वेदास्तु यज्ञार्थमभिप्रवृत्ताः'** वेदों का प्रकाश यज्ञों के लिए ही ईश्वर ने किया है। जिस प्रकार वेद अपौरुषेय, नित्य और अनादि हैं। उसी प्रकार यज्ञ भी अपौरूषेय, नित्य और अनादि हैं वेद से भी प्राचीन **'यज्ञ'** है।

'यज्ञोवैश्रेष्ठतमं कर्म' – शतपथ ब्राह्मण के अनुसार यज्ञ अत्यन्त श्रेष्ठ कर्म है और यज्ञ के विधिविधान को करवाना भी उतना ही कठिन है।

स्थायी स्तम्भ कर्मकाण्ड के अन्तर्गत श्रीशिवार्चन विधि प्रस्तुत की है, सभी विद्वानों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी ऐसा मेरा विश्वास है।

श्री राघवेन्द्र सरकार की अपार कृपा से पूज्य पिताश्री पं० रामेश्वर दत्त रैणा (राज ज्योतिषी) जी की पुण्य स्मृति में 'श्री रामेश्वर चैरीटेबल ट्रस्ट' का निर्माण किया गया है, जिसके मुख्योद्देश्य निम्न प्रकार से होंगे :-

1. संस्कृत एवं ज्योतिष केन्द्र का निर्माण करके संस्कृत की शोधपूर्ण पुस्तकों को प्रकाशन करना 'श्रीराघवेन्द्रपञ्चाङ्गम्' भी ट्रस्ट के आधीन ही छपेगी। इस कार्य में कोई भी मुनाफा नहीं लिया जाएगा।
2. ज्योतिष एवं संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए कार्य करना।
3. शोध कार्य में प्रवृत्त विद्वानों की सहायता करना।
4. संस्कृत विद्यार्थियों अथवा संस्कृत सीखने की इच्छा व्यक्त करने वालों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करना।
5. निर्धन कन्याओं एवं बालकों को, विकलाङ्गों को, विधवाओं को सहायता करना।
6. संस्कृत, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, कर्मकाण्ड विषयों पर सभाओं का आयोजन करना तथा पूज्य विद्वानों को सम्मानित करना।
7. विपत्ति काल, बीमारी, दुर्भिक्ष, भूकम्प अथवा कुदरती आपदाओं में जनसामान्य की सहायता करना।

उपर्युक्त सभी बातों को श्रीराघवेन्द्र जी ही पूरा करेंगे। इस बार पञ्चाङ्ग कुछ विलम्ब से प्रकाशित हो पाया है इसका मुझे खेद है। प्रायशः विजयदशमी पर पञ्चाङ्ग छप कर आ जाना चाहिए था। श्री राघवेन्द्र जी की अपार कृपार से गताङ्क में पृष्ठ संख्या 17 पर प्रकाशित सभी भविष्यवाणियाँ सत्य हुई हैं।

1. 'विकारी' नामक संवत्सर में राजाओं में परस्पर वैमनस्य चरम सीमा पर पहुंचेगा तथा देश के विकास में न्यूनता आएगी।
2. राजा वृहस्पति, मन्त्री शुक्र होने के कारण ब्राह्मण वर्ग धर्मपरायण होने पर भी संतप्त रहेगा। राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में स्त्रियों का वर्चस्व अधिक होगा।
3. भारत सरकार की आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति में नाम मात्र सुधार होगा। उपयोगी वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि, निरन्तर होगी, बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार तथा जनता में असन्तोष रहेगा।
4. भाजपा वर्तमान में विखराव की ओर जा रही है परन्तु निकट भविष्य में एक विशेष पार्टी के रूप में उभरेगी। भारतीय जनता पार्टी में मुख्य नेता के लिए समय चिन्ताजनक, सत्ता परिवर्तन के योग प्रबल हैं।
5. कश्मीर एवं कश्मीरियों की समस्या यथावत् रहेगी। पाकिस्तान के साथ चाहे सम्बन्ध अच्छे हो जाएँ, परन्तु उग्रवाद समस्या यथावत् रहेगी, आतंकवाद का भय जनता में रहेगा।
6. स्थानीय पार्टी नैशनल कान्फ्रैंस पुनः एक विश्वसनीय पार्टी के रूप में जम्मू-कश्मीर की सेवा के लिए आगे आएगी। डॉ० फारूक अब्दुल्ला जी को मान सम्मान प्राप्त होगा।

श्री राघवेन्द्र पञ्चाङ्ग परिचय

1. पञ्चाङ्ग में सर्वत्र निरयन पद्धति को अपनाया गया है।
2. तिथि, नक्षत्र, करण, योगादि घटीपल जम्मू सूर्योदय से समाप्तिकाल बतलाते हैं।
3. सूर्योदय व्यापी करण लिखे गए हैं।
4. चन्द्रचार भारतीय स्टै॰ समय में लिखा है, ध्यान रहे, दिन के लिए 'दि', दिनांक सायं के लिए 'सा', प्रातः के लिए 'प्रा.' रात्रि के लिए 'रा.' शब्दों का प्रयोग किया गया है, आशा है पाठकों को सुविधा होगी।
5. पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश सभी स्टै॰ टाईम में दिया गया है।
6. पंक्तियों की सभी कुण्डलियाँ जम्मू सूर्योदय कालिक हैं।
7. पंक्तियों में अष्टमी, पूर्णिमा, अमावस्या के स्पष्टग्रह दैनिक गति, वक्री, मार्गी, उदय, अस्त, ग्रह किस नक्षत्र में कौन से चरण में है दर्शाया गया है।
8. दैनिक लग्न सारिणी जम्मू की है।
9. पञ्चाङ्ग में तिथि व्रत, पर्व, त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान डॉ॰ बिहारीलाल जी द्वारा विरचित 'तिथिवार कल्पाङ्कुर' से लिए गए हैं।
10. चर सारिणी, क्रान्ति सारिणी, वेलान्तर सारिणयों के निर्माता डॉ॰ कल्याण दत्त शर्मा ज्योतिषाचार्य हैं।
11. विस्तृत गुण मिलान सारिणी में वर्ण, वश्य तारादि दोषों का निरूपण स्पष्ट रूप में किया है। जिस दोष के सामने शून्य लिखा है वही दोष मिलान में समझना चाहिए इसका उदाहरण गुण मिलान सारिणी के अन्त में समझाया गया है।
12. नवीन संस्करण में दैनिक लग्न सारिणी 'हरिद्वार' एवं कांगड़ा (हि.प्र.) का समावेश किया गया है। इन सारिणीयों का गणित कम्प्यूटर की सहायता से सैकण्डों तक किया गया है भ्रान्ति होने की सम्भावना बिल्कुल नहीं है।

छठे प्रकाशन में विद्वानों द्वारा प्राप्त सुझावों को दृष्टि में रखते हुए सम्पादन कार्य सम्पन्न किया गया है फिर भी जो त्रुटियाँ रह गई हों तो पञ्चाङ्ग प्रेमी पाठक अपने-अपने सुझाव देकर मुझे अनुगृहीत करेंगे। भूल या त्रुटि रह जाना मनुष्य का विकार है उसमें सुधार कर लेना या ज्ञात करवा देना एक विशेष योग्यता का मापदण्ड है। अतीत एवं वर्तमान् के सभी ज्योतिर्विदां गणिताचार्यों तथा भविष्य में होने वाले समस्त विद्वानों को श्रद्धायुक्त प्रणाम करता हूँ।

गच्छतःस्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति साधवः।।

विदुषां चरणचञ्चरीकः
डॉ॰ चन्द्रमौलि रैणा (सम्पादक)

'श्री राघवेन्द्र पञ्चाङ्ग' ज्योतिष कार्यालय के नियम

हमारे ज्योतिष कार्यालय में जन्मपत्रिका, वर्षफल शुद्ध गणित से कम्प्यूटर की सहायता से बनाये जाते हैं विद्या में सफलता, व्यवसाय सम्बंधी प्रश्न, विवाह, सन्तान, विदेश यात्रा, पारिवारिक सुख, इत्यादि महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर ग्रहों के आधार पर शास्त्रीय विधिविधान से अनुशीलन करके दिये जाते हैं।

संक्षिप्त जन्मपत्रिका – अपना भविष्य जानने के लिए जन्म तारीख, जन्म समय, जन्म स्थान, पिता, दादा का नाम, गोत्र जाति इत्यादि भेजें या स्वयं आकर लिखवायें। फीस 200 रुपये होगी, विदेश में उत्पन्न जातक की पत्रिका के लिए 400 रुपये देय होंगे।

सम्पूर्ण वृहद् जन्मपत्री – आपके जीवन में होने वाली महत्त्वपूर्ण घटनाओं, नौकरी, व्यवसाय, शिक्षा विवाहादि के सन्दर्भ में विस्तृत विवरण दिया जाता है। वृहद् जन्मपत्री की फीस 501 से 1100 रुपये तक होगी।

वर्षफल – आपका वर्ष कैसा बीतेगा इसके लिए जन्मपत्रिका की फोटो कापी भेजना आवश्यक है। यदि जन्मपत्री नहीं है तो पत्र लिखने का समय, तारीख, स्थान तथा अपनी पारिवारिक व कारोबारी समस्या स्पष्ट लिखते हुए मनपसन्द फूल का नाम लिखें। फलादेश की फीस 201 से 300 रुपये तक होगी। कृपा पूर्ण राशि अग्रिम भेजें।

कर्मकाण्ड सम्बंधी – हमारे यहाँ उच्चकोटि के कर्मकाण्डी विद्वान हैं विवाह, पूजा, जप, अनुष्ठानादि के लिए पर्याप्त व्यवस्था है। ग्रहों के शान्त्यर्थ, समस्त समाधान हेतु शास्त्रीय विधिविधान से अनुष्ठान करवाये जाते हैं।

डॉ॰ चन्द्रमौलि रैणा प्राध्यापक ज्योतिष जी से प्रत्यक्ष मिलने के लिए आने वाले सज्जन फोन द्वारा पूर्व ही समय निर्धारित कर लें।

संचालक
श्रीराघवेन्द्र पञ्चाङ्ग ज्योतिष कार्यालय
44/2 त्रिकुटा नगर जम्मू
दूरभाष : 0191-2473663,
मोबाईल : 094191-94230; 09418-225699

चन्द्र राशि प्रवेश

ता० मास	राशि	घ०मि०
30 मार्च	मेष	16/35
1 अप्रैल	वृष	18/48
4 अप्रैल	मिथुन	00/26
6 अप्रैल	कर्क	9/55
8 अप्रैल	सिंह	22/10
11 अप्रैल	कन्या	11/05
13 अप्रैल	तुला	22/49
16 अप्रैल	वृश्चिक	8/28
18 अप्रैल	धनु	15/49
20 अप्रैल	मकर	20/57
23 अप्रैल	कुंभ	0/06
25 अप्रैल	मीन	1/46
27 अप्रैल	मेष	2/57
29 अप्रैल	वृष	5/05
1 मई	मिथुन	9/44
3 मई	कर्क	18/00
6 मई	सिंह	5/34
8 मई	कन्या	18/27
11 मई	तुला	6/10
13 मई	वृश्चिक	15/15
15 मई	धनु	21/44
18 मई	मकर	2/21
20 मई	कुंभ	5/51
22 मई	मीन	8/41
24 मई	मेष	11/16
26 मई	वृष	14/21
28 मई	मिथुन	19/06
31 मई	कर्क	2/43
2 जून	सिंह	13/36
5 जून	कन्या	2/23
7 जून	तुला	14/23
9 जून	वृश्चिक	23/29
12 जून	धनु	5/17
14 जून	मकर	8/48
16 जून	कुंभ	11/23
18 जून	मीन	14/06
20 जून	मेष	17/26
22 जून	वृष	21/38
25 जून	मिथुन	3/15
27 जून	कर्क	11/03
29 जून	सिंह	21/37
2 जुलाई	कन्या	10/17
4 जुलाई	तुला	22/47
7 जुलाई	वृश्चिक	8/32
9 जुलाई	धनु	14/28
11 जुलाई	मकर	17/16
13 जुलाई	कुंभ	18/34
15 जुलाई	मीन	20/02
17 जुलाई	मेष	22/47
20 जुलाई	वृष	3/19
22 जुलाई	मिथुन	9/44
24 जुलाई	कर्क	18/14
27 जुलाई	सिंह	5/00
29 जुलाई	कन्या	17/37
1 अगस्त	तुला	6/32
3 अगस्त	वृश्चिक	17/18
6 अगस्त	धनु	0/14
8 अगस्त	मकर	3/20
10 अगस्त	कुंभ	3/59
12 अगस्त	मीन	4/04
14 अगस्त	मेष	5/18
16 अगस्त	वृष	8/53
18 अगस्त	मिथुन	15/15
21 अगस्त	कर्क	0/16
23 अगस्त	सिंह	11/29
26 अगस्त	कन्या	0/11
28 अगस्त	तुला	13/14
31 अगस्त	वृश्चिक	0/50
2 सितम्बर	धनु	9/11
4 सितम्बर	मकर	13/37
6 सितम्बर	कुंभ	14/47
8 सितम्बर	मीन	14/19
10 सितम्बर	मेष	14/09
12 सितम्बर	वृष	16/03
14 सितम्बर	मिथुन	21/14
17 सितम्बर	कर्क	5/57
19 सितम्बर	सिंह	17/24
22 सितम्बर	कन्या	6/17
24 सितम्बर	तुला	19/13
27 सितम्बर	वृश्चिक	6/58
29 सितम्बर	धनु	16/20
1 अक्तूबर	मकर	22/25
4 अक्तूबर	कुंभ	1/09
6 अक्तूबर	मीन	1/27
8 अक्तूबर	मेष	0/56
10 अक्तूबर	वृष	1/30
12 अक्तूबर	मिथुन	5/00
14 अक्तूबर	कर्क	12/28
16 अक्तूबर	सिंह	23/23
19 अक्तूबर	कन्या	12/20
22 अक्तूबर	तुला	1/18
24 अक्तूबर	वृश्चिक	12/39
26 अक्तूबर	धनु	22/00
29 अक्तूबर	मकर	5/00
31 अक्तूबर	कुंभ	9/25
2 नवम्बर	मीन	11/25
4 नवम्बर	मेष	11/52
6 नवम्बर	वृष	12/20
8 नवम्बर	मिथुन	14/43
10 नवम्बर	कर्क	20/41
13 नवम्बर	सिंह	6/43
15 नवम्बर	कन्या	19/25
18 नवम्बर	तुला	8/13
20 नवम्बर	वृश्चिक	19/10
23 नवम्बर	धनु	3/46
25 नवम्बर	मकर	10/23
27 नवम्बर	कुंभ	15/21
29 नवम्बर	मीन	18/48
1 दिसम्बर	मेष	20/56
3 दिसम्बर	वृष	22/32
6 दिसम्बर	मिथुन	1/04
8 दिसम्बर	कर्क	6/13
10 दिसम्बर	सिंह	15/06
13 दिसम्बर	कन्या	3/12
15 दिसम्बर	तुला	16/06
18 दिसम्बर	वृश्चिक	3/08
20 दिसम्बर	धनु	11/11
22 दिसम्बर	मकर	16/44
24 दिसम्बर	कुंभ	20/49
27 दिसम्बर	मीन	0/15
29 दिसम्बर	मेष	3/22
31 दिसम्बर	वृष	6/26
सन् 2007 ई०		
2 जनवरी	मिथुन	10/08
4 जनवरी	कर्क	15/38
7 जनवरी	सिंह	0/03
9 जनवरी	कन्या	11/31
12 जनवरी	तुला	0/25

14 जनवरी	वृश्चिक	12/02
16 जनवरी	धनु	20/24
19 जनवरी	मकर	1/24
21 जनवरी	कुंभ	4/12
23 जनवरी	मीन	6/16
25 जनवरी	मेष	8/42
27 जनवरी	वृष	12/09
29 जनवरी	मिथुन	16/56
31 जनवरी	कर्क	23/30
3 फरवरी	सिंह	8/19
5 फरवरी	कन्या	19/34
8 फरवरी	तुला	8/23
10 फरवरी	वृश्चिक	20/40
13 फरवरी	धनु	6/06
15 फरवरी	मकर	11/42
17 फरवरी	कुंभ	14/06
19 फरवरी	मीन	14/50
21 फरवरी	मेष	15/36
23 फरवरी	वृष	17/49
25 फरवरी	मिथुन	22/23
28 फरवरी	कर्क	5/34
2 मार्च	सिंह	15/10
5 मार्च	कन्या	2/44
7 मार्च	तुला	15/30
10 मार्च	वृश्चिक	4/06
12 मार्च	धनु	14/40
14 मार्च	मकर	21/45
17 मार्च	कुंभ	1/03
19 मार्च	मीन	1/36
21 मार्च	मेष	1/08
23 मार्च	वृष	1/35
25 मार्च	मिथुन	4/37
27 मार्च	कर्क	11/10
29 मार्च	सिंह	21/00

सूर्यादि ग्रहों का राशि प्रवेश वक्री-मार्गी एवं उदयास्त घण्टा मिनटों में (सन् २००६-०७ ई०)

सूर्य राशि प्रवेश

ता० मास	राशि	नक्षत्र	घ०मि०
4 मार्च		पू.भा.	21/39
14 मार्च	मीन		21/48
18 मार्च		उ.भा.	6/10
31 मार्च		रेवती	16/57
14 अप्रैल		अश्विनी	6/19
14 अप्रैल	मेष		6/19
27 अप्रैल		भरणी	22/08
11 मई		कृतिका	16/16
15 मई	वृष		3/10
25 मई		रोहिणी	12/30
8 जून	मृग		10/18
15 जून	मिथुन		9/45
22 जून		आर्द्रा	9/22
6 जुलाई		पुन	8/51
16 जुलाई	कर्क		20/37
20 जुलाई		पुष्य	8/28
3 अगस्त		आश्लेषा	7/16
17 अगस्त		मगा	5/02
18 अगस्त	सिंह		5/02
31 अगस्त		पू.फा	00/55
13 सितम्बर		उ.फा.	18/53
17 सितम्बर	कन्या		5/00
27 सितम्बर		हस्त	10/19
10 अक्तूबर		चित्रा	23/23
17 अक्तूबर	तुला		16/58
24 अक्तूबर		स्वाति	9/51
6 नवम्बर		विशा	18/01
16 नवम्बर	वृश्चिक		16/45
20 नवम्बर		अनु	00/04
3 दिसम्बर		ज्येष्ठा	4/20
16 दिसम्बर		मूला	7/23
16 दिसम्बर	धनु		7/23
29 दिसम्बर		पू.षा.	9/32
11 जनवरी		उ.षा.	11/35
14 जनवरी	मकर		18/06
24 जनवरी		श्रवण	13/48
6 फरवरी		धनि	17/02
13 फरवरी	कुंभ		7/05
19 फरवरी		शत	21/29
5 मार्च		पू.भा.	3/50
15 मार्च	मीन		3/58
18 मार्च		उ.भा.	12/16
31 मार्च		रेवती	23/05

मंगल राशि प्रवेश

ता० मास	राशि	नक्षत्र	घ०मि०
3 अप्रैल	मिथुन		16/41
15 अप्रैल		आर्द्रा	7/56
8 मई		पुन	3/08
24 मई	कर्क		22/29
30 मई		पुष्य	11/49
21 जून		आश्ले	12/33
13 जुलाई		मघा	6/03
13 जुलाई	सिंह		6/03
3 अगस्त		पू.फा.	16/15
24 अगस्त		उ.फा.	18/36
29 अगस्त	कन्या		23/51
14 सितम्बर		हस्त	12/23
4 अक्तूबर		चित्रा	20/59
14 अक्तूबर	तुला		21/48
24 अक्तूबर		स्वाति	20/09
13 नवंबर		विशा	9/46
27 नवंबर	वृश्चिक		19/44
2 दिसंबर		अनु	13/56
21 दिसंबर		ज्येष्ठा	9/11
8 जनवरी		मूल	20/09
8 जनवरी	धनु		20/09
26 जनवरी		पू.षा.	23/35
13 फरवरी		उ.षा.	20/38
18 फरवरी	मकर		6/59
3 मार्च		श्रवण	12/24

बुध राशि प्रवेश

ता० मास	राशि	नक्षत्र	घ०मि०
11 अप्रैल	मीन		17/17
14 अप्रैल		उ.भा.	13/54
24 अप्रैल		रेवती	5/10
2 मई		अश्विनी	6/22

2 मई	मेष		6/22
9 मई		भरणी	8/22
15 मई		कृतिका	18/45
17 मई	वृश्चिक		7/49
21 मई		रोहिणी	21/36
28 मई		मृग	3/21
31 मई	मिथुन		11/19
4 जून		आर्द्रा	1/05
12 जून		पुन	9/06
20 जून	कर्क		17/35
24 जून		पुष्य	13/51
15 जुलाई		पुन	21/45
20 जुलाई	मिथुन		23/48
5 अगस्त	कर्क		16/45
9 अगस्त		पुष्य	4/44
18 अगस्त		आश्ले	1/46
25 अगस्त		मघा	00/09
25 अगस्त	रिंह		00/09
31 अगस्त		पू.फा.	17/44
7 सितंबर		उ.फा.	19/22
9 सितंबर	कन्या		15/46
15 सितंबर		हस्त	10/31
23 सितंबर		चित्रा	17/55
28 सितंबर	तुला		4/33
2 अक्तूबर		स्वाति	20/53
13 अक्तूबर		विशा	7/47
24 अक्तूबर	वृश्चिक		18/15
1 नवंबर	तुला		22/00
10 नवंबर		स्वाति	23/27
26 नवंबर		विशा	8/28
4 दिसंबर	वृश्चिक		6/40
6 दिसंबर		अनु	14/44
15 दिसंबर		ज्येष्ठा	13/16
24 दिसंबर		मूल	5/24
24 दिसंबर	धनु		5/24
1 जनवरी		पू.षा.	17/15
9 जनवरी		उ.षा.	23/29
12 जनवरी	मकर		00/01
17 जनवरी		श्रवण	23/07
25 जनवरी		धनि	18/35
29 जनवरी	कुंभ		18/13
3 फरवरी		शत	1/08
26 फरवरी		धनि	17/37
19 मार्च		शत	8/59

वृहस्पति राशि प्रवेश

ता० मास	राशि	नक्षत्र	घ०मि०
5 मई		स्वाति	5/16
4 सितंबर		विशा	22/09
27 अक्तूबर	वृश्चिक		22/21
12 नवंबर		अनु	5/00
13 जवनरी		ज्येष्ठा	9/59

शुक्र राशि प्रवेश

ता० मास	राशि	नक्षत्र	घ०मि०
31 मार्च	कुंभ		10/38
6 अप्रैल		शत	20/46
19 अप्रैल		पू.भा.	6/13
28 अप्रैल	मीन		6/43
1 मई		उ.भा.	5/59
12 मई		रेवती	23/47
24 मई		अश्विनी	13/17
24 मई	मेष		13/17
4 जून		भरणी	23/42
16 जून		कृतिका	7/47
19 जून	वृश्चिक		3/28
27 जून		रोहणी	13/45
8 जुलाई		मृग	17/57
14 जुलाई	मिथुन		7/25
19 जुलाई		आर्द्रा	20/26
30 जुलाई		पुन	21/12
8 अगस्त	कर्क		2/45
10 अगस्त		पुष्य	20/24
21 अगस्त		आश्लेषा	18/00
1 सितंबर		मघा	14/08
1 सितंबर	सिंह		14/08
12 सितंबर		पू.फा.	9/02
23 सितंबर		उ.फा.	2/45
25 सितंबर	कन्या		19/01
3 अक्तूबर		हस्त	19/34
14 अक्तूबर		चित्रा	11/44
19 अक्तूबर	तुला		19/35
25 अक्तूबर		स्वाति	3/19
4 नवंबर		विशा	18/36
12 नवंबर	वृश्चिक		17/55
15 नवंबर		अनु	9/40
26 नवंबर		ज्येष्ठा	00/33
6 दिसंबर		मूल	15/27
6 दिसंबर	धनु		15/27
17 दिसंबर		पू.षा.	6/24
27 दिसंबर		उ.षा.	21/27
30 दिसंबर	मकर		13/15
7 जनवरी		श्रवण	12/49
18 जनवरी		धनि	4/37
23 जनवरी	कुंभ		12/43
28 जनवरी		शत	21/02
8 फरवरी		पू.भा.	14/28
16 फरवरी	मीन		16/20
19 फरवरी		उ.भा.	9/07
2 मार्च		रेवती	5/24
13 मार्च		अश्विनी	3/49
13 मार्च	मेष		3/49
24 मार्च		भरणी	4/44

शनि राशि प्रवेश

ता० मास	राशि	नक्षत्र	घ०मि०
4 जुलाई		आश्ले	20/55
1 नवंबर		मघा	7/15
1 नवंबर	सिंह		7/15
10 जनवरी		आश्ले	18/10
10 जनवरी	कर्क		18/10

राहु राशि प्रवेश

ता० मास	राशि	नक्षत्र	घ०मि०
10 अगस्त		पू.भा.	8/38
12 अक्तूबर	कुंभ		6/17

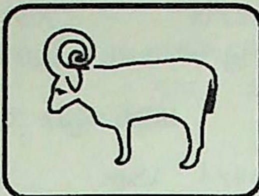
केतु राशि प्रवेश

ता० मास	राशि	नक्षत्र	घ०मि०
6 अप्रैल		उ.फा.	13/19
12 अक्तूबर	सिंह		6/17
14 दिसंबर		पू.फा.	3/56

बारह-राशियों का मासगत वार्षिक फलादेश सन् ई० २००६-२००७

लेखिका :- श्रीमती कमलेश रैणा, शास्त्री बी०एड०, संस्कृत अध्यापिका, एम०एच०एस०ए०सी० स्कूल नागवनी, जम्मू

मेषराशि (Aries) (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)



जनवरी – कार्य व्यस्तताएँ एवं उत्साह में वृद्धि हो। धन-धान्य का लाभ। परन्तु घरेलू तनाव के कारण मानसिक परेशानी होगी।

फरवरी – बिगड़े कार्य बनेंगे पुरुषार्थ में वृद्धि होगी। 16 से घरेलू उलझनों तथा व्यवसाय में मानसिक तनाव व परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

मार्च – उच्च व श्रेष्ठ, पदाधिकारियों के साथ सम्पर्क बनेंगे। अड़चनों के बावजूद कार्य-व्यवसाय में उन्नति व लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

अप्रैल – पुरुषार्थ में वृद्धि होगी तथा परिश्रम करने पर आय के साधन बड़ेंगे। 24 के उपरान्त गत समयावधि मं किए हुए प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी।

मई– आय सीमित परन्तु खर्च बहुत ज्यादा होगा। नौकरी में परेशानी आ सकती है।

जून– व्यवसायिक व्यस्तताएँ बड़ेंगी। स्त्री और संतान की ओर से खुशी प्राप्त होगी। माता पिता द्वारा लाभ होगा।

जुलाई– परीक्षा आदि कार्यों में विघ्नों के पश्चात् सफलता प्राप्त होगी। किसी निकट बन्धु द्वारा धोखा प्राप्त होगा।

अगस्त– विलासादि पदार्थों पर खर्चों की अधिकता रहेगी। धन हानि एवं किसी उच्चाधिकारी से विरोध होगा।

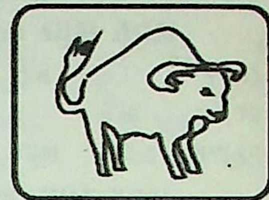
सितम्बर– परिवार में किसी शुभ कार्य पर खर्च होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। मासान्त में परिश्रम एवं उत्साह में वृद्धि होगी।

अक्तूबर– देश-विदेश में सम्पर्क सूत्र बड़ेंगे। आकस्मिक धन लाभ होगा, परन्तु मनोरंजन एवं विलासादि कार्यों में खर्च ज्यादा होगा।

नवम्बर– महत्त्वपूर्ण कार्य में सफलता एवं उपलब्धि होने के योग हैं। 17 के बाद आय कम खर्च अधिक होगा। हनुमान पूजा करने से श्रेष्ठ होगा।

दिसम्बर– आर्थिक उलझनों के कारण मानसिक तनाव व चिन्ताएँ बड़ेंगी। आय की स्थिति मध्यम रहेगी, परन्तु फिज़ूल खर्च बड़ेगा।

वृष (Taurus) (इ, उ, ए, ओ, वा, वि, वू, वे, वो)



जनवरी– मांगलिक कार्यों में धन का व्यय होगा। आशाओं के अनुकूल सफलता न मिलने के कारण मानसिक तनाव होगा।

फरवरी– छोटे-छोटे कार्य करने पर निश्चित लाभ होगा। परन्तु खर्च भोग विलास पर हो जायेगा। यात्रा का भी योग बनेगा।

मार्च– समन में वृद्धि। सत्कीर्ति लाभ, अच्छे धार्मिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। परन्तु कटुम्ब में कलह रहेगी।

अप्रैल– व्यवसाय में लाभ, परन्तु परिवर्तन होने का योग बन रहा है। बनते कार्यों में विघ्न बाधाएँ उत्पन्न होंगी। अकस्मात रोग का भय हो सकता है।

मई– कानूनी कार्य से बचें। घरेलू और व्यवसायिक उलझनें बढ़ने का योग बना रहा है स्वभाव में उत्तेजना, मानसिक तनाव, राज्य की ओर से अपमानित हो सकते हैं।

जून– पुरुषार्थ में वृद्धि, परन्तु आशानुरूप लाभ प्राप्त नहीं होगा। मासान्त में मानसिक तनाव व स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी रहेगी।

जुलाई– नये-नये प्रस्ताव विचारणीय होंगे। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य व सूझ-बूझ की आवश्यकता है क्रोध एवं उत्तेजना से बचें।

अगस्त– मास के पूर्व भाग में शुभ समाचार मिलेंगे। पदोन्नति होगी, मांगलिक कार्य पर खर्च होगा।

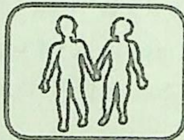
सितम्बर– संघर्ष, दौड़-धूप अधिक, खर्चों की अधिकता। दुपहिया वाहन ध्यान से चलायें।

अक्तूबर– बुरी आदतों का परित्याग करें। इसी के कारण घर तथा व्यवसाय में उलझनों का सामना करना पड़ेगा।

नवम्बर– व्यवसाय में अचानक परिवर्तन आएगा। वाहनादि चलाते समय सावधानी बरतें। चोट का भय है अतः विष्णुसहस्त्रनाम पाठ करें।

दिसम्बर– मास के शुरू में खर्च अधिक, अति प्रिय बन्धु से मुलाकात होगी। 21 के उपरान्त व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन (Gemini) (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)



जनवरी– परिश्रम करने पर धन-धान्य का लाभ, प्रिय बन्धु से मन मुटाव, मानसिक तनाव व भागदौड़ अधिक रहेगी। अकस्मात् यात्रा हानि कारक हो सकती है।

फरवरी– घरेलू एवं व्यवसाय सम्बन्धि चिन्ता, व्यर्थ की परेशानी व दौड़-धूप में समय नष्ट होगा। उच्चाधिकारियों से अनवन व टकराव हो सकता है।

मार्च– अकस्मात धन का व्यर्थ खर्च, मानसिक तनाव तथा घरेलू उलझनें बनी रहेंगी। 22 के बाद कुछ सुधार होगा।

अप्रैल– सन्तान, स्त्री का सुख, विद्या में सफलता व कार्य-व्यवसाय में उन्नति व धन का आगमन होगा। 15 के उपरान्त दौड़-धूप अधिक तथा लाभ कम होगा।

मई– रुका हुआ धन प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को संघर्ष व परिश्रम के पश्चात् ही विद्या में सफलता प्राप्त होगी।

जून– लोगों में वाद-विवाद, दौड़-धूप तथा अकस्मात् यात्रा के आसार। नये कार्य में लाभ व उन्नति होगी। 18 के बाद शरीर कष्ट व मानसिक तनाव रहेगा।

जुलाई– नए-नए प्रस्ताव विचारणीय होंगे। कारोवार की स्थिति सामान्य रहेगी। अधिक क्रोध एवं उत्तेजना से बचें। कोई भी कार्य करने पर थोड़ा धैर्य व सूझ-बूझ की आवश्यकता है।

अगस्त– अधिक समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। किसी धार्मिक कार्य पर धन का खर्च, मन में उत्साह और प्रसन्नता जागृत होगी। मासान्त में मानसिक तनाव व क्रोध की अधिकता रहेगी।

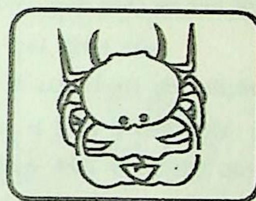
सितम्बर– व्यवसाय में उथल-पुथल व स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। सोची हुई योजना में सफलता प्राप्त होगी। 24 के बाद स्वास्थ्य लाभ व बिगड़े कार्यों में सुधार होगा।

अक्तूबर– नए व्यक्ति के सम्पर्क साधनों से नए व्यवसाय अथवा नौकरी की प्राप्ति, व्यापार में लाभ व उन्नति होगी।

नवम्बर– अत्यन्त संघर्ष के बावजूद निर्वाह योग्य ही धन की प्राप्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ करनी पड़ेगी। प्रिय बन्धु अथवा पत्नी से मन मुटाव रहेगा।

दिसम्बर– साझेदारी के कार्यों में आशानुकूल लाभ प्राप्त नहीं होगा। व्यर्थ की भागदौड़ और बाधाएँ बढ़ेंगी। लेन-देन करते समय सावधानी बरतें।

कर्क (Cancer) (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)



जनवरी– नवीन कार्य की योजना बने। व्यवसाय में लाभ एवं उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। किसी शुभ कार्य पर खर्च। गृह में कोई मंगल कार्य होगा।

फरवरी– व्यवसाय में आंशिक लाभ, स्वास्थ्य में सुधार होगा। मान इज़्जत एवं पदोन्नति जैसे कार्यों में सफलता एवं शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

मार्च– भूमि का लाभ, वाहन का आगमन, विद्याध्यन में कमी के साथ सफलता प्राप्त होगी। 19 के बाद घरेलू उलझनों का सामना करना पड़ेगा।

अप्रैल– आशा के अनुरूप खर्चों की अधिकता होगी। 22 के बाद आलस्य सा रहेगा। धन की हानि एवं स्वास्थ्य नर्म रहे, विद्या में सफलता एवं घर में कोई मंगल कार्य होगा।

मई– विशेष परिश्रम और भागदौड़ में अभीष्ट कार्य की सिद्धि होगी। सामान्य लाभ, साहस और उत्साह की कमी परन्तु आशानुकूल लाभ होगा।

जून– किसी शुभ कार्य पर खर्च होगा। धार्मिक कार्य की तरफ अधिक झुकाव रहेगा। 20 के बाद धन लाभ, भाई-बन्धुओं का सहयोग पूरा नहीं मिलेगा।

जुलाई– स्वास्थ्य कुछ नर्म रहेगा। विरोधी हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे। अत्यधिक संघर्ष करने पर भी धन लाभ अल्प रहेगा।

अगस्त– उत्साह में वृद्धि, नए कार्य की योजना बनेगी और सफलता प्राप्त भी होगी। मासान्त में चोट के कारण शरीर कष्ट हो सकता है।

सितम्बर– बनते कार्यों में अड़चनें, मानसिक तनाव व परिवार सम्बन्धी उलझनें बढ़ेंगी। 23 के बाद लाभ के दरवाजे खुलेंग, लम्बी यात्रा की योजना बनेगी।

अक्तूबर– बिगड़े कार्य बनेंगे। स्त्री संतान एवं धनादि सुखों की प्राप्त होगी। विद्या में सफलता तथा मनोवाछित योजना में लाभ की आशा बनेगी।

नवम्बर– प्रयत्न करने पर कार्य में लाभ, वाहनादि से चोट लगने का भय। किसी उच्चाधिकारी से विरोध पैदा होगा, शरीर कष्ट व व्यर्थ व्यय अधिक होगा।

दिसम्बर– स्वाभाव में तेजी, विरोधी हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे। कठिनाईयों के बावजूद निर्वाह योग्य धन प्राप्ति होती रहेगी।

सिंह (Leo) (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)



जनवरी– किसी प्रिय मित्र की सहायता से रुके हुए कार्य बनेंगे। नये कार्य की योजना बनेगी। धर्म कर्म की ओर विशेष रूचि रहेगी।

फरवरी– इस मास में कोई शुभ कार्य होगा। सम्बंधी के सहयोग से नये कार्य की शुरूआत होगी। 13 के बाद आय कम खर्च अधिक होगा। छात्र-छात्राओं को परिश्रम करने पर सफलता प्राप्त होगी।

मार्च– बिगड़े कार्य बनेंगे, परिस्थितियों में सुधार होगा। मित्रों और सज्जनों से सहयोग प्राप्त होगा। क्रोध करने पर कार्य में बिगाड़, सावधानी बरतें।

अप्रैल– साझेंदारी के कार्यों में हानि, व्यवसाय में दौड़धूप रहेगी। आय के साधन सीमित होंगे। मांगलिक कार्य पर खर्च होगा।

मई– स्वास्थ्य मध्यम, विद्या में हानि, संतान की ओर से चिंता। उच्चाधिकारी द्वारा लाभ होगा। 22 के बाद परिश्रम करने पर मनोकूल फल की प्राप्ति होगी।

जून– विद्या में पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। कुसंगति से दूर रहें। गुज़ारे लायक धन प्राप्त होता रहेगा। तारीख 21, 26, 29 को मन बेचैन रहेगा।

जुलाई– उत्साह में वृद्धि, व्यापार में सफलता, अकस्मात् धन प्राप्त होगा, परन्तु विलासादि कार्यों पर खर्च हो जायेगा। सावधानी बरतें और धन को सही उपयोग में लाएं।

अगस्त– धन प्राप्ति में विघ्न उत्पन्न होंगे। स्वास्थ्य में विकार होगा। नवीन कार्य की योजना बनेगी और बनी ही रह जायेंगी।

सितम्बर– धन-धान्य का लाभ व कार्य में सिद्धि होगी। तारीख 5 के बाद कोई अत्यन्त प्रसन्नता का समाचार मिलेगा। मान-इज्जत बढ़ेगी।

अक्तूबर– व्यापार में फेरबदल, नौकरी में स्थान परिवर्तन। योजनाओं पर धन लगाना उचित नहीं होगा। लेन-देन के मामलों में तनाव और व्यग्रता बढ़ेगी।

नवम्बर– परिवार में कलह-कलेश से मानसिक तनाव बना रहेगा, यात्रा में कष्ट, स्त्री एवं संतान को कष्ट व परेशानी, अत्यन्त संघर्ष में गुजारे योग्य धन की प्राप्ति होगी।

दिसम्बर– आशानुकूल सफलता प्राप्त होगी, कुछ रुके हुए कार्य बनेंगे। शुभ कार्य पर धन खर्च किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा होगी।

कन्या (Virgo) (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)



जनवरी– वृथा भ्रमण होगा, बन्धु वियोग, नेत्रों में पीड़ा। आय कम खर्च अधिक। दुर्घना का भय शरीर कष्ट पर धन का व्यय होगा। विष्णु सहस्त्रनाम पाठ करने पर श्रेष्ठ रहेगा।

फरवरी– मान-सम्मान में बृद्धि, पदोन्नति तथा धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। रुका हुआ धन भी प्राप्त हो जाएगा।

मार्च– चोटादि लगने का भय, घरेलू एवं व्यवसाय सम्बन्धी उलझनें पैदा होंगी। व्यापार में रुकावटें वाद-विवाद आदि से बचें।

अप्रैल– सरकारी नौकरी प्राप्त होगी, सरकारी कार्य में उन्नति, व्यापार में लाभ, मांगलिक कार्यों पर खर्च। तारीख 25 के बाद वायु विकार से कष्ट हो सकता है।

मई– पुरुषार्थ में वृद्धि, बिगड़ा कार्य बनेगा, विवाहादि कार्य सम्पन्न होगा। वाहन, भूमि, भवन का लाभ होगा।

जून– नये कार्य की शुरूआत होगी। धन के मार्ग खुलेंगे। संनान सुख होगा। धर्म-कर्म की ओर रूचि जागृत होगी।

जुलाई– मास के शुरू में खर्च की अधिकता रहेगी। सम्बन्धी एवं मित्र द्वारा कष्ट, विलासादि कार्यों की तरफ ध्यान अधिक रहेगा।

अगस्त– भूमि-वाहनादि का सुख। किसी प्रिय बन्धु से मुलाकात। परिवार में कोई मंगल कार्य होगा। विद्यार्थी वर्ग को विद्या पूर्ण सफलता न मिल पाएगी। अति परिश्रम करने पर विद्या का लाभ होगा।

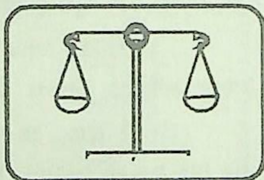
सितम्बर– स्त्री, संतान सम्बन्धी चिंता, माता की ओर से सुखी, भाई-बन्धुओं से विरोध उत्पन्न होगा। तारीख 21 से व्यर्थ में भागदौड़ होगी।

अक्तूबर– बिगड़े कार्यों से सुधार। धन लाभ, पूर्ण किये कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। तारीख 14 के बाद आलस्य में वृद्धि तथा बनते कार्यों में विघ्न उत्पन्न होंगे।

नवम्बर– विद्या एवं अन्य कार्यों में सफलता। धन प्राप्ति के मार्ग खुलेंगे। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परन्तु तारीख 23 के बाद किसी से धोखा प्राप्त होगा।

दिसम्बर– मित्रों से समागम होगा। संतान उत्पन्न होगी, विदेश यात्रा का योग बन रहा है परन्तु विदेशी मित्रों से होशियार रहें।

तुला (Libra) रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते



जनवरी– क्रोध की अधिकता, सम्पत्ति विवाद, गुप्त चिन्ता कारोबार में वृद्धि, परन्तु स्थानान्तर का विचार भी बनेगा।

फरवरी– धन-धान्य का लाभ, कारोबार में कुछ अड़चनें उत्पन्न होंगी। गुप्त चिन्ता रहेगी, निजी लोगों से अनवन परन्तु संतान की ओर से लाभ होगा।

मार्च– शारीरिक कष्ट, कर्ज़ बढ़ेगा, भाई-बहन द्वारा अल्प लाभ होगा। स्त्री से अनवन रहेगी। तारीख 22 के बाद उलझे हुए मसले सुलझेंगे।

अप्रैल– व्यापार में लाभ, सेहत ठीक रहेगी। बनाई हुई योजनाएँ असफल रहेंगी। तारीख 19 के बाद कफ, वायु विकार रहेगा और मानसिक परेशानी होगी।

मई– वायु विकार से कष्ट, आर्थिक स्थिति का सामना करना पड़ेगा। आमदनी से खर्च ज्यादा होगा। चोट का भय बना रहेगा। शान्त्यर्थ शिवजी पर फूल चढ़ायें।

जून– सम्बन्धियों से कला, उत्पन्न होगी, स्त्री को कष्ट रहेगा। परन्तु विद्यार्थी वर्ग के लिए अच्छा रहेगा।

जुलाई– दौड़-धूप अधिक, नौकरी तथा व्यापार में लाभ तथा उन्नति होगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा।

अगस्त– किसी शुभ कार्य पर खर्च होगा। कुछ बिगड़े कार्य बनेंगे। स्त्री एवं संतान की ओर से प्रसन्नता प्राप्त होगी। नये कार्य की योजना बनेगी।

सितम्बर– उलझनों के बावजूद धन लाभ एवं उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। भाई-बन्धुओं का सहयोग प्राप्त होगा। तारीख 25 के बाद अड़चनों के कारण परेशानियाँ बढ़ेंगी।

अक्तूबर– व्यर्थ की भागदौड़ और फिजूलखर्ची बढ़ेगी। धन की हानि तथा शारीरिक कष्ट होगा। घर में कलह उत्पन्न होगी, श्री हनुमान पूजा करें।

नवम्बर– मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, पूर्व किए हुए कार्यो पर सफलता प्राप्त होगी। संतान सुख व परिवार में खुशी का माहोल बनेगा।

दिसम्बर– घर में कोई मंगल कार्य होगा। कुछ रुके हुए कार्यो में सिद्धि होगी। पदोन्नति व लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

वृश्चिक (Scorpio) तो, न, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू



जनवरी– व्यवसाय से धन लाभ व उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। रुके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। अधिकांश समय मनोरंजन एवं कृपा कार्यों में व्यतीत होगा।

फरवरी– किसी सज्जन व्यक्ति की सहायता से बिगड़ा कार्य बनेगा। तारीख 20 के उपरान्त व्यर्थ दौड़-धूप अधिक रहेगी, परन्तु निर्वाह योग्य आय के साधन बनते रहेंगे।

मार्च– लाभ कम खर्च अधिक। किसी निकट बन्धु से धोखा मिल सकता है, सतर्क रहें। स्वभाव में क्रोध एवं आवेश अधिक रहेगा। उत्तरार्द्ध भाग में मान प्रतिष्ठा में वृद्धि तथा धार्मिक कार्यों की ओर प्रवृत्ति बढ़ेगी।

अप्रैल– चिन्ताओं में वृद्धि तथा फिज़ूल खर्ची बढ़ेगी, आकस्मात् यात्रा होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि, किसी शुभ कार्य पर खर्च होगा।

मई– आराम कम व संघर्ष अधिक रहेगा। नौकरी एवं व्यवसाय में विघ्न उत्पन्न होंगे। भूमि-जायदाद सम्बन्धी समस्याएँ उत्पन्न होंगी। उत्तरार्ध भाग में यात्रा तथा विदेश गमन होगा।

जून– शत्रु सम्बन्धी गुप्त परेशानियाँ बढ़ेंगी, परश्रिम एवं संघर्ष के बावजूद थोड़ा बहुत लाभ होगा। तारीख 24 के बाद बिगड़ते कार्यों में सुधार होगा।

जुलाई– मनोरंजन एवं विलासादि कार्यों पर खर्च अधिक होगा। संघर्ष के बाद आय की स्थिति मध्यम रहेगी।

अगस्त– चोट का भय, दैनिक कार्यों में प्रगति, नए लोगों से मेल-मिलाप होगा। तारीख 16 के बाद आलस्य में वृद्धि तथा स्वास्थ्य में सुधार होगा।

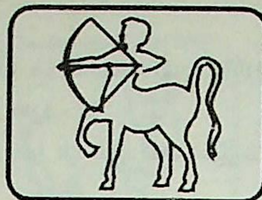
सितम्बर– आय के साधनों में वृद्धि होगी। उत्साह एवं संघर्ष शक्ति बनी रहेगी। यात्रा में कष्ट होगा।

अक्तूबर– व्यर्थ की चिन्ताओं का सामना करना पड़ेगा। अकस्मात् यात्रा हो सकती है। विद्यार्थी वर्ग के लिए सफलतापूर्वक समय रहेगा।

नवम्बर– माता-पिता का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विघ्न-बाधाओं के बावजूद निर्वाह योग्य धन की प्राप्ति होगी। कठिन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

दिसम्बर– गुप्त शत्रुओं से सतर्क रहें। लेन-देन करते समय सावधानी बरतें। खर्चों पर नियंत्रण न रखने पर कष्ट व परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु (Sagittarius) ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ठ, भे



जनवरी– कार्य, व्यवसाय में उन्नति, सुख की वृद्धि, वित्तीय एवं राजकीय सहायता तथा पद-प्रतिष्ठा, नौकरी की प्राप्ति होगी।

फरवरी– धन का खर्च बढ़ेगा, पारिवारिक एवं आर्थिक समस्याएँ पैदा होंगी। संतान पक्ष से सफलता प्राप्त होगी। अपनी नीति द्वारा विजयी रहेंगे।

मार्च– धन का खर्च अधिक, सामान्य शरीर कष्ट रहेगा। उत्तरार्द्ध में राजकीय सुख प्राप्त होगा। उन्नति के योग बनेंगे, लाभ में वृद्धि, पैतृक सहयोग बढ़ेगा।

अप्रैल– उच्च-प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मेल-मिलाप होगा। कार्य क्षेत्र में उथल-पुथल रहेगी। भाई-बन्धुओं से स्वार्थपूर्ण भाव रहेगा।

मई– राजनीति से लाभ, उच्च प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क बढ़े। दिनचर्या से सभी प्रकार से लाभान्वित हो। प्रलोभन के द्वारा धन का व्यर्थ खर्च होगा।

जून– कर्म के क्षेत्र में विकास की कमी, जमीन-जायदाद सम्बंधी निर्णय लेने पड़ेंगे। तारीख 16 के बाद विद्या बुद्धि का विकास नीति द्वारा कर्म की सफलता होगी।

जुलाई– कुटुम्ब में मन-मुटाव। मन में उत्साह की कमी, कर्म के क्षेत्र में परिश्रम द्वारा लाभ। नवीन कार्य की योजना सफल होगी।

अगस्त– स्त्री व पुत्र का सुख, खर्च की अधिकता से मानसिक परेशानी बढ़ेगी। व्यर्थ की भागदौड़ से स्वास्थ्य में कमी (गड़बड़) हो सकती है।

सितम्बर– पहले किए हुए प्रयास सफल होंगे। कुटुम्ब में मंगल कार्य, संसारिक सुख का अनुभव होगा।

अक्तूबर– भौतिक सुख साधनों में वृद्धि, स्त्री पक्ष में सहयोग, पुरुषार्थ द्वारा लाभ धन के आगमन के साथ-साथ धन का व्यय भोग-विलास पर ज्यादा होगा।

नवम्बर– संतान को कष्ट, शत्रुओं की ओर से पीड़ा, सम्पत्ति का क्रम-विक्रम, मुकद्दमा, झगड़ा आदि के योग बनेंगे। शिवजी पर गुड़ का शर्बत चढ़ायें।

दिसम्बर– विचारों में परिवर्तन, प्रकृति में अशुद्धता, विद्या में रूचि कम रहेगी। शरीर में रक्त विकार अथवा गुप्त रोग से कष्ट हो सकता है।

मकर (Capricorn) भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी



जनवरी– शत्रु की ओर से हानि होने का भय, संतान स्त्री की ओर से सुख, यात्रा में विशेष लाभ।

फरवरी– व्यापार में अल्प लाभ। अचानक किसी झगड़े से भय, स्त्री को कष्ट, यात्रा में लाभ, नौकरी में उन्नति होगा, कटुम्ब में कोई मंगल कार्य होगा।

मार्च– शत्रु की ओर से सावधान रहें। बन्धुओं से मन-मुटाव। यात्रा में रुकावट, नये कार्य में सावधानी से काम लें। विधाध्यन में लाभ होगा।

अप्रैल– जमीन-जायदाद के झगड़े से मन बेचैन, व्यापार में स्थिरता रहेगी। संतान की ओर से चिन्ता। 17 के बाद व्यर्थ खर्च की अधिकता रहेगी।

मई– वाहन सम्बन्धी सुख, नये वाहन का लाभ स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। कहीं से अकस्मात् धन लाभ होगा।

जून– मंगल कार्य पर खर्च होगा, शत्रु मुंह की खायेंगे। व्यापार अथवा नौकरी में उन्नति बन्धु जन से मन मुटाव होगा।

जुलाई– संतान की उन्नति, धर्म कार्य में रूचि अधिक रहेगी और दिल खोल कर दान करे। 19 के बाद शरीर कष्ट व मानसिक तनाव रहेगा।

अगस्त– मन में नये कार्य को आरम्भ करने के विचार उत्पन्न होंगे और कार्य सुचारू रूप से चलेगा।

सितम्बर– आर्थिक संकट का योग है परिश्रम करने पर जरूर लाभ होगा। घरेलू उलझनें बढ़ेंगी। स्वभाव में तेजी से बनते कामों में विघ्न उत्पन्न होंगे।

अक्तूबर– राजदरबार से लाभ व पदोन्नति के योग बन रहे हैं। व्यापार मध्यम रहेगा। किसी सम्बन्धी की ओर से चिन्ता व परेशानी रहेगी।

नवम्बर– स्वास्थ्य में सुधार, स्त्री और संतान की ओर से शुभ समाचार प्राप्त होगा। व्यर्थ भागदौड़ अधिक तथा फिजूल खर्ची होगी।

दिसम्बर– धन का खर्च भोग विलासादि कार्यों पर होगा। आशाओं में असफलता मिलेगी किन्तु ...., परन्तु अन्त में कुछ सुधार होगा।

कुम्भ (Aquarius) गु, गे, गो, स, सी, सू, से, सो, द



जनवरी– शत्रुओं पर विजय प्राप्ति। व्यापारिक और व्यावसायिक योजनाओं की ओर मनोवृत्ति बढ़ेगी। 25 के बाद विशिष्ट अथवा उलझे कार्य पूर्ण होंगे।

फरवरी– आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। शरीर कष्ट, कटुम्ब में कलह के कारण मानसिक तनाव एवं उलझनों का सामना रहेगा।

मार्च– कार्य क्षेत्र में मान इज्ज़त बढ़ेगी। कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। किसी मित्र के सहयोग से नये कार्य का उद्‌घाटन होगा और धन लाभ भी होगा।

अप्रैल– स्त्री सुख, कटुम्ब में शुभ कार्य होगा। कारोबार में उन्नति होगी, परिश्रम करने के उपरान्त सफलता प्राप्त होगी। विद्यार्थियों के लिए मिश्रित फल रहेगा।

मई– धन-धान्य का लाभ। मित्रों एवं सम्बन्धियों की ओर से सुख-सुविधा प्राप्त होगी। मासान्त में संघर्षपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

जून– भाई-बन्धुओं द्वारा सुख, योजनाओं में सफलता। गुज़ारे लायक आमदन रहेगी। 16 के बाद स्वास्थ्य में बिगाड़ हो सकता है।

जुलाई– भूमि लाभ, संतान सुख, वाहनादि द्वारा लाभ व यात्रा का अवसर प्राप्त होगा। पुरुषार्थ में वृद्धि व धन प्राप्त होगी।

अगस्त– कारोवार में रुकावटें पैदा होंगी, चोटादि लगने का भय। विवाह अड़चनों के साथ सम्पन्न होगा। किसी प्रिय सदस्य की कमी महसूस होगी।

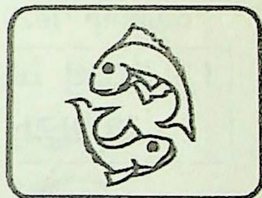
सितम्बर– मन बेचैन, खर्च बढ़-चढ़ कर होगा। अत्यन्त कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। कोई नया कार्य आरम्भ न करें। दुर्गा पाठ करने से लाभ होगा।

अक्तूबर– कारोबार में धन लाभ एवं उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रिय बन्धु से विरोध पैदा होगा। 26 के बाद दौड़धूप अधिक रहेगी।

नवम्बर– शारीरिक सुख, पिता द्वारा लाभ, व्यापार में वृद्धि। परन्तु 20 के बाद अकस्मात् धन की हानि होगी।

दिसम्बर– सोचे हुए कार्य में असफलता, विद्याध्ययन में कमी, मानसिक तनाव व व्यवसाय में मुँह की खाएंगे।

मीन (Pisces) दि, दु, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि



जनवरी– आय के साथ-साथ खर्च भी बढ़ेगा। स्त्री व संतान के सम्बन्ध में कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। कुछ बिगड़े कार्यों में सुधार होगा। विद्यार्थियों के लिए भी यह मास शुभ फलदायक रहेगा।

फरवरी– किसी नए कार्य की योजना बनेगी। व्यवसाय एवं नौकरी में उन्नति के योग हैं। किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होगी।

मार्च– स्त्री एवं संतान की ओर से खुशी। गृह में मांगलिक कार्य हो। धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। उच्च पदाधिकारी से सम्पर्क पैदा होंगे।

अप्रैल– बिगड़े कार्यों में सुधार, अधिक परिश्रम करने पर विद्याध्ययन में सफलता प्राप्त होगी। 18 के बाद शारीरिक कष्ट की सम्भावना।

मई– अत्यधिक परिश्रम करने के बावजूद निर्वाह योग्य धन की प्राप्ति होगी। मन परेशान अधिक रहेगा। शत्रु प्रबल रहेंगे।

जून– पूर्वार्द्ध भाग में अकस्मात् धन लाभ, पदोन्नति कुछ रुके हुए कार्य बनेंगे। किसी शुभ कार्य में खर्च होगा। 21 के उपरान्त रक्त विकार शरीर कष्टादि अशुभ फल घटित हो सकते हैं।

जुलाई– पूर्वार्द्ध भाग में बनते कार्यों में विघ्न उत्पन्न होंगे। धन विलासादि भोग में व्यय होगा। 17 के बाद निर्वाह योग्य धन प्राप्त होगा।

अगस्त– विघ्नों एवं उलझनों के बावजूद निर्वाह योग्य धन का लाभ। बनते कार्यों में बाधाएँ उत्पन्न होंगी। 24 के बाद मान-सम्मान व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सितम्बर– वाहन का लाभ, विद्या में कमी के साथ सफलता। किसी नवीन कार्य की योजना बनेगी और व्यवसाय में सुधार होगा।

अक्तूबर– प्रतिष्ठा में वृद्धि कोई रुका हुआ कार्य बनेगा। भाई-बन्धुओं का सहयोग बना रहेगा। धन, लाभ साधारण रूप से होगा, परन्तु धन का व्यय व्यर्थ यात्राओं पर होगा।

नवम्बर– राज्याधिकारियों से लाभ, घर में कोई शुभ मंगल कार्य होगा। गाड़ी चलाते समय सावधानी बरतें, धीरे चलें क्योंकि चोट लगने का भय है।

दिसम्बर– नया कार्य शुरू न करें। अत्यावश्यक हो तो पण्डित जी की सलाह लेना अनिवार्य है। गुप्त शत्रुओं से सावधानी बरतें।

कन्या विवाहे विलम्बदोष परिहारः

किसी शुभ दिन में वर प्राप्ति के लिए कन्या स्नानादि से प्रातःकाल निवृत्त होकर कमलबीज की माला से (ॐ श्रीगणेशाय नमः) इस मन्त्र का एक माला जप में गणेश का ध्यान करें। फिर गौरीशङ्कर (शिवपार्वती) का ध्यान करती हुई-

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पतिवेदनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनादितो मुक्षीय मामुतः।। स्वाहा

प्रतिदिन इस मन्त्र का एक माला जप करें।

हर ऐतवार के दिन जप के बाद प्राता: देसी घी में फीकी फुल्लियों को भिगोकर जगती आग में १०८ आहुतियें दे दिया करें। मन्त्र के साथ स्वाहा का उच्चारण करती जायें। श्री शिव पार्वती गणेश जी का चित्र सामने रख लिया करें।

जप व हवन के बाद

प्रार्थना :- ॐ कात्यायनि महामाये महायोगिन्यधीश्वरि।
नन्दगोपसुते देवि पतिं देहि मनोरमम्।।

यह अनुष्ठान कन्या अपनी नवग्रह शान्ति तक करती रहे। कन्या के माता पिता भी श्रीगणेश जी की इकीस-इकीस माला जप करते रहें। लाख जप होने पर अपने तोल के बराबर हरा घास, भूसा, खल, पत्तरी, जौ का दाला, चने आदि को गौओं को डाल दिया करें। पक्षियों को प्रतिदिन चावल बाजरा आदि भी डालते रहें।

अथवा

कन्या हरिद्रा (हल्दी) की माला से निम्न लिखित मन्त्र की प्रतिदिन पांच माला जप विवाह की नवग्रह शान्ति तक करें :-

ॐ हे गौरि! शङ्करार्धाङ्गि! यथा त्वं शङ्कर प्रिया।
तथा मां कुरुकल्याणि कान्त कान्तां सूदुर्लभाम्।।

महानक्षत्र

प्रत्येक पाठक यह जानना चाहता है कि महानक्षत्र कौन से हैं और उन्हें वर-कन्या की कुण्डलियों के मिलान के समय कूट और अन्य परीक्षणों का अपवाद क्यों माना जाता है? दक्षिण भारत में प्रचुलित प्रसिद्ध मुहूर्तो और चयन ज्योतिष सम्बन्धि कुछ सिद्धान्तों में 'कालविधान' का विशेष स्थान है।

हमारे दैनिक व्यवहार के लिए प्राचीन ऋषियों ने इसका सम्पादन किया था। वर-कन्या की कुण्डलियों के मिलान के प्रसंग में कूट-परीक्षण का यह श्लोक अकाटय प्रमाणरूप में विचारणीय है।

स्वातीशशाङ्क पितृतारकमैत्रभानां
पुँऋक्षमस्ति यदि वा वनितर्क्षमस्ति।
तेषां दिनादि गणना दशकं न चेत्स्याद्
अत्यन्तमिष्टमिति शास्त्रविदो वदन्ति।।

अर्थात् वर या कन्या के जन्म के समय यदि स्वाति, मृगशिरा, मघा या अनुराधा में से कोई भी नक्षत्र हों तो दशकूटों में से किसी के भी न मिलने पर भी मिलान उत्तम होता है। इन चारों को महानक्षत्र माना जाता है। वसिष्ठ-संहिता के अनुसार ज्योतिषी को सूक्ष्म नक्षत्र के प्रभाव को भी स्थूल नक्षत्र के समान ही मानना चाहिए।

ग्रहण विवरण (संवत् 2063 वि॰) सन् 2006 – 07 ई॰

श्री पीयूष रैणा
अभियन्ता

ग्रहण विवरण (सन् 2006 – 07)

सन् 2006 – 07 में पाँच ग्रहण होंगे जिनका विवरण निम्नलिखित है :-

1. खण्डग्रास सूर्य ग्रहण (भारत में दृश्य) 29 - 03 - 2006 ई॰ बुधवार
2. खण्डग्रास चन्द्रग्रहण (भारत में दृश्य) 7 - 09 - 2006 ई॰ गुरुवार
3. कंकण सूर्य ग्रहण (भारत में अदृश्य) 22 - 9 - 2006 ई॰ शुक्रवार
4. खग्रास चन्द्र ग्रहण (भारत में दृश्य) 3 - 03 - 2007
5. ग्रस्तोदय खण्डग्रास सूर्यग्रहण (भारत में दृश्य) 19 - 03 - 2007 ई॰ सोमवार

कंकण सूर्यग्रहण शुक्रवार, 22 सितम्बर 2006 ई॰

R.A. – Right Ascension दक्षिणशृङ्गोन्नति

Dec. – Declination नति

S.D. – Apparent Semi-Diameter प्रत्यक्ष अर्ध गोलाकार

H.P – Horizontal Parallax अधोअभिमुख दृष्टिगोचर होना है।

P1 – Pnumbra Eclipse Begins चन्द्र मालिन्य प्रारम्भ

P2 – Instant of first interior tangency of Penumbra with Earth's limb
पृथ्वी के साथ प्रथम अन्दरूनी स्पर्श

P3 – Instant of last interior tangency of Penumbra with Earth's limb
पृथ्वी के साथ अन्तिम अन्दरूनी स्पर्श

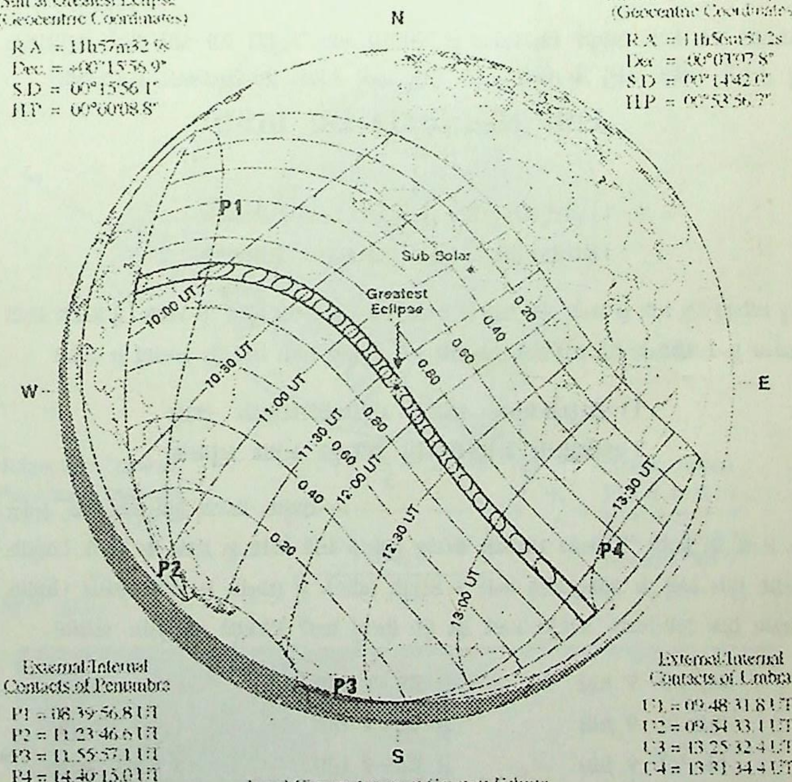
P4 – Pnumbra Eclipse Ends ग्रहण मोक्ष

* Sub Solar Point on Earth (Greatest Eclipse)

ΔT = TDT – UT

TDT – Terrestrial Dynamical Time (Ideal Clock)

UT – Universal Time



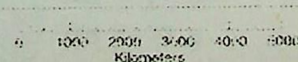
Local Circumstances at Greatest Eclipse

Lat = 20°38.8'S Sun Alt = 65.9°

Long = 009°04.6'W Sun Azm = 31.2°

Path Width = 261.0 km Duration = 07m09.3s

ΔT = 65.0 s



यह ग्रहण आश्विन कृष्ण अमावस तदनुसार 22 सितम्बर 2006 ई० दोपहर 2 बजकर 10 मिनट से लेकर रात्रि 8 बजकर 10 मिनट तक लगेगा। भारत में अदृश्य होने के कारण सूतकादि का विचार नहीं है। दक्षिणी अमेरिका, पश्चिम अफ्ररिका, एण्डट्राटिका आदि देशों में कंकण रूप में दिखाई देगा।

खण्डग्रास सूर्य ग्रहण (बुधवार, 29 मार्च 2006 ई०)

यह खग्रास सूर्य ग्रहण भा०स्टै० टाईम के मुताबिक दोपहर 1 बजकर 7 मिनट से सायं 6 बजकर 16 मिनट तक रहेगा, परन्तु जम्मू में खण्डग्रास रूप में सायं 4 बजकर 24 मिनट से सायं 6 बजकर 08 मिनट तक दिखाई देगा, जम्मू में सूर्यास्त सायं 6-45 पर होगा।

ग्रहण का सूतक – ग्रहण का सूतक 29 मार्च 2006 ई० सूर्योदय प्रातः 4 बजकर 15 मिनट से शुरू होगा।

भारत में प्रमुख नगरों में सूर्यग्रहण (29 मार्च 2006 ई०) का स्पर्शकाल एवं मोक्षकाल

नगर	ग्रहण स्पर्श	ग्रहण मोक्ष
अखनूर	सायं 4-24 से	सायं 6-08 तक
अनन्तनाग	सायं 4-21 से	सायं 6-08 तक
अमृतसर	सायं 4-25 से	सायं 6-07 तक
उधमपुर	सायं 4-24 से	सायं 6-08 तक
ऊना	सायं 4-27 से	सायं 6-06 तक
कठुआ (जम्मू)	सायं 4-25 से	सायं 6-07 तक
कांगड़ा	सायं 4-27 से	सायं 6-07 तक
किश्तवाड़	सायं 4-25 से	सायं 18-05 तक
कुल्लू	सायं 6-28 से	सायं 6-07 तक
चम्बा	सायं 4-26 से	सायं 6-08 तक
जालन्धर	सायं 4-27 से	सायं 6-07 तक
दिल्ली	सायं 4-34 से	सायं 6-03 तक
देहरादून	सायं 4-31 से	सायं 6-04 तक
नाहन	सायं 4-30 से	सायं 6-05 तक
नैनीताल	सायं 4-35 से	सायं 6-04 तक
पठानकोट	सायं 4-26 से	सायं 6-07 तक
पुंछ (जम्मू)	सायं 4-22 से	सायं 6-10 तक
वाराणसी	सायं 4-48 से	सायं 5-55 तक
मण्डी (हि.प्र.)	सायं 4-28 से	सायं 6-06 तक
श्रीनगर (का)	सायं 4-22 से	सायं 6-10 तक
हरिद्वार	सायं 4-32 से	सायं 6-09 तक

आसक्त जनों को छोड़कर अन्य किसी को भी अन्न भोजन, शय्यनादि नहीं करना चाहिए। सूतक काल से मन्दिरों में पूजादि वर्जित है तथा देवदर्शनादि के लिए नहीं जाना चाहिए। ग्रहण के मध्य में जप, दान होमादि करना श्रेयस्कर रहता है, ग्रहण के अन्त में स्नान, दान पूजनादि करना चाहिए–

दानानि यानि लोकेषु विख्यातानि मनीषिभिः।
तेषों फलमवाप्नोति ग्रहणे चन्द्रसूर्ययोः।।

संसार में जितने भी दान पुण्य कहे हैं उन सब का फल सूर्य एवं चन्द्रग्रहण में मनुष्य प्राप्त करता है, ग्रहण के आदि अन्त में स्नान, मध्य में होम और अन्त में दान का विधान है।

ग्रस्यमाने भवेत्स्नानं ग्रस्ते होमोविधीयते।
मुच्यमानं भवेद्दानं मुक्ते स्नानं विधीयते।।

ग्रहण का राश्यानुसार फल

यह ग्रहण उत्तराभाद्रपदा नक्षत्र तथा मीन राशि वालों के लिए अशुभ सूचक है, यथाशक्ति पूजा पाठ ग्रह शान्ति, दान स्नानादि से ग्रहण का अनिष्ट फल घट जाएगा।

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धन	मकर	कुम्भ	मीन
फल	धन का व्यय	धन धान्य लाभ	कार्य सिद्धि खर्चा अधिक	धन की हानि	कष्ट प्रद हानि	स्त्री पति कष्ट	शत्रु भय	व्यर्थ चिन्ता	शरीर कष्ट	धन का लाभ	धन का खर्च अधिक	शरीर कष्ट दुर्घटना

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण (गुरुवार, 7 सितम्बर 2006 ई०)

यह ग्रहण 7/8 सितम्बर 2006 ई० भारत में खण्डग्रास रूप में दृष्टिगोचर होगा। सम्पूर्ण भारत वर्ष में ग्रहण से पूर्व चन्द्रोदय हो चुका होगा। ग्रहण का स्पर्श एवं मोक्ष काल भारतीय स्टै० समयानुसार निम्नलिखित है :-

चन्द्रोदय (Moon Rise Jammu)	सायं 18:41
चन्द्रमा मालिन्य शुरू (Moon Enters Penumbera)	रात्रि 10:12:03
ग्रहण स्पर्श (Moon Enters Umbra)	रात्रि घ. 11 मि. 35
ग्रहण मध्य (Middle of Eclipse)	रात्रि घ. 12 मि. 21
ग्रहण मोक्ष (Moon Leaves Umbra)	रात्रि घ. 1 मि. 07
चन्द्रमालिन्य समाप्त (Leaves Penumbra)	रात्रि 2:30
चन्द्रास्त (Moon Set Jammu)	प्रात: 6:30
ग्रहण का कुल समय	घ. 1 मि. 33

भारतवर्ष के अतिरिक्त यह ग्रहण एशिया, पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, इण्डोनेशिया, अफ्रिका, यूरोप, पूर्व जापान आदि क्षेत्रों में दिखाई देगा।

ग्रहण का सूतक– ग्रहण का सूतक 7 सितम्बर 2006 ई० दोपहर 2 बजकर 35 मिनट से शुरू हो जाएगा।

ग्रहण का राश्यानुसार फल

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धन	मकर	कुम्भ	मीन
फल	धन धान्य का लाभ	कष्ट भय	चिन्ता भय	लाभ सुख	स्त्री पति कष्ट	कष्ट हानि	शत्रु से भय	कार्यों की सिद्धि	धन लाभ अधिक	शरीर कष्ट	चोट अधिक का भय	धन का खर्चा अधिक

R.A. – Right Ascension दक्षिणशृङ्गोन्नति

Dec. – Declination नति

S.D. – Apparent Semi-Diameter प्रर्त्यक्ष अर्ध गोलाकार

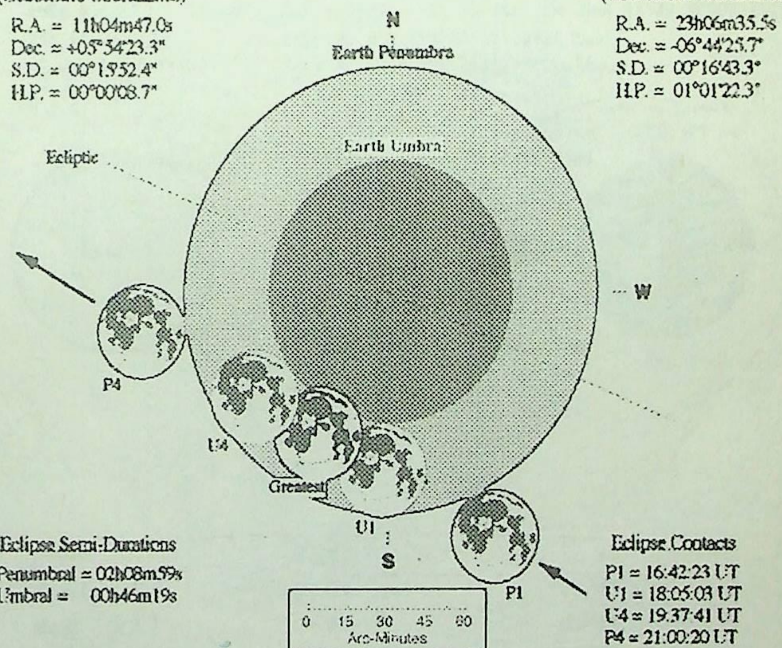
H.P – Horizontal Parallax अधोअभिमुख दृष्टिगोचर होना है।

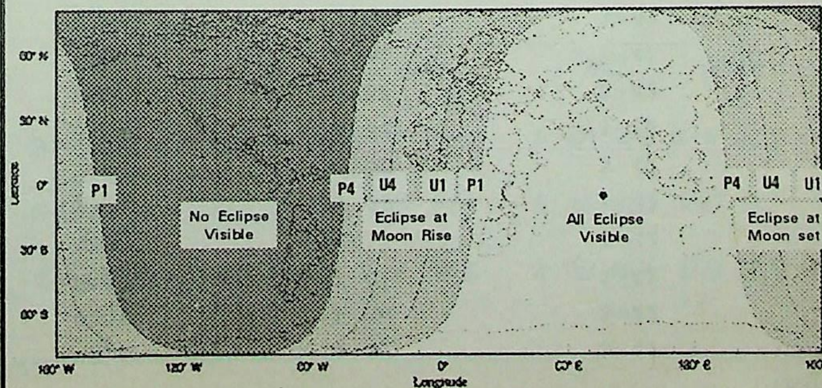
P1 – Pnumbra Eclipse Begins चन्द्र मालिन्य प्रारम्भ

P4 – Pnumbra Eclipse Ends चन्द्र मालिन्य समाप्त

U1 – Umbral Eclipse Begins ग्रहण स्पर्श

U4 – Umbral Eclipse Ends ग्रहण मोक्ष समाप्ति





खग्रास चन्द्रग्रहण (शुक्र/शनि, 3/4 मार्च 2007 ई०)

यह चन्द्रग्रहण फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा रात्रौपरि घ. 3 मि. 00 से लेकर प्रातः घ. 6 मि. 42 तक सम्पूर्ण भारतवपर्ष में खग्रास तथा ग्रस्तास्त रूप में दृष्टिगोचर होगा।

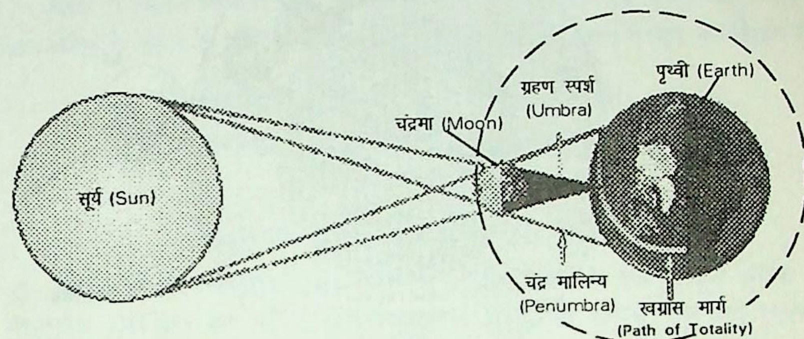
चन्द्रोदय (Moon Rise Jammu)	सायं 6:01
चन्द्रमालिन्य प्रारम्भ (Moon Enters Penumbra)	रात्रि 1:46:04
ग्रहण प्रारम्भ (Moon Enters Umbra)	रात्रि 3:00
खग्रास शुरू (Moon Enters Totality)	रात्रि 4:13:08
ग्रहण मध्य (Middle of Eclipse)	रात्रि 4:50:09
ग्रहण समाप्त (Moon Leaves Umbra)	रात्रि 6:41:07
चन्द्रास्त (Moon Set Jammu)	प्रातः 7:03

ग्रहण का राश्यानुसार फल :– यह ग्रहण पू.फा. नक्षत्र सिंह राशि वालों के लिए अशुभ फलप्रद है, फलादेश निम्नप्राकर से है :-

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धन	मकर	कुम्भ	मीन
फल	शत्रु से भय	कार्य सिद्धि हो	धन धान्य का लाभ	शरीर कष्ट	चोट आदि से भय	धन का खर्च	उन्नति लाभ	शरीर कष्ट भय	चिन्ता अधिक हो	लाभ सुख ऐश्वर्य	स्त्री पति कष्ट	धन का खर्च कष्ट

ग्रहण का सूतक :– ग्रहण का सूतक 3 मार्च 2006 ई० सायं काल 6 बजे शुरू हो जाएगा।

नगर	चन्द्रास्त घ. मि.	पर्वकाल घ. मि.
अखनूर	7-03	3-42
अनन्तनाग	7-03	3-42
अमृतसर	7-02	3-42
उधमपुर	7-02	3-42
ऊना	6-56	3-42
कठुआ (जम्मू)	6-59	3-42
कांगड़ा	7-00	3-42
किश्तवाड़	7-02	3-42
कुल्लू	6-53	3-42
चम्बा	6-58	3-42
दिल्ली	6-50	3-42
देहरादून	6-48	3-42
नाहन	6-57	3-42
नैनीताल	6-41	3-41
पठानकोट	6-59	3-42
पुंछ (जम्मू)	6-53	3-42
वाराणसी	6-25	3-25
मण्डी (हि.प्र.)	6-54	3-42
श्रीनगर (का)	7-04	3-42
हरिद्वार	6-47	3-42



चंद्र मालिन्य (Penumbra)	चन्द्रमा की हल्की बाहरी परछाई; आंशित ग्रहण।
ग्रहण स्पर्श (Umbra)	चन्द्रमा की घनी काली परछाई; खग्रास ग्रहण।
खग्रास मार्ग (Path of Totality)	पृथ्वी पर वो मार्ग जहां पूर्ण ग्रहण देखा जाता है। यह 10,000 मील लम्बा व 100 मील चौड़ा होता है।

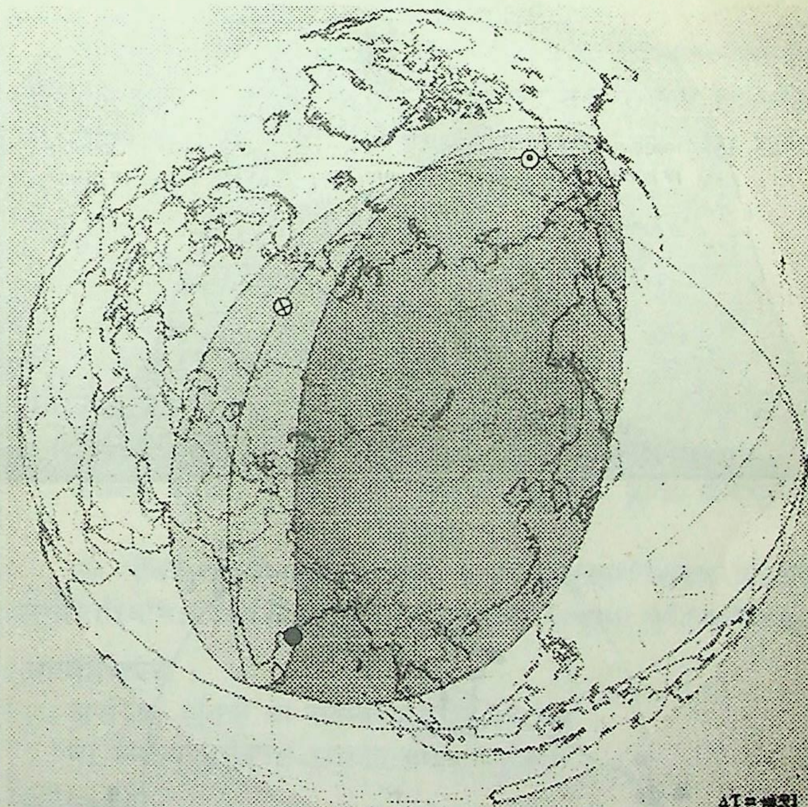
ग्रस्तोदय खण्डग्रास सूर्य ग्रहण (19 मार्च 2007 ई०)

चैत्र कृष्ण अमावस सोमवार तदनुसार 19 मार्च सन् 2007 ई० भारतवर्ष में खण्डग्रास रूप में प्रातः 6:08 से लेकर 9:55 तक भारत वर्ष में दृष्टिगोचर होगा। जम्मू में सूर्योदय प्रातः 6:40 पर होगा, जब सूर्य दिखाई देगा ग्रहण लगा होगा। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तरांचल, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश आदि सभी प्रान्तों में सूर्योदय से पूर्व ग्रहण लग चुका होगा।

भारत के अतिरिक्त मध्य एशिया, बंगलादेश, भूटान, पाकिस्तान, इण्डोनेशिया, चीन कोरिया, पूर्वी जापान, सिंगापुर इत्यादि देशों में दिखाई देगा।

ग्रहण का सूतक :- ग्रहण सूतक 18 मार्च 2007 ई० सूर्योदय से ही प्रारम्भ हो जाएगा।

नगर	ग्रहण प्रारम्भ	ग्रहण समाप्त	पर्वकाल
अखनूर	6-36	8-07	1-31
अमृतसर	6-36	8-07	1-31
उधमपुर	6-36	8-09	1-33
ऊना	6-31	8-06	1-35
कठुआ (जम्मू)	6-34	8-08	1-24
कांगड़ा (गरली)	6-31	8-07	1-36
किश्तवाड़	6-33	8-09	1-36
कुल्लू	6-27	8-08	1-41
चम्बा	6-31	8-08	1-37
जम्मू	6-36	8-07	1-31
दिल्ली	6-27	8-01	1-34
देहरादून	6-24	8-03	1-39
नाहन	6-27	8-05	1-38
नैनीताल	6-25	8-03	1-39
पठानकोट	6-33	8-07	1-34
पुंछ (जम्मू)	6-39	8-10	1-31
वाराणसी	6-13	7-56	1-43
मण्डी (हि.प्र.)	6-28	8-07	1-39
श्रीनगर (का)	6-37	8-12	1-35
हरिद्वार	6-23	8-11	1-41



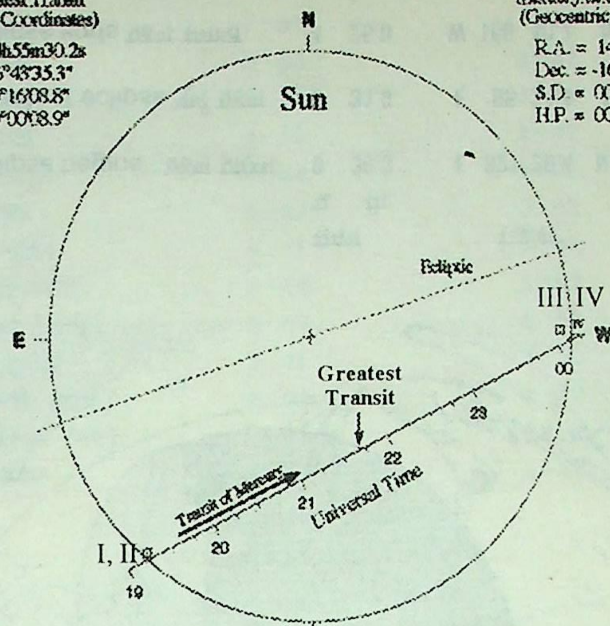
	समय घ.	मि.	रेखांश			अक्षांश	
● Eclipse begins ग्रहण प्रारम्भ	0	38.3	E	82°	38.4	N 15°	26.3
⊗ Greatest eclipse पूर्ण ग्रहण	2	31.9	E	55	24.4	N 61	12.7
⊙ Eclipse ends ग्रहण समाप्त	4	25.0	W	156	40.7	N 73	25.5

सूर्य बुध संक्रमण (Transit of Mercury)
(8/9 नवम्बर 2006 ई०)

सन् 2003 ई० के पश्चात् अब पुनः 8/9 नवम्बर 2006 बुधवार को बुध सूर्य संक्रमण करेगा वस्तुतः बुध का सूर्य संक्रमण कभी कभी ही होता है– भूमि से देखें तो बुध और शुक्र का संक्रमण विशेष दूरवीन से देखा जा सकता है, प्रायशः सूर्य बुध संक्रमण एक शताब्दी में 13 बार ही होता है। यह अद्वितीय दृश्य विदेशों में जैसे कनाडा, मैकिसके, मध्य अमेरिका, कैरेवियन संयुक्त अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, एशिया, आस्ट्रेलिया एवं न्यूज़ीलैण्ड में देखा जा सकेगा। भारतवर्ष में यह दृश्य देखा नहीं जा सकेगा। जिन देशों में यह दृश्य दिखाई देगा उन देशों में राजनीतिक उथल पुथल सत्ता परिवर्तन, कुदरती आपदाओं से जनता में भय, कहीं वृष्टि का अभाव, कहीं अधिकता होगी। वसिष्ठसंहिता में बुध चाराध्याय में विशाखा नक्षत्र में बुध की पाप गति कही गई है–

"दिनकर मित्रविशाखाभत्रितयं भवति पापरूपाख्या" *वसिष्ठसंहिता 5/12*

बुध वक्र गति से चल रहा है अतः राजाओं में परस्पर युद्ध, प्रजा में भय, आकाशीय विपत्तियाँ प्रस्तुत करता है।

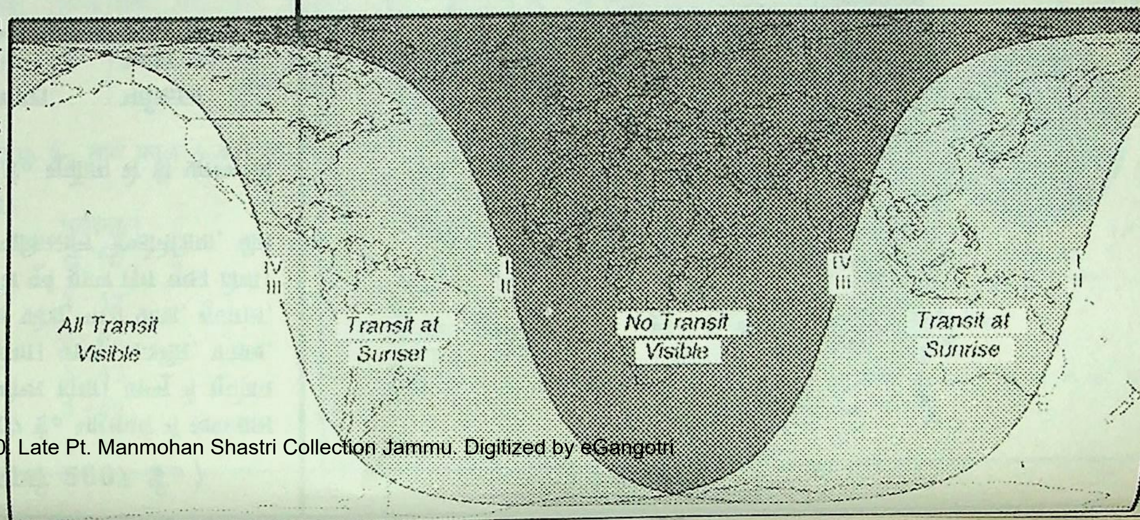


I — Transit Begins when the planet's disk is externally tangent with the Sun. सूर्य बुध संक्रमण तभी होता है जब बुध ग्रह का स्पर्श सूर्य परिधि के साथ होता है।

II — When the planet is internally tangent with the sun. जब बुध अन्दरूनी तौर पर सूर्य के साथ संलिप्त होता है।

III — Planet reaches opposite limb and is internally tangent with the sun. बुध दूसरी परिधि में पहुंचता है परन्तु सूर्य के साथ संलिप्त रहता है।

IV — Planet is externally tangent to the sun. बुध सूर्य के साथ सीधी रेखा की तरह बाहरी तौर पर स्पर्श करता हुआ निकल जाता है।



MERCURY TRANSIT CONTACT

	Universal Time	*Position Angle*
Contact I	19:12:04	141°
Contact II	19:13:57	141°
Greatest Transit	21:41:04	205°
Contact III	00:08:16	269°
Contact IV	00:10:08	269°

अथ शिवार्चनम्

अथ शांतिः पाठः

ॐ आनोभद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतोऽदब्धासोऽपरीता सऽउद्भिदः। देवानो यथा सदमिद्वृधेऽअसन्नप्रायुवो रक्षितारो दिवे दिवे।। देवानां भद्रा सुमतिर्ऋजूयतां देवानाꣳरातिरभिनो निवर्तताम्। देवानाꣳसख्यमुपसे दिमावयं देवानऽआयुः प्रतिरन्तु जीवसे।। तान्पूर्वया निविदाहूमहे वयम्भग-म्मित्रमदितिन्दक्षमस्त्रिधम्। अर्यमणं वरुणꣳसोममश्विनासरस्वतीनः सुभगामयस्करत्।। तन्नो वातो मयोभुव्वा तु भेषजन्तन्मातापृथिवीतत्पिताद्यौः तद्ग्रावाणः सोमसुतो मयो भुवस्तदश्विनाशृणुतन्धिष्ण्या युवम्।।

तमीशानं जगतस्तस्थुषस्पतिन्धियं जिन्वमवसे हूमहे वयम्।।
पूषानो यथावेदसामसद्वृधेरक्षिता पायुरदब्धः स्वस्तये।।
स्वस्तिनऽइन्द्रो वृद्धश्रवाः स्वस्तिनः पूषा विश्ववेदाः।
स्वस्तिनस्ताक्ष्योऽअरिष्टनेमिः स्वस्तिनोबृहस्पतिर्दधातु।।
पृषदश्वा मरुतः पृश्निमातरः शुभं यावानो विदथेषु जग्मयः।
अग्निजिह्वा मनवः सूरचक्षसोविश्वे नोदेवाऽअवसा गमन्निह।।
भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः।
स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवाꣳसस्तनूभिर्व्यशेमहि देवहितं यदायुः।।
शतमिन्नु शरदोऽअन्तिदेवा यत्रा नश्चक्रा जरसन्तूनाम्।
पुत्रासो यत्र पितरो भवन्ति मानो मध्या रीरिषतायुर्गन्तोः।।
अदितिद्यौरदितिरन्तरिक्षमदितिर्माता स पिता स पुत्रः।
विश्वेदेवाऽआदितिः पञ्चजनाऽअदितिर्ज्जातमदितिर्ज्जनित्वम्।।
तम्पत्नीभिरनुगच्छेम देवाः पुत्रैर्भ्रातृभिरुत वा हिरण्यैः।
नाकङ्गृभ्णानाः सुकृतस्य लोके तृतीये पृष्ठे अधिरोचने दिवः।।

आयुष्यंवर्च्चस्वꣳरायस्पोषयꣳमौद्भिदमू। इद्ꣳहिरण्यंवर्च्चस्वज्जैत्रा विशतादुमाम्।। ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षꣳशान्तिः पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शांतिः। वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे-देबाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः सर्वꣳशान्तिः शान्तिरेव शान्तिः सामा शान्ति रेधि।

ॐ यतो यतः समीहसे ततो नोऽअभयङ्कुरु।
शन्नः कुरुप्प्रजाभ्योऽभयन्नः पशुभ्यः।।

आत्मपूजा

पवित्रधारणम् :

ॐ वसोः पवित्रमसिशतधारं वसोः पवित्रमसि सहस्त्रधारम्।
देवस्त्वा सविता पुनातु वसोः पवित्रेण शतधारेण सुप्वा कामधुक्षः।।

अथवा

ॐ पवित्रेस्थो वैष्णव्यौ सवितुर्वः प्रसवऽउत्पुनाम्यच्छिद्रेण पवित्रेण सूर्यस्यरश्मिभिः। तस्य ते पवित्रपते पवित्रपूतस्य यत्कामः पुनेतच्छकेयम्।।

आत्माभिषेक :

अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थाङ्गतोऽपि वा।
यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं सबाह्याभ्यन्तरः शुचिः।।

आचमनम् :

ओं केशवाय नमः। ॐ नारायणाय नमः।
ओं माधवाय नमः।

हस्तप्रक्षालनम्:

ॐ श्रीकृष्णपरमात्मने नमः। ॐ गोविन्दाय नमः।
ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।

प्राणायाम :

ॐ भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्।।

अङ्गन्यास :

ओं वाङ्मेऽआस्येऽस्तु। ॐ नसोर्मे प्राणोऽस्तु। ॐ अक्ष्णोर्मे चक्षुरस्तु। ॐ कर्णयोर्मे श्रोत्रमस्तु। ॐ बाह्वोर्मे बलमस्तु। ॐ ऊर्वोर्मेऽओजोऽस्तु। ॐ अरिष्टानि मेऽङ्गानि तन्वा सह सन्तु।

सर्षपैर्दिग्बन्ध :

ॐ अपसर्पन्तु ते भूता ये भूता भुविसंस्थिताः।
ये चात्र विघ्नकर्त्तारस्ते गच्छन्तु शिवाज्ञया।।
अपक्रामन्तु भूतानि पिशाचाः सर्वतो दिशम्।
सर्वेषामविरोधेन ब्रह्मकर्मसमारभे।।

ओं प्राच्यैः नमः, ॐ अवाच्यै नमः, ॐ प्रतीच्यै नमः
ओं उदीच्यै नमः, ॐ अन्तरिक्षाय नमः, ॐ पूजाभूम्यै नमः

विनियोग :

ॐ पृथ्वीति मन्त्रस्य मेरुपृष्ठऋषिः सुतलंछन्दः कूर्मो देवता आसन-शोधने विनियोगः।

पृथ्वीपूजा :

ॐ पृथिव्यैः (आधारशक्तये) पादयोः पाद्यं, हस्तयोः अर्घ्यं, मुखे आचमनीयम्, शरीरे स्नानीयं, वस्त्रोपवस्त्रं, यज्ञोपवीतं एष गन्धः इमे अक्षताः इमानि पुष्पाणि, धूपोदीपश्च नैवेद्यं दक्षिणा द्रव्यं समर्पयामि।

पृथ्वी प्रार्थना :

ॐ पृथ्वित्वया धृता लोका देवित्वं विष्णुना धृता।
त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरु चासनम्।।

कर्मपात्रस्थापनम् :

गन्धादिना त्रिकोणमण्डलं कृत्वा दूर्वागन्धाक्षतपुष्पाणि निधाय कर्मपात्रं न्यसेत्। तत्रकर्मपात्रं पूर्ववद् गन्धाद्यैः सम्पूज्य।

कलशस्थापनम् :

ॐ आजिघ्रकलशं मह्या त्वा विशन्त्विन्दवः पुनरूर्ज्जा।
निवर्त्तस्व सा नः सहस्रं धुक्ष्वोरुधारा पयस्वतीः पुनर्म्मा विशताद्रयिः।।

जलपूरणम् :

ॐ वरुणस्योत्तम्भनमसि वरुणस्यस्कम्भसर्ज्जनी स्थोवरुणस्यऽऋत सदन्यसि वरुणस्यऽऋतसदनमसि वरुणस्यऽऋतसदनमासीत्।।

तीर्थाभिमन्त्रणम् :

ॐ गङ्गे च यमुने चैव गोदावारि सरस्वति।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु।।

गन्धक्षेपः

ॐ त्वां गन्धर्वा ऽअखनस्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः।
त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान्यक्ष्मादमुच्यत।।

दूर्वा

ॐ काण्डात्काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि।
एवानो दूर्वे प्रतनु सहस्रेण शतेन च।।

पूंगीफलम्

ॐ याः फलिनीर्याऽअफला ऽअपुष्पा याश्च पुष्पिणीः।
बृहस्पति प्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्वꣳहसः।।

पंचरत्नम्

ॐ परिवाजपतिः कविरग्निर्हव्यान्यक्रमीत्। दधद्रत्नानिदाशुषे।।

सुवर्णखण्डम्

ॐ हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
सदाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

रक्तवस्त्रम्

ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरूथमासदत्स्वः।
वासोऽअग्ने विश्वरूपꣳसंव्ययस्व विभावसो।।

स्मार्ताचमनम् :

ॐ गङ्गाविष्णुः ॐ गङ्गाविष्णुः ॐ गङ्गाविष्णुः।

वरुणावाहनम्

ॐ तत्त्वायामि ब्रह्मणावन्दमानस्तदाशास्तेयजमानो हविर्भिः।
अहेडमानो वरुणेह वोध्युरुशꣳसमानऽआयुः प्रमोषीः।।
अस्मिन्कलशे साङ्गं सपरिवारं सायुधं सशक्तिकं वरुणं आह्वायामि।

(कलश को चारों दिशाओं में तिलक लगायें)

ॐ ऋग्वेदाय नमः, ॐ यजुर्वेदाय नमः
ॐ सामवेदाय नमः, ॐ अथर्ववेदाय नमः

देवतावाह्नम्

ॐ कलाः कला हि देवानां दानवानां कलाः कलाः।
सगृह्य निर्मितो येन कलशस्तेन कथ्यते।।
कलशस्य मुखे विष्णुर्ग्रीवायां तु महेश्वरः।
मूले तस्यस्थितो ब्रह्मामध्ये मातृगणाः स्मृताः।।
कुक्षौ तु सागराः सप्तद्वीपा वसुन्धरा।
अर्जुनी गोमती सर्यू चन्द्रभागा सरस्वती।।
कावेरी कृष्णावेणी च गङ्गा चैव महानदी।
तापी गोदावरी चैव माहेन्द्री नर्मदा तथा।।
नद्याश्च विविधा जाता नद्यः सर्वास्तथा परा।
पृथिव्यां यानि तीर्थानि कलशस्थानि तानि वै।।
सर्वे समुद्राः सरितस्तीर्थानि जलदा नदाः
आयान्तु मम शान्त्यर्थं दुरितक्षय कारकाः।
ऋग्वेदोऽथ यजुर्वेदः सामवेदो ह्यथर्वणः।
अङ्गैश्चसहिताः सर्वे कलशं तु समाश्रिताः।।
शान्तिः पुष्टिश्च गायत्री सावित्री कलशे स्थिताः।
आयान्तु मम शान्त्यर्थं दुरितक्षयकारकाः।।

आत्मतिलकम् :

ओं सुचक्षाऽअहमक्षीभ्यां भूयासꣳसुवर्चामुखेन।
सुश्रुत् कर्णाभ्यां भूयासम्।।

शिखाबन्धनम् :

ओं उर्ध्वं केशि विरुपाक्षि मांसशोणितभोजने।
तिष्ठ देवि शिखा मध्ये चामुण्डे चापराजिते।।

सूर्यार्घ्यम् :

ॐ एहि सूर्यसहस्रांशो तेजोराशे जगत्पते।
अनुकम्पय मां भक्तया गृहाणार्घ्यं दिवाकर।।

ध्यानम् :

ॐ ध्येयः सदा सवितृमण्डलवर्त्ती नारायणः सरसिजासनसन्निविष्टः।
केयूरवान् मकरकुण्डलवान् किरीटीहारी। हिरण्मयवपुर्धृत शंखचक्रः।।

दीपार्घ्यम् :

ॐ सुप्रकाश महादीप सर्वतस्तिमिरापह।
प्रसीदमम गोविन्द दीपार्घ्यः प्रतिगृह्यताम्।।

दीपम्

ओं अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा। सूर्योज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा।
अग्निर्वर्चोज्योतिर्वर्चः स्वाहा। सूर्योवर्चोज्योतिर्वर्चः स्वाहा। ज्योतिः
सूर्यः सूर्योज्योतिः स्वाहा।।

दीपप्रार्थना :

ॐ दीप! ब्रह्मरूपस्त्वमन्धकारनिवारक।
इमां मया कृतां पूजा गृह्ण तेजो विवर्धय।।

धूपार्घ्यम् :

ॐ वनस्पति रसोदभूत गन्धाढ्य सुमनोहर।
आघ्रेय सर्वदेवानां घूपार्घ्यः प्रतिगृह्यताम्।।

धूपम्ः

ओं धूरसिधूर्वधूर्वन्तन्धूर्वत योऽस्मान्धूर्वतितन्धूर्वयंवयंधूर्वामः।

देवानामसिवह्नितमꣳसस्नितमंपप्रितमञ्जुष्टतमन्देवहूतमम्।।

धूपप्रार्थना :

ॐ वासना वासुदेवस्य वासितं भुवनत्रयम्।
सर्वभूतनिवासोऽसि वासुदेव नमोऽस्तुते।।
एषाऽऽत्मपूजा सर्वकर्मसुप्रयोज्या।।

प्रतिज्ञा संकल्प :

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया-प्रवर्त्तमानस्य अद्य श्री ब्रह्मणोऽह्निद्वितीये परार्द्धे विष्णुपदे श्रीश्वेतवाराह कल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशति तमे युगे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्वीपे भूर्लोके भरतखण्डे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशे अमुकक्षेत्रे अमुकनाम्नि संवत्सरे अमुकायने अमुकऋतौ महामाङ्गल्यप्रदेमासोत्तमे मासे अमुकमासे अमुक पक्षे अमुकतिथौ अमुकवासरे अमुकनक्षत्रे अमुकयोगे अमुककरणे अमुकराशिस्थिते चन्द्रे अमुकराशिस्थिते सूर्ये अमुक राशिस्थिते देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथा- यथाराशिस्थानस्थितेषु सत्सू एवं ग्रहगुणविशेषणविशिष्टायां शुभपुण्यतिथौ अमुकगोत्रः अमुकशर्माऽहं (अमुक वर्माऽहम्, अमुकगुप्तोऽहम्) सपत्नीकः ममाऽत्मनः श्रुति-स्मृति-पुराणोक्तफलप्राप्तिकामः कायिकवाचिक-मानसिक-सांसर्गिक-चतुर्विधपातकदुरितक्षयद्वारा चतुर्वर्गफलप्राप्त्यर्थं ॐ भूर्भुवः स्वः श्रीभवानीशङ्करमहारुद्रदेवताप्रीत्यर्थं शिवलिङ्गोपरि (अमुकलिङ्गोपरि) दुग्धधारया जलधारया वा पूजनमहं करिष्ये। तदङ्गत्वेन नन्दीश्वरादीनां नन्दीश्वरं- वीरभद्रंस्वामीकार्तिकं-कुबेरं-कीर्तिमुखादीनां पूजनं च करिष्ये। तत्रादौ निर्विघ्नतासिद्ध्यर्थं गणेशाम्बिकयोः पूजनं च करिष्ये।

अथ स्वस्तिवाचनम्

ॐ स्वस्तिनऽ इन्द्रो वृद्धश्रवाः स्वस्तिनः पूषाविश्ववेदाः।
स्वस्तिनस्तार्क्ष्योऽअरिष्टनेमिः स्वस्तिनो बृहस्पतिर्द्दधातु।।
पयः पृथिव्याम्पयऽओषधीषु पयोदिव्यन्तरिक्षे पयोधाः।

पयस्वतीः प्रदिशः सन्तुमह्यम्। विष्णोरराटमसि विष्णोः श्नप्त्रेस्थो विष्णोः स्यूरसि विष्णोर्ध्रुवोसि। वैष्णवमसि त्रिष्णवे त्वा। अग्निर्देवता वातो देवता सूर्योदेवता चन्द्रमा देवता वसवोदेवता रुद्रा देवताऽऽदित्या देवता मरुतो देवता विश्वेदेवा देवता बृहस्पतिर्देवतेन्द्रो देवता वरुणो देवता। द्यौः शान्तिरन्तरिक्ष् ꣳ शान्तिः पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः। वनस्पतयः शान्तिर्विश्वेदेवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः सर्वꣳशान्तिः शान्तिरेव शांतिः सामा शांतिरेधि। विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद्भद्रं तन्नऽआसुव। इमा रुद्राय तवसे कपर्दिने क्षयद्वीराय प्रभारामहे मतीः यथाशम सद्द्विपदे चतुष्पदे विश्वं पुष्टङ्ग्रामेऽअस्मिन्ननातुरम्।। एतन्ते देवसवितुर्यज्ञम्प्राहुवर्बृहस्पतये ब्रह्मणे। तेन यज्ञमव तेन यज्ञपतिन्तेन मामव।। मनोजूतिर्ज्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्य्यज्ञमिमन्तनोत्वरिष्टं यज्ञꣳसमिमन्दधातु। विश्वेदेवासऽइह मादयन्तामोम्प्रतिष्ठ।। एष वै प्रतिष्ठानाम् यज्ञोयत्रैतेन यज्ञेन यजन्ते न सर्व्रमेव प्रतिष्ठितम्भवति।। गणानान्त्वा गणपतिꣳहवामहे प्प्रियाणान्त्वा प्रियपतिꣳहवामहे निधीनान्त्वा निधिपतिꣳहवामहे वसोमम आहमजानिगर्ब्भधमात्वमजासि गर्ब्भधम्। नमो गणेब्भ्यो गणपतिब्भ्यश्च वो नमो नमो व्रातेभ्योव्रातपतिब्भ्यश्च वो नमो नमो गृत्सेब्भ्यो गृत्सपतिब्भ्यश्च वो नमो नमो विरूपेभ्योविश्वरूपेब्भ्यश्च वो नमो नमः।।

ॐ श्रीमन्महागणाधिपतये नमः। ॐ लक्ष्मीनारायणाभ्यां नमः।
ॐ उमामहेश्वराभ्यां नमः। ॐ वाणीहिरण्यगर्भाभ्यां नमः।
ॐ शचीपुरन्दराभ्यां नमः। ॐ इष्टदेवताभ्यो नमः।
ॐ ग्रामदेवताभ्यो नमः। ॐ स्थानदेवताभ्यो नमः।
ॐ कुलदेवताभ्यो नमः। ॐ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः।
ॐ श्री-मातृ-पितृ-चरण-कमलेभ्यो नमः। ॐ पञ्चोंकारेभ्यो नमः।
ॐ षोडशमातृका-सप्तमातृकाभ्यो नमः। ॐ कुण्डमण्डपाधिष्ठातृ-देव-ताभ्यो नमः। ॐ अधिदेव-प्रत्यधिदेव-सहितेभ्यो सूर्यादिग्रहेभ्यो-नमः।
ॐ समस्त-लोकपालेभ्यो नमः। ॐ वास्तु-क्षेत्रपालयोगिनी-सर्वतोभद्र-पीठाधिष्ठातृ-देवताभ्यो नमः। ॐ श्रीसीतारामचन्द्राभ्यां नमः।
ॐ श्री राधादामोदराभ्यां नमः। ॐ बद्रीनाथादिचतुर्धामभ्यो नमः।
ॐ गंगादिसप्तविंशतिनदीभ्यो नमः। ॐ प्रयागादि-तीर्थ-राजेभ्यो नमः।
ॐ त्रित्रिंशतकोटिदेवताभ्यो नमः। ॐ सर्वेभ्यो ब्रह्मणेभ्यो नमः।
ॐ एतत्कर्मप्रधानदेवायरुद्राय नमः। ॐ पुण्यं पुण्याहंदीर्घमायुरस्तु।

ॐ सुमुखश्चैकदन्तश्च कपिलो गजकर्णकः।
लम्बोदरश्चविकटो विघ्ननाशो विनायकः।
धूम्रकेतुर्गेणाध्ययक्षो भालचन्द्रो गजाननः।
द्वादशैतानि नामानि यः पठेच्छृणुयादपि।
विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा।
संग्रामे संकटे चैव विघ्नस्तस्य न जायते।
शुक्लाम्बरधरं देवं शशिवर्णं चतुर्भुजम्।
प्रसन्न वदनंध्यायेत्सर्व-विघ्नतोपशान्तये।

अभीप्सितार्थं सिद्ध्यर्थं पूजितो यः सुरासुरैः।
सर्वविघ्नहरस्तस्मै गणाधिपतये नमः।
सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये-त्र्यम्बके-गौरि नारायणि नमोऽस्तुते।
सर्वदा सर्वकार्येषु नास्ति तेषाममङ्गलम्।
येषां हृदिस्थो भगवान् मङ्गलायतनो हरिः।
तदेव लग्नं सुदिनं तदेव ताराबलं चन्द्रबलं तदेव।
विद्याबलं दैवबलं तदेवलक्ष्मीपतेऽङ्घ्रियुगं स्मरामि।
लाभस्तेषां जयस्तेषां कुतस्तेषां पराजयः।
येषामिन्दीवरश्यामो हृदयस्थो जनार्दनः।।
यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः।
तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवानीतिर्मतिर्मम्।।
अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते।
तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम्।
स्मृते सकलकल्याणं भाजनं यत्र जायते।
पुरुषं तमजं नित्यं व्रजामि शरणं हरिम्।
सर्वेष्वारम्भकार्येषु त्रयस्त्रिभुवनेश्वराः।
देवा दिशन्तु नः सिद्धिं ब्रह्मेशान जनार्दनाः।
विनायकं गुरुं भानुं ब्रह्मविष्णुमहेश्वरान्।
सरस्वतीं प्रणम्यादौ सर्वकार्यार्थसिद्धये।
वक्रतुण्ड - महाकाय - कोटिसूर्यसमप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।

श्री गौरीगणेशपूजा

आह्वानम्– ॐ गणानान्त्वागणपतिᳪं हवामहेप्रियाणान्त्वाप्रियपतिᳪं हवामहे
निधीनान्त्वा निधिपतिᳪं हवामहे वसोमम।
आहमजानि गर्भधमा त्वमजासि गर्भधम्।
ॐ अम्बेऽअम्बिकेऽअम्बालिके न मा नयति कश्चन।
स सस्त्यश्वकः सुभद्रिकाकाम्पीलवासिनीम्।।

आसनम्– ॐ वर्ष्मोऽस्मि समानानामुद्यतामिव सूर्यः।
इमन्तमभितिष्ठामि यो मा कश्चाभिदासति।।

पाद्यम्– ॐ एतावानस्य महिमातो ज्यायांश्च पुरुषः।
पादोऽस्य विश्वाभूतानि त्रिपादस्यामृतन्दिवि।।

अर्घ्यम्– ॐ धामन्ते विश्वम्भुवनमधिश्रितमन्तः समुद्रेहृद्यन्तरायुषि।
आपामनीके समिथेयऽआभृतस्तमधुमन्तन्तऽऊर्मिम्।।

आचमनम्– ॐ इमम्मे वरुण श्रुधी हवमद्या च मृडय। त्वामवस्युराचके।।

स्नानम्– ॐ तस्माद्यज्ञात्सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम्।
पशूंस्तांश्चक्रे वायव्या नारण्या ग्राम्याश्चये।।

पयःस्नानम्– ॐ पयः पृथिव्यांम्पयऽओषधीषु पयोदिव्यन्तरिक्षं पयोधाः
पयस्वतीः प्रदिशः सन्तु मह्यम्।।

शुद्धस्नानम्– ॐ देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णोहस्ताभ्याम्
एवं सर्वत्र दधिघृतादि स्नानान्ते इति प्रयोज्यम्।

दधिस्नानम्– ॐ दधिक्राष्णोऽअकारिषञ्जिष्णोरश्वस्य वाजिनः।
सुरभिनो मुखाकरत्प्रणऽआयूᳪंषि तारिषत्।।

घृतस्नानम्– ॐ घृतम्मिमिक्षे घृतमस्य योनिर्घृते श्रितोघृतम्वस्य धाम।
अनुष्वधमावह मादयस्व स्वाहाकृतं वृषभवक्षिहव्यम्।।

मधुस्नानम्– मधुवाताऽऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः।
मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ᳪं रजः। मधुद्यौरस्तु नः पिता।
मधुमान्नोवनस्पतिर्मधुमांऽऽअस्तुसूर्यः। माध्वीर्गावोभवन्तुनः।।

शर्करास्नानम्– ॐ अपा ᳪं रसमुद्वयस ᳪं सूर्येसन्त ᳪं समाहितम्।
अपा ᳪं रसस्ययोरसस्तंवो गृह्णाम्युत्तमुपयामगृहीतोऽसीन्द्रा-
यत्वा।। जुष्टङ् गृह्णाम्येषते योनिरिन्द्राय त्वा जुष्टतमम्।।

उद्वर्तनस्नानम्– ॐ गन्धर्वस्त्वाविश्वावसुः परिदधातु विश्वस्यारिष्ट्यै
यजमानस्य परिधिरस्यग्निरिडऽईडितः। इन्द्रस्यबाहुरसिदक्षिणो
विश्वस्यारिष्ट्यै यजमानस्यपरिधिरस्यग्निरिडऽडितः। मित्रो-वरुणौ
त्वोत्तरतः परिधत्तां ध्रुवेण धर्मणा विश्वस्यरिष्ट्यै यज्ञमानस्य
परिधिरस्यग्निरिडऽईडितः।।

शुद्धस्नानम्– ॐ शुद्धवालः सर्वशुद्धवालो मणिवालस्तऽआश्विनाः श्येतः
श्येताक्षोऽरुणस्ते रुद्राय पशुपतये कर्णायामाऽअवलिप्ता रौद्रा
नभोरूपाः पार्जन्याः।

वस्त्रम्– ॐ युवा सुवासाः परिवीतऽआगात्सउश्रेयान् भवति जायमानः।
तन्धीरासः कवयऽउन्नयन्ति स्वाध्योमनसा देवयन्तः।।

यज्ञोपवीतम्– ॐ यज्ञोपवीतम्परमम्पवित्रम्प्रजापतेर्यत्सहजम्पुरस्तात्
आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुंच शुभ्रं यज्ञोपवीतम्बलमस्तु तेजः।।

चन्दनम्– ॐ त्वाङ्गन्धर्वाऽअखनं स्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः।
त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान्यक्ष्माद्मुच्यत।।

अक्षतान्– अक्षन्नमीमदन्त ह्यवप्रियाऽअधूषत। अस्तौषतस्व भानवो
विप्रानविष्ठयामतीयोजान्विन्द्रते हरी।

पुष्पाणि– ॐ ओषधीःप्रतिमोद्ध्वम्पुष्पवतीः प्रसूवरीः।
अश्वाऽइव सजित्वरीर्वीरुधः पारयिष्णवः।।

दुर्वाङ्कुरम्– ॐ काण्[illegible] काण्डात्प्ररोहन्तीः परुषः परुषस्परि।
एवानो दूर्वे प्रतनु स[illegible]ण शतेन च।।

सुगन्धतैलम्– ॐ अहिरिवभोगैः पर्येति बाहुञ्ज्याया हेतिम्परिबाधमानः।
हस्तघ्नो विश्वावयुनानि विद्वान्पुमान्पुमा ᳪं सम्परिपातु विश्वतः।।

धूपम्– ॐ धूरसिधूर्वधूर्वन्तन्धूर्वतं ᳪं योऽस्मान्धूर्वतितन्धूर्वयम्वयंधूर्वामः।

देवानामसिवह्णितम्ॅंसस्नितमंपप्रितमञ्जुष्टतमन्देवहूतमम्।।

दीपम्– ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा सूर्योज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा। अग्निर्वर्चोज्योतिर्वर्चः स्वाहा सूर्योवर्चोज्योतिर्वर्चः स्वाहा।। ज्योतिः सूर्यः सूर्योज्योतिः स्वाहा।।

नैवेद्यम्– ॐ अन्नपतेऽन्नस्य नो धेह्यनमीवस्य शुष्मिणः। प्रप्रदातारं तारिषऽऊर्ज्जनो धेहि द्विपदे चतुष्पदे।।

हस्तप्रक्षालनम्– ॐ अॅंशुना तेऽअॅंशुःपृच्यतां परुषः परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसोऽअच्युतः।।

फलम्– ॐ याः फलिनीर्याऽअफलाऽअपुष्पायाश्च पुष्पिणीः। बृहस्पति प्रसूतास्तानोमुञ्चन्त्व-ॅं-हसः।।

ताम्बूलम्– ॐ उतस्माद् द्रवितस्तुरण्यतः पर्णन्नवेरनुवाति प्रगर्द्धिनः। श्येनस्येवध्रजतोऽअङ्कसम्परिदधिक्राब्णः सहोर्ज्जातरित्रतः स्वाहा।

दक्षिणा– ॐ हिरण्यगर्भः समवर्त्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेकऽआसीत्। सदाधार पृथिवीद्यामुतेमां कस्मै देवाय ह्विषाव्विधेम।।

आरार्त्तिकम्– ॐ आरात्रिः पार्थिव ॅं रजः पितुरप्रायिधामभिः। दिवः सदाॅंसि वृहती वितिष्ठ सऽआत्वेषं वर्तते तमः।। इद ॅं हविः प्रजननम्मेऽअस्तु दशवीर ॅं सर्वगण ॅं स्वस्तये। आत्मसनिप्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि। अग्निः प्रजाम्बहुलां मे करोत्वन्नम्पयोरेतोऽअस्मासुधत्त।।

पुष्पाञ्जलि– ॐ यज्ञेनयज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः।। ॐ राजाधिराजाय प्रसह्यसाहिने नमोवयं वैश्रवणाय कुर्महे। समे कामान्कामकामायमह्यं कामेश्वरोवैश्रवणोददातु कुबेराय वैश्रवणाय महाराजाय नमः। ॐ स्वस्ति साम्राज्यं भौज्यं स्वराज्यं वैराज्यं पारमेष्ठ्यं राज्यं महाराज्यमाधिपत्यमयं समन्तपर्यायी स्यात् सार्वभौमः सर्वायुषाऽआन्तादापरार्घात् पृथिव्यैसमुद्रपर्यन्तायाऽएकराडिति तदप्येष श्लोकोऽभिगीतो मरुतः परिवेष्टारो मरुत्तस्यावसन् गृहे। आविक्षितस्य कामप्रेर्विश्वेदेवाः सभासद इति।

ॐ विश्वतश्चक्षुरुतविश्वतो मुखो विश्वतोबाहुरुतविश्वतस्पात् सम्बाहुभ्यान्धमति सम्पतत्त्रैर्द्यावाभूमी जनयन्देव एकः।

प्रदक्षिणा– ॐ सप्तास्यासन्परिधयस्त्रिः सप्तसमिधः कृताः। देवा यद् यज्ञन्तन्वानाऽअबध्नन्पुरुषम्पशुम्।।

विशेषार्घ्यः– ॐ रक्ष रक्ष गणाध्यक्ष रक्ष त्रैलोक्यरक्षक।
भक्तामानभयं कर्ता त्राता भव भवार्णवात्।।
द्वैमातुर कृपासिन्धो षाण्मातुराग्रज प्रभो।
वरद त्वं वरं देहि वांछितं वांछितार्थद।।
अनेन सफलार्घ्येण फलदोऽस्तु सदा मम।

ॐ भूर्भुवः स्वः सिद्धिबुद्धिसहितमहागणाधिपतये नमः विशेषार्घ्यं समर्पयामि।

प्रार्थना

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय, लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय, गौरीसुताय गणनाथनमोनमस्ते।।
भक्तार्तिनाशनपराय गणेश्वराय, सर्वेश्वराय शुभदाय सुरेश्वराय।
विद्याधराय विकटाय च वामनाय, भक्तप्रसन्नवरदाय नमो नमस्ते।।

नमस्तेब्रह्मरूपायविष्णुरूपाय ते नमः।
नस्मस्तेः रूद्ररूपाय करिरूपाय ते नमः।
विश्वरूपस्वरूपायनमस्ते ब्रह्मचारिणे।
भक्तप्रियायदेवायनमस्तुभ्यं विनायक।।

लम्बोदरममस्तुम्यं सततं मोदक प्रिय।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषुसर्वदा।
त्वां विघ्नशत्रुदलनेति च सुन्दरेति
भक्तप्रियेति सुखदेति वरप्रदेति।।
विद्या प्रदेत्यघहरेति च ये स्तुवन्ति
तेभ्यो गणेश वरदो भवनित्यमेव।

अनयापूजया सिद्धिबुद्धिसहितोमहागणपतिः सांगः सपरिवारः प्रीयताम्।।

श्रीगणपत्यथर्वशीर्षम्

ॐ भद्रङ्कर्णेभिरिति शान्तिः

हरिः ॐ।। नमस्ते गणपतये। त्वमेव प्रत्यक्षं तत्त्वमसि। त्वमेव केवलं कर्त्तासि। त्वमेव केवलं धर्त्तासि। त्वमेव केवलं हर्त्तासि। त्वमेव सर्वं खल्विदं ब्रह्मासि। त्वं साक्षादात्मासि नित्यम्। ऋतं वच्मि। सत्यं वच्मि। अव त्वं माम्। अव वक्तारम्। अव श्रोतारम्। अव दातारम्। अव धातारम्। अवानूचानमव शिष्यम्। अव पश्चात्तात्। अव पुरस्तात्। अव चोत्तरात्तात्। अव दक्षिणात्तात्। अव चोर्ध्वात्तात्। अवाधरात्तात्। सर्वतो मां पाहि। पाहि समन्तात्। त्वं वाङ्मयस्त्वं चिन्मयः। त्वमानन्दमयस्त्वं ब्रह्ममयः। त्वं सच्चिदानन्दद्वितीयोऽसि। त्वं प्रत्यक्षं ब्रह्मासि। त्वं ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसि। सर्वं जगदिदं त्वत्तो जायते। सर्वं जगदिदं त्वत्तस्तिष्ठति। सर्वं जगदिदं त्वयि लयमेष्यति। सर्वं जगदिदं त्वयि प्रत्येति। त्वं भूमिरापोऽनलोऽनिलो नभः। त्वं चत्वारि वाक्पदानि। त्वं गुणत्रयातीतः। त्वं कालत्रयातीतः। त्वं देहत्रयातीतः। त्वं मूलाधारस्थितोऽसि नित्यम्। त्वं शक्तित्रयात्मकः। त्वां योगिनो ध्यायन्ति नित्यम्। त्वं ब्रह्मा त्वं विष्णुस्त्वं रुद्रस्त्वमिन्द्रस्त्वमग्निस्त्वं वायुस्त्वं सूर्यस्त्वं चन्द्रमास्त्वं ब्रह्म भूर्भुवः सुवरोम्। गणादि पूर्वमुच्चार्य वर्णादिं तदनन्तरम्। अनुस्वारः परतरः। अर्धेन्दुलसितम्। तारेण ऋद्धम्। एतत्तव मनुस्वरूपम्। गकारः पूर्वरूपम्। अकारो मध्यमरूपम्। अनुस्वारश्चान्त्यरूपम्। बिन्दुरुत्तररूपम्। नादः सन्धानम्। संहिता सन्धिः। सैषा गणेशविद्या। गणक ऋषिः निचृद्गायत्री छन्दः। श्रीमहागणपतिर्देवता। ॐ गम्। (गणपतये नमः।) एकदन्ताय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि। तन्नो दन्ती प्रचोदयात्।। एकदन्तं चतुर्हस्तं पाशमङ्कुशधारिणम्। अभयं वरदं हस्तैर्बिभ्राणं मूषकध्वजम्।। रक्तं लम्बोदरं शूर्पकर्णकं रक्तवाससम्। रक्तगन्धानुलिप्ताङ्गं रक्तपुष्पैः सुपूजितम्।। भक्तानुकम्पिनं देवं जगत्कारणमच्युतम्। आविर्भूतं च सृष्ट्यादौ प्रकृतेः पुरुषात्परम्।। एवं ध्यायति यो नित्यं स योगी योगिनां वरः। नमो व्रातपतये नमो गणपतये नमः प्रमथपतये नमस्तेऽस्तु लम्बोदरायैकदन्ताय विघ्नविनाशिने शिवसुताय श्रीवरदमूर्तये नमो नमः।। एतदथर्वशीर्षं योऽधीते सब्रह्मभूयाय कल्पते। स सर्वविघ्नैर्न बाध्यते। स सर्वतः सुखमेधते। स पञ्चमहापातकोपपातकात् प्रमुच्यते। सायमधीयानो दिवसकृतं पापं नाशयति। प्रातरधीयानो रात्रिकृतं पापं नाशयति। सायं प्रातः प्रयुञ्जानोऽपापो भवति। धर्मार्थकाममोक्षं च विन्दति। इदमथर्वशीर्षमशिष्याय न देयम। यो यदि मोहाद्दास्यति स पापीयान् भवति। सहस्रावर्तनाद्यं यं काममधीते तं तमनेन साधयेत्। अनेन गणपतिमभिषिञ्चति स वाग्मी भवति। चतुर्थ्यामनश्नञ्जपति स विद्यावान् भवति। इत्यथर्वणवाक्यम्। ब्रह्माद्याचरणं विद्यात्। न बिभेति कदाचनेति। यो दूर्वाङ्कुरैर्यजति स वैश्रवणोपमो भवति। यो लाजैर्यजति स यशोवान् भवति। स मेधावान् भवति। यो मोदकसहस्रेण यजति स वाञ्छितफलम-वाप्नोति। यः साज्यसमिद्भिर्यजति स सर्वं लभते स सर्वं लभते। अष्टौ ब्राह्मणान् सम्यग्ग्राहयित्वा सूर्यवर्चस्वी भवति। सूर्यग्रहे महानद्यां प्रतिमा संनिधौ वा जप्त्वा सिद्धमन्त्रो भवति। महाविघ्नात् प्रमुच्यते। महापापात् प्रमुच्यते। महादोषात् प्रमुच्यते। स सर्वविद्भवति। स सर्वविद्भवति। य एवं वेद।। ॐ भद्रङ्कर्णेभिरिति शान्तिः।।

।। इति श्रीगणपत्यथर्वशीर्षम् ।।

अथ विप्र वरणम्

अथ संकल्पः

ॐ तत्सदद्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्द्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे-जम्बूद्वीपे भरतखण्डे भारतवर्षे आर्य्यावर्त्तैकदेशे अमुकस्थाने अमुकसंवत्सरे अमुकायने अमुकऋतौ अमुकमासे अमुकपक्षे अमुकतिथौ अमुकवासरे अमुकनक्षत्रे अमुकयोगे अमुकगोत्रः अमुकशर्मा श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्तिकामः चतुर्वर्गफलप्राप्त्यर्थं अमुक शिवलिङ्ग पूजनं ब्राह्मण द्वारा कारयितुमेभिवरणद्रव्यैर्यथानामगोत्रानं ब्राह्मणान् युष्मानहं वृणे।

अथ ईशान कलश स्थापनम्

भूमिस्पर्शः – ॐ महीद्यौः पृथिवी च न ऽइमं यज्ञं मिमिक्षताम्।
पिपृतानो भरीमभिः।।

तण्डुलपुञ्जम् – ॐ औषधयः समवदन्त सोमेन सह राज्ञा।
यस्मै कृणोति ब्राह्मणस्तꣳराजन्पारयामसि।।

कलशस्थापनम् – ॐ आजिघ्रकलशं मह्या त्वा विशन्त्विन्दवः पुनरूर्ज्जा।
निवर्त्तस्व सा नः सहस्रं धुक्ष्वोरुधारा
पयस्वतीः पुनर्म्मा विशताद्रयिः।।

जलपूरणम्– ॐ वरुणस्योत्तम्भनमसि वरुणस्यस्कम्भसर्ज्जनी
स्थोवरुणस्यऽऋत सदन्यसि वरुणस्यऽऋतसदनमसि
वरुणस्यऽऋतसदनमासीत्।।

तीर्थजलम् – इमम्मे गंगे यमुने सरस्वति शुतुद्रिस्तोम ꣳ स च तापरुष्ण्या।
मरुद्वृधे वितस्तयार्जीकीयेश्रृणु ह्यासुषोमया।।

गन्धक्षेपः – ॐ त्वां गन्धर्वा ऽअखनस्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः।
त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान्यक्ष्मादमुच्यत।।

सर्वौषधीः – ॐ याऽओषधीः पूर्वाजाता देवेभ्यस्त्रियुगम्पुरा।
मनैनु बभ्रुणामहꣳशतंधामानि सप्त च।।

दूर्वा – ॐ काण्डात्काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि।
एवानो दूर्वे प्रतनु सहस्रेण शतेन च।।

पञ्चपल्लवाः – ॐ अश्वत्थेवोनिषदनं पर्ण्णे वो वसतिष्कृता।
गोभाजऽइत्किलासथयत्सनवथ पुरुषम्।।

सप्तमृत्तिका – ॐ स्योना पृथिवि नो भवानृक्षरा निवेशनी।
यच्छानः शर्म्म सप्रथाः।।

पूंगीफलम् – ॐ या फलिनीर्याऽअफला ऽअपुष्पा याश्च पुष्पिणीः।
बृहस्पतिः प्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्वꣳहसः।।

पंचरत्नम् – ॐ परिवाजपतिः कविरग्निर्हव्यान्यक्रमीत्। दधद्रत्नानिदाशुषे।।

सुवर्णखण्डम्–ॐ हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
सदाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

रक्तवस्त्रम् – ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरूथमासदत्स्वः।
वासोऽग्ने विश्वरूपꣳसंव्ययस्व विभावसो।।

पूर्णपात्रम् – ॐ पूर्णादर्व्रि परापत सुपूर्णा पुनरापत।
वस्नेन विक्रीणावहाऽइषमूर्ज ꣳ शतक्रतो।।

श्रीफलम् – ॐ याः फलिनीर्याऽअफलाऽअपुष्पा याश्च पुष्पिणीः।
बृहस्पतिप्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्वꣳहसः।।

वरुणावाहनम्– ॐ तत्त्वायामि ब्रह्मणावन्दमानस्तदाशास्तेयजमानो हविर्भिः।
अहेडमानो वरुणेह वोध्युरुशꣳसमानऽआयुः प्रमोषीः।।
अस्मिन्कलशे साङ्गं सपरिवारं सायुधं
सशक्तिकं वरुणं आह्वायामि।

देवतावाह्नम्– ॐ कलाः कला हि देवानां दानवानां कलाः कलाः।
सगृह्य निर्मितो येन कलशस्तेन कथ्यते।।
कलशस्य मुखे विष्णुर्ग्रीवायां तु महेश्वरः।

मूले तस्यस्थितो ब्रह्मामध्ये मातृगणाः स्मृताः।।
कुक्षौ तु सागराः सप्तद्वीपा वसुन्धरा।
अर्जुनी गोमती सर्यू चन्द्रभागा सरस्वती।।
कावेरी कृष्णावेणी च गङ्गा चैव महानदी।
तापी गोदावरी चैव माहेन्द्री नर्मदा तथा।।
नद्याश्च विविधा जाता नद्यः सर्वास्तथा परा।
पृथिव्यां यानि तीर्थानि कलशस्थानि तानि वै।।
सर्वे समुद्राः सरितस्तीर्थानि जलदा नदाः
आयान्तु मम शान्त्यर्थं दुरितक्षय कारकाः।
ऋग्वेदोऽथ यजुर्वेदः सामवेदो ह्यथर्वणः।
अङ्गैश्चसहिताः सर्वे कलशं तु समाश्रिताः।।
शान्तिः पुष्टिश्च गायत्री सावित्री कलशे स्थिताः।
आयान्तु मम शान्त्यर्थं दुरितक्षयकारकाः।।

प्रतिष्ठा– ॐ मनोजूतिर्जुषतामज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं तनोत्वरिष्टं यज्ञꣳसमिमन्दधातु। विश्वेदेवासऽइहमादयन्तामोम्प्रतिष्ठ। कलशे वरुणद्यावाहितदेवताः सुप्रतिष्ठिता वरदा भवन्तु।।

कलशस्थदेवपूजा – ॐ कलशे आवाहितवरुणादि देवताभ्यो नमः पादयोः पाद्यम् हस्तयोरर्घ्यं। मुखे आचमनीयम्। सर्वांगेषु स्नानीयम्। गन्धाक्षत पुष्पधूपदीपनैवेद्य-दक्षिणादि यथासम्भवोपचाराणि समर्पयामि।

प्रार्थना – ॐ देवदानव-संवादे मथ्यमाने महोदधौ
उत्पन्नोऽसि तदाकुम्भ विधृतो विष्णुना स्वयम्।
त्वत्तोये सर्वतीर्थाणि देवाः सर्वे त्वयिस्थिताः।
त्वयि तिष्ठन्ति भूतानि त्वयि प्राणाः प्रतिष्ठिताः।।
शिवः स्वयं त्वमेवासि विष्णुस्त्वञ्च प्रजापतिः।
आदित्या वसवोरुद्राः विश्वेदेवाः सपैतृकाः।।
त्वयि तिष्ठन्ति सर्वेऽपि यतः कामफलप्रदाः।।
त्वत्प्रसाददिमं यज्ञं कर्तृमीहे जलोद्भव।।
सान्निध्यं कुरु मे देव प्रसन्नो भव सर्वदा।
अनया पूजया कलशे वरुणाद्यावाहितदेवताः प्रीयन्ताम्।
ॐ नमो नमस्ते स्फटिकप्रभाय सुश्वेतहाराय सुमङ्गलाय।
सुपाशहस्ताय झषासनाय जलाधिनाथाय नमो नमस्ते।।

नन्दीश्वरपूजनम्

ॐ आर्यगौः पृश्निरक्रमीदसदन्मातरं पुरः। पितरं च प्रयन्त्स्वः।

प्रार्थना

ॐ प्रैतु वाजी कनिक्रदन्नानदद्रासभः पत्त्वा।
भरन्नग्निं पुरीष्यं मा पाद्यायुषः पुरा।

वीरभद्रपूजनम्

ॐ भद्रं कर्णेभिःशृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः।
स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवाꣳसस्तनूभिर्व्यशेमहि देवहितं यदायुः।।

प्रार्थना

ॐ भद्रो नोंऽअग्निराहुतमो भद्रा राति सुभग भद्राऽअध्वरः भद्रा उत प्रशस्तयः।।

स्वामिकार्तिकपूजनम्

ॐ यदक्रन्दः प्रथमं जायमानऽउद्यन्त्समुद्रादुत वा पुरीषात्
श्येनस्य पक्षा हरिणस्य बाहू उपस्तुत्त्यं महि जातं ते अर्वन्।।

प्रार्थना

ॐ यत्र बाणाः सम्पतन्ति कुमारा विशिखा इव। तन्न इन्द्रो
बृहस्पतिरदितिः शर्मयच्छतु विश्वाहा शर्म यच्छतु।

कुवेरपूजनम्

ॐ कुविदङ्गयवमन्तो यवञ्चिद्यथा दान्त्यनुपूर्वं वियूय।
इहेहैषां कृणुहि भोजनानि ये बर्हिषो नम उक्तिं यजन्ति।।

प्रर्थना

ॐ वयᳬसोम व्रते तव मनस्तनूषु बिभ्रतः। प्रजावन्तः सचेमहि।।

कीर्तिमुखपूजनम्

ॐ असवे स्वाहा वसवे स्वाहा विभुवे स्वाहा विवस्वते स्वहा गणश्रिये स्वाहा गणपतये स्वाहा भिभुवे स्वाहाधिपतये स्वाहा शूषाय स्वाहा सᳬसर्पाय स्वाहा चन्द्राय स्वाहा ज्योतिषे स्वाहा मलिम्लुचाय स्वाहा दिवा पतयते स्वाहा।

प्रार्थना

ॐ ओजश्च मे सहश्च म आत्मा च मे तनूश्च मे शर्म च मे वर्म च मेऽङ्गानि च मेऽस्थीनि च मे परूᳬषि च मे शरीराणि च मऽआयुश्च मे जरा च मे यज्ञेन कल्पन्ताम्।।

अथात्मविन्यासः

ॐ या ते रुद्र शिवा तनूरघोरा-पापकाशिनी।
तया नस्तन्वा शन्तमया गिरिशन्ताभि चाकशीहि।।
शिखायाम्।

ॐ अस्मिन् महत्यार्णवेऽन्तरिक्षे भवा अधि।
तेषाᳬसहस्रयोजनेऽव धन्वानि तन्मसि।। **शिरसि।**

ॐ असङ्ख्याता सहस्राणि ये रुद्रा अधि भूम्याम्।
तेषाᳬसहस्रयोजनेऽव धन्वानि तन्मसि।। **ललाटे।**

ॐ वयᳬसोम व्रते तव मनस्तनूषु बिभ्रतः। प्रजावन्तः सचेमहि।। **भ्रुवोर्मध्ये।**

ॐ त्र्यम्बंक यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्द्धनम् उर्वारुकमि बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्।। **नेत्रयोः।**

ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा सूर्यो ज्योति-र्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा। अग्निर्वर्च्चो ज्योतिर्वर्च्चः स्वाहा सूर्यो वर्च्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा। ज्योतिः सूर्यः सूर्यो ज्योतिः स्वाहा। **तृतीयनेत्रे।**

ॐ नमः स्रुत्याय च पथ्याय च नमः काट्याय च नीप्याय च नमः कुल्याय च सरस्याय च नमो नादेयाय च वैशन्ताय च।। **कर्णयोः।**

ॐ मा नस्तोके तनये मा नः आयुषि मा नो गोषु मा नोऽअश्वेषु रीरिषः। मा नो वीरान् रुद्र भामिनो वधीर्हविष्मन्तः सदमित्त्वा हवामहे। **नासिकयोः।**

ॐ अवतत्त्य धनुष्ट्वᳬसहस्राक्ष शतेषुधे। निशीर्य शल्यानां मुखा शिवो नः सुमना भव।। **मुखे।**

ॐ नमो वञ्चते परिवञ्चते स्नायूनां पतये नमो नमो निषङ्गिण इषुधिमते तस्कराणां पतये नमो नमः सृकायिभ्यो जिघाᳬसद्भयो मुष्णतां पतये नमो नमोऽसिमद्भ्यो नक्तं चरद्भ्यो विकृन्तानां पतये नमः।। **ग्रीवायाम्।**

ॐ नीलग्रीवाः शितिकण्ठाः दिवः रुद्रा उपश्रिताः।
तेषाᳬसहस्रयोजनेऽव धन्वानि तन्मसि।। **कण्ठदेशे।**

ॐ नमस्त आयुधायानातताय धृष्णवे। उभाभ्यामुत ते नमो बाहुभ्यां तव धन्वने।। **बाह्व।**

ॐ ये तीर्थानि प्रचरन्ति सृकाहस्ता निषङ्गिणः।
तेषाᳬसहस्रयोजनेऽव धन्वानि तन्मसि।। **हस्तयोः।**

ॐ नमो ज्येष्ठाय च कनिष्ठाय च नमः पूर्वजाय चापरजाय च नमो मध्यमाय चापगल्भाय च नमो जघन्याय च बुद्ध्याय च।। **अङ्गुलिषु।**

ॐ नमः पर्णाय च पर्णशदाय च नम उद्गुरमाणाय चाभिघ्नते च नम आखिदते च प्रखिदते च नमःऽइषुकृद्भ्यो धनुष्कृद्भ्यश्च वो नमो नमो वः किरिकेभ्यो देवतानांꣳ हृदयेभ्यो नमो विचिन्वत्त्केभ्यो नमो विक्षिणत्केभ्यो नमऽआनिर्हतेभ्यः। **हृदये।**

ॐ नमो गणेभ्यो गणपतिभ्यश्च वो नमो नमो व्रातेभ्यो व्रातपतिभ्यश्च वो नमो नमो गृत्सेभ्यो गृत्सपतिभ्यश्च वो नमो नमो विरूपेभ्यो विश्वरूपेभ्यश्च वो नमः।। **पृष्ठे।**

ॐ विकिरिद्र विलोहित नमस्ते अस्तु भगवः। यास्ते सहस्रꣳहेतयोऽन्यमस्मन्नि वपन्तु ताः। **उदरे।**

ॐ नमः शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शङ्कराय च मयस्क्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च।। **दक्षिणकुक्षो।**

ॐ द्रापे अन्धसस्पते दरिद्र नीललोहित। आसां प्रजानामेषां पशूनां मा भेर्मा रोङ् मो च न किं च नाममत्।। **वामकुक्षौ।**

ॐ हिरण्यगर्भः समवर्त्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्। स दाधार पृथिवीं द्यामुते मां कस्मै देवाय हविषा विधेम।। **नाभौ।**

ॐ मीढुष्टम शिवतमशिवो नः सुमना भव। परमे वृक्ष आयुधं निधाय कृत्तिं वसानऽआ चर पिनाकम्बिभ्रदा गहि। **कट्याम्।**

ॐ शिवो नामासि स्वाधितिस्ते पिता नमस्ते अस्तु मा मा हिꣳसीः। निवर्त्तयाम्यायुषेऽन्नाद्याय प्रजननाय रायस्पोषाय सुप्रजास्त्वाय सुवीर्याय। **लिङ्गे हस्तप्रक्षालनम्।**

ॐ इमा रुद्राय तवसे कपर्दिने क्षयद्वीराय प्र भरामहे मती। यथा शमसद् द्विपदे चतुष्पदे विश्वं पुष्टं ग्रामे अस्मिन्न नातुरम्।। **गुह्ये।**

ॐ इषे त्त्वोर्जे त्त्वा वायव स्थ देवो वःसविता प्रार्पयतु श्रेष्ठतमाय कर्म्मण आप्यायद्ध्वमघ्न्या इन्द्राय भागं प्रजावतीरनमीवा अयक्ष्मा मा व स्तेनं ईशत माघशꣳसो ध्रुवा अस्मिन् गोपतौ स्यात बह्वीर्यजमानस्य पशून् पाहि।।

वृषणयोः हस्तप्रक्षलनम्।

ॐ मा नो महान्तमुत मा नोऽअर्भकं मा न उक्षन्तमुत मा न उक्षितम्। मा नो वधी पितरं मोत मातरं मा न प्रियास्तन्वो रुद्र रीरिषः।। **ऊर्वोः।**

ॐ एष ते रुद्र भाग सह स्वस्राम्बिकया तं जुषस्व स्वाहैष ते रुद्र भाग आखुस्ते पशुः।। **जान्वोः।**

ॐ नमो ज्येष्ठाय च कनिष्ठाय च नमः पूर्वजाय चापर जाय च नमो मध्यमाय चापगल्भाय च नमो जघन्याय च बुध्न्याय च।। **जंघयोः।**

ॐ नमो ह्रस्वाय च वामनाय च नमो बृहते च वर्षीयसे च नमो वृद्धाय च सवृधे च नमोऽग्रयाय च प्रथमाय च।। **गुल्फयोः।**

ॐ ये पथां पथिरक्षय ऐलबृदा आयुर्युधः।
तेषाꣳसहस्र योजनेऽव धन्वानि तन्मसि।। **पादयोः।**

ॐ अध्यवोचदधिकवक्ता प्रथमो दैव्योभिषक्। अहींश्च सर्व्वाञ्जम्भयन्त्सर्वांश्च यातुधान्योऽधराचीः परासुव। **कवचम्।**

ॐ नमो बिल्मिने च कवचिने च नमो विर्म्मिणे च वरूथिने च नमः श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुभ्याय चाहनन्याय च।। **अस्त्रम्।**

ॐ विज्ज्य धनुः कपर्दिनो विशल्यो बाणवा उत।
अनेशन्नस्य या इषव आभुरस्य निषङ्गधिः। **धनुः**।
ॐ यत्र बाणाः सम्पतन्ति कुमारा विशिखा इव। तन्न इन्द्रो
बृहस्पतिरदितिः शर्म यच्छतु क्श्विाहा शर्मयच्छतु।। **बाणः**।
ॐ विकिरिद्र विलोहित नमस्ते अस्तु भगवः।
यास्ते सहस्र हेतयोऽन्यमस्मन्नि वपन्तुताः।। **खड्गः**।
ॐ य एतावन्तश्च भूयाꣳसश्च दिशो रुद्रा वितस्थिरे।
तेषाꣳसहस्रयोजनेऽव धन्वानि तन्मसि।। **दिग्बन्धनम्**।
'शिवोऽहम्' इति भावयेत्।

अथ शिवार्चनम्

ध्यानम्– धयायेन्नित्यं महेशं रजतगिरिनिभं चारुचन्द्रावतंसं,
रत्नाकल्पोज्ज्वलाङ्ग परशुमृगवराभीतिहस्तं प्रसन्नम्।
पद्मासीनं समन्तात्स्तुतममरगणैर्व्याघ्रकृत्तिं वसानं,
विश्वाद्यं विश्ववन्द्यं निखिलभयहरं पञ्चवक्त्रं त्रिनेत्रम्।।
श्री भगवते साम्वसदाशिवाय नमः साम्बशिवं ध्यायामि।

आवाहनम् – ॐ नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नमः।
बाहुभ्यामुत ते नमः।।
त्रिपुरान्तकरं देवं चूडाचन्द्रमहाद्युतिम्।
गजचर्मपरीधानं शिवमावाहयाम्यहम्। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय
नमः आवाहनं समर्पयामि। आवाहनार्थे पुष्पं समर्पयामि।

आसनम्– ॐ या ते रुद्र शिवा तनूरघोरापापकाशिनी।
तया नस्तन्वा शन्तमया गिरिशन्ताभि चाकशीहि।।
विश्वेश्वर महादेव महेशान परा पर। मया समर्पितं रम्यमासनं
प्रतिगृह्यताम्।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः आसनं
समर्पयामि। आसनार्थे अक्षतान् समर्पयामि।

पाद्यम्– ॐ यामिषुं गिरिशन्त हस्ते बिभर्ष्यस्तवे।
शिवां गिरित्र तां कुरु मा हिꣳसीः पुरुषं जगत्।।
गङ्गोदरकं निर्मल च सर्वसौगन्ध्यसंयुतम्। पादप्रक्षालनार्थाय
दत्तं ते प्रतिगृह्यताम्।। भगवते साम्बसदाशिवाय नमः पाद्यं
समर्पयामि।

अर्घ्यम् – ॐ शिवेन वचसा त्त्वा गिरिशाच्छा वदामसि।
यथा नः सर्वमिज्जगदयक्ष्मर्ठ सुमना असत्।।
नमस्ते देव देवेश नमस्ते करुणाम्वुधे।
करुणां कुरु मे देव गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते।।
श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः अर्घ्यं समर्पयामि।

आचनम् – ॐ अद्ध्यवोचदधिवक्ता प्रथमो दैव्यो भिषक्।
अहींश्च सर्वाञ्जम्भयन्तसर्व्वाश्च यातु धान्यो धराचीः परासुव।।
सर्वतीर्थसमायुक्तं सुगन्धि निर्मलं जलम्।
आचम्यतां मया दत्तं गृहीत्वा परमेश्वर।।
श्री भगवते साम्बसदाशिवाय नमः आचमनीयं जलं समर्पयामि।

स्नानम् – ॐ असौ यस्ताम्रो अरुण उत बभ्रुः सुमङ्लः।
ये चैनꣳरुद्रा अभितो दिक्षु श्रिताः सहस्रशो वैषाꣳहेडःईमहे।।
गङ्गा-सरस्वती-रेवा-पयोष्णी-नर्मदाजलैः।
स्नापितोऽसि मया देव ततः शान्ति प्रयच्छ मे।।
श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः स्नानीयं जलं समर्पयामि।

पयःस्नानम् – ॐ पयः पृथिव्यां पयः ओषधीषु पयो दिव्यन्तरिक्षो पयो
धाः। पयस्वतीः प्रदिशः सन्तु मह्यम्।।
कामधेनुसमुद्भूतं सर्वेषां जीवनं परम्।
पावकं यज्ञहेतुश्च पयः स्नानार्थमर्पितम्।।
श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः पयः स्नानं समर्पयामि।
पयः स्नानान्ते शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि।

दधिस्नानम् – ॐ दधिक्राव्णो अकारिषं जिष्णोरपश्वस्य वाजिनः।
सुरभि नो मुखा करत्प्रण आयूꣳषि तारिषत्।।
पयसस्तु समुद्‌भूतं मधुराम्लं शशिप्रभम्।
दध्यानीतं मया देव स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।
श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः दधिस्नानं समर्पयामि।।
दधिस्नानान्ते शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि।

घृतस्नानम् – ॐ घृतं मिमिक्षे घृतमस्य योनिर्घृते श्रितो घृतम्बस्य धाम।
अनुष्वधमावह मादयस्वस्वाहाकृतं वृषभ वक्षि हव्यम्।।
नवनीतसमुत्पन्नं सर्वसन्तोषकारकम्।
घृतं तुभ्यं प्रदास्यामि स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।
श्री भगवते साम्बसदाशिवाय नमः घृतस्नानं समर्पयामि।
घृतस्नानान्ते शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि।

मधुस्नानम् – ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्न्न सन्त्वोषधीः।। मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिवꣳरजः। मधु द्यौरस्तुनः पिता।। मधु-मान्नो वनस्पतिर्मधुमां २ अस्तु सूर्यः। माद्ध्वीर्गावो भवन्तु नः।।
दिव्यैं पुष्पैः समुद्‌भुतं सर्वगुणसमन्वितम्।
मधुरं मधुनामाद्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।
श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः मधुस्नानं समर्पयामि।
मधुस्नानान्ते शुद्धोकस्नानं समर्पयामि।

शर्करास्नानम् – ॐ अपाꣳरसमुद्वयसꣳसूर्ये सन्तꣳसमाहितम्। अपाꣳरसस्य यो रसस्तंबोगृह्णाम्युत्तममुपयामगृहीतो सीन्द्राय त्वा जुष्ट्टं गृह्णाम्येष ते योनिरिन्द्रायत्त्वा जुष्टतम्।।
इक्षुसारसमुद्‌भूता शर्करा पुष्टिकारिका। मलापहारिका दिव्या स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।
श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः शर्करास्नानं समर्पयामि।
शर्करास्नानान्ते शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि।

पञ्चामृतस्नानम्– ॐ पञ्च नद्यः सरस्वतीमपि यन्ति सस्रोतसः। सरस्वती तु पञ्चधा सो देशेऽभवत्सरित्।
पञ्चामृतं मयाऽऽनीतं पयोदधि घृतं मधु।
शर्करा च समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।
श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि।

शुद्धोदकस्नानम् – ॐ शुद्धवालः सर्वशुद्धवालोमणिवालस्त आश्वि९ना: श्येतः श्येताक्षोऽरुणस्ते रुद्राय पशुपतये कर्णा यामा अवलिप्ता रौद्रा नभोरूपाः पार्ज्जन्याः।।
गङ्गा गोदवरी रेवा पयोष्णी यमुना तथा।
सरस्वती तीर्थजातं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।
श्रीभगवते साम्वसदाशिवाय नमः शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि।
शुद्धोदकस्नानान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि।

महाभिषेकस्नानम्

नमस्तेरुद्द्र मन्यवऽउतोतऽइषवेनमः।। बाहुब्भ्याम्मुतते नमः।। याते रुद्रशिवा तनूरघोरापापकाशिनी।। तयानस्तन्वाशन्तमयागिरिशन्ताभि चाकशीहि।।२।। यामिषुङ्गिरिशन्तहस्ते विभर्ष्यस्तवे।। शिवाङ्गिरित्रताङ्कुरुमाहिꣳसी पुरुषञ्जगत्।।३।। शिवे-नवंचसात्त्वागिरि शाच्छाव्वदामसि।। यथा नः सर्वमिज्जगदयक्ष्म सुमनाऽअसत्।।४।। अद्ध्यवोचदजिवक्ताप्रथमो दैव्योभिषक्।। अहींश्चसर्वाञ्जम्भयन्त्सर्वा श्च यातुधान्यो धराची परासुव।।५।। असौ य स्ताम्रोऽअरुणऽउतबभ्रु सुमङ्गलः।। ये चैनꣳरुद्द्राऽअभितोदिक्षुश्रिता सहस्रशोवैषाꣳहेडऽईमहे।।६।। असौयोवसर्पति नीलग्रीवो विलोहितः।। उतैनंगोपाऽअदृशन्नुदृशन्नुदहार्यः सदृष्ट्टोमृडयातिनः।।७।। नमोस्तु नीलग्रीवाय सहस्राक्षाय मीढुषे।। अथोयेऽअस्य सत्वानोहन्तेभ्योऽकरन्नमः।।८।। प्रमुञ्चधन्वनस्त्वमु- भ्योरात्न्योर्ज्याम्।।

याश्चचते हस्तऽइषवः पराताभगवोवप।।९।। विज्यन्धनु कपर्द्दिनोविशल्योबाणवां २ऽउत।। अनेशन्नस्य याऽइषवआभुरस्य- निषङ्धि।।१०।। या ते हेतिर्मीढुष्टमहस्ते बभूवते धनुः।। तयास्मन्विश्वतस्त्व- मयक्ष्मया- परिभुज।।११।। परिते धन्वनो- हेतिरस्मान्वृणक्तुविश्वतः।। अथो यऽइषुधिस्तवारे अस्म- न्निधेहितम्।।१२।। अवत त्यधनुष्ट्वᳬं- सहस्त्रक्षशतेषुधं।। निशीर्य शल्यानाम्मुखाशिवो नः सुमनाभव।।२३।। नमस्तऽआयु- धायानाततायधृष्णवे।। उभाभ्या मुतते नमो बाहुभ्यान्तव- धन्वने।।१४।। मानो महान्तमुतमानोऽअर्भकमनः उक्षन्तमुत मानःउक्षितम्।। मानोवधीः पितरमेतमातरमनः प्रियास्तन्वो- रुद्ररीरिषः।।२५।। मा नस्तोके तनये मानऽआयुषि मानोगोषुमानोऽअश्वेषुरीरिषः।। मानोवीरान्रुद्रभामिनोवधी र्हविष्मन्तः सदमित्त्वाहवामहे।।१६।।

गन्धोदकस्नानम्– ॐ त्वां गन्धर्वा अखनंस्त्वामिन्द्रस्त्वा बृहस्पतिः। त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान्यक्ष्मादमुच्यत। मलयाचलसम्भूतं चन्दनागुरुसम्भवम्। चन्दनं देव देवेश स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः गन्धोदकस्नानं समर्पयामि। गन्धोदकस्नानान्ते शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि। आचमनीयं जलं समर्पयामि।

विजयास्नानम्– ॐ विज्यं धनुः कपर्द्दिनो विशल्यो बाणवां २ उत। अनेशन्नस्य या इषव आभुरस्य निषङ्गधिः।। विजयाख्यं च स्नानार्थं भक्त्या दत्तं प्रगृह्यताम्।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः विजयां समर्पयामि विजयासमर्पणान्ते शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि।

वस्त्रम् – ॐ असौ योऽवसर्पति नीलग्रीवो विलोहितः। उतैनं गोपा अदृशनदृशन्नुदहार्यः स दृष्ट्टो मृडयाति नः।। शीतवातोष्णसन्त्राणं लज्जाया रक्षणं परम्। देहालङ्करणं वस्त्रमतः शान्ति प्रयच्छ मे।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः वस्त्रं समर्पयामि।

उपवस्त्रम् – ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरूथ मा सदत्स्वः। वासो अग्ने विश्वरूपᳬंसंव्ययस्व विभावसो। उपवस्त्रं प्रयच्छामि देवाय परमात्मने। भक्त्या समर्पितं देव प्रसीद परमेश्वर।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः उपवस्त्रं समर्पयामि।

यज्ञोपवीतम् – ॐ नमोऽस्तु नीलग्रीवाय सहस्राक्षाय मीढुषे अथो ये अस्य सत्त्वानो हन्तेभ्योऽकरं नमः।। नवभिस्तन्तुभिर्युक्तं त्रिगुणं देवतामयम्। उपवीतं मया दत्तं गृहाण परमेश्वर। श्रीभगवते साम्वसदाशिवाय नमः यज्ञोपवीतं समर्पयामि। यज्ञोपवीतान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि।

गन्धः – ॐ प्रमुञ्च धन्वनस्त्वमुभयोरार्ल्योर्ज्याम्। याश्च ते हस्त इषवः परा ता भगवो वप।। श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम्। विलेपनं सुरश्रेष्ठ चन्दनं प्रतिगृह्यताम्।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः गन्धं समर्पयामि।

भस्म – ॐ प्रसद्य भस्मना योनिमपश्च पृथिवीमग्ने। सᳬंसृज्मातृभिष्ट्वं ज्योतिष्मान् पुनरासदः।। सर्वपापहरं भस्म दिव्यज्योतिस्समप्रभम्। सर्वक्षेमकरं पुण्यं गृहाण परमेश्वर।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः भस्म समर्पयामि।

अक्षताः – ॐ अक्षन्नमीमदन्त ह्यव प्रिया अधूषत। अस्तोषत स्वभानवो विप्रा नविष्ठया मती योजान्विन्द्रते हरी।। अक्षताश्च सुरश्रेष्ठाः कुङ्कुमाक्ताः सुशोभितः। मया निवेदिताः भक्त्या गृहाण परमेश्वर।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः अक्षतान् समर्पयामि।

पुष्पमाला – ओषधीः प्रतिमोदध्वं पुष्पंवतीः प्रसूवरीः। अश्वा इव सजित्त्वरीर्वीरुधः पारयिष्ण्वः।। माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो। मयाऽऽनीतानि पुष्पाणि गृहाण परमेश्वर।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः पुष्पमालां समर्पयामि।

बिल्वपत्राणि – ॐ नमो बिल्मिने च कवचिने च नमो वर्मिणे च वरूथिने च नमः श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुभ्याय चाहनन्याय च।। त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम्। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम्।।१।। गृहाण बिल्वपत्राणि सपुष्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिव त्वं कुसुमप्रिय।।२।। त्रिशाखैर्बिल्वपत्रैश्च अच्छिद्रैः कोमलैः शुभैः। तव पूजां करिष्यामि गृहाण परमेश्वर।।३।। श्रीवृक्षामृतसम्भूतं शङ्करस्य सदा प्रियम्। पवित्रं ते प्रयच्छामि बिल्वपत्रं सुरेश्वर।।४।। त्रिशाखैर्बिल्वपत्रैश्च कोमलैश्चातिसुन्दरैः। त्वां पूजयामि विश्वेश प्रसन्नो भव सर्वदा।।५।। अमृतोदभवंश्रीवृक्षं शङ्रस्य सदा प्रियम्। तत्ते शम्भो प्रयच्छामि बिल्वपत्रं सुरेश्वर।।६।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः एकादश बिल्वपत्राणि समर्पयामि।

दूर्वाङ्कुराः – ॐ काण्डात् काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि। एवा नो दूर्वे प्रतनु सहस्रेण शतेन च।। दूर्वाङ्कुरान् सुहरितानमृतान् मङ्गलप्रदान्। आनीतांस्तव पूजार्थं गृहाण परमेश्वर। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः, एकादश दूर्वाङ्कुरान् समर्पयामि।

नानापरिमलद्रव्याणि – (अबीर-गुलाल-बुक्का-हरिद्रा-चूर्णानि) – ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुँ ज्यायां हेतिं परिबाधमानाः। हस्तघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान् पुनान् पुमाꣳसं परिपातु विश्वतः।। अबीरं च गुलालं च हरिद्रादिसमन्वितम्। नानापरिमलं द्रव्यं गृहाण परमेश्वर।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः नानापरिमलद्रव्याणि समर्पयामि।

सिन्दूरम् – ॐ सिन्धोरिव प्राद्ध्वने शूघनासो वातप्रमियः पतयन्ति यह्वाः। घृतस्य धारा अरुषो न वाजी काष्ठा भिन्दन्नूर्मिभिः पिन्वमानः। सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यसुखवर्द्धनम्। शुभदं चैव माङ्गल्यं सिन्दूरं प्रतिगृह्यताम्।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः सिन्दूरं समर्पयामि।

सुगन्धिद्रव्यम् – ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्द्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीयमाऽमृतात।। दिव्यगान्धसमायुक्तं महापरिमलाद्भुतम्। गन्धद्रव्यमिदं भक्त्या दत्तं स्वीकुरु शङ्कर।। श्रीभगवते साम्बसदाशिवाय नमः सुगन्धिद्रव्यं समर्पयामि।

अंग पूजा

ॐ ईशानाय नमः पादौ पूजयामि।।१।। ॐ शङ्कराय नमः जंघे पूजयामि।।२।। ॐ शूलपाणये नमः गुल्फौ पूजयामि।।३।। ॐ शम्भवे नमः कटी पूजयामि।।४।। ॐ स्वयम्भुवे नमः गुह्यं पूजयामि।।५।। ॐ महादेवाय नमः नाभिं पूजयामि।।६।। ॐ विश्वकर्त्रे नमः उदरं पूजयामि।।७।। ॐ सर्वतोमुखाय नमः पार्श्वेपूजयामि।।८।। ॐ स्थाणवे नमः स्तनौ पूजयामि।।९।। ॐ नीलकण्ठाय नमः कण्ठं पूजयामि।।१०।। ॐ शिवात्मने नमः मुखं पूजयामि।।११।। ॐ त्रिनेत्राय नमः नेत्रे पूजयामि।।१२।। ॐ नागभूषणाय नमः शिरः पूजयामि।।१३।। देवाधिदेवाय नमः सर्वाङ्ग पूजयामि।।१४।।

आवरण पूजा

ॐ अघोराय नमः।।१।। ॐ पशुपतये नमः।।२।। ॐ शिवाय नमः।।३।। ॐ विरूपाय नमः।।४।। ॐ विश्वरूपाय नमः।।५।। ॐ त्र्यम्बकाय नमः।।६।। ॐ भैरवाय नमः।।७।। ॐ कपर्दिने नमः।।८।। ॐ शूलपाणये नमः।।९।। ॐ ईशानाय नमः।।१०।। ॐ महेशाय नमः।।१२।।

शक्तिपूजा

ॐ उमायै नमः।।१।। ॐ शङ्करप्रियायै नमः।।२।। ॐ पार्वत्यै नमः।।३।। ॐ गौर्यै नमः।।४।। ॐ काल्यै नमः।।५।। ॐ कालिन्द्यै नमः।।६।। ॐ

कोटयैं नमः।।७।। ॐ विश्वधारिण्यै नमः।।८।। ॐ हत्रां नमः।।९।। ॐ हत्रीं नमः।।१०।। ॐ गङ्गादेव्यै नमः।।११।।

गणपूजनम्

ॐ गणपतये नमः।।१।। ॐ कार्तिकाय नमः।।२।। ॐ पुष्पदन्ताय नमः।।३।। ॐ कपर्दिने नमः।।४।। ॐ भैरवाय नमः।।५।। ॐ शूलपाणये नमः।।६।। ॐ ईश्वराय नमः।।७।। ॐ दण्डपाणये नमः।।८।। ॐ नन्दिने नमः।।९।। ॐ महाकालाय नमः।।१०।।

अष्टमूर्तिपूजनम्

ॐ भवाय क्षितिमूर्तये नमः।।१।। ॐ शर्वाय जलमूर्तये नमः।।२।। ॐ रुद्राय अग्निमूर्तते नमः।।३।। ॐ उग्राय वायुमूर्तये नमः।।४।। ॐ भीमाय आकाशमूर्तते नमः।।५।। ॐ पशुपतये यजमानमूर्तये नमः।।६।। ॐ महादेवाय सोममूर्तये नमः।।७।। ॐ ईशानाय सूर्यमूर्तये नमः।।८।।

एकादश रुद्रपूजनम्

ॐ अघोराय नमः।।१।। ॐ पशुपतये नमः।।२।। ॐ शर्वाय नमः।।३।। ॐ विरूपाक्षाय नमः।।४।। ॐ विश्वरूपिणे नमः।।५।। ॐ त्र्यम्बकाय नमः।।६।। ॐ.कपर्दिने नमः।।७।। ॐ भैरवाय नमः।।८।। ॐ शूलपाणये नमः।।९।। ॐ ईशानाय नमः।।१०।। ॐ महेश्वराय नमः।।११।।

धूपम्ः – ओं धूरसिधूर्वधूर्वन्तन्धूर्वत योऽस्मान्धूर्वतितन्धूर्वयंवयंधूर्वामः।
देवानामसिवह्नितमꣳसस्नितमंपप्रितमञ्जुष्टतमन्देवहूतमम्।।

धूपप्रार्थनाः – ॐ वासना वासुदेवस्य वासितं भुवनत्रयम्।
सर्वभूतनिवासोऽसि वासुदेव नमोऽस्तुते।।
एषाऽऽत्मपूजा सर्वकर्मसुप्रयोज्या।।

दीपम् –ओं अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा। सूर्योज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा।
अग्निर्वर्चोज्योतिर्वर्चः स्वाहा। सूर्योवर्चोज्योतिर्वर्चः स्वाहा।
ज्योतिः सूर्यः सूर्योज्यांतिः स्वाहा।।

दीपप्रार्थना : –ॐ दीप! ब्रह्मरूपस्त्वमन्धकारनिवारक।
इमां मया कृता पूजा गृह्ण तेजो विवर्धय।।

नैवेद्यम्– ॐ अन्नपतेऽन्नस्य नो धेह्यनमीवस्य शुष्मिणः।
प्रप्रदातारं तारिषऽऊर्ज्जनो धेहि द्विपदे चतुष्पदे।।
ॐ प्राणाय स्वाहा। ॐ अपानाय स्वाहा। ॐ वयानाय स्वाहा। ॐ उदानाय स्वाहा। ॐ समानाय स्वाहा।

हस्तप्रक्षालनम्– ॐ अꣳशुना तेऽअꣳशुःपृच्यतां परुषः परुः।
गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसोऽअच्युतः।।

फलम्– ॐ याः फलिनीर्याऽअफलाऽअपुष्पायाश्च पुष्पिणीः।
बृहस्पति प्रसूतास्तानोमुञ्चन्त्व-ꣳ-हसः।।

धत्तूराफलम् – ॐ कार्षिरसि समुद्रस्य त्त्वा क्षित्या उन्नयामि।
समापो अद्भिरग्मत समोषधीभिरोषधीः।

ताम्बूलम्– ॐ उतस्माद् द्रवितस्तुरण्यतः पर्णन्नवेरनुवाति प्रगर्द्धिनः।
श्येनस्येवध्रजतोऽअङ्कसम्परिदधिक्राब्णः सहोर्ज्जातरित्रतः स्वाहा।

दक्षिणा– ॐ हिरण्यगर्ब्भः समवर्त्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेकऽआसीत्।
सदाधार पृथिवीद्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषाव्विधेम।।

आरार्त्तिकम्– ॐ आरात्रिः पार्थिव ꣳ रजः पितुरप्रायिधामभिः।
दिवः सदाꣳसि वृहती वितिष्ठ सऽआत्वेषं वर्तते तमः।।
इद ꣳ हविः प्रजननम्मेऽअस्तु दशवीर ꣳ सर्वगण ꣳ स्वस्तये। आत्मसनिप्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि।
अग्निः प्रजाम्बहुलां मे करोत्वन्नम्पयोरेतोऽअस्मासुधत्त।।

पुष्पाञ्जलि– ॐ यज्ञेनयज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्।
ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः।।

ॐ राजाधिराजाय प्रसह्यसाहिने नमोवयं वैश्रवणाय कुर्महे। समे कामान्कामकामायमह्यं कामेश्वरोवैश्रवणोददातु कुबेराय वैश्रवणाय महाराजाय नमः। ॐ स्वस्ति साम्राज्यं भौज्यं स्वराज्यं वैराज्यं पारमेष्ठ्यं राज्यं महाराज्यमाधिपत्यमयं समन्तपर्यायी स्यात् सार्वभौमः सर्वायुषाऽआन्तादापरार्घात् पृथिव्यैसमुद्रपर्यन्तायाऽएकराडिति तदप्येष श्लोकोऽअभिगीतो मरुतः परिवेष्टारो मरुत्तस्यावसन् गृहे। आविक्षितस्य कामप्रेर्विश्वेदेवाः सभासद इति।

ॐ विश्वतश्चक्षुरुतविश्वतो मुखो विश्वतोबाहुरुतविश्वतस्पात् सम्बाहुभ्यान्धमति सम्पतत्रैर्द्यावाभूमी जनयन्देव एकः।

प्रदक्षिणा– ॐ सप्तास्यासन्परिधयस्त्रिः सप्तसमिधः कृताः। देवा यद् यज्ञन्तन्वानाऽअबध्नन्पुरुषम्पशुम्।।

अथ तर्पणम् – ॐ भवं देवं तर्पयामि। ॐ शर्वं देवं तर्पयामि। ॐ ईशनं देवं तर्पयामि। ॐ पशुपतिं देवं तर्पयामि। ॐ रुद्रं देवं तर्पयामि। ॐ भीमं देवं तर्पयामि। ॐ महान्तं देवं तर्पयामि। ॐ देव देवं तर्पयामि। ॐ ज्येष्ठाय नमः, मधुपर्कं। मधुपर्कम् गृहाणेश सर्वदा मधुपर्कप+। मधुपर्क प्रदानेन प्रीतो भव महेश्वर।। कालाय नमः गन्धः। ॐ कलविकरणाय नमः पुष्पाणि। ॐ सर्वभूतदमनाय नमः धूपः। ॐ भवोद्भवायनमः नैवेद्यम्। **अथ अष्टौ पुष्पांजलयः**। ॐ भवाय देवाय नमः। ॐ शिवायदेवाय नमः। ॐ ईशानाय देवाय नमः। ॐ पशुपतये देवाय नमः। ॐ रुद्राय देवाय नमः। ॐ उग्राय देवाय नमः। ॐ भीमाय देवाय नमः। ॐ महते देवाय नमः। ॐ अघोरेभ्योऽथ घोरेभ्यो घोरघोरतरेभ्यः। सर्वेभ्यः सर्वशर्वेभ्यो नमस्तेऽस्तुरुद्ररूपेभ्यः।। ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि। तन्नो रुद्रः प्रचोदयात। ॐ शर्वाय क्षितिमूर्त्तये नमः। ॐ भवाय जलमूर्त्तये नमः। ॐ रुद्रायाग्निमूर्त्तये नमः। ॐ पशूपतये यजमान मूर्त्तयेनमः। ॐ महादेवाय सोममूर्त्तये नमः। एवं सम्पूज्य ततः सहस्रघटैः स्नपनम्।

मन्त्रपुष्पाञ्जलिः – ॐ मानस्तोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषुमा नो अश्वेषु रीरिषः। मा नो वीरान् रुद्र भामिनो वधीर्हविष्मन्तः सद्मित्त्वा हवामहे।

शिव नीराजनम्

ओं जय गङ्गाधर हर जय गिरिजाधीशा।
त्वं मां पालय नित्यं कृपया जगदीशा।।
हर हर हर महादेव।।१।।
कैलासे गिरि शिखरे कल्पद्रुम विपिने।
गुंजति मधुकरपुंजे कुंज वने गहने।।
कोकिल कूजित खेलत हंसावन ललिता।
रचयति कला कलापं नृत्यति मुद सहिता।
हर हर हर महादेव।।२।।
तस्मिन् ललित सुर्दशन शाला मणि रचिता।
तन्मध्ये हर निकटे गौरीमुदसहिता।
क्रीडां रचयति भूषारञ्जित निजमीशम्।
इन्द्रादिक सुरसेवित नामयते शीशम्।
हर हर हर महादेव।।३।।
कर्पूरद्युति गौरं पंचानन सहितम्।
त्रिनयन शशिधर मौलिं विषधर कण्ठ युतम्।।
सुन्दर जटाकलापं पावकयुतभालं।
डमरू त्रिशूल पिनाकं करधृत नृकपालम्।।
हर हर हर महादेव।।४।।
मुण्डैः रचयति मालां पन्नग उपवीतं।

वाम विभागे गिरिजा रूपं अतिललितम्।।
सुन्दर सकल शरीरे कृतभस्माभरणम्।
इति वृषभध्वज रूपं तापत्रय हरणम्।।
हर हर हर महादेव।।५।।
ओं शिवाय नमः नीराजनं समर्पयामि।।

शिवगायत्री– ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।।
मन्दारमालाङ्कुलितालकायै कपालमालाङ्कित शेखराय।
दिव्याम्बरायै च दिगम्बराय नमः शिवायै च नमः शिवाय।।

प्रदक्षिणा– ॐ सप्तास्यासन्परिधयस्त्रिः सप्तसमिधः कृताः।
देवा यद् यज्ञन्तन्वानाऽअबध्नन्पुरुषम्पशुम्।।

प्रणामः – ॐ नमः शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च
मयस्क्कराय नमः शिवाय च शिवतराय।।

क्षमा-प्रार्थना – मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।
यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे।।१।।
आवाहनं न जानामि न जानामि तवार्चनम्।
पूजां चैव न जानामि क्षमस्व परमेश्वर।।२।।
पापोऽहं पापकर्माहं पापात्मा पापसम्भवः।
त्राहि मां पार्वतीनाथ सर्वपापहरो भव।।३।।
अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वर।४।।
त्वमेव माता च पिता त्वमेव त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव त्वमेव सर्वं म देव देव।।५।।
अनेन यथाशक्तिकृतेन शिवपूजनने श्रीसाम्बसदाशिवः प्रीयतां न म।
ॐ शिवाय नमः। ॐ शिवाय् नमः। ॐ शिवाय नमः।
इति शिवार्चनपद्धतिः समाप्ता।

अथर्वेदसार स्तोत्रम्

पशूनां पतिं पापनाशं परेशं गजेन्द्रस्य कृत्तिं वसानं वरेण्यम्।
जटाजूटमध्ये स्फुरद्गांगवारिं महादेवमेकं स्मरामि स्मरारिम्।।१।।
महेशं सुरेशं सुरारातिनाशं विभुं विश्वनाथ विभूत्यंगभूषम्।
विरूपाक्षमिन्द्वर्कवह्निंत्रिनेत्रं सदानन्दमीडे प्रभुं पञ्चवक्त्रम्।।२।।
गिरीशं गणेशं गले नीलवर्णं गवेन्द्रादिरूढं गुणातीतरूपम्।
भव भास्वरं भस्मना भूषितांगं भवानीकलत्रं भजे पञ्चवक्त्रम्।।३।।
शिवाकान्त शम्भो शशाङ्कार्धमौले महेशान शूलिन् जटाजूटधारिन्।
त्वमेको जगद्व्यापको विश्वरूप प्रसीद प्रसीद प्रभो पूर्णरूप।।४।।
परात्मानमेकं जगद्बीजमाद्यं निरीहं निराकारमोङ्कारवेद्यम्।
यतो जायते पाल्यते येन विश्वं तमीशं भजे लीयते यत्र विश्वम्।।५।।
न भूमिर्न चापो न वह्निर्न वायुर्न चाकाशमास्ते न तन्द्रा न निद्रा न ग्रीष्मो।
न शीतं न देशो न वेषो न यस्यास्ति मूर्त्तिस्त्रिमूर्तिं तमीडे।।६।।
अजं शाश्वतं कारणं कारणानां शिवं केवलं भासकं भासकानाम्।
तुरीय तमः पारमाद्यन्तहीनं प्रपद्ये परं पावनं द्वैतहीनम्।।७।।
नमस्ते नमस्ते विभो विश्वमूर्ते! नमस्ते नमस्ते चिन्दानन्दमूर्ते।
नमस्ते नमस्ते तपोयोगगम्य नमस्ते नमस्ते श्रुतिज्ञानगम्य।।८।।
प्रभो शूलपाणे विभो विश्वनाथ! महादेव शम्भो महेश त्रिनेत्र।
शिवाकान्त शान्त स्मरारे पुरारे! त्वदन्यो वरेण्यो न मान्यो न गण्यः।।९।।
शम्भो महेश करुणामय शूलपाणे! गौरीपते पशुपते पशुपाशनाशिन्!।
काशोपते करुणया जगदेतदेकस्त्वं हंसि पासि विदधासि महेश्वरोऽसि।।१०।।
त्वत्तो जगद्भवति देव भव स्मरारे! त्वय्ये तिष्ठति जगन्मूडविश्वनाथ।
त्वय्येव गच्छति लयं जगदेतदीश! लिङ्गात्मकं हर चराचर विश्वरूपिन्।।११।।

शिव स्तुति

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं। विभुं व्यापकं ब्रह्म वेदस्वरूपं।।
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं। चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहं।।१।।
निराकारमोंकारमूलं तुरीयं। गिराग्यानगोतीतमीशंगिरीशं।।
करालं महाकाल कालं कृपालं। गुणागार संसारपारं नतोऽहं।।२।।
तुषाराद्रि संकाश गौरं गभीरं। मनोभूत कोटि प्रभाश्रीशरीरं।।
स्फुरन्मौलि कल्लोलिनी चारु गंगा। लसद्भालबालेन्दु कंठे भुजंगा।।३।।
चलत्कुंडलं भ्रू सुनेत्रं विशालं। प्रसन्नाननं नीलकंठं दयालं।।
मृगाधीशचर्माम्बरं मुण्डमालं। प्रियं शंकरं सर्वनाथ भजामि।।४।।
प्रचंडं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं। अखंडं अजं भानुकोटिप्रकाशं।।
त्रयः शूल निर्मूलनं शूलपाणिं। भजेऽहं भवानीपतिं भावगम्यं।।५।।
कलातीन कल्याण कल्पान्तकारी। सदा सज्जनानन्ददाता पुरारी।।
चिदानंद संदोह मोहापहारी। प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी।।६।।
न यावद उमानाथ पादारविन्दं। भजंतीह लोके परे वा नाराणां।।
न तावत्सुखां शान्ति सन्तापनाशं। प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासं।।७।।
न जानामि योगं जपं नैव पूजां। नतोऽहं सदा सर्वदा शंभु तुभ्यं।।
जरा जन्म दुःखौघ तातप्यमानं। प्रभोपाहिआपन्नमामीशशंभो।।८।।
शलोक – रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये।
ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां शम्भुः प्रसीदति।।९।।

आरती

कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम्।
सदावसन्तं हृदयारविन्दे भव भवानीसहितं नमामि।।
ॐ जय शिव ओंकारा, जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्द्धाङ्गी धारा।।१।।
ॐ हर हर हर महादेव।।
एकानन चतुरानन पञ्चानन राजे।
हंसानन गरुडासन वृषवाहन साजे।।२।।
ॐ हर हर हर महादेव।।
दो भुज चारु चतुर्भुज दशभुज अति सोहै।
तीनों रूप निरखते त्रिभुवन-जन मोहै।।३।।
ॐ हर हर हर महादेव।।
अक्षमाला बनमालारुण्डमाला धारी।
चन्दन मृगमद चन्दा भाले शुभकारी।।४।।
ॐ हर हर हर महादेव।।
श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे।
सनकादिक गरुडादिक भूतादिक संगे।।५।।
ॐ हर हर हर महादेव।।
कर मध्ये सुकमण्डलु चक्र शूल धारी।
सुखकारीदुःखहारी जगपालनकर्त्ता।।६।।
ॐ हर हर हर महादेव।।
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।
प्रणवाक्षर में शोभित ये तीनों एका।।७।।
ॐ हर हर हर महादेव।।
काशी में विश्वनाथ विराजै नन्दी ब्रह्मचारी।
नित उठ दर्शन पावै महिमा अति भारी।।८।।
ॐ हर हर हर महादेव।।
त्रिगुण स्वामि की आरति जो कोई नर गावै।
भनत शिवानन्द स्वामी मनवाञ्छित फल पावै।।९।।
ॐ हर हर हर महादेव।।

आशीर्वादः–ॐ पुनस्त्वादित्या रुद्रा, वसवः, समिन्धताम्पुनर्ब्रह्माणो वसुनीथ यज्ञैः। घृतेन त्वं तन्वं वर्धयस्व सत्याः सन्तु यजमानस्य कामाः।
मन्त्रार्थाः सफलाः सन्तु पूर्णा सन्तु मनोरथाः।
शत्रूणां बुद्धिनाशोऽस्तु मित्राणामुदयस्तव।।
आयुष्कामो यशस्कामो पुत्रपौत्रास्तथैव च।
आरोग्यं धनकामश्च सर्वे कामा भवन्तु मे।।
ॐ श्रीर्वर्चस्वमायुष्यमारोग्यमाविधात् पवमानं महीयते।
धान्यं धनं पशुं बहुपुत्रलाभं शतसंवत्सरं दीर्घमायुः।।

आयुष्यतिलकम् – ॐ दीर्घायुस्तऽओषधे खनिता यस्मै च त्वा खनाम्यहम्।
अथो त्वं दीर्घायुर्भूत्वा शतवल्शा विरोहतात्।।

वैदिक अभिषेकः–ॐ आपो हिष्ठा मयोभुवस्तान ऊर्जे दधातन।
महेरणाय चक्षसे। यो वः शिवतमो रसस्तस्य भाजयतेह नः।
उशतोरिव मातरः। तस्माऽअरङ्गमामवो यस्य क्षयाय जिन्वथ
आपो जनयथा च नः।

ॐ द्यौ शान्तिरन्तरिक्षꣳशान्तिः पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः। वनस्पतयः शान्तिर्विश्वदेवा शान्ति ब्रह्म शान्तिः सर्वꣳशान्तिः शान्तिरेव शान्तिः सामा शान्तिरेधि।

ॐ यतोयतः समीहसे ततो नो अभयं करु।
शन्नः कुरु प्रजाभ्यो ऽभयं नः पशुभ्यः।।
ॐ सुरास्त्वामभषिञ्चन्तु ब्रह्मविष्णुमहेश्वराः।
वासुदेवो जगन्नाथस्तथा सङ्कर्षणो विभुः।।
प्रद्युम्नश्चानिरुद्धश्च भवन्तु विजयाय ते।
आखण्डलोऽग्निर्भगवान् यमो वै निर्ऋतिस्तथा।।
वरुणः पवनश्चैव धाध्यक्ष स्तथा विभुः।
ब्रह्मणा सहिताः सर्वे दिक्पालाः पान्तु ते सदा।।
कीर्तिर्लक्ष्मीर्धृतिर्मेधापुष्टिःश्रद्धा क्रिया मतिः।
बुद्धिर्लज्जा वपुः शान्तिस्तुष्टिः कान्तिश्च मातरः।।
एतास्त्वामभिषिञ्चन्तु देवपत्न्यः समागताः।
आदित्यश्चन्द्रमा भौमो बुधजीवसितार्कजाः।।
ग्रहास्त्वामभिषिञ्चन्तु राहुः केतुश्च तर्पिताः।
देवदानवगन्धर्वा यक्षराक्षसपन्नगाः।।
ऋषयो मनवो गावो देवमातर एव च।
देवपत्न्यो द्रुमा नागा दैत्याश्चाप्सरसां तथा।।
अस्त्राणि सर्वशस्त्राणि राजानो वाहनानि च।
औषधानि च रत्नानि कालस्यावयवाश्च ये।।
सरितः सागराः शैलास्तीर्थानि जलदा नदाः।
एते त्वामभिषिञ्चन्तु धर्मकामार्थसिद्धये।।
आदित्या वसवो रुद्रा विश्वेदेवा मरुद्गणाः।
अभिषिञ्चन्तु ते सर्वे धर्मकामार्थसिद्धये।।
अमृताभिषेकोऽस्तु।।

विसर्जनम्

ॐ उत्तिष्ठ ब्रह्मणस्पते देवयन्त्वस्ते महे।
उप ब्रयन्तु मरुतः सुदानवऽइन्द्रप्राशूर्भवा स चा।।
ॐ यज्ञं यज्ञङ्गच्छ स्वां योनिङ्गच्छ स्वाहा।
एषते यज्ञो यज्ञपते सहसूक्तवाकः सर्ववीरस्तञ्जुषस्व स्वाहा।
गणेश्वर त्रिनयन विघ्नव्यूह विनाशन।
शिवलोकं प्रगच्छस्व गणेशाय नमोनमः।१।
ओंकारं चतुरोवेदांश्चातुर्होत्रमुखं प्रभुम्।
गायत्री सहितं देवं नौमि गच्छ स्वमन्दिरम्।२।
हरिं नारायणं कृष्णं गोविन्दं मधुसूदनम्।
मन्दराद्रिधरं नौमि विष्णो गच्छ स्वमालयम्।३।
कल्पनानां पथि सर्वं विभ्रान्तं सचराचरम्।
तेजस्विनं महादेवं नौमि शम्भो गिरिं ब्रज।४।
तेजो रूप धरं सूर्य शाशनं शीतलत्विषम्।

रक्तवर्णधरं भौमं शशिज हरितप्रभम्।५।
सर्वाविद्या मुखे यस्य सर्वदेवैः प्रपूजित्रम्।
गुरुं नौमि तवाभक्तवा भार्गवं दैत्यपूजितम्।६।
शनैश्चरं सूर्यसुतं सैहिकेय महाबलम्।
केतुं च नौमि शिखिनं ग्रहा गच्छन्तु स्वां पुरीम्।७।
शक्र गच्छ सुधर्माख्यां वीतिहोत्र स्वमालयम्।
खंयमनीं धर्मराज नैर्ऋतं गच्छ निर्ऋते।८।
वरुण त्वमपांमध्ये वायो गन्धवर्ती व्रज।
अलकां याहि यक्षेन्द्र रुद्रा ईशानमण्डलम्।९।
क्षेत्रपाला त्वक्षत्रेषु मातरो मातृमण्डले।
यच्छन्तु सर्वे, स्वं स्थानं वजमानवरप्रदा।१०।
यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादाय नामकीम्।
इष्टकामप्रसिद्ध्यर्थं पुनरागमनाय च।११।
धान्यं देहि धनं देहि पुत्रपौत्रांश्च देहि मे।
देहि मे ऽआयुरारोग्यं ब्रह्मविष्णुमहेश्वराः।१२।
यत्र देवालयाः सन्ति तत्र गच्छ हुताशन।
प्रमादात् कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत्।१३।
स्मरणादेव तद्विष्णो सम्पूर्ण स्यादिति श्रुतिः
यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपो यज्ञ क्रियादिषु।१४।
न्यूनं संपूर्णतां यान्ति सद्यो बन्दे तमच्युतम्।
ॐ विश्व शान्तिः ओं विश्व शान्तिः। ॐ विश्व शान्तिः।

अथ श्रीसूर्यार्घ्यदानम्

श्रीसूर्याभिमुखस्तिष्ठन् गन्धाक्षतपुष्पयुक्तानि त्रीण्यर्घ्याणि दद्यात्, तन्त्र मन्त्रः –

ॐ एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते।
अनुकम्पय मां भक्त्या गृहणार्घ्यं नमोस्तु ते॥

कर्मसाक्षिणे श्रीसूर्यनारायणाय नमः इदमर्घ्यं दत्तं न ममः इत्यर्घ्यत्रयं दत्त्वा, दत्तार्घ्योदकेन दक्षिणनासाचक्षुः श्रोत्रस्पर्शनञ्च कुर्यात्

ॐ यानि कानीति प्रदक्षिणीकृत्य–

ॐ एकचक्रो रथो यस्य दिव्यः कनकभूषितः।
स मे भवतु सुप्रीतः पद्महस्तो दिवाकरः॥ इति प्रणमेत्।
ॐ यज्ञच्छिद्रं तपश्चिछद्रं यच्छिद्रं पूजने मम।
तत्सर्वमच्छिद्रमस्तु भास्करस्य प्रसादतः।
ॐ यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपः पूजाक्रियादिषु।
न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्॥
प्रमादात्कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत्।
स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्णं स्यादिति श्रुतिः॥
विष्णवे नमो विष्णवे नमो विष्णवे नमः,
इत्याद्युक्त्वा तूष्णीं त्रिराचामेत्॥ ततः

ॐ आपद्घनध्वान्तसहस्त्रभानवः समीहितार्थार्पणकामधेनवः।
समस्ततीर्थाम्बुपवित्रमूर्त्तयः पुनन्तु मां ब्राह्मणपादपांसवः॥

विक्रमी संवत् २०६३ **चैत्र शुक्ल पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **३० मार्च से १३ अप्रैल तक** सूर्योत्तरायणे बसन्त ग्रीष्म ऋतु, उत्तर गोलार्धे, दैनिक सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श चैत्र	वि चैत्र	अं मार्च	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
३०	५०	१	वृह	१५	१५	१२	३२	रेव	२५	२२	ऐन्द्र	२९	१२	ब	१५	१५	मे.१६/३५	९	१७	३०	नव संवत्सर २०६३ प्रा. नवरात्र प्रा. पञ्चक समाप्त सायं ४/३६ A	११	१५	१२	२५	०६	२६	०६	४५
३०	५६	२	शुक्र	८	०७	९	३९	अश्वि	२०	२५	वैधृ	२०	४७	कौ	०८	०७	मेष	१०	१८	३१	शुक्र कुंभ में १०/३८, मत्स्य जयंति	११	१६	११	४३	०६	२४	०६	४६
३०	५८	३	शनि	२	१५	७	१७	भरणी	१६	४५	विष्कु	१३	२५	गर	०२	१४	वृ.सा.६/४८	११	१९	अप्रै	गणगौरी तृतीया, शिव पार्वती पूजा, भद्रा साय ६/२५ से अर्द्धरात्रोपरि B	११	१७	१०	४९	०६	२३	०६	४६
०	०	४	शनि	५७	५५	२९	३३	००	००	००	००	००	००	०	०	०	००	००	००	००	चतुर्थीक्षय	००	००	००	००	००	००	००	००
३१	०५	५	रवि	५५	२७	२८	३३	कृ	१४	४५	प्रीति	०७	२२	बव	२६	२७	वृषे	१२	२०	२	श्री पञ्चमी	११	१८	१०	१३	०६	२२	०६	४७
३१	११	६	चंद्र	५५	०२	२८	२१	रोहि	१४	३७	आयु	०२	५५	कौ	२५	०२	मि.रा.१२/२६	१३	२१	३	मंगल मिथुन में सायं ४/४०, स्कन्द षष्टी	११	१९	०९	२४	०६	२०	०६	४८
३१	१६	७	मंग	५६	३५	२८	५७	मृग	१६	२७	शोभा शोभन	[illegible]	[illegible]	गर	२५	३५	मिथुने	१४	२२	४	द्विपुष्कर योग	११	२०	०८	३३	०६	१९	०६	४९
३१	२०	८	बुध	६०	००	पूरा	दिन	आर्द्रा	२०	१०	अति	५८	३५	वि	२८	०५	मिथुने	१५	२३	५	शनिमार्गी सायं ६/२६, भद्रा प्रातः ५/०० से सायं ५/३२ तक, C	११	२१	०७	४०	०६	१८	०६	४९
३१	२६	८	वृह	००	०३	६	१७	पुन	२५	३७	सुक	पूरा	दिन	बव	००	०३	क.९/५५	१६	२४	६	श्री राम नवमी, नवरात्र समाप्त, वक्री गुरु (विशा १ में)	११	२२	०६	४५	०६	१६	०६	५०
३१	३१	९	शुक्र	४	५५	८	१३	पुष्य	३२	२०	सुक	००	१५	कौ	४	५५	कर्के	१७	२५	७		११	२३	०५	४७	०६	१५	०६	५१
३१	३३	१०	शनि	१०	५२	१०	३५	आश्ले	३९	५०	धृति	०१	५५	गर	१०	५२	सिं.रा.१०/१०	१८	२६	८	भद्रा रात्रि ११/५३ से	११	२४	०४	४७	०६	१४	०६	५१
३१	४०	११	रवि	१७	२५	१३	११	मघा	४७	४०	शूल	०४	२५	वि	१७	२५	सिंहे	१९	२७	९	भद्रा दिवा १/१ तक, कामदा एकादशी व्रत	११	२५	०३	४५	०६	१३	०६	५२
३१	४६	१२	चंद्र	२४	०२	१५	४८	पू.फा	५५	२५	गण्ड	०७	०५	बा	२४	०२	सिंहे	२०	२८	१०	प्रदोष व्रत	११	२६	०२	४०	०६	११	०६	५३
३१	५१	१३	मंग	३०	१२	१८	१५	उ.फा	पूरा	दिन	वृद्धि	०९	३२	ते	३०	१२	कं.११/०५	२१	२९	११	बुधमीन में सायं ५/०५, अनंगत्रयोदशी, महावीर जयन्ती	११	२७	०१	३४	०६	१०	०६	५४
३१	५३	१४	बुध	३५	४०	२०	२५	उ.फा	०२	३७	ध्रुव	११	३०	गर	०३	०५	कन्यायां	२२	३०	१२	भद्रा रात्रि ८/२५ उ	११	२८	००	२५	०६	०९	०६	५४
३१	५८	१५	वृह	४०	०७	२२	११	हस्त	०८	५७	व्या	१२	४५	वि	०८	०२	तु.रा.१०/४९	२३	३१	१३	पूर्णिमा व्रत, भद्रा प्रातः ९/२१ तक श्री हनुमान जयन्ती वैशाख D	११	२८	५९	१४	०६	०८	०६	५५

अष्टम्यां बुधवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (५ अप्रैल सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	११	०२	०२	१०	०६	१०	०३	११	०५
	२१	१५	००	२३	२३	०४	१०	१०	१०
	०७	२४	५२	४५	२६	५७	२५	०४	०४
गति	४०	०५	०३	०४	०६	००	०९	०२	०२
	५९	७४१	३४	४९	०५	६२	००	०३	०३
	०५	२१	०२	०५	०४	०२	००	०२	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	रेव २	आर्द्रा ३	मृग ३	पू.भा २	विशा २	धनि ४	पुष्य ३	उ.भा ३	हसत १

कुण्डली अष्टमी प्रातः ६/१८

पूर्णिमायां गुरुवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१३ अप्रैल सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	११	०५	०२	११	०६	१०	०३	११	०५
	२८	२१	०५	१	२२	१३	१०	०९	०९
	५९	१२	२७	४२	३९	२६	२८	३८	३८
	१४	१८	०३	०९	०२	०७	०९	०८	०८
गति	५८	७३२	३४	७१	०६	६४	००	०३	०३
	४७	१२	०६	११	५७	०४	५९	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	मा	व	व
	रेव ४	हस्त ४	मृग ४	पू.भा ४	विशा १	शत ३	पुष्य ३	उ.भा २	उ.फा ४

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ६/०८

A घट स्थापनम्, श्रीदुर्गापूजनम् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, गंडमूल, चंद्रदर्शनम्, स.सि.योग। **B** प्रातः ५/३३ तक। **C** श्रीदुर्गाष्टमी, मेला वाहू किला महाकाली मन्दिर जम्मू। **D** स्नान प्रारम्भ।

पर्व, त्योहार, निर्णय एवं शास्त्र विधान :–पर्व, त्योहार, निर्णय एवं शास्त्र विधान :– चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को वत्सराम्भ किया जाता है। इसी दिन स्नान दानादिकृत्य के पश्चात् पञ्चाङ्फल श्रवण करें नवरात्र व्रत भी इसी दिन से प्रारम्भ करें, इसदिन चित्रा, आश्लेषा, पूर्वाभाद्रपदा, व्यतिपात और वैधृति में कलश स्थापन करना परिवार के लिए हानिकारक है। अभिजित् मुहूर्त में दिन के ११.३६ से १२.२४ तक घटस्थापन करना निर्दोष शास्त्र विहित है। **पक्षफलम्** – चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से विकारि नाम संवत्सर प्रारंभ होगा, इस संवनसर में राजा वृहस्पति मन्त्री शुक्र है। विकारि नाम संवत्सर में सामान्य प्रजा रक्तपित्तादि विकारों से दुःखी रहेगी, फसलों की कमीं होगी, महंगाई अधिक हो जाएगी। **व्यापारिक रुख** – शुक्र कुंभ राशि में है अतः रूई, सूत, चान्दी में पहले तेजी होकर बाद में मन्दी होगी। **आकाश लक्षण**– उत्तरपश्चिमी एवं दक्षिण प्रदेशों में वर्षा होने से सुभिक्ष के संकेन, पूर्व प्रदेशों में सूखा, वर्षा नहीं होगी। जम्मू-कश्मीर हिमाचल प्रदेशों में खण्डवृष्टि होगी।

विक्रमी संवत् २०६३ **वैशाख कृष्ण पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **१४ अप्रैल से २७ अप्रैल तक** सूर्योत्तरायणे, ग्रीष्म ऋतु, उत्तरगोलार्धे, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श चैत्र	वि वैशा	अं अप्रे.	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट वि.	जम्मू सू	उ.	सू	अ.
३२	०५	१	शुक्र	४३	०७	२३	३२	चित्र	१४	१७	हर्षण	१३	१५	बा	१२	००	तुलायां	२४	१	१४	सूर्य मेष में ६/१९ बुध उ.भा. में दिवा १/५४, वैशाख संक्रान्ति A	११	२९	५८	०१	०६	०७	०६	५६
३२	०८	२	शनि	४५	४७	२४	२४	स्वा	१८	६५	वज्र	१२	५५	तै	१४	५०	तुलायां	२५	२	१५	मंगल आर्द्रा में ७/५६ त्रिपुष्कर योग	००	००	५६	४६	०६	०५	०६	५६
३२	१३	३	रवि	४६	५०	२४	४८	विशा	२१	४०	सिद्ध	११	३७	व	१६	२७	वृ. ८/२८	२६	३	१६	भद्रा १२/३५ से रात्रि १२/४७ तक	००	०१	५५	२९	०६	०४	०६	५७
३२	१८	४	चंद्र	४६	४०	२४	४३	अनु	२३	३७	व्यती	०९	२५	ब	१६	५५	वृश्चिके	२७	४	१७	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय रात्रि १०/५३ पर	००	०२	५४	१०	०६	०३	०६	५८
३२	२३	५	मंग	४५	२५	२४	१२	ज्ये	२४	३०	वरी	०६	१७	कौ	१६	१२	ध.दि. ३/५०	२८	५	१८		००	०३	५२	५०	०६	०२	०६	५९
३२	२७	६	बुध	४३	०२	२३	१४	मूला	२४	१२	परिघ शिव	[illegible]	[illegible]	गर	१४	२२	धने	२९	६	१९	भद्रा रात्रि ११/१० से, शुक्र पू.भा. १ में ६/१०	००	०४	५१	२८	०६	०१	०६	५९
३२	३३	७	वृह	३७	३७	२१	५०	पू.षा	२२	५७	सिद्धि	५१	४५	वि	११	३०	म.रा.	३०	७	२०	भद्रा दिवा १०/३५ तक, सा.सू. वृष में १०/५४, ग्रीष्म ऋतु प्रारंभ	००	०५	५०	०४	०५	५९	०७	००
३२	३८	८	शुक्र	३५	१२	२०	०३	उ.षा	२०	३७	साध	४५	१५	वा	०७	३२	मकरे	वैशा	८	२१	शक वैशाख शुरू	००	०६	४८	३९	०५	५८	०७	०१
३२	४१	९	शनि	२९	५०	१७	५३	श्रव	२४	५२	शुभ	३८	००	तै	०२	४०	कु.रा. १२/०६	०२	९	२२	पञ्चक शुरू रात्रि १२/०० बजे	००	०७	४७	१२	०५	५७	०७	०१
३२	४६	१०	रवि	२३	४२	१५	२५	धनि	१३	१७	शुक्ल	३०	१०	वि	२३	४२	कुंभे	०३	१०	२३	भद्रा प्रातः ४/०५ से दिवा ३/२५ तक	००	०८	४५	४४	०५	५६	०७	०२
३२	५१	११	चंद्र	१६	५५	१२	४१	शत	०८	३२	ब्रह्म	२१	४७	बा	१६	५५	मी. १/४६	०४	११	२४	बुध रेवती में प्रातः ५/००, वरूथिनी एकादशी व्रत	००	०९	४४	१४	०५	५५	०७	०३
३२	५६	१२	मंग	०९	४५	०९	४८	पू.भा उ.भा	[illegible]	[illegible]	ऐन्द्र	१३	१०	तै	०९	४५	मीने	०५	१२	२५	भौम प्रदोष व्रत	००	१०	४२	४२	०५	५४	०७	०४
३२	५८	१३	बुध	०२	२५	०६	५१	रेव	५२	४२	वैधृति विष्कु	[illegible]	[illegible]	व	०२	२५	मे.रा. २/५८	०६	१३	२६	भद्रा प्रातः ६/४९ से सायं ५/२२ तक, पञ्चक समाप्त B	००	११	४१	०८	०५	५३	०७	०४
००	००	१४	बुध	५५	१०	२७	५७	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	चतुर्दशी का क्षय	००	००	००	००	००	००	००	००
३३	०३	३०	वृह	४८	२७	२५	१५	अश्वि	४७	५५	प्रीति	४७	२५	च	२१	४५	मेषे	०७	१४	२७	अमावस, सूर्यभरणी में रात्रि १०/०८	००	१२	३९	३३	०५	५२	०७	०५

अष्टम्यां शुक्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२१ अप्रैल सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
रा	००	०९	०२	११	०६	१०	०३	११	०५
	०६	०४	१०	१२	२१	२२	१०	०९	०९
	४८	५६	०५	१२	४४	१०	३८	१३	१३
	३९	०९	००	०९	०८	००	०८	०३	०३
गति	५८	८४१	३५	८७	०७	६६	०१	०३	०३
गति	३३	०१	००	२७	०२	०६	५७	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	अश्वि ३	उ.षा ३	आर्द्रा २	उ.षा ३	विशा १	पू.भा १	पुष्य ३	उ.भा २	उ.फा ४

कुण्डली अष्टमी प्रातः ५/५८

२
रा बु १२
१ सू
३ मं
११ शु
४ श
चं १०
५
७ बृ
९
६ के
८

अमावास्यां गुरुवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२७ अप्रैल सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
रा	००	००	०२	११	०६	१०	०३	११	०५
	१२	०१	१३	२१	२१	२८	१०	०८	०८
	३९	३२	३५	२६	००	४९	५०	५४	५४
	३३	४१	०१	००	०८	०५	०७	०३	०३
गति	५८	८६८	३५	९८	७	६७	०२	०३	०३
गति	२३	२८	०१	३८	०५	०७	५३	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	अश्वि ४	अश्वि १	आर्द्रा ३	रेव २	विशा १	पू.भा ३	पुष्य ३	उ.भा २	उ.फा ४

कुण्डली अमावस प्रातः ५/५२

२
रा बु १२
१ सू चं
३ मं
११ शु
४ श
१०
५
७ बृ
९
६ के
८

A पुष्य काल मध्याह्न तक वैशाखी मेला।
B अर्द्धरात्रौपरि प्रातः ४/५८

पर्व, त्योहार, निर्णय एवं शास्त्र

foelku & संकट चतुर्थी व्रत– वैशाख कृष्ण चतुर्थी के दिन चन्द्रोदय व्यापिनी तृतीयायुक्त चतुर्थी को व्रत करना सर्वोत्तम माना जाता है। इसमें सायं स्नान के पश्चात् विधिवत चन्द्रोदय के समय गणेश जी की पूजा के पश्चात् विशेषार्घ देना चाहिए। **वरुथिनी एकादशी व्रत–** वरुथ शब्द रथ की गुप्ति का नाम है जो दूसरे रथ की टक्कर से रक्षा करता है। कवच और ढाल को भी वरूथ कहते हैं। रथगुप्ति वरुथिनी कहलाती है। **पक्षफलम्–** मंगल आर्द्रा में बुध रेवती में तथा सूर्य मेष में आ जाने से केसर, लालचन्दन लाल मिर्च इत्यादि रक्त वस्तुओं में तेजी आएगी परन्तु गुड़ खाण्ड, तिंल, तैल सरसों, घृत, चान्दी में मन्दी आएगी। पैट्रोलियम पदार्थों में उतार चढ़ाव के पश्चात तेजी आएगी। **मेष संक्रान्ति–** मेष वृष सिंह, कन्या, धनु मकर एवं कुंभ राशि वालों के लिए शुभफलप्रद होगी। पूर्वी देशों में तीव्र वायु वेग से थोड़ी वर्षा होगी। अप्रैल अन्तिम सप्ताह में वर्षा हो तो सुभिक्ष होगा, फसलें अच्छी प्राप्त होंगी ऐसी सम्भावना है।

विक्रमी संवत् २०६३ वैशाख शुक्ल पक्ष शाकः १९२८, सन् २००६ ई० (२८ अप्रैल से १३ मई तक) सूर्योत्तरायणे, ग्रीष्म ऋतौ, उत्तर गोलार्धे, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टा	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श वैशा	वि वैशा	अं अप्रै.	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
३३	०८	०१	शुक्र	४२	३५	२२	५३	भरणी	४३	५७	आयु	३९	५२	कि	१५	२५	मेषे	०८	१५	२८	शुक्रमीन में ६/४३, वैशाख शुक्ल प्रतिपदा	००	१३	३७	५६	०५	५१	०७	०६
३३	१३	०२	शनि	३७	५०	२०	५८	कृति	५१	१०	सौभा	३३	१२	बा	१०	०२	वृ.प्रा.५/०५	०९	१६	२९	शिवजी जयन्ती, चन्द्रदर्शनम्, त्रिपुष्कर योग	००	१४	३६	१७	०५	५०	०७	०७
३३	१६	०३	रवि	३४	२७	१९	३६	रोहि	३९	५०	शोभ	२७	४७	तै	०६	०३	वृषे	१०	१७	३०	अक्षय तृतीया, वदरी केदार यात्रा शुरू, श्री परशुराम जयंती	००	१५	३४	३७	०५	४९	०७	०७
३३	२१	०४	चंद्र	३३	०७	१९	०३	मृग	४०	१७	अति	२३	४२	व	०३	४०	मि.प्रा.९/४४	११	१८	मई	भद्रा प्रातः ७/१६ से सायं ६/५८ तक, शुक्र उ.भा. के ५/५९	००	१६	३२	५४	०५	४८	०७	०८
३३	२६	०५	मंग	३३	३२	१९	१२	आर्द्रा	४२	३७	सुकर्मा	२१	१०	ब	०३	०५	मिथुने	१२	१९	०२	बुध मेष में ६/२२, आद्य गुरु शंकराचार्य जयंती	००	१७	३१	०९	०५	४७	०७	०९
३३	२८	०६	बुध	३५	२२	२०	०७	पुन	४६	४७	धृति	२०	०२	कौ	०४	३०	क.सा.६/००	१३	२०	०३	श्री रामानुजाचार्य जयंती	००	१८	२९	२३	०५	४६	०७	०९
३३	३३	०७	वृह	३९	५५	२१	४३	पुष्य	५२	३५	शूल	२०	३०	गर	०७	४२	कर्के	१४	२१	०४	गुरु पुष्य योग, गंगा सप्तमी, भद्रारात्रि ९/३९ से	००	१९	२७	३४	०५	४५	०७	१०
३३	३८	०८	शुक्र	४५	२०	२३	५२	आश्ले	५९	३५	गंड	२२	००	वि	१२	३०	कर्के	१५	२२	०५	गुरु स्वा. में ५/१६ भद्रा १०/४४ तक, गण्डमूल	००	२०	२५	४४	०५	४४	०७	११
३३	४३	०९	शनि	५१	३५	२६	२१	मघा	६०	००	वृद्धि	२४	१५	बा	१८	२५	सिं.प्रा.५/३४	१६	२३	०६	जानकी नवमी, गण्डमूल	००	२१	२३	५१	०५	४३	०७	१२
३३	४६	१०	रवि	५८	०२	२८	५५	मघा	०७	२०	ध्रुव	२६	५५	तै	२४	५०	सिंहे	१७	२४	०७	मंगल पुनर्वसु में रात्रि ३/०८, बुध अस्त पूर्व में ७/१३	००	२२	२१	५७	०५	४२	०७	१२
३३	५१	११	चंद्र	००	००	पूरा	दिन	पू.फा	१५	०५	व्या	२९	२७	व	३१	१०	कं.सां६/२७	१८	२५	०८	भद्रा साय ६/०८ से	००	२३	२०	०१	०५	४१	०७	१३
३३	५५	११	मंग	०४	१०	०७	२०	उफा	२२	२०	हर्षण	३१	३२	वि	०४	१०	कन्यायां	१९	२६	०९	बुध भरणी में ८/२२, भद्रा प्रातः ७/२० तक, मोहिनी A	००	२४	१८	०२	०५	४०	०७	१४
३३	५८	१२	बुध	०८	५२	०९	२३	हस्त	२८	३५	वज्र	३२	४७	बा	०८	५२	कन्यायां	२०	२७	१०	प्रदोष व्रत, स.सि. योग	००	२५	१६	०२	०५	४०	०७	१५
३४	०१	१३	वृह	१३	१५	१०	५७	चित्र	३३	३७	सिद्धि	३३	०५	तै	१३	१५	तु.प्रा.६/१०	२१	२८	११	सूर्य कृत्तिका में सायं ४/१५, नृसिंह चतुर्दशी	००	२६	१४	००	०५	३९	०७	१५
३४	०६	१४	शुक्र	१५	४७	११	५७	स्वा	३७	१७	व्य	३२	१५	व	१५	४७	तुलायां	२२	२९	१२	भद्रा ११/५७ से रात्रि १२/१० तक, कूर्म जयंती पूर्णिमा B	००	२७	११	५७	०५	३८	०७	१६
३४	१०	१५	शनि	१६	५२	१२	२२	विशा	३९	३२	वरी	३०	१७	ब	१६	५२	वृ.दि.३/१५	२३	३०	१३	बुद्ध जयंती वैशाख पूर्णिमा व्रत, वैशाख स्नान समाप्त	००	२८	०९	५२	०५	३७	०७	१७

A एकादशी व्रत। **B** व्रत रात्रिचन्द्रोदय व्यापिनी, शुक्ररेवती में रात्रि ११/४६

अष्टम्यां शुक्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (५ मई सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
रा	००	०३	०२	००	०६	११	०३	११	०५
	२०	१८	१८	०५	१९	०७	११	०८	०८
	२५	०१	१७	२३	५९	४९	१२	२८	२८
	४४	५२	०२	०७	०९	०६	०२	०८	०८
गति	५८	७१६	३५	११२	०७	६८	०३	०३	०३
गति	०७	५६	०४	५२	०६	०८	०१	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	भरणी ३	आश्ले १	आर्द्रा ४	अश्वि २	स्वति ४	उ.भा २	पुष्य ३	उ.भा २	उ.फा ४

कुण्डली अष्टमी प्रातः ५/४४

२ | शु रा १२ | मं ३ | १ | सु बु | ११ | ४ | १० | श चं | ७ | बृ | ५ | ९ | ६ | के | ८

पूर्णिमायां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१३ मई सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	००	०६	०२	०५	०६	११	०३	११	०५
	२८	२४	२३	२१	१८	१६	११	०८	०८
	०९	४६	०१	१५	५९	५६	३९	०३	०३
	५२	१०	०२	०२	०२	०४	०८	०४	०४
गति	५७	७७७	३५	१२६	५७	६८	०३	०३	०३
गति	५३	५७	०७	०६	५५	०८	५९	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	कृति १	विशा २	पुन १	भरणी २	स्वाति ४	रेव १	पुष्य ३	उ.भा २	उ.फा ४

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ५/३७

२ | रा शु १२ | मं ३ | १ | सू बु | ११ | ४ | १० | श | ७ | बृ चं | ५ | ९ | ६ | के | ८

पर्व, त्योहार, निर्णय एवं शास्त्र विधान :– अक्षया तृतीया – इस तिथि को नर नारायण, परशुराम एवं हयग्रीव इन तीनों की एक ही जयन्ती होन से व्रतीप्रातः स्नानादि से निवृत्त होकर षोडशोपचार पूर्वक इन तीनों का विधिवत् पूजन कर नर नारायण जी के निमित्त सत्तू, परशुराम जी के लिए ककड़ी, हयग्रीव जी के लिए दूध में भीगी चने की दाल अर्पण करे, अगर हो सके तो अन्न वस्त्र सुवर्ण जलपूर्ण कलश धर्मघट और ग्रीष्मोपयोगी द्रव्यदान, पितृश्राद्ध, ब्राह्मण भोजन कराने से अक्षयफल की प्राप्ति होती है। अक्षय तृतीया को धर्मघट दान पुण्य को अक्षय कर देता है और पितरों को अक्षय तृप्ति होती है। **मोहिनी एकादशीव्रत –** इस व्रत से मोहजाल द्वारा ग्रस्तमानव के समस्त पाप समूह नष्ट हो जाते हैं श्री राम भगवान ने इस व्रत के प्रभाव से सीता को खोजने में सफलता प्राप्त की। **पक्षफलम् –** वैशाख मास में ग्रहों की स्थिति के अनुसार जनसंख्या में वृद्धि प्रजा में परस्पर वैर विरोध, किसी मुख्य राजनीतिक नेता का पतन होगा, राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार महंगाई में वृद्धि होगी। **व्यापारिक रुख–** शुक्र मीन राशि में आ जाने के कारण समस्त व्यापारिक पदार्थों में मन्दी का वातावरण बनता है अर्थात् व्यापारी वर्ग प्रसन्न नहीं रहता, मंगल पुनर्वसु में है अतः रूई, चान्दी, नमक खाण्ड, तिल तेल सरसों में तेजी आएगी। **आकाश लक्षणम्–** तेज हवाओं सहित वृष्टि के योग हैं।

विक्रमी संवत् २०६३ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष शाकः १९२८, सन् २००६ ई० १४ मई से २७ मई तक सूर्योत्तरायणे, ग्रीष्म ऋतौ, उत्तर गोलार्धे, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श वैशा	वि ज्ये.	अं मई	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू	जम्मू उ	जम्मू सू	जम्मू अ
३४	११	०१	रवि	१६	३५	१२	१५	अनु	४०	२७	परि	२७	१५	कौ	१६	३५	वृश्चिके	२४	१	१४	सूर्य वृष में अर्द्धरात्रोपरि ३/१०, ज्येष्ठ संक्रांति, पुष्यकाल A	००	२९	०७	४५	५	३७	७	१७
३४	१६	०२	चंद्र	१५	०७	११	३९	ज्ये	४०	२२	शिव	२३	२०	गर	१५	०७	ध.रा.९/४५	२५	२	१५	बुध कृत्तिका में सायं ६/४५, नारद जयंती भद्रा रात्रि ११/०९ से	०१	००	०५	३७	५	३६	७	१८
३४	२०	०३	मंग	१२	३७	१०	३८	मूला	३९	२०	सिद्धि	१८	३७	वि	१२	३७	धने	२६	३	१६	भद्रा १०/३८ तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रात्रि B	०१	०१	०३	२८	५	३५	७	१९
३४	२३	०४	बुध	०८	५२	०९	१८	पु.षा	३७	३०	साध	१३	१५	बा	०८	५२	म.रा.२/२१	२७	४	१७	बुध वृष में ७/४९	०१	०२	०१	१७	५	३५	७	२०
३४	२६	०५	वृह	०५	१७	०७	४१	उ.षा	३५	१०	शुभ	०७	२२	तै	०५	१७	मकरे	२८	५	१८		०१	०२	५९	०५	५	३४	७	२०
३४	३०	०६	शुक्र	००	५०	०५	५३	श्रव	३२	२०	शुक्ल ब्रह्म	[illegible]	[illegible]	व	००	५०	मकरे	२९	६	१९	भद्रा ५/५३ से १६/५४ तक, स.सि. योग	०१	०३	५६	५२	५	३३	७	२१
००	००	०७	शुक्र	५५	५२	२७	५४	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	सप्तमी का क्षय	००	००	००	००	५	००	७	००
३४	३३	०८	शनि	५०	३५	२५	४७	धनि	२९	०७	ऐंद्र	४७	२७	बा	००	४७	कुं.प्रा५/५१	३०	७	२०	पञ्चक शुरू प्रातः ५/५० से	०१	०४	५४	३८	५	३३	७	२२
३४	३५	०९	रवि	४५	०७	२३	३५	शत	२५	४०	वैधृ	४०	२०	तै	२२	५५	कुंभे	३१	८	२१	बुधरोहिणी में रात्रि ९/१६, सायन सूर्य मिथुन में १०/०२ से	०१	०५	५२	२२	५	३२	७	२२
३४	३८	१०	चंद्र	३९	२५	२१	१८	पू.भा	२१	५७	विष्कुं	३३	०२	व	१२	१७	मी.रा.८/४१	ज्ये	९	२२	भद्रा दिवा १०/२७ से रात्रि ९/१५ तक, शक ज्येष्ठ शुरू	०१	०६	५०	०६	५	३२	७	२३
३४	४२	११	मंग	३३	४०	१८	५९	उ.भा	१८	१२	प्रीति	२५	४२	ब	०६	३५	मीने	०२	१०	२३	अपरा एकादशी व्रत	०१	०७	४७	४९	५	३१	७	२४
३४	४३	१२	बुध	२८	००	१६	४३	रेव	१४	२५	आयु	१८	[illegible]	कौ	००	४४	मे.११/१७	०३	११	२४	मंगल कर्क में रात्रि १०/२९, शुक्र मेष में दिवा १/१७, C	०१	०८	४५	३०	५	३१	७	२४
३४	४७	१३	बृह	२२	३७	१४	३३	अश्वि	१०	५५	सोभा	११	१७	व	२२	३८	मेषे	०४	१२	२५	सूर्य रोहिणी में १२/३०, भद्रा दिवा २/३० से रात्रि १/३१ तक	०१	०९	४३	११	५	३०	७	२५
३४	५१	१४	शुक्र	१७	४२	१२	३५	भर	०७	५०	शोभन अतिगंड	[illegible]	[illegible]	श	१९	४२	वृ. दि.२/२१	०५	१३	२६	वट सावित्री व्रत (राजस्थान) भावुका अमावस	०१	१०	४०	५०	५	३०	७	२६
३४	५२	३०	शनि	१३	४०	१०	५७	कृति	०५	३०	सुक	५३	००	ना	[illegible]	४०	वृषे	०६	१४	२७	शनैश्चरी अमावस, बुध मृग में अर्द्धरात्रोपरि ३/२१	०१	११	३८	२८	५	२९	७	२६

A अगले दिन दोपहर तक। B १०/५२)। C प्रदोष व्रत, पञ्चक समाप्त।

अष्टम्यां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२० मई सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०१	०९	०२	०१	०६	११	०३	११	०५
	०४	२६	२७	०६	१८	२४	१२	०७	०७
	५४	४७	११	२०	०८	५९	०८	४१	४१
	३८	४१	०२	०५	०२	०६	०७	०१	०१
गति	५७	८४७	३५	१३१	०७	६९	०४	०३	०३
गति	४४	६७	५८	११	०१	०९	५५	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	कृ ३	धनि २	पुन ३	कृ. ३	स्वा ४	रेव ३	पुष्य ३	उभा २	उ.फा ४

कुण्डली अष्टमी प्रातः ५/३३

मं ३ २ १२
श ४ सू बु रा शु
५ ११
के ६ ८ १० चं
७ बृ ९

अमावस्यां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२७ जून सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०१	०१	०३	०१	०६	००	०३	११	०५
	११	०८	०१	२१	१७	०३	१२	०७	०७
	३८	४४	२२	२६	२०	०६	४१	१८	१८
	२८	५१	०४	०८	०९	०५	०६	०९	०९
गति	५७	८१९	३६	१२४	०६	०९	०५	०३	०३
गति	३७	३९	००	०४	०४	५८	००	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	रोहि १	कृ ४	पुन ४	रोहि ४	स्वा ४	अश्वि १	पुष्य ३	उभा २	उ.फा ४

कुण्डली अमावस प्रातः ५/२९

३ २ १ शु
श ४ सु चं बु रा १२
मं ५ ११
के ६ ८ १०
७ बृ ९

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :- वट सावित्री व्रत- ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी के दिन प्रातः नित्यकृत्यादि के अनन्तर 'मम वैधव्यादिसकलदोष परिहारार्थं ब्रह्म सावित्री प्रीत्यर्थ सत्यसावित्रीप्रीत्यर्थ च वट सावित्री व्रतमहं करिष्ये। इस संकल्प के अनन्तर सांसारिक चिन्ताओं से निवृत होकर घरेलू काम में लीन होने पर भी तीन दिन उपवास करना चाहिए व्रत का पारण शुक्ल प्रतिपदा को करना चाहिए। अमावस्या के दिन वट (बोढ़) वृक्ष के पास बैठकर बांस की छाबड़ी में सप्तधान्य भर कर उसे वस्त्र युगल से ढककर दूसरे पात्र में स्वर्णमयी ब्रह्म सावित्री एवं सत्यसावित्री की प्रतिमा स्थापित कर गंधादि पञ्चोपचार से विधिपूर्वक पूजा करें उसके पश्चात् वट वृक्ष के तने को सूत्र से लपेट कर उसकी शास्त्र विधि से पूजा के पश्चात् परिक्रमा करें। **पक्षफलम्-** ज्येष्ठ संक्रान्ति रविवार को आ जाने से कभी भी शुभ फलादेश नहीं होता। नेताओं में परस्पर विरोधाभास, प्रशासकों में टकराव होगा। महंगाई से जनता दुःखी होगी। मेष, वृष, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु एवं मीन राशि वालों को शुभ फलप्रद है। **व्यापारिक रुख-** सूर्य कृत्तिका नक्षत्र में, पक्षान्त में रोहिणी नक्षत्र में चलेगा अतः सोना, चान्दी, अलसी, अरड़, चना, मूंग, मोठ, सरसों में तेजी होगी, रुई, कपास, रेशमी वस्त्र, लाल मिर्च हींग, सुपारी तथा राई में तेजी होगी, शेयर बाजार में तेजी देखी जा सकती है। **आकश लक्षण-** गर्मी का प्रकोप अधिक होगा, वर्षा न के बराबर होगी, गर्म हवाएँ चलेंगी।

विक्रमी संवत् २०६३ **ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **२८ मई से ११ जून तक** सूर्योत्तरायणे, ग्रीष्म ऋतौ, उत्तर गोलार्ध, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श ज्ये.	वि ज्ये.	अं मई	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू	जम्मू उ.	जम्मू सू	जम्मू अ.
३४	५३	०१	रवि	१०	४०	०९	४५	रोहि	०४	१२	धृति	४८	५२	ब	१०	४०	मि.सा७/०६	०७	१५	२८	चंद्रदर्शनम्, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष प्रारंभ, द्विपुष्कर योग	०१	१२	३६	०५	५	२९	७	२७
३५	००	०२	चंद्र	०९	०२	०९	०५	मृग	०४	१७	शूल	४५	५०	कौ	०९	०५	मिथुने	०८	१६	२९	रम्भा तीजव्रत, स.सि. योग	०१	१३	३३	४१	५	२८	७	२८
३५	००	०३	मंग	०९	००	०९	०४	आर्द्रा	०५	५२	गंड	४४	०७	गर	०९	००	क.रा२/४३	०९	१७	३०	मंगल पुष्य में ११/४९, भद्रा ९/२४ से, बुध पश्चिम में उदय	०१	१४	३१	१६	५	२८	७	२८
३५	०२	०४	बुध	१०	४०	०९	४४	पुन	०९	०७	वृद्धि	४३	४५	वि	१०	४०	कर्के	१०	१८	३१	बुध मिथुन में ११/१९, भद्रा ९/४४ तक	०१	१५	२८	४९	५	२८	७	२९
३५	०३	०५	वृह	१४	०२	११	०५	पुष्य	१४	०२	ध्रुव	४४	३७	बा	१४	०२	कर्के	११	१९	जून	गण्डमूल शुरू ११/०५ से, गुरु पुष्य योग, स.सि. योग	०१	१६	२६	२१	५	२८	७	२९
३५	०७	०६	शुक्र	१८	५५	१३	०१	आश्ले	२०	२५	व्याध	४६	३०	तै	१८	५५	सिं.दि१/३७	१२	२०	०२	वक्री गुरु स्वाति (३) में, रात्रि १२/४३ गण्डमूल	०१	१७	२३	५२	५	२७	७	३०
३५	०७	०७	शनि	२४	४७	१५	२२	मघा	२७	४२	हर्ष	४९	००	व	२०	४७	सिंहे	१३	२१	०३	बुध आर्द्रा में रात्रि १/०५, गण्डमूल, भद्रा दिवा ३/२२ से A	०१	१८	२१	२२	५	२७	७	३०
३५	१०	०८	रवि	२८	३५	१७	५३	पू.फा	३५	२५	वज्र	५१	३७	ब	२८	३५	कं.रा.२/२३	१४	२२	०४	श्री दुर्गाष्टमी मेला क्षीर भवानी (कश्मीर) शुक्र भरणी B	०१	१९	१८	५०	५	२७	७	३१
३५	१३	०९	चंद्र	३७	१२	२०	२०	उ.फा	४२	५५	सिद्धि	५३	५७	बा	०४	१२	कन्यायां	१५	२३	०५		०१	२०	१६	१७	५	२७	७	३२
३५	१५	१०	मंग	४२	३०	२२	२६	हस्त	४९	३५	व्यति	५५	३५	तै	१०	०२	कन्यायां	१६	२४	०६	श्री गंगा दशहरा (हरिद्वार)	०१	२१	१३	४३	५	२६	७	३२
३५	१७	११	बुध	४६	२७	२४	०१	चित्र	५४	५२	वरी	५६	०५	व	१४	४०	तु.दि.२/२३	१७	२५	०७	भद्रा ११/१८ से रात्रि १२/०५ तक, निर्जला एकादशी व्रत	०१	२२	११	०७	५	२६	७	३३
३५	१७	१२	वृह	४८	४२	२४	५५	स्वा	५८	३२	परिघ	५५	१५	ब	१७	४७	तुलायां	१८	२६	०८	सूर्य मृगशिरा में १०/१८, राहु उ.भा. (१) केतु उ.फा. ३, १०/४५	०१	२३	०८	३१	५	२६	७	३३
३५	१७	१३	शुक्र	४९	१२	२५	०७	विशा	६०	००	शिव	५३	०५	कौ	१९	१३	वृ.रा.११/२९	१९	२७	०९	प्रदोष व्रत, वट सावित्री व्रत शुरू, दुर्भाग्यनाशक व्रत	०१	२४	०५	५३	५	२६	७	३३
३५	२०	१४	शनि	४८	०२	२४	३९	विशा	००	२७	सिद्धि	४९	३२	गर	१८	५०	वृश्चिके	२०	२८	१०	भद्रा रात्रि १२/४३ से शुरू	०१	२५	०३	१५	५	२६	७	३४
३५	२०	१५	रवि	४५	२०	२३	३४	अनु ज्ये	०० ५९	५५ ३०	साध्य	४४	४७	वि	१६	५३	वृश्चिके	२१	२९	११	ज्येष्ठ पूर्णिमा, कबीर जयंती, श्रीसत्यनारायण व्रत, C	०१	२६	००	३५	५	२६	७	३४

अष्टम्यां रविवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (४ जून सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०१	०४	०३	०२	०६	००	०३	११	०५
	१९	१९	०६	०६	१६	१२	१३	०६	०६
	१८	४३	११	५९	३३	२६	२३	५३	५३
	५०	२१	०१	०९	०४	०७	०७	०४	०४
गति	५७	७०८	५६	१०५	०५	७०	०५	०३	०३
गति	२७	४८	०२	४५	०४	१०	५६	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	रोहि ३	पू.फा २	पुष्य ४	आर्द्रा १	स्वा ३	अश्वि ४	पुष्य ४	उ.भा २	उ.फा ४

कुण्डली अष्टमी प्रातः ५/२७

बु ३ | १ शु | श ४ | २ सू | १२ रा | मं | ५ चं | ११ | ६ के | ८ | १० | ७ बृ | ९

पूर्णिमायां रविवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (११ जून सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०१	०७	०३	०२	०६	००	०३	११	०५
	२६	१६	१०	१८	१५	२०	१४	०६	०६
	००	३२	२४	२१	५८	३९	०४	३१	३१
	३५	०९	०९	०३	०९	०६	०१	०२	०२
गति	५७	८१४	३६	८६	०४	७०	०६	०३	०३
गति	२०	२६	५३	२६	०३	१०	००	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	मृग १	अनु ४	पुष्य ३	आर्द्रा ४	स्वा ३	भर ३	पुष्य ४	उ.भा १	उ.फा ३

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ५/२६

बु ३ | १ शु | मं ४ | श | २ सू | १२ रा | ५ | ११ | चं ८ | ६ के | १० | ७ बृ | ९

A रात्रि ४/३८ तक। B में रात्रि ११/४२ C भद्रा दिवा १२/११ तक।

पर्व, त्योहार, निर्णय एवं शास्त्र विधान :- निर्जला- एकादशी व्रत- यह व्रत सभी एकादशियों में उत्तम माना जाता है इस दिन व्रतधारण करने से मनुष्य को दीर्घायु, आरोग्यवृद्धि एवं जनम जन्मान्तर के पापों की निवृत्ति होती है। **दुर्भाग्यनाशक व्रत-** ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी के दिन वन में नदी के किनारे बैठकर स्नानादि के पश्चात् श्वेत मदार (आक) रक्तकरवीर (लालगण्डीला) एवं निम्ब के वृक्ष की यथाविधि पूजा करके सूर्य नारायण की पूजा भी सम्पन्न करें, दिन भर व्रत रखें और पूजा के पश्चात् सूर्य का स्मरण करते हुए अपने घर चला जाए। इस व्रत के प्रभाव से शरीर में होने वाले आसाध्य रोग, दुर्गंध और अन्य दुर्गम रोग नष्ट हो जाते हैं। **प्रदोष व्रत-** सभी प्रदोष व्रतों में ज्येष्ठ प्रदोषव्रत भगवान शंकर एवं भगवती पार्वती को अत्यंत प्रिय हैं। शेष विधि सर्वविदित है। **पूर्णिमाव्रत-** ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा जब भी ज्येष्ठा नक्षत्र एवं मंगलवार से युक्त हो तब व्रत करें। इस व्रत से जन्मजन्मान्तर दरिद्रता, रोग, शोक आदि से रक्षा एवं अटल मानसिक शान्ति प्राप्त होती है। **व्यापारिक रुख-** मंगल पुष्य में तथा बुध आर्द्रा में है गेहूँ तिल, उड़द, जौ, चना, मूंग, मोठ में मन्दी होगी, चान्दी रूई में घटा बढ़ी चलती रहेगी, सोने में खास कर के तेजी आएगी। **आकाश लक्षण-** गर्मी अधिक होगी, लूह चलने से जनता में परेशानी होगी।

विक्रमी संवत् २०६३ **आषाढ़ कृष्ण पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **१२ जून से २५ जून तक** सूर्योत्तरायणे – दक्षिणायने, वर्षा ऋतौ, उत्तर गोलार्ध, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श ज्ये.	वि ज्ये.	अं जून	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	सू	जम्मू उ.	जम्मू सू.	जम्मू आ.
३५	२२	०१	चंद्र	४१	२५	२२	००	मूला	५७	२२	शुभ	३९	०२	बा	१३	३०	ध.प्रा.५/१७	२२	३०	१२	बुध पुनर्वसु में ९/०६, आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा	०१	२६	५७	५५	५	२६	७	३५
३५	२२	०२	मंग	३६	३५	२०	०४	पू.षा	५४	१७	शुक्ल	३२	३२	तै	०९	०७	धने	२३	३१	१३		०१	२७	५५	१४	५	२६	७	३५
३५	२५	०३	बुध	३१	१०	१७	५४	उ.षा	५०	४०	ब्रह्म	२५	३२	व	०३	५५	म.प्रा.८/४८	२४	३२	१४	भद्रा प्रातः ७/०० से सायं ५/५५ तक, श्रीगणेश चतुर्थी A	०१	२८	५२	३३	५	२६	७	३६
३५	२५	०४	वृह	२५	२५	१५	३६	श्रव	४६	५०	ऐंद्र	१८	१५	बा	२५	२५	मकरे	२५	आषा	१५	मिथुन संक्रांति, सूर्य मिथुन में ९/४५, पुण्य काल सायं तक	०१	२९	४९	५१	५	२६	७	३६
३५	२५	०५	शुक्र	१९	३२	१३	१५	धनि	४३	००	वैधृति	१०	५२	तै	१७	३२	कुं.दि११/२३	२६	२	१६	पञ्चक प्रा. ११/२४ से	०२	००	४७	०८	५	२६	७	३६
३५	२७	०६	शनि	१३	४७	२०	५७	शत	३९	१७	विष्कु गीति	०३ ५६	३२ २०	व	१३	४७	कुंभे	२७	३	१७	भद्रा १०/५७ से रात्रि ९/५१ तक	०२	०१	४४	४५	५	२६	७	३७
३५	२६	०७	रवि	०८	१२	०८	४३	पू.भा	३५	५२	आयु	४९	२५	ब	०८	१२	मी.दि.२/०६	२८	४	१८	शुक्र वृष में रात्रि ३/२८	०२	०२	४१	४२	५	२६	७	३७
३५	२५	०८	चंद्र	०२	५५	०६	३७	उ.भा	३२	४२	सौभा	४२	४२	कौ	०२	५५	मीने	२९	५	१९		०२	०३	३८	५९	५	२७	७	३७
००	००	०९	चंद्र	५८	०२	२८	४०	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	नवमी तिथि का क्षय	००	००	००	००	५	००	००	००
३५	२५	१०	मंग	५३	३२	२६	५२	रेव	२९	५७	शोभ	३६	२०	व	२५	४२	मे.सां.५/२६	३०	६	२०	बुध कर्क में सायं ५/३५, पञ्चक समाप्त सायं ५/२६	०२	०४	३६	१५	५	२७	७	३७
३५	२७	११	बुध	४९	२७	२५	१४	अश्वि	२७	४०	अति	३०	२०	ब	२१	२७	मेषे	३१	७	२१	मंगल आश्लेषा में १२/३३, योगिनी एकादशी व्रत, सायन B	०२	०५	३३	३१	५	२७	७	३८
३५	२७	१२	वृह	४६	००	२३	५१	भर	२५	५०	सुक	२४	४७	कौ	१७	४०	वृ.रा.९/३८	आ	८	२२	सूर्य आर्द्रा में ९/२, शक आषाढ़ शुरू	०२	०६	३०	४७	५	२७	७	३८
३५	२६	१३	शुक्र	४३	१०	२२	४३	कृत्ति	२४	४०	धृति	१९	४२	गर	१४	३०	वृषे	०२	९	२३	प्रदोष व्रत, भद्रा रात्रि १०/४३ से प्रारंभ	०२	०७	२८	०३	५	२७	७	३८
३५	२५	१४	शनि	४१	१२	२१	५७	रोहि	२४	१७	शूल	१५	१५	वि	१२	०५	मि.रा.३/१५	०३	१०	२४	बुध पुष्य में दिवा १/५१, भद्रा १०/१९ तक	०२	०८	२५	१९	५	२८	७	३८
३५	२५	३०	रवि	४०	२०	२१	३६	मृग	२४	५५	गंड	११	३७	च	१०	३७	मिथुने	०४	११	२५	आषाढ़ अमावस, स्नानदानादि	०२	०९	२२	३४	५	२८	७	३८

अष्टम्यां सोमवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१९ जून सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०२	११	०३	०२	०६	०१	०३	११	०५
	०३	०९	१५	२८	१५	००	१४	०६	०६
	३८	०२	१६	२८	२८	०६	५३	०५	०५
	५९	४७	०२	०४	०९	००	०८	०७	०७
गति	५७	८४१	३६	६२	०३	७१	०६	०३	०३
गति	१६	०१	०५	०२	००	११	५४	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	मृग ४	उभा २	पुष्य ४	पुन ३	स्वा ३	कृ २	पुष्य ४	उभा १	उफा ३

कुण्डली अष्टमी प्रातः ५/२९

श मं ४ | २ | ३ | शु | ५ | सू बु | १ | ६ | के | १२ | चं रा | ७ | बृ | ९ | ११ | ८ | १०

अमावास्यां रविवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२५ जून सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०२	०२	०३	०३	०६	०१	०३	११	०५
	०९	०१	१८	०३	१५	०७	१५	०५	०५
	२२	१४	५५	४९	१३	१२	३३	४६	४६
	३४	२५	०७	००	०४	०८	०२	०७	०७
गति	५७	७८२	३६	४०	०१	७१	०६	०३	०३
गति	१५	०२	५७	०७	५९	११	५८	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	आर्द्रा १	मृग ३	आश्ले १	पुष्य १	स्वा ३	कृत्ति ४	पुष्य ४	उभ. १	उफ. ६

कुण्डली अमावस्या प्रातः ५/३२

श मं बु ४ | २ | ३ | शु | ५ | सू चं | १ | ६ | के | १२ | रा | ७ | बृ | ९ | ११ | ८ | १०

A व्रत चंद्रोदय रात्रि १०/२७ **B** सूर्य कर्क में सायं ५/५५, वर्षा ऋतु प्रारम्भ, दक्षिणायन शुरू।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :- **संकट चतुर्थी व्रत –** यह व्रत पूर्व विद्धा चन्दोदय व्यापिनी कृष्ण चतुर्थी के दिन करना चाहिए, चन्दोदय के समय चन्द्रमा को अर्घ्य देकर श्रीगणेश के नैवैध के रूप में हविषान्न भोजन करें। **योगिनी एकादशी व्रत –** यह सर्वश्रेष्ठ व्रत है इस व्रत से समस्त दुर्नाम रोगों से मुक्ति हो जाती है यज्ञराज कुबेर के शाप से हेममाली को चर्म रोग हो गया तब मार्कण्डेय की शरण में गया तो उनकी आज्ञा से योगिनी एकादशी व्रत को विधिपूर्वक करने से व्याधि मुक्त होरक पुनः कुबेर की सेवा में नियुक्त हो गया। **प्रदोष व्रत –** यह व्रत विधिपूर्वक प्रत्येक त्रयोदशी के दिन साय गौरी शंकर की आराधना में संलग्न होकर करना चाहिए। **पक्षफलम्–** आषाढ़ संक्रान्ति १५ जून २००६ गुरुवार को ३० मुहूर्त्ति है, पुण्यकाल प्रातः से सायं तक रहेगा। मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, मकर, कुंभ व मीन राशि वालों को शुभफलप्रद है। **व्यापारिक रुख–** चान्दी रूई में मन्दी, सभी खाद्य पदार्थ तेज होंगे, सोना भावों में नरमी बाद में नेजी भी होगी। **आकाश लक्षण–** सूर्य आर्द्रा में २२ जून को आ जाएगा वर्षा के योग प्रबल हैं, जोरदार वर्षा होगी, मोनसून आने की शीघ्र ही सम्भावना है।

विक्रमी संवत् २०६३ **आषाढ़ शुक्ल पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **२६ जून से ११ जुलाई तक** दक्षिणायने सूर्ये, उत्तरगोलार्ध, वर्षा ऋतु, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श आषा	वि आषा	अं जून	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	सू.	जम्मू उ.	सू.	अ.
३५	२३	०१	चंद्र	४०	४५	२१	४६	आर्द्रा	२६	४५	वृद्धि	०८	५७	कि	१०	२२	मिथुने	०५	१२	२६	आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा	०२	१०	१९	४९	५	२८	७	३८
३५	२२	०२	मंग	४२	३०	२२	२९	पुन	२९	५२	ध्रुव	०७	१५	बा	११	२५	क.दि११/०३	०६	१३	२७	चंद्रदर्शनम् रथयात्रापुरी, त्रिपुष्कर योग, शुक्र रोहिणी मे A	०२	११	१७	०४	५	२९	७	३८
३५	२२	०३	बुध	४५	४५	२३	४७	पुष्य	३४	२७	व्या	०६	४५	तै	१३	५७	कर्के	०७	१४	२८	गण्डमूल शुरू सायं ७/१६ से	०२	१२	१४	१८	५	२९	७	३८
३५	२१	०४	वृह	५०	२०	२५	३७	आश्ले	४०	२२	हर्ष	०७	२०	व	१७	५२	सिं.रा९/३८	०८	१५	२९	गण्डमूल, भद्रा दिवा १२/३८ से रात्रि १/३३ तक	०२	१३	११	३२	५	२९	७	३८
३५	२०	०५	शुक्र	५६	००	२७	५४	मघा	४७	२०	वज्र	०८	५५	ब	२३	०२	सिंहे	०९	१६	३०	गण्डमूल रात्रि १०/२६ तक	०२	१४	०८	४६	५	३०	७	३८
३५	१८	०६	शनि	६०	००	पूरा	दिन	पू.फा	५५	०२	सिद्धि	११	१५	कौ	२९	०५	सिंहे	१०	१७	जुला	स्कंदषष्ठी कुमार षष्ठी	०२	१५	०५	५९	५	३०	७	३८
३५	१७	०६	रवि	०२	१५	०६	२५	उ.फा	६०	००	व्यती	१३	५५	तै	०२	१५	कं.दि.१०/१७	११	१८	०२	स.सि. योग	०२	१६	०३	१२	५	३१	७	३८
३५	१७	०७	चंद्र	०८	३५	०८	५७	उ.फा	०२	४५	वरी	१६	३२	व	०८	३५	कन्यायां	१२	१९	०३	भद्रा प्रातः ८/५७ से रात्रि १०/०५ तक, विवस्वत सप्तमी	०२	१७	००	२५	५	३१	७	३८
३५	१६	०८	मंग	१४	१७	११	१४	हस्त	०९	५७	परिघ	१८	४०	ब	१४	१७	तु.रा.१०/१७	१३	२०	०४	शनि आश्लेषा में रात्रि ८/५५ बुध वक्री रात्रि १/०३, श्रीदुर्गाष्टमी	०२	१७	५७	३७	५	३१	७	३८
३५	१५	०९	बुध	१८	४२	१३	०१	चित्र	१६	००	शिव	१९	४५	कौ	१८	४२	तुलायां	१४	२१	०५	मेला शरीक भवानी (कश्मीर)	०२	१८	५४	४९	५	३२	७	३८
३५	१३	१०	वृह	२१	२७	१४	०७	स्वा	२०	२७	सिद्धि	१९	३५	गर	२१	२७	तुलायां	१५	२२	०६	सूर्य पुनर्वसु में प्रातः ८/५१, गुरुमार्गी १२/५०, भद्रा रात्रि २/१६ से प्रा.	०२	१९	५२	००	५	३२	७	३८
३५	१२	११	शुक्र	२२	१५	१४	२७	विशा	२१	४२	साध्य	१७	५०	वि	२२	१५	वृ.प्रा८/३२	१६	२३	०७	भद्रा दिवा २/२७ तक, देवशयनी एकादशी व्रत, चतुर्मास्य B	०२	२०	४९	११	५	३३	७	३८
३५	११	१२	शनि	२१	०५	१३	५९	अनु	२३	३२	शुभ	१४	३२	बा	२१	०५	वृश्चिके	१७	२४	०८	शनि प्रदोष व्रत, गण्डमूल शुरू दिवा २/५८ से	०२	२१	४६	२२	५	३३	७	३८
३५	०७	१३	रवि	१८	००	१२	४६	ज्ये	२२	१५	शुक्ल	०९	४७	तै	१८	००	ध.दि२/२८	१८	२५	०९	वक्री बुध पुष्य में ११/२३	०२	२२	४३	३४	५	३४	७	३७
३५	०६	१४	चंद्र	१३	२२	१०	५५	मूला	१९	२७	ब्रह्म ऐन्द्र	[illegible]	[illegible]	व	१३	२२	धने	१९	२६	१०	भद्रा १०/५५ से, पूर्णिमा व्रत रात्रि चन्द्रोदय व्यापिनी, वक्री C	०२	२३	४०	४५	५	३४	७	३७
३५	०३	१५	मंग	०७	२५	०८	३३	पू.षा	१५	२२	वैधृ	४८	१२	ब	०७	२५	म.सां५/१६	२०	२७	११	गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा, भद्रा प्रातः ७/४३ तक	०२	२४	३७	५६	५	३५	७	३७

अष्टम्यां मंगलवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (४ जुलाई सन २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०२	०५	०३	०३	०६	०१	०३	११	०५
	१७	२१	२४	०७	१५	१७	१६	०५	०५
	५७	२०	२६	२४	०२	५५	३५	१८	१८
	३७	२२	०५	००	०३	०९	०४	०१	०१
गति	५७	७२३	३६	०१	००	७१	०७	०३	०३
गति	१२	०३	५९	०५	०३	११	०१	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	आर्द्रा ४	हस्त ४	आश्ले ३	पुष्य २	स्वा ३	रोहि ३	पुष्य ४	उ.भा १	उ.फा ३

कुण्डली अष्टमी प्रातः ५/३१

श म बु ४
२
३ सू
शु
१
५
६ के चं
१२ रा
७ बृ
९
११
८
१०

पूर्णिमायां मंगलवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (११ जुलाई सन २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०२	०८	०३	०३	०६	०१	०३	११	५
	२४	२२	२८	०५	१५	२६	१७	०४	०४
	३७	५६	४५	५९	०३	१८	२५	५५	५५
	५६	१४	०१	००	०८	०३	०८	०८	०८
गति	५७	८६८	३७	२८	००	७१	०७	०३	०३
गति	११	२८	००	५७	५९	११	५४	११	११
	शी	शी	मा उ	व अ	मा उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	पुन २	पु.षा ३	आश्ले ४	पुष्य १	स्वा ३	मृग १	आश्ले १	उ.भा १	उ.फा ३

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ५/३५

श म बु ४
३ सू
शु २
१
५
६ के
१२ रा
७ बृ
९ चं
११
८
१०

A दिवा १/४५ । **B** व्रत शुरू। **C** बुध पश्चिम में अस्त रात्रि ९/५३ पर।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :– रथ यात्रा – आषाढ़ शुक्ल द्वितीया पुष्य नक्षत्र से युक्त हो तो सुभद्रा सहित भगवान जगन्नाथ जी को रथ में विराजमान करके यात्रा कराकर पुनः अपने स्थान पर प्रतिष्ठित कर दें, इस दिन जगन्नाथपुरी में रथ यात्रा का विधिवत् समारोह मनाया जाता है, ऊधमपुर (जम्मू-कश्मीर) में भी यह यात्रा मनायी जाती है। **प्रदोष व्रत–** त्रयोदशी में सायं प्रदोष समय शिवजी के पास यक्ष, गन्धर्व, सर्प, सिद्ध साध्य, विद्याधर, देव अप्सरा और भूतगण उपस्थित होते हैं अतः प्रदोष व्रत में सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। **पक्षफलम्– व्यापारिक रुख–** किसानों की सभी चीजें महंगी होंगी, शनि आश्लेषा में आ जाने से व्यापारिक वस्तुओं में तेजी हो, परन्तु व्यापारी वर्ग मुनाफा होने पर भी सन्तुष्ट न हों। राजा और प्रजा में तामसी वातावरण रहेगा, राजनीतिक गतिविधियाँ कुछ तेजी की ओर जाएंगी, पशुओं में रोगों की वृद्धि होगी। **आकाश लक्षण–** मौसम पर्याप्त गर्म रहेगा, वर्षा होगी, कुछ प्रान्तों में वर्षा की कमी भी पाई जाएगी।

विक्रमी संवत् २०६३ **श्रावण कृष्ण पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **१२ जुलाई से २५ जुलाई तक** सूर्य दक्षिणायने, उत्तरगोलार्ध, वर्षा ऋतु, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श आपा	वि आपा	अं जुला	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
३५	००	०१	बुध	००	३५	०५	५०	उषा	१०	२७	विष्कु	३९	४०	कौ	००	३५	मकरे	२१	२८	१२	श्रावण कृष्ण प्रतिपदा	०२	२५	३७	०७	५	३६	७	३६
००	००	०२	बुध	५३	१७	२६	५५	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	द्वितीया तिथि क्षय	००	००	००	००	५	००	००	००
३४	५८	०३	वृह	४५	५२	२३	५७	श्रव धनि	[illegible]	[illegible]	प्रीति	३०	५५	व	१९	३५	कुं.सा६/३४	२२	२९	१३	मंगल मघा १ सिंह में ६/०३, भद्रा दिवा १/२८ से रात्रि ११/५९ A	०२	२६	३२	१९	५	३६	७	३६
३४	५७	०४	शुक्र	३८	३५	२१	०३	शत	५४	३५	आयु	२२	१५	ब	१२	१०	कुंभे	२३	३०	१४	शुक्र मिथुन में ७/२५, श्रीगणेश चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय B	०२	२७	२९	३१	५	३७	७	३६
३४	५३	०५	शनि	३१	४५	१८	१९	पू.भा	५०	००	सौभा	१३	५२	कौ	०५	०५	मी.रा८/०२	२४	३१	१५	बुध पुनर्वसु में रात्रि ९/४५	०२	२८	२६	४३	५	३७	७	३५
३४	५२	०६	रवि	२५	३०	१५	५०	उ.भा	४६	००	शोभ अति	[illegible]	[illegible]	व	२५	३०	मीने	२५	श्राव	१६	कर्क संक्रांति, सूर्य कर्क में रात्रि ८/३७, स.सि. योग	०२	२९	२३	५६	५	३८	७	३५
३४	५१	०७	चंद्र	२०	०७	१३	४१	रेवती	४२	५५	सुक	५२	०७	ब	२०	०७	मेरा१०/४८	२६	२	१७	पञ्चक समाप्त रात्रि १०/४८, गण्डमूल	०३	००	२१	१०	५	३८	७	३५
३४	४६	०८	मंग	१५	३२	११	५२	अश्वि	४०	४०	धृति	४६	१५	कौ	१५	३२	मेषे	२७	३	१८	गण्डमूल, स.सि. योग	०३	०१	१८	२४	५	३९	७	३४
३४	४५	०९	बुध	११	२७	१०	२५	भर	३९	२०	शूल	४१	०७	गर	११	२७	वृ.रा. ३/१९	२८	४	१९	भद्रा रात्रि ९/५०, शुक्र आर्द्रा में रात्रि ८/२७	०३	०२	१५	३९	५	४०	७	३४
३४	४१	१०	वृह	०९	१२	०९	२१	कृ	३८	५७	गंड	३६	४७	वि	०९	१२	वृषे	२९	५	२०	सूर्य पुष्य में ८/२८, बुध मिथुन में रात्रि ११/४८, भद्रा C	०३	०३	१२	५५	५	४०	७	३३
३४	३८	११	शुक्र	०७	२५	०८	३९	रोहि	३९	३०	वृद्धि	३३	१२	बा	०७	२५	वृषे	३०	६	२१	कामिका एकादशी व्रत	०३	०४	१०	११	५	४१	७	३३
३४	३५	१२	शनि	०६	३७	०८	२१	मृग	४१	०२	ध्रुव	३०	२५	तै	०६	३७	मि.दि९/४४	३१	७	२२	शनि प्रदोष व्रत, सा. सूर्य सिंह में रात्रि ४/४८ पर	०३	०५	०७	२९	५	४२	७	३२
३४	३१	१३	रवि	०६	५५	०८	२८	आर्द्रा	४३	४०	व्या	२८	३०	व	०६	५५	मिथुने	श्राव	८	२३	भद्रा प्रातः ८/२८ से रात्रि ८/४५ तक, शक श्रावण प्रा.	०३	०६	०४	४७	५	४२	७	३१
३४	२८	१४	चंद्र	०८	१५	०९	०१	पुन	४७	२२	हर्ष	२७	२५	श	०८	१५	क.सां६/१४	०२	९	२४	सोमवती अमावस तीर्थ स्नानदानादि दिवा ९/०१ के बाद	०३	०७	०२	०५	५	४३	७	३१
३४	२५	३०	मंग	१०	४५	१०	०२	पुष्य	५२	१२	वज्र	२७	१५	ना	१०	४५	कर्के	०३	१०	२५	हरियाली अमावस भौमवासरी	०३	०७	५९	२५	५	४४	७	३०

A तक पञ्चक शुरू सायं ६/३२ से। B रात्रि १०/१६)। C प्रातः ९/२१ तक, शनि अस्त पशिचम में प्रातः ७/४५।

अष्टम्यां मंगलवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१८ जुलाई सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०३	००	०४	०३	०६	०२	०३	११	०५
	०१	०३	०३	०१	१५	०४	१८	०४	०४
	१८	५३	०४	४७	१४	४२	१७	३३	३३
	२४	३६	०८	०३	००	०८	०६	०५	०५
गति	५७	८२६	३७	४०	०२	७२	१७	०३	०३
गति	१५	४६	५२	००	०२	१२	५७	११	११
	शी	शी	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	पुन ४	अशि २	मघा १	पुर्न ४	स्वा ३	मृग ४	आश्ले १	उ.भा १	उ.फा ३

कुण्डली अष्टमी प्रातः ५/३९

मं, ४, ३, शु, ५, सू श, बु, ६, के, २, ७, १, बृ, चं, १२, ८, १०, रा, ९, ११

अमावस्यां मंगलवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२५ जुलाई सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०३	०३	०४	०२	०६	०२	०३	११	०५
	०७	०५	०७	२७	१५	१३	१९	०४	०४
	५९	५०	२५	५२	३२	०९	१०	११	११
	२५	२६	०७	०३	०८	०४	०५	०३	०३
गति	५७	७३८	३७	१९	०३	७३	०७	०३	०३
गति	२०	१८	५४	०६	५४	१३	५६	११	११
	शी	शी	मा उ	व अ	मा उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	पुष्य २	पुष्य १	मघा ३	पुन ३	स्वाति ३	आर्द्रा २	आश्ले १	उ.भा १	उ.फा ३

कुण्डली अमावस प्रातः ५/४४

मं, शु बु, ४, ५, ३, ६, सू चं, २, के, श, ७, १, बृ, १२, ८, १०, रा, ९, ११

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :- संकट चतुर्थी व्रत- इस व्रत में चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी ग्रहण करें। **व्रत नियम-** भू शयन, जित क्रोधी, इन्द्रिय संयम, मोहादि का त्याग, प्रतिमास, एक वर्ष, तीन वर्ष, इक्कीस वर्ष या जीवन भर व्रत करें तो समस्त संकटों से मुक्ति, मानसिक शान्ति, घर में ऋद्धि सिद्धि प्राप्ति, कुमारी करे तो मनोरम वर प्राप्त हो, प्रत्येक स्त्री को सौभाग्य प्राप्ति एवं विधवा को उत्तम लोक प्राप्ति, जन्मान्तर में अटूट सौभाग्य प्राप्त हो। **कामदा एकादशी व्रत-** इस व्रत में राधादामोदर की पूजा करें, तुलसीदल अर्पण करें, धृतज्योति अर्पण कर यथा शक्ति ब्राह्मण को दान करने से अनन्त फल प्राप्त हो। **प्रदोषव्रत-** श्रावण में सोम प्रदोष व्रत हो तो फले फूले उद्यान में शिव मन्दिर में बैठ सूर्यास्त के बाद दो घड़ी तक शिव पूजा के पश्चात् भोजन करें, श्रावण में चार सोमवार व्रत का भी विशेष महत्त्व है। **फक्षपलम्-** श्रावण संक्रान्ति १६ जुलाई २००६ रविवार को ४५ मुहूर्ति है, कर्कराशि में सूर्य शनि का युनि सम्बंध होने से देश में सम्प्रदायिक एवं राजनीतिक दंगे होंगे। मेष, वृष, मिथुन, सिंह, वृश्चिक, मकर, कुंभ एवं मीन राशि वालों को कर्क राशि का सूर्य शुभ फलादेश करेगा। **व्यापारिक रुख-** गुड़, चीनी, सर्व प्रकार के अनाज व सोना, चान्दी, सुरिया में कुछ मन्दी आएगी। **आकाश लक्षण-** पूर्वी उत्तरी भागों में प्रचुर वर्षा के योग हैं, कहीं बहुत वर्षा से बाढ़ादि आने का डर, कहीं वर्षा कमी से सूखा भी हो सकता है।

विक्रमी संवत् २०६३ **श्रावण शुक्ल पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **२६ जुलाई से ९ अगस्त तक** सूर्य दक्षिणायने, उत्तरगोलार्ध, वर्षा ऋतु, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श श्राव	वि श्राव	अं जुला	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	प्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
३४	२१	०१	बुध	१४	२७	११	३१	आश्ले	५८	१०	सिद्धि	२८	००	ब	१४	२७	कर्के	०४	११	२६	श्रावण शुक्ल प्रतिपदा, चन्द्रदर्शनम् बुधोदय पूर्व में A	०३	०८	५६	४५	५	४४	७	२९
३४	१२	०२	वृह	१९	१५	१३	२७	मघा	०६	००	व्यती	२९	३२	कौ	१९	१५	सिं.प्रा५/००	०५	१२	२७	गण्डमूल	०३	०९	५४	०५	५	४५	७	२९
३४	१५	०३	शुक्र	२१	३७	१५	४५	मघा	०५	०२	वरी	३१	४७	गर	२१	३७	सिंहे	०६	१३	२८	हरियाली तीज, भद्रा रात्रौपरि प्रातः ५/११ से	०३	१०	५१	२७	५	४६	७	२८
३४	११	०४	शनि	३१	२०	१८	१८	पू.फा	१२	४०	परि	३४	३०	वि	३१	२०	कं.सां५/३७	०७	१४	२९	बुधमार्गी प्रातः ६/१०, भद्रा सायं ६/१८ तक, **गणेश चतुर्थी** B	०३	११	४८	४८	५	४६	७	२७
३४	०८	०५	रवि	३७	५०	२०	५५	उ.फा	२०	३५	शिव	३७	१७	ब	०४	३२	कन्यायां	०८	१५	३०	नाग पञ्चमी, स.सि. योग, शुक्र पुनर्वसु में रात्रि ९/१२	०३	१२	४६	११	५	४७	७	२७
३४	०५	०६	चंद्र	४३	५७	२३	२३	हस्त	२८	१५	सिद्धि	३९	४७	कौ	१०	५७	कन्यायां	०९	१६	३१	शनि आश्लेषा (२) में सायं ५/००, श्री कलिक जयंती	०३	१३	४३	३४	५	४८	७	२६
३४	०१	०७	मंग	४९	०७	२५	२७	चित्रा	३५	१०	साध्य	४१	३७	गर	१६	४२	तु.प्रा६/३२	१०	१७	अग	तुलसी दास जयंती, द्विपुष्कर योग, भद्रा रात्रि १/३२ से	०३	१४	४०	५७	५	४८	७	२५
३३	५६	०८	बुध	५२	४७	२६	५६	स्वा	४०	४२	शुभ	४२	२०	वि	२१	१०	तुलायां	११	१८	०२	भद्रा दिवा २/१७ तक, श्री दुर्गाष्टमी (मेला चिंतपूर्णी माता C	०३	१५	३८	२१	५	४९	७	२४
३३	५२	०९	वृह	५४	३५	२७	४०	विशा	४४	३०	शुक्ल	४१	३७	बा	२३	५५	वृ.सां५/१८	१२	१९	०३	सूर्य आश्लेषा में ७/३६, मंगल पू.फा. में सायं ४/१५	०३	१६	३५	४६	५	५०	७	२३
३३	४८	१०	शुक्र	५४	२०	२७	३४	अनु	४६	१७	ब्रह्म	३९	१७	ते	२४	४५	वृश्चिके	१३	२०	०४	गण्डमूल शुरू रात्रि १२/२१ से	०३	१७	३३	११	५	५०	७	२२
३३	४६	११	शनि	५१	५७	२६	३८	ज्ये	४६	००	ऐंद्र	३५	१७	व	२३	२५	ध.रा.१२/१५	१४	२१	०५	बुध कर्क में दिवा २/४५, पवित्रा एकादशी, भद्रा दिवा ३/१३ D	०३	१८	३०	३७	५	५१	७	२२
३३	४२	१२	रवि	४७	४०	२४	५६	मूला	४३	४५	वेधृ	२९	४०	ब	२०	०३	धने	१५	२२	०६	गण्डमूल समाप्त रात्रि ११/२२	०३	१९	२८	०३	५	५२	७	२१
३३	३८	१३	चंद्र	४१	४५	२२	३४	पू.षा	३९	५५	विष्कु	२२	३७	कौ	१४	५२	म.रा३/२१	१६	२३	०७	शुक्र कर्क में रात्रि २/४५, सोम प्रदोष व्रत	०३	२०	२५	३१	५	५२	७	२०
३३	३३	१४	मंग	३४	२७	१९	४०	उ.षा	३४	४०	प्रीति	१४	२२	गर	०८	१२	मकरे	१७	२४	०८	बुध पुष्य में रात्रि ४/४४, भद्रा सायं ७/४२ से	०३	२१	२२	५९	५	५३	७	१९
३३	३०	१५	बुध	२६	१७	१६	२५	श्रव	२८	३०	आयु सौभा	[illegible]	[illegible]	वि	००	२८	कुं.रा४/००	१८	२५	०९	भद्रा ६/०५ तक **श्रावण पूर्णिमा, ऋषि तर्पणादि उपाकर्मादि,** E	०३	२२	२०	२८	५	५४	७	१८

अष्टम्यां बुधवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२ अगस्त सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०३	०६	०४	०२	०६	०२	०३	११	०५
	१५	११	१२	२७	१६	२२	२०	०३	०३
	२८	३१	२५	५५	०४	५०	११	४५	४५
	२१	५४	०६	०४	०४	०७	०७	०९	०९
गति	५७	७३७	३७	२७	०४	६८	०७	०३	०३
	२५	१७	५६	५८	५७	०८	५७	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	मा अ	व अ	व अ
	पुष्य ४	स्वा २	मघा ४	पुन ३	स्वा ३	पुन १	आश्ले २	उ.भा १	उ.फा ३

कुण्डली अष्टमी प्रातः ५/४९

५ | बु शु ३ | मं ४ | के ६ | श सू | ७ | २ | १ | बृ चं | ८ | १० | १२ रा | ९ | ११

पूर्णिमायां बुधवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (९ अगस्त सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०३	०९	०४	०३	०६	०३	०३	११	०५
	२२	१६	१६	०३	१६	०१	२१	०३	०३
	२०	००	४९	२२	४०	२१	०५	२३	२३
	२८	५९	०३	०१	०४	०५	०६	०६	०६
गति	५७	८९५	३७	७०	०५	७३	०७	०३	०३
	३०	५५	५८	१०	५७	१३	५७	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	मा अ	व अ	व अ
	आश्ले २	रोहि २	पु.फा २	पुष्य १	स्वाति ३	पुन ४	आश्ले २	उ.भा १	उ.फा ३

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ५/५४

मं ५ | ६ | श | ६ के | शु सू बु ४ | २ | ७ बृ | १ | ८ | १० चं | १२ रा | ९ | ११

A रात्रि ८/२८, गण्डमूल। B व्रत दूर्वागणपति व्रत। C चामुण्डादेवी कांगड़ा (हि.प्र.)। D से रात्रि २/४५ तक, गण्डमूल। E रक्षाबंधन (रक्खड़ी) दर्शन श्री अमरनाथ पवित्र गुफा पञ्चक शुरू रात्रि ४/०० बजे से।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :- दूर्वागणपतिव्रत - श्रावण शुक्ल चतुर्थी मध्याह्न व्यापिनी लेवें, 'मातृविद्धाप्रशस्यते' प्रमाण के अनुसार तृतीया विद्धा व्रत ही करना चाहिए, पूजादि के पश्चात् गणेश जी को अर्घ देकर नैवेद्य ग्रहण करें, तीन या पाँच वर्ष तक करने से सम्पूर्ण मनोरथ सिद्ध होते हैं। **पवित्रा एकादशी व्रत** - दशमी के दिन एकहारी रहकर एकादशी के दिन राधा दामोदर की पूजा कर निराहार व्रत रात्रि जागरण पूर्वक भक्ति श्रद्धा से द्वितीय दिन ब्राह्मण भोज पूर्वक व्रतपारण करें इससे पाप नाश और सुन्दर पुत्र प्राप्ति होती है। **पक्षफलम्-** २९ जुलाई को बुध मार्गी होने से चाबल, चान्दी, कपड़ा में मन्दी होगी, नौकादि से जीवन यापन करने वालों के लिए शुभ है। सूर्य, शनि, बुध, शुक्र का चतुर्ग्रही योग बनने से जम्मू-कश्मीर हिमाचल, बिहार, उड़ीसा, गुजरात आदि क्षेत्रों में नदियों का जलस्तर खतरे से ऊपर चलेगा तथा जन धनादि हानि होगी, हिसंक घटनाओं में वृद्धि, उग्रवादी तत्पर रहें, विस्फोटक, घटना, अग्निकाण्ड, भूकम्पादि से क्षति हो सकती है। **आकाश लक्षण-** उत्तरी एवं मध्यवर्ती प्रान्तों में वायुवेग तेज होगा तथा प्रचुर मात्रा में पानी बरसेगा।

विक्रमी संवत् २०६३ **भाद्रपद कृष्ण पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **१० अगस्त से २३ अगस्त तक** दक्षिणायने सूर्ये, उत्तरगोलार्धे, वर्षा–शरद् ऋतौ, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श श्राव	वि श्राव	अं अग.	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	जम्मू उ.	जम्मू सू.	जम्मू अ.
३३	२६	०१	वृह	१७	४०	१२	५८	धनि	२१	५५	शोभ	४५	४२	कौ	१७	४०	कुंभे	१९	२६	१०	भाद्रपद कृष्ण प्रतिपदा राहू पू.भा. में ४(८/३८) शुक्र पुष्य में	०३	२३	१७	५८	५	५४	७	१७
३३	२१	०२	शुक्र	०८	५२	०९	२८	शत	१५	१२	अति	३५	५२	गर	०८	५२	मी.प्रा४/०४	२०	२७	११	कज्जली तीज, भद्रा सायं ७/५२ से	०३	२४	१५	३०	५	५५	७	१६
३३	१७	०३	शनि	००	२५	०६	०६	पूभा	०८	५०	सुक	२६	२५	वि	००	२५	मीने	२१	२८	१२	भद्रा प्रातः ६/१० तक, श्रीगणेश संकट चतुर्थी व्रत, बहुला A	०३	२५	१३	०२	५	५६	७	१५
००	००	०४	शनि	५२	३२	२६	५७	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	चतुर्थी तिथि क्षय	००	००	००	००	००	००	००	००
३३	१३	०५	रवि	४५	३७	२४	११	उ.भा रेवा	०३ ५८	१० २७	धृति	१७	४०	कौ	१८	५७	मीने	२२	२९	१३	स.सि. योग	०३	२६	१०	३६	५	५६	७	१४
३३	०८	०६	चंद्र	३९	४७	२१	५२	अश्वि	५४	५२	शूल	०९	४२	गर	१२	३२	मे.प्रा५/१८	२३	३०	१४	पञ्चक समाप्त प्रातः ५/१९ सूर्योदय पूर्व, चंदन षष्ठी, B	०३	२७	०८	१२	५	५७	७	१३
३३	०३	०७	मंग	३५	१५	२०	०४	भर	५२	३७	गड वृद्धि	०२ ५६	४२ ५५	वि	०७	२०	मेषे	२४	३१	१५	भद्रा ८/५४ तक, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (स्मार्त) शीतला सप्तमी	०३	२८	०५	४८	५	५८	७	१२
३३	००	०८	बुध	३२	०५	१८	४९	कृति	५१	४७	ध्रुव	५२	१०	बा	०३	२७	वृ.प्रा८/४३	२५	भाद्र	१६	भाद्रपद संक्रांति, सूर्य सिंह में अर्दरात्रौपरि प्रातः ५/०२ C	०३	२९	०३	२७	५	५९	७	११
३३	५६	०९	वृह	३०	२२	१८	०८	रोहि	५२	२२	व्या	४८	३७	तैर	०१	१२	वृषे	२६	२	१७	बुध आश्लेषा में रात्रि १/४५, श्रीगुग्गानवमी, मेल रैणा विरादरी D	०३	००	०१	०६	५	५९	७	१०
३३	४८	१०	शुक्र	३०	०५	१८	०२	मृग	५४	१७	हर्षण	४६	०७	व	००	१३	मि.दि३/१५	२७	३	१८	भद्रा ६/०५ से सायं ६/१ तक	०४	००	५८	४८	६	००	७	०८
३३	४५	११	शनि	३१	०५	१८	२७	आर्द्रा	५७	२७	वज्र	४४	४०	ब	००	३२	मिथुने	२८	४	१९	अजा एकादशी व्रत, बुध अस्त ७/४३	०४	०१	५६	३१	६	०१	७	०७
३३	४१	१२	रवि	३३	२२	१९	२२	पुन	६०	००	सिद्धि	४४	१२	कौ	०२	०५	क.रा१२/१६	२९	५	२०	वत्स द्वादशी	०४	०२	५४	१५	६	०१	७	०६
३३	३६	१३	चंद्र	३६	४७	२०	४५	पुन	०१	५०	व्यती	४४	३२	गर	०४	५७	कर्के	३०	६	२१	सोम प्रदोष व्रत, भद्रा रात्रि ८/४५ से, शुक्र आश्लेषा में सायं E	०४	०३	५२	०२	६	०२	७	०५
३३	३२	१४	मंग	४१	१५	२२	३३	पुष्य	०७	१५	वरी	४५	४०	वि	०८	५२	कर्के	३१	७	२२	भद्रा ९/३६ तक	०४	०४	४९	४९	६	०३	७	०४
३३	२८	३०	बुध	४६	३५	२४	४१	आश्ले	१३	३५	परि	४७	३०	च	१३	४७	सि.दि११/२९	भाद्र	८	२३	कुशोत्पाटिनी अमावस, शक भाद्रपद प्रा., सायन सूर्य कन्या F	०४	०५	४७	३८	६	०३	७	०३

अष्टम्यां बुधवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१६ अगस्त सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०३	००	०४	०३	०६	०३	०३	११	०५
	२९	२८	२१	१३	१७	०९	२१	०३	०३
	०३	०४	१४	२५	२३	५४	५९	०१	०१
	२७	५८	०३	०६	०६	०२	०४	०३	०३
गति	५७	८०८	३८	१०३	०६	७२	०७	०३	०३
गति	३९	२८	००	४३	५७	१२	५६	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	मा अ	व अ	व अ
	आश्ले	कृति १	पू.फा. ३	पुष्य ४	स्वा ४	पुन ४	आश्ले २	पू.भा ४	उ.फा २

कुण्डली अष्टमी प्रातः ५/५९

मं ५, ४, ३, ६ के, बु सू श शु ४, २, ७ बृ, चं १, १२ रा, ८, १०, ९, ११

अमावास्यां बुधवासरे प्रातः स्पष्टग्रहाः (२३ अगस्त सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०४	०३	०४	०३	०६	०३	०३	११	०५
	०५	२७	२५	२६	१८	१८	२२	०२	०२
	४७	००	४०	२८	१३	२८	५२	३९	३९
	३८	४३	०९	०६	०६	०९	०७	०१	०१
गति	५७	७१७	३८	११८	०७	७३	०७	०३	०३
गति	५१	५७	५२	५८	५७	१३	५६	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	मा अ	व अ	व अ
	मघा २	आश्ले ४	पू.फा ४	आश्ले ३	स्वाति ४	आश्ले १	आश्ले २	पू.भा ४	उ.फा २

कुण्डली अमावस प्रातः ६/०३

के ६, श शु चं बु ४, ७ बृ, ५ सू मं, ३, ८, २, ९, ११, १, रा १२, १०

A चतुर्थी, चंद्रोदय रात्रि ९/१६। B भद्रारात्रि ९/४८ से। C श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत (वैष्णव) संक्रांति पुण्यकाल अगले दिन दोपहर तक। D सूञ्जवां (जम्मू)। E ७/०० बजे, कैलाश यात्रा शुरू। F में ११/५३, शरद् ऋतु प्रा.।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :- चन्द्र (चन्दन) षष्ठीव्रत – भाद्रपदकृष्ण चन्द्रोदय व्यापिनी षष्ठी व्रत विवाहित या कुमारी लड़कियाँ ही करती हैं तथा चन्द्रोदय होने पर अर्घ देकर-स्वयं भोजन करती हैं। **जन्माष्टमी** व्रत – भगवान् श्रीकृष्ण जी का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी बुधवार रोहिणी नक्षत्र अर्धरात्रि के समय वृष लग्न एवं वृष के चन्द्रमा में हुआ था, शास्त्र में अष्टमी के शुद्धा और विद्धा दो भेद हैं, सूर्योदय से अगले सूर्योदय तक शुद्धा और सप्तमी या नवमी से युक्त विद्धा कही जाती है। शुद्धा या विद्धा भी सम, न्यून या अधिक भेद से तीन प्रकार की होती है, अर्धरात्रि व्यापिनी अष्टमी अधिक महत्त्वपूर्ण होती है, स्मार्त लोग सप्तमी विद्धा ग्रहण करते हैं वैष्णव लोग नवमी विद्धा ग्रहण करते हैं कुछ लोग अष्टमी व्रत को ही श्रेष्ठ मानते हैं, मध्व या निम्बार्क मत के लोग रोहिणी नक्षत्र में ही व्रत करते हैं। **पक्षफलम्** – सूर्य मंगल का युति सम्बंध सिंह राशि में होगा। चन्द्रमा के साथ बुध, शुक्र, शनि का योग है, अतः सोना, चान्दी, पीतल ताम्बादि का भावों में वृद्धि होगी। सोना चान्दी में समय समय पर बदलाव आता रहेगा। मेष, वृष, सिंह, तुला, वृश्चिक, धन, कुंभ व मीन राशि वालों को संक्रान्ति शुभ फलप्रद रहेगी। **आकाश लक्षण**– इस पक्ष में खण्ड वृष्टि के योग हैं।

विक्रमी संवत् २०६३ **भाद्रपद शुक्ल पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **२४ अगस्त से ७ सितम्बर तक** दक्षिणायने, उत्तरगोलार्ध, शरद् ऋतु, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श भाद्र	वि भाद्र	अं अग.
३२	२२	०१	वृह	५२	३५	२७	०६	मघा	२०	४०	शिव	४९	४७	किं	१९	३०	सिंहे	०२	९	२४
३२	१८	०२	शुक्र	२९	०५	२९	४२	पू.फा	२८	२२	सिद्धि	५२	३०	बा	२५	४७	कंरा१२/११	०३	१०	२५
३२	१३	०३	शनि	६०	००	पूरा	दिन	उ.फा	३६	१५	साध	५५	१५	तै	३२	२३	कन्यायां	०४	११	२६
३२	१०	०३	रवि	०५	३७	०८	२१	हस्त	४४	०५	शुभ	५७	५२	गर	०५	३७	कन्यायां	०५	१२	२७
३२	०६	०४	चंद्र	१२	००	१०	५४	चित्र	५१	२७	शुक्ल	६०	००	वि	१२	००	तु.दि१/१४	०६	१३	२८
३१	५८	०५	मंग	१७	३७	१३	१०	स्वा	५७	५०	शुक्ल	००	०२	बा	१७	३७	तुलायां	०७	१४	२९
३१	५५	०६	बुध	२२	०५	१४	५८	विशा	६०	००	ब्रह्म	०१	२५	तै	२२	०५	वृ.रा१२/५०	०८	१५	३०
३१	५१	०७	वृह	२५	०२	१६	०९	विशा	०२	५२	एंन्द्र	०१	४२	व	२५	०२	वृश्चिके	०९	१६	३१
३१	४३	०८	शुक्र	२६	०५	१६	३५	अनु	०६	१२	वैधृ विष्क	०४ ५८	३० ०४	ब	२६	०५	वृश्चिके	१०	१७	सित
३१	४०	०९	शनि	२५	०७	१६	१३	ज्ये	०७	३५	प्रीति	५३	४५	कौ	२५	०७	धने ९/११	११	१८	०२
३१	३६	१०	रवि	२२	१२	१५	०३	मूला	०७	००	आयु	४७	५५	गर	२२	१२	धने	१२	१९	०३
३१	३१	११	चंद्र	१७	२०	१३	०७	पू.षा	०४	३०	सौभा	४०	३७	वि	१७	२०	म.दि.१/३७	१३	२०	०४
३१	२५	१२	मंग	१०	५०	१०	३२	उ.षा श्रव	०८ ५४	१५ ४०	शोभ	३२	०५	बा	१०	५०	मकरे	१४	२१	०५
३१	२१	१३	बुध	०३	०२	०७	२५	धनि	४८	०५	अति	२२	३५	तै	०३	०२	कुं.दि२/४७	१५	२२	०६
००	००	१४	बुध	५४	२०	२७	५६	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
३१	१६	१५	वृह	४५	००	२४	१३	शत	४०	५०	सुक	१२	२२	वि	१९	४२	कुंभे	१६	२३	०७

तिथि	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
०१	मंगल उ.फा. में सायं ६/३६, बुध सिंह में रात्रि १२/१०, A	०४	०६	४५	२९	६	०४	७	०१
०२	शनि पूर्व से उदय ११/३४, चन्द्रदर्शनम	०४	०७	४३	२१	६	०४	७	००
०३	शनि आश्लेषा (३) में रात्रि ८/१४	०४	०८	४१	१५	६	०५	६	५९
०३	हरितालिका तीज श्री गौरी तीज, श्री गणेश चतुर्थी व्रत कलङ्क B	०४	०९	३९	१०	६	०६	६	५८
०४	भद्रा १०/५४ तक	०४	१०	३७	०७	६	०६	६	५७
०५	मंगल कन्या में रात्रि ११/५१, ऋषि पञ्चमी	०४	११	३५	०४	६	०७	६	५५
०६	सूर्य पू.फा. में रात्रि १२/५५ सूर्यषष्ठी व्रत, ललिता व्रत	०४	१२	३३	०३	६	०८	६	५४
०७	बुध पू.फा. में सायं ५/४५, भद्रा दिवा ४/०९ से रात्रि ४/२२ C	०४	१३	३१	०४	६	०८	६	५३
०८	शुक्र सिंह में दिवा २/०८, दूर्वाष्टमी, श्रीराधाष्टमी, गण्डमूल D	०४	१४	२९	०५	६	०९	६	५१
०९	श्री चन्द्रनवमी, गण्डमूल	०४	१५	२७	०८	६	१०	६	५०
१०	गण्डमूल समाप्त ८/५८, अगस्तोदय रात्रि ७/२३, भद्रा E	०४	१६	२५	१३	६	१०	६	४९
११	पद्मा एकादशी व्रत, भद्रा दिवा १/०७ तक, गुरु विशाखा F	०४	१७	२३	१९	६	११	६	४८
१२	भौम प्रदोष व्रत, वामन जयन्ती	०४	१८	२१	२६	६	१२	६	४६
१३	अनन्त चतुर्दशी, पञ्चक शुरू दिवा २/४८ से, भद्रा G	०४	१९	१९	३५	६	१२	६	४५
१४	चतुर्दशी क्षय	००	००	००	००	६	००	००	००
१५	बुध उ.फा. में रात्रि ७/२२, पूर्णिमा व्रत, पौष्ठपदी पूर्णिमा H	०४	२०	१७	४५	६	१३	६	४४

अष्टम्यां शुक्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१ सितंबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०४	०७	०५	०४	०६	०३	०३	११	०५
	१४	१५	०१	१४	१९	२९	२४	०२	०२
	२९	००	२५	१७	२७	३३	००	१०	१०
	०५	१६	०९	०३	०१	०४	०१	०५	०५
गति	५८	७७७	३८	११६	०८	७४	०७	०३	०३
गति	०३	५७	५५	५६	०७	१४	०४	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	मा उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	पू.फा १	अनु ४	उ.फा २	पू.फा १	स्वा ४	आश्ले ४	आश्ले ३	पू.भा ४	उ.फा २

कुण्डली अष्टमी प्रातः ६/०९

मं के ६ | शु श ४ | ५ सू बु | ३ | बृ ७ | चं ८ | २ | १ | ९ | ११ | १२ रा | १०

पूर्णिमायां गुरुवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (७ सितंबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०४	१०	०५	०४	०६	०४	०३	११	०५
	२०	०९	०५	२५	२०	०६	२४	०१	०१
	१७	१३	१७	३६	२१	५७	४३	५१	५१
	४५	५७	०३	०८	०३	०८	०९	०४	०४
गति	५८	९१०	३८	१०९	०९	७४	०७	०३	०३
गति	१२	१०	५७	४९	०४	१४	५२	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	पू.फा ३	शत १	उ.फा ३	पू.फा ४	विशा १	मघा ३	आश्ले ३	पू.भा ४	उ.फा २

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ६/१३

मं के ६ | ४ श | ५ सू बु शु | ३ | बृ ७ | ८ | २ | १ | ९ | ११ चं | १२ रा | १०

A भाद्रपद शुक्ल प्रतिपदा। **B** चतुर्थी, चन्द्रदर्शन निषेध भद्रा रात्रि ९/३८ से। **C** तक सन्तान सप्तमी व्रत, मंगल पश्चिम में अस्त, महालक्ष्मी व्रत प्रा.। **D** शुरू ८/३८ से। **E** शुरू रात्रि २/०५ से। **F** में रात्रि १०/०९ । **G** रात्रि ३/५८ से। **H** का श्राद्ध, खग्रासचन्द्र ग्रहण।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :– हरितालिका व्रत – भाद्रपद शुक्ल तृतीया मुहूर्त्त मात्र भी हो तो परतिथि ही लेनी चाहिए क्योंकि द्वितीया ब्रह्मा की तिथि ओर चतुर्थी श्रीगणेश जी की होने से पूर्वविद्धा निषिद्ध होती है और परविद्धा (चतुर्थी युक्त) ही श्रेष्ठ होती है। यह व्रत प्रत्येक नारी को गौरी शंकर की प्रसन्नता के लिए एवं पुत्र पौत्रादि सुख हेतु बड़े समारोहपूर्वक करना चाहिए। **पक्षफलम् – व्यापारिक रुख –** शुक्र, कर्क राशि से सिंह राशि में प्रवेश करेगा इसलिए खाद्य वस्तु, अनाजादि में तेजी होगी, पूर्व में शनि उदय भी हो रहा है इसके प्रभाव से तिल, तैलादि तरल पदार्थों में तेजी, पैट्रोलियम पदार्थों में भाव वृद्धि की सम्भावना है, सीमेंट सरिया मकान सम्बंधी चीजों के भावों में वृद्धि होगी, खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण से भी बाजार में तेजी मन्दी आएगी। **आकाश लक्षणम्–** बिहार, उड़ीसा, मध्यप्रदेशादि प्रान्तों में अति वर्षा से बाढ़ का प्रकोप हो, परन्तु दूसरे प्रान्तों में वर्षा प्रतिकूल समय पर होगी।

विक्रमी संवत् २०६३ **आश्विन कृष्ण पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **८ सितम्बर से २२ सितम्बर तक** दक्षिणायनेसूर्ये, उ.द.गोलार्धे, शरद् ऋतौ, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श भाद्र	वि भाद्र	अं सित.	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू	उ.	सू	अ.
३१	१०	०१	शुक्र	३५	२२	२०	२७	पू.भा	३३	२५	धृति शूल	[illegible]	[illegible]	बा	१०	१५	मी. २/११	१७	२४	०८	श्राद्धपक्षारंभ प्रतिपदा का श्राद्ध	०४	२१	१५	५७	६	१४	६	४२
३१	०६	०२	शनि	२६	२५	१६	४८	उ.भा	२६	१७	गंड	४१	१०	गर	००	५५	मीने	१८	२५	०९	बुध कन्या में दिवा ३/४६, द्वितीया का श्राद्ध, भद्रा रात्रि ३/०६ से	०४	२२	१४	११	६	१४	६	४१
३१	०२	०३	रवि	१७	५२	१३	२४	रेव	१९	४७	वृद्धि	३१	३७	वि	१७	५२	मे.२/१०	१९	२६	१०	तृतीया का श्राद्ध, भद्रा दिवा १/२४ तक, पञ्चक समाप्त A	०४	२३	१२	२७	६	१५	६	४०
३०	५६	०४	चंद्र	१०	२५	१०	२५	अश्वि	१४	२२	ध्रुव	२३	००	बा	१०	२५	मेषे	२०	२७	११	पञ्चमी का श्राद्ध १०/२५ उ.	०४	२४	१०	४५	६	१५	६	३८
३०	५१	०५	मंग	०४	१५	०७	५८	भर	१०	१५	व्या	१५	३०	तै	०४	१५	वृ.दि४/०३	२१	२८	१२	षष्ठी का श्राद्ध, शुक्र पू.फा. में ९/०२	०४	२५	०९	०४	६	१६	६	३७
३०	४७	०६	बुध	००	१७	०६	२४	कृ	०७	४५	हर्षण	०९	२०	व	००	१७	वृषे	२२	२९	१३	सूर्य उ.फा. में सायं ६/५३, भद्रा ६/२४ से साय ५/४० B	०४	२६	०७	२६	६	१७	६	३६
००	००	०७	बुध	५६	५५	२९	०३	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	सप्तमी तिथि क्षय	००	००	००	००	००	००	००	००
३०	४१	०८	वृह	५६	००	२८	४१	रोहि	०७	०२	वज्र	०४	३७	बा	२६	१५	मि.रा९/१४	२३	३०	१४	मंगल हस्त में १२/२३, श्रीमहालक्ष्मी व्रत, जीवित पुत्रि का C	०४	२७	०५	५०	६	१७	६	३४
३०	३६	०९	शुक्र	५६	५०	२९	०२	मृग	०८	०७	सिद्धि व्यती	[illegible]	[illegible]	तै	२६	१०	मिथुने	२४	३१	१५	बुध हस्त में १०/३१, नवमी का श्राद्ध, सौभाग्यवतीनां श्राद्ध	०४	२८	०४	१६	६	१८	६	३३
३०	३२	१०	शनि	५९	२०	३०	०३	आर्द्रा	१०	५५	वरी	५८	५५	व	२७	५२	मिथुने	२५	आ.	१६	आश्विन् संक्रान्ति, सूर्य कन्य में अर्द्धरात्रौपरि प्रातः D	०४	२९	०२	४४	६	१९	६	३२
३०	२६	११	रवि	६०	००	पूरा	दिन	पुन	१५	२०	परि	५९	२५	ब	३१	१०	क.प्रा५/५७	२६	२	१७	बुधोदय ६/३५, एकादशी का श्राद्ध, इन्द्रा एकादशी (स्मार्त) E	०५	००	०१	१४	६	१९	६	३०
३०	२१	११	चंद्र	०३	१५	०७	३८	पुष्य	२१	००	शिव	६०	००	बा	०३	१५	कर्के	२७	३	१८	इन्द्रा एकादशी व्रत (वैष्णव) द्वादशी श्राद्ध, संन्यासियों F	०५	००	५९	४७	६	२०	६	२९
३०	१७	१२	मंग	०८	१७	०९	४०	आश्ले	२७	४०	शिव	००	४५	तै	०८	१७	सिं.सा५/२५	२८	४	१९	गण्डमूल, भौम प्रदोष व्रत, त्रयोदशी का श्राद्ध, स.सि. योग	०५	०१	५८	२१	६	२१	६	२८
३०	११	१३	बुध	१४	१५	१२	०३	मघा	३५	०५	सिद्ध	०२	५०	व	१४	१५	सिंहे	२९	५	२०	भद्रा दिवा १२/०३ से रात्रि १/२१ तक त्रयोदशी श्राद्ध	०५	०२	५६	५८	६	२१	६	२६
३०	०७	१४	वृह	२०	३७	१४	३७	पू.फा	४२	५०	साध्य	०५	१५	श	२०	३७	सिंहे	३०	६	२१	चतुर्दशी श्राद्ध विषाग्नि दुर्घनादि से मृतकों का श्राद्ध	०५	०३	५५	३७	६	२२	६	२५
३०	०३	३०	शुक्र	२७	१५	१७	१६	उ.फा	५०	४५	शुभ	०७	५५	ना	२७	१५	कं.प्रा६/१७	३१	७	२२	सर्वपितृ श्राद्ध, अमावस शुक्र उ.फा. में रात्रि २/४५	०५	०४	५४	१८	६	२२	६	२४

अष्टम्यां गुरुवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१४ सितम्बर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०४	०१	०५	०५	०६	०४	०३	११	०५
	२७	२१	०९	०७	२१	१५	२५	०१	०१
	०५	२०	४८	५७	२९	३७	३३	२९	२९
	५०	१५	०८	०७	०३	०८	०५	०१	०१
गति	५८	७२८	३९	९९	१०	७४	०६	०३	०३
गति	२६	०८	००	३९	०१	१४	५९	११	११
	शी	शी	मा अ	मा अ	मा उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	उ.फा १	रोहि ४	उ.फा ४	उ.फा ४	विशा १	पू.फा १	आश्ले ३	पू.भा ४	उ.फा २

कुण्डली अष्टमी प्रातः ६/१७

मं बु के ६ | शा ४ | ५ सू शु | ३ | ७ बृ | ८ | चं २ | १ | १२ | १ | १० | रा १२

अमावस्यां शुक्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२२ सितम्बर सन् २००६)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०५	०४	०५	०५	०६	०४	०३	११	०५
	०४	२९	१५	२०	२२	२५	२६	०१	०१
	५४	३६	०१	५९	५२	३३	२७	०३	०३
	१८	५७	०३	०२	०७	०९	०७	०७	०७
गति	५८	७०७	३९	९३	१०	७४	०६	०३	०३
गति	४३	४७	०२	३३	५८	१४	५६	११	११
	शी	शी	मा अ	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	उ.फा ३	उ.फा १	हस्त २	हस्त ४	विशा १	पू.फा ४	आश्ले ३	पू.भा ४	उ.फा २

कुण्डली अमावस प्रातः ६/२२

वृ ७ | ५ शु | ६ मं सू चं बु के | ८ | शा ४ | ९ | ३ | रा १२ | १० | २ | ११ | १

A दिवा २/१० चतुर्थी का श्राद्ध दोपहर १/२४ के बाद। B तक, सप्तमी का श्राद्ध। C व्रत अष्टमी का श्राद्ध। D ५/०० दशमी का श्राद्ध, आश्विन संक्रांति भद्रा सायं ५/२८ से। E भद्रा प्रातः ५/५७ तक। F का श्राद्ध गण्डमूल शुरू दिवा २/४४।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :- इन्द्रा एकादशी व्रत– जन्मान्तरीय पापों का नाश इसी व्रत के करने से होता है, समस्त दिन रात भर भगवान का चिन्तन करने से परमानन्द की प्राप्ति होती है। **पक्षफलम् –** १६ सितम्बर २००६ शनिवार आश्विन संक्रान्ति है संक्रान्ति का पुण्य काल अग्रिम दिन १७ सितम्बर को सूर्योदय से ही होगा। मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धन एवं कुंभ राशि वालों के लिए संक्रान्ति फल शुभ है। संक्रान्ति के पश्चात् पञ्चग्रही योग अमावस्या के दिन बनेगा अतः इस योग के फलस्वरूप राजनीतिक एवं सामाजिक वातावरण में तनाव एवं अशान्ति का प्रादुर्भाव रहेगा, राजनीतिक लोग अपनी कुर्सी की चिन्ता में व्यर्थ के वादविवादों में रहकर वर्तमान सरकार के कार्यकलापों में विघ्न उपस्थित करते रहेंगे। सभी खाद्य पदार्थों में तेजी आएगी, परन्तु शुक्र उ.फा. में आ जाने से चना, मटर, बाजरा इत्यादि में कुछ मन्दी भी आ सकती है। **आकाश लक्षण–** इस पक्ष में सामान्य वर्षा के योग हैं।

विक्रमी संवत् २०६३ आश्विन शुक्ल पक्ष शाकः १९२८, सन् २००६ ई० २३ सितम्बर से ७ अक्तूबर तक दक्षिणायने सूर्ये, दक्षिणगोलार्धे, शरद् ऋतु, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श आश्वि	वि आश्वि	अं सित	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
२९	५६	०१	शनि	१८	४७	१९	५४	हस्त	५८	२५	शुक्ल	१०	३२	किं	००	३२	कन्यायां	आ	८	२३	बुध चित्रा में सायं ५/५५, आश्विन् शुक्ल प्रतिपदा, शरद नवरात्रे A	०५	०५	५३	०१	६	२३	६	२२
२९	५२	०२	रवि	३९	५५	२२	२२	चित्रा	६०	००	ब्रह्म	१२	५७	बा	०६	५३	तु.सा७/१३	०२	९	२४	चन्द्रदर्शनम्	०५	०६	५१	४५	६	२४	६	२१
२९	४६	०३	चंद्र	४५	२७	२४	३५	चित्रा	०५	३७	ऐन्द्र	१५	०२	तै	१२	४७	तुलायां	०३	१०	२५	शुक्र कन्या में रात्रि ७/०० शुक्रास्त ६ अक्तूबर	०५	०७	५०	३२	६	२४	६	१९
२९	४१	०४	मंग	५०	०२	२६	२६	स्वा	१२	०७	वैधृ	१६	२५	व	१७	५३	तुलायां	०४	११	२६	भद्रा दिवा १/२७ से रात्रि २/२३ तक	०५	०८	४९	२१	६	२५	६	१८
२९	३७	०५	बुध	५३	२७	२७	४९	विशा	१७	४०	विष्कु	१७	०२	ब	२१	५३	वृ.प्रा६/५८	०५	१२	२७	सूर्य हस्त में १०/१९, बुध तुला में रात्रि ४/३३	०५	०९	४८	११	६	२६	६	१७
२९	३१	०६	वृह	५५	२७	२८	३७	अनु	२१	५७	प्रीति	१६	४२	कौ	२४	३७	वृश्चिके	०६	१३	२८	गण्डमूल प्रा. दिवा ३/१३ उपरान्त	०५	१०	४७	०३	६	२६	६	१५
२९	२६	०७	शुक्र	५५	४७	२८	४६	ज्ये	२४	४५	आयु	१५	१०	गर	२५	५०	ध.सा४/२०	०७	१४	२९	गण्डमूल, सरस्वती आवाहन पूजन, भद्रा रात्रि ४/५१ से	०५	११	४५	५७	६	२७	६	१४
२९	२२	०८	शनि	५४	२२	२८	१३	मूला	२५	५२	सौभा	१२	१७	वि	२५	१७	धने	०८	१५	३०	भद्रा दिवा ४/३५ तक, श्री दुर्गाष्टमी, भद्रकाली जयंती, B	०५	१२	४४	५३	६	२८	६	१३
२९	१६	०९	रवि	५१	१७	२६	५९	पू.षा	२५	१७	शोभ	०८	०५	बा	२३	०२	म.रा१०/२५	०९	१६	अक्तू	महानवमी, नवरात्र समाप्त, शुक्र वार्धक्य प्रा.	०५	१३	४३	५०	६	२८	६	११
२९	११	१०	चंद्र	४६	२७	२५	०४	उ.षा	२३	००	अतिग सुक	०२ ५५	२१ २७	तै	१९	०२	मकरे	१०	१७	०२	बुध स्वाति में रात्रि ८/५३, सरस्वती विसर्जनम्, विजयादशमी C	०५	१४	४२	४९	६	२९	६	१०
२९	०७	११	मंग	४०	०५	२२	३२	श्रव	१९	०७	धृति	४७	१७	व	१३	२५	कुं.रा१/०९	११	१८	०३	भद्रा दिवा ११/५२ से रात्रि १०/३६ तक, पापांकुशा एकादशी D	०५	१५	४१	५०	६	३०	६	०९
२९	०३	१२	बुध	३२	३२	१९	३१	धनि	१३	५५	शूल	३८	०७	ब	०६	२८	कुंभे	१२	१९	०४	मंगल चित्रा में रात्रि ९/००	०५	१६	४०	५२	६	३०	६	०८
२८	५६	१३	वृह	२३	५७	१६	०६	शत	०७	३५	गंड	२८	१०	तै	२३	५७	मी.रा१/२७	१३	२०	०५	प्रदोष व्रत	०५	१७	३९	५७	६	३१	६	०६
२८	५१	१४	शुक्र	१४	४७	१२	२७	पू.भा उ.भा	०० ५३	१२ १२	बृद्धि	१७	४२	व	१४	४७	मीने	१४	२१	०६	भद्रा १२/२७ से रात्रि १०/३६ तक, शरद् पूर्णिमा चन्द्रोदय E	०५	१८	३९	०३	६	३२	६	०५
२८	४७	१५	शनि	०५	२७	०८	४४	रेव	४५	५७	धुव व्या	०३ ५५	०० ४०	ब	०५	२७	मे.रा१२/५६	१५	२२	०७	पञ्चक समाप्त रात्रि १२/५६, शरद् पूर्णिमा, स्नानादानादि F	०५	१९	३८	१२	६	३३	६	०४

अष्टम्यां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (३० सितम्बर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०५	०८	०५	०६	०६	०५	०३	११	०५
	१२	०७	२०	०२	२४	०५	२७	००	००
	४४	०७	१६	५७	२१	३१	१८	३८	३८
	५३	३९	०१	०१	०४	०६	०८	०३	०३
गति	५८	७९६	४०	८५	११	७४	०६	०३	०३
गति	५७	१६	०५	२५	०५	१४.	०१	११	११
	शी	शी	मा अ	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	हस्त १	मूल ३	हस्त ४	चित्रा ३	विशा २	उ.फा ३	आश्ले ४	पू.भा ४	उ.फा २

कुण्डली अष्टमी प्रातः ६/२८

वृ बु
५
७
म शु
सू के
६
८
श
४
चं
३
९
१०
रा
१२
२
१
११

पूर्णिमायां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (७ अक्तूबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०५	११	०५	०६	०६	०५	०३	११	०५
	१९	१७	२४	१६	२५	१४	२८	००	००
	३८	४४	५३	३१	४२	१५	००	१६	१६
	१२	०७	०५	०६	०९	०६	०४	००	००
गति	५९	९०८	२९	७७	११	७५	०५	०३	०३
गति	१०	०८	५८	१७	५९	१५	५७	११	११
	शी	शी	मा अ	मा उ	मा उ	मा अ	मा उ	व अ	व अ
	हस्त ३	रेव १	चित्रा १	स्वाति ३	विशा २	हस्त २	आश्ले ४	पू.भा ४	उ.फा २

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ६/३३

वृ बु
५
७
म शु
सू के
६
८
श
४
९
३
१०
चं रा
१२
२
१
११

A प्रा. दुर्गा पूजा, सायन सूर्य तुला में ९/३४, घटस्थापनम्। B सरस्वती पूजन, महाष्टमी। C महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती। D व्रत भरत मिलाप पंचक पंचक प्रा. रात्रि १/१० से। E व्यापिनी शुक्रास्त पूर्वे रात्रि ८/५४। F वाल्मीकि जयन्ती।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :- शारद पूर्णिमा व्रत– इस दिन इन्द्र और महालक्ष्मी की पूजा और अखण्ड दीप ज्योति जलाकर जागरण करने से जन्म जन्मान्तर राज्य लक्ष्मी सौभाग्य लक्ष्मी एवं गृहलक्ष्मी प्राप्त होती है। सुन्दर मेवों से युक्त खीर (पायस) किसी जालीके नीचे सारी रात चांदनी में रखकर सारे परिवार को खिलाएँ तो वर्ष भर परिवार आरोग्य सम्पन्न रहे। **पक्षफलम् – व्यापारिक रुख–** इस पक्ष में बुध चित्रा से स्वाति में शुक्र पूर्व में अस्त होने से शेयर मार्कीट में उतार-चढ़ाव के साथ-साथ चावल, चने, गेहूं, कपास, चीनी, गुड़, काली मिर्च, कोयला केसर, लकड़ी इत्यादि सभी चीजों में तेजी आएगी। लगभग सभी खाद्य पदार्थों में तेजी ही रहेगी। राजनेताओं में अनबन से देश की उन्नति में कमी, भ्रष्टाचार में वृद्धि। राजनीतिक वातावरण चिन्ताजनक, उपद्रव, सीमाओं पर टकराव तथा जनता परेशान रहेगी। **आकाश लक्षणम्–** सामान्य वर्षा के योग हैं प्रायशः मौसम खुशक ही रहेगा।

विक्रमी संवत् २०६३ कार्तिक कृष्ण पक्ष शाकः १९२८, सन् २००६ ई० ८ अक्तूबर से २२ अक्तूबर तक दक्षिणायने सूर्ये, द. गोलार्ध, हेमन्त ऋतु, दै०सूर्योदयास्त ज

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श आश्वि	वि अश्वि	अं अक्तू	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
००	००	०१	शनि	५६	२२	२९	०६	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	प्रतिपदा क्षय	००	००	००	००	००	००	००	००
२८	४१	०२	रवि	४७	५५	२५	४३	अश्वि	३९	२०	हर्षण	४६	५७	ते	२२	०२	मेषे	१६	२३	०८	गण्डमूल विचार	०५	२०	३७	२२	६	३३	६	०२
२८	३६	०३	चंद्र	४०	२५	२२	४४	भर	३३	३५	वज्र	३७	५५	व	१४	००	वृ.रा१/३०	१७	२४	०९	भद्रा १२/१० से रात्रि १०/४० तक	०५	२१	३६	३४	६	३४	६	०१
२८	३२	०४	मंग	३४	२२	२०	२०	कृति	२९	१५	सिद्धि	३०	०२	ब	०७	१३	वृषे	१८	२५	१०	सूर्य चित्रा में रात्रि ११/२३, **श्री गणेश चतुर्थी व्रत, A**	०५	२२	३५	४९	६	३५	६	००
२८	२८	०५	बुध	३०	०७	१८	३८	रोहि	२६	३७	व्यती	२३	३७	कौ	०२	०३	वृषे	१९	२६	११		०५	२३	३५	०६	६	३५	५	५९
२८	२१	०६	वृह	२७	५०	१७	४४	मृग	२५	५७	वरी	१८	४२	व	२७	५०	मि.प्रा५/००	२०	२७	१२	राहु कुंभ, केतु सिंह में प्रातः ६/१८, स्कन्दषष्ठी, B	०५	२४	३४	२५	६	३६	५	५७
२८	१६	०७	शुक्र	२७	३७	१७	४०	आर्द्रा	२७	१७	परि	१५	२७	ब	२७	३७	मिथुने	२१	२८	१३	बुध विशाखा में ७/४७, भद्रा समाप्त प्रातः ५/४२ सूर्योदय पूर्व	०५	२५	३३	४६	६	३७	५	५६
२८	१२	०८	शनि	२९	२७	१८	२५	पुन	३०	३७	शिव	१३	५०	कौ	२९	२७	क.दि१२/२८	२२	२९	१४	मंगल तुला में रात्रि ९/४८, अहोई अष्टमी	०५	२६	३३	१०	६	३८	५	५५
२८	०८	०९	रवि	३३	१२	१९	५५	पुष्य	३५	४७	सिद्धि	१३	४०	ते	०१	०८	कर्के	२३	३०	१५	रवि पुष्य योग, गण्डमूल शुरू रात्रि ८/५७	०५	२७	३२	३६	६	३८	५	५४
२८	०३	१०	चंद्र	३८	२२	२२	००	आश्ले	४२	१७	साध्य	१४	४२	व	०५	३८	सिं.रा११/३४	२४	३१	१६	भद्रा ८/५८ से रात्रि ९/५६ तक, गण्डमूल	०५	२८	३२	०४	६	३९	५	५३
२७	५६	११	मंग	४४	३२	२४	२९	मघा	४९	४२	शुभ	१६	३७	ब	११	२०	सिंहे	२५	कार्ति	१७	कार्तिक संक्रान्ति, सूर्य तुला में दिवा ४/५८, C	०५	२९	३१	३४	६	४०	५	५१
२७	५२	१२	बुध	५१	१२	२७	१०	पु.फा	५७	३५	शुक्ल	१९	०५	कौ	१७	५०	सिंहे	२६	२	१८	गोवत्स द्वादशी	०६	००	३१	०७	६	४१	५	५०
२७	४८	१३	वृह	५८	००	२९	५३	उ.फा	६०	००	ब्रह्म	२१	४५	गर	२४	३८	कं.दि१२/३०	२७	३	१९	शुक्र तुला में रात्रि ७/३५, धन त्रयोदशी, प्रदोष व्रत	०६	०१	३०	४२	६	४१	५	४९
२७	४३	१४	शुक्र	६०	००	पूरा	दिन	उ.फा	०५	२५	ऐन्द्र	२४	१५	वि	३१	१२	कन्यायां	२८	४	२०	भद्रा प्रातः ५/५८ से सायं ७/११ तक, नरक चतुर्दशी, D	०६	०२	३०	२०	६	४२	५	४८
२७	३८	१४	शनि	०४	२०	०८	२७	हस्त	१२	५५	वैधृ	२६	२५	श	०४	२०	तु.रा१/१८	२९	५	२१	दीपावली, महालक्ष्मी पूजनम्, कुबेर पूजा	०६	०३	२९	५९	६	४३	५	४७
२७	३३	३०	रवि	१०	०२	१०	४५	चित्र	१९	४७	विष्कुं	२८	००	ना	१०	०२	तुलायां	३०	६	२२	अमावस १०/१५ तक, गोवर्धन पूजा, विश्वकर्मा पूजा, E	०६	०४	२९	४१	६	४४	५	४६

अष्टम्यां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१४ अक्तूबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०५	०२	०५	०६	०६	०५	०३	१०	०४
	२६	२६	२९	२१	२७	२३	२८	२९	२९
	३३	२०	३२	०१	०७	००	३८	५३	५३
	१०	४५	०८	०३	०४	०५	०७	०७	०७
गति	५९	७४७	४०	६५	१२	७५	०५	०३	०३
गति	२६	२७	००	०५	०३	००	०२	११	११
	शी	शी	मा अ	मा उ	मा उ	मा अ	मा उ	व अ	व अ
	चित्रा १	पुन २	चित्रा २	विशा १	विशा ३	हस्त ४	आश्ले ४	पू.भा ३	उ.फा १

कुण्डली अष्टमी प्रातः ६/३८

अमावस्यां रविवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२२ अक्तूबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०६	०६	०६	०६	०६	०६	०३	१०	०४
	०४	०२	०४	२८	२८	०३	२९	२९	२९
	२९	०५	५४	२९	४७	०१	१८	२८	२८
	४१	४६	०५	०३	०२	०३	०१	०३	०३
गति	५९	७२३	४०	३९	१२	७५	०४	०३	०३
गति	४३	०३	०४	५९	०६	१५	०५	११	११
	शी	शी	मा अ	मा उ	मा उ	मा अ	मा उ	व अ	व अ
	चित्रा ४	चित्रा ३	चित्रा ४	विशा २	विशा २	चित्रा ३	आश्ले ४	पू.भा ३	उ.फा १

कुण्डली अमावस प्रातः ६/४४

A करवाचौथ कर्कचतुर्थी चंद्रोदय रात्रि ८/११ B भद्रा सायं ५/४४ से। C रमा एकादशी व्रत। D दीपदान श्री हनुमान जयन्ती, महाकाली पूजनम्। E बलिपूजा अन्नकूट, अन्नदानादि महत्त्व।

पक्षफलम्– दीपावली महोत्सव– चतुर्दशी से युक्त अथवा सायंकाल से आधीरात तक रहने वाली अमावस्या के दिन सायंकाल महालक्ष्मी पूजा के पश्चात् अनेक प्रकार के दीपमाला महोत्सव को मानने से और रात भर अखण्ड धृत दीप प्रज्वलित रखने से अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। व्यापारिक रुख– १० अक्तूबर को सूर्य चित्रा में आएगा। १३ को बुध विशाखा में १७ ता० कार्तिक संक्रान्ति मंगलवार को है योगायोग विचार से इस पक्ष में रूई, सूत, सोना, चान्दी तथा नवरत्नों में, गेहूँ, चना, तिल नारियल, केसर, कपूर और सूती वस्त्रों में तेजी आएगी। बाद में अनाज के भावों में मन्दी भी होगी। **पक्षफलम्** – पञ्चग्रही योग बनने के कारण राजनेताओं में परस्पर विरोधाभास रहने के कारण देश की उन्नति में कमी होगी। देश में नवीन रोगों द्वारा जनता दुःखी, कुदरती विपत्तियाँ, राजनीतिक विग्रह आन्दोलन, अग्निकाण्ड, भूकम्प तथा हिंसक घटनाओं में वृद्धि होगी। आकाश लक्षणम्– पक्षारम्भ में सामान्य बादल चाल से कम वर्षा हो, मौसम अच्छा रहेगा।

विक्रमी संवत् २०६३ **कार्त्तिक शुक्ल पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **२३ अक्तूबर से ५ नवम्बर तक** दक्षिणायने सूर्ये, द. गोलार्धे, हेमन्त ऋतु, दै० सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श कार्ति	वि कार्ति	अं अक्तू.	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
२७	३०	०१	चंद्र	१४	५७	१२	४४	स्वा	२५	५०	प्रीति	२८	५७	ब	१४	५७	तुलायां	०१	७	२३	कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा, शक कार्तिक प्रा. सायन सूर्य वृश्चिक A	०६	०५	२९	२४	६	४५	५	४२
२७	२६	०२	मंग	१८	५७	१४	२०	विशा	३०	५७	आयु	२९	१२	कौ	१८	५७	वृ.दि१२/३९	०२	८	२४	भाईदूज (टिक्का) यम द्वितीया सूर्य स्वाति में ९/५१, मंगल B	०६	०६	२९	१०	६	४५	५	४४
२७	२१	०३	बुध	२१	५२	१५	३१	अनु	३५	०५	सौभा	२८	३७	गर	२१	५२	वृश्चिके	०३	९	२५	भद्रा रात्रि ३/४९ से	०६	०७	२८	५७	६	४६	५	४३
२७	१६	०४	वृह	२३	४०	१६	१५	ज्ये	३८	०५	शोभ	२७	१०	वि	२३	४०	ध.रा१०/००	०४	१०	२६	भद्रा सायं ४/१५ तक, दूर्वागणपति पूजा व्रतादि	०६	०८	२८	४६	६	४७	५	४२
२७	११	०५	शुक्र	२४	१५	१६	३०	मूला	३९	५५	अति	२४	४७	बा	२४	१५	धने	०५	११	२७	गुरु वृश्चिक में रात्रि १०/२०, ज्ञान पञ्चमी	०६	०९	२८	३७	६	४८	५	४१
२७	०७	०६	शनि	२३	३७	१६	१६	पु.षा	४०	३०	सुक	२१	४५	तै	२३	३७	धने	०६	१२	२८	बुध वक्री रात्रि १/४६, सूर्यषष्ठी	०६	१०	२८	३०	६	४९	५	४०
२७	०३	०७	रवि	२१	४५	१५	३१	उ.षा	३९	५२	धृति	१७	०५	व	२१	४५	म.प्रा५/००	०७	१३	२९	भद्रा दिवा ३/३१ से रात्रि २/५४ तक	०६	११	२८	२४	६	४९	५	३९
२६	५८	०८	चंद्र	१८	३०	१४	१४	श्रव	३७	५५	शूल	११	४०	ब	१८	३०	मकरे	०८	१४	३०	गोपाष्टमी	०६	१२	२८	२०	६	५०	५	३८
२६	५६	०९	मंग	१३	५७	१२	२६	धनि	३४	४२	गंड वृद्धि	[illegible]	[illegible]	कौ	१३	५७	कुं.दि९/२५	०९	१५	३१	अक्षय नवमी, आरोग्य व्रत, पञ्चक प्रा. ९/२४ से	०६	१३	२८	१८	६	५१	५	३७
२६	४८	१०	बुध	०८	१२	१०	०९	शत	३०	२०	ध्रुव	४९	२७	गर	०८	१२	कुंभे	१०	१६	नव	बुध तुला में रात्रि १०/००, शनि सिंह में प्रातः ७/१५, C	०६	१४	२८	१७	६	५२	५	३६
२६	४३	११	बृह	०१	२२	०७	२६	पू.भा	२४	५७	व्या	४०	२२	वि	०१	२२	मी.११/२५	११	१७	०२	भद्रा ७/२६ तक, हरिप्रबोधिनी एकादशी व्रत, तुलसी D	०६	१५	२८	१७	६	५३	५	३५
००	००	१२	बृह	५३	४५	२८	२३	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	द्वादशी क्षय	००	००	००	००	०	००	००	००
२६	३८	१३	शुक्र	४५	३२	२५	०७	उ.भा	१८	५२	हर्षण	३०	४५	कौ	१९	४०	मीने	१२	१८	०३	प्रदोष व्रत, वक्री बुध पश्चिम में अस्त दिवा १/१५	०६	१६	२८	२०	६	५४	५	३४
२६	३५	१४	शनि	३७	०७	२१	४६	रेव	१२	२५	वज्र	२०	५५	गर	११	२०	मे ११/५२	१३	१९	०४	वैकुण्ठ चतुर्दशी, पञ्चक समाप्त ११/५३, भद्रा रात्रि ९/४५ से	०६	१७	२८	२४	६	५५	५	३३
२६	३१	१५	रवि	२८	५५	१८	२९	अश्वि	०६	००	सिद्धि	११	०७	वि	०३	००	मेषे	१४	२०	०५	भद्रा ८/०७ तक, कार्तिक पूर्णिमा व्रत, गुरु नानक देव E	०६	१८	२८	३०	६	५५	५	३२

अष्टम्यां चंद्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (३० अक्तूबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०६	०९	०६	०७	०७	०६	०३	१०	०४
	१२	१३	०१	०१	००	१३	२९	२९	२९
	२८	५०	१८	०१	२९	०२	५२	०२	०२
	२०	०७	०८	०६	०७	०८	०१	०९	०९
गति	५९	८२२	४०	१४	१२	७५	०३	०३	०३
गति	५८	५२	५७	५७	५९	१५	५९	११	११
	शी	शी	मा अ	व उ	मा उ	मा अ	मा उ	व अ	व अ
	स्वा २	श्रवण २	स्वा २	विशा ४	विशा ४	स्वा २	आश्ले ४	पू.भा ३	उ.फा १

कुण्डली अष्टमी प्रातः ६/५०

बृ बु ८ | ६ | ७ सू शु मं | ९ | ५ के | चं १० | श ४ | ११ रा | १ | ३ | १२ | २

पूर्णिमायां रविवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (५ नवम्बर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०६	००	०६	०६	०७	०६	०४	१०	०४
	१८	१०	१४	२७	१०	०१	००	२८	२८
	२८	५८	२३	१३	४७	३४	१३	४३	४३
	३०	२५	०७	०९	०९	०२	०८	०८	०८
गति	६०	८९०	४१	६८	१३	७५	०३	०३	०३
गति	००	५०	००	०८	५२	१५	५३	११	११
	शी	शी	मा अ	व अ	मा उ	मा अ	मा उ	व अ	व अ
	स्वा ४	अश्वि ४	स्वा ३	विशा ३	विशा ४	विशा १	मघा १	पू.भा ३	उ.फा १

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ६/५५

बृ ८ | ६ | बु सू शु मं ७ | ९ | के ५ श | १० | ४ | ११ रा | चं १ | ३ | १२ | २

A में सायं ६/५७ हेमन्त ऋतु प्रा.। **B** स्वाति में रात्रि ८/०९ बुध वृश्चिके सायं ६/१५ **C** भीष्म पञ्चक प्रा. भद्रा रात्रि ८/४८ से। **D** विवाह, चतुर्मास्य नियम समाप्त। **E** जयन्ती भीष्म पञ्चक समाप्त, कार्तिक स्नान समाप्त।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :– हरिप्रबोधनी एकादशी व्रत– समस्त देवताओं की पूजा करके सभी देवताओं को आरती के साथ घण्टाशंखादि बजाते हुए वेदमंत्रों से भगवान् को जगाएं। **कार्तिक पूर्णिमा व्रत–** इस दिन कृत्तिका नक्षत्र होने पर शिवा, सम्भूति, प्रीति, सन्नति, अनसूया क्षमा के साथ अरुन्धति इन सातों कृत्तिकाओं का पूजन कर कार्त्तिक स्वामी सहित गणेश एवं भगवान शंकर की पूजा सम्पन्न करके अपने बंधुओं सहित रात्रि जागरण कर प्रातः सुवर्ण या चान्दी का मेष (बकरा) दान करें उसके पश्चात् ब्रह्मभोज एवं स्वयं नैवैद्य ग्रहण करें, इसके उद्यापन में तीस जोड़ा-जोड़ी पदक बनाकर ब्राह्मणों को प्रदान करें तो सभी ग्रहों का दोष हटकर समस्त सुखों की प्राप्ति हो। **व्यापारिक रुख –** सूर्य स्वाति में, बुध वक्री, शनि सिंह में तथा बुध पश्चिम में अस्त होने के कारण रूई, सूती कपड़ा, रेशमी कपड़ा, सोना, चान्दी गुड़, चीनी, शक्कर, सुपारी, मिर्च, सरसों, राई, हींग के भावों में तेजी आएगी। **पक्षफलम् –** शनि सिंह राशि में केतु के साथ, सामने राहु-शनि की पूर्ण दृष्टि सूर्य मंगल पर रहेगी फलस्वरूप देश में हिंसक घटनाओं में वृद्धि, किसी प्रमुख नेता द्वारा पद त्याग अथवा दुर्घटना के प्रबल योग हैं। **आकाश लक्षण–** सामान्य बादल चाल से मध्यम वृष्टि प्रायः मौसम खुशक रहेगा।

विक्रमी संवत् २०६३ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष शाकः १९२८, सन् २००६ ई० ६ नवम्बर से २० नवम्बर तक दक्षिणायने सूर्ये, दक्षिण गोलार्ध, हेमन्त ऋतु, दै०सूर्योदयास्त

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श कार्ति	वि कार्ति	अं नव.	विवरण भारतीय स्टै०समय में
२६	२८	०१	चंद्र	२१	१७	१५	२७	भर कृति	[illegible]	[illegible]	व्यति वरी	[illegible]	[illegible]	कौ	२६	१७	वृ.१२/२०	१५	२१	०६	सूर्य विशाखा में सायं ६/०१, मा. कृ. प्रतिपदा
२६	२३	०२	मंग	१४	४०	१२	४९	रोहि	५०	४७	परि	४०	१५	गर	१४	४०	वृषे	१६	२२	०७	भद्रा रात्रि ११/४८ से, गुरु अस्त पश्चिम में रात्रि ३/४०
२६	१८	०३	बुध	०९	३०	१०	४६	मृगु	४८	३०	शिव	३८	[illegible]	वि	०९	३०	मि.दि २/४३	१७	२३	०८	भद्रा १०/४६ तक श्रीगणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय A
२६	१३	०४	वृह	०६	०५	०९	२५	आर्द्रा	४८	०७	सिद्ध	३३	[illegible]	बा	०६	०५	मिथुने	१८	२४	०९	गुरु अस्त ७ नवंबर
२६	११	०५	शुक्र	०४	४५	०८	५४	पुन	४९	५२	साध्य	३०	४०	तै	०४	४५	क.रा८/४१	१९	२५	१०	बुध स्वा. में रात्रि ११/२७
२६	०६	०६	शनि	०५	३२	०९	१४	पुष्य	५३	३७	शुभ	२९	१२	व	०५	३२	कर्के	२०	२६	११	गुरु अनु. में रात्रि ५/००, भद्रा ९/१४ से रात्रि २/४९ तक
[illegible]	[illegible]	०७	रवि	०८	२७	१०	२५	आश्ले	५९	१०	शुक्ल	२९	१२	ब	०८	२७	कर्के	२१	२७	१२	शुक्र वृश्चिक में सायं ५/५५, भैरवाष्टमी
२६	००	०८	चंद्र	१३	०७	१२	१८	मघा	६०	००	ब्रह्म	३०	[illegible]	कौ	१३	०७	सिं.प्रा६/४२	२२	२८	१३	मंगल विशाखा में ९/४६
२५	५२	०९	मंग	१९	३२	१४	४४	मघा	०६	१०	ऐन्द्र	३२	३२	गर	१९	३२	सिंहे	२३	२९	१४	श्री नेहरू जयंति (बाल दिवस) बुधोदयः पूर्वे दिवा ७/३० B
२५	५३	१०	बुध	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पू.फा	१३	५२	वैधृ	३५	०५	वि	२५	५५	कं.सा७/२५	२४	३०	१५	भद्रा सायं ५/२८ तक
२५	४८	११	वृह	३०	[illegible]	[illegible]	१०	उ.फा	२१	४७	विष्कु	३७	३५	ब	००	१०	कन्यायां	२५	मार्ग	१६	मार्गशीर्ष संक्रान्ति, उत्पन्ना एकादशी व्रत, सूर्य वृश्चिक C
२५	४३	१२	शुक्र	३९	[illegible]	[illegible]	४३	हस्त	२९	१७	प्रीति	३९	४०	कौ	००	०५	कन्यायां	२६	२	१७	
२५	४१	१३	शनि	४४	२५	२४	५३	चित्रा	३६	००	आयु	४१	०५	गर	११	५०	तु.प्रा८/४३	२७	३	१८	बुधमार्गी ५/५५ प्रातः शनि प्रदोष व्रत, भद्रा रात्रि १२/५६ से
२५	३६	१४	रवि	४८	४०	२६	३६	स्वाति	४१	३७	सौभा	४१	४०	वि	१६	४०	तुलायां	२८	४	१९	सूर्य अनुराधा में रात्रि १२/०४, भद्रा दिवा १/४८
२५	३३	३०	चंद्र	५१	४०	२७	४९	विशा	४६	०२	शोभ	४१	१७	च	२०	१८	वृ.सा७/१०	२९	५	२०	सोमवती अमावस, स्नानदानादि

नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
०६	१९	२८	३८	६	५६	५	३२
०६	२०	२८	४७	६	५७	५	३१
०६	२१	२८	५८	६	५८	५	३०
०६	२२	२९	११	६	५९	५	२९
०६	२३	२९	०७	७	००	५	२९
०६	२४	२९	४४	७	०१	५	२८
०६	२५	३०	०३	७	०२	५	२७
०६	२६	३०	२४	७	०३	५	२७
०६	२७	३०	४७	७	०३	५	२६
०६	२८	३१	१२	७	०४	५	२६
०६	२९	३१	३९	७	०५	५	२५
०७	००	३२	०७	७	०६	५	२४
०७	०१	३२	३८	७	०७	५	२४
०७	०२	३३	१०	७	०८	५	२३
०७	०३	३३	४४	७	०९	५	२३

A रात्रि ७/४५ । B भद्रा रात्रि ४/०५ से। C में सायं ४/४५

अष्टम्यां चंद्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१३ नवम्बर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०६	०३	०६	०६	०७	०७	०४	१०	०४
	२६	२९	१९	१७	०३	००	००	२८	२८
	३०	२३	५२	३०	३३	३६	३७	१८	१८
	२४	२७	०७	०८	०५	०३	०३	०४	०४
गति	६०	७९७	४१	५१	१३	१५	०२	०३	०३
	००	५७	५३	०५	०३	०३	०५	११	११
	शी	शी	मा अ	व अ	मा अ	मा अ	मा उ	व अ	व अ
	विशा २	आश्ले ४	स्वा १	स्वा १	अनु १	विशा ४	मघा १	शत ३	उ.फा १

कुण्डली अष्टमी प्रातः ७/०३

बृ शु ८ | मं सू बु ७ | ६ | के ५ श | ९ | १० | चं ४ | रा ११ | १ | ३ | १२ | २

अमावस्यां चंद्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२० नवम्बर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०७	०६	०६	०६	०७	०७	०४	१०	०४
	०३	२२	२४	१५	०५	०९	००	२७	२७
	३३	५६	४२	२७	०६	२३	५२	५६	५६
	४४	२०	०८	०४	०७	०५	०५	०१	०१
गति	६१	७४७	४१	१५	१३	७५	०१	०३	०३
	०१	२७	५७	०२	५४	१५	५७	११	११
	शी	शी	मा अ	मा उ	मा अ	मा अ	मा उ	व अ	व अ
	अनु १	विशा १	विशा २	स्वा ३	अनु १	अनु २	मघा १	पू.भा ३	उ.फा १

कुण्डली अमावस प्रातः ७/०९

९ | चं मं बु ७ | ८ | शु सू वृ | ६ | १० | के ५ श | ११ रा | ४ | १२ | २ | १ | ३

व्रत, पर्व, त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :– उत्पन्ना एकादशी व्रत– इस व्रत से मनुष्य इस जन्म में निर्धन से धनी, निर्बल हो तो बलवान, पुत्र रहित पुत्रवान् होकर अन्त में वैकुण्ठ प्राप्ति होती है। **व्यापारिक रुख –** सूर्य विशाखा में, गुरु अस्त ७ नवम्बर, मार्गशीर्ष संक्रान्ति १६ नवम्बर को है चावल, गेहूँ, रुई, सूत सरसों, तिल अफ़ीम इत्यादि में तेजी हो, सोना चान्दी में घटाबढ़ी होकर तेजी ही आएगी। सूर्य वृश्चिक राशि में आने से सोना चान्दी ताम्बा व ऊनी वस्त्रों में तेजी परन्तु लाल वर्ण की चीजों में मन्दी आएगी। मेष, वृष, मिथुन, कर्क राशि वालों को संक्रान्ति शुभ फलप्रद रहेगी। **पक्षफलम् –** पक्षारम्भ मे गुरु अस्त, मध्य में बुधोदय एवं संक्रान्ति, अन्त में सूर्य अनुराधा में होने के कारण राजनीतिक अस्थिरता, उपद्रव, हिंसक घटनाएँ "न उदयति विघटनं विना शशिपुत्रः", कुदरती विपत्तियां आपदाएं आएंगी। शेर मार्केट, वायदा बाजार तथा सभी खाद्य पदार्थों में मन्दी के आसार हैं, व्यापारी वर्ग सावधानीपूर्वक व्यापार करें। **आकाश लक्षणम्–** जम्मू-कश्मीर हिमाचल प्रदेश में वर्षा के योग हैं, सर्दी में वृद्धि होगी. मौसम [illegible]

श्री विक्रमी संवत् २०६३ **मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००६ ई० **२१ नवम्बर से ४ दिसम्बर तक** दक्षिणायने, उत्तरगोलार्धे, हेमन्त ऋतु, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श का.	वि मार्ग	अं नव.
२५	३१	१	मंग	५३	२७	२८	३३	अनु	४९	२०	अति	३९	५७	किं	[illegible]	४२	वृश्चिके	३०	६	२१
२५	२६	२	बुध	५४	०७	२८	५०	ज्ये	५१	३०	सुक	३७	४५	बा	२३	५५	ध.रा०३/४७	मार्ग	७	२२
२५	२५	३	वृह	५३	४७	२८	४३	मूला	५२	४०	धृति	३४	४५	तै	२४	०२	धने	०२	८	२३
२५	२३	४	शुक्र	५२	३५	२८	१४	पू.षा	५३	००	शूल	३१	०५	व	२३	१७	धने	०३	९	२४
२५	१८	५	शनि	५०	३०	२७	२५	उ.षा	५२	३०	गंड	२६	४०	ब	२१	३५	म. १०/२३	०४	१०	२५
२५	१६	६	रवि	४७	३७	२६	१७	श्रव	५१	१२	वृद्धि	२१	३७	कौ	१९	०८	मकरे	०५	११	२६
२५	१३	७	चंद्र	४३	५७	२४	५०	धनि	४९	१०	ध्रुव	१६	००	गर	१५	५३	कुं.दि०३/२२	०६	१२	२७
२५	११	८	मंग	३९	३२	२३	०५	शत	४६	२५	व्या	०९	४२	वि	११	५०	कुंभे	०७	१३	२८
२५	०६	९	बुध	३४	२५	२१	०३	पू.भा	४२	५२	हर्षण वज्र	०२ ५५	५२ २७	बा	०७	०३	मी.सा६/४८	०८	१४	२९
२५	०३	१०	वृह	२८	३७	१८	४५	उ.भा	३८	४५	सिद्धि	४७	३०	तै	०१	३५	मीने	०९	१५	३०
२५	०२	११	शुक्र	२२	१५	१६	१३	रेव	३४	५०	व्यति	३९	१०	वि	२२	१५	मे.रा८/५७	१०	१६	दिस
२५	०१	१२	शनि	१५	३५	१३	३३	अश्वि	२९	१०	वरी	३०	४०	बा	१५	३५	मेषे	११	१७	०२
२४	५८	१३	रवि	०८	५०	१०	५२	भर	२४	१२	परि	२२	०७	तै	०८	५०	वृ.रा१०/३२	१२	१८	०३
२४	५६	१४	चंद्र	०२	२०	०८	१७	कृत्ति	१९	३७	शिव	१३	५२	व	०२	२०	वृषे	१३	१९	०४
००	००	१५	चंद्र	५६	२७	२९	५६	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००

तिथि	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू	जम्मू उ.	जम्मू सू	जम्मू अ.
१	मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा, गण्डमूल शुरू रात्रि २/५४	०७	०४	३४	१९	७	१०	५	२३
२	चंद्रदर्शनम्, शक मार्गशीर्ष प्रा. सा. सू. धनु में A	०७	०५	३४	५६	७	११	५	२२
३	गण्डमूल समाप्त रात्रि ४/१६	०७	०६	३५	३४	७	१२	५	२२
४	भद्रा दिवा ४/३१ से रात्रि ४/१६ तक	०७	०७	३६	१४	७	१२	५	२२
५	शुक्र ज्येष्ठा में रात्रि १२/३३	०७	०८	३६	५५	७	१३	५	२१
६	बुध विशाखा में ७/२८, चम्पाषष्ठी स्कन्द षष्ठी, B	०७	०९	३७	३७	७	१४	५	२१
७	पञ्चक शुरू दिवा ३/२१, मंगल वृश्चिक में C	०७	१०	३८	२०	७	१५	५	२१
८	भद्रा १२/०३ तक, श्री दुर्गाष्टमी	०७	११	३९	०४	७	१६	५	२१
९	गुरु उदय ३ दिसम्बर — शुक्रोदयः ३० नवम्बर	०७	१२	३९	४९	७	१७	५	२०
१०	शुक्रोदयः पश्चिम ५/३४	०७	१३	४०	३५	७	१८	५	२०
११	भद्रा सूर्योदय पूर्व ५/२९ से सायं ४/१३ तक, D	०७	१४	४१	२२	७	१९	५	२०
१२	सूर्य ज्येष्ठा में अर्द्धरात्रौपरि ४/२०, मंगल अनु. में दिन E	०७	१५	४२	१०	७	१९	५	२०
१३	शुक्र वाल्यत्व समाप्त, गुरु उदय पूर्व में रात्रि १/०२	०७	१६	४२	५८	७	२०	५	२०
१४	बुध वृश्चिक में प्रातः ६/४०, दत्तात्रय जयंती, F	०७	१७	४३	४८	७	२१	५	२०
१५	पूर्णिमा तिथि क्षय	००	००	००	००	००	००	००	००

अष्टम्यां मंगलवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२८ नवंबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०७	१०	०७	०६	०७	०७	०४	१०	०४
	११	०८	००	२२	०६	१९	०१	२७	२७
	३९	०९	१७	०५	५३	२६	०३	३०	३०
	०४	४३	०१	०५	०५	०२	०३	०७	०७
गति	६०	८३९	४१	७२	१३	७५	००	०३	०३
गति	००	५९	५९	१२	०३	१५	५९	११	११
	शी	शी	मा अ	मा उ	मा अ	मा अ	मा उ	व अ	व अ
	अनु ३	शत १	विशा ४	विशा १	अनु २	ज्ये १	मघा १	पू.भा ३	उ.फा १

कुण्डली अष्टमी प्रातः ७/१६

- ८: सू मं वृ शु
- ७: बुं
- ९
- १०
- ६
- ११: चं रा
- ५: के श
- १२
- २
- ४
- १
- ३

पूर्णिमायां सोमवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (४ दिसंबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०७	०१	०७	०६	०७	०७	०४	१०	०४
	१७	०४	०४	२९	०८	२६	०१	२७	२७
	४३	११	२९	५५	१३	५८	०६	११	११
	४८	२८	०५	०९	०४	०१	०८	०६	०६
गति	६०	८५९	४२	२४	१३	७५	००	०३	०३
गति	००	१९	०२	८५	०२	१५	०१	११	११
	शी	शी	मा अ	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	व अ	व अ
	ज्ये १	कृत्ति ३	अनु १	विशा ३	अनु -	ज्ये ४	मघा १	पू.भा ३	उ.फा १

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ७/२१

- ८: वृ शु सू मं बु
- ९
- ७
- १०
- ६
- ११: रा
- ५: श के
- २: चं
- १२
- ४
- १
- ३

A सायं ४/३२ । B गुरु अनुराधा मे रात्रि ४/१७ । C रात्रि ७/४४ मित्र सप्तमी, भद्रा रात्रि १२/५५ से। D मोक्षदा एकादशी, गीता जयन्ती, पञ्चक समाप्त रात्रि ८/५७ । E के १/४६ शनि प्रदोष व्रत, अखण्ड द्वादशी अनङ्ग त्रयोदशी। F पूर्णिमा व्रत भद्रा प्रातः ८/१७ से सायं ७/७ तक।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :- मोक्षदाएकादशी व्रत- मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी मोक्षदा एकादशी है, इस व्रत से प्रत्येक मनुष्य को काम, क्रोध, लोभ, मोह एवं अहंकार को अपने में समाविष्ट कर सभी विकारों पर विजय प्राप्त कराकर, अपूर्व आत्मबल को सुदृढ़ बनाकर परमशान्ति को प्राप्ति होती है। **व्यापारिक रुख -** सूर्य, शुक्र ज्येष्ठा में, बुध विशाखा में आ जाने से पक्ष में चावल, मसूर, गुड़, चीनी, सूती वस्त्र, सरसों तैल, चान्दी, सोना में घटाबढ़ी होकर तेजी हो। हल्दी, केसर, मेवा इत्यादि में तेजी के आसार हैं। **पक्षफलम् -** पक्ष में ३० नवम्बर शुक्रोदय तथा ३ दिसम्बर को वृहस्पति उदय होगा, चतुर्ग्रही योग के बाद पक्षान्त में पञ्चग्रही योग भी हैं, शेयर मार्कीट, वायदा बाजार में मन्दी होगी, राजनेताओं में परस्पर विरोधाभास रहेगा लोग परेशान रहेंगे। **आकाश लक्षण-** पक्षान्त में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल प्रदेश, क्षेत्रों में वर्षा के योग अच्छे हैं।, बर्फीली हवाएँ चलेंगी, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फवारी भी होगी।

श्री विक्रमी संवत् २०६३ पौष कृष्ण पक्ष शाकः १९२८, सन् २००६ ई० ५ दिसम्बर से २० दिसम्बर तक सूर्योदक्षिणायने, उत्तरायणे, दक्षिण गोलार्धे, शिशर ऋत्तौ, सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श मार्ग	वि मार्ग	अं दिस.	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट वि.	जम्मू सू.	जम्मू उ.	जम्मू सू.	जम्मू अ.
२४	५३	१	मंग	५१	३५	२८	००	रोहि	१५	४५	सिद्धि	०६	१०	बा	२३	५०	मि.रा१/०४	१४	२०	०५	पौष कृष्ण प्रतिपदा	०७	१८	४४	३९	७	२२	५	२०
२४	५२	२	बुध	४८	०५	२६	३७	मृग्	१३	०२	साध्य शुभ	००/५३	१५/४०	तै	१९	३७	मिथुने	१५	२१	०६	बुध अनु में दिवा २/४४ शुक्र धनु में सायं ३/२७, शनि A	०७	१९	४५	३१	७	२३	५	२०
२४	५१	३	वृह	४५	०५	२५	२५	आर्द्रा	११	५०	शुक्ल	४९	२२	व	१६	५७	मिथुने	१६	२२	०७	भद्रा दिवा २/१० से रात्रि १/४९ तक	०७	२०	४६	२४	७	२३	५	२०
२४	४८	४	शुक्र	४६	३०	२६	००	पुन	१२	२२	ब्रह्म	४६	३२	ब	१६	०८	क.प्रा६/१३	१७	२३	०८	श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, चंद्रोदय रात्रि ८/३७ पर	०७	२१	४७	१९	७	२४	५	२०
२४	४८	५	शनि	४८	४०	२६	५३	पुष्य	१४	५०	ऐन्द्र	४५	१५	कौ	१७	१८	कर्के	१८	२४	०९	गण्डमूल दिवा १/२१ से	०७	२२	४८	१४	७	२५	५	२१
२४	४७	६	रवि	५२	४२	२८	६१	आश्ले	१९	१२	वैधृ	४५	२५	गर	२०	२८	सिं.दि३/०७	१९	२५	१०	गण्डमूल, भद्रा रात्रि ४/२७ से	०७	२३	४९	१०	७	२६	५	२१
२४	४६	७	चंद्र	५८	२०	३०	४६	मघा	२५	१७	विष्कुं	४६	४७	वि	२५	२२	सिंहे	२०	२६	११	गण्डमूल समाप्त सायं ५/३३, भद्रा समाप्त सायं ५/३५	०७	२४	५०	०८	७	२६	५	२१
२४	४३	८	मंग	६०	००	पूरा	दिन	पू.फा	३२	३०	प्रीति	४८	५५	बा	३१	३०	कं.रा.३/१२	२१	२७	१२	रुक्मणि अष्टमी	०७	२५	५१	६७	७	२७	५	२१
२४	४१	८	बुध	०४	५०	०९	२४	उ.फा	४०	१५	आयु	५१	२०	कौ	०४	५०	कन्यायां	२२	२८	१३		०७	२६	५२	०६	७	२८	५	२१
२४	४२	९	वृह	११	३७	१२	०८	हस्त	४७	५७	सौभा	५३	३५	गर	११	३७	कन्यायां	२३	२९	१४	बुध पूर्व में अस्त सायं ४/२६, भद्रा रात्रि १/२६ से	०७	२७	५३	०७	७	२९	५	२२
२४	४१	१०	शुक्र	१८	०२	१४	४२	चित्रा	५४	५७	शोभा	५५	१७	वि	१८	०२	तु.दि४/०६	२४	३०	१५	बुध ज्येष्ठा में दिवा १/१५, भद्रा दिवा २/४२ तक	०७	२८	५४	०९	७	२९	५	२२
२४	४०	११	शनि	२३	२२	१६	५१	स्वा	६०	००	अतिगं	५६	००	बा	२३	२२	तुलायां	२५	पौष	१६	सूर्य धनु में ७/२३ पौष संक्रांति, सफल एकादशी व्रत B	०७	२९	५५	१२	७	३०	५	२२
२४	४१	१२	रवि	२७	२२	१८	२७	स्वा	००	४२	सुक	५५	३७	तै	२७	२२	वृ.रा३/०८	२६	२	१७		०८	००	५६	१६	७	३०	५	२३
२४	३८	१३	चंद्र	२९	४७	१९	२६	विशा	०५	००	धृति	५४	००	गर	२९	४७	वृश्चिके	२७	३	१८	सोमप्रदोष व्रत, भद्रा सायं ७/१९ से शुरू	०८	०१	५७	२१	७	३१	५	२३
२४	४०	१४	मंग	३०	३५	१९	४६	अनु	०७	४७	शूल	५१	१२	वि	००	२०	वृश्चिके	२८	४	१९	भद्रा प्रातः ७/४० तक, गण्डमूल शुरू १०/३९ से	०८	०२	५८	२७	७	३२	५	२४
२४	३८	३०	बुध	३०	००	१९	३२	ज्ये	०९	१०	गंड	४७	२२	च	००	२७	धने ११/११	२९	५	२०	गण्डमूल विचार, पौष अमावस, स्नानदानादि	०८	०३	५९	३३	७	३२	५	२४

अष्टम्यां मंगलवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१२ दिसंबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०७	०४	०७	०७	०७	०८	०४	१०	०४
	२५	१९	१०	११	०९	०७	०१	२६	२६
	५१	१७	०८	३८	५८	००	०५	४६	४६
	०७	१४	०६	०२	०९	०६	०१	०२	०२
गति	६०	७१०	४२	९०	१३	७५	००	०३	०३
गति	००	५०	५५	६०	५१	१५	५७	११	११
	शी	शी	मा अ	मा उ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	ज्ये ३	पू.भा २	अनु ३	अनु ३	अनु २	मूल ३	मघा १	पू.भा ३	उ.फा. १

कुण्डली अष्टमी प्रातः ७/२७

शु ९ ८ ७
मं सू बु वृ
१० ६
रा ११ ५ के चं श
१२ २ ४
१ ३

अमावस्यां बुधवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२० दिसंबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०८	०७	०७	०७	०७	०८	०४	१०	०४
	०३	२६	१५	२३	११	१७	००	२६	२६
	५९	५३	५०	४९	४३	०३	५६	२०	२०
	३३	०३	०५	०४	००	०१	०३	०७	०७
गति	६१	७९४	३२	९२	१२	७५	०१	०३	०३
गति	०१	१४	५९	३२	०८	१५	५६	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	मूल २	ज्ये ४	अनु ४	ज्ये ३	अनु ३	पू.भा २	मघा १	पू.भा २	पू.फा ४

कुण्डली अमावस प्रातः ७/३२

१० चं मं बु ८ वृ
शु सू ९
११ रा ७
१२ ६
१ ३ के ५ श
२ ४

A वक्री ९/३७ गुरु वाल्यत्व समाप्त। B मंगल पूर्व में उदय।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :–सफला एकादशी व्रत– इस दिन उपवास धारण कर भगवान् की अत्यन्त श्रद्धा से पूजादि में मग्न रहकर एवं कीर्तन जपादि में संलग्न हो रात्रि जागरण से भगवान् का दिव्य लोक प्राप्त होता है। **व्यापारिक रुख** – ता० ६ बुध अनुराधा में, शनि वक्री, १४ ता० बुध पूर्व में अस्त ता० १६ पौष संक्रान्ति है, योगायोग विचार से इस पक्ष में सभी खाद्य पदार्थ सोना, चान्दी, जस्ता आदि धातुएँ, रुई, कपास तथा सभी प्रकार के वस्त्रों में तेजी आएगी, घी, तैल में पहले तेजी बाद में मन्दी आयेगी। पिछले पक्ष में संग्रह किए गए माल को बेचने पर अच्छा लाभ होगा। व्यापारी वर्ग कपूर, सुगन्धित, मुनयारि सामान खरीद कर अगले मास बेचें तो अच्छा फायदा होगा। मेष, कर्क, वृश्चिक, धनु, कुंभ व मीन राशि वालों को शुभ फलादेश होंगे। **पक्षफलम्** – इस पक्ष में भी राजनेताओं द्वारा एक दूसरे पर आरोप करने का सिलसिला चलता रहेगा, किसी महान नेता के लिए समय कष्टप्रद है अथवा अचानक पद त्याग एवं मृत्यु भी हो सकती है। **आकाश लक्षणम्** – पर्वतीय प्रदेशों में बर्फबारी तथा खण्ड वृष्टि के योग हैं।

श्री विक्रमी संवत् २०६३ पौष शुक्ल पक्ष शाकः १९२८, सन् २००६-०७ ई० २१ दिसंबर से ३ जनवरी तक सूर्योत्तरायणे, दक्षिणगोलार्धे, शिशर ऋतौ, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श मार्ग	वि पौष	अं दिसं	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट वि.	जम्मू सू. उ.	जम्मू सू. अ.
२४	३७	०१	वृह	२८	१०	१८	४९	मूला	०९	१५	वृद्धि	४३	३७	कि	००	०५	धने	३०	६	२१	मंगल ज्येष्ठा में ९/११, पौष शुक्ल प्रतिपदा	०८	०५	००	४०	७ ३३	५ २४
२४	३८	०२	शुक्र	२५	२५	१७	४३	पू.षा	०८	२०	ध्रुव	३७	१२	कौ	२५	२५	म.दि४/४४	पौष	७	२२	सायन सूर्य मकर में ५/५२ शिशर ऋतु प्रारम्भ	०८	०६	०१	४७	७ ३३	५ २५
२४	३७	०३	शनि	२१	५५	१६	२०	उ.षा	०६	३७	व्या	३१	१२	गर	२१	५५	मकरे	०२	८	२३	बुध धनु में अर्द्धरात्रौपरि ५/२४, भद्रा रात्रि ३/३२ से	०८	०७	०२	५५	७ ३४	५ २५
२४	३८	०४	रवि	१७	५५	१४	४४	श्रव	०४	२५	हर्षण	२५	००	वि	१७	५५	कुं.रा८/४९	०३	९	२४	भद्रा दिवा २/४४ तक, पञ्चक प्रा. रात्रि ८/५०	०८	०८	०४	०३	७ ३४	५ २६
२४	४०	०५	चंद्र	१३	३२	१३	००	धनि शत	[illegible]	[illegible]	वज्र	१८	१७	बा	१३	२२	कुंभे	०४	१०	२५	क्रिसमिस डे	०८	०९	०५	११	७ ३५	५ २७
२४	४०	०६	मंग	०९	००	११	११	पू.भा	५५	५५	सिद्धि	११	३०	तै	०९	००	मी.रा१२/१५	०५	११	२६		०८	१०	०६	१९	७ ३५	५ २७
२४	४१	०७	बुध	०४	१५	०९	१७	उ.भा	५२	४५	व्यति वरी	[illegible]	[illegible]	व	०४	१५	मीने	०६	१२	२७	भद्रा ९/१७ से रात्रि ८/१९ तक	०८	११	०७	२८	७ ३५	५ २८
२४	४०	०८	बुध	५९	१५	३१	१८	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	अष्टमी तिथि क्षय	०८	१२	०८	३६	७ ३६	५ २८
००	००	०९	वृह	५४	१७	२९	१९	रेव	४९	२५	परि	५०	२७	ब	२७	०७	मे.रा३/२२	०७	१३	२८	पञ्चक समाप्त रात्रि ३/२, गण्डमूल	०८	००	००	००	०० ००	०० ००
२४	४२	१०	शुक्र	४९	२०	२७	२०	अश्वि	४६	०७	शिव	४३	२०	तै	२१	५०	मेषे	०८	१४	२९	सूर्य पू.षा. में ९/३२, गण्डमूल रात्रि २/०३ तक	०८	१३	११	४४	७ ३६	५ २९
२४	४३	११	शनि	४४	५०	२५	२२	भर	४२	५२	सिद्ध	३६	१५	व	१३	५३	मेषे	०९	१५	३०	शुक्र मकर में दिवा १/१५, पुत्रदा एकादशी व्रत, भद्रा A	०८	१४	१०	५२	७ ३६	५ ३०
२४	४५	१२	रवि	३९	४२	२३	३०	कृति	३९	५०	साध्य	२९	१७	ब	१२	००	वृ.प्रा६/२६	१०	१६	३१	२००६ अंग्रेज़ी वर्ष पूर्ण	०८	१५	१२	०१	७ ३७	५ ३१
२४	४५	१३	चंद्र	३५	३२	२१	५०	रोहि	३७	२०	शुभ	२२	४५	कौ	०७	३२	वृषे	११	१७	जन	बुध पूषा में सायं ५/१५, जनवरी सन् २००७ ई० प्रा.	०८	१६	१३	०९	७ ३७	५ ३१
२४	४७	१४	मंग	३२	०५	२०	२७	मृग	३५	३२	शुक्ल	१६	४५	गर	०३	४२	मि. १०/०८	१२	१८	०२	शाकम्भरी जयन्ती, भद्रा रात्रि ८/२३ से	०८	१७	१४	१७	७ ३७	५ ३२
२४	५०	१५	बुध	२९	४०	१९	२९	आर्द्रा	३४	४७	ब्रह्म	११	३०	वि	००	४२	मिथुने	१३	१९	०३	पौष पूर्णिमा, भद्रा ७/५४ तक, माघ स्नान प्रारम्भ	०८	१८	१५	२५	७ ३७	५ ३३

अष्टम्यां गुरुवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२८ दिसंबर सन् २००६ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०८	११	०७	०८	०७	०८	०४	१०	०४
	१२	१७	२१	०६	१३	२७	००	२५	२५
	०८	०९	३५	१४	२४	०५	०४	५५	५५
	३६	१७	०१	०८	०६	०२	०६	०३	०३
गति	६०	८४६	४३	९४	१२	७५	०२	०३	०३
गति	०	०६	०३	३४	५५	१५	०४	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	मूल ४	रेव १	ज्ये २	मूल २	अनु ४	उ.षा १	मघा १	पू.भा २	पू.फा ४

कुण्डली अष्टमी प्रातः ७/३६

१० बृ मं
शु ८
रा ११ सू बु ७
चं ९ ६
१२ के
१ ३ ५ श
२ ४

पूर्णिमायां बुधवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (३ जनवरी सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०८	०२	०७	०८	०७	०९	०४	१०	०४
	१८	११	२५	१५	१४	०४	००	२५	२५
	१५	००	५५	४४	३८	३६	२४	३६	३६
	२५	५४	०३	०४	०९	०५	०६	०२	०२
गति	६१	८०४	४३	९६	१२	७५	०३	०३	०३
गति	०१	२४	०५	३६	५१	१५	००	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	पू.षा २	आर्द्रा २	ज्ये ३	पू.षा १	अनु ४	उ.षा ३	मघा १	पू.भा २	प.फा ४

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ७/३७

शु बृ मं
११ १० ९ ८ ७
रा सू बु
१२ ६ श
चं ५
१ ३ के
२ ४

A २/२१ से रात्रि १/२१ तक।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :– पुत्रदाएकादशी व्रत– इस व्रत के प्रभाव से पुत्रहीन व्यक्ति को पुत्र एवं विद्या प्राप्ति के इच्छुक को अपूर्व विद्या लाभ होता है। प्रत्येक व्यक्ति को इस लोक में सुख एवं परलोक में वैकुण्ठधाम की प्राप्ति हो। **व्यापारिक रुख –** इस पक्ष में ता० २१ मंगल ज्येष्ठा में, २९ ता० सूर्य पूर्वाषाढ़ा में, १ जनवरी बुध पूषा. में आएंगे फलस्वरूप ऊनी वस्त्रों में तेजी के आसार हैं, बाद में मन्दी सोना चान्दी में मन्दी रूई में घटाबढ़ी, अफीम, नशीले पदार्थों में तेजी आएगी, तिल तैल, सरसों, विनौला, चीनी गुड़, हल्दी, गुग्गल, चमड़ा, कपूर ऊनी वस्त्रों में तेजी के आसार हैं, बाद में मन्दी सोना चान्दी में मन्दी रूई में घटाबढ़ी, अफीम, नशीले पदार्थों में तेजी आएगी, तिल तैल, सरसों, विनौला, चीनी गुड़, हल्दी, गुग्गल, चमड़ा, कपूर ऊनी वस्त्रों में तेजी के आसार हैं, बाद में मन्दी सोना चान्दी में मन्दी रूई में घटाबढ़ी, अफीम, नशीले पदार्थों में तेजी आएगी, तिल तैल, सरसों, विनौला, चीनी गुड़, हल्दी, गुग्गल, चमड़ा, कपूर ऊनी वस्त्रों में तेजी के आसार हैं, बाद में मन्दी

श्री विक्रमी संवत् २०६३ माघ कृष्ण पक्ष शाकः १९२८, सन् २००७ ई० ४ जनवरी से १९ जनवरी तक सूर्योत्तरायने, दक्षिण गोलार्ध, शिशर ऋतौ, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श पौष	वि पौष	अं जन	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू	उ.	सू	अ.
२४	५२	०१	वृह	२८	३२	१९	०२	पुन	३५	२०	ऐन्द्र	०७	१२	कौ	२८	३२	क.दि३/३८	१४	२०	०४	माघ कृष्ण प्रतिपदा	०८	१९	१६	३३	७	३७	५	३४
२४	५१	०२	शुक्र	२९	००	१९	१३	पुष्य	३७	२५	वैधृ	०४	०२	गर	२९	००	कर्के	१५	२१	०५	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (ना.शा.)	०८	२०	१७	४१	७	३७	५	३४
२४	५२	०३	शनि	३१	०५	२०	०४	आश्ले	४१	०२	विष्कुं	०२	०७	व	००	३०	सिं.रा१२/०३	१६	२२	०६	श्रीगणेश चतुर्थी संकट चतुर्थी, चन्द्रोदय रात्रि ८/२५ A	०८	२१	१८	४९	७	३८	५	३५
२४	५५	०४	रवि	३४	५२	२१	३५	मघा	४६	२०	प्रीति	०१	३०	ब	०२	१८	सिंहे	१७	२३	०७	पार्वती चतुर्थी, शुक्र श्रवण में दिवा १२/५०	०८	२२	२९	५७	७	३८	५	३६
२४	५७	०५	चंद्र	४०	१०	२३	४२	पू.फा	५२	५५	आयु	०२	०७	कौ	०७	४७	सिंहे	१८	२४	०८	मंगल धनु में रात्रि ८/०९	०८	२३	२१	०५	७	३८	५	३७
२५	००	०६	मंग	४६	२७	२६	१३	उ.फा	६०	००	सौभा	०३	४२	गर	१२	२२	कं.११/३१	१९	२५	०९	बुध उ.षा में रात्रि ११/३०, भद्रा रात्रि २/२९ से	०८	२४	२२	१३	७	३८	५	३८
२५	००	०७	बुध	५०	५७	२८	०१	उ.फा	००	२५	शोभ	०५	५५	वि	२०	४२	कन्यायां	२०	२६	१०	शनि आश्लेषा में सायं ६/१०, भद्रा दिवा ३/५५ तक	०८	२५	२३	२१	७	३८	५	३८
२५	०२	०८	वृह	६०	००	पूरा	दिन	हस्त	०८	१२	अतिगं	०८	२०	बा	२७	२०	तु.रा१२/२५	२१	२७	११	सूर्य उ.षा. में ११/३५, बुध मकर में रात्रि १२/००	०८	२६	२४	२९	७	३८	५	३९
२५	०६	०८	शुक्र	००	४२	०७	५५	चित्रा	१५	४०	सुक	१०	२७	कौ	००	४२	तुलायां	२२	२८	१२		०८	२७	२५	३७	७	३८	५	४०
२५	१०	०९	शनि	०५	३०	०९	४९	स्वा	२२	१०	धृति	११	५५	गर	०५	३०	तुलायां	२३	२९	१३	गुरु ज्ये. में ९/५९, लोहड़ी पर्व (पंजाब, हरियाणा, B	०८	२८	२६	४६	७	३७	५	४१
२५	१२	१०	रवि	०९	४५	११	३१	विशा	२७	१२	शूल	१२	१२	वि	०९	४५	वृरा१२/०२	२४	मा.	१४	मकर संक्रान्ति, सूर्य मकर में सायं ६/०६, C	०८	२९	२७	५४	७	३७	५	४२
२५	१५	११	चंद्र	१२	१५	१२	३१	अनु	३०	३०	गंड	११	१२	बा	१२	१५	वृश्चिके	२५	२	१५	षट्तिला एकादशी व्रत, उत्तरायण प्रारम्भ, गण्डमूल D	०९	००	२९	०२	७	३७	५	४३
२५	१७	१२	मंग	१२	५२	१२	४६	ज्ये	३२	००	वृद्धि	०८	४७	तै	१२	५२	ध.रा८/२५	२६	३	१६	भौम प्रदोष व्रत, तिला द्वादशी गण्डमूल	०९	०१	३०	१०	७	३७	५	४४
२५	२१	१३	बुध	११	४०	१२	१७	मूला	३१	४७	ध्रुव व्या	०४ ५९	५५ ४९	व	११	४०	धने	२७	४	१७	बुध श्रपण में रात्रि ११/०७, भद्रा १२/१७ से रात्रि १/४३ E	०९	०२	३१	१७	७	३७	५	४५
२५	२५	१४	वृह	०८	५५	११	१०	पू.षा	३०	०७	हर्षण	५३	४०	श	०८	५५	म.रा१/२४	२८	५	१८	अमावस, स्नानदानादि पितरों के लिए	०९	०३	३२	२४	७	३६	५	४६
२५	२७	३०	शुक्र	०४	५०	०९	३२	उ.षा	२७	१७	वज्र	४६	३७	ना	०४	५०	मकरे	२९	६	१९	मौनी अमावस, देवताओं के लिए स्नानदानादि अर्द्धकुम्भी F	०९	०४	३३	३१	७	३६	५	४७

अष्टम्यां शुक्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१२ जनवरी सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०८	०५	०८	०८	०७	०९	०३	१०	०४
	२६	२०	०१	२८	१६	१४	२९	२५	२५
	२४	४०	४४	४३	१४	३७	५८	१०	१०
	२९	३२	०६	०४	०६	०५	०३	०८	०८
गति	६०	७१०	४३	९९	११	७५	०३	०३	०३
गति	०१	५०	५९	३९	५६	१५	५६	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	पू.षा ४	हस्त ४	मूल १	उ.षा १	अनु ४	श्रवण २	आश्ले ४	पू.भा २	पू.फा ४

कुण्डली अष्टमी प्रातः ७/३८

शु १०
वृ ८
९
रा १
सू बु मं
७
१२
चं ६
११
३
के ५
४
२
श

अमावस्यां शुक्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१९ जनवरी सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०९	०९	०८	०९	०७	०९	०३	१०	०४
	०४	०२	०७	१२	१७	२४	२९	२४	२४
	३३	२३	३६	०९	४५	३७	२७	४५	४५
	३१	१४	०६	०१	०९	०७	००	०३	०३
गति	६१	८४६	४४	१०२	११	७५	०४	०३	०३
गति	०१	०६	०१	४२	००	१५	५२	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	उ.षा ३	उ.षा २	मूल ३	श्रवण १	ज्ये १	धनि १	आश्ले ४	पू.भा २	पू.फा ४

कुण्डली अमावस प्रातः ७/३६

११ रा
मं ९
१०
सू चं बु शु
१२
८ बृ
१
७
२
श ४
६
३
५ के

A जम्मू भद्रा ७/४६ से रात्रि ७/५५ तक। B जम्मू-कश्मीर) भद्रा रात्रि १०/४० से। C भद्रा ११/३१ तक। D प्रारम्भ रात्रि ७/४९ से। E तक गण्डमूल समाप्त रात्रि ८/२० । F पर्व (प्रयाग राज)।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :-
षट्तिला एकादशी व्रत- इस व्रत में १. तिलस्नान, २. तिलोद्वर्तन, ३. तिलहोम, ४. तिलदान, ५.तिलतर्पण, ६. तिलभक्षण का भगवत्पूजापूर्वक उपवास धारण करने से इस जन्म में पूर्णतः अरोग्य लाभ एवं अन्त्य में वैकुण्ठ प्राप्त हो। **मौनी अमावस व्रत-** इसमें मौनव्रत एवं उपवास धारण कर गङ्गादि तीर्थ में स्नान, दान, जप, होमादि से शारीरिक, मानसिक एवं अध्यात्मिक सन्तुलन में वृद्धि के साथ ही परलोक भी आनन्दमय हो जाता है। **व्यापारिक रुख –** शुक्र श्रवण में बुध उ.षा. में फिर श्रवण में सूर्य उत्तराषाढ़ा में आएंगे, उड़द, मूंग, चावल, चना, चीनी, गुड़, शक्कर सब तेज होंगे। सोना, चान्दी, मोती माणिक्यादि नवरत्न तेज परन्तु चीनी गुड़ में मन्दी भी हो। मकर संक्रान्ति रविवार को है। लाल रंग की चीजों में तेजी होगी। सोना चान्दी में घटाबढी चले, पशुओं का व्यापार करने वालों के लिए यह योग बहुत अच्छा है। **पक्षफलम् –** इस पक्ष में भी राजनेताओं के लिए समय अच्छा नहीं, नेताओं का परस्पर वैमनस्य चलता रहेगा, लोगों में भय तथा परेशानी रहेगी। आकाश लक्षणम् – मकर संक्रान्ति के आस-पास वर्षा होना शुभ संकेत है। सर्दी का प्रकोप यथावत रहेगा, सामान्य वर्षा के ही योग है।

श्री विक्रमी सवत् २०६३ **माघ शुक्ल पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००७ ई० **२० जनवरी से २ फरवरी तक** सूर्योत्तराने, दक्षिण गोलार्ध, शिशर ऋतौ, दे० सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श पौष	वि माघ	अं जन.	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	प्ट. वि.	जम्मू सू. उ.	जम्मू सू. अ.
२५	३१	०१	शनि	००	३७	०७	५१	श्रव	२३	३५	सिद्धि	३९	००	ब	००	३७	मकरे	३०	७	२०	माघ शुक्ल प्रतिपदा, पञ्चक शुरू रात्रि ४/१३, सा.सू. A	०९	०५	३४	३७	०७ ३६	५ ४८
००	००	०२	शनि	५२	४२	२८	४१	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	द्वितीय क्षय	००	००	००	००	०० ००	०० ००
२५	३२	०३	रवि	४७	५५	२६	४५	धनि	१९	२५	व्यति	३१	०२	तै	२१	००	कुं.प्रा४/१२	माघ	८	२१	शाक माघ आरम्भ, गौरी तृतीया	०९	०६	३५	४२	०७ ३५	५ ४८
२५	३५	०४	चंद्र	४१	४५	२४	१७	शत	१५	००	वरी	२२	५७	व	१४	५०	कुंभे	०२	९	२२	भद्रा दिवा १/३१ से रात्रि १२/१७ तक, श्रीगणेश तिल चतुर्थी	०९	०७	३६	४७	०७ ३५	५ ४९
२५	३८	०५	मंग	३५	४५	२१	५३	पू.भा	१०	४०	परि	१४	५७	ब	०८	४२	मी.प्रा६/१६	०३	१०	२३	शुक्र कुंभ में दिवा १२/४३, बसन्त पञ्चमी, B	०९	०८	३७	५०	०७ ३५	५ ५०
२५	४२	०६	बुध	३०	०७	१९	३७	उ.भा	०६	३५	शिव सिद्धि	[illegible]	[illegible]	कौ	०२	५५	मीने	०४	११	२४	सूर्य श्रवण में दिवा १/४८	०९	०९	३८	५३	०७ ३४	५ ५१
२५	४६	०७	वृह	२४	५२	१७	३१	रेव अश्वि	[illegible]	[illegible]	साध्य	५२	५५	गर	२४	५२	मे.प्रा८/४२	०५	१२	२५	बुध धनिष्ठा में सायं ६/३५, पञ्चक समाप्त ८/४२ C	०९	१०	३९	५५	०७ ३४	५ ५२
२५	५०	०८	शुक्र	२०	१२	१५	३८	भर	५७	०५	शुभ	४६	०२	ब	२०	१२	मेषे	०६	१३	२६	मंगल पू.षा. में रात्रि ११/३५, गणतन्त्र दिवस, बुधोदय D	०९	११	४०	५५	०७ ३३	५ ५३
२५	५३	०९	शनि	१६	०७	१४	००	कृत्ति	५५	०५	शुक्ल	३९	५७	कौ	१६	०७	वृ.दि१२/०९	०७	१४	२७		०९	१२	४१	५५	०७ ३३	५ ५४
२५	५७	१०	रवि	१२	४७	१२	३९	रोहि	५३	५२	ब्रह्म	३४	२७	गर	१२	४७	वृषे	०८	१५	२८	लाला लाजपतराय जयंती, भद्रा रात्रि १२/०७ से	०९	१३	४२	५३	०७ ३२	५ ५५
२६	०१	११	चंद्र	१०	०७	११	३५	मृग	५३	२५	ऐन्द्र	२९	३५	वि	१०	०७	मि.दि४/५६	०९	१६	२९	बुध कुंभ में सायं ६/१३, भद्रा ११/३५ तक, जया E	०९	१४	४३	५०	०७ ३२	५ ५६
२६	०६	१२	मंग	०८	२५	१०	५३	आर्द्रा	५३	२७	वैधृ	२५	२५	बा	०८	२५	मिथुने	१०	१७	३०	भौम प्रदोष व्रत, शहीदी दिवस महात्मा गांधी	०९	१५	४४	४६	०७ ३१	५ ५७
२६	१०	१३	बुध	०७	३७	१०	३३	पुन	५५	३०	विष्कुं	२२	०२	तै	०७	३७	क.रा११/३०	११	१८	३१		०९	१६	४५	४१	०७ ३०	५ ५८
२६	१३	१४	वृह	०७	५५	१०	४०	पुष्य	५८	१०	प्रीति	१९	३०	व	०७	५५	कर्के	१२	१९	फर	भद्रा १०/४० से रात्रि १०/५८ तक, व्रत पूर्णिमा F	०९	१७	४६	३५	०७ ३०	५ ५९
२६	१८	१५	शुक्र	०९	३०	११	१७	आश्ले	६०	००	आयु	१७	५७	ब	०९	३०	कर्के	१३	२०	०२	बुध शतभिषा में रात्रि १/०८, माघ पूर्णिमा व्रत, G	०९	१८	४७	४८	०७ २९	६ ००

अष्टम्यां शुक्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२६ जनवरी सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०९	००	०८	०९	०७	१०	०३	१०	०४
	११	१२	१२	२४	१९	०३	२८	२४	२४
	४०	१२	४६	०६	०१	२२	५६	२३	२३
	५५	४१	०५	०४	०४	११	०४	०१	०१
गति	६१	८३७	४४	१०१	१०	७४	०४	०३	०३
गति	०१	५७	५५	४१	०४	१४	५५	११	११
	शी	शी	मा उ	मा अ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	श्रवण १	अश्वि ४	मूल ४	धनि १	ज्ये १	धनि ४	आश्ले ४	पू.भा २	पू.फा ४

कुण्डली अष्टमी प्रातः ७/३३

रा शु ११ · मं ९ · ८ · १२ · बु सू १० · बृ · १ · ७ · चं · श ४ · ६ · २ · ३ · ५ के

पूर्णिमायां शुक्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२ फरवरी सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०९	०३	०८	१०	०७	१०	०३	१०	०४
	१८	१६	१७	०५	२०	१२	२८	२४	२४
	४७	००	५८	२७	१२	०५	२३	००	००
	२८	२३	०२	०९	०३	००	०७	०८	०८
गति	६०	७५२	४४	८८	०९	७४	०४	०३	०३
गति	००	३२	०७	२८	५७	१४	४८	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	श्रवण ३	पुष्य ४	पू.षा २	धनि ४	ज्ये २	शत २	आश्ले ४	पू.भा २	पू.फा ४

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ७/२९

शु रा बु ११ · ९ मं · बृ ८ · १२ · १० सू · १ · ७ · ४ श चं · ६ · २ · ३ · के ५

A कुंभ में दिवा ४/३१ । B श्री पञ्चमी सरस्वती जयंती, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती। C रथ सप्तमी, पुत्र सप्तमी, अचला सप्तमी, आरोग्य सप्तमी। D पश्चिम से रात्रि १२/४५, भीमाष्टमी। E एकादशी व्रत भीष्म द्वादशी। F (चंद्रोदय व्यापिनी, गुरु पुष्य योग)। G गुरु रविदास जयन्ती, गण्डमूल शुरू प्रातः ६/४६ से।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :– जया एकादशी व्रत– एकादशी का व्रत धारण कर श्रद्धा से भगवान की पूजा एवं रात्रि जागरण से कुल में कोई भी पिशाचयोनि में सन्तप्त हो तो अवश्य पिशाचत्व मिटकर सद्गति प्राप्त होती है। **व्यापारिक रुख –** सूर्य श्रवण में, बुध धनिष्ठा में, फिर शतभिषा में, मंगल पू.षा. में रहेगा, फलस्वरूप गेहूँ, जौ, चावल, रुई सूती कपड़ा, चीनी गुड़, अलसी, सुपारी, लौंग, पीपल इत्यादि चीजों में नेजी होगी। सोना चान्दी में सामान्य मन्दी होगी। फल सब्जियों के भावों में वृद्धि होगी। **पक्षफलम् –** यह पक्ष पश्चिमी देशों, जैसे अमेरिका, ईरान आदि देशों में विपत्ति हो सकती है, भारत में पश्चिमी प्रान्तों में कुछ समस्यात्मक परिस्थितियाँ बन सकती हैं। निकटवर्ती देशों की सीमाओं पर तनाव आ सकता है। **आकाश लक्षणम्–** बसन्त पञ्चमी के आसपास वर्षा हो जाने से शुभफलादेश होंगे, तीव्र गति से बादल चाल होने के कारण गर्ज के साथ बौछार होगी तथा ओलावृष्टि भी हो सकती है।

श्री विक्रमी संवत् २०६३ फाल्गुन कृष्ण पक्ष शाकः १९२८, सन् २००७ ई० ३ फरवरी से १७ फरवरी तक सूर्योत्तरायणे, दक्षिणगोलार्धे, बसन्त ऋतौ, दै० सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श माघ	वि माघ	अं फर	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू	जम्मू उ.	जम्मू सू	जम्मू अ.
२६	२२	०१	शनि	१२	२०	१२	२४	आश्ले	०२	१०	सौभा	१७	२५	कौ	१२	२०	सिं.रा८/२०	१४	२१	०३	फा. कृ. प्रतिपदा	०९	१९	४८	१९	७	२८	६	०१
२६	२६	०२	रवि	१३	२५	१४	०२	मघा	०७	१७	शोभा	१७	४७	गर	१६	२५	सिंहे	१५	२२	०४	भद्रा रात्रि ३/०५ से शुरू	०९	२०	४९	१०	७	२८	६	०२
२६	३१	०३	चंद्र	२१	४२	१६	०८	पू.फा	१३	३७	अतिगं	१९	०५	वि	२१	४२	कं.रा.७/३४	१६	२३	०५	भद्रा दिवा ४/०८ तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत A	०९	२१	४९	५९	७	२७	६	०३
२६	३६	०४	मंग	२७	५७	१८	३७	उ.फा	२०	५०	सुकर्मा	२१	०५	बा	२७	५७	कन्यायां	१७	२४	०६	सूर्य धनिष्ठा में सायं ५/०२	०९	२२	५०	४८	७	२६	६	०४
२६	३८	०५	बुध	३४	४०	२१	१७	हस्त	२८	३५	धृति	२३	२७	कौ	०१	१८	कन्यायां	१८	२५	०७		०९	२३	५१	३५	७	२५	६	०४
२६	४२	०६	वृह	४१	२०	२३	५६	चित्रा	३६	२०	शूल	२५	५२	गर	०८	०३	तु.प्रा८/२३	१९	२६	०८	भद्रा रात्रि ११/५९ से प्रारंभ	०९	२४	५२	२२	७	२४	६	०५
२६	४६	०७	शुक्र	४७	२०	२६	२०	स्वा	४३	३०	गंड	२७	५५	वि	१४	२८	तुलायां	२०	२७	०९	भद्रा दिवा १/११ तक	०९	२५	५३	०७	७	२४	६	०६
२६	५१	०८	शनि	५२	१२	२८	१६	विशा	४९	३७	वृद्धि	२९	१५	बा	१९	५८	वृ.रा८/४०	२१	२८	१०	सीता जयन्ती	०९	२६	५३	५२	७	२३	६	०७
२६	५६	०९	रवि	५५	२५	२९	३२	अनु	५४	१०	ध्रुव	२९	२७	तै	२४	०२	वृश्चिके	२२	२९	११		०९	२७	५४	३५	७	२२	६	०८
२७	०१	१०	चंद्र	५६	४२	३०	०२	ज्ये	५६	५५	व्या	२८	१५	व	२६	२०	वृश्चिके	२३	फा	१२	फाल्गुन संक्रांति, पुण्यकाल अग्रिम दिन	०९	२८	५५	१८	७	२१	६	०९
२७	०६	११	मंग	५६	००	२९	४४	मूला	५७	४०	हर्ष	२५	३२	ब	२६	३८	ध.प्रा६/०६	२४	२	१३	विजया एकादशी, प्रातः सूर्य कुंभ में ७/०५, मंगल B	०९	२९	५५	५९	७	२०	६	१०
२७	११	१२	बुध	५३	२०	२८	३९	पू.षा	५६	३५	वज्र	२१	१५	कौ	२४	५५	धने	२५	३	१४	बुध वक्री १०/०८, राहु पू.भा. केतु पू.फा. ३ रात्रि १/३८	१०	००	५६	३९	७	१९	६	११
२७	१६	१३	वृह	४८	५७	२६	५३	उ.षा	५३	४७	सिद्धि	१५	३२	गर	२१	२०	म.११/४२	२६	४	१५	प्रदोष व्रत, भद्रा रात्रि २/५५ से प्रारंभ	१०	०१	५७	१८	७	१८	६	१२
२७	२१	१४	शुक्र	४३	०७	२४	३२	श्रव	४९	३७	व्यति	०८	४५	वि	१६	१३	मकरे	२७	५	१६	शुक्र मीन में सायं ४/२०, महाशिवरात्रि व्रत, बुधास्त C	१०	०२	५७	५६	७	१७	६	१३
२७	२३	३०	शनि	३६	१५	२१	४६	धनि	४४	२५	वरी परिघ	०० ५१	२५ ३२	च	०९	४८	कुं.दि२/०८	२८	६	१७	शनिवासरी अमावस, पञ्चक शुरू दिवा २/०७	१०	०३	५८	३२	७	१६	६	१३

अष्टम्यां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१० फरवरी सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	०९	०६	०८	१०	०७	१०	०३	१०	०४
	२६	२२	२३	१४	२१	२२	२७	२३	२३
	५३	२१	५६	४६	२६	०१	४५	३५	३५
	५२	२८	०६	००	०९	००	००	०४	०४
गति	६०	७२८	४५	३७	०८	७४	०४	०३	०३
गति	००	०८	००	०४	५८	१४	५९	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	धनि २	विशा १	पू.षा ४	शत ३	ज्ये २	पू.भा १	आश्ले ४	पू.भा २	पू.फा ४

कुण्डली अष्टमी प्रातः ७/२३

शु रा बु ११
१० सू
९ मं
१२
वृ ८
१
चं ७
२
४ श
६
३
के ५

अमावास्यां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१७ फरवरी सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	१०	०९	०८	१०	०७	११	०३	१०	०४
	०३	२४	२९	१५	२२	००	२७	२३	२३
	५८	४६	१२	३५	२६	४०	१०	१३	१३
	३२	३७	००	००	००	०७	०८	०१	०१
गति	६०	८७८	४५	३३	०७	७४	०४	०३	०३
गति	००	३८	०२	५६	०९	१४	०८	११	११
	शी	शी	मा उ	व अ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	धनि ४	धनि १	उषा १	शत ३	ज्ये २	पू.भा ४	आश्ले ४	पू.भा १	पू.फा ३

कुण्डली अमावस प्रातः ७/१६

शु १२
११ सू बु रा
चं १०
९ मं
१
२
८ बृ
३
५ के
७
श ४
६

A (चंद्रोदय रात्रि ९/०५ जम्मू)। B उ.षा. में रात्रि ८/३८। C पश्चिमे रात्रि २/१० भद्रा दिवा १/४५ तक।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :- विजया एकादशी व्रत- इस एकादशी के व्रत के प्रभाव से व्यवहारिक विजय तो हो ही जाती है इसमें तो दुर्जयी मन को भी पराजित कर उस पर पूर्णाधिकार प्राप्त कर अध्यात्मिक बल सम्पन्न अमोघ शक्तियों का अधिकारी बन जाता है। इस प्रकार भगवान के अनन्य भक्तों में मूर्धन्य हो जाता है। व्यापारिक रुख – सूर्य धनिष्ठा में, मंगल उ.षा. में, १२ फरवरी फाल्गुन संक्रान्ति शनिवासरी अमावस, योगायोग विचार से गेहूँ, जौ, चना, नीला थोथा, मक्का, बाजरा में घटाबढ़ी रहेगी। गुड़, शक्कर, जस्ता, ताम्बा, पीतल का भाव सम रहे, रुई, सूत, नमक मिर्चादि किरयाने की चीजों में तेजी के बाद मन्दी आएगी। सुगन्धित पदार्थ मन्दे होकर तेजी करेंगे। व्यापारियों को माल जमा नहीं करना चाहिए। परचून में लाभ होगा। मेष मिथुन कन्या, तुला, मकर व मीन राशि [illegible] होगा। [illegible] जनता सब प्रकार अनिष्ट प्रभाव होने पर भी प्रयत्नों से प्रसन्नचित्त, भोग विलासादि में संलिप्त, फैशन तथा सुख साधनों में वृद्धि होगी। आकाश लक्षणम्– वायु में तीव्रता रहेगी, कहीं-कहीं वर्षा अधिक तो कहीं वर्षा कम होगी।

श्री विक्रमी संवत् २०६३ फाल्गुन शुक्ल पक्ष शाकः १९२८, सन् २००७ ई० १८ फरवरी से ३ मार्च तक सूर्योत्तरायणे, दक्षिण उत्तरगोलार्धे, बसन्त ऋतौ, दै० सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श फा.	वि फा.	अं फर	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
२७	२८	०१	रवि	२८	३७	१८	४२	शत	३८	३५	शिव	४२	१२	कि	०२	३०	कुंभे	२९	७	१८	मंगल मकर में प्रातः ७/००, फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा	१०	०४	५९	०७	७	१५	६	१४
२७	३३	०२	चंद्र	२०	४२	१५	३१	पू.भा	३२	३०	सिद्ध	३२	४०	कौ	२०	४२	मी.दि२/५०	३०	८	१९	सूर्य शतभिषा में रात्रि ९/२९, चंद्रदर्शनम् श्रीराम कृष्ण A	१०	०५	५९	४०	७	१४	६	१५
२७	३८	०३	मंग	१२	५०	१२	२१	उ.भा	२६	३२	साध्य	२३	१५	गर	१२	५०	मीने	फा	९	२०	भद्रा रात्रि १०/५१ से प्रारंभ	१०	०७	००	१२	७	१३	६	१६
२७	४३	०४	बुध	०५	२०	०९	२०	रेव	२१	००	शुभ	१४	१२	वि	०५	२०	मे.दि३/३६	०२	१०	२१	भद्रा ९/२० तक, पञ्चक समाप्त दिवा ३/३६	१०	०८	००	४२	७	१२	६	१७
००	००	०५	बुध	५८	२७	३०	३५	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	पञ्चमी क्षय	००	००	००	००	००	००	००	००
२७	४८	०६	वृह	५२	३०	२८	११	अश्वि	१६	१५	शुक्ल क्षय	०० ५७	४५ ५७	कौ	२५	२२	मेषे	०३	११	२२	गण्डमूलविचार	१०	०९	०१	१०	७	११	६	१८
२७	५३	०७	शुक्र	४७	४२	२६	१५	भर	१२	२७	ऐन्द्र	५१	१०	गर	१९	५८	वृ.सा५/४९	०४	१२	२३	वक्री शनि आश्लेषा में दिवा ४/५५, भद्रा रात्रि २/१० से	१०	१०	०१	३६	७	१०	६	१९
२७	५६	०८	शनि	४४	०५	२४	४७	कृत्ति	०९	४७	वैधृति	४५	२२	वि	१५	४८	वृषे	०५	१३	२४	भद्रा दिवा १/२७ तक, होलाष्टक शुरू	१०	११	०२	०१	७	०९	६	१९
२८	०२	०९	रवि	४१	५०	२३	५२	रोहि	०८	२५	विष्कुं	४०	३५	बा	१२	५०	मि.रा१०/२३	०६	१४	२५		१०	१२	०२	२३	७	०८	६	२०
२८	०८	१०	चंद्र	४०	५५	२३	२८	मृग्	०८	२०	प्रीति	३६	५५	तै	११	१५	मिथुने	०७	१५	२६	बुध धनिष्ठा में सायं ५/३७	१०	१३	०२	४३	७	०६	६	२१
२८	१३	११	मंग	४१	१७	२३	३६	आर्द्रा	०९	३२	आयु	३४	१५	व	१०	५८	मिथुने	०८	१६	२७	भद्रा ११/२८ रात्रि ११/३२ तक, आमल की एकादशी व्रत	१०	१४	०३	०२	७	०५	६	२२
२८	१८	१२	बुध	४२	५५	२४	१४	पुन	१२	००	सौभा	३२	३२	ब	११	५८	क.प्रा५/३४	०९	१७	२८	गोविन्द द्वादशी	१०	१५	०३	१८	७	०४	६	२३
२८	२१	१३	वृह	४५	४२	२५	२०	पुष्य	१५	४०	शोभ	३१	४५	कौ	१४	१२	कर्के	१०	१८	मार्च	प्रदोष व्रत, बुधोदयः पूर्वे १३/०५, गुरु पुष्य योग B	१०	१६	०३	३३	७	०३	६	२३
२८	२६	१४	शुक्र	४९	३७	२६	५३	आश्ले	२०	२२	अतिगं	३१	५०	गर	१७	३५	सिं.दि३/१०	११	१९	०२	भद्रा रात्रि २/४९ से, गण्डमूल विचार	१०	१७	०३	४५	७	०२	६	२४
२८	३२	१५	शनि	५४	२७	२८	४८	मघा	२६	०५	सुकर्मा	३२	४०	वि	२१	५७	सिंहे	१२	२०	०३	मंगल श्रवण में १२/२४, भद्रा दिवा ३/४७, C	१०	१८	०३	५६	७	०१	६	२

अष्टम्यां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (२४ फरवरी सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	१०	०१	०९	१०	०७	११	०३	१०	०४
	११	०६	०४	०९	२३	०९	२६	२२	२२
	०२	४७	२८	२०	१८	१८	३७	५०	५०
	०१	४५	०८	०६	०६	०४	०६	०९	०९
गति	६०	८२३	४५	६५	०६	७३	०४	०३	०३
गति	००	४३	५४	०५	५९	१३	५७	११	११
	शी	शी	मा उ	व अ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	शत २	कृति ४	उ.भा ३	शत १	ज्ये २	उ.भा २	आश्ले ३	पू.भा १	पू.फा ३

कुण्डली अष्टमी प्रातः ७/०९

शु १२ | ११ | मं १० | १ | सू बु | ९ | २ | रा | ८ | चं | बृ | ५ | ३ | के | ७ | श ४ | ६

पूर्णिमायां शनिवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (३ मार्च सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	१०	०४	०९	१०	०७	११	०३	१०	०४
	१८	०७	०९	०२	२४	१७	२६	२२	२२
	०३	१७	४६	५७	०४	५३	०६	२८	२८
	५६	४३	०९	०९	०१	०८	०१	०६	०३
गति	६०	७२६	४५	३२	०५	७३	०४	०३	०३
गति	००	०६	५६	००	५९	१३	५३	११	११
	शी	शी	मा उ	व उ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	शत ४	मघा ३	उ.षा ४	धनि ३	ज्ये ३	रेव १	आश्ले ३	पू.भा १	पू.फा ३

कुण्डली पूर्णिमा प्रातः ७/०१

शु १२ | रा | मं १० | १ | बु सू | ९ | ११ | २ | ८ | बृ | ३ | के चं | ७ | श ४ | ५ | ६

A परम हंस जयंती, सा.सू. मीन में प्रातः ६/३९ बसंत ऋतु प्रा.। B गण्डमूल शुरू दिवा १/१९ से। C होली पर्व, होलिका दहन भद्रा पश्चात होलाष्टक समाप्त खग्रास चंद्र ग्रहण।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :– अमालकी एकादशी व्रत– फाल्गुन शुक्ल एकादशी के दिन आमली के वृक्ष में लक्ष्मी नारायण का वास होता है अतः उस दिन लक्ष्मी नारायण जी की पूजा आमली वृक्ष के समीप करते हुए उपवास, रात्रि जागरण एवं प्रदक्षिणा कर दूसरे दिन ब्राह्मण भोजन के बाद स्वयं व्रत धारण करें तो विष्णु लोक की प्राप्ति हो। **व्यापारिक रुख –** सूर्य शतभिषा, वक्री शनि आश्लेषा में, पूर्व से बुधोदय मंगल श्रवण में, पूर्णिमा को खग्रास चन्द्र ग्रहण ऐसी स्थिति में सोना, चान्दी, सूत, सन, कपड़ा, तिल तैल, सरसों, हींग, जयफल सोंठ, हल्दी, गेहूँ तथा गुड़ के भावों में वृद्धि होगी। १ मार्च को बुध पूर्व से उदय होने पर शेयर मार्कीट, वायदा बाजार में उतार-चढ़ाव होगा जनसाधारण की उपयोगी वस्तुओं के भावों में वृद्धि होगी। **पक्षफलम् –** इस पक्ष में ग्रहों की स्थिति अटपटी से बनी हुई है लोग भोग-विलास की ओर प्रवृत्त होंगे, अश्लील साहित्य का बाजार गर्म रहेगा। चन्द्र ग्रहण होने के कारण किसी प्रमुख व्यक्ति के लिए समय चिन्ताजनक है, कुदरती आपदा, भूकम्पादि से जनसामान्य को भय हो सकता है। **आकाश लक्षणम्–** तेज हवाओं के साथ वर्षा के योग है, मौसम अच्छा रहेगा।

श्री विक्रमी संवत् २०६३ **चैत्र कृष्ण पक्ष** शाकः १९२८, सन् २००७ ई० **४ मार्च से १९ मार्च तक** सूर्योत्तरायणे, उत्तरगोलार्ध, बसन्त ऋतु, दै०सूर्योदयास्त जम्मू

दिनमान घटी	दिनमान पल	तिथि	वार	घटी	पल	घण्टे	मिनट	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	चन्द्रचार घ०मि०	श फा.	वि फा	अं मार्च	विवरण भारतीय स्टै०समय में	नि. रा.	सू. अं.	स्प. क.	ष्ट. वि.	जम्मू सू.	उ.	सू.	अ.
२८	३८	०१	रवि	६०	००	पूरा	दिन	पू.फा	३२	४०	धृति	३४	१०	बा	२७	१७	कं.रा२/४४	१३	२१	०४	सूर्य पू.भा. में अर्द्धरात्रोपरि ३/५०, चै.कृ. प्रतिपदा. A	१०	१९	०४	०५	६	५९	६	२६
२८	४३	०१	चंद्र	००	१३	०७	०३	उ.फा	३९	५५	शूल	३६	१०	कौ	∞	१३	कन्यायां	१४	२२	०५		१०	२०	०४	१२	६	५८	६	२७
२८	४६	०२	मंग	०६	३०	०९	३३	हस्त	४७	३२	गंड	३८	३०	गर	०६	३०	कन्यायां	१५	२३	०६	सन्त तुकाराम जयंती, भद्रा रात्रि १०/५२ से शुरु	१०	२१	०४	१७	६	५७	६	२७
२८	५२	०३	बुध	१३	०५	१२	१०	चित्रा	५५	१७	वृद्धि	४१	∞	वि	१३	०५	तु.दि३/३०	१६	२४	०७	भद्रा दिवा १२/१० तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत चंद्रोदय B	१०	२२	०४	२०	६	५६	६	२८
२८	५८	०४	वृह	१९	४२	१४	४७	स्वा	पूरा	दिन	ध्रुव	४३	२२	बा	१९	४२	तुलायां	१७	२५	०८	बुधमार्गी १०/१६	१०	२३	०४	२२	६	५४	६	२९
२९	०३	०५	शुक्र	२५	५०	१७	१३	स्वा	०२	५२	व्या	४५	१७	तै	२५	५०	तुलायां	१८	२६	०९	रंग पञ्चमी	१०	२४	०४	२२	६	५३	६	३०
२९	०६	०६	शनि	३१	०७	१९	१९	विशा	०९	४२	हर्ष	४६	२७	व	३१	०७	वृ.प्रा४/०६	१९	२७	१०	भद्रा रात्रि ७/१८ से प्रारंभ	१०	२५	०४	२१	६	५२	६	३०
२९	१२	०७	रवि	३५	०५	२०	५३	अनु	१५	२५	वज्र	४६	३२	वि	०३	१७	वृश्चिके	२०	२८	११	शीतला सप्तमी, भद्रा ८/०९ तक, गण्डमूल प्रा. दिवा १/०१ से	१०	२६	०४	१८	६	५१	६	३१
२९	१८	०८	चंद्र	३७	२५	२१	४७	ज्ये	१९	४०	सिद्धि	४५	२५	बा	०६	३०	ध.दि२/४१	२१	२९	१२	शुक्र मेष में रात्रि ३/४९८, शीतला अष्टमी, C	१०	२७	०४	१३	६	४९	६	३२
२९	२३	०९	मंग	३७	४७	२१	५५	मूला	२२	०७	व्यति	४२	४२	तै	०७	५३	धने	२२	३०	१३	गण्डमूल समाप्त दिवा ३/३९ तक	१०	२८	०४	०७	६	४८	६	३३
२९	२७	१०	बुध	३६	१२	२१	१६	पूषा	२२	३७	बरी	३८	३०	व	०७	१७	म.रा.९/४५	२३	चैत्र	१४	चैत्र संक्रान्ति, सूर्यमीन में अर्द्धरात्रौपरि ३/५८, D	१०	२९	०३	५८	६	४७	६	३३
२९	३३	११	वृह	३२	४२	१९	५०	उ.षा	२१	१५	परि	३२	०५	ब	०४	४५	मकरे	२४	२	१५	पापमोचनी एकादशी व्रत	११	००	०३	४९	६	४५	६	३४
२९	३८	१२	शुक्र	२७	२५	१७	४२	श्रव	१८	०२	शिव	२५	३७	कौ	∞	१८	कुं.रा१/०३	२५	३	१६	प्रदोष व्रत, पञ्चक शुरू रात्रि १/०३	११	०१	०३	३७	६	४४	६	३५
२९	४३	१३	शनि	२०	३७	१४	५८	धनि	१३	०२	सिद्ध	१७	०७	व	२०	३७	कुंभे	२६	४	१७	भद्रा दिवा २/५७ से रात्रि १/२१ तमक	११	०२	०३	२४	६	४३	६	३६
२९	४७	१४	रवि	१२	३७	११	४५	शत	०७	२०	साध्य शुभ	०३ ५७	४१ ३७	श	१२	३७	मी.रा१/३६	२७	५	१८	सूर्य उ.भा में १२/१६, अमावस पितृतर्पणादि, मेला E	११	०३	०३	०९	६	४२	६	३६
२९	५३	३०	चंद्र	०३	३०	०८	१४	पू.भा उ.भा	∞ ५३	३७ २३	शुक्ल	४७	१५	ना	०३	३०	मीने	२८	६	१९	बुध शतभिषा में ८/५९, सोमवती अमावस, ग्रस्तोदय F	११	०४	०२	५२	६	४०	६	३७

अष्टम्यां चंद्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१२ मार्च सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	१०	०७	०९	१०	०७	११	०३	१०	०४
	२७	२५	१६	०२	२४	२८	२५	२२	२२
	०४	११	३७	१०	५१	५२	२९	००	००
	१३	४०	०७	०३	०५	०२	०५	००	००
गति	५९	७६०	४५	२४	०४	७२	०३	०३	०३
गति	५४	४०	५७	०४	०४	१२	५७	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	पू.भा ३	ज्ये ३	श्रवण २	धनि ३	ज्ये ३	रेव ४	आश्ले ३	पू.भा १	पू.फा ३

कुण्डली अष्टमी प्रातः ६/४९

- शु १२
- ११
- मं १०
- १
- सू रा
- ९
- बु बृ
- २
- ८ चं
- ५ के
- ३
- ७
- ४ श
- ६

अमावस्यां चंद्रवासरे प्रातः ५/३० स्पष्टग्रहाः (१९ मार्च सन् २००७ ई०)

ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
	११	११	०९	१०	०७	००	०३	१०	०४
	०४	०२	२१	०६	२५	०७	२५	२१	२१
	०२	२७	५८	३२	१९	२१	०५	३७	३७
	५२	११	०३	०४	००	००	००	०७	०७
गति	५९	८८	४५	५२	०३	७२	०३	०३	०३
गति	४१	०८	५९	०४	०२	१२	५१	११	११
	शी	शी	मा उ	मा उ	मा उ	मा उ	व उ	व अ	व अ
	उ.भा १	पू.भा ४	श्रवण ४	धनि ४	ज्ये ३	अश्वि ३	आश्ले ३	पू.भा १	पू.फा ३

कुण्डली अमावस प्रातः ६/४०

- शु १
- बु रा ११
- १२
- २
- सू चं
- मं
- १०
- ३
- ९
- श ४
- ६
- ८ बृ
- ५ के
- ७

A बसंतोत्सव होलामेला। B रात्रि ९/१२ जम्मू। C गण्डमूल विचार। D भद्रा ९/४१ से रात्रि ९/२१ तक संक्राति पुण्य काल अग्रिम दिन। E पिहोवा तीर्थ (हरि)। F खण्डग्रास सूर्य ग्रहण चैत्र नवरात्र प्रतिपदा तिथि क्षय संवत् २०६४ प्रारंभ।

पर्व त्योहार निर्णय एवं शास्त्र विधान :–

पापमोचिनी एकादशी व्रत– इस एकादशी का व्रत धारण कर लक्ष्मी नारायण की पूजा व रात्रि जागरण कर द्वादशी के दिन ब्राह्मण भोजन के पश्चात् नेवैध ग्रहण करे, यह व्रत जन्मान्तरीय पापों से मुक्त कराकर भगवत्कृपा का पात्र बनाकर विष्णुलोक की प्राप्ति कराने वाला है। **व्यापारिक रुख –** सूर्य पू.भा. में फिर उ.भा. में बुध शतभिषा में, चैत्र संक्रान्ति बुध ता० १४ मार्च को है, सोमवती अमावस १९ मार्च को है फलस्वरूप रेशम, सोना, चान्दी, गेहूँ, चना, उड़द, चावल, ज्वार, तैल, घी, चीनी, गुड़, गुग्गल, पीपलामूलादि के भावों में वृद्धि होगी। वाहनों के भाव मन्दे रहे, व्यापारियो को मान स्टाक करने से लाभ नहीं होगा। मेष, वृष, मिथुन, तुला, वृश्चिक, मकर व मीन राशि वालों के लिए संक्रान्ति शुभफलप्रद रहेगी। सोमावती अमावस होने से सुभिक्ष के संकेत हैं। **पक्षफलम् –** तारिख ३ मार्च को खग्रास चन्द्र ग्रहण तथा तारिख १९ मार्च को खण्डग्रास सूर्य ग्रहण लगना समस्त प्राणियों के लिए शुभसूचक नहीं है। भूकम्प, अग्निकाण्ड, दंगे फसाद तथा महंगाई से जनता दुःखी होगी। **आकाश लक्षणम्–** मौसम अच्छा रहेगा। सोमावती अमावस के आसपास सामान्य वर्षा होने की सम्भावना है।

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा॰स्टै॰ टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063 (मार्च–अप्रैल), सन् 2006 ई॰ (चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से वैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	अप्रैल 06	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र–राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	जम्मू सूर्यास्त घ. मिं.	जम्मू चंद्रोदय घ. मिं.	जम्मू चंद्रास्त घ. मिं.
चैत्र शुक्ल पक्ष	30	1	वृह	12/32	रेव	16-35	ऐन्द्र	18-07	मे.16/35	नव संवत्सर 2063 प्रा. नवरात्र प्रा. पञ्चक समाप्त सायं 4/36 घट स्थापनम्, A	6/26	6/45	6/45	20/03
	31	2	शुक्र	9/39	अशिव	14-34	वैधृ	14-43	मेषे	शुक्र कुंभ में 10/38, मत्स्य जयति	6/24	6/46	7/18	21/14
	अप्रै.	3	शनि	7/17	भरणी	13-05	विष्कुं	11-45	वृ.सा.18/48	गणगौरी तृतीया, शिव पार्वती पूजा, भद्रा सायं 6/25 से अर्द्धरात्रौपरि प्रातः 5/33 तक	6/23	6/46	7/54	22/25
	00	4	शनि	29/33	00	00	00	00	00	चतुर्थीक्षय	00	0/0	00	00
	2	5	रवि	28/33	कृ	12-16	प्रीति	09-19	वृषे	श्री पञ्चमी	6/22	6/47	8/36	23/33
	3	6	चंद्र	28/21	रोहि	12-11	आयु	07-30	मि.रा.12/26	मंगल मिथुन में सायं 4/40, स्कन्द षष्टी	6/20	6/48	9/23	00
	4	7	मंगल	28/57	मृग्	12-54	सोभा शोभन	06 19 29 44	मिथुने	द्विपुष्कर योग	6/19	6/49	10/16	00/37
	5	8	बुध	पूरादिन	आर्द्रा	14-22	अति	29-44	मिथुने	शनिमार्गी सायं 6/26, भद्रा प्रातः 5/00 से सायं 5/32 तक, श्रीदुर्गाष्टमी, मेला वाहू किला B	6/18	6/49	11/13	1/33
	6	8	वृह	6/17	पुन	16-31	सूकर्मा	पूरादिन	क.9/55	श्री राम नवमी, नवरात्र समाप्त, वक्री गुरु (विशा 1 में)	6/16	6/50	12/12	2/20
	7	9	शुक्र	8/13	पुष्य	19-11	सुकर्मा	06-12	कर्के		6/15	6/51	13/12	3/01
	8	10	शनि	10/35	आश्ले	22-10	धृति	07-00	सिं.रा.10/10	भद्रा रात्रि 11/53 से	6/14	6/51	14/10	3/35
	9	11	रवि	13/11	मघा	25-17	शूल	07-59	सिंहे	भद्रा दिवा 1/1 तक, कामदा एकादशी व्रत	6/13	6/52	15/07	4/04
	10	12	चंद्र	15/48	पू.फा	28-21	गण्ड	09-01	सिंहे	प्रदोष व्रत	6/11	6/53	16/03	4/30
	11	13	मंगल	18/15	उ.फा	00	वृद्धि	09-59	कं. 11/05	बुधमीन में सायं 5/05, अनंगत्रयोदशी, महावीर जयन्ती	6/10	6/54	16/57	4/54
	12	14	बुध	20/25	उ.फा	07-12	ध्रुव	10-45	कन्यायां	भद्रा रात्रि 8/25 उ	6/9	6/54	17/53	5/18
	13	15	वृह	22/11	हस्त	9-43	व्या	11-14	तु.रा.10/49	पूर्णिमा व्रत, भद्रा प्रातः 9/21 तक श्री हनुमान जयन्ती वैशाख स्नान प्रारम्भ।	6/8	6/55	18/49	5/42
वैशाख कृष्ण पक्ष	14	01	शुक्र	23-32	चित्रा	11-50	हर्ष	11-25	तुलायां	सूर्य मेष में 6/19 बुध उ.भा. में दिवा 1/54, वैशाख संक्रान्ति पुण्य काल मध्याह्न तक C	6/7	6/56	19/48	6/08
	15	02	शनि	24-24	स्वा.	13-31	वज्र	11-15	तुलायां	मंगल आर्द्रा में 7/56 त्रिपुष्कर योग	6/5	6/56	20/49	6/37
	16	03	रवि	24-48	विशा	14-44	सिद्ध	10-43	वृ. 8/28	भद्रा 12/35 से रात्रि 12/47 तक	6/4	6/57	21/53	7/11
	17	04	चंद्र	24-43	अनु	15-30	व्यती	09-49	वृश्चिके	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय रात्रि 10/54 पर	6/3	6/58	22/57	7/51
	18	05	मंगल	24-12	ज्ये	15-50	वरी	08-33	ध.दि.3/50		6/2	6/59	00	8/40
	19	06	बुध	23-14	मूला	15-42	परिघ शिव	06 56 29 59	धने	भद्रा रात्रि 11/10 से, शुक्र पू.भा. 1 में 6/10	6/1	6/59	00	9/37
	20	07	वृह	21-50	पू.षा	15-10	सिद्धि	26-41	म.रा.	भद्रा दिवा 10/35 तक, सा.सू. वृष में 10/54, ग्रीष्म ऋतु प्रारंभ	5/59	7/00	0/57	10/41
	21	08	शुक्र	20-03	उ.षा	14-13	साध्य	24-04	मकरे	शक वैशाख शुरू	5/58	7/01	1/47	11/50
	22	09	शनि	17-53	श्रव	12-54	शुभ	21-09	कु.रा.12/06	पञ्चक शुरू रात्रि 12/00 बजे	5/57	7/01	2/30	13/01
	23	10	रवि	15-25	धनि	11-15	शुक्ल	18-00	कुंभे	भद्रा प्रातः 4/05 से दिवा 3/25 तक	5/56	7/02	3/07	14/11
	24	11	चंद्र	12-41	शत	09-20	ब्रह्म	14-38	मी.1/46	बुध रेवती में प्रातः 5/00, वरूथिनी एकादशी व्रत	5/55	7/03	3/40	15/21
	25	12	मंगल	09-48	पू.भा उ.भा	07 15 29 05	ऐन्द्र	11-10	मीने	भौम प्रदोष व्रत	5/54	7/04	4/11	16/30
	26	13	बुध	06-51	रेव	26-58	वैधृति विष्कु	07 38 28 09	मे.रा.2/58	भद्रा प्रातः 6/49 से सायं 5/22 तक, पञ्चक समाप्त अर्द्धरात्रौपरि प्रातः 4/58	5/53	7/04	4/41	17/39
	00	14	बुध	27-57	00	00	00	00	00	चतुर्दशी का क्षय	00	00	00	00
	27	30	वृह	25-15	अश्वि	25-02	प्रीति	24-50	मेषे	अमावस, सूर्यभरणी में रात्रि 10/08	5/52	7/05	5/13	18/50

A श्रीदुर्गापूजनम् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, गंडमूल, चंद्रदर्शनम्, स.सि.योग।

B महाकाली मन्दिर जम्मू।

C वैशाखी मेला।

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा०स्टै० टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063 (अप्रैल–मई), सन् 2006 ई० (वैशाख शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	अप्रैल 06	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र–राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	जम्मू सूर्यास्त घ. मिं.	जम्मू चंद्रोदय घ. मिं.	जम्मू चंद्रास्त घ. मिं.
वैशाख शुक्ल पक्ष	28	01	शुक्र	22–53	भरनी	23–26	आयु	21–48	मेषे	शुक्रमीन में 6/43, वैशाख शुक्ल प्रतिपदा	5/51	7/06	5/47	20/01
	29	02	शनि	20–58	कृति	22–18	सौभा	19–07	वृ.प्रा.5/05	शिवजी जयन्ती, चन्द्रदर्शनम्, त्रिपुष्कर योग	5/50	7/07	6/26	21/12
	30	03	रवि	19–39	रोहि	21–45	शोभा	16–56	वृषे	अक्षय तृतीया, वदरी केदार यात्रा शुरू, श्री परशुराम जयंती	5/49	7/07	7/11	22/19
	मई	04	चंद्र	19–03	मृग्	21–55	अति	15–17	मि.प्रा.9/44	भद्रा प्रातः 7/16 से सायं 6/58 तक, शुक्र उ.भा. के 5/59	5/48	7/08	8/03	23/20
	02	05	मंगल	19–12	आर्द्रा	22–50	सुकर्मा	14–15	मिथुने	बुध मेष में 6/22, आद्य गुरु शंकराचार्य जयंती	5/47	7/09	9/00	00
	03	06	बुध	20–07	पुन	24–29	धृति	13–47	क.सा.6/00	श्री रामानुजाचार्य जयंती	5/46	7/09	10/00	00/13
	04	07	वृह	21–43	पुष्य	26–47	शूल	13–57	कर्के	गुरु पुष्य योग, गंगा सप्तमी, भद्रारात्रि 9/39 से	5/45	7/10	11/01	00/57
	05	08	शुक्र	23–52	आश्ले	29–34	गंड	14–32	कर्के	गुरु स्वा. में 5/16 भद्रा 10/44 तक, गण्डमूल	5/44	7/11	12/01	1/34
	06	09	शनि	26–21	मघा	पूरा दिन	वृद्धि	15–25	सिं.प्रा5/34	जानकी नवमी, गण्डमूल	5/43	7/12	12/58	2/05
	07	10	रवि	28–55	मघा	08–38	ध्रुव	16–28	सिंहे	मंगल पुनर्वसु में रात्रि 3/08, बुध अस्त पूर्व में 7/13	5/42	7/12	13/54	2/32
	08	11	चंद्र	पूरा दिन	पू.फा	11–43	व्या	17–28	क.सां6/27	भद्रा सायं 6/08 से	5/41	7/13	14/49	2/57
	09	11	मंगल	07–20	उ.फा	14–36	हर्षण	18–17	कन्यायां	बुध भरणी में 8/22, भद्रा प्रातः 7/20 तक, **मोहिनी एकादशी व्रत।**	5/40	7/14	15/44	3/21
	10	12	बुध	09–23	हस्त	17–06	वज्र	18–47	कन्यायां	**प्रदोष व्रत, स.सि. योग** A शुक्ररेवती में रात्रि 11/46	5/40	7/15	16/40	3/45
	11	13	वृह	10–57	चित्रा	19–06	सिद्धि	18–53	तु.प्रा.6/10	सूर्य कृत्तिका में सायं 4/15, **नृसिंह चतुर्दशी**	5/39	7/15	17/38	4/10
	12	14	शुक्र	11–57	स्वाति	20–33	व्य	18–32	तुलायां	भद्रा 11/57 से रात्रि 12/10 तक, **कूर्म जयंती पूर्णिमा व्रत** रात्रिचन्द्रोदय व्यापिनी, A	5/38	7/16	18/39	4/38
	13	15	शनि	12–22	विशा	21–26	वरी	17–44	वृ.दि.3/15	**बुद्ध जयंती वैशाख पूर्णिमा व्रत, वैशाख स्नान** समाप्त	5/37	7/17	19/43	5/11
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष	14	01	रवि	12–15	अनु	21–48	परि	16–31	वृश्चिके	सूर्य वृष में अर्द्धरात्रौपरि 3/10, **ज्येष्ठ संक्रांति, पुष्यकाल अगले दिन** दोपहर तक।	5/37	7/17	20/48	5/49
	15	02	चंद्र	11–39	ज्ये	21–45	शिव	14–56	ध.रा.9/45	बुध कृत्तिका में साय 6/45, नारद जयंती भद्रा रात्रि 11/09 से	5/36	7/18	21/52	6/36
	16	03	मंगल	10–38	मूला	21–19	सिडि	13–02	धने	भद्रा 10/38 तक, **श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रात्रि 10/52)।**	5/35	7/19	22/52	7/31
	17	04	बुध	09–18	पू.षा	20–35	साध्य	10–53	म.रा.2/22	बुध वृष मे 7/49	5/35	7/20	23/45	8/34
	18	05	वृह	07–41	उ.षा	19–38	शुभ	08–31	मकरे		5/34	7/20	00	9/42
	19	06	शुक्र	05–53	श्रव	18–29	शुक्ल क्षय	05 59 27 19	मकरे	भद्रा 5/53 से 16/54 तक, स.सि. योग	5/33	7/21	00/30	10/52
	00	07	शुक्र	27–54	00	00	00	00	00	सप्तमी का क्षय	5/00	7/00	00	00
	20	08	शनि	25–47	धनि	17–12	ऐन्द्र	24–32	कुं.प्रा5/51	**पञ्चक शुरू प्रातः 5/50 से**	5/33	7/22	1/08	12/02
	21	09	रवि	23–35	शत	15–48	वैधृ	21–40	कुंभे	बुधरोहिणी में रात्रि 9/16, सायन सूर्य मिथुन में 10/02 से	5/32	7/22	1/41	13/10
	22	10	चंद्र	21–18	पू.भा	14–19	विष्कुं	18–45	मी.रा.8/41	भद्रा दिवा 10/27 से रात्रि 9/15 तक, शक ज्येष्ठ शुरू	5/32	7/23	2/12	14/17
	23	11	मंगल	18–59	उ.भा	12–48	प्रीति	15–48	मीने	**अपरा एकादशी व्रत**	5/31	7/24	2/41	15/24
	24	12	बुध	16–43	रेव	11–17	आयु	12–52	मे.11/17	**मंगल कर्क में रात्रि 10/29, शुक्र मेष में दिवा 1/17, प्रदोष व्रत, पञ्चक समाप्त।**	5/31	7/24	3/11	16/32
	25	13	वृह	14–33	अश्वि	09–52	सौभा	10–01	मेषे	सूर्य [illegible] में 12/30, [illegible] 2/30 से रात्रि 1/31 तक	5/30	7/25	3/43	17/41
	26	14	शुक्र	12–35	भर	08–38	शोभन अतिगंड	07 19 28 52	वृ. दि.2/21	**वट सावित्री व्रत (राजस्थान) भावुका अमावस**	5/30	7/26	4/20	18/51
	27	30	शनि	10–57	कृत्ति	07–41	सुकर्मा	26–44	वृषे	**शनैश्चरी अमावस**, बुध मृग में अर्द्धरात्रौपरि 3/21	5/29	7/26	5/02	20/00

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा॰स्टै॰ टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (मई-जून), सन् 2006 ई॰ (ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	मई 06	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र-राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	जम्मू सूर्यास्त घ. मिं.	जम्मू चंद्रोदय घ. मिं.	जम्मू चंद्रास्त घ. मिं.
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष	28	01	रवि	09-45	रोहि	07-10	धृति	25-02	मि.सा7/06	चंद्रदर्शनम्, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष प्रारंभ, द्विपुष्कर योग	5/29	7/27	5/50	21/04
	29	02	चंद्र	09-05	मृग्	07-11	शूल	23-48	मिथुने	रम्भा तीजव्रत, स.सि. योग	5/28	7/28	6/45	22/01
	30	03	मंगल	09-04	आर्द्रा	07-49	गंड	23-07	क.रा2/43	मंगल पुष्य में 11/49, भद्रा 9/24 से, बुध पश्चिम में उदय	5/28	7/28	7/45	22/50
	3.1	04	बुध	09-44	पुन.	09-07	वृद्धि	22-58	कर्के	बुध मिथुन में 11/19, भद्रा 9/44 तक	5/28	7/29	8/47	23/30
	जून	05	वृह	11-05	पुष्य	11-05	ध्रुव	23-19	कर्के	गण्डमूल शुरू 11/05 से, गुरु पुष्य योग, स.सि. योग	5/28	7/29	9/48	00
	02	06	शुक्र	13-01	आश्ले	13-37	व्याघा	24-03	सिं.दि.1/37	वक्री गुरु स्वाति (3) में, रात्रि 12/43 गण्डमूल	5/27	7/30	10/47	00/04
	03	07	शनि	15-22	मघा	16-32	हर्ष	25-03	सिंहे	बुध आर्द्रा में रात्रि 1/05, गण्डमूल, भद्रा दिवा 3/22 से रात्रि 4/38 तक।	5/27	7/30	11/44	00/33
	04	08	रवि	17-53	पू.फा	19-37	वज्र	26-06	कं.रा.2/23	श्री दुर्गाष्टमी मेला क्षीर भवानी (कश्मीर) शुक्र भरणी में रात्रि 11/42	5/27	7/31	12/39	00/59
	05	09	चंद्र	20-20	उ.फा	22-37	सिद्धि	27-02	कन्यायां		5/27	7/32	13/34	1/23
	06	10	मंगल	22-26	हस्त	25-16	व्यति	27-40	कन्यायां	श्री गंगा दशहरा (हरिद्वार)	5/26	7/32	14/29	1/47
	07	11	बुध	24-01	चित्रा	27-23	वरी	27-52	तु.दि.2/23	भद्रा 11/18 से रात्रि 12/05 तक, निर्जला एकादशी व्रत	5/26	7/33	15/26	2/11
	08	12	वृह	24-55	स्वा.	28-51	परिघ	27-32	तुलायां	सूर्य मृगशिरा में 10/18, राहु उ.भा. (1) केतु उ.फा. 3, 10/45	5/26	7/33	16/25	2/38
	09	13	शुक्र	25-07	विशा	पूरा दिन	शिव	26-40	वृ.रा.11/29	प्रदोष व्रत, वट सावित्री व्रत शुरू, दुर्भाग्यनाशक व्रत	5/26	7/33	17/28	3/08
	10	14	शनि	24-39	विशा	05-37	सिद्धि	25-15	वृश्चिके	भद्रा रात्रि 12/43 से शुरू	5/26	7/34	18/33	3/44
	11	15	रवि	23-34	अनु ज्ये	05 44 29 17	साध्य	23-21	वृश्चिके	ज्येष्ठ पूर्णिमा, कबीर जयंती, श्रीसत्यनारायण व्रत, भद्रा दिवा 12/11 तक।	5/26	7/34	19/39	4/28
आषाढ़ कृष्ण पक्ष	12	01	चंद्र	22-00	मूला	28-23	शुभ	21-03	ध.प्रा.5/17	बुध पुनर्वसु में 9/06, आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा	5/26	7/35	20/42	5/21
	13	02	मंगल	20-04	पू.षा	27-09	शुक्ल	18-27	धने		5/26	7/35	21/39	6/23
	14	03	बुध	17-54	उ.षा	25-42	ब्रह्म	15-39	म.प्रा.8/48	भद्रा प्रातः 7/00 से सायं 5/55 तक, श्रीगणेश चतुर्थी व्रत चंद्रोदय रात्रि 10/27	5/26	7/36	22/27	7/31
	15	04	वृह	15-36	श्रवण	24-10	ऐन्द्र	12-44	मकरे	मिथुन संक्रांति, सूर्य मिथुन में 9/45, पुण्य काल सायं तक	5/26	7/36	23/08	8/43
	16	05	शुक्र	13-15	धनि	22-38	वैधृति	09-47	कुं.दि11/23	पञ्चक प्रा. 11/24 से	5/26	7/36	23/43	9/54
	17	06	शनि	10-57	शत	21-09	विष्कु प्रीति	06 51 27 58	कुंभे	भद्रा 10/57 से रात्रि 9/51 तक	5/26	7/37	00	11/03
	18	07	रवि	08-43	पू.भा	19-47	आयु	25-12	मी.दि.2/06	शुक्र वृष में रात्रि 3/28	5/26	7/37	00/15	12/10
	19	08	चंद्र	06-37	उ.भा	18-32	सौभा	22-32	मीने	A वर्षा ऋतु प्रारम्भ, दक्षिणायन शुरू।	5/27	7/37	00/44	13/16
	00	09	चंद्र	28-40	00	00	00	00	00	नवमी तिथि का क्षय	5/00	00	00	00
	20	10	मंगल	26-52	रेव	17-26	शोभा	19-59	मे.सां.5/26	बुध कर्क में सायं 5/35, पञ्चक समाप्त सायं 5/26	5/27	7/37	1/13	14/22
	21	11	बुध	25-14	अश्वि	16-31	अतिगं	17-35	मेषे	मंगल आश्लेषा में 12/33, योगिनी एकादशी व्रत, सायन सूर्य कर्क में सायं 5/55, A	5/27	7/38	1/44	15/29
	22	12	वृह	23-51	भरणी	15-47	सुकर्मा	15-22	वृ.रा.9/38	सूर्य आर्द्रा में 9/2, शक आषाढ़ शुरू	5/27	7/38	2/18	16/38
	23	13	शुक्र	22-43	कृत्ति	15-19	धृति	13-20	वृषे	प्रदोष व्रत, भद्रा रात्रि 10/43 से प्रारंभ	5/27	7/38	2/57	17/46
	24	14	शनि	21-57	रोहि	15-11	शूल	11-34	मि.रा.3/15	बुध पुष्य में दिवा 1/51, भद्रा 10/19 तक	5/28	7/38	3/42	18/51
	25	30	रवि	21-36	मृग्	15-26	गंड	10-07	मिथुने	आषाढ अमावस, स्नानदानादि	5/28	7/38	4/34	19/50

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा०स्टै० टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (जून-जुलाई), सन् 2006 ई० (आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	जून 06	तिथि	वार	समाप्तिं काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र-राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	सूर्यास्त घ. मिं.	चंद्रोदय घ. मिं.	चंद्रास्त घ. मिं.
आषाढ़ शुक्ल पक्ष	26	01	चंद्र	21-46	आर्द्रा	16-10	वृद्धि	09-03	मिथुने	आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा	5/28	7/38	5/32	20/42
	27	02	मंगल	22-29	पुन.	17-26	ध्रुव	08-23	क.दि11/03	चंद्रदर्शनम् रथयात्रापुरी, त्रिपुष्कर योग, शुक्र रोहिणी में दिवा 1/45	5/29	7/38	6/34	21/26
	28	03	बुध	23-47	पुष्य	19-16	व्या	08-11	कर्के	गण्डमूल शुरू सायं 7/16 से	5/29	7/38	7/35	22/02
	29	04	वृह	25-37	आश्ले	21-38	हर्षण	08-25	सिं.रा9/38	गण्डमूल, भद्रा दिवा 12/38 से रात्रि 1/33 तक	5/29	7/38	8/36	22/33
	30	05	शुक्र	27-54	मघा	24-26	वज्र	09-04	सिंहे	गण्डमूल रात्रि 12/26 तक	5/30	7/38	9/34	23/00
	जुला	06	शनि	पूरा दिन	पू.फा	27-31	सिद्धि	10-00	सिंहे	स्कंदषष्ठी कुमार षष्ठी	5/30	7/38	10/30	23/25
	02	06	रवि	06-25	उ.फा	पूरा दिन	व्यती	11-05	कं.दि.10/17	स.सि. योग	5/31	7/38	11/24	23/48
	03	07	चंद्र	08-57	उ.फा	06-37	वरी	12-08	कन्यायां	भद्रा प्रातः 8/57 से रात्रि 10/05 तक, विवस्वत सप्तमी	5/31	7/38	12/19	00
	04	08	मंगल	11-14	हस्त	09-30	परिघ	12-59	तुरा.10/17	शनि आश्लेषा में रात्रि 8/55 बुध वक्री रात्रि 1/03, श्रीदुर्गाष्टमी	5/31	7/38	13/14	00/12
	05	09	बुध	13-01	चित्रा	11-56	शिव	13-26	तुलायां	मेला शरीक भवानी (कश्मीर)	5/32	7/38	14/11	00/38
	06	10	वृह	14-07	स्वा	13-43	सिद्धि	13-22	तुलायां	सूर्य पुनर्वसु में प्रातः 8/51, गुरुमार्गी 12/50, भद्रा रात्रि 2/16 से प्रा.	5/32	7/38	15/12	1/06
	07	11	शुक्र	14-27	विशा	14-14	साध्य	12-41	वृ.प्रा8/32	भद्रा दिवा 2/27 तक, देवशयनी एकादशी व्रत, चतुर्मास्य व्रत शुरू।	5/33	7/38	16/16	1/39
	08	12	शनि	13-59	अनु	14-58	शुभ	11-22	वृश्चिके	शनि प्रदोष व्रत, गण्डमूल शुरू दिवा 2/58 से	5/33	7/38	17/21	2/19
	09	13	रवि	12-46	ज्ये	14-28	शुक्ल	09-26	ध.दि2/28	वक्री बुध पुष्य में 11/23 A 9/53 पर।	5/34	7/37	18/26	3/07
	10	14	चंद्र	10-55	मूला	13-21	ब्रह्म ऐन्द्र	06 59 28 05	धने	भद्रा 10/55 से, पूर्णिमा व्रत रात्रि चन्द्रोदय व्यापिनी, वक्री बुध पश्चिम में अस्त रात्रि A	5/34	7/37	19/27	4/06
	11	15	मंगल	08-33	पू.षा	11-44	वैधृति	24-52	म.सां5/16	गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा, भद्रा प्रातः 7/43 तक	5/35	7/37	20/20	5/13
श्रावण कृष्ण पक्ष	12	01	बुध	05-50	उ.षा	09-47	विष्कु	21-28	मकरे	श्रावण कृष्ण प्रतिपदा	5/36	7/36	21/04	6/25
	00	02	बुध	26-55	00	00	00	00	00	द्वितीया तिथि क्षय B सायं 6/32 से।	5/00	00	00	00
	13	03	वृह	23-57	श्रव धनि	07 40 29 31	प्रीति	17-58	कुं.सा.6/34	मंगल मघा 1 सिंह में 6/03, भद्रा दिवा 1/28 से रात्रि 11/59 तक पञ्चक शुरू B	5/36	7/36	21/43	7/39
	14	04	शुक्र	21-03	शत	27-27	आयु	14-31	कुंभे	शुक्र मिथुन में 7/25, श्रीगणेश चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रात्रि 10/16)।	5/37	7/36	22/16	8/51
	15	05	शनि	18-19	पू.भा	25-37	सौभा	11-10	मी.रा.8/02	बुध पुनर्वसु में रात्रि 9/45	5/37	7/35	22/46	10/01
	16	06	रवि	15-50	उ.भा	24-02	शोभ अति	08 01 29 07	मीने	कर्क संक्रांति, सूर्य कर्क में रात्रि 8/37, स.सि. योग	5/38	7/35	23/16	11/08
	17	07	चंद्र	13-41	रेवती	22-48	सुक	26-29	मेरा.10/48	पञ्चक समाप्त रात्रि 10/48, गण्डमूल	5/38	7/35	23/46	12/15
	18	08	मंगल	11-52	अश्वि	21-55	धृति	24-09	मेषे	गण्डमूल, स.सि. योग	5/39	7/34	00	13/22
	19	09	बुध	10-25	भर	21-24	शूल	22-07	वृ.रा.3/19	भद्रा रात्रि 9/50, शुक्र आर्द्रा में रात्रि 8/27	5/40	7/34	00/19	14/30
	20	10	वृह	09-21	कृत्ती	21-15	गंड	20-23	वृषे	सूर्य पुष्य में 8/28, बुध मिथुन में रात्रि 11/48, भद्रा प्रातः 9/21 तक, शनि अस्त C	5/40	7/33	0/56	15/37
	21	11	शुक्र	08-39	रोहि	21-29	वृद्धि	18-58	वृषे	कामिका एकादशी व्रत C पश्चिम में प्रातः 7/45	5/41	7/33	1/39	16/42
	22	12	शनि	08-21	मृग्	22-07	ध्रुव	17-52	मि.दि.9/44	शनि प्रदोष व्रत, सा. सूर्य सिंह में रात्रि 4/48 पर	5/42	7/32	2/28	17/43
	23	13	रवि	08-28	आर्द्रा	23-10	व्या	17-06	मिथुने	भद्रा प्रातः 8/28 से रात्रि 8/45 तक, शुक्र श्रावण पा.	5/42	7/31	3/23	18/37
	24	14	चंद्र	09-01	पुन.	24-40	हर्ष	16-41	क.सा.6/14	सोमवती अमावस तीर्थ स्नानदानादि दिवा 9/01 के बाद	5/43	7/31	4/23	19/22
	25	30	मंगल	10-02	पुष्य	26-37	वज्र	16-38	कर्के	हरियाली अमावस भौमवासरी	5/44	7/30	5/25	20/01

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा० स्टै० टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (जुलाई–अगस्त), सन् 2006 ई० (श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	जुलाई 06	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र–राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	जम्मू सूर्यास्त घ. मिं.	जम्मू चंद्रोदय घ. मिं.	जम्मू चंद्रास्त घ. मिं.
श्रावण शुक्ल पक्ष	26	01	बुध	11–31	आश्ले	29–00	सिद्धि	16–56	कर्के	श्रावण शुक्ल प्रतिपदा, चन्द्रदर्शनम् बुधोदय पूर्व में रात्रि 8/18, गण्डमूल।	5/44	7/29	6/25	20/33
	27	02	वृह	13–27	मघा	पूरा दिन	व्यती	17–34	सिं.प्रा5/00	गण्डमूल B दर्शन श्री अमरनाथ पवित्र गुफा पञ्चक शुरू रात्रि 4/00 बजे से	5/45	7/29	7/24	21/02
	28	03	शुक्र	15–45	मघा	07–47	वरी	18–29	सिंहे	हरियाली तीज, भद्रा रात्रौपरि प्रातः 5/11 से	5/46	7/28	8/21	21/27
	29	04	शनि	18–18	पू.फा	10–50	परि	19–34	कं.सां5/37	बुधमार्गी प्रातः 6/10, भद्रा सायं 6/18 तक, गणेश चतुर्थी व्रत दूर्वागणपति व्रत।	5/46	7/27	9/16	21/51
	30	05	रवि	20–55	उ.फा	14–01	शिव	20–42	कन्यायां	नाग पञ्चमी, स.सि. योग, शुक्र पुनर्वसु में रात्रि 9/12	5/47	7/27	10/10	22/14
	31	06	चंद्र	23–23	हस्त	17–06	सिद्धि	21–43	कन्यायां	शनि आश्लेषा (2) में सायं 5/00, श्री कलिक जयंती	5/48	7/26	11/05	22/39
	अग	07	मंगल	25–27	चित्रा	19–52	साध्य	22–27	तु.प्रा6/32	तुलसी दास जयंती, द्विपुष्कर योग, भद्रा रात्रि 1/32 से	5/48	7/25	12/00	23/05
	02	08	बुध	26–56	स्वा	22–06	शुभ	22–45	तुलायां	भद्रा दिवा 2/17 तक, श्री दुर्गाष्टमी (मेला चिंतपूर्णी माता चामुण्डादेवी कांगड़ा (हि.प्र.)	5/49	7/24	12/59	23/35
	03	09	वृह	27–40	विशा	23–38	शुक्ल	22–29	वृ.सां.5/18	सूर्य आश्लेषा में 7/16, मंगल पू.फा. में साय 4/15	5/50	7/23	14/00	00
	04	10	शुक्र	27–34	अनु	24–21	ब्रह्म	21–33	वृश्चिके	गण्डमूल शुरू रात्रि 12/21 से A गण्डमूल।	5/50	7/22	15/04	00/11
	05	11	शनि	26–38	ज्ये	24–15	ऐन्द्र	19–58	ध.रा.12/15	बुध कर्क में दिवा 2/45, पवित्रा एकादशी, भद्रा दिवा 3/13 से रात्रि 2/45 तक, A	5/51	7/22	16/08	00/55
	06	12	रवि	24–56	मूला	23–22	वैधृ	17–44	धने	गण्डमूल समाप्त रात्रि 11/22	5/52	7/21	17/10	1/48
	07	13	चंद्र	22–34	पू.षा	21–50	विष्कु	14–55	म.रा.3/21	शुक्र कर्क में रात्रि 2/45, सोम प्रदोष व्रत	5/52	7/20	18/06	2/50
	08	14	मंगल	19–40	उ.षा	19–45	प्रीति	11–38	मकरे	बुध पुष्य में रात्रि 4/44, भद्रा साय 7/42 से	5/53	7/19	18/55	4/01
	09	15	बुध	16–25	श्रव	17–18	आयु सौभा	08 00 28 08	कुं.रा4/00	भद्रा 6/05 तक श्रावण पूर्णिमा, ऋषि तर्पणादि उपाकर्मादि, रक्षाबंधन (रक्खड़ी) B	5/54	7/18	19/37	5/15
भाद्रपद कृष्ण पक्ष	10	01	वृह	12–58	धनि	14–40	शोभ	24–11	कुंभे	भाद्रपद कृष्ण प्रतिपदा राहू पू.भा. मे 4(8/38) शुक्र पुष्य में	5/54	7/17	20/13	6/30
	11	02	शुक्र	09–28	शत	12–00	अतिगं	20–16	मी.प्रा.4/04	कज्जली तीज, भद्रा सायं 7/52 से	5/55	7/16	20/46	7/43
	12	03	शनि	06–06	पू.भा	09–28	सुक	16–30	मीने	भद्रा प्रातः 6/10 तक, श्रीगणेश संकट चतुर्थी व्रत, बहुला चतुर्थी, चंद्रोदय रात्रि 9/16	5/56	7/15	21/16	8/54
	00	04	शनि	26–57	00	00	00	00	00	चतुर्थी तिथि क्षय	00	00	00	00
	13	05	रवि	24–11	उ.भा रेवा	07 12 29 19	धृति	13–00	मीने	स.सि. योग	5/56	7/14	21/47	10/03
	14	06	चंद्र	21–52	अश्वि	27–54	शूल	09–50	मे.प्रा.5/18	पञ्चक समाप्त प्रातः 5/19 सूर्योदय पूर्व, चंदन षष्ठी, भद्रारात्रि 9/48 से।	5/57	7/13	22/20	11/12
	15	07	मंगल	20–04	भर	27–01	गंड वृद्धि	07 03 28 44	मेषे	भद्रा 8/54 तक, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (स्मार्त) शीतला सप्तमी	5/58	7/12	22/56	12/21
	16	08	बुध	18–49	कृति	26–42	ध्रुव	26–51	वृ.प्रा.8/43	भाद्रपद संक्रांति, सूर्य सिंह में अर्दरात्रौपरि प्रातः 5/02 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत C	5/59	7/11	23/37	13/30
	17	09	वृह	18–08	रोहि	26–56	व्या	25–26	वृषे	बुध आश्लेषा में रात्रि 1/45, श्रीगुग्गानवमी, मेल रैणा विरादरी सूञ्जवां (जम्मू)।	5/59	7/10	00	14/36
	18	10	शुक्र	18–02	मृग्	27–43	हर्षण	24–27	मि.दि.3/15	भद्रा 6/05 से सायं 6/1 तक	6/00	7/08	00/24	15/38
	19	11	शनि	18–27	आर्द्रा	29–00	वज्र	23–53	मिथुने	अजा एकादशी व्रत, बुध अस्त 7/43	6/01	7/07	1/18	16/34
	20	12	रवि	19–22	पुन	पूरा दिन	सिद्धि	23–42	क.रा.12/16	वत्स द्वादशी C (वैष्णव) संक्रांति पुण्यकाल अगले दिन दोपहर तक।	6/01	7/06	2/16	17/21
	21	13	चंद्र	20–45	पुन	06–46	व्यती	23–51	कर्के	सोम प्रदोष व्रत, भद्रा रात्रि 8/45 से, शुक्र आश्लेषा में सायं 7/00 बजे, कैलाश यात्रा शुरू।	6/02	7/05	3/17	18/02
	22	14	मंगल	22–33	पुष्य	08–57	वरी	24–19	कर्के	भद्रा 9/36 तक	6/03	7/04	4/18	18/35
	23	30	बुध	24–41	आश्ले	11–29	परि	25–03	सि.दि.11/29	कुशोत्पाटिनी अमावस, शक भाद्रपद प्रा., सायन सूर्य कन्या में 11/53, शरद् ऋतु प्रा.	6/03	7/03	5/17	19/05

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा०स्टै० टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (अगस्त-सितम्बर), सन् 2006 ई० (भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से अश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	अगस्त 06	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र-राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	सूर्यास्त घ. मिं.	चंद्रोदय घ. मिं.	चंद्रास्त घ. मिं.
भाद्रपद शुक्ल पक्ष	24	01	वृह	27-06	मघा	14-20	शिव	25-59	सिंहे	मगल उ.फा. मे साय 6/36, बुध सिंह में रात्रि 12/10, भाद्रपद शुक्ल प्रतिपदा।	6/04	7/01	6/14	19/31
	25	02	शुक्र	29-42	पूफा	17-25	सिद्धि	27-04	कंरा.12/11	शनि पूर्व से उदय 11/34, चन्द्रदर्शनम	6/04	7/00	7/10	19/55
	26	03	शनि	पूरा दिन	उ.फा	20-35	साध्य	28-11	कन्यायां	शनि आश्लेषा (3) में रात्रि 8/14	6/05	6/59	8/04	20/18
	27	03	रवि	08-21	हस्त	23-44	शुभ	29-15	कन्यायां	हरितालिका तीज श्री गौरी तीज, श्री गणेश चतुर्थी व्रत कलङ्क चतुर्थी, चन्द्रदर्शन निषेध A	6/06	6/58	8/58	20/42
	28	04	चंद्र	10-54	चित्रा	26-41	शुक्ल	पूरा दिन	तु.दि.1/14	भद्रा 10/54 तक A भद्रा रात्रि 9/38 से।	6/06	6/57	9/53	21/07
	29	05	मंगल	13-10	स्वा	29-15	शुक्ल	06-08	तुलायां	मंगल कन्या में रात्रि 11/51, ऋषि पञ्चमी	6/07	6/55	10/50	21/36
	30	06	बुध	14-58	विशा	पूरा दिन	ब्रह्म	06-42	वृ.रा.12/50	सूर्य पू.फा. में रात्रि 12/55 सूर्यषष्ठी व्रत, ललिता व्रत	6/08	6/54	11/49	22/08
	31	07	वृह	16-09	विशा	07-17	ऐन्द्र	06-49	वृश्चिके	बुध पू.फा. में साय 5/45, भद्रा दिवा 4/09 से रात्रि 4/22 तक सन्तान सप्तमी व्रत, B	6/08	6/53	12/51	22/47
	सित 01	08	शुक्र	16-35	अनु	08-38	वैधृ विष्क	06 24 29 21	वृश्चिके	शुक्र सिंह में दिवा 2/08, दूर्वाष्टमी, श्रीराधाष्टमी, गण्डमूल शुरू 8/38 से।	6/09	6/51	13/53	23/35
	02	09	शनि	16-13	ज्ये	09-12	प्रीति	27-40	धने 9/11	श्री चन्द्रनवमी, गण्डमूल B मंगल पश्चिम में अस्त, महालक्ष्मी व्रत प्रा.	6/10	6/50	14/55	00
	03	10	रवि	15-03	मूला	08-58	आयु	25-20	धने	गण्डमूल समाप्त 8/58, अगस्तोदय रात्रि 7/23, भद्रा शुरू रात्रि 2/05 से।	6/10	6/49	15/52	00/32
	04	11	चंद्र	13-07	पू.षा	07-59	सौभा	22-26	म.दि.1/37	पद्मा एकादशी व्रत, भद्रा दिवा 1/07 तक, गुरु विशाखा में रात्रि 10/09	6/11	6/48	16/44	1/37
	05	12	मंगल	10-32	उ.षा श्रव	06 18 28 40	शोभा	19-02	मकरे	भौम प्रदोष व्रत, वामन जयन्ती	6/12	6/46	17/28	2/49
	06	13	बुध	07-25	धनि	25-26	अति	15-14	कुं.दि2/48	अनन्त चतुर्दशी, पञ्चक शुरू दिवा 2/48 से, भद्रा रात्रि 3/58 से।	6/12	6/45	18/07	4/03
	00	14	बुध	27-56	00	00	00	00	00	चतुर्दशी क्षय	6/00	00	00	00
	07	15	वृह	24-13	शत	22-33	सुक	11-10	कुंभे	बुध उ.फा. मे रात्रि 7/22, पूर्णिमा व्रत, पौष्ठपदी पूर्णिमा का श्राद्ध, खग्रासचन्द्र ग्रहण।	6/13	6/44	18/41	5/17
आश्विन कृष्ण पक्ष	08	01	शुक्र	20-27	पू.भा	19-36	धृति शूल	06 58 26 47	मी. 2/19	श्राद्धपक्षारम्भ प्रतिपदा का श्राद्ध	6/14	6/42	19/13	6/30
	09	02	शनि	16-48	उ.भा	16-45	गंड	22-42	मीने	बुध कन्या में दिवा 3/46, द्वितीया का श्राद्ध, भद्रा रात्रि 3/06 से	6/14	6/41	19/44	7/41
	10	03	रवि	13-24	रेव	14-10	वृद्धि	18-54	मे.2/10	तृतीया का श्राद्ध, भद्रा दिवा 1/24 तक, पञ्चक समाप्त दिवा 2/10 चतुर्थी का C	6/15	6/40	20/17	8/53
	11	04	चंद्र	10-25	अश्वि	12-00	ध्रुव	15-27	मेषे	पञ्चमी का श्राद्ध 10/25 उ. C श्राद्ध दोपहर 1/24 के बाद।	6/15	6/38	20/53	10/05
	12	05	मंगल	07-58	भर	10-22	व्या	12-28	वृ.दि4/03	षष्ठी का श्राद्ध, शुक्र पू.फा. मे 9/02	6/16	6/37	21/33	11/16
	13	06	बुध	06-10	कृत्ति	09-23	हर्षण	10-01	वृषे	सूर्य उ.फा. में साय 6/53, भद्रा 6/24 से साय 5/40 तक, सप्तमी का श्राद्ध।	6/17	6/36	22/20	12/26
	00	07	बुध	29-03	00	00	00	00	00	सप्तमी तिथि क्षय D संक्रांति भद्रा साय 5/28 से।	00	00	00	00
	14	08	वृह	28-41	रोहि	09-06	वज्र	08-08	मि.रा9/14	मंगल हस्त में 12/23, श्रीमहालक्ष्मी व्रत, जीवित पुत्रि का व्रत अष्टमी का श्राद्ध।	6/17	6/34	23/12	13/31
	15	09	शुक्र	29-02	मृग	09-33	सिद्धि व्यती	06 50 30 07	मिथुने	बुध हस्त में 10/31, नवमी का श्राद्ध, सौभाग्यवतीनां श्राद्ध	6/18	6/33	00	14/30
	16	10	शनि	30-03	आर्द्रा	10-41	वरी	29-53	मिथुने	आश्विन् संक्रान्ति, सूर्य कन्य में अर्द्धरात्रोपरि प्रातः 5/00 दशमी का श्राद्ध, आश्विन D	6/19	6/32	00/10	15/20
	17	11	रवि	पूरा दिन	पुन	12-27	परि	30-05	क.प्रा5/57	बुधोदय 6/35, एकादशी का श्राद्ध, इन्द्रा एकादशी (स्मार्त) भद्रा प्रातः 5/57 तक।	6/19	6/30	1/10	16/03
	18	11	चंद्र	07-38	पुष्य	14-44	शिव	पूरा दिन	कर्के	इन्द्रा एकादशी व्रत (वैष्णव) द्वादशी श्राद्ध, संन्यासियों का श्राद्ध गण्डमूल शुरू E	6/20	6/29	2/11	16/38
	19	12	मंगल	09-40	आश्ले	17-25	शिव	06-39	सिं.सा5/25	गण्डमूल, भौम प्रदोष व्रत, त्रयोदशी का श्राद्ध, स.सि. योग	6/21	6/28	3/11	17/08
	20	13	बुध	12-03	मघा	20-23	सिद्ध	07-29	सिंहे	[illegible] त्रयोदशी श्राद्ध E दिवा 2/44	6/21	6/26	4/08	17/35
	21	14	वृह	14-37	पू.फा	23-30	साध्य	08-28	सिंहे	चतुर्दशी श्राद्ध विषाग्नि दुर्घनादि से मृतकों का श्राद्ध	6/22	6/25	5/04	18/00
	22	30	शुक्र	17-16	उ.फा	26-40	शुभ	09-32	कं.प्रा.6/17	सर्वपितृ श्राद्ध, अमावस शुक्र उ.फा. में रात्रि 2/45	6/22	6/24	5/59	18/23

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा॰स्टै॰ टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (सितंबर–अक्तूबर), सन् 2006 ई॰ (आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से कार्तिक कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	सितम्बर 06	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र–राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	जम्मू सूर्यास्त घ. मिं.	जम्मू चंद्रोदय घ. मिं.	जम्मू चंद्रास्त घ. मिं.
आश्विन शुक्ल पक्ष	23	01	शनि	19–54	हस्त	29–45	शुक्ल	10–36	कन्यायां	बुध चित्रा में सायं 5/55, आश्विन् शुक्ल प्रतिपदा, शरद नवरात्रे प्रा. दुर्गा पूजा, सायन A	6/23	6/22	6/53	18/47
	24	02	रवि	22–22	चित्रा	पूरा दिन	ब्रह्म	11–35	तु.सा.7/13	चन्द्रदर्शनम् A सूर्य तुला में 9/34, घटस्थापनम्।	6/24	6/21	7/48	19/11
	25	03	चंद्र	24–35	चित्रा	08–39	ऐन्द्र	12–25	तुलायां	शुक्र कन्या में रात्रि 7/00 शुक्रास्त 6 अक्तूबर	6/24	6/19	8/44	19/39
	26	04	मंगल	26–26	स्वा	11–16	वैधृ	12–59	तुलायां	भद्रा दिवा 1/27 से रात्रि 2/23 तक	6/25	6/18	9/42	20/09
	27	05	बुध	27–49	विशा	13–30	विष्कुं	13–15	वृ.प्रा.6/58	सूर्य हस्त में 10/19, बुध तुला में रात्रि 4/33	6/26	6/17	10/42	20/46
	28	06	वृह	28–37	अनु	15–13	प्रीति	13–07	वृश्चिके	गण्डमूल प्रा. दिवा 3/13 उपरान्त	6/26	6/15	11/44	21/29
	29	07	शुक्र	28–46	ज्ये	16–21	आयु	12–31	ध.सा.4/20	गण्डमूल, सरस्वती आवाहन पूजन, भद्रा रात्रि 4/51 से	6/27	6/14	12/45	22/21
	30	08	शनि	28–13	मूला	16–49	सौभा	11–23	धने	भद्रा दिवा 4/35 तक, श्री दुर्गाष्टमी, भद्रकाली जयंती, सरस्वती पूजन, महाष्टमी।	6/28	6/13	13/42	23/22
	अक्तू.	09	रवि	26–59	पू.षा	16–35	शोभ	09–42	म.रा.10/25	महानवमी, नवरात्र समाप्त, शुक्र वार्धक्य प्रा. B लाल बहादुर शास्त्री जयंती।	6/28	6/11	14/35	00
	02	10	चंद्र	25–04	उ.षा	15–41	अतिगं सुक	07 27 28 40	मकरे	बुध स्वाति में रात्रि 8/53, सरस्वती विसर्जनम्, विजयादशमी महात्मा गांधी व B	6/29	6/10	15/20	00/28
	03	11	मंगल	12–32	श्रव	14–09	धृति	25–25	कुं.रा.1/09	भद्रा दिवा 11/52 से रात्रि 10/36 तक, पापांकुशा एकादशी व्रत भरत मिलाप पंचक C	6/30	6/09	16/00	1/39
	04	12	बुध	19–31	धनि	12–04	शूल	21–45	कुंभे	मंगल चित्रा में रात्रि 9/00 C प्रा. रात्रि 1/10 से।	6/30	6/08	16/35	2/51
	05	13	वृह	16–06	शत	09–33	गंड	17–47	मी.रा.1/27	प्रदोष व्रत D रात्रि 8/54	6/31	6/06	17/08	4/03
	06	14	शुक्र	12–27	पू.भा उ.भा	06 45 27 49	वृद्धि	13–37	मीने	भद्रा 12/27 से रात्रि 10/36 तक, शरद् पूर्णिमा चन्द्रोदय व्यापिनी शुक्रास्त पूर्वे D	6/32	6/05	17/39	5/14
	07	15	शनि	08–44	रेव	24–56	ध्रुव व्या	09 24 29 16	मे.रा.12/56	पञ्चक समाप्त रात्रि 12/56, शरद् पूर्णिमा, स्नानादानादि वाल्मीकि जयन्ती।	6/33	6/04	18/11	6/26
कार्तिक कृष्ण पक्ष	00	01	शनि	29–06	00	00	00	00	00	प्रतिपदा क्षय	00	00	00	00
	08	02	रवि	25–43	अश्वि	22–17	हर्षण	25–20	मेषे	गण्डमूल विचार	6/33	6/02	18/46	7/39
	09	03	चंद्र	22–44	भर	20–00	वज्र	21–44	वृ.रा.1/30	भद्रा 12/10 से रात्रि 10/40 तक E रात्रि 8/11	6/34	6/01	19/25	8/53
	10	04	मंगल	20–20	कृत्ति	18–17	सिद्धि	18–36	वृषे	सूर्य चित्रा में रात्रि 11/23, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, करवाचौथ कर्कचतुर्थी चंद्रोदय E	6/35	6/00	20/11	10/06
	11	05	बुध	18–38	रोहि	17–14	व्यती	16–02	वृषे		6/35	5/59	21/02	11/17
	12	06	वृह	17–44	मृग्	16–59	वरी	14–05	मि.प्रा5/00	राहु कुंभ, केतु सिंह में प्रातः 6/18, स्कन्दषष्ठी, भद्रा सायं 5/44 से।	6/36	5/57	22/00	12/20
	13	07	शुक्र	17–40	आर्द्रा	17–32	परि	12–48	मिथुने	बुध विशाखा में 7/47, भद्रा समाप्त प्रातः 5/42 सूर्योदय पूर्व	6/37	5/56	23/01	13/15
	14	08	शनि	18–25	पुन	18–53	शिव	12–10	क.दि.12/28	मंगल तुला में रात्रि 9/48, अहोई अष्टमी	6/38	5/55	00	14/01
	15	09	रवि	19–55	पुष्य	20–57	सिद्ध	12–06	कर्के	रवि पुष्य योग, गण्डमूल शुरू रात्रि 8/57	6/38	5/54	00/03	14/39
	16	10	चंद्र	22–00	आश्ले	23–34	साध्य	12–32	सिं.रा.11/34	भद्रा 8/54 से रात्रि 9/56 तक, गण्डमूल	6/39	5/53	1/04	15/11
	17	11	मंगल	24–29	मघा	26–33	शुभ	13–19	सिंहे	कार्तिक संक्रान्ति, सूर्य तुला में दिवा 4/58, रमा एकादशी व्रत।	6/40	5/51	2/02	15/39
	18	12	बुध	27–10	पू.फा	29–43	शुक्ल	14–19	सिंहे	गोवत्स द्वादशी F महाकाली पूजनम्	6/41	5/50	2/58	16/04
	19	13	वृह	29–53	उ.फा	पूरा दिन	ब्रह्म	15–23	कं.दि.12/30	शुक्र तुला में रात्रि 7/35, धन त्रयोदशी, प्रदोष व्रत	6/41	5/49	3/53	16/28
	20	14	शुक्र	पूरा दिन	उ.फा	08–52	ऐन्द्र	16–24	कन्यायां	भद्रा प्रातः 5/54 से सायं 7/11 तक, नरक चतुर्दशी, दीपदान श्री हनुमान जयन्ती, F	6/42	5/48	4/47	16/51
	21	14	शनि	08–27	हस्त	11–53	वैधृ	17–17	तु.रा.1/18	दीपावली, महालक्ष्मी पूजनम्, कुबेर पूजा G अन्नदानादि महत्त्व	6/43	5/47	5/42	17/16
	22	30	रवि	10–45	चित्रा	14–39	विष्कुं	17–56	तुलायां	अमावस 10/15 तक, [illegible] पूजा, [illegible] पूजा, [illegible] अन्नकूट, G	6/44	5/46	6/38	17/42

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा०स्टै० टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (अक्तूबर-नवम्बर), सन् 2006 ई० (कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	अक्तूबर 06	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र-राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	जम्मू सूर्यास्त घ. मिं.	जम्मू चंद्रोदय घ. मिं.	जम्मू चंद्रास्त घ. मिं.
कार्तिक शुक्ल पक्ष	23	01	चंद्र	12-44	स्वा	17-05	प्रीति	18-20	तुलायां	कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा, शक कार्तिक प्रा. सायन सूर्य वृश्चिक में सायं 6/57 A	6/45	5/42	7/36	18/12
	24	02	मंगल	14-20	विशा	19-08	आयु	18-26	वृ.दि.12/39	भाईदूज (टिक्का) यम द्वितीया सूर्य स्वाति में 9/51, मंगल स्वाति में रात्रि 8/09 B	6/45	5/44	8/36	18/47
	25	03	बुध	15-31	अनु	20-48	सौभा	18-13	वृश्चिके	भद्रा रात्रि 3/49 से	6/46	5/43	9/37	19/28
	26	04	वृह	16-15	ज्ये	22-01	शोभ	17-39	ध.रा.10/00	भद्रा सायं 4/15 तक, दूर्वागणपति पूजा व्रतादि B बुध वृश्चिके सायं 6/15	6/47	5/42	10/39	20/17
	27	05	शुक्र	16-30	मूला	22-46	अति	16-43	धने	गुरु वृश्चिक में रात्रि 10/20, ज्ञान पञ्चमी	6/48	5/41	11/37	21/14
	28	06	शनि	16-16	पू.षा	23-01	सुक	15-23	धने	बुध वक्री रात्रि 1/46, सूर्यषष्ठी A हेमन्त ऋतु प्रा.	6/49	5/40	12/30	22/18
	29	07	रवि	15-31	उ.षा	22-46	धृति	13-39	म.प्रा.5/00	भद्रा दिवा 3/31 से रात्रि 2/54 तक	6/49	5/39	13/16	23/25
	30	08	चंद्र	14-14	श्रवण	22-00	शूल	11-30	मकरे	गोपाष्टमी C रात्रि 8/48 से	6/50	5/38	13/57	00
	31	09	मंगल	12-26	धनि	20-44	गंड वृद्धि	08 56 29 58	कुं.दि.9/25	अक्षय नवमी, आरोग्य व्रत, पञ्चक प्रा. 9/24 से	6/51	5/37	14/32	00/34
	नवं	10	बुध	10-09	शत	19-00	ध्रुव	26-39	कुंभे	बुध तुला में रात्रि 10/00, शनि सिंह में प्रातः 7/15, भीष्म पञ्चक प्रा. भद्रा C	6/52	5/36	15/04	1/43
	02	11	वृह	07-26	पू.भा	16-52	व्या	23-02	मी.11/25	भद्रा 7/26 तक, हरिप्रबोधिनी एकादशी व्रत, तुलसी विवाह, चतुर्मास्य नियम समाप्त	6/53	5/35	15/35	2/52
	00	12	वृह	28-23	00	00	00	00	00	द्वादशी क्षय	00	00	00	00
	03	13	शुक्र	25-07	उ.भा	14-27	हर्षण	19-12	मीने	प्रदोष व्रत, वक्री बुध पश्चिम में अस्त दिवा 1/15 D कार्तिक स्नान समाप्त	6/54	5/34	16/06	4/02
	04	14	शनि	21-46	रेव	11-53	वज्र	15-17	मे.11/52	वैकुण्ठ चतुर्दशी, पञ्चक समाप्त 11/53, भद्रा रात्रि 9/45 से	6/55	5/33	16/39	5/12
	05	15	रवि	18-29	अश्वि	09-19	सिद्धि	11-22	मेषे	भद्रा 8/07 तक, कार्तिक पूर्णिमा व्रत, गुरु नानक देव जयन्ती भीष्म पञ्चक समाप्त, D	6/55	5/32	17/16	6/25
मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष	06	01	चंद्र	15-27	भर कृति	06 54 28 50	व्यति वरी	07 36 28 07	वृ.12/20	सूर्य विशाखा में सायं 6/01, मा. कृ. प्रतिपदा	6/56	5/32	17/58	7/39
	07	02	मंगल	12-49	रोहि	27-16	परि	25-03	वृषे	भद्रा रात्रि 11/48 से, गुरु अस्त पश्चिम में रात्रि 3/40	6/57	5/31	18/48	8/53
	08	03	बुध	10-46	मृग्	26-22	शिव	22-30	मि.दि.2/43	भद्रा 10/46 तक श्रीगणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 7/45 A	6/58	5/30	19/45	10/02
	09	04	वृह	09-25	आर्द्रा	26-14	सिद्ध	20-34	मिथुने	गुरु अस्त 7 नवंबर	6/59	5/29	20/46	11/03
	10	05	शुक्र	08-54	पुन	26-57	साध्य	19-18	क.रा.8/41	बुध स्वा. में रात्रि 11/27	7/00	5/29	21/50	11/54
	11	06	शनि	09-14	पुष्य	28-28	शुभ	18-42	कर्के	गुरु अनु. में रात्रि 5/00, भद्रा 9/14 से रात्रि 9/49 तक	7/01	5/28	22/53	12/36
	12	07	रवि	10-25	आश्ले	30-42	शुक्ल	18-43	कर्के	शुक्र वृश्चिक में सायं 5/55, भैरवाष्टमी	7/02	5/27	23/53	13/11
	13	08	चंद्र	12-18	मघा	पूरा दिन	ब्रह्म	19-13	सिं.प्रा.6/42	मंगल विशाख में 9/46	7/03	5/27	00	13/41
	14	09	मंगल	14-44	मघा	09-30	ऐन्द्र	20-04	सिंहे	श्री नेहरू जयंति (बाल दिवस) बुधोदयः पूर्वे दिवा 2/32 भद्रा रात्रि 4/05 से।	7/03	5/26	00/51	14/07
	15	10	बुध	17-26	पूफा	12-37	वैधृ	21-06	कं.सा.7/25	भद्रा सायं 5/26 तक	7/04	5/26	1/46	14/31
	16	11	वृह	20-10	उ.फा	15-48	विष्कुं	22-07	कन्यायां	मार्गशीर्ष संक्रान्ति, सूर्य वृश्चिक में सायं 4/45, उत्पन्ना एकादशी व्रत।	7/05	5/25	2/40	14/55
	17	12	शुक्र	22-43	हस्त	18-49	प्रीति	22-58	कन्यायां		7/06	5/24	3/34	15/19
	18	13	शाने	24-53	चित्रा	21-31	आयु	23-33	तु.प्रा.8/13	बुधमार्गी 5/55 प्रातः शनि प्रदोष व्रत, भद्रा रात्रि 12/56 से	7/07	5/24	4/30	15/4
	19	14	रवि	26-36	स्वा	23-47	सोभा	23-48	तुलायां	सूर्य अनुराधा में रात्रि 12/04, भद्रा दिवा 1/48	7/08	5/23	5/27	16/13
	20	30	चंद्र	27-49	विशा	25-34	शोभ	23-40	वृ.सा.7/10	सोमवती अमावस, स्नानदानादि	7/09	5/23	6/27	16/47

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा०स्टै० टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (नवम्बर–दिसम्बर), सन् 2006 ई० (मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	नवम्बर 06	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र–राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	जम्मू सूर्यास्त घ. मिं.	जम्मू चंद्रोदय घ. मिं.	जम्मू चंद्रास्त घ. मिं.
मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष	21	01	मंगल	28–33	अनु	26–54	अति	23–09	वृश्चिके	मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा, गण्डमूल शुरू रात्रि 2/54	7/10	5/23	7/29	17/27
	22	02	बुध	28–50	ज्ये	27–47	सुक	22–17	ध.रा3/47	चंद्रदर्शनम्, शक मार्गशीर्ष प्रा. सा. सू. धनु में सायं 4/32	7/11	5/22	8/31	18/14
	23	03	वृह	28–43	मूला	28–16	धृति	21–06	धने	गण्डमूल समाप्त रात्रि 4/16 C अखण्ड द्वादशी अनङ्ग त्रयोदशी	7/12	5/22	9/31	19/09
	24	04	शुक्र	28–14	पू.षा	28–24	शूल	19–38	धने	भद्रा दिवा 4/31 से रात्रि 4/16 तक	7/12	5/22	10/26	20/12
	25	05	शनि	27–25	उ.षा	28–13	गंड	17–53	म. 10/23	शुक्र ज्येष्ठा में रात्रि 12/33 A भद्रा रात्रि 12/55 से	7/13	5/21	11/15	21/18
	26	06	रवि	26–17	श्रव	27–43	वृद्धि	15–53	मकरे	बुध विशाखा में 7/28, चम्पाषष्ठी स्कन्द षष्ठी, गुरु अनुराधा में रात्रि 4/17	7/14	5/21	11/57	22/26
	27	07	चंद्र	24–50	धनि	26–55	ध्रुव	13–39	कुं.दि3/22	पञ्चक शुरू दिवा 3/21, मंगल वृश्चिक में रात्रि 7/44 मित्र सप्तमी, A	7/15	5/21	12/33	23/33
	28	08	मंगल	23–05	शत	25–50	व्या	11–09	कुंभे	भद्रा 12/03 तक, श्री दुर्गाष्टमी	7/16	5/21	13/05	00
	29	09	बुध	21–03	पू.भा	24–26	हर्षण वज्र	00 26 29 28	मी.सा6/48	गुरु उदय 3 दिसम्बर शुक्रोदयः 30 नवम्बर	7/17	5/20	13/35	00/40
	30	10	वृह	18–45	उ.भा	22–48	सिद्धि	26–18	मीने	शुक्रोदयः पश्चिम 5/34 B पञ्चक समाप्त रात्रि 8/57	7/18	5/20	14/05	1/47
	दिसं	11	शुक्र	16–13	रेव	20–57	व्यति	22–59	मे.रा.8/57	भद्रा सूर्योदय पूर्व 5/29 से सायं 4/13 तक, मोक्षदा एकादशी, गीता जयन्ती, B	7/19	5/20	14/35	2/54
	02	12	शनि	16–33	अश्वि	18–59	वरी	19–35	मेषे	सूर्य ज्येष्ठा में अर्द्धरात्रोपरि 4/20, मंगल अनु. में दिन के 1/46 शनि प्रदोष व्रत, C	7/19	5/20	15/09	4/04
	03	13	रवि	10–52	भर	17–01	परि	16–11	वृ.रा.10/32	शुक्र वाल्यत्व समाप्त, गुरु उदय पूर्व में रात्रि 1/02	7/20	5/20	15/48	5/15
	04	14	चंद्र	08–17	कृति	15–12	शिव	12–54	वृषे	बुध वृश्चिक में प्रातः 6/40, दत्तात्रय जयंती, पूर्णिमा व्रत भद्रा प्रातः 8/17 से D	7/21	5/20	16/34	6/28
	00	15	चंद्र	29–56	00	00	00	00	00	पूर्णिमा तिथि क्षय D सायं 7/7 तक	00	00	00	00
पौष कृष्ण पक्ष	05	01	मंगल	28–00	रोहि	13–40	सिद्धि	09–50	मि.रा/04	पौष कृष्ण प्रतिपदा	7/22	5/20	17/27	7/39
	06	02	बुध	26–37	मृग्	12–36	साध्य शुभ	07 07 28 51	मिथुने	बुध अनु में दिवा 2/44 शुक्र धनु में सायं 3/27, शनि वक्री 9/37 गुरु वाल्यत्व समाप्त	7/23	5/20	18/28	8/45
	07	03	वृह	25–55	आर्द्रा	12–07	शुक्ल	27–08	मिथुने	भद्रा दिवा 2/10 से रात्रि 1/49 तक	7/23	5/20	19/32	9/41
	08	04	शुक्र	26–00	पुन	12–21	ब्रह्म	26–01	क.प्रा.6/13	श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, चंद्रोदय रात्रि 8/37 पर	7/24	5/20	20/37	10/29
	09	05	शनि	26–53	पुष्य	13–21	ऐन्द्र	25–31	कर्के	गण्डमूल दिवा 1/21 से	7/25	5/21	21/40	11/07
	10	06	रवि	28–31	आश्ले	15–07	वैधृ	25–36	सिं.दि.3/07	गण्डमूल, भद्रा रात्रि 4/27 से	7/26	5/21	22/39	11/40
	11	07	चंद्र	30–46	मघा	17–33	विष्कुं	26–09	सिंहे	गण्डमूल समाप्त सायं 5/33, भद्रा समाप्त सायं 5/35	7/26	5/21	23/36	12/08
	12	08	मंगल	पूरा दिन	पू.फा	20–27	प्रीति	27–01	कं.रा.3/12	रुक्मणि अष्टमी	7/27	5/21	00	12/33
	13	08	बुध	09–24	उ.फा	23–34	आयु	28–00	कन्यायां		7/28	5/21	00/31	12/57
	14	09	वृह	12–08	हस्त	26–40	सौभा	28–55	कन्यायां	बुध पूर्व में अस्त सायं 4/26, भद्रा रात्रि 1/26 से	7/29	5/22	1/25	13/20
	15	10	शुक्र	14–42	चित्रा	29–28	शोभ	29–36	तु.दि4/06	बुध ज्येष्ठा में दिवा 1/15, भद्रा दिवा 2/42 तक	7/29	5/22	2/20	13/45
	16	11	शनि	16–51	स्वा	पूरा दिन	अतिगं	29–54	तुलायां	सूर्य धनु में 7/23 पौष संक्रांति, सफल एकादशी व्रत मंगल पूर्व में उदय	7/30	5/22	3/16	14/13
	17	12	रवि	18–27	स्वा	07–47	सुक	29–45	वृ.रा.3/08		7/30	5/23	4/15	14/44
	18	13	चंद्र	19–26	विशा	09–31	धृति	29–07	वृश्चिके	सोमप्रदोष व्रत, भद्रा सायं 7/19 से शुरू	7/31	5/23	5/16	15/22
	19	14	मंगल	19–46	अनु	10–39	शूल	28–01	वृश्चिके	भद्रा प्रातः 7/40 तक, गण्डमूल शुरू 10/39 से	7/32	5/24	6/19	16/06
	20	30	बृध	19–32	ज्ये	11–12	गंड	26–29	धने 11/11	गण्डमूल विचार, पौष अमावस, स्नानदानादि	7/32	5/24	7/21	17/00

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा०स्टै० टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (दिसम्बर–जनवरी), सन् 2006–07 ई० (पौष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	दिसम्बर 06	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र–राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	जम्मू सूर्यास्त घ. मिं.	जम्मू चंद्रोदय घ. मिं.	जम्मू चंद्रास्त घ. मिं.
पौष शुक्ल पक्ष	21	01	गुरू	18–49	मूला	11–15	वृद्धि	24–36	धने	मंगल ज्येष्ठा में 9/11, पौष शुक्ल प्रतिपदा	7/33	5/24	8/19	18/01
	22	02	शुक्र	17–43	पू.षा	10–53	ध्रुव	22–26	म.दि4/44	सायन सूर्य मकर में 5/52 शिशर ऋतु प्रारम्भ	7/33	5/25	9/11	19/08
	23	03	शनि	16–20	उ.षा	10–13	व्या	20–03	मकरे	बुध धनु में अर्द्धरात्रोपरि 5/24, भद्रा रात्रि 3/32 से	7/34	5/25	9/56	20/17
	24	04	रवि	14–44	श्रव	09–20	हर्षण	17–32	कुं.रा8/49	भद्रा दिवा 2/44 तक, पञ्चक प्रा. रात्रि 8/50	7/34	5/26	10/34	21/26
	25	05	चन्द्र	13–00	धनि शत	01 47 58 57	वज्र	14–54	कुंभे	क्रिसमिस डे	7/35	5/27	11/07	22/33
	26	06	मंगल	11–11	पू.भा	29–57	सिद्धि	12–11	मी.रा12/15		7/35	5/27	11/38	23/40
	27	07	बुध	09–17	उ.भा	28–41	व्यति वरी	04 37 57 35	मीने	भद्रा 9/17 से रात्रि 8/19 तक	7/35	5/28	12/07	00
	28	08	बुध	31–42	00	00	00	00	00	अष्टमी तिथि क्षय	7/36	5/28	12/37	00/46
	00	09	वृह	29–19	रेव	27–22	परि	27–47	मे.रा3/22	पञ्चक समाप्त रात्रि 3/2, गण्डमूल	00	00	00	00
	29	10	शुक्र	27–20	अश्वि	26–03	शिव	24–56	मेषे	सूर्य पू.षा. में 9/32, गण्डमूल रात्रि 2/03 तक	7/36	5/29	13/08	1/52
	30	11	शनि	25–22	भर	24–45	सिद्ध	22–06	मेषे	शुक्र मकर में दिवा 1/15, पुत्रदा एकादशी व्रत, भद्रा 2/21 से रात्रि 1/21 तक।	7/36	5/30	13/44	3/01
	31	12	रवि	23–30	कृत्ति	23–33	साध्य	19–20	वृ.प्रा6/26	2006 अंग्रेज़ी वर्ष पूर्ण	7/37	5/31	14/26	4/11
	जन.	13	चंद्र	21–50	रोहि	22–33	शुभ	14–43	वृषे	बुध पूषा में सायं 5/15, जनवरी सन् 2007 ई० प्रा.	7/37	5/31	15/15	5/21
	02	14	मंगल	20–27	मृग	21–50	शुक्ल	16–19	मि 10/08	शाकम्भरी जयन्ती, भद्रा रात्रि 8/23 से	7/37	5/32	16/11	6/28
	03	15	बुध	19–29	आर्द्रा	21–32	ब्रह्म	12–13	मिथुने	पौष पूर्णिमा, भद्रा 7/54 तक, माघ स्नान प्रारम्भ	7/37	5/33	17/14	7/28
माघ कृष्ण पक्ष	04	01	वृह	19–02	पुन	21–45	ऐन्द्र	10–30	क.दि3/38	माघ कृष्ण प्रतिपदा	7/37	5/34	18/19	8/19
	05	02	शुक्र	19–13	पुष्य	22–35	वैधृ	09–14	कर्के	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (ना.शा.)	7/37	5/34	19/23	9/02
	06	03	शनि	20–04	आश्ले	24–03	विष्कुं	08–29	सिं.रा.12/03	श्रीगणेश चतुर्थी संकट चतुर्थी, चन्द्रोदय रात्रि 8/25 जम्मू भद्रा 7/46 से रा. 7/55 तक	7/38	5/35	20/25	9/37
	07	04	रवि	21–35	मघा	26–10	प्रीति	08–14	सिंहे	पार्वती चतुर्थी, शुक्र श्रवण में दिवा 12/50	7/38	5/36	21/24	10/07
	08	05	चंद्र	23–42	पू.फा	28–48	आयु	08–29	सिंहे	मंगल धनु में रात्रि 8/09	7/38	5/37	22/20	10/33
	09	06	मंगल	26–13	उ.फा	पूरा दिन	सौभा	09–07	कं.11/31	बुध उ.षा में रात्रि 11/30, भद्रा रात्रि 2/29 से	7/38	5/38	23/15	10/58
	10	07	बुध	28–56	उ.फा	07–48	शोभ	10–00	कन्यायां	शनि आश्लेषा में सायं 6/10, भद्रा दिवा 3/55 तक	7/38	5/38	00	11/21
	11	08	वृह	पूरा दिन	हस्त	10–55	अतिगं	10–58	तु.रा.12/25	सूर्य उ.षा. में 11/35, बुध मकर में रात्रि 12/00	7/38	5/39	00/09	11/46
	12	08	शुक्र	07–33	चित्रा	13–54	सुक	11–49	तुलायां		7/38	5/40	1/05	12/12
	13	09	शनि	09–49	स्वा	16–29	धृति	12–23	तुलायां	गुरु ज्ये. में 9/59, लोहड़ी पर्व (पंजाब, हरियाणा, जम्मू–कश्मीर) भद्रा रात्रि 10/40 से	7/37	5/41	2/02	12/41
	14	10	रवि	11–31	विशा	18–30	शूल	12–30	वृ.रा2/02	मकर संक्रान्ति, सूर्य मकर में सायं 6/06, भद्रा 11/31 तक।	7/37	5/42	3/01	13/15
	15	11	चंद्र	12–31	अनु	19–49	गंड	12–06	वृश्चिके	षट्तिला एकादशी व्रत, उत्तरायण प्रारम्भ, गण्डमूल प्रारम्भ रात्रि 7/49 से।	7/37	5/43	4/03	13/56
	16	12	मंगल	12–46	ज्ये	20–25	वृद्धि	11–08	ध.रा.8/25	भौम प्रदोष व्रत, तिला द्वादशी गण्डमूल	7/37	5/44	5/05	14/46
	17	13	बुध	12–17	मूला	20–20	ध्रुव व्या	9 35 31 32	[illegible]	[illegible] गण्डमूल समाप्त रात्रि 8/20	7/37	5/45	6/05	15/44
	18	14	वृह	11–10	पू.षा	19–39	हर्ष	29–03	म.रा.1/24	अमावस, स्नानदानादि पितरों के लिए	7/36	5/46	7/01	16/50
	19	30	शुक्र	09–32	उ.षा	18–31	वज्र	26–15	मकरे	मौनी अमावस, देवताओं के लिए स्नानदानादि अर्द्धकुम्भी पर्व (प्रयाग राज)।	7/36	5/47	7/49	18/00

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा०स्टै० टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (जनवरी–फरवरी), सन् 2007 ई० (माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से फाल्गुन कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	जनवरी 07	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र–राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	सूर्यास्त घ. मिं.	चंद्रोदय घ. मिं.	चंद्रास्त घ. मिं.
माघ शुक्ल पक्ष	20	01	शनि	07–30	श्रव	17–02	सिद्धि	23–12	मकरे	माघ शुक्ल प्रतिपदा, पञ्चक शुरू रात्रि 4/13, सा.सू. कुंभ में दिवा 4/31	7/36	5/48	8/31	19/12
	00	02	शनि	29–12	00	00	00	00	00	द्वितीय क्षय	00	00	00	00
	21	03	रवि	26–45	धनि	15–21	व्यति	20–00	कुं.प्रा4/12	शाक माघ आरम्भ, गौरी तृतीया A सुभाष चंद्र बोस जयंती	7/35	5/48	9/07	20/22
	22	04	चंद्र	24–17	शत	13–35	वरी	16–46	कुंभे	भद्रा दिवा 1/31 से रात्रि 12/17 तक, श्रीगणेश तिल चतुर्थी	7/35	5/49	9/39	21/30
	23	05	मंगल	21–53	पूभा	11–51	परि	13–34	मी.प्रा.6/16	शुक्र कुंभ में दिवा 12/43, बसन्त पञ्चमी, श्री पञ्चमी सरस्वती जयंती, नेताजी A	7/35	5/50	10/09	22/38
	24	06	बुध	19–37	उ.भा	10–12	शिव सिद्ध	10 26 31 26	मीने	सूर्य श्रवण में दिवा 1/48 B सप्तमी, आरोग्य सप्तमी	7/34	5/51	10/39	23/45
	25	07	वृह	17–31	रेव अश्वि	08 43 31 25	साध्य	28–36	मे.प्रा8/42	बुध धनिष्ठा में सायं 6/35, पञ्चक समाप्त 8/42 रथ सप्तमी, पुत्र सप्तमी, अचला B	7/34	5/52	11/10	00
	26	08	शुक्र	15–38	भर	30–22	शुभ	25–58	मेषे	मंगल पू.षा. में रात्रि 11/35, गणतन्त्र दिवस, बुधोदय पश्चिम से रात्रि 12/45, भीमाष्टमी	7/33	5/53	11/44	00/53
	27	09	शनि	14–00	कृत्ति	29–35	शुक्ल	23–32	वृ.दि.12/09		7/33	5/54	12/24	2/03
	28	10	रवि	12–39	रोहि	29–05	ब्रह्म	21–19	वृषे	लाला लाजपतराय जयंती, भद्रा रात्रि 12/07 से	7/32	5/55	13/09	3/12
	29	11	चंद्र	11–35	मृग्	28–54	ऐन्द्र	19–22	मि.दि.4/56	बुध कुंभ में सायं 6/13, भद्रा 11/35 तक, जया एकादशी व्रत भीष्म द्वादशी।	7/32	5/56	14/02	4/19
	30	12	मंगल	10–53	आर्द्रा	29–06	वैधृ	17–41	मिथुने	भौम प्रदोष व्रत, शहीदी दिवस महात्मा गांधी	7/31	5/57	15/02	5/20
	31	13	बुध	10–33	पुन	29–42	विष्कुं	16–19	क.रा.11/30	C शुरू प्रातः 6/46 से।	7/30	5/58	16/05	6/13
	फर	14	वृह	10–40	पुष्य	30–46	प्रीति	15–18	कर्के	भद्रा 10/40 से रात्रि 10/58 तक, व्रत पूर्णिमा (चंद्रोदय व्यापिनी, गुरु पुष्य योग)।	7/30	5/59	17/09	6/58
	02	15	शुक्र	11–17	आश्ले	पूरा दिन	आयु	14–40	कर्के	बुध शतभिषा में रात्रि 1/08, माघ पूर्णिमा व्रत, गुरु रविदास जयन्ती, गण्डमूल C	7/29	6/00	18/12	7/35
फाल्गुन कृष्ण पक्ष	03	01	शनि	12–24	आश्ले	08–20	सौभा	14–26	सिं.रा8/20	फा. कृ. प्रतिपदा	7/28	6/01	19/12	8/07
	04	02	रवि	14–02	मघा	10–23	शोभ	14–35	सिंहे	भद्रा रात्रि 3/05 से शुरू	7/28	6/02	20/09	8/34
	05	03	चंद्र	16–08	पूफा	12–54	अति	15–05	कं.रा.7/34	भद्रा दिवा 4/08 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चंद्रोदय रात्रि 9/05 जम्मू)।	7/27	6/03	21/05	8/59
	06	04	मंगल	18–37	अ.फा	15–46	सुक	15–52	कन्यायां	सूर्य धनिष्ठा में सायं 5/02	7/26	6/04	22/00	9/23
	07	05	बुध	21–17	हस्त	18–51	धृति	16–48	कन्यायां		7/25	6/04	22/54	9/47
	08	06	वृह	23–56	चित्रा	21–56	शूल	17–45	तु.प्रा.8/23	भद्रा रात्रि 11/59 से प्रारंभ	7/24	6/05	23/50	10/12
	09	07	शुक्र	26–20	स्वा	24–48	गंड	18–34	तुलायां	भद्रा दिवा 1/11 तक	7/24	6/06	00	10/40
	10	08	शनि	28–16	विशा	27–14	बृद्धि	19–05	वृ.रा8/40	सीता जयन्ती	7/23	6/07	00/48	11/11
	11	09	रवि	29–32	अनु	29–02	ध्रुव	19–09	वृश्चिके		7/22	6/08	1/48	11/49
	12	10	चंद्र	30–02	ज्ये	30–07	व्या	18–39	वृश्चिके	फाल्गुन संक्रांति, पुण्यकाल अग्रिम दिन	7/21	6/09	2/49	12/33
	13	11	मंगल	29–44	मूला	30–24	हर्षण	17–33	ध.प्रा6/06	विजया एकादशी, प्रातः सूर्य कुंभ में 7/05, मंगल उ.षा. में रात्रि 8/38	7/20	6/10	3/49	13/27
	14	12	बुध	28–39	पू.षा	29–57	वज्र	15–49	धने	बुध वक्री 10/08, राहु पू.भा. केतु पू.फा. 3 रात्रि 1/38	7/19	6/11	4/46	14/28
	15	13	वृह	26–53	उ.षा	28–49	सिद्धि	13–31	म.11/42	प्रदोष व्रत, भद्रा रात्रि 2/55 से प्रारंभ D दिवा 1/45 तक	7/18	6/12	5/38	15/36
	16	14	शुक्र	24–32	श्रव	27–08	व्यति	10–41	मकरे	शुक्र मीन में सायं 4/20, महाशिवरात्रि व्रत, बुधास्त पश्चिमे रात्रि 2/10 भद्रा D	7/17	6/13	6/23	16/48
	17	30	शनि	21–46	धनि	25–02	वरी परिघ	07 26 27 53	कुं.दि.2/06	शनिवासरी अमावस्या, पञ्चक शुरू दिवा 2/07	7/16	6/13	7/02	18/00

तिथ्यादि पञ्चाङ्ग (भा०स्टै० टाईम)

श्री विक्रमी संवत् 2063, (फरवरी–मार्च), सन् 2007 ई० (फाल्गुन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से चैत्र कृष्ण पक्ष अमावस्या तक)

मास पक्ष	फरवरी 07	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. मि.	योग	समाप्ति काल घ. मि.	चंद्र–राशि प्रवेश घ. मि.	पंचक, भद्रा, ग्रहों का राशि प्रवेश घण्टा मिनटों में (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम)	जम्मू सूर्योदय घ. मिं.	जम्मू सूर्यास्त घ. मिं.	जम्मू चंद्रोदय घ. मिं.	जम्मू चंद्रास्त घ. मिं.
फाल्गुन शुक्ल पक्ष	18	01	रवि	18–42	शत	22–41	शिव	24–08	कुंभे	मंगल मकर में प्रातः 7/00, फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा	7/15	6/14	7/36	19/11
	19	02	चंद्र	15–31	पू.भा	20–14	सिद्ध	20–18	मी.दि2/50	सूर्य शतभिषा में रात्रि 9/29, चंद्रदर्शनम् श्रीराम कृष्ण परम हंस जयंती, सा.सू. A	7/14	6/15	8/08	20/21
	20	03	मंगल	12–21	उ.भा	17–50	साध्य	16–31	मीने	भद्रा रात्रि 10/51 से प्रारंभ	7/13	6/16	8/39	21/31
	21	04	बुध	09–20	रेव	15–36	शुभ	12–53	मे.दि3/36	भद्रा 9/20 तक, पञ्चक समाप्त दिवा 3/36	7/12	6/17	9/10	22/42
	00	05	बुध	30–35	00	00	00	00	00	पञ्चमी क्षय	00	00	00	00
	22	06	वृह	28–11	अश्वि	13–41	शुक्ल ब्रह्म	09 29 / 30 22	मेषे	गण्डमूलविचार — A मीन में प्रातः 6/39 बसंत ऋतु प्रा.	7/11	6/18	9/44	23/53
	23	07	शुक्र	26–15	भर	12–09	ऐन्द्र	27–38	वृ.सा5/49	वक्री शनि आश्लेषा में दिवा 4/55, भद्रा रात्रि 2/10 से	7/10	6/19	10/23	00
	24	08	शनि	24–47	कृत्ति	11–04	वैधृ	25–18	वृषे	भद्रा दिवा 1/27 तक, होलाष्टक शुरू	7/09	6/19	11/07	1/04
	25	09	रवि	23–52	रोहि	10–30	विष्कुं	23–22	मि.रा10/23	B होलाष्टक समाप्त खग्रास चंद्र ग्रहण।	7/08	6/20	11/58	2/12
	26	10	चंद्र	23–28	मृग्	10–26	प्रीति	21–52	मिथुने	बुध धनिष्ठा में सायं 5/37	7/06	6/21	12/55	3/15
	27	11	मंगल	23–36	आर्द्रा	10–54	आयु	20–47	मिथुने	भद्रा 11/28 रात्रि 11/32 तक, आमल की एकादशी व्रत	7/05	6/22	13/57	4/10
	28	12	बुध	24–14	पुन	11–52	सौभा	20–05	क.प्रा.5/34	गोविन्द द्वादशी	7/04	6/23	15/01	4/57
	मार्च	13	वृह	25–20	पुष्य	13–19	शोभ	19–45	कर्के	प्रदोष व्रत, बुधोदयः पूर्वे 13/05, गुरु पुष्य योग गण्डमूल शुरू दिवा 1/19 से	7/03	6/23	16/03	5/36
	02	14	शुक्र	26–53	आश्ले	15–11	अतिगं	19–46	सिं.दि.3/10	भद्रा रात्रि 2/49 से, गण्डमूल विचार	7/02	6/24	17/03	6/08
	03	15	शनि	28–48	मघा	17–27	सुक	20–05	सिंहे	मंगल श्रवण में 12/24, भद्रा दिवा 3/47, होली पर्व, होलिका दहन भद्रा पश्चात B	7/01	6/25	18/01	6/37
चैत्र कृष्ण पक्ष	04	01	रवि	पूरा दिन	पू.फा	20–03	धृति	20–39	कं.रा2/44	सूर्य पू.भा. में अर्द्धरात्रौपरि 3/50, चै.कृ. प्रतिपदा, बसंतोत्सव होलामेला।	6/59	6/26	18/57	7/03
	05	01	चंद्र	07–03	उ.फा	22–56	शूल	21–26	कन्यायां		6/58	6/27	19/52	7/27
	06	02	मंगल	09–33	हस्त	25–58	गंड	22–21	कन्यायां	सन्त तुकाराम जयंती, भद्रा रात्रि 10/52 से शुरू	6/57	6/27	20/46	7/50
	07	03	बुध	12–10	चित्रा	29–03	बृद्धि	23–20	तु.दि.3/30	भद्रा दिवा 12/10 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत चंद्रोदय रात्रि 9/12 जम्मू	6/56	6/28	21/42	8/15
	08	04	वृह	14–47	स्वा	पूरा दिन	ध्रुव	24–15	तुलायां	बुधमार्गी 10/16	6/54	6/29	22/39	8/41
	09	05	शुक्र	17–13	स्वा	08–02	व्या	25–00	तुलायां	रंग पञ्चमी — D नवरात्र प्रतिपदा तिथि क्षय संवत् 2064 प्रारंभ।	6/53	6/30	23/37	9/11
	10	06	शनि	19–19	विशा	10–45	हर्षण	25–27	वृ.प्रा.4/06	भद्रा रात्रि 7/18 से प्रारंभ	6/52	6/30	00	9/45
	11	07	रवि	20–53	अनु	13–01	वज्र	25–28	वृश्चिके	शीतला सप्तमी, भद्रा 8/09 तक, गण्डमूल प्रा. दिवा 1/01 से	6/51	6/31	00/37	10/26
	12	08	चंद्र	21–47	ज्ये	14–41	सिद्धि	24–59	ध.दि.2/41	शुक्र मेष में रात्रि 3/498, शीतला अष्टमी, गण्डमूल विचार	6/49	6/32	1/37	11/15
	13	09	मंगल	21–55	मूला	15–39	व्यति	23–53	धने	गण्डमूल समाप्त दिवा 3/39 तक — C संक्रांति पुण्य काल अग्रिम दिन	6/48	6/33	2/34	12/11
	14	10	बुध	21–16	पू.षा	15–50	वरी	22–11	म.रा.9/45	चैत्र संक्रान्ति, सूर्यमीन में अर्द्धरात्रौपरि 3/58, भद्रा 9/41 से रात्रि 9/21 तक C	6/47	6/33	3/26	13/15
	15	11	वृह	19–50	उ.षा	15–15	परि	19–51	मकरे	पापमोचनी एकादशी व्रत	6/45	6/34	4/13	14/23
	16	12	शुक्र	17–42	श्रव	13–57	शिव	16–58	कुं.रा.1/03	प्रदोष व्रत, पञ्चक शुरू रात्रि 1/03	6/44	6/35	4/54	15/34
	17	13	शनि	14–58	धनि	12–02	सिद्ध	13–34	कुंभे	भद्रा दिवा 2/57 से रात्रि 1/21 तक	6/43	6/36	5/30	16/45
	18	14	रवि	11–45	शत	09–38	साध्य शुभ	09 46 / 29 45	मी.रा.1/36	सूर्य उ.भा में 12/16, अमावस पितृतर्पणादि, मेला पिहोवा तीर्थ (हरि)।	6/42	6/36	6/03	17/56
	19	30	चंद्र	08–14	पू.भा उ.भा	06 55 / 28 01	शुक्ल	25–34	मीने	बुध शतभिषा मे 8/59, सोमवती अमावस, ग्रस्तोदय खण्डग्रास सूर्य ग्रहण चैत्र D	6/40	6/37	6/35	19/08

जम्मू और कश्मीर के नगरों के अक्षांश, रेखांश और स्टैंडर्ड अन्तर

नगर	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टै० अन्तर	नगर	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टै० अन्तर
	अ. क.	अ. क.	मि. सै.		अ. क.	अ. क.	मि. सै.
अखनूर	32.53	74.45	−31.00	कोलाहोई	34.12	75.21	−28.36
अच्छी बाल	33.41	75.14	−29.4	खपलू	35.10	76.20	−24.40
अनन्तनाग	33.44	75.10	−29.20	खरताक्षो	34.53	76.14	−25.04
अबरिग	33.42	76−36	−23.36	खरना	33.36	77.31	−19.56
अमरनाथ गुफा	34.13	75.32	−27.52	खलात्से	34.23	76.50	−22.40
अवन्ति पुरा	33.57	75.01	−29.56	गिलगित	35.55	74.21	−32.36
अस्तोर	35.22	74.51	−30.36	गुफिस	36.13	73.30	−36.00
इष्कुमान	36.35	73.50	−34.40	गुराईस	34.38	74.56	−30.16
उड़ी	34.5	74.1	−33.56	गुलमर्ग	34.05	74.25	−32.20
उपंशी	33.52	77.50	−18.40	गोम्पा	35.02	77.20	−20.40
ऊधमपुर	32.54	75.6	−29.36	गोर	35.34	74.31	−31.56
कटरा	32.59	74.57	−30.12	चार	33.15	77.09	−21.24
कठुआ	32.22	75.32	−27.52	चिनेनी	33.01	75.20	−28.40
करगिया	33.00	77.17	−20.52	चिलास	35.26	74.07	−33.32
करजोक	32.59	78.16	−16.56	चुंगतास	35.37	8.37	−15.32
काजीकुण्ड	33.37	75.09	−29.24	चुशुल	33.34	68.38	−15.28
कारगिल	34.31	76.13	−25.08	चूमर	32.38	68.35	−15.40
कार्त्से	34.18	76.04	−25.44	जंगला	33.40	77.01	−21.56
किजिलजिल्गा	35.18	78.48	−14.48	जम्मू	32.43	74.54	−30.24
किश्तवाड	33.19	75.58	−26.48	जसरोटा	32.29	75.27	−28.12
कुद	33.5	75.17	−28.52	टंक्से	34.03	78.13	−17.08
कुमदोक	33.32	78.10	−17.20	टिथवाल	34.24	73.47	−34.52
कुलगाम	33.41	75.03	−29.48	टोलरी	35.03	76.04	−25.44
केरन	34.39	73.58	−34.08	डोडा	33.10	75.35	−27.40
कोटली	33.30	73.55	−34.20	तेरू	36.11	72.45	−39.00

जम्मू और कश्मीर के नगरों के अक्षांश, रेखांश और स्टैंडर्ड अन्तर

नगर	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टै० अन्तर	नगर	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टै० अन्तर
	अ. क.	अ. क.	मि. सै.		अ. क.	अ. क.	मि. सै.
द्रास	35.05	75.05	−29.40	बिजबिआड़ा	33.48	75.6	−29.36
देमचौक	32.40	79.27	−12.12	बुंजी	35.40	74.40	−31.20
द्रास	34.27	75.46	−26.56	भद्रवाह	32.59	75.43	−27.08
नवांशहर	32.37	74.44	−31.04	भिम्बर	33.00	74.05	−33.40
नागिर	36.15	74.46	−30.56	मनावर	32.47	74.23	−32.28
नुनकुन	33.59	76.01	−25.56	मरखा	33.51	77.23	−20.28
नोशेरा	33.10	74.15	−33.00	मरोल	34.43	76.18	−24.48
न्योमा	33.12	78.40	−15.20	मिनिमर्ग	34.48	75.03	−29.48
पदम	33.28	76.53	−22.48	मीरपुर	33.32	73.56	−34.16
पम्जल	34.17	78.49	−14.44	मीरवाली	36.33	73.25	−36.20
परकुट्टा	35.07	76.00	−26.00	मुजफ्फराबाद	34.23	73.30	−36.00
पलन्द्री	33.44	73.42	−35.12	मुलवेख	34.22	76.22	−24.32
पहलगाम	34.01	75.25	−28.20	मेन्धर	33.39	74.09	−33.24
पामपुर	34.01	74.56	−30.16	यासिन	36.21	73.22	−36.32
पासु	36.30	74.42	−3032	राजौरी	33.22	74.17	−32.52
पिंगल	36.09	73.11	−37.16	रामनगर	32.48	75.21	−28.36
पुंछ	33.51	76.06	−33.36	रामबन	33.15	75.15	−29.00
बनिहाल	33.30	75.18	−28.48	रियासी	33.03	74.52	−30.32
बटोटी	33.06	75.19	−28.44	रोन्दा	35.35	75.15	−29.00
बड़गाम	34.01	74.42	−31.12	रोन्दू	35.37	75.06	−29.36
बसोली	32.29	75.50	−26.40	लाथो	33.42	77.43	−19.08
बाओ	32.41	74.55	−30.20	लेह	34.09	77.35	−19.40
बाघ	33.59	73.50	−34.40	वैष्णो देवी	33.02	74.57	−30.12
बारामूला	34.12	74.24	−32.24	शक्सगम	36.08	76.31	−23.56
बाल्टिट	36.22	74.38	−31.28	शरड़ी	34.47	74.14	−33.04

भारत के प्रसिद्ध नगरों के अक्षांश, रेखांश और स्टैंडर्ड अन्तर

नगर	अक्षांश (उत्तर) अ. क.	रेखांश (पूर्व) अ. क.	स्टै० अन्तर मि. सै.	नगर	अक्षांश (उत्तर) अ. क.	रेखांश (पूर्व) अ. क.	स्टै० अन्तर मि. सै.
शिंगशल	36.29	75.19	−28.44	अम्बाला (हरि.)	30.21	76.52	−22.32
शुकपाकुजंग	34.24	78.21	−16.36	अंबिकापुर (म.प्र.)	23.10	83.15	+03.00
शुपियां	33.42	74.52	−30.32	अमेठी (उ.प्र.)	26.8	81.50	−02.40
शुशोत	34.03	77.40	−19.20	आनन्दपुर (पंजा)	31.15	76.32	−23.52
शेरकिला	36.06	74.04	−33.44	अनूपगढ़ (राज.)	29.07	73.06	−37.36
श्योक	34.13	78.10	−17.20	आजमगढ़ (उ.प्र.)	26.3	83.13	+02.52
श्रीनगर	34.07	74.50	−30.40	अयोध्या (उ.प्र.)	26.48	82.14	−01.04
साम्बा	32.32	75.08	−29.28	अबोहर (पंजा)	30.08	74.12	−33.12
सियारी	34.55	76.43	−23.08	असनसोल (बंगाल)	23.42	87.01	+18.04
सूतक	33.11	77.28	−20.08	आगरा (उ.प्र.)	27.10	78.05	−17.40
सोनामर्ग	34.18	75.18	−28.48	आबू (राज.)	24.40	72.45	−39.00
सोन्दर	33.28	75.55	−26.20	इटावा (उ.प्र.)	26.47	79.02	−13.52
सोपुर	34.19	74.30	−32.00	इम्फाल (मणि.)	24.44	13.58	+45.52
स्कार्दू	35.17	75.44	−27.04	इन्दौर (म.प्र.)	22.44	75.50	−26.40
हान्ले	32.46	79.01	−13.56	इटारसी (म.प्र.)	22.30	77.55	−18.20
अमृतसर (पंजाब)	31.37	74.55	−30.20	उदयपुर (राज.)	27.42	75.33	−27.48
अलिगढ़ (उ.प्र.)	27.54	78.6	−17.36	उज्जैन (म.प्र.)	23.09	75.43	−27.08
अलीपुर (बंगाल)	22.32	88.24	+23.36	उन्नाव (उ.प्र.)	26.48	80.43	−07.08
अलाहाबाद (उ.प्र.)	25.28	81.54	−02.24	ऊना (हि.प्र.)	31.32	76.18	−24.48
अगरतला (त्रिपुरा)	23.49	91.18	+35.12	औरंगाबाद (महा.)	19.53	75.23	−28.28
अहमदाबाद (गुजरात)	23.3	72.40	−39.20	कटक (उड़ी)	20.28	85.54	+13.36
अहमदनगर (महा.)	19.05	74.48	−30.48	कच्छ (गुजरात)	22.35	69.40	−51.20
अजमेर (राज.)	26.27	74.42	−31.12	कटनी (म.प्र.)	23.47	80.27	−08.12
अलमोडा (उ.प्र.)	29.37	79.40	−11.20	करनाल (हरियाणा)	29.42	77.02	−21.52
अलवर (राज.)	27.34	76.38	−23.28	कलकत्ता (बंगाल)	22.34	88.24	+23.36
अमरावती (महा.)	20.56	77.48	−18.48	कपूरथला (पंजाब)	31.23	75.25	−28.20

भारत के प्रसिद्ध नगरों के अक्षांश, रेखांश और स्टैंडर्ड अन्तर

नगर	अक्षांश (उत्तर) अ. क.	रेखांश (पूर्व) अ. क.	स्टै० अन्तर मि. सै.	नगर	अक्षांश (उत्तर) अ. क.	रेखांश (पूर्व) अ. क.	स्टै० अन्तर मि. सै.
कांगड़ा (हि.प्र.)	32.5	76.18	−24.48	गुड़गांव (हरियाणा)	28.29	77.04	−21.44
कानपुर (उ.प्र.)	26.28	80.24	−08.24	गोरखपुर (उ.प्र.)	26.45	83.24	+03.36
कालका (हरियाणा)	30.49	76.57	−22.12	गोहाटी (आसाम)	26.11	91.47	+36.52
कुल्लु (हि.प्र.)	31.58	77.10	−21.20	गाजीपुर (उ.प्र.)	25.34	83.35	+04.20
कुराली (पंजाब)	30.50	76.35	−23.40	गोईदवाल (पंजाब)	31.22	75.08	−29.28
कोटकपूरा (पंजाब)	30.24	74.52	−30.32	गोराया (पंजाब)	31.06	75.47	−26.52
कादियां (पंजाब)	31.49	75.23	−28.28	गंगानगर (राज.)	29.49	73.50	−34.40
करसोग (हि.प्र.)	31.23	77.14	−21.04	गोंडा (उ.प्र.)	27.28	82.01	−01.56
किन्नोर (हि.प्र.)	31.32	78.20	−16.40	गढ़शंकर (पंजाब)	31.13	76.11	−25.16
कंडाघाट (हि.प्र.)	30.57	77.08	−21.28	गाजियाबाद (उ.प्र.)	28.40	77.28	−20.08
कोटखाई (हि.प्र.)	31.8	77.36	−19.36	गोवा	15.27	73.59	−34.04
कोहिमा (नागा.)	25.41	94.07	+46.28	गोलकुण्डा (हैदरा.)	17.47	82.20	−00.39
कुमार सेन	31.18	77.37	−19.32	चम्बा (हि.प्र.)	32.30	76.10	−25.20
कुरुक्षेत्र (हरि.)	29.59	76.48	−22.48	चित्तौडगढ़ (राज.)	24.54	74.42	−31.12
करतारपुर (पंजाब)	31.27	75.32	−27.52	चण्डीगढ़ (के.प्र.)	30.44	76.53	−22.28
कैथल (हरियाणा)	29.48	76.26	−24.16	चन्दौसी (उ.प्र.)	28.27	78.59	−14.44
कोल्हापुर (महा.)	16.42	74.16	−32.56	चिरापुंजी (मेघा)	25.27	91.47	+37.08
कन्नौज (उ.प्र.)	27.3	79.58	−09.28	चूरू (राज.)	28.19	75.01	−21.56
कोटा (राज.)	25.10	75.52	−26.32	चिंतपूर्णी	31.47	76.04	−25.44
खन्ना (पंजाब)	30.42	17.13	−25.08	जालंधर (पंजाब)	31.19	75.24	−28.24
खुरजा (उ.प्र.)	28.15	77.50	−18.40	जौनपुर (उ.प्र.)	25.46	82.44	+00.56
खण्डवा (उ.प्र.)	21.50	78.07	−24.28	जैसलमेर (राज.)	26.55	70.54	−46.24
गढ़वाल (उ.प्र.)	30.15	79.30	−12.00	जयपुर (राज.)	26.55	72.52	−26.32
गया (बिहार)	24.49	85.01	+10.04	जीन्द (हरि.)	29.19	76.21	−24.36
ग्वालियर (म.प्र.)	26.14	78.10	−17.20	जण्डियाला (पंजाब)	31.51	75.37	−27.32
गुरदासपुर (पंजाब)	32.03	75.27	−28.12	जमशेदपुर (बिहार)	22.50	86.10	+14.40

भारत के प्रसिद्ध नगरों के अक्षांश, रेखांश और स्टैंडर्ड अन्तर

नगर	अक्षांश (उत्तर) अ. क.	रेखांश (पूर्व) अ. क.	स्टै० अन्तर मि. सै.	नगर	अक्षांश (उत्तर) अ. क.	रेखांश (पूर्व) अ. क.	स्टै० अन्तर मि. सै.
जामनगर (गुजरात)	22.27	70.05	−49.40	त्रिवेन्द्रम (केरल)	08.29	76.57	−22.12
जोगिंद्रनगर (हि.प्र.)	31.58	76.45	−23.00	थानेसर (हरि.)	29.58	76.56	−22.16
जोधपुर (राज.)	26.18	73.04	−37.44	दिल्ली	28.39	77.12	−21.12
जबलपुर (म.प्र.)	23.10	79.59	−10.04	देहरादून (उ.आंचल)	30.19	78.04	−17.44
जलगांव (गुजरात)	22.27	75.40	−27.20	दसूहा (पंजाब)	31.49	75.39	−27.24
जैतों (पंजाब)	30.28	74.53	−30.28	दीनानगर (पंजाब)	32.08	75.31	−27.56
जीरा	30.57	74.59	−30.04	दतारपुर (पंजाब)	31.53	75.45	−27.00
जगारधरी (हरि.)	30.10	77.16	−20.56	दार्जिलिंग (बंगाल)	27.03	88.18	+23.12
ज्वालामुखी (हि.प्र.)	31.53	76.20	−24.40	दुर्गापुर (बंगाल)	23.30	87.20	+19.20
जाखल (हरि.)	29.49	75.49	−26.44	द्वारिका (गुजरात)	22.14	69.01	−53.56
जूनागढ़ (गुजरात)	21.31	70.06	−47.36	देवरिया (उ.प्र.)	23.33	83.45	+05.00
जोरहाट (आसाम)	26.46	94.06	+47.04	दतिया (म.प्र.)	25.39	78.27	−16.12
झांसी (म.प्र.)	25.27	78.37	−15.32	देवप्रयाग (उ.प्र.)	30.09	78.37	−15.32
झरिया (बिहार)	23.50	86.33	+26−12	धनबाद (बिहार)	23.47	86.30	+16.00
झुंझुन (राज.)	28.06	75.25	−28.20	धर्मशाला (हि.प्र.)	32.16	76.23	−24.28
टाटर नगर (बिहार)	25.50	86.10	+14.40	धौलपुर (राज.)	26.42	77.53	−18.28
टांडा उडमुड़ (पंजाब)	31.40	75.41	−27.16	नागौर (राज.)	27.11	73.40	−35.20
टोहाना (हरि.)	29.43	75.53	−26.28	नवलगढ़ (राज.)	22.51	75.18	−28.48
टिहरी (उ.प्र.)	30.20	78.00	−16.00	नोहर (राज.)	29.11	74.46	−30.56
टोंक (राज.)	26.11	75.50	−26.40	नसीराबाद (राज.)	26.18	74.46	−30.56
टोडाराय सिंह (राज.)	26.00	75.29	−28.04	नासिक (महा.)	20.02	73.50	−34.40
डलहोजी (हि.प्र.)	32.31	76.00	−26.00	नरवाना (हरि.)	29.36	76.08	−25.28
डिब्रुगढ़ (आसाम)	27.29	94.58	+49.42	नागपुर (म.प्र.)	21.09	79.09	−13.24
डूगरपुर (राज.)	23.50	76.46	−35.08	नारखौल (हरि.)	28.02	76.14	−25.04
तिरुपति (आंध्र)	13.40	79.20	−12.40	नंगल (पंजाब)	31.23	76.23	−24.08

भारत के प्रसिद्ध नगरों के अक्षांश, रेखांश और स्टैंडर्ड अन्तर

नगर	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टै० अन्तर	नगर	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टै० अन्तर
	अ. क.	अ. क.	मि. सै.		अ. क.	अ. क.	मि. सै.
नवांशहर (पंजाब)	31.07	76.08	−25.28	पन्ना (म.प्र.)	24.44	80.14	−09.04
नाभा (पंजाब)	30.25	76.09	−25.24	पिलानी (राज.)	28.23	75.35	−27.40
नाहन (हि.प्र.)	30.33	77.21	−20.36	पुत्कर (राज.)	28.30	74.34	−31.44
नालागढ़ (हि.प्र.)	30.57	76.22	−24.32	पतेहगढ़ (उ.प्र.)	27.23	79.40	−11.20
नैनीताल (उ.आ.)	29.23	79.30	−12.00	फैजाबाद (उ.प्र.)	26.47	82.12	−01.12
पठानकोट (पंजाब)	32.17	75.42	−27.12	परुखाबाद (उ.प्र.)	27.24	79.37	−11.32
पटियाला (पंजाब)	30.20	76.25	−24.40	फगवाड़ा (पंजाब)	31.13	75.47	−26.52
पट्टी (पंजाब)	31.17	74.51	−30.36	फरीदकोट (पंजाब)	30.40	74.57	−30.12
पंचकूला (हरि.)	30.45	76.53	−22.28	फाजिल्का (पंजाब)	30.24	74.04	−33.44
पानीपत (हरि.)	29.23	77.01	−21.56	फिरोजपुर (पंजाब)	30.55	74.40	−31.20
पिहोवा (हरि.)	29.56	76.36	−23.36	फिल्लौर (पंजाब)	31.01	75.48	−26.48
पिंजौर (हरि.)	30.49	76.55	−22.20	फरीदाबाद (हरि.)	28.25	77.22	−20.32
पटना (बिहार)	25.37	85.13	+10.52	फतेहाबाद (हरि.)	29.31	75.30	−28.00
प्रयाग (उ.प्र.)	25.30	81.56	−02.16	बटाला (पंजाब)	31.49	75.14	−29.04
पीलीभीत (उ.प्र.)	28.38	79.51	−10.36	बंगा (पंजाब)	31.11	75.59	−26.04
पालमपुर (हि.प्र.)	32.06	76.33	−23.48	वलाचौर (पंजाब)	31.03	76.19	−24.44
पपरौला (हि.प्र.)	32.04	76.34	−23.44	बद्रीनाथ (उ.प्र.)	30.44	69.02	−11.52
प्रतापगढ़ (उ.प्र.)	25.54	81.59	−02.04	विजनौर (उ.प्र.)	29.23	78.11	−17.16
प्रतापगढ़ (म.प्र.)	24.02	74.40	−31.20	बुलन्दशहर (उ.प्र.)	28.24	77.54	−18.24
पाली (राज.)	25.46	73.25	−36.20	बनारस (उ.प्र.)	25.20	83.00	+02.00
पोरबन्दर (गुजरात)	21.37	69.49	−50.40	बरेली (उ.प्र.)	28.22	79.27	−12.12
पचमढी (म.प्र.)	22.30	78.22	−16.32	बलिया (उ.प्र.)	25.44	84.11	+06.04
पुरी (उड़ीसा)	19.48	85.52	+13.28	बदायूं (उ.प्र.)	28.02	79.10	−13.20
पूना (महा.)	18.30	73.56	−34.28	बड़ौदा (गुजरात)	22.18	73.12	−37.12
पुरुलिया (बंगाल)	23.20	86.25	+15.40	बम्बई (महा.)	19.00	72.54	−38.24

भारत के प्रसिद्ध नगरों के अक्षांश, रेखांश और स्टैंडर्ड अन्तर

नगर	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टै॰ अन्तर	नगर	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टै॰ अन्तर
	अ. क.	अ. क.	मि. सै.		अ. क.	अ. क.	मि. सै.
बाटाबंकी (उ.प्र.)	26.56	81.13	−05.08	मंसूरी (उ.प्र.)	30.27	78.06	−17.36
बल्लभगढ़ (हरि.)	28.22	77.20	−20.40	मथुरा (उ.प्र.)	27.28	77.41	−19.16
बहादुरपुर (हरि.)	28.42	76.55	−22.30	मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)	29.28	77.44	−19.04
बीकानेर (राज.)	28.01	73.22	−36.32	मंदसौर (म.प्र.)	24.03	75.08	−29.28
बांसबाड़ा (राज.)	23.50	74.24	−32.24	मैसूर (कर्नाटक)	12.18	76.42	−23.12
बून्दी (राज.)	25.27	75.40	−27.20	मण्डी (हि.प्र.)	31.43	76.58	−22.08
बैजनाथ (हि.प्र.)	32.03	76.36	−23.36	मनीकरण (हि.प्र.)	32.00	77.20	−20.40
बिलासपुर (हि.प्र.)	31.19	76.50	−22.40	मनाली (हि.प्र.)	32.17	77.19	−20.44
बिलासपुर (म.प्र.)	22.05	82.13	−01.08	मद्रास (चेन्नई)	13.04	80.17	−08.52
बस्तर (म.प्र.)	19.20	81.30	−04.00	यमुनानगर (हरि.)	30.08	77.16	−20.56
बैंगलौर (कर्नाटक)	12.58	77.38	−19.28	रामपुर (हि.प्र.)	31.28	77.39	−19.24
भटिंडा (पंजाब)	30.11	75.00	−30.00	रोहडू (हि.प्र.)	31.12	77.44	−19.08
भिवानी (हरियाणा)	28.46	76.18	−24.48	रोपड़ (पंजाब)	30.57	76.32	−23.52
भुवनेश्वर (उड़ीसा)	20.10	85.50	+13.20	राजपुरा (पंजाब)	30.29	76.34	−23.44
भरतपुर (राज.)	27.05	77.30	−20.00	रायकोट (पंजाब)	30.41	75.36	−27.26
भीलवाड़ा (राज.)	25.21	74.40	−31.20	रोहतक (हरि.)	28.54	76.38	−23.28
मलेरकोटला (पंजाब)	30.31	75.59	−26.04	रिवाड़ी (हरि.)	28.12	76.40	−23.20
मोगा (पंजाब)	30.48	75.10	−29.20	रतलाम (म.प्र.)	23.31	75.07	−29.32
महेन्द्रगढ़ (हरि)	28.16	76.10	−25.20	रायपुर (म.प्र.)	21.15	81.41	−03.16
मनसादेवी (हरि.)	30.44	76.52	−22.32	रायवरेली (उ.प्र.)	26.14	81.16	−04.56
मकराना (राज.)	27.03	74.43	−31.08	रामपुर (उ.प्र.)	28.48	79.05	−13.40
मेरठ (उ.प्र.)	29.01	77.05	−19.00	रांची (बिहार)	23.23	85.23	+11.32
मिर्जापुर (उ.प्र.)	25.10	82.07	−00.28	रायसिंहनगर (राज.)	29.32	73.27	−36.12
मुरादाबाद (उ.प्र.)	28.51	78.49	−14.44	राजकोट (गुजरात)	22.18	70.56	−46.16
मुगलसराय (उ.प्र.)	25.17	83.11	+02.44	रामेश्वरम् (ताम.)	09.17	79.22	−12.32

भारत के प्रसिद्ध नगरों के अक्षांश, रेखांश और स्टैंडर्ड अन्तर

नगर	अक्षांश (उत्तर) अ. क.	रेखांश (पूर्व) अ. क.	स्टै० अन्तर मि. सै.	नगर	अक्षांश (उत्तर) अ. क.	रेखांश (पूर्व) अ. क.	स्टै० अन्तर मि. सै.
लुधियाना (पंजाब)	30.55	75.54	−26.24	सोनीपत (हरि.)	28.58	76.59	−22.04
लाहौर (पाकिस्तान)	31.35	74.18	−32.48	सूरतगढ़ (राज.)	29.19	73.57	−34.12
लखनऊ (यू.पी)	26.55	80.59	−06.04	सीकर (राज.)	27.36	75.09	−29.24
लाडवा (हरियाणा)	29.59	77.05	−21.40	सवाई माधो (राज.)	22.58	76.30	−24.00
वृन्दावन (उ.प्र.)	27.33	77.44	−19.04	साम्भर (राज.)	26.54	75.10	−29.20
विशाखापट्टनम	17.42	83.20	+3.20	सिरोही (राज.)	24.53	72.54	−38.24
शिमला	31.06	77.13	−21.08	सागर (म.प्र.)	23.50	78.45	−13.48
शाहदरा (दिल्ली)	28.40	77.20	−20.40	सिहोर (म.प्र.)	23.12	77.00	−22.00
शाहाबाद (हरि.)	30.10	76.55	−22.20	सहारनपुर (उ.प्र.)	29.58	77.23	−20.28
शाहजहाँपुर (उ.प्र.)	27.54	79.57	−10.12	सीतापुर (उ.प्र.)	27.26	80.43	−07.08
शोलापुर (महा.)	17.40	75.56	−26.16	सोमनाथ (गुजरात)	21.04	70.26	−48.16
शिलांग (मेघा.)	25.34	91.56	+37.44	होशिहारपुर (पंजाब)	31.32	75.57	−26.12
श्रीगंगानगर (राज.)	29.49	73.50	−34.40	हमीरपुर (हि.प्र.)	31.42	76.30	−24.00
श्री माधोपुर (राज.)	27.25	75.32	−27.52	हजारीबाग (बिहार)	23.59	85.25	+11.40
संगरूर (पंजाब)	30.12	75.53	−26.28	हांसी (हरियाणा)	29.06	76.00	−26.00
सरहिन्द (पंजाब)	30.38	76.29	−24.04	हिसार (हरियाणा)	29.10	75.46	−26.56
सुल्तानपुर (पंजाब)	31.58	77.07	−21.32	हरिद्वार (उ.प्र.)	29.58	78.13	−17.08
समाना (पंजाब)	30.09	76.12	−29.12	हाथरस (उ.प्र.)	27.36	78.6	−17.36
समराला (पंजाब)	30.51	76.11	−25.16	हनुमानगढ़ (राज.)	29.32	74.21	−32.36
सुनाम (पंजाब)	30.08	75.48	−23.48	हापुड (उ.प्र.)	28.43	77.50	−18.40
सुन्दरनगर (हि.प्र.)	31.33	76.54	−22.24	हरदोई (उ.प्र.)	27.23	80.10	−09.20
सोलन (हि.प्र.)	30.55	77.09	−21.24	हैदराबाद (आ.प्र.)	17.20	78.30	−16.00
सुजानपुर टि. (हि.प्र.)	31.50	06.31	−23.56	होशंगाबाद (म.प्र.)	22.46	77.45	−19.00
सरकाघाट (हि.प्र.)	31.43	76.22	−24.32	हावड़ा (बंगाल)	22.32	88.23	+23.32
सिरसा (हरि.)	29.32	75.07	−29.32				

दैनिक स्पष्ट - ग्रह

श्रीराघवेन्द्र पञ्चाङ्ग में दैनिक स्पष्टग्रह प्रात: स्टै॰ टाईम 5 बजकर 30 मिनट के हैं। इन स्पष्ट ग्रहों से प्रत्येक स्थान के तात्कालिक ग्रह स्पष्ट करने की विधि इस प्रकार है उदाहरणार्थ किसी व्यक्ति का जन्म समय दिन के 2/45 पर है तो प्रात: घ. 5 मि. 30 से मध्यान्होत्तर घ. 14/45 तक घ. 9 मि. 15 अन्तर हुआ। यह घण्टात्मक ग्रह स्पष्ट करने की धन चालन बन जाएगा। इस चालन को 2½ गुणा करने पर 23/7/30 घटी पल विपलात्मक चालन बन गया। इस चालन द्वारा दैनिक ग्रहगति को त्रैराशिक या गोमूत्रिका क्रम से गुणा करके कलादि फल को मार्गी गृह में जोड़ने से तथा वक्री ग्रह को घटाने से तात्कालिक स्पष्ट ग्रह होगा। राहुस्पष्ट में 6 राशि जोड़ने से केतु स्पष्ट हो जाता है अत: केतु स्पष्ट नहीं लिखा है। दैनिक गति ज्ञानार्थ जिस दिन की गति स्पष्ट करनी है उस दिन के राश्यादि ग्रह अगले दिन के राशयादि स्पष्ट ग्रह में से घटा दें जो शेष रहे वह उस दिन की गति होगी। 30 मार्च 2006 से 19 मार्च 2007 तक दैनिक ग्रह स्पष्ट दिये गए हैं।

मार्च सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रात: घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख़ /वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
30 गु	12:28:58	11:15:12:23	11:23:10:27	1:27:28:24	10:20:07:53	6°23:56:32	9:28:45:41	3°10:28:15	11:10:23:33	10:18:22:07	9:25:06:55	8°02:48:35
31 शु	12:32:55	11:16:11:41	0:07:52:17	1:28:02:15	10:20:33:40	6°23:51:56	9:29:46:49	3°10:27:35	11:10:20:23	10:18:25:16	9:25:08:31	8°02:48:34

अप्रैल सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख/वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 श	12:36:51	11:17:10:57	0:22:13:23	1:28:36:10	10:21:03:57	6°23:47:11	10:00:48:16	3°10:27:02	11:10:17:12	10:18:28:23	9:25:10:06	8°02:48:30
2 र	12:40:48	11:18:10:11	1:06:09:36	1:29:10:08	10:21:38:29	6°23:42:16	10:01:50:00	3°10:26:35	11:10:14:01	10:18:31:30	9:25:11:39	8°02:48:24
3 चं	12:44:44	11:19:09:23	1:19:39:21	1:29:44:10	10:22:17:04	6°23:37:13	10:02:52:03	3°10:26:15	11:10:10:50	10:18:34:35	9:25:13:11	8°02:48:16
4 मं	12:48:41	11:20:08:32	2:02:43:22	2:00:18:15	10:22:59:27	6°23:32:00	10:03:54:22	3°10:26:01	11:10:07:40	10:18:37:39	9:25:14:42	8°02:48:06
5 बु	12:52:37	11:21:07:39	2:15:24:07	2:00:52:24	10:23:45:27	6°23:26:40	10:04:56:58	3°10:25:54	11:10:04:29	10:18:40:41	9:25:16:10	8°02:47:55
6 गु	12:56:34	11:22:06:43	2:27:45:22	2:01:26:36	10:24:34:51	6°23:21:11	10:05:59:49	3:10:25:54	11:10:01:18	10:18:43:42	9:25:17:38	8°02:47:41
7 शु	13:00:30	11:23:05:46	3:09:51:28	2:02:00:51	10:25:27:30	6°23:15:33	10:07:02:57	3:10:26:00	11:09:58:07	10:18:46:42	9:25:19:03	8°02:47:26
8 श	13:04:27	11:24:04:46	3:21:47:03	2:02:35:09	10:26:23:12	6°23:09:48	10:08:06:19	3:10:26:12	11:09:54:56	10:18:49:40	9:25:20:27	8°02:47:08
9 र	13:08:24	11:25:03:44	4:03:36:40	2:03:09:30	10:27:21:50	6°23:03:56	10:09:09:56	3:10:26:32	11:09:51:46	10:18:52:36	9:25:21:50	8°02:46:49
10 चं	13:12:20	11:26:02:39	4:15:24:32	2:03:43:54	10:28:23:14	6°22:57:55	10:10:13:47	3:10:26:58	11:09:48:35	10:18:55:31	9:25:23:11	8°02:46:28
11 मं	13:16:17	11:27:01:32	4:27:14:24	2:04:18:20	10:29:27:17	6°22:51:48	10:11:17:52	3:10:27:30	11:09:45:24	10:18:58:25	9:25:24:30	8°02:46:05
12 बु	13:20:13	11:28:00:24	5:09:09:28	2:04:52:49	11:00:33:53	6°22:45:33	10:12:22:10	3:10:28:09	11:09:42:14	10:19:01:17	9:25:25:47	8°02:45:41
13 गु	13:24:10	11:28:59:13	5:21:12:20	2:05:27:21	11:01:42:54	6°22:39:12	10:13:26:41	3:10:28:54	11:09:39:03	10:19:04:07	9:25:27:03	8°02:45:14
14 शु	13:28:06	11:29:58:00	6:03:25:04	2:06:01:56	11:02:54:14	6°22:32:44	10:14:31:25	3:10:29:46	11:09:35:52	10:19:06:55	9:25:28:17	8°02:44:46
15 श	13:32:03	0:00:56:45	6:15:49:08	2:06:36:33	11:04:07:50	6°22:26:10	10:15:36:21	3:10:30:45	11:09:32:42	10:19:09:42	9:25:29:29	8°02:44:15
16 र	13:35:59	0:01:55:28	6:28:25:38	2:07:11:12	11:05:23:36	6°22:19:30	10:16:41:30	3:10:31:49	11:09:29:31	10:19:12:27	9:25:30:40	8°02:43:43
17 चं	13:39:56	0:02:54:10	7:11:15:21	2:07:45:54	11:06:41:28	6°22:12:45	10:17:46:50	3:10:33:01	11:09:26:20	10:19:15:10	9:25:31:49	8°02:43:10
18 मं	13:43:52	0:03:52:50	7:24:18:50	2:08:20:39	11:08:01:23	6°22:05:53	10:18:52:21	3:10:34:18	11:09:23:09	10:19:17:51	9:25:32:56	8°02:42:34
19 बु	13:47:49	0:04:51:27	8:07:36:35	2:08:55:26	11:09:23:17	6°21:58:57	10:19:58:03	3:10:35:42	11:09:19:58	10:19:20:31	9:25:34:01	8°02:41:57
20 गु	13:51:46	0:05:50:04	8:21:08:59	2:09:30:15	11:10:47:08	6°21:51:55	10:21:03:56	3:10:37:13	11:09:16:47	10:19:23:08	9:25:35:05	8°02:41:18
21 शु	13:55:42	0:06:48:38	9:04:56:12	2:10:05:07	11:12:12:53	6°21:44:49	10:22:09:59	3:10:38:49	11:09:13:37	10:19:25:44	9:25:36:07	8°02:40:37
22 श	13:59:39	0:07:47:11	9:18:58:02	2:10:40:01	11:13:40:31	6°21:37:38	10:23:16:11	3:10:40:32	11:09:10:26	10:19:28:18	9:25:37:07	8°02:39:55
23 र	14:03:35	0:08:45:43	10:03:13:34	2:11:14:58	11:15:09:59	6°21:30:23	10:24:22:34	3:10:42:22	11:09:07:15	10:19:30:50	9:25:38:05	8°02:39:11
24 चं	14:07:32	0:09:44:13	10:17:40:48	2:11:49:57	11:16:41:17	6°21:23:04	10:25:29:06	3:10:44:17	11:09:04:04	10:19:33:19	9:25:39:01	8°02:38:25
25 मं	14:11:28	0:10:42:41	11:02:16:25	2:12:24:58	11:18:14:23	6°21:15:42	10:26:35:46	3:10:46:19	11:09:00:54	10:19:35:47	9:25:39:56	8°02:37:37
26 बु	14:15:25	0:11:41:07	11:16:55:42	2:13:00:02	11:19:49:17	6°21:08:16	10:27:42:36	3:10:48:27	11:08:57:43	10:19:38:13	9:25:40:48	8°02:36:48
27 गु	14:19:21	0:12:39:32	0:01:32:45	2:13:35:09	11:21:25:58	6°21:00:48	10:28:49:33	3:10:50:42	11:08:54:32	10:19:40:36	9:25:41:39	8°02:35:58
28 शु	14:23:18	0:13:37:55	0:16:01:07	2:14:10:17	11:23:04:26	6°20:53:17	10:29:56:38	3:10:53:02	11:08:51:22	10:19:42:58	9:25:42:28	8°02:35:06
29 श	14:27:15	0:14:36:16	1:00:14:41	2:14:45:28	11:24:44:41	6°20:45:44	11:01:03:51	3:10:55:28	11:08:48:11	10:19:45:17	9:25:43:15	8°02:34:12
30 र	14:31:11	0:15:34:36	1:14:08:29	2:15:20:41	11:26:26:42	6°20:38:09	11:02:11:11	3:10:58:01	11:08:45:00	10:19:47:34	9:25:44:00	8°02:33:16

मई सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख/वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 चं	14:35:08	0:16:32:53	1:27:39:22	2:15:55:56	11:28:10:31	6°20:30:32	11:03:18:39	3:11:00:40	11:08:41:49	10:19:49:49	9:25:44:43	8°02:32:20
2 मं	14:39:04	0:17:31:09	2:10:46:19	2:16:31:13	11:29:56:07	6°20:22:54	11:04:26:13	3:11:03:24	11:08:38:38	10:19:52:01	9:25:45:24	8°02:31:21
3 बु	14:43:01	0:18:29:22	2:23:30:22	2:17:06:32	0:01:43:31	6°20:15:16	11:05:33:54	3:11:06:15	11:08:35:27	10:19:54:11	9:25:46:03	8°02:30:21
4 गु	14:46:57	0:19:27:34	3:05:54:15	2:17:41:53	0:03:32:42	6°20:07:37	11:06:41:42	3:11:09:11	11:08:32:16	10:19:56:19	9:25:46:40	8°02:29:20
5 शु	14:50:54	0:20:25:43	3:18:01:55	2:18:17:16	0:05:23:42	6°19:59:58	11:07:49:36	3:11:12:13	11:08:29:06	10:19:58:25	9:25:47:15	8°02:28:18
6 श	14:54:50	0:21:23:51	3:29:58:06	2:18:52:40	0:07:16:30	6°19:52:19	11:08:57:36	3:11:15:21	11:08:25:55	10:20:00:28	9:25:47:49	8°02:27:14
7 र	14:58:47	0:22:21:56	4:11:47:54	2:19:28:06	0:09:11:06	6°19:44:40	11:10:05:43	3:11:18:34	11:08:22:44	10:20:02:28	9:25:48:20	8°02:26:08
8 चं	15:02:44	0:23:20:00	4:2[illegible]:36:25	2:20:03:34	0:11:07:30	6°19:37:01	11:11:13:55	3:11:21:53	11:08:19:33	10:20:04:27	9:25:48:50	8°02:25:02
9 मं	15:06:40	0:24:18:02	5:05:28:29	2:20:39:04	0:13:05:39	6°19:29:24	11:12:22:13	3:11:25:18	11:08:16:23	10:20:06:23	9:25:49:17	8°02:23:54
10 बु	15:10:37	0:25:16:02	5:17:28:24	2:21:14:35	0:15:05:33	6°19:21:49	11:13:30:38	3:11:28:48	11:08:13:12	10:20:08:16	9:25:49:43	8°02:22:44
11 गु	15:14:33	0:26:14:00	5:29:39:46	2:21:50:08	0:17:07:09	6°19:14:14	11:14:39:07	3:11:32:24	11:08:10:01	10:20:10:07	9:25:50:06	8°02:21:34
12 शु	15:18:30	0:27:11:57	6:12:05:11	2:22:25:42	0:19:10:22	6°19:06:42	11:15:47:43	3:11:36:05	11:08:06:51	10:20:11:55	9:25:50:28	8°02:20:22
13 श	15:22:26	0:28:09:52	6:24:46:14	2:23:01:18	0:21:15:09	6°18:59:12	11:16:56:24	3:11:39:52	11:08:03:40	10:20:13:41	9:25:50:48	8°02:19:09
14 र	15:26:23	0:29:07:45	7:07:43:20	2:23:36:56	0:23:21:22	6°18:51:45	11:18:05:10	3:11:43:43	11:08:00:29	10:20:15:25	9:25:51:05	8°02:17:55
15 चं	15:30:19	1:00:05:37	7:20:55:52	2:24:12:35	0:25:28:55	6°18:44:21	11:19:14:02	3:11:47:40	11:07:57:18	10:20:17:06	9:25:51:21	8°02:16:40
16 मं	15:34:16	1:01:03:27	8:04:22:21	2:24:48:15	0:27:37:39	6°18:36:59	11:20:22:58	3:11:51:43	11:07:54:07	10:20:18:44	9:25:51:35	8°02:15:24
17 बु	15:38:13	1:02:01:17	8:18:00:47	2:25:23:58	0:29:47:23	6°18:29:42	11:21:32:00	3:11:55:50	11:07:50:56	10:20:20:19	9:25:51:47	8°02:14:06
18 गु	15:42:09	1:02:59:04	9:01:49:03	2:25:59:41	1:01:57:54	6°18:22:27	11:22:41:07	3:12:00:03	11:07:47:45	10:20:21:52	9:25:51:57	8°02:12:48
19 शु	15:46:06	1:03:56:51	9:15:45:13	2:26:35:27	1:04:09:02	6°18:15:17	11:23:50:19	3:12:04:20	11:07:44:35	10:20:23:23	9:25:52:05	8°02:11:28
20 श	15:50:02	1:04:54:37	9:29:47:45	2:27:11:14	1:06:20:26	6°18:08:11	11:24:59:36	3:12:08:43	11:07:41:24	10:20:24:51	9:25:52:11	8°02:10:08
21 र	15:53:59	1:05:52:22	10:13:55:21	2:27:47:02	1:08:31:55	6°18:01:10	11:26:08:57	3:12:13:10	11:07:38:13	10:20:26:16	9:25:52:14	8°02:08:46
22 चं	15:57:55	1:06:50:05	10:28:06:51	2:28:22:53	1:10:43:11	6°17:54:13	11:27:18:22	3:12:17:42	11:07:35:02	10:20:27:38	9:25:52:16	8°02:07:24
23 मं	16:01:52	1:07:47:48	11:12:20:45	2:28:58:45	1:12:53:58	6°17:47:22	11:28:27:52	3:12:22:20	11:07:31:52	10:20:28:58	9°25:52:17	8°02:06:01
24 बु	16:05:49	1:08:45:29	11:26:34:54	2:29:34:38	1:15:03:58	6°17:40:36	11:29:37:27	3:12:27:01	11:07:28:41	10:20:30:15	9°25:52:15	8°02:04:37
25 गु	16:09:45	1:09:43:10	0:10:46:16	3:00:10:33	1:17:12:56	6°17:33:56	0:00:47:05	3:12:31:48	11:07:25:30	10:20:31:29	9°25:52:11	8°02:03:12
26 शु	16:13:42	1:10:40:49	0:24:51:01	3:00:46:30	1:19:20:36	6°17:27:21	0:01:56:47	3:12:36:40	11:07:22:19	10:20:32:40	9°25:52:05	8°02:01:46
27 श	16:17:38	1:11:38:27	1:08:44:55	3:01:22:29	1:21:26:44	6°17:20:53	0:03:06:33	3:12:41:36	11:07:19:08	10:20:33:49	9°25:51:57	8°02:00:19
28 र	16:21:35	1:12:36:05	1:22:23:55	3:01:58:29	1:23:31:07	6°17:14:32	0:04:16:23	3:12:46:36	11:07:15:58	10:20:34:54	9°25:51:47	8°01:58:52
29 चं	16:25:31	1:13:33:40	2:05:44:52	3:02:34:3[illegible]	1:25:33:33	6°17:08:17	0:05:26:16	3:12:51:41	11:07:12:47	10:20:35:57	9°25:51:36	8°01:57:24
30 मं	16:29:28	1:14:31:15	2:18:45:57	3:03:10:33	1:27:33:54	6°17:02:09	0:06:36:12	3:12:56:51	11:07:09:36	10:20:36:57	9°25:51:22	8°01:55:55
31 बु	16:33:24	1:15:28:48	3:01:27:06	3:03:46:38	1:29:31:59	6°16:56:08	0:07:46:12	3:13:02:05	11:07:06:25	10:20:37:55	9°25:51:07	8°01:54:26

जून सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख/वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 गु	16:37:21	1:16:26:20	3:13:49:52	3:04:22:44	2:01:27:43	6°16:50:15	0:08:56:15	3:13:07:23	11:07:03:14	10:20:38:49	9°25:50:49	8°01:52:56
2 शु	16:41:18	1:17:23:51	3:25:57:16	3:04:58:51	2:03:21:00	6°16:44:30	0:10:06:21	3:13:12:45	11:07:00:03	10:20:39:40	9°25:50:30	8°01:51:26
3 श	16:45:14	1:18:21:21	4:07:53:28	3:05:35:00	2:05:11:44	6°16:38:52	0:11:16:31	3:13:18:11	11:06:56:52	10:20:40:29	9°25:50:09	8°01:49:55
4 र	16:49:11	1:19:18:49	4:19:43:23	3:06:11:10	2:06:59:53	6°16:33:22	0:12:26:44	3:13:23:42	11:06:53:42	10:20:41:15	9°25:49:45	8°01:48:24
5 चं	16:53:07	1:20:16:16	5:01:32:21	3:06:47:21	2:08:45:24	6°16:28:01	0:13:36:59	3:13:29:17	11:06:50:31	10:20:41:58	9°25:49:21	8°01:46:52
6 मं	16:57:04	1:21:13:42	5:13:25:47	3:07:23:34	2:10:28:14	6°16:22:48	0:14:47:18	3:13:34:55	11:06:47:20	10:20:42:38	9°25:48:54	8°01:45:19
7 बु	17:01:00	1:22:11:06	5:25:28:51	3:07:59:48	2:12:08:21	6°16:17:44	0:15:57:40	3:13:40:37	11:06:44:09	10:20:43:15	9°25:48:25	8°01:43:47
8 गु	17:04:57	1:23:08:30	6:07:46:07	3:08:36:03	2:13:45:45	6°16:12:48	0:17:08:05	3:13:46:24	11:06:40:59	10:20:43:49	9°25:47:55	8°01:42:14
9 शु	17:08:53	1:24:05:52	6:20:21:13	3:09:12:20	2:15:20:22	6°16:08:02	0:18:18:33	3:13:52:13	11:06:37:48	10:20:44:20	9°25:47:22	8°01:40:41
10 श	17:12:50	1:25:03:14	7:03:16:22	3:09:48:37	2:16:52:13	6°16:03:24	0:19:29:04	3:13:58:07	11:06:34:37	10:20:44:49	9°25:46:48	8°01:39:07
11 र	17:16:47	1:26:00:34	7:16:32:12	3:10:24:56	2:18:21:15	6°15:58:56	0:20:39:39	3:14:04:04	11:06:31:26	10:20:45:14	9°25:46:13	8°01:37:33
12 चं	17:20:43	1:26:57:54	8:00:07:29	3:11:01:16	2:19:47:27	6°15:54:37	0:21:50:16	3:14:10:05	11:06:28:15	10:20:45:37	9°25:45:35	8°01:35:59
13 मं	17:24:40	1:27:55:13	8:13:59:17	3:11:37:37	2:21:10:48	6°15:50:27	0:23:00:56	3:14:16:09	11:06:25:04	10:20:45:57	9°25:44:56	8°01:34:25
14 बु	17:28:36	1:28:52:31	8:28:03:26	3:12:14:00	2:22:31:15	6°15:46:27	0:24:11:40	3:14:22:17	11:06:21:53	10:20:46:14	9°25:44:15	8°01:32:51
15 गु	17:32:33	1:29:49:49	9:12:15:15	3:12:50:24	2:23:48:45	6°15:42:36	0:25:22:26	3:14:28:28	11:06:18:42	10:20:46:28	9°25:43:32	8°01:31:17
16 शु	17:36:29	2:00:47:07	9:26:30:12	3:13:26:49	2:25:03:17	6°15:38:56	0:26:33:15	3:14:34:43	11:06:15:32	10:20:46:39	9°25:42:47	8°01:29:42
17 श	17:40:26	2:01:44:24	10:10:44:38	3:14:03:16	2:26:14:47	6°15:35:25	0:27:44:08	3:14:41:00	11:06:12:21	10:20:46:47	9°25:42:01	8°01:28:08
18 र	17:44:22	2:02:41:41	10:24:56:01	3:14:39:44	2:27:23:11	6°15:32:04	0:28:55:04	3:14:47:21	11:06:09:10	10:20:46:52	9°25:41:13	8°01:26:33
19 चं	17:48:19	2:03:38:57	11:09:02:49	3:15:16:14	2:28:28:26	6°15:28:53	1:00:06:02	3:14:53:46	11:06:05:59	10:20:46:54	9°25:40:24	8°01:24:59
20 मं	17:52:16	2:04:36:14	11:23:04:11	3:15:52:45	2:29:30:27	6°15:25:53	1:01:17:03	3:15:00:13	11:06:02:49	10°20:46:54	9°25:39:33	8°01:23:25
21 बु	17:56:12	2:05:33:30	0:06:59:27	3:16:29:18	3:00:29:09	6°15:23:02	1:02:28:08	3:15:06:43	11:05:59:38	10°20:46:50	9°25:38:40	8°01:21:50
22 गु	18:00:09	2:06:30:46	0:20:47:43	3:17:05:52	3:01:24:28	6°15:20:23	1:03:39:15	3:15:13:16	11:05:56:27	10°20:46:44	9°25:37:46	8°01:20:16
23 शु	18:04:05	2:07:28:01	1:04:27:35	3:17:42:27	3:02:16:16	6°15:17:53	1:04:50:24	3:15:19:53	11:05:53:16	10°20:46:34	9°25:36:50	8°01:18:42
24 श	18:08:02	2:08:25:17	1:17:57:12	3:18:19:04	3:03:04:29	6°15:15:34	1:06:01:37	3:15:26:32	11:05:50:05	10°20:46:22	9°25:35:52	8°01:17:09
25 र	18:11:58	2:09:22:32	2:01:14:27	3:18:55:43	3:03:48:59	6°15:13:26	1:07:12:51	3:15:33:14	11:05:46:54	10°20:46:07	9°25:34:53	8°01:15:35
26 चं	18:15:55	2:10:19:47	2:14:17:24	3:19:32:23	3:04:29:40	6°15:11:29	1:08:24:09	3:15:39:58	11:05:43:43	10°20:45:49	9°25:33:53	8°01:14:02
27 मं	18:19:52	2:11:17:02	2:27:04:46	3:20:09:04	3:05:06:25	6°15:09:42	1:09:35:29	3:15:46:46	11:05:40:33	10°20:45:28	9°25:32:51	8°01:12:29
28 बु	18:23:48	2:12:14:16	3:09:36:13	3:20:45:47	3:05:39:07	6°15:08:06	1:10:46:51	3:15:53:36	11:05:37:22	10°20:45:05	9°25:31:47	8°01:10:56
29 गु	18:27:45	2:13:11:30	3:21:52:40	3:21:22:31	3:06:07:38	6°15:06:41	1:11:58:16	3:16:00:28	11:05:34:11	10°20:44:38	9°25:30:42	8°01:09:24
30 श	18:31:41	2:14:08:44	4:03:56:16	3:21:59:17	3:06:31:52	6°15:05:27	1:13:09:43	3:16:07:23	11:05:31:00	10°20:44:09	9°25:29:36	8°01:07:53

जुलाई सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख/वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 श	18:35:38	2:15:05:57	4:15:50:18	3:22:36:04	3:06:51:43	6°15:04:23	1:14:21:12	3:16:14:20	11:05:27:49	10°20:43:36	9°25:28:28	8°01:06:21
2 र	18:39:34	2:16:03:10	4:27:38:59	3:23:12:52	3:07:07:04	6°15:03:31	1:15:32:44	3:16:21:20	11:05:24:39	10°20:43:01	9°25:27:19	8°01:04:51
3 चं	18:43:31	2:17:00:22	5:09:27:14	3:23:49:42	3:07:17:51	6°15:02:49	1:16:44:18	3:16:28:22	11:05:21:28	10°20:42:24	9°25:26:08	8°01:03:20
4 मं	18:47:27	2:17:57:34	5:21:20:24	3:24:26:33	3:07:24:00	6°15:02:19	1:17:55:54	3:16:35:26	11:05:18:17	10°20:41:43	9°25:24:57	8°01:01:51
5 बु	18:51:24	2:18:54:46	6:03:23:56	3:25:03:25	3°07:25:28	6°15:01:59	1:19:07:33	3:16:42:32	11:05:15:06	10°20:41:00	9°25:23:44	8°01:00:22
6 गु	18:55:21	2:19:51:58	6:15:43:03	3:25:40:18	3°07:22:16	6°15:01:50	1:20:19:14	3:16:49:40	11:05:11:56	10°20:40:14	9°25:22:29	8°00:58:53
7 शु	18:59:17	2:20:49:09	6:28:22:16	3:26:17:13	3°07:14:25	6:15:01:52	1:21:30:58	3:16:56:50	11:05:08:45	10°20:39:25	9°25:21:14	8°00:57:26
8 श	19:03:14	2:21:46:20	7:11:24:50	3:26:54:09	3°07:02:00	6:15:02:05	1:22:42:44	3:17:04:02	11:05:05:34	10°20:38:34	9°25:19:57	8°00:55:59
9 र	19:07:10	2:22:43:31	7:24:52:16	3:27:31:07	3°06:45:09	6:15:02:28	1:23:54:32	3:17:11:16	11:05:02:23	10°20:37:40	9°25:18:39	8°00:54:33
10 चं	19:11:07	2:23:40:42	8:08:43:48	3:28:08:05	3°06:24:03	6:15:03:03	1:25:06:23	3:17:18:32	11:04:59:12	10°20:36:43	9°25:17:20	8°00:53:07
11 मं	19:15:03	2:24:37:53	8:22:56:16	3:28:45:05	3°05:58:58	6:15:03:48	1:26:18:16	3:17:25:49	11:04:56:01	10°20:35:44	9°25:16:00	8°00:51:42
12 बु	19:19:00	2:25:35:05	9:07:24:18	3:29:22:07	3°05:30:14	6:15:04:43	1:27:30:12	3:17:33:09	11:04:52:50	10°20:34:42	9°25:14:39	8°00:50:19
13 गु	19:22:56	2:26:32:16	9:22:01:14	3:29:59:09	3°04:58:12	6:15:05:50	1:28:42:11	3:17:40:30	11:04:49:39	10°20:33:38	9°25:13:17	8°00:48:56
14 शु	19:26:53	2:27:29:28	10:06:40:02	4:00:36:13	3°04:23:22	6:15:07:07	1:29:54:12	3:17:47:52	11:04:46:29	10°20:32:31	9°25:11:54	8°00:47:34
15 श	19:30:50	2:28:26:41	10:21:14:29	4:01:13:19	3°03:46:15	6:15:08:35	2:01:06:16	3:17:55:16	11:04:43:18	10°20:31:21	9°25:10:29	8°00:46:1[illegible]
16 र	19:34:46	2:29:23:54	11:05:39:55	4:01:50:26	3°03:07:26	6:15:10:13	2:02:18:23	3:18:02:41	11:04:40:07	10°20:30:09	9°25:09:04	8°00:44:52
17 चं	19:38:43	3:00:21:07	11:19:53:25	4:02:27:35	3°02:27:32	6:15:12:02	2:03:30:32	3:18:10:08	11:04:36:56	10°20:28:55	9°25:07:38	8°00:43:33
18 मं	19:42:39	3:01:18:22	0:03:53:38	4:03:04:45	3°01:47:16	6:15:14:01	2:04:42:44	3:18:17:37	11:04:33:46	10°20:27:38	9°25:06:11	8°00:42:15
19 बु	19:46:36	3:02:15:37	0:17:40:17	4:03:41:57	3°01:07:18	6:15:16:11	2:05:54:59	3:18:25:06	11:04:30:35	10°20:26:19	9°25:04:43	8°00:40:57
20 गु	19:50:32	3:03:12:53	1:01:13:41	4:04:19:11	3°00:28:21	6:15:18:31	2:07:07:16	3:18:32:37	11:04:27:24	10°20:24:57	9°25:03:14	8°00:39:41
21 शु	19:54:29	3:04:10:09	1:14:34:13	4:04:56:26	2°29:51:07	6:15:21:02	2:08:19:36	3:18:40:09	11:04:24:13	10°20:23:33	9°25:01:45	8°00:38:26
22 श	19:58:25	3:05:07:26	1:27:42:08	4:05:33:43	2°29:16:16	6:15:23:43	2:09:31:58	3:18:47:42	11:04:21:02	10°20:22:07	9°25:00:14	8°00:37:12
23 र	20:02:22	3:06:04:44	2:10:37:31	4:06:11:01	2°28:44:28	6:15:26:35	2:10:44:23	3:18:55:16	11:04:17:51	10°20:20:38	9°24:58:43	8°00:36:00
24 चं	20:06:19	3:07:02:03	2:23:20:16	4:06:48:21	2°28:16:18	6:15:29:36	2:11:56:51	3:19:02:51	11:04:14:40	10°20:19:07	9°24:57:12	8°00:34:48
25 मं	20:10:15	3:07:59:22	3:05:50:27	4:07:25:43	2°27:52:19	6:15:32:48	2:13:09:20	3:19:10:28	11:04:11:30	10°20:17:34	9°24:55:39	8°00:33:38
26 बु	20:14:12	3:08:56:42	3:18:08:27	4:08:03:06	2°27:32:59	6:15:36:10	2:14:21:52	3:19:18:04	11:04:08:19	10°20:15:59	9°24:54:06	8°00:32:29
27 गु	20:18:08	3:09:54:03	4:00:15:15	4:08:40:31	2°27:18:44	6:15:39:42	2:15:34:27	3:19:25:42	11:04:05:08	10°20:14:21	9°24:52:32	8°00:31:21
28 शु	20:22:05	3:10:51:24	4:12:12:35	4:09:17:57	2°27:09:55	6:15:43:24	2:16:47:04	3:19:33:21	11:04:01:57	10°20:12:41	9°24:50:58	8°00:30:14
29 श	20:26:01	3:11:48:45	4:24:02:57	4:09:55:25	2°27:06:49	6:15:47:16	2:17:59:43	3:19:41:00	11:03:58:47	10°20:11:00	9°24:49:23	8°00:29:09
30 र	20:29:58	3:12:46:08	5:05:49:43	4:10:32:55	2:27:09:40	6:15:51:18	2:19:12:24	3:19:48:39	11:03:55:36	10°20:09:16	9°24:47:48	8°00:28:05
31 चं	20:33:54	3:13:43:31	5:17:36:58	4:11:10:26	2:27:18:37	6:15:55:30	2:20:25:08	3:19:56:20	11:03:52:25	10°20:07:30	9°24:46:12	8°00:27:03

अगस्त सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख/वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 मं	20:37:51	3:14:40:54	5:29:29:21	4:11:47:59	2:27:33:50	6:15:59:52	2:21:37:54	3:20:04:00	11:03:49:15	10°20:05:43	9°24:44:36	8°00:26:02
2 बु	20:41:48	3:15:38:18	6:11:31:55	4:12:25:33	2:27:55:21	6:16:04:23	2:22:50:43	3:20:11:41	11:03:46:04	10°20:03:53	9°24:42:59	8°00:25:02
3 गु	20:45:44	3:16:35:43	6:23:49:51	4:13:03:09	2:28:23:14	6:16:09:03	2:24:03:33	3:20:19:23	11:03:42:53	10°20:02:02	9°24:41:23	8°00:24:04
4 शु	20:49:41	3:17:33:08	7:06:27:59	4:13:40:46	2:28:57:29	6:16:13:53	2:25:16:26	3:20:27:04	11:03:39:42	10°20:00:09	9°24:39:45	8°00:23:07
5 श	20:53:37	3:18:30:34	7:19:30:26	4:14:18:25	2:29:38:03	6:16:18:52	2:26:29:21	3:20:34:46	11:03:36:31	10°19:58:14	9°24:38:08	8°00:22:12
6 र	20:57:34	3:19:28:01	8:02:59:46	4:14:56:05	3:00:24:54	6:16:24:01	2:27:42:19	3:20:42:28	11:03:33:20	10°19:56:18	9°24:36:30	8°00:21:18
7 चं	21:01:30	3:20:25:28	8:16:56:31	4:15:33:47	3:01:17:56	6:16:29:18	2:28:55:19	3:20:50:10	11:03:30:09	10°19:54:19	9°24:34:52	8°00:20:26
8 मं	21:05:27	3:21:22:56	9:01:18:33	4:16:11:30	3:02:17:02	6:16:34:45	3:00:08:21	3:20:57:50	11:03:26:59	10°19:52:20	9°24:33:14	8°00:19:35
9 बु	21:09:24	3:22:20:25	9:16:01:00	4:16:49:16	3:03:22:04	6:16:40:21	3:01:21:26	3:21:05:32	11:03:23:48	10°19:50:18	9°24:31:35	8°00:18:46
10 गु	21:13:20	3:23:17:56	10:00:56:36	4:17:27:02	3:04:32:52	6:16:46:05	3:02:34:33	3:21:13:14	11:03:20:37	10°19:48:15	9°24:29:55	8°00:17:59
11 शु	21:17:17	3:24:15:27	10:15:56:49	4:18:04:50	3:05:49:13	6:16:51:58	3:03:47:43	3:21:20:56	11:03:17:26	10°19:46:11	9°24:28:07	8°00:17:13
12 श	21:21:13	3:25:12:59	11:00:53:08	4:18:42:41	3:07:10:56	6:16:58:00	3:05:00:55	3:21:28:37	11:03:14:16	10°19:44:05	9°24:26:53	8°00:16:28
13 र	21:25:10	3:26:10:33	11:15:38:16	4:19:20:32	3:08:37:43	6:17:04:11	3:06:14:09	3:21:36:18	11:03:11:05	10°19:41:58	9°24:25:09	8°00:15:46
14 चं	21:29:06	3:27:08:09	0:00:06:57	4:19:58:26	3:10:09:18	6:17:10:30	3:07:27:27	3:21:43:59	11:03:07:54	10°19:39:49	9°24:23:29	8°00:15:05
15 मं	21:33:03	3:28:05:46	0:14:16:12	4:20:36:21	3:11:45:21	6:17:16:58	3:08:40:47	3:21:51:40	11:03:04:44	10°19:37:40	9°24:21:51	8°00:14:25
16 बु	21:36:59	3:29:03:24	0:28:04:59	4:21:14:19	3:13:25:31	6:17:23:34	3:09:54:09	3:21:59:20	11:03:01:33	10°19:35:29	9°24:20:12	8°00:13:48
17 गु	21:40:56	4:00:01:04	1:11:33:45	4:21:52:18	3:15:09:26	6:17:30:18	3:11:07:34	3:22:06:59	11:02:58:22	10°19:33:16	9°24:18:34	8°00:13:12
18 शु	21:44:52	4:00:58:45	1:24:43:54	4:22:30:19	3:16:56:41	6:17:37:11	3:12:21:01	3:22:14:38	11:02:55:11	10°19:31:03	9°24:16:57	8°00:12:37
19 श	21:48:49	4:01:56:29	2:07:37:16	4:23:08:22	3:18:46:51	6:17:44:12	3:13:34:31	3:22:22:17	11:02:52:00	10°19:28:48	9°24:15:19	8°00:12:05
20 र	21:52:46	4:02:54:13	2:20:15:49	4:23:46:27	3:20:39:33	6:17:51:20	3:14:48:03	3:22:29:54	11:02:48:49	10°19:26:33	9°24:13:42	8°00:11:34
21 चं	21:56:42	4:03:51:59	3:02:41:25	4:24:24:34	3:22:34:20	6:17:58:37	3:16:01:38	3:22:37:31	11:02:45:38	10°19:24:16	9°24:12:05	8°00:11:05
22 मं	22:00:39	4:04:49:47	3:14:55:50	4:25:02:43	3:24:30:48	6:18:06:02	3:17:15:15	3:22:45:07	11:02:42:28	10°19:21:59	9°24:10:29	8°00:10:38
23 बु	22:04:35	4:05:47:36	3:27:00:44	4:25:40:53	3:26:28:35	6:18:13:35	3:18:28:54	3:22:52:42	11:02:39:17	10°19:19:41	9°24:08:53	8°00:10:13
24 गु	22:08:32	4:06:45:27	4:08:57:49	4:26:19:06	3:28:27:17	6:18:21:15	3:19:42:35	3:23:00:17	11:02:36:06	10°19:17:22	9°24:07:17	8°00:09:49
25 शु	22:12:28	4:07:43:19	4:20:48:59	4:26:57:21	4:00:26:36	6:18:29:03	3:20:56:19	3:23:07:50	11:02:32:56	10°19:15:02	9°24:05:42	8°00:09:27
26 श	22:16:25	4:08:41:13	5:02:36:22	4:27:35:37	4:02:26:13	6:18:36:59	3:22:10:05	3:23:15:22	11:02:29:45	10°19:12:41	9°24:04:07	8°00:09:07
27 र	22:20:21	4:09:39:08	5:14:22:36	4:28:13:55	4:04:25:52	6:18:45:02	3:23:23:53	3:23:22:52	11:02:26:34	10°19:10:20	9°24:02:33	8°00:08:49
28 चं	22:24:18	4:10:37:04	5:26:10:45	4:28:52:15	4:06:25:18	6:18:53:12	3:24:37:42	3:23:30:22	11:02:23:24	10°19:07:59	9°24:01:00	8°00:08:33
29 मं	22:28:15	4:11:35:02	6:08:04:26	4:29:30:37	4:08:24:19	6:19:01:30	3:25:51:34	3:23:37:50	11:02:20:13	10°19:05:36	9°23:59:27	8°00:08:19
30 बु	22:32:11	4:12:33:01	6:20:07:40	5:00:09:01	4:10:22:46	6:19:09:54	3:27:05:28	3:23:45:17	11:02:17:02	10°19:03:14	9°23:57:55	8°00:08:06
31 गु	22:36:08	4:13:31:01	7:02:24:49	5:00:47:27	4:12:20:28	6:19:18:26	3:28:19:24	3:23:52:42	11:02:13:51	10°19:00:51	9°23:56:24	8°00:07:56

सितम्बर सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख/वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 शु	22:40:04	4:14:29:03	7:15:00:18	5:01:25:55	4:14:17:21	6:19:27:05	3:29:33:22	3:24:00:06	11:02:10:41	10°18:58:27	9°23:54:53	8°00:07:47
2 श	22:44:01	4:15:27:06	7:27:58:13	5:02:04:24	4:16:13:17	6:19:35:51	4:00:47:21	3:24:07:28	11:02:07:30	10°18:56:04	9°23:53:23	8°00:07:40
3 र	22:47:57	4:16:25:11	8:11:21:50	5:02:42:55	4:18:08:12	6:19:44:43	4:02:01:23	3:24:14:48	11:02:04:19	10°18:53:39	9°23:51:54	8°00:07:35
4 चं	22:51:54	4:17:23:17	8:25:12:57	5:03:21:28	4:20:02:03	6:19:53:42	4:03:15:26	3:24:22:07	11:02:01:08	10°18:51:15	9°23:50:25	8°00:07:32
5 मं	22:55:50	4:18:21:24	9:09:31:10	5:04:00:03	4:21:54:48	6:20:02:47	4:04:29:32	3:24:29:24	11:01:57:57	10°18:48:51	9°23:48:58	8°00:07:31
6 बु	22:59:47	4:19:19:33	9:24:13:27	5:04:38:40	4:23:46:24	6:20:11:59	4:05:43:39	3:24:36:39	11:01:54:46	10°18:46:32	9°23:47:31	8:00:07:32
7 गु	23:03:44	4:20:17:43	10:09:13:59	5:05:17:19	4:25:36:52	6:20:21:18	4:06:57:48	3:24:43:53	11:01:51:36	10°18:44:08	9°23:46:06	8:00:07:35
8 शु	23:07:40	4:21:15:55	10:24:24:34	5:05:56:00	4:27:26:09	6:20:30:42	4:08:11:59	3:24:51:04	11:01:48:25	10°18:41:44	9°23:44:41	8:00:07:39
9 श	23:11:37	4:22:14:09	11:09:35:48	5:06:34:43	4:29:14:17	6:20:40:13	4:09:26:12	3:24:58:13	11:01:45:14	10°18:39:20	9°23:43:17	8:00:07:46
10 र	23:15:33	4:23:12:25	11:24:38:20	5:07:13:28	5:01:01:15	6:20:49:50	4:10:40:27	3:25:05:21	11:01:42:04	10°18:36:56	9°23:41:55	8:00:07:54
11 चं	23:19:30	4:24:10:42	0:09:24:18	5:07:52:15	5:02:47:04	6:20:59:33	4:11:54:44	3:25:12:26	11:01:38:53	10°18:34:33	9°23:40:33	8:00:08:05
12 मं	23:23:26	4:25:09:02	0:23:48:10	5:08:31:04	5:04:31:44	6:21:09:21	4:13:09:03	3:25:19:29	11:01:35:42	10°18:32:10	9°23:39:13	8:00:08:17
13 बु	23:27:23	4:26:07:24	1:07:47:00	5:09:09:55	5:06:15:17	6:21:19:16	4:14:23:24	3:25:26:29	11:01:32:32	10°18:29:47	9°23:37:53	8:00:08:31
14 गु	23:31:19	4:27:05:48	1:21:20:17	5:09:48:48	5:07:57:44	6:21:29:17	4:15:37:47	3:25:33:28	11:01:29:21	10°18:27:25	9°23:36:35	8:00:08:47
15 शु	23:35:16	4:28:04:14	2:04:29:25	5:10:27:44	5:09:39:04	6:21:39:23	4:16:52:12	3:25:40:24	11:01:26:10	10°18:25:03	9°23:35:18	8:00:09:06
16 श	23:39:13	4:29:02:43	2:17:17:00	5:11:06:42	5:11:19:20	6:21:49:35	4:18:06:39	3:25:47:17	11:01:22:59	10°18:22:42	9°23:34:02	8:00:09:26
17 र	23:43:09	5:00:01:13	2:29:46:20	5:11:45:42	5:12:58:33	6:21:59:52	4:19:21:07	3:25:54:08	11:01:19:48	10°18:20:22	9°23:32:47	8:00:09:47
18 चं	23:47:06	5:00:59:46	3:12:00:58	5:12:24:45	5:14:36:42	6:22:10:15	4:20:35:37	3:26:00:56	11:01:16:37	10°18:18:02	9°23:31:34	8:00:10:11
19 मं	23:51:02	5:01:58:20	3:24:04:18	5:13:03:49	5:16:13:50	6:22:20:44	4:21:50:09	3:26:07:42	11:01:13:27	10°18:15:43	9°23:30:22	8:00:10:37
20 बु	23:54:59	5:02:56:57	4:05:59:34	5:13:42:56	5:17:49:57	6:22:31:17	4:23:04:43	3:26:14:25	11:01:10:16	10°18:13:25	9°23:29:11	8:00:11:05
21 गु	23:58:55	5:03:55:36	4:17:49:36	5:14:22:05	5:19:25:04	6:22:41:56	4:24:19:18	3:26:21:05	11:01:07:05	10°18:11:08	9°23:28:01	8:00:11:35
22 शु	0:02:52	5:04:54:17	4:29:36:59	5:15:01:17	5:20:59:12	6:22:52:40	4:25:33:55	3:26:27:42	11:01:03:55	10°18:08:51	9°23:26:53	8:00:12:06
23 श	0:06:48	5:05:53:00	5:11:24:02	5:15:40:30	5:22:32:20	6:23:03:29	4:26:48:33	3:26:34:16	11:01:00:44	10°18:06:36	9°23:25:47	8:00:12:40
24 र	0:10:45	5:06:51:44	5:23:13:00	5:16:19:46	5:24:04:30	6:23:14:23	4:28:03:13	3:26:40:47	11:00:57:33	10°18:04:22	9°23:24:42	8:00:13:15
25 चं	0:14:41	5:07:50:31	6:05:06:09	5:16:59:04	5:25:35:42	6:23:25:22	4:29:17:54	3:26:47:15	11:00:54:23	10°18:02:08	9°23:23:38	8:00:13:52
26 मं	0:18:38	5:08:49:20	6:17:05:54	5:17:38:24	5:27:05:57	6:23:36:26	5:00:32:37	3:26:53:40	11:00:51:12	10°17:59:56	9°23:22:36	8:00:14:32
27 बु	0:22:35	5:09:48:10	6:29:14:54	5:18:17:46	5:28:35:12	6:23:47:34	5:01:47:20	3:27:00:01	11:00:48:01	10°17:57:46	9°23:21:35	8:00:15:13
28 गु	0:26:31	5:10:47:02	7:11:36:05	5:18:57:11	6:00:03:30	6:23:58:47	5:03:02:05	3:27:06:19	11:00:44:50	10°17:55:36	9°23:20:36	8:00:15:56
29 शु	0:30:28	5:11:45:56	7:24:12:36	5:19:36:38	6:01:30:49	6:24:10:05	5:04:16:51	3:27:12:34	11:00:41:40	10°17:53:28	9°23:19:39	8:00:16:41
30 श	0:34:24	5:12:44:52	8:07:07:41	5:20:16:06	6:02:57:08	6:24:21:26	5:05:31:39	3:27:18:45	11:00:38:29	10°17:51:21	9°23:18:43	8:00:17:28

अक्तूबर सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख /वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 र	0:38:21	5:13:43:49	8:20:24:17	5:20:55:37	6:04:22:27	6:24:32:52	5:06:46:27	3:27:24:53	11:00:35:18	10°17:49:16	9°23:17:49	8:00:18:16
2 चं	0:42:17	5:14:42:48	9:04:04:40	5:21:35:11	6:05:46:45	6:24:44:23	5:08:01:16	3:27:30:57	11:00:32:07	10°17:47:12	9°23:16:56	8:00:19:07
3 मं	0:46:14	5:15:41:49	9:18:09:51	5:22:14:46	6:07:09:59	6:24:55:57	5:09:16:07	3:27:36:58	11:00:28:56	10°17:45:09	9°23:16:05	8:00:19:59
4 बु	0:50:11	5:16:40:52	10:02:38:57	5:22:54:23	6:08:32:08	6:25:07:36	5:10:30:58	3:27:42:54	11:00:25:46	10°17:43:09	9°23:15:16	8:00:20:53
5 गु	0:54:07	5:17:39:56	10:17:28:40	5:23:34:03	6:09:53:09	6:25:19:18	5:11:45:51	3:27:48:47	11:00:22:35	10°17:41:09	9°23:14:28	8:00:21:49
6 शु	0:58:04	5:18:39:02	11:02:33:08	5:24:13:45	6:11:13:01	6:25:31:04	5:13:00:44	3:27:54:36	11:00:19:24	10°17:39:12	9°23:13:43	8:00:22:47
7 श	1:02:00	5:19:38:11	11:17:44:10	5:24:53:29	6:12:31:39	6:25:42:54	5:14:15:39	3:28:00:22	11:00:16:14	10°17:37:16	9°23:12:59	8:00:23:46
8 र	1:05:57	5:20:37:21	0:02:52:21	5:25:33:16	6:13:49:00	6:25:54:48	5:15:30:35	3:28:06:03	11:00:13:03	10°17:35:22	9°23:12:16	8:00:24:47
9 चं	1:09:53	5:21:36:33	0:17:48:19	5:26:13:05	6:15:05:00	6:26:06:45	5:16:45:31	3:28:11:40	11:00:09:52	10°17:33:30	9°23:11:36	8:00:25:50
10 मं	1:13:50	5:22:35:48	1:02:24:09	5:26:52:56	6:16:19:33	6:26:18:46	5:18:00:29	3:28:17:13	11:00:06:41	10°17:31:40	9°23:10:57	8:00:26:55
11 बु	1:17:46	5:23:35:05	1:16:34:29	5:27:32:50	6:17:32:35	6:26:30:51	5:19:15:28	3:28:22:42	11:00:03:31	10°17:29:52	9°23:10:20	8:00:28:02
12 गु	1:21:43	5:24:34:24	2:00:16:52	5:28:12:46	6:18:43:59	6:26:42:59	5:20:30:28	3:28:28:07	11:00:00:20	10°17:28:06	9°23:09:45	8:00:29:10
13 शु	1:25:40	5:25:33:45	2:13:31:32	5:28:52:45	6:19:53:36	6:26:55:10	5:21:45:29	3:28:33:27	10:29:57:09	10°17:26:21	9°23:09:12	8:00:30:20
14 श	1:29:36	5:26:33:09	2:26:20:48	5:29:32:46	6:21:01:19	6:27:07:25	5:23:00:31	3:28:38:43	10:29:53:58	10°17:24:39	9°23:08:40	8:00:31:32
15 र	1:33:33	5:27:32:35	3:08:48:26	6:00:12:50	6:22:06:57	6:27:19:42	5:24:15:34	3:28:43:55	10:29:50:47	10°17:22:59	9°23:08:11	8:00:32:45
16 चं	1:37:29	5:28:32:04	3:20:58:57	6:00:52:57	6:23:10:20	6:27:32:03	5:25:30:38	3:28:49:02	10:29:47:36	10°17:21:21	9°23:07:43	8:00:34:00
17 मं	1:41:26	5:29:31:34	4:02:57:04	6:01:33:05	6:24:11:14	6:27:44:28	5:26:45:43	3:28:54:05	10:29:44:26	10°17:19:45	9°23:07:17	8:00:35:17
18 बु	1:45:22	6:00:31:07	4:14:47:23	6:02:13:17	6:25:09:26	6:27:56:55	5:28:00:49	3:28:59:02	10:29:41:15	10°17:18:11	9°23:06:53	8:00:36:35
19 गु	1:49:19	6:01:30:42	4:26:34:04	6:02:53:31	6:26:04:40	6:28:09:25	5:29:15:55	3:29:03:55	10:29:38:04	10°17:16:40	9°23:06:31	8:00:37:55
20 शु	1:53:15	6:02:30:20	5:08:20:47	6:03:33:47	6:26:56:36	6:28:21:57	6:00:31:03	3:29:08:44	10:29:34:54	10°17:15:11	9°23:06:11	8:00:39:17
21 श	1:57:12	6:03:29:59	5:20:10:33	6:04:14:06	6:27:44:56	6:28:34:33	6:01:46:11	3:29:13:27	10:29:31:43	10°17:13:45	9°23:05:54	8:00:40:40
22 र	2:01:09	6:04:29:41	6:02:05:49	6:04:54:28	6:28:29:15	6:28:47:11	6:03:01:20	3:29:18:06	10:29:28:32	10°17:12:20	9°23:05:38	8:00:42:05
23 चं	2:05:05	6:05:29:24	6:14:08:30	6:05:34:51	6:29:09:10	6:28:59:52	6:04:16:30	3:29:22:39	10:29:25:22	10°17:10:59	9°23:05:24	8:00:43:31
24 मं	2:09:02	6:06:29:09	6:26:20:05	6:06:15:16	6:29:44:12	6:29:12:35	6:05:31:40	3:29:27:07	10:29:22:11	10°17:09:39	9°23:05:12	8:00:44:59
25 बु	2:12:58	6:07:28:57	7:08:41:51	6:06:55:45	7:00:13:52	6:29:25:21	6:06:46:51	3:29:31:31	10:29:19:00	10°17:08:23	9°23:05:02	8:00:46:28
26 गु	2:16:55	6:08:28:46	7:21:15:01	6:07:36:16	7:00:37:35	6:29:38:09	6:08:02:02	3:29:35:49	10:29:15:49	10°17:07:09	9°23:04:54	8:00:47:59
27 शु	2:20:51	6:09:28:37	8:04:00:52	6:08:16:50	7:00:54:49	6:29:50:59	6:09:17:14	3:29:40:01	10:29:12:38	10°17:05:57	9°23:04:48	8:00:49:31
28 श	2:24:48	6:10:28:30	8:17:00:55	6:08:57:26	7:01:04:56	7:00:03:51	6:10:32:26	3:29:44:09	10:29:09:28	10°17:04:48	9°23:04:44	8:00:51:05
29 र	2:28:44	6:11:28:24	9:00:16:48	6:09:38:05	7°01:07:22	7:00:16:46	6:11:47:38	3:29:48:11	10:29:06:17	10°17:03:42	9°23:04:42	8:00:52:40
30 चं	2:32:41	6:12:28:20	9:13:50:10	6:10:18:45	7°01:01:30	7:00:29:42	6:13:02:51	3:29:52:07	10:29:03:06	10°17:02:38	9:23:04:42	8:00:54:17
31 मं	2:36:38	6:13:28:17	9:27:42:18	6:10:59:29	7°00:46:49	7:00:42:40	6:14:18:04	3:29:55:59	10:28:59:55	10°17:01:37	9:23:04:44	8:00:55:55

नवम्बर सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रैहस्पष्ट।

तारीख/वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क़.वि.
1 बु	2:40:34	6:14:28:17	10:11:53:37	6:11:40:14	7°00:22:55	7:00:55:40	6:15:33:17	3:29:59:44	10:28:56:44	10°17:00:39	9:23:04:48	8:00:57:34
2 गु	2:44:31	6:15:28:17	10:26:23:04	6:12:21:02	6°29:49:32	7:01:08:42	6:16:48:31	4:00:03:24	10:28:53:34	10°16:59:44	9:23:04:54	8:00:59:15
3 शु	2:48:27	6:16:28:20	11:11:07:35	6:13:01:53	6°29:06:39	7:01:21:45	6:18:03:45	4:00:06:58	10:28:50:23	10°16:58:51	9:23:05:03	8:01:00:57
4 श	2:52:24	6:17:28:24	11:26:01:51	6:13:42:45	6°28:14:34	7:01:34:50	6:19:18:59	4:00:10:27	10:28:47:12	10°16:58:01	9:23:05:13	8:01:02:40
5 र	2:56:20	6:18:28:29	0:10:58:28	6:14:23:41	6°27:13:57	7:01:47:57	6:20:34:13	4:00:13:50	10:28:44:02	10°16:57:14	9:23:05:25	8:01:04:25
6 चं	3:00:17	6:19:28:37	0:25:48:54	6:15:04:39	6°26:05:54	7:02:01:05	6:21:49:28	4:00:17:07	10:28:40:51	10°16:56:30	9:23:05:40	8:01:06:11
7 मं	3:04:13	6:20:28:46	1:10:24:41	6:15:45:39	6°24:51:57	7:02:14:14	6:23:04:43	4:00:20:18	10:28:37:40	10°16:55:49	9:23:05:56	8:01:07:58
8 बु	3:08:10	6:21:28:58	1:24:38:53	6:16:26:42	6°23:34:06	7:02:27:24	6:24:19:58	4:00:23:24	10:28:34:29	10°16:55:10	9:23:06:15	8:01:09:46
9 गु	3:12:07	6:22:29:11	2:08:27:03	6:17:07:48	6°22:14:40	7:02:40:36	6:25:35:14	4:00:26:23	10:28:31:18.	10°16:54:35	9:23:06:35	8:01:11:35
10 शु	3:16:03	6:23:29:26	2:21:47:36	6:17:48:57	6°20:56:09	7:02:53:49	6:26:50:31	4:00:29:17	10:28:28:07	10°16:54:02	9:23:06:58	8:01:13:26
11 श	3:20:00	6:24:29:43	3:04:41:33	6:18:30:08	6°19:41:07	7:03:07:03	6:28:05:47	4:00:32:04	10:28:24:56	10°16:53:33	9:23:07:22	8:01:15:17
12 र	3:23:56	6:25:30:02	3:17:12:01	6:19:11:22	6°18:32:00	7:03:20:18	6:29:21:04	4:00:34:46	10:28:21:46	10°16:53:06	9:23:07:49	8:01:17:10
13 चं	3:27:53	6:26:30:23	3:29:23:30	6:19:52:38	6°17:30:52	7:03:33:34	7:00:36:22	4:00:37:21	10:28:18:35	10°16:52:42	9:23:08:18	8:01:19:04
14 मं	3:31:49	6:27:30:46	4:11:21:13	6:20:33:57	6°16:39:24	7:03:46:51	7:01:51:39	4:00:39:50	10:28:15:24	10°16:52:21	9:23:08:48	8:01:20:59
15 बु	3:35:46	6:28:31:11	4:23:10:36	6:21:15:19	6°15:58:46	7:04:00:09	7:03:06:58	4:00:42:12	10:28:12:13	10°16:52:04	9:23:09:21	8:01:22:55
16 गु	3:39:42	6:29:31:38	5:04:56:56	6:21:56:44	6°15:29:39	7:04:13:27	7:04:22:16	4:00:44:29	10:28:09:03	10°16:51:49	9:23:09:56	8:01:24:52
17 शु	3:43:39	7:00:32:07	5:16:45:01	6:22:38:11	6°15:12:16	7:04:26:46	7:05:37:35	4:00:46:39	10:28:05:52	10°16:51:37	9:23:10:33	8:01:26:50
18 श	3:47:36	7:01:32:37	5:28:38:58	6:23:19:41	6°15:06:25	7:04:40:06	7:06:52:54	4:00:48:42	10:28:02:41	10°16:51:28	9:23:11:11	8:01:28:49
19 र	3:51:32	7:02:33:09	6:10:41:59	6:24:01:14	6:15:11:40	7:04:53:26	7:08:08:13	4:00:50:40	10:27:59:31	10°16:51:23	9:23:11:52	8:01:30:49
20 चं	3:55:29	7:03:33:43	6:22:56:23	6:24:42:49	6:15:27:20	7:05:06:46	7:09:23:33	4:00:52:30	10:27:56:20	10°16:51:20	9:23:12:35	8:01:32:49
21 मं	3:59:25	7:04:34:18	7:05:23:25	6:25:24:27	6:15:52:34	7:05:20:07	7:10:38:53	4:00:54:14	10:27:53:09	10:16:51:21	9:23:13:20	8:01:34:51
22 बु	4:03:22	7:05:34:55	7:18:03:27	6:26:06:07	6:16:26:31	7:05:33:27	7:11:54:13	4:00:55:52	10:27:49:58	10:16:51:25	9:23:14:07	8:01:36:53
23 गु	4:07:18	7:06:35:34	8:00:56:11	6:26:47:50	6:17:08:17	7:05:46:47	7:13:09:33	4:00:57:23	10:27:46:47	10:16:51:31	9:23:14:55	8:01:38:57
24 शु	4:11:15	7:07:36:13	8:14:00:56	6:27:29:36	6:17:56:58	7:06:00:09	7:14:24:53	4:00:58:47	10:27:43:36	10:16:51:41	9:23:15:46	8:01:41:01
25 श	4:15:11	7:08:36:54	8:27:16:56	6:28:11:24	6:18:51:46	7:06:13:30	7:15:40:13	4:01:00:05	10:27:40:25	10:16:51:54	9:23:16:39	8:01:43:05
26 र	4:19:08	7:09:37:36	9:10:43:44	6:28:53:14	6:19:51:55	7:06:26:51	7:16:55:33	4:01:01:16	10:27:37:14	10:16:52:10	9:23:17:33	8:01:45:11
27 चं	4:23:05	7:10:38:19	9:24:21:15	6:29:35:07	6:20:56:41	7:06:40:11	7:18:10:52	4:01:02:21	10:27:34:04	10:16:52:29	9:23:18:30	8:01:47:17
28 मं	4:27:01	7:11:39:03	10:08:09:46	7:00:17:03	6:22:05:29	7:06:53:31	7:19:26:12	4:01:03:19	10:27:30:53	10:16:52:52	9:23:19:28	8:01:49:24
29 बु	4:30:58	7:12:39:48	10:22:09:38	7:00:59:01	6:23:17:45	7:07:06:51	7:20:41:32	4:01:04:10	10:27:27:42	10:16:53:17	9:23:20:29	8:01:51:31
30 गु	4:34:54	7:13:40:34	11:06:20:44	7:01:41:02	6:24:32:58	7:07:20:10	7:21:56:51	4:01:04:54	10:27:24:31	10:16:53:45	9:23:21:31	8:01:53:39

दिसम्बर सन् २००६ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख /वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 शु	4:38:51	7:14:41:21	11:20:41:58	7:02:23:05	6:25:50:45	7:07:33:29	7:23:12:11	4:01:05:32	10:27:21:21	10:16:54:17	9:23:22:35	8:01:55:48
2 श	4:42:47	7:15:42:08	0:05:10:41	7:03:05:10	6:27:10:43	7:07:46:47	7:24:27:30	4:01:06:03	10:27:18:10	10:16:54:51	9:23:23:41	8:01:57:57
3 र	4:46:44	7:16:42:57	0:19:42:30	7:03:47:18	6:28:32:32	7:08:00:04	7:25:42:49	4:01:06:27	10:27:14:59	10:16:55:29	9:23:24:49	8:02:00:07
4 चं	4:50:40	7:17:43:47	1:04:11:31	7:04:29:29	6:29:55:56	7:08:13:21	7:26:58:08	4:01:06:45	10:27:11:48	10:16:56:09	9:23:25:59	8:02:02:17
5 मं	4:54:37	7:18:44:38	1:18:31:02	7:05:11:43	7:01:20:41	7:08:26:37	7:28:13:26	4:01:06:56	10:27:08:37	10:16:56:53	9:23:27:10	8:02:04:27
6 बु	4:58:34	7:19:45:30	2:02:34:43	7:05:53:59	7:02:46:36	7:08:39:51	7:29:28:45	4:01:07:00	10:27:05:26	10:16:57:40	9:23:28:23	8:02:06:38
7 गु	5:02:30	7:20:46:23	2:16:17:33	7:06:36:17	7:04:13:29	7:08:53:05	8:00:44:04	4°01:06:57	10:27:02:15	10:16:58:30	9:23:29:38	8:02:08:50
8 शु	5:06:27	7:21:47:17	2:29:36:43	7:07:18:39	7:05:41:12	7:09:06:18	8:01:59:22	4°01:06:48	10:26:59:04	10:16:59:22	9:23:30:55	8:02:11:02
9 श	5:10:23	7:22:48:12	3:12:31:43	7:08:01:03	7:07:09:38	7:09:19:29	8:03:14:41	4°01:06:32	10:26:55:54	10:17:00:18	9:23:32:13	8:02:13:14
10 र	5:14:20	7:23:49:08	3:25:04:17	7:08:43:30	7:08:38:41	7:09:32:40	8:04:29:59	4°01:06:09	10:26:52:43	10:17:01:17	9:23:33:33	8:02:15:26
11 चं	5:18:16	7:24:50:06	4:07:17:54	7:09:25:59	7:10:08:15	7:09:45:49	8:05:45:18	4°01:05:40	10:26:49:32	10:17:02:19	9:23:34:55	8:02:17:39
12 मं	5:22:13	7:25:51:05	4:19:17:16	7:10:08:31	7:11:38:16	7:09:58:56	8:07:00:36	4°01:05:04	10:26:46:21	10:17:03:23	9:23:36:19	8:02:19:52
13 बु	5:26:09	7:26:52:05	5:01:07:45	7:10:51:06	7:13:08:40	7:10:12:03	8:08:15:55	4°01:04:21	10:26:43:10	10:17:04:31	9:23:37:44	8:02:22:05
14 गु	5:30:06	7:27:53:06	5:12:55:01	7:11:33:44	7:14:39:25	7:10:25:07	8:09:31:13	4°01:03:32	10:26:40:00	10:17:05:42	9:23:39:11	8:02:24:18
15 शु	5:34:03	7:28:54:08	5:24:44:36	7:12:16:25	7:16:10:28	7:10:38:10	8:10:46:32	4°01:02:35	10:26:36:49	10:17:06:55	9:23:40:39	8:02:26:31
16 श	5:37:59	7:29:55:10	6:06:41:36	7:12:59:08	7:17:41:48	7:10:51:12	8:12:01:50	4°01:01:32	10:26:33:38	10:17:08:12	9:23:42:10	8:02:28:45
17 र	5:41:56	8:00:56:14	6:18:50:20	7:13:41:53	7:19:13:23	7:11:04:11	8:13:17:08	4°01:00:23	10:26:30:27	10:17:09:31	9:23:43:41	8:02:30:58
18 चं	5:45:52	8:01:57:19	7:01:14:06	7:14:24:42	7:20:45:11	7:11:17:08	8:14:32:27	4°00:59:07	10:26:27:17	10:17:10:53	9:23:45:14	8:02:33:12
19 मं	5:49:49	8:02:58:25	7:13:54:51	7:15:07:33	7:22:17:12	7:11:30:04	8:15:47:45	4°00:57:44	10:26:24:06	10:17:12:19	9:23:46:49	8:02:35:26
20 बु	5:53:45	8:03:59:31	7:26:53:05	7:15:50:27	7:23:49:26	7:11:42:57	8:17:03:03	4°00:56:15	10:26:20:55	10:17:13:47	9:23:48:26	8:02:37:39
21 गु	5:57:42	8:05:00:38	8:10:07:53	7:16:33:23	7:25:21:52	7:11:55:49	8:18:18:20	4°00:54:40	10:26:17:44	10:17:15:18	9:23:50:04	8:02:39:53
22 शु	6:01:39	8:06:01:45	8:23:37:06	7:17:16:22	7:26:54:30	7:12:08:37	8:19:33:38	4°00:52:58	10:26:14:33	10:17:16:51	9:23:51:43	8:02:42:06
23 श	6:05:35	8:07:02:52	9:07:17:54	7:17:59:23	7:28:27:21	7:12:21:24	8:20:48:55	4°00:51:09	10:26:11:22	10:17:18:28	9:23:53:24	8:02:44:20
24 र	6:09:32	8:08:04:00	9:21:07:19	7:18:42:26	8:00:00:23	7:12:34:08	8:22:04:12	4°00:49:14	10:26:08:11	10:17:20:07	9:23:55:06	8:02:46:33
25 चं	6:13:28	8:09:05:09	10:05:02:43	7:19:25:33	8:01:33:39	7:12:46:49	8:23:19:28	4°00:47:13	10:26:05:00	10:17:21:49	9:23:56:49	8:02:48:46
26 मं	6:17:25	8:10:06:17	10:19:02:13	7:20:08:41	8:03:07:07	7:12:59:28	8:24:34:44	4°00:45:06	10:26:01:50	10:17:23:34	9:23:58:34	8:02:50:59
27 बु	6:21:21	8:11:07:25	11:03:04:39	7:20:51:52	8:04:40:50	7:13:12:04	8:25:49:59	4°00:42:53	10:25:58:39	10:17:25:21	9:24:00:21	8:02:53:12
28 गु	6:25:18	8:12:08:33	11:17:09:19	7:21:35:06	8:06:14:47	7:13:24:37	8:27:05:13	4°00:40:34	10:25:55:28	10:17:27:11	9:24:02:08	8:02:55:25
29 शु	6:29:14	8:13:09:42	0:01:15:33	7:22:18:21	8:07:48:59	7:13:37:07	8:28:20:27	4°00:38:09	10:25:52:17	10:17:29:04	9:24:03:57	8:02:57:37
30 श	6:33:11	8:14:10:50	0:15:22:13	7:23:[illegible]	8:0[illegible]:27	7:13:49:34	8:29:35:4[illegible]	4°00:35:38	10:25:49:07	10:17:30:59	9:24:05:47	8:02:59:49
31 र	6:37:08	8:15:11:58	0:29:27:22	7:23:45:00	8:10:58:12	7:14:01:58	9:00:50:53	4°00:33:01	10:25:45:56	10:17:32:57	9:24:07:39	8:03:02:00

जनवरी सन् २००७ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख़ /वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 चं	6:41:04	8:16:13:06	1:13:28:02	7:24:28:23	8:12:33:16	7:14:14:19	9:02:06:05	4°00:30:18	10:25:42:45	10:17:34:57	9:24:09:31	8:03:04:11
2 मं	6:45:01	8:17:14:14	1:27:20:32	7:25:11:49	8:14:08:37	7:14:26:36	9:03:21:16	4°00:27:30	10:25:39:34	10:17:37:00	9:24:11:25	8:03:06:22
3 बु	6:48:57	8:18:15:22	2:11:00:55	7:25:55:17	8:15:44:19	7:14:38:50	9:04:36:27	4°00:24:36	10:25:36:23	10:17:39:06	9:24:13:20	8:03:08:32
4 गु	6:52:54	8:19:16:30	2:24:25:39	7:26:38:48	8:17:20:21	7:14:51:01	9:05:51:37	4°00:21:37	10:25:33:12	10:17:41:13	9:24:15:16	8:03:10:42
5 शु	6:56:50	8:20:17:37	3:07:32:16	7:27:22:21	8:18:56:45	7:15:03:08	9:07:06:46	4°00:18:32	10:25:30:01	10:17:43:24	9:24:17:13	8:03:12:51
6 श	7:00:47	8:21:18:45	3:20:19:46	7:28:05:57	8:20:33:32	7:15:15:12	9:08:21:55	4°00:15:22	10:25:26:50	10:17:45:36	9:24:19:11	8:03:15:00
7 र	7:04:43	8:22:19:53	4:02:48:46	7:28:49:35	8:22:10:42	7:15:27:12	9:09:37:03	4°00:12:07	10:25:23:39	10:17:47:51	9:24:21:10	8:03:17:08
8 चं	7:08:40	8:23:21:01	4:15:01:26	7:29:33:16	8:23:48:15	7:15:39:08	9:10:52:10	4°00:08:47	10:25:20:29	10:17:50:08	9:24:23:11	8:03:19:16
9 मं	7:12:37	8:24:22:10	4:27:01:12	8:00:16:59	8:25:26:14	7:15:51:00	9:12:07:16	4°00:05:22	10:25:17:18	10:17:52:28	9:24:25:12	8:03:21:23
10 बु	7:16:33	8:25:23:18	5:08:52:33	8:01:00:45	8:27:04:38	7:16:02:49	9:13:22:22	4°00:01:52	10:25:14:07	10:17:54:50	9:24:27:14	8:03:23:29
11 गु	7:20:30	8:26:24:26	5:20:40:32	8:01:44:34	8:28:43:27	7:16:14:33	9:14:37:28	3°29:58:17	10:25:10:57	10:17:57:14	9:24:29:17	8:03:25:35
12 शु	7:24:26	8:27:25:34	6:02:30:36	8:02:28:25	9:00:22:43	7:16:26:13	9:15:52:32	3°29:54:37	10:25:07:46	10:17:59:40	9:24:31:21	8:03:27:40
13 श	7:28:23	8:28:26:42	6:14:28:09	8:03:12:19	9:02:02:24	7:16:37:49	9:17:07:36	3°29:50:53	10:25:04:35	10:18:02:09	9:24:33:26	8:03:29:44
14 र	7:32:19	8:29:27:50	6:26:38:18	8:03:56:15	9:03:42:32	7:16:49:21	9:18:22:39	3°29:47:05	10:25:01:24	10:18:04:39	9:24:35:32	8:03:31:47
15 चं	7:36:16	9:00:28:58	7:09:05:24	8:04:40:13	9:05:23:05	7:17:00:48	9:19:37:41	3°29:43:12	10:24:58:13	10:18:07:12	9:24:37:39	8:03:33:50
16 मं	7:40:12	9:01:30:06	7:21:52:42	8:05:24:14	9:07:04:02	7:17:12:11	9:20:52:43	3°29:39:14	10:24:55:02	10:18:09:47	9:24:39:46	8:03:35:52
17 बु	7:44:09	9:02:31:13	8:05:01:53	8:06:08:18	9:08:45:23	7:17:23:28	9:22:07:44	3°29:35:13	10:24:51:51	10:18:12:24	9:24:41:54	8:03:37:52
18 गु	7:48:06	9:03:32:20	8:18:32:46	8:06:52:23	9:10:27:06	7:17:34:42	9:23:22:43	3°29:31:08	10:24:48:41	10:18:15:03	9:24:44:03	8:03:39:52
19 शु	7:52:02	9:04:33:27	9:02:23:15	8:07:36:31	9:12:09:08	7:17:45:50	9:24:37:42	3°29:26:59	10:24:45:30	10:18:17:44	9:24:46:13	8:03:41:52
20 श	7:55:59	9:05:34:33	9:16:29:30	8:08:20:42	9:13:51:27	7:17:56:53	9:25:52:40	3°29:22:47	10:24:42:19	10:18:20:26	9:24:48:23	8:03:43:50
21 र	7:59:55	9:06:35:38	10:00:46:36	8:09:04:54	9:15:33:59	7:18:07:51	9:27:07:36	3°29:18:30	10:24:39:08	10:18:23:11	9:24:50:34	8:03:45:47
22 चं	8:03:52	9:07:36:43	10:15:09:15	8:09:49:09	9:17:16:38	7:18:18:44	9:28:22:31	3°29:14:11	10:24:35:57	10:18:25:57	9:24:52:45	8:03:47:43
23 मं	8:07:48	9:08:37:47	10:29:32:34	8:10:33:26	9:18:59:21	7:18:29:31	9:29:37:25	3°29:09:48	10:24:32:47	10:18:28:46	9:24:54:57	8:03:49:38
24 बु	8:11:45	9:09:38:50	11:13:52:36	8:11:17:45	9:20:41:58	7:18:40:14	10:00:52:18	3°29:05:23	10:24:29:36	10:18:31:36	9:24:57:10	8:03:51:32
25 गु	8:15:41	9:10:39:51	11:28:06:34	8:12:02:06	9:22:24:23	7:18:50:50	10:02:07:09	3°29:00:54	10:24:26:25	10:18:34:28	9:24:59:23	8:03:53:25
26 शु	8:19:38	9:11:40:52	0:12:12:41	8:12:46:30	9:24:06:25	7:19:01:21	10:03:21:59	3°28:56:23	10:24:23:14	10:18:37:21	9:25:01:37	8:03:55:17
27 श	8:23:35	9:12:41:51	0:26:09:53	8:13:30:55	9:25:47:51	7:19:11:47	10:04:36:47	3°28:51:49	10:24:20:04	10:18:40:16	9:25:03:51	8:03:57:08
28 र	8:27:31	9:13:42:50	1:09:57:23	8:14:15:22	9:27:28:28	7:19:22:06	10:05:51:33	3°28:47:13	10:24:16:53	10:18:43:13	9:25:06:05	8:03:58:57
29 चं	8:31:28	9:14:43:47	1:23:34:28	8:14:59:52	9:29:08:00	7:19:32:20	10:07:06:18	3°28:42:35	10:24:13:42	10:18:46:11	9:25:08:20	8:04:00:45
30 मं	8:35:24	9:15:44:43	2:07:00:15	8:15:44:24	10:00:46:06	7:19:42:28	10:08:21:01	3°28:37:54	10:24:10:31	10:18:49:11	9:25:10:35	8:04:02:32
31 बु	8:39:21	9:16:45:38	2:20:13:45	8:16:28:58	10:02:22:24	7:19:52:29	10:09:35:42	3°28:33:12	10:24:07:20	10:18:52:12	9:25:12:50	8:04:04:18

फरवरी सन् २००७ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख/वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 गु	8:43:17	9:17:46:31	3:03:14:01	8:17:13:34	10:03:56:29	7:20:02:25	10:10:50:22	3°28:28:27	10:24:04:09	10:18:55:14	9:25:15:06	8:04:06:03
2 शु	8:47:14	9:18:47:24	3:16:00:23	8:17:58:12	10:05:27:52	7:20:12:14	10:12:05:00	3°28:23:42	10:24:00:58	10:18:58:18	9:25:17:22	8:04:07:46
3 श	8:51:11	9:19:48:16	3:28:32:42	8:18:42:52	10:06:56:00	7:20:21:57	10:13:19:36	3°28:18:54	10:23:57:47	10:19:01:24	9:25:19:38	8:04:09:28
4 र	8:55:07	9:20:49:06	4:10:51:35	8:19:27:35	10:08:20:17	7:20:31:34	10:14:34:10	3°28:14:06	10:23:54:37	10:19:04:30	9:25:21:55	8:04:11:09
5 चं	8:59:04	9:21:49:56	4:22:58:29	8:20:12:20	10:09:40:04	7:20:41:04	10:15:48:42	3°28:09:16	10:23:51:26	10:19:07:38	9:25:24:11	8:04:12:48
6 मं	9:03:00	9:22:50:44	5:04:55:44	8:20:57:07	10:10:54:40	7:20:50:27	10:17:03:12	3°28:04:25	10:23:48:15	10:19:10:47	9:25:26:29	8:04:14:26
7 बु	9:06:57	9:23:51:32	5:16:46:29	8:21:41:56	10:12:03:18	7:20:59:44	10:18:17:41	3°27:59:33	10:23:45:05	10:19:13:58	9:25:28:47	8:04:16:02
8 गु	9:10:53	9:24:52:18	5:28:34:39	8:22:26:47	10:13:05:14	7:21:08:54	10:19:32:08	3°27:54:41	10:23:41:54	10:19:17:09	9:25:31:08	8:04:17:37
9 शु	9:14:50	9:25:53:04	6:10:24:42	8:23:11:40	10:13:59:42	7:21:17:57	10:20:46:32	3°27:49:48	10:23:38:43	10:19:20:22	9:25:33:01	8:04:19:11
10 श	9:18:46	9:26:53:48	6:22:21:28	8:23:56:36	10:14:45:57	7:21:26:53	10:22:00:55	3°27:44:55	10:23:35:33	10:19:23:36	9:25:35:27	8:04:20:43
11 र	9:22:43	9:27:54:32	7:04:29:57	8:24:41:33	10:15:23:16	7:21:35:42	10:23:15:16	3°27:40:03	10:23:32:22	10:19:26:50	9:25:37:46	8:04:22:14
12 चं	9:26:40	9:28:55:14	7:16:54:56	8:25:26:33	10:15:51:02	7:21:44:23	10:24:29:35	3°27:35:10	10:23:29:11	10:19:30:06	9:25:40:04	8:04:23:43
13 मं	9:30:36	9:29:55:55	7:29:40:39	8:26:11:34	10:16:08:45	7:21:52:57	10:25:43:52	3°27:30:17	10:23:26:00	10:19:33:23	9:25:42:21	8:04:25:11
14 बु	9:34:33	10:00:56:35	8:12:50:13	8:26:56:38	10:16:16:04	7:22:01:24	10:26:58:06	3°27:25:24	10:23:22:49	10:19:36:40	9:25:44:38	8:04:26:37
15 गु	9:38:29	10:01:57:14	8:26:25:10	8:27:41:43	10°16:12:49	7:22:09:43	10:28:12:19	3°27:20:32	10:23:19:38	10:19:39:59	9:25:46:54	8:04:28:01
16 शु	9:42:26	10:02:57:52	9:10:24:56	8:28:26:51	10°15:59:02	7:22:17:54	10:29:26:30	3°27:15:40	10:23:16:27	10:19:43:18	9:25:49:11	8:04:29:24
17 श	9:46:22	10:03:58:29	9:24:46:37	8:29:12:00	10°15:35:02	7:22:25:57	11:00:40:38	3°27:10:49	10:23:13:17	10:19:46:38	9:25:51:27	8:04:30:46
18 र	9:50:19	10:04:59:03	10:09:25:04	8:29:57:11	10°15:01:23	7:22:33:53	11:01:54:44	3°27:06:00	10:23:10:06	10:19:49:59	9:25:53:42	8:04:32:05
19 चं	9:54:15	10:05:59:37	10:24:13:30	9:00:42:23	10°14:18:56	7:22:41:40	11:03:08:47	3°27:01:11	10:23:06:55	10:19:53:20	9:25:55:58	8:04:33:23
20 मं	9:58:12	10:07:00:09	11:09:04:21	9:01:27:37	10°13:28:48	7:22:49:19	11:04:22:48	3°26:56:24	10:23:03:45	10:19:56:42	9:25:58:13	8:04:34:40
21 बु	10:02:09	10:08:00:39	11:23:50:23	9:02:12:53	10°12:32:19	7:22:56:50	11:05:36:46	3°26:51:39	10:23:00:34	10:20:00:05	9:26:00:27	8:04:35:54
22 गु	10:06:05	10:09:01:07	0:08:25:33	9:02:58:11	10°11:31:01	7:23:04:13	11:06:50:42	3°26:46:55	10:22:57:23	10:20:03:28	9:26:02:42	8:04:37:07
23 शु	10:10:02	10:10:01:33	0:22:45:31	9:03:43:29	10°10:26:32	7:23:11:27	11:08:04:34	3°26:42:13	10:22:54:13	10:20:06:52	9:26:04:55	8:04:38:18
24 श	10:13:58	10:11:01:57	1:06:47:45	9:04:28:50	10°09:20:34	7:23:18:33	11:09:18:24	3°26:37:33	10:22:51:02	10:20:10:16	9:26:07:09	8:04:39:28
25 र	10:17:55	10:12:02:20	1:20:31:26	9:05:14:12	10°08:14:47	7:23:25:29	11:10:32:10	3°26:32:55	10:22:47:51	10:20:13:41	9:26:09:22	8:04:40:35
26 चं	10:21:51	10:13:02:40	2:03:56:51	9:05:59:35	10°07:10:45	7:23:32:18	11:11:45:54	3°26:28:20	10:22:44:40	10:20:17:06	9:26:11:34	8:04:41:41
27 मं	10:25:48	10:14:02:59	2:17:05:06	9:06:45:00	0°06:09:50	7:2[illegible]:38:57	11:12:59:34	3°26:23:47	10:22:41:29	10:20:20:31	9:26:13:46	8:04:42:45
28 बु	10:29:44	10:15:03:15	2:29:57:41	9:07:30:26	10°05:13:15	7:[illegible]:28	11:14:13:11	3°26:19:17	10:22:38:18	10:20:23:57	9:26:15:57	8:04:43:48

मार्च सन् २००७ ई. भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम प्रातः घं.५ मि.३० दैनिक ग्रहस्पष्ट।

तारीख़ /वार	सां.काल रात्रि १२ बजे घं.मि.सै.	Sun सूर्य रा.अं.क.वि.	Moon चन्द्र रा.अं.क.वि.	Mars मंगल रा.अं.क.वि.	Mercury बुध रा.अं.क.वि.	Jupiter गुरु रा.अं.क.वि.	Venus शुक्र रा.अं.क.वि.	Saturn शनि रा.अं.क.वि.	Rahu राहु रा.अं.क.वि.	Harshel हर्षल रा.अं.क.वि.	Neptune नेपच्यून रा.अं.क.वि.	Pluto प्लूटो रा.अं.क.वि.
1 गु	10:33:41	10:16:03:30	3:12:36:15	9:08:15:54	10°04:21:56	7:23:51:49	11:15:26:45	3°26:14:50	10:22:35:07	10:20:27:23	9:26:18:08	8:04:44:48
2 शु	10:37:38	10:17:03:42	3:25:02:24	9:09:01:24	10°03:36:38	7:23:58:02	11:16:40:16	3°26:10:25	10:22:31:57	10:20:30:49	9:26:20:18	8:04:45:47
3 श	10:41:34	10:18:03:53	4:07:17:43	9:09:46:55	10°02:57:51	7:24:04:05	11:17:53:43	3°26:06:04	10:22:28:46	10:20:34:15	9:26:22:27	8:04:46:44
4 र	10:45:31	10:19:04:02	4:19:23:48	9:10:32:27	10°02:25:54	7:24:09:59	11:19:07:07	3°26:01:46	10:22:25:35	10:20:37:42	9:26:24:36	8:04:47:39
5 चं	10:49:27	10:20:04:09	5:01:22:19	9:11:18:01	10°02:00:54	7:24:15:44	11:20:20:27	3°25:57:31	10:22:22:25	10:20:41:09	9:26:26:44	8:04:48:32
6 मं	10:53:24	10:21:04:14	5:13:15:11	9:12:03:37	10°01:42:53	7:24:21:19	11:21:33:44	3°25:53:19	10:22:19:14	10:20:44:31	9:26:28:51	8:04:49:23
7 बु	10:57:20	10:22:04:18	5:25:04:41	9:12:49:13	10°01:31:43	7:24:26:45	11:22:46:58	3°25:49:11	10:22:16:03	10:20:47:56	9:26:30:58	8:04:50:13
8 गु	11:01:17	10:23:04:20	6:06:53:30	9:13:34:52	10°01:27:13	7:24:32:01	11:24:00:08	3°25:45:07	10:22:12:53	10:20:51:23	9:26:33:03	8:04:51:00
9 शु	11:05:13	10:24:04:20	6:18:44:46	9:14:20:32	10:01:29:07	7:24:37:08	11:25:13:15	3°25:41:07	10:22:09:42	10:20:54:50	9:26:35:08	8:04:51:46
10 श	11:09:10	10:25:04:18	7:00:42:10	9:15:06:13	10:01:37:07	7:24:42:05	11:26:26:17	3°25:37:11	10:22:06:31	10:20:58:16	9:26:37:12	8:04:52:30
11 र	11:13:06	10:26:04:15	7:12:49:43	9:15:51:55	10:01:50:55	7:24:46:51	11:27:39:17	3°25:33:18	10:22:03:21	10:21:01:42	9:26:39:15	8:04:53:12
12 चं	11:17:03	10:27:04:10	7:25:11:41	9:16:37:39	10:02:10:11	7:24:51:28	11:28:52:13	3°25:29:30	10:22:00:10	10:21:05:08	9:26:41:17	8:04:53:52
13 मं	11:21:00	10:28:04:04	8:07:52:20	9:17:23:24	10:02:34:36	7:24:55:55	0:00:05:05	3°25:25:46	10:21:56:59	10:21:08:33	9:26:43:19	8:04:54:30
14 बु	11:24:56	10:29:03:56	8:20:55:32	9:18:09:10	10:03:03:50	7:25:00:12	0:01:17:53	3°25:22:07	10:21:53:48	10:21:11:58	9:26:45:19	8:04:55:06
15 गु	11:28:53	11:00:03:46	9:04:24:14	9:18:54:58	10:03:37:36	7:25:04:18	0:02:30:38	3°25:18:32	10:21:50:37	10:21:15:23	9:26:47:18	8:04:55:40
16 शु	11:32:49	11:01:03:34	9:18:19:50	9:19:40:47	10:04:15:37	7:25:08:14	0:03:43:19	3°25:15:02	10:21:47:26	10:21:18:48	9:26:49:17	8:04:56:12
17 श	11:36:46	11:02:03:21	10:02:41:34	9:20:26:36	10:04:57:35	7:25:11:59	0:04:55:56	3°25:11:37	10:21:44:16	10:21:22:12	9:26:51:14	8:04:56:43
18 र	11:40:42	11:03:03:06	10:17:26:04	9:21:12:27	10:05:43:15	7:25:15:34	0:06:08:29	3°25:08:16	10:21:41:05	10:21:25:35	9:26:53:10	8:04:57:11
19 चं	11:44:39	11:04:02:49	11:02:27:12	9:21:58:18	10:06:32:24	7:25:18:59	0:07:20:58	3°25:05:01	10:21:37:54	10:21:28:58	9:26:55:05	8:04:57:37

नवग्रहों का नैसर्गिक मैत्री चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चंद्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चंद्र गुरु	सूर्य शुक्र	सूर्य चंद्र मंगल	बुध शनि	बुध शुक्र	शुक्र शनि	बुध गुरु
सम	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल गुरु शनि	शनि	मंगल गुरु	गुरु	गुरु केतु	मंगल राहु शुक्र
शत्रु	शुक्र शनि	०० ००	बुध राहु	चंद्र	बुध शुक्र	सूर्य चंद्र	सूर्य मंगल चंद्र	सूर्य चंद्र मंगल	सूर्य चंद्र शनि
उच्चांश	मेष १०	वृषे ३	म. २८	कं. २५	कर्क ५	मी. २७	तु. २०	वृ.१५	
नीचांश	तु.१०	वृश्चिक३	क. २८	मी. १५	म. ५	कं. २७	मे.२०°	वृ.२५°	

विस्तृत गुण मिलान सारिणी द्वारा वर-वधु गुण मिलान विधि

वर-वधु दोनों की जन्मपत्रिकाओं में ग्रह स्थिति का भली भान्ति अध्ययन के उपरान्त गुण मिलान की परम्परा प्रचलित है। अतः विस्तृत गुण मिलान सारिणी प्रस्तुत कर रहे हैं। आशा है आप इस विधि से सन्तुष्ट होंगे। सारिणी की ऊपर की पंक्तियों में वर (लड़का) के नक्षत्र हैं वाम भाग में कन्या (लड़की) के नक्षत्र लिखे हैं। वाम भाग से दक्षिण की ओर तथा ऊपर से नीचे की ओर, दोनों के आमने सामने देखने से गुण संख्या सरलता से उपलब्ध हो जाएगी। वर्ण, वश्य, तारा, योनि, मैत्री, गण, भकूट एवं नाड़ी में आठ प्रकार के दोष होते हैं जिस दोष के सामने शून्य (०) उपलब्ध हो वही दोष वर-कन्या के मिलान में है, ऐसा जानना। नवांशेश ज्ञान के लिए जन्माक्षर चक्र १२९ पृष्ठ पर देखें। अष्टकूटों के परिहार कैसे हो सकते हैं ये सभी पञ्चाङ्ग में उपलब्ध है। पिछले पंचाङ्ग में विवाहमुहूर्त्त विमर्शः इस लेख में विस्तृत रूप में विवेचन किया जा चुका है।

धन्यवाद!

-सम्पादक

डॉ० चन्द्रमौलि रैणा

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	घनि.	घनि.	शत.	पू.भा	पू.भा.	उ.भा	रेव.
			चरण	१,२ ३,४	१,२ ३,४	१	२,३ ४	१,२ ३,४	१,२	३,४	१,२, ३,४	१,२, ३	४	१,२, ३,४	१,२, ३,४	१,२, ३,४	१,२, ३,४	१	२,३, ४	१,२, ३,४	१,२	३,४	१,२, ३,४	१,२, ३	४	१,२, ३,४	१,२, ३,४	१,२ ३,४	१,२, ३,४	१	२,३, ४	१,२, ३,४	१,२	३,४	१,२, ३,४	१,२, ३	४	१,२, ३,४	१,२, ३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
मेष	अश्विनी	१, २, ३, ४	वर्ण	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	२	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			तारा	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३
			योनि	४	२	३	३	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	०	१	१	०	१	१	३	३	२	२	२	२	२	१	१	४	१	१	३	२
			रा.मै.	५	५	५	३	३	३	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	½	½	½	५	५	५
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१	१	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	२८	३३	२८½	१८½	२१½	२२½	२६	१७	१९	२३½	३१½	२८	२१	२५	२५½	११	९	१३	२२½	२६½	२२½	२८½	२५½	१४	१३	२५	२३½	२५	२६	२०	२०	१५	१६	१४½	२४½	२६
	भरणी	१, २, ३, ४	वर्ण	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	२	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			तारा	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	२	४	३	३	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	१	१	३	१	१	३	३	२	२	२	२	२	०	०	२	०	०	३	४
			रा.मै.	५	५	५	३	३	३	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	½	½	½	५	५	५
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	३४	२८	२९	१९	२२½	१४½	१८	२६	२७	३१½	२३½	२५½	२०	१८	२६	२९½	२०	४	१३½	२९½	२१½	१७½	१७½	१९½	२०	१८	२६	२७½	२६	१०	१०	२०	२४	२२½	१७½	२६½
	कृत्तिका	१	वर्ण	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	२	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			तारा	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	३	३	४	४	२	२	२	२	३	३	४	३	३	३	३	३	३	१	१	३	१	१	३	३	२	०	२	२	०	१	१	३	१	२	३	३
			रा.मै.	५	५	५	३	३	३	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	½	½	½	५	५	५
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	२७½	२९	२८	१८	१०	१६½	२०	२०	२१	२५½	२६½	२३½	१६½	२०	२०	१५½	१५½	१८	२७½	१५½	१९½	१५½	१९½	२५½	२४½	१८	१२	१३½	११½	२५	२५	२७	१९	१७½	१९½	११½

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
वृष	कृत्तिका	२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	२	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			तारा	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½
			योनि	३	३	४	४	२	२	२	२	३	३	४	३	३	३	३	३	३	१
			रा.मै.	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	०	०	०	५	५	५
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६
			भ.	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८
			गुणयोग	१८½	२०	१९	२८	२०	२६½	१७½	१७½	१८½	२२	२३	२०	१८½	२२	२२	२१	२१	२३½
	रोहिणी	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	२	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			तारा	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३
			योनि	२	२	२	२	४	४	४	२	१	१	२	१	१	१	२	२	२	२
			रा.मै.	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	०	०	०	५	५	५
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०
			भ.	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८
			गुणयोग	२३½	२३½	११	२०	२८	३६	२५½	२३½	२२½	२६	२७	१२	१०½	२४½	२७	२६	२६	२०
	मृगशिरा	१,२	वर्ण	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	२	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			तारा	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३
			योनि	२	२	२	२	४	४	४	२	१	१	२	१	१	१	२	२	२	२
			रा.मै.	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	०	०	०	५	५	५
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१
			भ.	०	०	०	७	७	७	[illegible]	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	[illegible]	८	०	८	८	०	८	८	८	०
			गुणयोग	२३½	१४½	१८½	२७½	३५	२८	१९	२४	२२½	३६	१९	२१	१०½	१५½	२४½	२३½	२६	१३

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	घनि.	घनि.	शत.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	रेव.
			चरण	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
वृष	कृत्तिका	२,३,४	वर्ण	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	१	३	१	१	३	३	२	०	२	२	०	१	१	३	१	१	३	३
			रा.मै.	५	५	५	३	३	३	½	½	½	५	५	५	५	५	५	½	½	½
			गण	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७
			नाड़ी	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	८
			गुणयोग	२२½	१०½	१४½	२०½	२४½	३०½	२०	१३½	७½	१२	१०	२३½	२९½	३१½	२३½	२०	२२	१४
	रोहिणी	१,२,३,४	वर्ण	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			तारा	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	२	२	२	२	२	२	२	१	०	०	१	२	२	२	२	२	२	२
			रा.मै.	५	५	५	३	३	३	½	½	½	५	५	५	५	५	५	½	½	½
			गण	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७
			नाड़ी	८	८	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	१९	१५½	९	१५½	२९½	२३½	१४	१९	११½	१६	१७	२०	२४½	२४½	३०½	२७	२७	१९
	मृगशिरा	१,२	वर्ण	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			तारा	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½
			योनि	२	२	२	२	२	२	२	१	०	०	१	२	२	२	२	२	२	२
			रा.मै.	५	५	५	३	३	३	½	½	½	५	५	५	५	५	५	½	½	½
			गण	१	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७
			नाड़ी	०	८	०	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	१२	२५	१८½	२४½	२९½	२४½	१५	१०	१७	२१½	२५	१३	१९	२७	२९½	२६	१८	२७

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

वर की राशि				मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
	नक्षत्र			अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन	पुन	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा
		चरण		१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२
कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
	मृगशिरा	३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२
			तारा	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३
			योनि	२	२	२	२	४	४	४	२	१	१	२	१	१	१	२	२	२	२
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	५	५	५	१	१	१	४	४	४	५	५	५
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१
			भ.	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०
			गुणयोग	२७	१८	२२	१९½	२७	२०	२८	३३	३१½	१९	१२	१४	२३½	१९½	२८½	३१½	३४	२१
मिथुन	आर्द्रा	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३
			योनि	२	२	२	२	२	२	२	४	१	१	२	१	२	२	२	२	२	२
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	५	५	५	१	१	१	४	४	४	५	५	५
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०
			भ.	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८
			गुणयोग	१९	२७	२१	१८½	२४½	२६	३४	२८	२५	१२½	२०	१३	२३½	२९½	२९½	२४½	२४½	२८
	पुनर्वसु	१,२,३	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	३	३	३	३	१	१	१	१	४	४	३	४	०	०	३	३	३	२
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	५	५	५	१	१	१	४	४	४	५	५	५
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१
			भ.	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८
			गुणयोग	२०	२७	२३	२०½	२२½	२३½	३१½	२४	२८	१५½	२२½	१७	२२½	२६½	२९½	२४½	२५½	२७½

वर की राशि				तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
	नक्षत्र			चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	धनि.	धनि.	शत.	पू.भा	पू.भा	उ.भा	रेव.
		चरण		३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
	मृगशिरा	३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½
			योनि	२	२	२	२	२	२	२	१	०	०	१	२	२	२	२	२	२	२
			रा.मै.	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	४	४	४	½	½	½
			गण	१	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	१४	२७	२०½	१४	११	१४	२३	१८	२५	२०	२३½	११½	१३	२१	२३½	२५½	१७½	२६½
मिथुन	आर्द्रा	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½
			योनि	२	२	२	२	०	०	४	२	२	२	२	१	१	२	१	१	२	२
			रा.मै.	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	४	४	४	½	½	½
			गण	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	२१	२७	२१	१४½	१७	३	१६	२८	२८	२३	२३	१७½	१९	१२	१७	१९	२६½	२६½
	पुनर्वसु	१,२,३	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½
			योनि	२	३	२	२	३	३	१	२	०	२	२	१	१	३	१	१	३	३
			रा.मै.	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	४	४	४	½	½	½
			गण	१	६	१	१	६	१	१	[illegible]	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	२०½	२८	२२	१५½	२९½	७	१४	२७	२७	२२	२३	१७	१८½	१४	१६	१८	२८	२७½

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	धनि.	धनि.	शत.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	रेव.
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
	पुनर्वसु	४	वर्ण	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	½	½	½	२	२	२	१	१	१	½	½	½	½	½	½	१	१	१	½	½	½	२	२	२	½	½	½	२	२	२
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½
			योनि	३	३	३	३	१	१	१	१	४	४	३	४	०	०	३	३	३	२	२	३	२	२	३	३	१	२	२	२	२	१	१	३	१	१	३	३
			रा.मै.	४	४	४	½	½	½	१	१	१	५	५	५	५	५	५	१	१	१	½	½	½	४	४	४	४	४	४	½	½	½	½	½	½	४	४	४
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१	१	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	२२½	२९½	२५½	२२	२४	२५	१८	१०½	१४½	२८	३५	२९½	१६½	२०½	१५½	१८	१९	२१	२०½	२८	२२	२०	२६	११½	८	२१	२१	२६	२७	२१	१२½	८	१०	१६	२६	२५½
कर्क	पुष्य	१,२,३,४	वर्ण	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	½	½	½	२	२	२	१	१	१	½	½	½	½	½	½	१	१	१	½	½	½	२	२	२	½	½	½	२	२	२
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३
			योनि	३	३	४	४	२	२	२	२	३	३	४	३	३	३	३	३	३	१	१	३	१	१	३	३	२	०	२	२	०	१	१	३	१	१	३	३
			रा.मै.	४	४	४	½	½	½	१	१	१	५	५	५	५	५	५	१	१	१	½	½	½	४	४	४	४	४	४	½	½	½	½	½	½	४	४	४
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१	१	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	३०½	२१½	२६½	२३	२५	१८	११	१८	२१½	३५	२८	३०	१९½	१५½	२३½	२६	२७	१२	११½	२६½	२१	१९	१८	२१	१७	११	२१	२६	२५	१३	४½	१४½	१८	२४	१८	२७
	आश्लेषा	१,२,३,४	वर्ण	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	½	½	½	२	२	२	१	१	१	½	½	½	½	½	½	१	१	१	½	½	½	२	२	२	½	½	½	२	२	२
			तारा	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३
			योनि	३	३	३	३	१	१	१	१	४	४	३	४	०	०	३	३	३	२	२	३	२	२	३	३	१	२	२	२	२	१	१	३	१	१	३	३
			रा.मै.	४	४	४	½	½	½	१	१	१	५	५	५	५	५	५	१	१	१	½	½	½	४	४	४	४	४	४	½	½	½	½	½	½	४	४	४
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	२६	२४½	२२½	१९	११	१९	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१६	८	१३	१३	२६	१७½	१९½	११½	१७½	२१	१३

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन	पुन	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा	चित्रा	स्वा	विशा.	विशा.	अनु	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	धनि.	धनि.	शत.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	रेव.
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
	मघा	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	२	२	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			तारा	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३
			योनि	३	३	३	३	१	१	१	२	०	०	३	०	४	४	३	३	३	२	२	३	२	२	३	३	२	२	१	१	२	२	२	३	२	२	३	३
			रा.मै.	५	५	५	०	०	०	४	४	४	५	५	५	५	५	५	४	४	४	०	०	०	५	५	५	५	५	५	०	०	०	०	०	०	५	५	५
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	२०	२०	१६½	१७½	९½	१७½	२१½	२२½	२०½	१६½	१९½	१६	२८	३०	२७½	१६½	१६½	२१½	२४½	११½	१६½	२२½	२५½	३३	२५	१९	८½	३½	४½	१८½	२४½	२५½	१८½	१८½	१९½	१३
सिंह	पू०फा०	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	२	२	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			तारा	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	३	३	३	३	१	१	१	२	०	०	३	०	४	४	३	३	३	२	२	३	२	२	३	३	२	२	१	१	२	२	२	३	२	२	३	३
			रा.मै.	५	५	५	०	०	०	४	४	४	५	५	५	५	५	५	४	४	४	०	०	०	५	५	५	५	५	५	०	०	०	०	०	०	५	५	५
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	२६	१८	२०	२१	२३½	१५½	१९½	२८½	२६½	२२½	१७½	१६½	३०	२८	३५	२२½	२२½	७½	१०½	२५½	१८½	२४½	२३½	२५½	१९	१७	२४	१७½	१८½	४½	१०½	१९½	२४½	२४½	१७½	२५½
	उ०फा०	१	वर्ण	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	२	२	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			तारा	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	३	३	३	३	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	३	०	०	३	०	०	३	३	२	२	२	२	२	१	१	३	१	१	४	३
			रा.मै.	५	५	५	०	०	०	४	४	४	५	५	५	५	५	५	४	४	४	०	०	०	५	५	५	५	५	५	०	०	०	०	०	०	५	५	५
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	१६½	२६	२०	२१	२६	२४½	२८½	२०½	२१½	१७½	२५½	१९½	२७½	३५	२८	१७	१६	१३½	१६½	२५½	१६½	२२½	३१½	१७½	९½	२५	२५	२०	२०	११½	१७½	११½	१५½	१५½	२६½	२५½

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	धनि.	धनि.	शत.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	रेव.
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
कन्या	उ०फा०	२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	२	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	३	३	३	३	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	३	०	०	३	०	०	३	३	२	२	२	२	२	१	१	३	१	१	४	३
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	५	५	५	१	१	१	४	४	४	५	५	५	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	४	४	४	½	½	½
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	१३	२२½	१६½	२१	२६	२४½	३१½	२३½	२४½	२०	२८	२२	१७½	२५	१८	२८	२७	२४½	१६½	२५½	१६½	१८	२७	१३	१४	२९½	२९½	२४½	२४½	१६	१६½	१०½	१४½	१७½	२८½	२७½
	हस्त	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	०	३	३	३	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	१	१	४	१	१	२	२	२	२	२	२	२	१	१	०	१	१	३	३
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	५	५	५	१	१	१	४	४	४	५	५	५	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	४	४	४	½	½	½
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१	१	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	१०	२०	१७½	२२	२५	२६	३३	२२½	२४½	२०	२८	२३	१८½	२२½	१६	२६	२८	२८	२०	२६½	१८½	२०	२६	१३	१५	२७	२८½	२३½	२४½	१८½	१९	८½	१३½	१६½	२६½	२७½
	चित्रा	१,२	वर्ण	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½
			योनि	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	१	२	२	२	०	०	१	४	४	१	४	४	१	१	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	०	१
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	५	५	५	१	१	१	४	४	४	५	५	५	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	४	४	४	½	½	½
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	१	५	१९	२३½	२०	१२	[illegible]	[illegible]	२५½	२१	१२	२७	२२½	८½	१४½	२४½	२७	२८	२०	१९	२६½	२८	११	२५	२८	१४	२२	१७	१८½	१५½	१६	२४	१६½	१९½	१०½	१९½

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	धनि.	धनि.	शत.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	रेव.
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
तुला	चित्रा	३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½
			योनि	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	१	२	२	२	०	०	१	४	४	१	४	४	१	१	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	०	१
			रा.मै.	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	०	०	०	५	५	५	५	५	५	३	३	३	½	½	½	५	५	५	५	५	५	½	½	½
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	२२½	१४½	२८½	२३½	२०	१२	१३	२१	१९½	२०½	११½	२६½	२५½	११½	१७½	१७½	२०	२१	२८	२७	३४½	२३½	६½	२०½	२८	१४	२२	२५	२६½	२३½	१८	२६	१८½	१२½	३½	२½
	स्वाती	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१	३	३	३	३	३	१½	१½
			योनि	०	३	३	३	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	१	१	४	१	१	२	२	२	२	२	२	२	१	१	०	१	१	३	३
			रा.मै.	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	०	०	०	५	५	५	५	५	५	३	३	३	½	½	½	५	५	५	५	५	५	½	½	½
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१	१	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	२७½	२९½	१७½	१२½	१५½	२६	२७	२६	२८	२९	२७½	१४½	१३½	२५½	२५½	२५½	२७½	२१	२८	२८	२०	९	२९½	१६½	२३	२७	१९	२२	२३	२६½	२१	२०	२५	१९	१६½	१६½
	विशाखा	१,२,३	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½
			योनि	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	१	२	२	२	०	०	१	४	४	१	४	४	१	१	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	०	१
			रा.मै.	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	०	०	०	५	५	५	५	५	५	३	३	३	½	½	½	५	५	५	५	५	५	½	½	½
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	२२½	२२½	२०½	१५½	१०½	१८½	१९½	२१	२१	२२	२१	१८½	१७½	१९½	१७½	१७½	१८½	२७½	३४½	१९	२८	१७	१६	२०½	२८	२२	१४	१७	१७	३०	२४½	२६	२०	१४	१३	४½

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

			वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	घनि.	घनि.	शत.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	रेव.
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
	विशाखा	४	वर्ण	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	२	२	०	०	०	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½
			योनि	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	१	२	२	२	०	०	१	४	४	१	४	४	१	१	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	०	१
			रा.मै.	५	५	५	३	३	३	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	½	½	½	५	५	५
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	१६½	१६½	१४½	१९½	१४½	२२½	१२	१३½	१३½	१९	१८	१५½	२१½	२३½	२१½	१७	१८	२७	२२½	७	१६	२८	२७	३१½	२२½	१६½	८½	१२	१२	२५	२४	२५½	१९½	१९	१८	९½
वृश्चिक	अनुराधा	१, २, ३, ४	वर्ण	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	२	२	०	०	०	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३
			योनि	३	३	३	३	२	२	२	०	३	३	३	३	२	२	३	३	२	१	१	२	१	१	४	४	०	२	२	२	२	१	१	३	१	१	३	३
			रा. मै.	५	५	५	३	३	३	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	½	½	½	५	५	५
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१	१	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	२४½	१५½	१९½	२४½	२७½	२०½	१०	१५	२०½	२६	१८	२१	२४½	२०½	२९½	२५	२५	११	६½	२०½	१६	२८	२८	२९½	१५½	१३½	२१½	२५	२६	१२	११	२१	२४½	२४	१८	२७
	ज्येष्ठा	१, २, ३, ४	वर्ण	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	२	२	०	०	०	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			तारा	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३
			योनि	३	३	३	३	२	२	२	०	३	३	३	३	२	२	३	३	२	१	१	२	१	१	४	४	०	२	२	२	२	१	१	३	१	१	३	३
			रा.मै.	५	५	५	३	३	३	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	½	½	½	½	½	½	५	५	५
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	१२	१८½	२४½	२९½	२२½	२२½	१२	२	५	१०½	२०	२६	३१	२३½	१६½	१२	११	२४	१९½	१४½	१९½	३१½	३०	२८	१४	१६½	१६½	२०	२०	२५	२४	१८	१०	९½	२१	२१

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
धनु	मूला	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२
			तारा	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½
			योनि	२	२	२	२	२	२	२	४	१	१	२	१	२	२	२	२	२	२
			रा.मै.	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६
			भ.	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८
			गुणयोग	१२	२०	२४½	१९	१३	१३	२१	१५	१२	८	१७	२३½	२५	१९	९½	१३	१३	२७
	पू०षा०	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२
			तारा	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½
			योनि	२	२	०	०	१	१	१	२	२	२	०	२	२	२	२	२	२	२
			रा.मै.	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०
			भ.	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०
			गुणयोग	२६	१८	१८	१२½	१८	१०	१८	२७	२७	२३	१३	१७	१९	१७	२५	२८½	२७	१३
	उ०षा०	१	वर्ण	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२
			तारा	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½
			योनि	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	२	२	१	१	२	२	२	२
			रा.मै.	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०
			भ.	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८
			गुणयोग	२४½	२६	१२	६½	१०½	१७	२५	२७	२७	२३	२३	९	८½	२४	२५	२८½	२८½	२१

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	धनि.	धनि.	शत.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	रेव.
			चरण	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
धनु	मूला	१,२,३,४	वर्ण	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३
			योनि	२	२	२	२	०	०	४	२	२	२	२	१	१	२	१	१	२	२
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	५	५	५	३	३	३	३	३	३	५	५	५
			गण	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७
			नाड़ी	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	२७	२१	२७	२३½	१५½	१५	२८	२८	२६½	१५	१५	२०	२८½	२८½	२४½	१६	२५	२६½
	पू०षा०	१,२,३,४	वर्ण	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२	४	१	१	२	१	१	२	२
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	५	५	५	३	३	३	३	३	३	५	५	५
			गण	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७
			नाड़ी	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	१३	२७	२१	१७½	१५½	१७½	२८	२८	३४	२५½	२३	६	२४½	२३½	२८½	३०	२३	३१
	उ०षा०	१	वर्ण	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	२	२	२	२	२	२	२	२	४	४	२	२	२	२	२	२	२	२
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	५	५	५	३	३	३	३	३	३	५	५	५
			गण	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७	७	७	७
			नाड़ी	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	२१	१९	१३	९½	२३½	१७½	२६½	३४	२८	१६½	१४½	१५	२३½	२३½	२९½	३१	३१	२३

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	धनि.	धनि.	शत.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	रेव.
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
मकर	उ.षा.	२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	½	½	½	२	२	२	१	१	१	½	½	½	½	½	½	१	१	१	½	½	½	२	२	२	½	½	½	२	२	२
			तारा	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	२	२	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	४	४	२	२	२	२	२	२	२	२
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	४	४	४	½	½	½	०	०	०	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	३	३	३
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	२७	२८½	१४½	१२	१६	२२½	२०	२२	२२	२८	२८	१४	४½	२०	२१	२४½	२४½	१७	२४	२२	१६	१३	२७	२१	१६	२३½	१७½	२८	२६	२६½	१७	१७	२३	३०½	३०½	२२½
	श्रवण	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	½	½	½	२	२	२	१	१	१	½	½	½	½	½	½	१	१	१	½	½	½	२	२	२	½	½	½	२	२	२
			तारा	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½
			योनि	२	२	०	०	१	१	१	२	२	२	०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२	४	१	१	२	१	१	२	२
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	४	४	४	½	½	½	०	०	०	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	३	३	३
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१	१	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०
			गुणयोग	२७	२६	१३½	११	१६	२५	२२½	२१	२२	२८	२६	१५	६½	१८½	२०	२३½	२४½	१९½	२६½	२२	१७	१४	२७	२२	१७	२३	१४½	२५	२८	२८	१८½	१८	२१	२८½	२९½	२२½
	धनिष्ठा	१,२	वर्ण	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	½	½	½	२	२	२	१	१	१	½	½	½	½	½	½	१	१	१	½	½	½	२	२	२	½	½	½	२	२	२
			तारा	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½
			योनि	१	०	१	१	२	२	२	१	१	१	१	१	२	२	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	१	४	४	१	४	४	१	०
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	४	४	४	½	½	½	०	०	०	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	३	३	३
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	२०	११	२६	२३½	२०	१२	९½	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२१	७	१६	२६½	२७	२८	१८½	२३½	१९	२६½	२५½	२२½

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	धनि.	धनि.	शत.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	रेव.
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
कुम्भ	धनिष्ठा	३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	½	½	½	०	०	०	२	२	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½
			योनि	१	०	१	१	२	२	२	१	१	१	१	१	२	२	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	१	४	४	१	४	४	१	०
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	४	४	४	½	½	½	०	०	०	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	३	३	३
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	२०	११	२६	३०½	२७	१९	१२	१९	१७½	१२½	४½	१८½	२५½	११½	१८½	१७½	१९	१७	१८	२०	२४½	२५	११	२५	२९½	१५½	२४½	१८	१८½	१९½	२८	३३	२८½	१८	७	१४
	शतभिषा	१,२,३,४	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	१	२	२	½	½	½	½	०	०	०	२	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	३	१½	१½
			योनि	४	२	३	३	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	०	१	१	०	१	१	३	३	२	२	२	२	२	१	१	४	१	१	३	२
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	४	४	४	½	½	½	०	०	०	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	३	३	३
			गण	०	०	६	६	०	०	०	०	०	०	०	६	६	०	०	०	०	६	६	०	६	६	०	६	६	०	०	०	०	६	६	६	०	०	०	०
			भ.	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	१५	२१	२८	३२½	२५½	२७	२०	१२	१३	६½	१४½	२०½	२६½	२०½	१२½	११½	८½	२५	२६	१९	२६	२६½	२१	१९	२२½	२४½	२४½	१८	१८	२४½	३३	२८	१९	८½	१७	१६
	पूर्वाभाद्रपदा	१,२,३	वर्ण	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	½	½	०	०	०	०	२	२	२	२	२	०	०	०	२	२	२	½	½	½	२	२	२	½	½	½
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½
			योनि	१	०	१	१	२	२	२	१	१	१	१	१	२	२	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	१	४	४	१	४	४	१	०
			रा.मै.	½	½	½	५	५	५	४	४	४	½	½	½	०	०	०	४	४	४	५	५	५	½	½	½	३	३	३	५	५	५	५	५	५	३	३	३
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७	०	०	०
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	१८	२५	२०	२४½	३१½	३१½	२४½	१७	१७	१२	२०	१२½	१९½	२५½	१६½	१५½	१५½	१७½	१८½	२६	२०	२०½	२६½	११	१५½	२९½	३०½	२४	२३	२०	२८½	१९	२८	१९½	२२½	२०

विस्तृत गुण मिलान सारिणी

कन्या की राशि	नक्षत्र	चरण	वर की राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
			नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	म.	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चित्रा	चित्रा	स्वा.	विशा.	विशा.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	घनि.	घनि.	शत.	पू.भा	पू.भा	उ.भा	रेव.
			चरण	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१,२,३,४	१	२,३,४	१,२,३,४	१,२	३,४	१,२,३,४	१,२,३	४	१,२,३,४	१,२,३,४
			अष्टकूट	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण	गुण
मीन	पू०भा०	४	वर्ण	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	½	½	½	२	२	२	१	१	१	½	½	½	½	½	½	१	१	१	½	½	½	२	२	२	½	½	½	२	२	२
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½
			योनि	१	०	१	१	२	२	२	१	१	१	१	१	२	२	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	१	४	४	१	४	४	१	०
			रा.मै.	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½	½	½	½	५	५	५	५	५	५	३	३	३	३	३	३	५	५	५
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८
			गुणयोग	१४½	२१½	१६½	१९	२६	२६	२५½	१८	१८	१७	२५	१७½	१७½	२३½	१४½	१६½	१६½	१८½	११½	१९	१३	१९	२५	९½	१५	२९	३०	२९½	२८½	२५½	१७	७½	१६½	२८	३३	३०½
	उ०भा०	१,२,३,४	वर्ण	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	½	½	½	२	२	२	१	१	१	½	½	½	½	½	½	१	१	१	½	½	½	२	२	२	½	½	½	२	२	२
			तारा	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	३
			योनि	३	३	३	३	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	३	०	०	३	०	०	३	३	२	२	२	२	२	१	१	३	१	१	४	३
			रा.मै.	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½	½	½	½	५	५	५	५	५	५	३	३	३	३	३	३	५	५	५
			गण	६	६	०	०	६	६	६	६	६	६	६	०	०	६	६	६	६	०	०	६	०	०	६	०	०	६	६	६	६	०	०	०	६	६	६	६
			भ.	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८	८	०	८	८	८	०	०	८	८	८	०	८
			गुणयोग	२४½	१६½	१८½	२१	२६	१८	१७½	२५½	२८	२७	१९	२१	१८½	१६½	२५½	२७½	२६½	९½	२½	१९½	१२	१८	१९	२१	२४	२२	३०	२९½	२९½	१४½	६	१६	२१½	३३	२८	३५
	रेवती	१,२,३,४	वर्ण	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
			वश्य	१	१	१	१	१	१	½	½	½	२	२	२	१	१	१	½	½	½	½	½	½	१	१	१	½	½	½	२	२	२	½	½	½	२	२	२
			तारा	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३	३	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	१½	३	३
			योनि	२	४	३	३	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	१	१	३	१	१	३	३	२	२	२	२	२	०	०	२	०	०	३	४
			रा.मै.	५	५	५	½	½	½	½	½	½	४	४	४	५	५	५	½	½	½	½	½	½	५	५	५	५	५	५	३	३	३	३	३	३	५	५	५
			गण	६	५	१	१	५	६	६	५	६	६	६	१	१	५	५	५	६	१	½	६	१	१	६	१	१	५	५	५	६	१	१	१	५	५	५	६
			भ.	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	०	०	०	०	०	०	७	७	७	७	७	७	०	०	०	७	७	७
			नाड़ी	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	८	८	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	०	०	०	८	८	८	८	८	०	०
			गुणयोग	२५	२४½	११½	१४	१७	२६	२५½	२४½	२६½	२५½	२७	१४	१३	२३½	२३½	२५½	२६½	१९½	१२½	११½	४½	१०½	२७	२२	२६½	२९	२१	२०½	२१½	२२½	१४	१६	१८	२९½	१६	२८

जन्माक्षर चक्र

अवकहडा चक्रम् (राशि, स्वामी, वर्ण, वश्य, नक्षत्र नाड़ी योनी वर्ग का गणवोधक चक्र)

राशि	मेष								
स्वामी	मंगल								
वर्ण	क्षत्रिय								
वश्य	चतुष्पाद								
चरणांक	१	२	३	४	१	२	३	४	१
अक्षर	चू	चे	चो	ला	ली	लू	ले	लो	अ
वर्ग	सिंह	सिं	सिं	मृग	मृ	मृ	मृ	मृ	गरूड़
नवांश	मेष	वृष	मिथु	कर्क	सिंह	क	तुला	वृश्चि	धनु:
नवांशेश	मंग	शु	बु	चं	सू	बु	शु	मं	गु
नक्षत्र	अश्विनी				भरणी				कृत्तिका
नाड़ी	आदि				मध्या				अन्त्या
योनी	अश्व				गज				मेष
गण	देव				मनुष्य				राक्षस

राशि	वृष								
स्वामी	शुक्र								
वर्ण	वैश्य								
वश्य	चतुष्पाद								
चरणांक	२	३	४	१	२	३	४	१	२
अक्षर	इ	उ	ए	ओ	वा	वी	वू	वे	वो
वर्ग	ग	ग	ग	ग	मृग	मृ	मृ	मृ	मृ
नवांश	म	कु	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	क
नवांशेश	श	श	गु	मं	शु	बु	चं	सू	बु
नक्षत्र				रोहिणी				मृगशिरा	
नाड़ी				अन्त्या				मध्या	
योनी				सर्प				सर्प	
गण				मनुष्य				देव	

राशि	मिथुन								
स्वामी	बुध								
वर्ण	शूद्र								
वश्य	मनुष्य								
चरणांक	३	४	१	२	३	४	१	२	३
अक्षर	क	की	कू	घ	ङ	छ	के	को	हा
वर्ग	विडा.	बि	बि	बि	बि	सिंह	वि	वि	मेढ़ा
नवांश	तुला	वृ	धन	म	कु	मी	मे	वृ	मि
नवांशेश	शु	मं	गु	श	श	गु	मं	शु	बु
नक्षत्र			आर्द्रा				पुनर्वसु		
नाड़ी			आदि				आदि		
योनी			श्वान				मार्जार		
गण			मनुष्य				देव		

राशि	कर्क								
स्वामी	चन्द्र								
वर्ण	विप्र								
वश्य	जलचर								
चरणांक	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	ही	हू	हे	हो	डा	डी	डू	डे	डो
वर्ग	मे	मे	मे	मे	श्वा	श्वा	श्वा	श्वा	श्वा
नवांश	क	सिं	क	तु	वृश्चि	ध	म	कु	मीन
नवांशेश	चं	सू	बु	शु	मं	गु	श	श	गु
नक्षत्र		पुष्य				आश्लेषा			
नाड़ी		मध्या				अन्त्या			
योनी		मेष				मार्जार			
गण		देव				राक्षस			

राशि	सिंह								
स्वामी	सूर्य								
वर्ण	क्षत्रिय								
वश्य	जलचर								
चरणांक	१	२	३	४	१	२	३	४	१
अक्षर	मा	मी	मू	मे	मो	टा	टी	टू	टे
वर्ग	मृ	मृ	मृ	मृ	मृ	श्वा	श्वा	श्वा	श्वा
नवांश	मेष	वृ	मि	कर्क	सि	क	तु	वृ	ध
नवांशेश	मंग.	शु	बु	चं	सू	बु	शु	मं	गु
नक्षत्र	मघा				पूर्वा-फाल्गुनी				उतरा फाल्गुनी
नाड़ी	अन्त्या				मध्या				आदि
योनी	मूषक				मूषक				गो
गण	राक्षस				मनुष्य				मनुष्य

राशि	कन्या								
स्वामी	बुध								
वर्ण	वैश्य								
वश्य	मनुष्य								
चरणांक	२	३	४	१	२	३	४	१	२
अक्षर	टो	पा	पी	पू	ष	ण	ठ	पे	पो
वर्ग	श्वा	मू	मू	मू	मेढ़ा	श्वा	श्वा	मू	मू
नवांश	म	कु	मीन	मेष	वृ	मि	क	सिं	क
नवांशेश	श	श	गु	मं	शु	बु	चं	सू	बु
नक्षत्र				हस्त				चित्रा	
नाड़ी				आदि				मध्या	
योनी				महिष				व्याघ्र	
गण				देव				राक्षस	

राशि	तुला								
स्वामी	शुक्र								
वर्ण	शूद्र								
वश्य	मनुष्य								
चरणांक	३	४	१	२	३	४	१	२	३
अक्षर	रा	री	रू	रे	रो	ता	ती	तू	ते
वर्ग	मृ	मृ	मृ	मृ	मृ	सर्प	स	स	स
नवांश	तु	वृ	ध	म	कु	मीन	मेष	वृ	मि
नवांशेश	शु	मं	गु	श	श	गु	मं	शु	बु
नक्षत्र			स्वाति				विशाख		
नाड़ी			अन्त्या				अन्त्या		
योनी			महिष				व्याघ्र		
गण			देव				राक्षस		

राशि	वृश्चिक								
स्वामी	मंगल								
वर्ण	विप्र								
वश्य	कीटक								
चरणांक	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	तो	ना	नी	नू	ने	नो	या	यी	यू
वर्ग	स	स	स	स	स	स	मृ	मृ	मृ
नवांश	कर्क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मीन
नवांशेश	चं	सू	बु	शु	मं	गु	श	श	गु
नक्षत्र		अनुराधा				ज्येष्ठा			
नाड़ी		मध्या				आदि			
योनी		मृग				मृग			
गण		देव				राक्षस			

अवकहडा चक्रम् (राशि, स्वामी, वर्ण, वश्य, नक्षत्र नाड़ी योनी वर्ग का गणवोधक चक्र)

राशि	धनुः								
स्वामी	गुरू								
वर्ण	क्षत्रिय								
वश्य	मनुष्य								
चरणांक	१	२	३	४	१	२	३	४	१
अक्षर	ये	यो	भ्रा	भी	भू	धा	फा	ढा	भे
वर्ग	मृग	मृ	मूषक	मू	मू	सर्प	मू	श्वा	मू
नवांश	मेष	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध
नवांशेश	मंग	शु	बु	चं	सू	बु	शु	मं	गु
नक्षत्र	मूल				पूर्वाषाढ़ा				उतराषाढ़ा
नाड़ी	आदि				मध्या				अन्त्या
योनी	श्वान				वानर				नकुल
गण	राक्षस				मनुष्य				मनुष्य

राशि	मकर								
स्वामी	शनि								
वर्ण	वैश्य								
वश्य	जलचर								
चरणांक	२	३	४	१	२	३	४	१	२
अक्षर	भो	जा	जी	खी	खू	खे	खो	गा	गी
वर्ग	मू	सिं	सिं	बिडा	वि	बि	वि	बि	बि
नवांश	म	कु	मीन	मेष	वृ	मि	कर्क	सि	क
नवांशेश	श	श	गु	मं	शु	बु	चं	सू	बु
नक्षत्र	उतराषाढ़ा			श्रवण				धनिष्ठा	
नाड़ी	अन्त्या			अन्त्या				मध्या	
योनी	नकुल			वानर				सिंह	
गण	मनुष्य			देव				राक्षस	

राशि	कुम्भ								
स्वामी	शनि								
वर्ण	शूद्र								
वश्य	मनुष्य								
चरणांक	३	४	१	२	३	४	१	२	३
अक्षर	गू	गे	गो	सा	सी	सु	से	सो	दा
वर्ग	बि	बि	बि	मे	मे	मे	मे	मे	स
नवांश	तु	वृ	ध	म	कु	मीन	मेष	वृ	मि
नवांशेश	शु	मं	गु	श	श	गु	मं	शु	बु
नक्षत्र	धनिष्ठा		शतभिषा				पूर्वाभाद्रपदा		
नाड़ी	मध्या		आदि				आदि		
योनी	सिंह		अश्व				सिंह		
गण	राक्षस		राक्षस				मनुष्य		

राशि	मीन								
स्वामी	गुरू								
वर्ण	विप्र								
वश्य	जलचर								
चरणांक	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	दी	दू	थ	झा	ञ	दे	दो	चा	ची
वर्ग	स	स	स	सिं	सिं	स	स	सिं	सिं
नवांश	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मीन
नवांशेश	चं	सू	बु	शु	मं	गु	श	श	गु
नक्षत्र	पूर्वाभाद्रपदा	उत्तराभाद्रपदा				रेवती			
नाड़ी	आदि	मध्या				अन्त्या			
योनी	सिंह	गो				गज			
गण	मनुष्य	मनुष्य				देव			

अथ घातचक्र :– नीचे दिया हुआ घातचक्र युद्ध विवाद (शास्त्रार्थ) राज सेवा, वाहन, यात्रा, रोगादि कार्यों में देखना चाहिए। अर्थात् इन राशि वालों के लिए इन कार्यों में घातचक्र चन्द्र, वारादि शुभ नहीं होते परन्तु तीर्थयात्रा विवाहादि में घात चन्द्रादि का विचार न करें। अधिक जानकारी के लिए श्री राघवेन्द्रपञ्चाङ्ग सम्पादक से सम्पर्क करें।

राश्यः	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनुः	मकर	कुम्भ	मीन
घातमास	कार्तिक	मार्गशीर्ष	आषाढ़	पौष	ज्येष्ठ	भाद्रपद	माघ	आश्विन	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
घाततिथि	१/६/११	५/१०/१५	२/७/१२	२/७/१२	३/८/१३	५/१०/१५	४/९/१४	१/६/११	३/८/१३	४/९/१४	३/८/१३	५/१०/१५
घातवार	रवि	शनि	चन्द्र	बुध	शनि	शनि	गुरू	शुक्र	शुक्र	मंगल	गुरु	शुक्र
घात नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाति	अनुराधा	मूल	श्रवण	शतभिषा	रेवती	भरणी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा
घातयोग	विष्कुम्भ	सुकर्मा	परिध	धृति	प्रीति	सुकर्मा	अतिगंड	ब्रह्म	वैधृति	गंड	व्याघात	वज्र
घात करण	वव	शकुनि	कौलव	नाग	बालव	कौलव	तैतिल	गर	तैतिल	शकुनि	किंस्तुघ्न	चतुष्पाद
घात लग्न	मेष	वृष	कर्क	तुला	मकर	मीन	कन्या	वृश्चिक	धनु	कुम्भ	मिथुन	सिंह
घात प्रहर	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	प्रथम	प्रथम	प्रथम	चतुर्थ	प्रथम	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	चतुर्थ
पु घा. चन्द्र	मेष	कन्या	कुम्भ	सिंह	मकर	मिथुन	धनुः	वृष	मीन	सिंह	धनुः	कुम्भ
स्त्री घा. चन्द्र	मेष	धनुः	धनुः	मिथुन	वृश्चिक	वृश्चिक	मीन	धनुः	कन्या	वृश्चिक	मिथुन	मेष

नाक्षत्रयोग कष्टावली

सदैवत नक्षत्राणि	कष्टदिनानि				पूज्यवृक्षाः	धार्योषधम्	पक्षिणः	कष्टलक्षणानि	होमद्रव्याणि	बलिदानम्	दानद्रव्यम्	उपास्यामन्त्राः	सदैवत योगाः	उपास्यमन्त्राः
	१-च	२-च	३-च	४-च										
अश्विनी (दसनासत्यै)	८	१२	१७	९	वृषः (विषः) (वासा)	अपामार्ग (ओंगा)	कपोतः	बुद्धिभ्रमः कण्डूज्वरः अनिद्रा, गात्रपीड़ा	तिलाः	आटे का अश्व गुडौदन सहित	ब्रह्मभोजनम्	ॐ यावांकशामधु मत्यश्विना सूनृतावती। यता यज्ञमिमिक्षतम्।।	विष्कुम्भः (यमः)	ॐ यमायत्वांगिरस्वते पिमृमते स्वाहा। स्वाहाधर्माय स्वाहाघर्मः पित्रे।।
भरणी (यमः)	५	१२	०	१९	परूषकः (आमलकः)	अगस्ति	मयूरः	नाना व्याधि, अंगपीड़ा छर्दि रोगः, अरुचिः	घृतमधुगुड	भाषपिष्टिकामहिष खिचड़ी सहित	रक्तवस्त्रम्	ॐ यमाय सोमं सुनुत यमायं जुहुताहविः यमं ह यज्ञो गच्छत्यग्निदूतो अरङ्कृतः।।	प्रीतिः (विष्णुः)	ॐ त्रीणिपदा विचक्रमे विष्णुर्गोपा-अदोम्यः। अतो धर्माणि धारयन्।
कृत्तिका (अग्नि)	९	१९	१४	१४	उदुम्बरः (रुम्बल)	कार्पासः	वकः	अतिदाहः, नेत्रपीड़ा उरूशूलप्रलापश्च	तिलाः	मसूर का मेष पायस सहित	दुग्धमिश्री	ॐ अयमग्निः सहस्त्रिणो वाजस्य-नस्पतिः मूर्धा कवीरयीणाम्।।	आयुष्मान् (चन्द्रमा)	ॐ सनो महांअनिमानो धूमकेतुः पुरुश्चन्द्रः। धियेवाजाय हिन्वतु।।
रोहिणी (ब्रह्मा)	११	८	१२	१२	जम्बू (जामुन)	अपामार्गः	सरटः	हिक्का, उदरशूलम्, दाहः त्रिदोषः।	घृतपायसम्	आटे का हंस तिल सहित	मधु	ॐ ब्रह्म जज्ञानं प्रथमं पुरस्ताद्धि-सीमतः। सुरुचो वेन आवः सबु-ध्न्या उपमाअस्य विष्ठाः सतश्चयो निमसतश्चविवः।।	सौभाग्य (ब्रह्मा)	ॐ एष ब्रह्मा यऋत्वियइन्द्रो नाम श्रुतोगुणे।।
मृगशिरा (चन्द्रः)	५	१३	१५	१९	खदिरः (खैर)	जयन्ती	सरटः	दृष्टिदोषः, अर्ध-गात्रपीडा, क्लेश	तिलदुग्धम्	आटे का मृग दुग्ध सहित	कृष्णगौः	ॐ आप्यायस्व समेतु ते विश्वतः सोमवृष्ण्यम् भवावाज्स्य संगथे।।	शोभनः (बृहस्पतिः)	ॐ वृषभं चर्षणीनां विश्वरूपमदाभ्यम्। बृहस्पति वरेण्यम्।।
आर्द्रा (रुद्रः)	०	२	३२	११	कलिः (बहेड़ा)	चन्दनम् (अश्वत्थः)	गृधः	कटिपीड़ा, निद्राक्षयः कम्पनं, भीति	मध्वाज्य	आटे ,का बैल दध्योदन सहित	कृष्णवस्त्र	ॐ नमस्ते रूद्रमन्यव उतोत इषवे नमः। बाहुभ्यामुतते नमः।।	अतिगण्डः (राक्षसः)	ॐ वत्थाहि निर्ऋतीनां वज्रहस्तपरि वृजम् अहरहः शुन्ध्युः परिपदामि।।
पुनर्वसु (अदितिः)	११	१३	१५	३२	वंशः (बांस)	अर्कः	वकः	शिरः पीडा, कटि पीडा नेत्रदोषः, देवदोषः	घृतपायसम्	पिष्टी दम्पती अपूप सहित	कृष्ण वस्त्र	ॐ अनागसो अदितये देव सवितुः सवे। विश्वावामानि धीमहि।।	सुकर्मा (इन्द्रः)	ॐ इन्द्रं प्रातर्हवामेह इन्द्रं प्रयत्यध्वरे। इन्द्रं सोमस्य पीतये।।
पुष्य (बृहस्पतिः)	८	१२	३०	१५	अश्वत्थः (पीपल)	तुषारः	पिकः	शीतविषमज्वरः, घोरकष्टं पाणिपा-दशैत्यम्	घृतदुग्धम्	आटे का पुरुष पायस सहित	तिल तैल	ॐ बृहस्पते जुषस्व नो हव्यानि विश्वेदेव्य। रास्व रत्नानिदाशुषे।	धृतिः (आपः)	ॐ शन्नोदेवीरभीष्टय आपो भवन्तु पीतये। शंयोरभिस्रवन्तु नः।।
आश्लेषा (सर्पः)	०	०	०	०	पुन्नागः (गंगरेन)	पटोलः	कपोतः	सन्निपातः, पादपीडा औषधवैफल्यम्	घृतपायसम्	त्रिशिरा सर्पः तिलमयः दुग्धयुतः	सुवर्णम्	ॐ नमोस्तुसर्पेभ्यो ये के च पृथिवीमनु। ये अन्तरिक्षे ये दिवि तेभ्यः सर्पेभ्योनमः।।	शूलम् (सर्पः)	ॐ या इषवो यातुधानानां ये वा वनस्पतीं रनु। ये वा वटेषु शेरते तेभ्यः सर्पेभ्यो नमः।।
मघा (पितरः)	६	३	१८	३०	वटः (बोढ़)	भृंगराजः	काकः	हृच्छूलं, अर्धगात्र-पीडा दाहः डाकिनी-दोषः	घृततिलाः	आटे का मनुष्य पञ्चान्न सहित	अन्नरौप्यम्	ॐ आधत्त पितरोगगर्भकुमारं पुष्कर स्रजम्। यथेह पुरुषो असत्।।	गण्डः (अग्नि)	ॐ सुसमिद्राय शोचिषेधृतं तीव्रं जुहोतन। अग्नये जातवेदसे।।
पूर्वाफाल्गुनी (भगः)	६०	५	१२	९	पलाशः (ढाक)	कष्टकारी	चातकः	गात्रपीडा, दाहः देवदोषः कम्पनम्	घृतौदनम्	आटे की कन्या दुग्धोदनयुक्त	लौहम्	ॐ देवस्य सवितुर्वयं वाजयन्तः पुरन्ध्या भगस्य रातिमीमहे।।	वृद्धिः (अदित्यः)	ॐ सनो विश्वाहासुक्रतुरादित्यः सुपथा करत्। प्रण आयू पितारिषत्।।
उत्तराफाल्गुनी (अर्यमा)	४	५	६	०	प्लक्षः (पिलखन)	पटोलः	शुकः	तीव्रज्वरः, महाक-ष्टम् हृच्छूलंम् कुलदेवदोषः	प्रयङ्गुघृतम्	आटे की दम्पती अन्न सहित	अन्नम्	ॐ वामं वामं त आसुरे देवो ददात्वर्यमा। वामं पूषा वामं भगो वामं देवः करूलती।।	ध्रुवः (भूमिः)	ॐ महामित्रस्य साधथस्तरन्ती पिप्रती ऋतम्। परियज्ञं निषेदथुः।।
हस्तः (सूर्यः)	२१	३०	३०	०	अरिष्टः (रीठा)	जाती	सरटः	भयंकर रोगः, प्रस्वेदः उदरदोषः	चर्वाज्यम्	आटे की स्त्री ओदनयुक्त	सुवर्णम्	ॐ सपृत्वा हरितो रथे वहन्ति देव सूर्य शोचिष्केशं विचक्षण।।	व्याघातः (वायुः)	ॐ वायोशतं हरीणां युवस्यपोसयाणाम्। अतवाते सहस्त्रिणो रथआयातु पाजस्य।।
चित्रा (त्वष्टा)	१२	२	८	१०	श्री वृक्ष (नारिकेल)	मरूबकः (मरूआ)	मालिका (मल्लिकः) हँसजाति	चित्ररोगः कर्ण, ग्रीवा, हृच्छूलं ज्वरः	तिलाज्यम्	मृन्मय पिचाच चित्रान्युक्त	वस्त्रम् दुग्धम्	ॐ आयन्नः पत्नीर्गमन्त्यच्छा। त्वष्टा सपाणिर्दधातु वीरान्।।	हर्षणः (भगः)	ॐ भग भक्तस्य ते वयमुदशेम तवावसा। मूर्धानरायमारभे।।
स्वातिः (वायुः)	१२	६	८	७	अर्जुनः	जाती	पिङ्गलः	नाना व्याधिः श्लेष्मा, अंगपीड़ा, व्रण	घृतपायसम्	पिष्टिमुगमूर्तिः सप्तान्नसहिता	कृष्णवस्त्रम्	ॐ वायोयेते सहस्त्रिणो रथा सस्ते-भिरागहि। नियुत्वान् सोम पतिये।।	वज्रः (वरुणः)	ॐ वरुणः प्राविता भुवन्मित्रो विश्वा-भिरूतिभिः।। करतां नः सुराधसः।।

नाक्षत्रयोग कष्टावली

सदैवत नक्षत्राणि	कष्टदिनानि १-च	२-च	३-च	४-च	पूज्यवृक्षाः	धार्योषधम्	पक्षिणः	कष्टलक्षणानि	होमद्रव्याणि	बलिदानम्	दानद्रव्यम्	उपास्यामन्त्राः	सदैवत योगाः	उपास्यमन्त्राः
विशाखा (इन्द्रग्नी)	१०	१२	३०	०	पाहिकः (पाह)	गुञ्जा	कौशिकः	कुक्षिशूल, श्लेष्म-व्याधिः, मुखकर्ण पीड़ा, मुग्धत्वम्	घृतौदनम्	आटे का अश्व पञ्चान्न सहित	रौप्यम्	ॐ इन्द्राग्नीआगत सुतगीभिर्नमो-वरेण्यम्। अस्त पातन्धियेषितः।	सिद्धिः (गणेशः)	ॐ गणनान्त्वा गणपतिं हवामहे प्रिया-णांत्वा प्रियपतिं हवामहे निधीनान्त्वा निधिपतिं हवामहे वसो मम। आहमज् निगर्भधं त्वममजा सिगर्भधम्।।
अनुराधा (मित्रः)	१२	१३	४	१२	बकुलः (मौल श्री)	सुपुपम्	कोकिलः	मुदपीड़ा, भूतबाधा, शिर पीड़ा ज्वरः।	त्रिमधुः (गुड़, घृत,	आटे का सर्प चित्रान्न सहित	कृष्णवस्त्रम्	ॐ तानः स्तिपा तनूपा वरुण जरितृणाम्। मित्रं साधयतं धियः।।	व्यतीपात (रूद्रः)	ॐ पातं नो रूद्रा पायुभिरूत त्रायेथां सुवात्रा। तुर्यामदस्यून् तनूभिः।।
ज्येष्ठा (इन्द्रः)	१५	४०	६	१०	देवदारू (दयार)	अपामार्गः	कुक्कुटः	मार्गभीतिः कम्पन पित्त कोप, व्याकुलता	तिलपायसम्	आटे का हाथी पायस सहित	रौप्यम्	ॐ यत इन्द्रभयामहे ततो नो अ अभयं कृधि। मघवंछग्धितव तन्न उतये विद्विषो विमृधो जाहि।	वरीयान् (कुबेरः)	ॐ वयंम् सोमव्रते तव मनस्तनूषु विभ्रतः। प्रजावन्तः सचेमहि।।
मूला (निर्ऋतिः)	०	२१	२६	३०	सर्जः (शल)	मन्दारः	भ्रमरः	मुख, उदरदोष, स्त्री-देवदोष, कण्ठावरोध	चर्वाज्यम्	आटे का अश्व सप्तान्नसहित	तिलर्स्वणम्	ॐ मोषुणः परा परा निर्ऋतिद्रु हणावधीत पदीष्ट तृष्णया सह।।	परिघः (त्वष्टा)	ॐ इहत्वष्टारमग्रियं विश्वरूपमुपह्वये। अस्माकमस्तु केवलः।।
पूर्वाषाढ़ा (आपः)	१५	२२	४	०	जलवेतस् (बेंत)	कार्पासकः	तित्तिरिः	शिरः पीड़ा, कम्पनं छर्दिः, दुर्गन्धिः अङ्गशूल		पूर्ण कुम्भ अन्नसहित	तिलतैलम्	ॐ आपः प्रणीतभेषजं वपरूथं तन्वेमम। ज्योक् च सूर्यं दृशे।।	शिवः (मित्रः)	ॐ मित्रं वयं हवामहे वरुणं सोम पतिये। जज्ञाना पूतदक्षसा।
उत्तराषाढ़ा (विश्वेदेवाः)	२०	१५	१२	२५	पनसः (फालसा)	कार्पासकः	शुकः	प्रलाप, कटि उरुपीड़ा ज्वरदोषः त्रिदोषः	तिल पायसम्	आटे का मगर-मच्छ तिलौदन-सहित ०	कृष्णवस्त्रम्	ॐ विश्वेदेवास आगत श्रृणुता म इम हवम्। एदं बर्हिर्निषीदत।।	सिद्धः (स्कन्द)	ॐ तपन्ति शत्रुं स्वर्ण भूमा न सेनासो अमेभिरेषाम्।।
श्रवण (विष्णुः)	२०	१५	१२	२५	अर्कः (आक)	अपामार्गः	तित्तिरिः	अतिसारः, त्रिदोषः भूतदोषः स्वकृत-व्याधिः	चर्वाज्यम्	आटे का गरूड़ पूर्णकुम्भ सहित	नवगृह	ॐ इदं विष्णुर्विचक्रमे त्रेधानि दधे पदम्। समूढ़मस्य पाँसुरे।	साध्यः (सावित्री)	ॐ युक्तेन मनसा वयं देवस्य सवितुः सर्वे। स्वर्ग्याय शक्त्या।।
धनिष्ठा (गन्धर्वा)	८	२०	१६	१०	शमी (जांटी)	भृंगराजः	काकः	मूत्रकृच्छ्रं, अतिसारः वमन, कुलदेवदोषः, ज्वरः	अश्वत्थसमित्	आटे का मकर अन्नघटसहित	तिलतैलम्	ॐ वसोः पवित्र मसिशतधारं वसो पवित्रमसि सहस्त्रधारम्। देवस्त्वा सविता पुनातुवसोः पवित्रेण शतधारण सुप्वा काम धुक्षः।।	शुभः (लक्ष्मीः)	ॐ श्रीश्चते लक्ष्मीश्च पत्न्या वहोरात्रे पार्श्वे नक्षत्राणि रूपमश्विनौव्यात्तम्। इष्णं निषाण मुम्मइषाण सर्वलोकम्म इषाण।
शतभिषा (वरुणः)	१०	१४	१४	२५	कदम्बः (कदम्ब)	कमलम्	कपोतः	सन्निपातज्वरः, व्याधिः, वाताधिक्यं, वारुण दोषः	कुष्माण्डम्	आटे का पुरुष कुम्भ सहित	तिलतैलम्	ॐ इमम्मे वरुण श्रुधीहवमद्याच मृडय।। त्वामवस्यु राचके।।	शुक्लः (गौरी)	ॐ गौरीर्मिमाय सलिलानितक्षत्येकपदी द्विपदी सा चतुष्पदी। अष्टापदी नवपदी बभूवुपी सहस्त्राक्षरापरमे व्योमन्।।
पूर्वाभाद्रपदा (अजैकपाद)	१०	१४	१९	२०	आम्रः (आम)	भृंगराजः	कलविङ्क	त्रिदोषः, छर्दि अङ्गपीडा जलदेवदोषः	चर्वाज्यम्	कुश के विश्वे-देव अष्टदल पर अन्नयुक्त?	रक्तवस्त्रम्	ॐ उतनोअहिर्बुध्न्यः श्रृणोत्वजएक पात्पृथिवी समुद्रः। विश्वेदेवा ऋतावृधो हुवानास्तुता मन्त्राः कविशस्ता अवन्तु।।	ब्रह्म (कुमारो)	ॐ गोमदूपुणास्त्वाश्वावधातमश्विना। वर्ती रूद्रनृपाय्यम्।।
उत्तराभाद्रपदा (अहिर्बुध्न्य)	१	०	३०	८	निम्बः (नीम)	अश्वत्थ	शुकः	कामलज्वरः शूलम् अतिसारः क्षेत्रपाल-दोषः		आटे का शिव बिल्वपत्र युक्त	रोप्यम्	ॐ मा नोज हिर्बुध्न्यो रिषे धान्मा यज्ञो अस्यस्त्रिधदृतायोः।।	ऐन्द्रः (पितरः)	ॐ मनो न्वाह्वामहे नाराशं सेन स्तो-मेन। पितृणां च मन्मभिः।।
रेवती (पूषा)	१	११	२	३०	मधूकः (महुआ)	अश्वत्थः	वह्निः (वायू [illegible])	उरूशूलम्, चित्तभ्रमः [illegible]तिः, [illegible]	घृतपायसम्	कुमारी प्रतिमा कु[illegible]	कांस्यपात्रम्	ॐ पूषन् वयं न रिष्येम कदा [illegible] इहस्मसि।	वैधृति (दितिः)	ॐ त्वमग्ने वीर वद्यशसोदेवश्च सविता भगः। दितिश्चदातिवार्यम्।।

षड्वर्गकोष्ठकः

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
० मेष	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९
	स.	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७
	न	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	११
	त्रि.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
१ वृषभ	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	स.	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२
	न	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१
	त्रि.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
२ मिथुन	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११
	स.	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९
	न	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२
	त्रि.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
३ कर्क	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	स.	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४
	न	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३
	त्रि.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
४ सिंह	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१
	स.	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	न	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४
	त्रि.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
५ कन्या	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२
	स.	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६
	न	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५
	त्रि.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

षड्वर्गकोष्ठकः

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
६ तुला	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३
	स.	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१
	न	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६
	त्रि.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
७ वृश्चिक	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४
	स.	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८
	न	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७
	त्रि.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
८ धन	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५
	स.	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३
	न	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८
	त्रि.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
९ मकर	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६
	स.	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०
	न	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९
	त्रि.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
१० कुंभ	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७
	स.	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५
	न	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०
	त्रि.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
११ मीन	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८
	स.	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२
	न	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	१२	१	१	१	२	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११
	त्रि.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

लग्न सारिणी (अंक्षाश 29° उत्तर) पलभा 6/39/6

दिल्ली, रोहतक, गुड़गांव, हिसार, नैनीताल, गाजियावाद, मुरादाबाद, मेरठ तथा सम्बन्धित स्थानों के लिए।

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मेष घ.	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
० प.	४८	५५	०२	०९	१६	२२	३०	३८	४६	५४	०२	११	१९	२७	३५	४४	५२	००	०८	१७	२५	३३	४२	५०	५८	०६	१५	२३	३१	३९	४८
वृष घ.	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
१ प.	४८	५६	०४	१२	२१	२९	३७	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३७
मि. घ.	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
२ प.	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४५	५६	०८	१९	३१	४२	५४	०५	१७	२८	४०	५१	०२	१४	२५	३७	४८	००	११
कर्क घ.	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
३ प.	११	२३	३४	४६	५७	०९	२०	३२	४३	५५	०७	१८	३०	४२	५३	०५	१७	२८	४०	५२	०३	१५	२७	३८	५०	०२	१३	२५	३७	४८	००
सिंह घ.	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४ प.	००	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४४	५६	०७	१९	३०	४१	५३	०४	१६	२७	३८	५०	०१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३२	४४
कन्याघ.	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
५ प.	४४	५५	०७	१८	२९	४१	५२	०४	१५	२६	३८	४९	०१	१२	२३	३५	४६	५८	०९	२०	३२	४३	५५	०६	१७	२९	४०	५२	०३	१४	२६
तुला घ.	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
६ प.	२६	३७	४९	००	११	२३	३४	४६	५७	०९	२१	३२	४४	५६	०७	१९	३१	४२	५४	०६	१७	२९	४१	५२	०४	१६	२७	३९	५१	०२	१४
वृश्चिघ.	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५
७ प.	१४	२६	३७	४९	०१	१२	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	०७	१९	३०	४२	५३	०५	१६	२८	३९	५०	०२	१३	२५	३६	४८	५९
धनु. घ.	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
८ प.	५९	११	२२	३४	४५	५७	०८	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५१	०१	११	२१	३१	४१	५१	०१	११
मकरघ.	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
९ प.	११	२१	३१	४१	५१	०१	११	२२	३०	३८	४६	५५	०३	११	१९	२८	३६	४४	५२	०१	०९	१७	२६	३४	४२	५०	५९	०७	१५	२३	३२
कुंभ घ.	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
१० प.	३२	४०	४८	५६	०५	१३	२१	३०	३७	४४	५१	५८	०५	१२	१९	२७	३४	४१	४८	५५	०२	०९	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	०६	१४
मीन घ.	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११ प.	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	०४	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०१	०८	१५	२२	२९	३६	४३	५१	५८	०५	१२	१९	२६	३३	४०	४८

लग्न सारिणी (अंक्षाश 30° उत्तर) पलभा 6/55/42

अम्बाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, देहरादून, कुराली, खन्ना, पटियाला, भठिण्डा, नाभा, रोपड़, सहारनपुर, हरिद्वार, तथा सम्बन्धित स्थानों के लिए।

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मेष घ.	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
० प.	४४	५१	५८	०५	१२	१९	२६	३२	४१	४९	५७	०५	१३	२१	२९	३८	४६	५४	०२	१०	१८	२६	३४	४३	५१	५९	०७	१५	२३	३१	४०
वृष घ.	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
१ प.	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६
मि. घ.	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
२ प.	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४८	००	११	२३	३४	४६	५७	०९	२०	३२	४३	५५	०६	१८	२९	४१	५३	०४	१६	२७	३९	५०	०२
कर्क घ.	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
३ प.	०२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	०९	२०	३२	४४	५६	८	१९	३१	४३	५५	०७	१८	३०	४२	५४
सिंह घ.	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४ प.	५४	०६	१७	२९	४१	५३	०५	१६	२८	४०	५१	०३	१४	२६	३७	४९	०१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	०८	१९	३१	४३
कन्याघ.	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
५ प.	४३	५४	०६	१७	२९	४०	५२	०३	१५	२७	३८	५०	०१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	०९	२०	३२	४३	५५	०६	१८	३०
तुला घ.	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
६ प.	३०	४१	५३	०४	१६	२७	३९	५०	०२	१४	२६	३८	४९	०१	१३	२५	३७	४८	००	१२	२४	३६	४७	५९	११	२३	३५	४६	५८	१०	२२
वृश्चिघ.	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६
७ प.	२२	३४	४५	५७	०९	२१	३३	४४	५६	०८	१९	३१	४२	५४	०५	१७	२८	४०	५१	०३	१४	२६	३७	४९	०१	१२	२४	३५	४७	५८	१०
धनुः घ.	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
८ प.	१०	२१	३३	४४	५६	०७	१९	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०
मकरघ.	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
९ प.	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	३९	४७	५५	०३	११	१९	२७	३६	४४	५२	००	०८	१६	२४	३२	४१	४९	५७	०५	१३	२१	२९	३८
कुंभ घ.	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९
१० प.	३८	४६	५४	०२	१०	१८	२६	३४	४१	४८	५५	०२	०९	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	०५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५४	०१	०८	१५
मीन घ.	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११ प.	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	०३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	०३	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५५	०२	०९	१६	२३	३०	३७	४४

लग्न सारिणी (अंक्षाश 31° उत्तर) पलभा 7/12/37

लुधियाना, जालन्धर, चण्डीगढ़, अमृतसर, रोपड़, फगवाड़ा, होशियारपुर, कपूरथला, फिरोज़पुर, शिमला, हमीरपुर, मंडी, ऊना तथा सम्बन्धित स्थानों के लिए।

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मेष घ.	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
० प.	४१	४८	५५	०२	०९	१६	२३	३०	३८	४६	५४	०२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	०६	१४	२२	३०	३८	४७	५५	०३	११	१९	२७	३५
वृष घ.	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
१ प.	३५	४३	५१	५९	०७	१५	२३	३१	४१	५१	०१	११	२१	३१	४१	५१	०१	११	२१	३१	४१	५१	०१	११	२१	३१	४१	५१	०१	११	२१
मि. घ.	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
२ प.	२१	३१	४१	५१	०१	१०	२०	३०	४२	५४	०५	१७	२८	४०	५१	०३	१५	२६	३८	४९	०१	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६
कर्क घ.	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
३ प.	५६	०८	२०	३१	४३	५४	०६	१७	२९	४१	५३	०५	१७	२९	४०	५२	०४	१६	२८	४०	५२	०४	१५	२७	३९	५१	०३	१५	२७	३८	५०
सिंह घ.	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४ प.	५०	०२	१४	२६	३८	५०	०२	१३	२५	३७	४८	००	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५७	०८	२०	३२	४३	५५	०७	१८	३०	४२
कन्याघ.	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
५ प.	४२	५३	०५	१७	२८	४०	५२	०३	१५	२७	३८	५०	०२	१३	२५	३७	४८	००	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५७	०८	२०	३२
तुला घ.	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
६ प.	३२	४३	५५	०७	१८	३०	४२	५३	०५	१७	२९	४१	५३	०५	१६	२८	४०	५२	०४	१६	२८	४०	५१	०३	१५	२७	३९	५१	०३	१४	२६
वृश्चिघ.	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
७ प.	२६	३८	५०	०२	१४	२६	३८	४९	०१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	०८	२०	३१	४३	५४	०६	१८	२९	४१	५२	०४	१५
धनुः घ.	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
८ प.	१५	२७	३९	५०	०२	१३	२५	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६
मकरघ.	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५
९ प.	२६	३६	४६	५६	०६	१५	२५	३५	४४	५२	००	०८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३६	४४	५३	०१	०९	१७	२५	३३	४१
कुंभ घ.	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९
१० प.	४१	४९	५७	०५	१३	२१	२९	३७	४४	५१	५८	०५	१२	१९	२५	३२	३९	४६	५३	००	०७	१४	२०	२७	३४	४१	४८	५५	०२	०९	१५
मीन घ.	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११ प.	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	०३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५१	५८	०५	१२	१९	२६	३३	४०	४६	५३	००	०७	१४	२१	२८	३४	४१

लग्न सारिणी (अंक्षाश 33° उत्तर) पलभा 6/39/6

अखनूर, साम्बा, हीरानगर, जम्मू, श्रीनगर, ऊधमपुर, कठुआ, रियासी, कटड़ा, चम्बा, अनन्तनाग, किश्तवाड़, डल्हौज़ी तथा सम्बन्धित स्थानों के लिए।

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मेष घ.	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
० प.	३७	४४	५१	५८	०४	११	१८	२४	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३५	४३	४१	५९	०७	१५	२३	३१	३९	४७	५४	०२	१०	१८	२६
वृष घ.	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११
१ प.	२६	३४	४२	५०	५८	०६	१३	२१	३१	४१	५१	०१	११	२१	३१	४१	५१	०१	११	२१	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	५९	१०
मि. घ.	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
२ प.	१०	२०	३०	४०	५०	५९	०९	२१	३१	४३	५४	०६	१७	२९	४१	५२	०४	१५	२७	३९	५०	०२	१३	२५	३७	४८	००	११	२३	३५	४९
कर्क घ.	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२
३ प.	४९	५८	०९	२१	३३	४४	५६	०७	१९	३१	४३	५५	०८	२०	३२	४४	५६	०८	२०	३२	४४	५६	०८	२०	३२	४४	५६	०८	२०	३२	४४
सिंह घ.	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४ प.	४४	५६	०८	२०	३२	४४	५६	०८	२०	३२	४४	५६	०८	१९	३०	४३	५५	०७	१९	३०	४२	५४	०६	१८	३०	४१	५३	०५	१७	२९	४१
कन्याघ.	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४
५ प.	४१	५२	०४	१६	२८	४०	५२	०३	१५	२७	३९	५१	०३	१४	२६	३८	५०	०२	१४	२५	३७	४९	०१	१३	२५	३६	४८	००	१२	२४	३६
तुला घ.	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
६ प.	३६	४७	५९	११	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३४	४६	५९	११	४३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	४९	११	२३	३५	४७	४९	११	२३	३५
वृश्चिघ.	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६
७ प.	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३४	४६	५७	०९	२१	३२	४४	५५	०७	१९	३०	४२	५३	०५	१७	२८	४०	५१	०३	१५	२६
धनुः घ.	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१
८ प.	२६	३८	४९	१	१३	२४	३६	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६
मकरघ.	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५
९ प.	३६	४६	५६	०६	१६	२५	३५	४५	५३	०१	०९	१७	२४	३२	४१	४९	५६	०४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	५९	०८	१५	२३	३१	३९	४७
कुंभ घ.	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९
१० प.	४७	५५	०३	११	१९	२७	३४	४२	४९	५६	०२	०९	१६	२३	२९	३६	४३	४९	५६	०३	०९	१६	२३	३०	३६	४३	५०	५६	०३	१०	१६
मीन घ.	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
११ प.	१६	२३	३०	३७	४३	५०	५७	०३	१०	१७	२३	३०	३७	४४	५०	५७	०४	१०	१७	२४	३०	३७	४४	५०	५७	०४	११	१७	२४	३१	३७

दशम लग्न सारिणी (सर्वत्र उपयोगी)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मेष घ.	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८
० प.	३८	४७	५६	०६	१५	२४	३३	४३	५३	०३	१३	२२	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२
वृष घ.	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३
१ प.	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२	४२	५२	०३	१४	२५	३५	४६	५७	०८	१९	२९	४०	५१	०२	१२	२३	३४	४५	५५	०६	१७	२८	३८	४९
मि. घ.	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९
२ प.	४९	००	११	२२	३२	४३	५४	०५	१५	२६	३७	४८	५८	०९	२०	३१	४२	५२	०३	१४	२५	३५	४६	५७	०८	१८	२९	४०	५१	०१	१२
कर्क घ.	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४
३ प.	१२	२३	३४	४५	५५	०६	१७	२८	३८	४८	५८	०७	१७	२७	३६	४७	५७	०७	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७
सिंह घ.	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९
४ प.	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३६	४५	५४	०४	१३	२२	३१	४०	५०	५९	०९	१८	२७	३६	४६	५५	०४	१३	२३	३२	४१	५०	००
कन्याघ.	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३
५ प.	००	०९	१८	२८	३७	४६	५५	०५	१४	२३	३२	४२	५१	००	०९	१९	२८	३७	४७	५६	०५	१४	२४	३३	४२	५१	०१	१०	१९	२८	३८
तुला घ.	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८
६ प.	३८	४७	५६	०६	१५	२४	३३	४३	५३	०३	१३	२२	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२
वृश्चिकघ.	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३
७ प.	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२	४२	५२	०३	१४	२४	३५	४६	५७	०८	१९	२९	४०	५१	०२	१२	२३	३४	४५	५५	०६	१७	२८	३८	४९
धनुः घ.	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९
८ प.	४९	००	११	२२	३२	४३	५४	०५	१५	२६	३७	४८	५८	०९	२०	३१	४२	५२	०३	१४	२५	३५	४६	५७	०८	१८	२९	४०	५१	०१	१२
मकरघ.	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४
९ प.	१२	२३	३४	४५	५५	०६	१७	२८	३८	४८	५८	०७	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७
कुंभ घ.	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
१० प.	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३६	४५	५५	०४	१३	२२	३१	४१	५०	५९	०९	१८	२७	३६	४६	५५	०४	१३	२३	३२	४१	५०	००
मीन घ.	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३
११ प.	००	०९	१८	२८	३७	४६	५५	[illegible]	१४	२३	३२	४२	५१	००	०९	१९	२८	३७	४७	५६	०५	१४	२४	३३	४२	५१	०१	१०	१९	२८	३८

* क्रान्ति सारिणी *

दिनांक	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८	१८	१७	१७
+	२	५७	५१	४५	३९	३२	२४	१७	०९	००	५१	४१	३१	२१	१०	५९	४८	३६	२४	११	५८	४४	३०	१६	२	४७	३२	१६	००	४४	२७
फरवरी	१७	१६	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	११	१०	१०	९	९	९	८	८	८	७	×	×
+	११	५३	३६	१८	००	४२	२३	५	४६	२६	७	४७	२७	७	४६	२६	५	४४	२२	१	३९	१९	५६	३४	११	४८	२७	५	५२	×	×
मार्च	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	३	३	३	२	२	१	१	१	०	+०	−०	०	०	१	१	२	२	२	३	३	४
+	४१	१८	५५	३२	९	४६	२३	०	३६	१३	४९	२६	२	३८	१५	४१	२७	४	४१	१६	८	३१	५५	१९	४२	६	२९	५३	१६	४०	३
अप्रैल	४	४	५	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१४	१४	१४	×
−	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	६	२८	५१	१३	३५	५७	१९	४०	२	२३	४४	५	२५	५६	६	२६	४६	६	२६	४५	४	२३	४१	×
मई	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१
−	०	१८	३६	५३	११	२८	४४	१	१७	३३	४९	४	१९	३४	४८	२	१६	२९	४३	५५	८	२०	३२	४३	५४	५	१५	२५	३५	४१	५३
जून	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	×
−	१	९	१७	२४	३१	३८	४४	४९	५५	०	४	८	१२	१५	१८	२०	२२	२४	२५	२६	२७	२७	२६	२५	२४	२५	२०	१८	१५	११	×
जुलाई	२३	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८
−	८	४	५९	५४	४९	४३	३७	३१	२४	१६	९	१	५२	४३	३४	२५	१५	५	५४	४३	३२	२०	८	५६	४३	३०	१७	३	४९	३५	२०
अगस्त	१८	१७	१७	१७	१७	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	११	१०	१०	१०	९	९	९	८
−	५	५०	३५	१९	३	४७	३०	१३	५६	३९	२१	३	४५	२७	८	४०	३१	११	५२	३२	१३	५३	३२	१२	५१	३१	१०	४९	२७	६	४५
सितंबर	८	८	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	३	३	३	२	२	१	१	१	०	−०	+०	०	०	१	१	१	२	२	×
−	२३	१	३९	१७	५५	३३	१०	४८	२५	८	४०	१७	५४	३१	८	४५	२२	५९	३५	१२	४९	२५	२	२१	४५	८	३१	५५	१८	४१	×
अक्तूबर	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१४
+	५	२८	५१	१४	३८	१	२४	४७	९	३२	५५	१८	४०	३	२५	४७	९	३१	५३	१४	३६	५७	१८	३९	००	२१	४१	२	२२	४१	१
नवंबर	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	×
+	२०	४०	५९	१७	३६	५४	१२	२९	४७	४	२१	३७	५३	९	२५	४०	५५	१०	२४	३८	५१	४	१७	३०	४२	५३	५	१५	२६	३६	×
दिसंबर	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३
+	४६	५५	४	१२	२०	२८	३५	४२	४८	५३	५९	४	८	१२	१५	१८	२१	२३	२५	२६	२६	२७	२६	२६	२४	२३	२१	१८	१५	११	७

नोट :- रवि क्रान्ति 21 मार्च से 22 सितंबर तक उत्तरा (−) तथा 23 सितम्बर से 20 मार्च तक दक्षिणा (+) होती है। क्रान्ति अंश और कला में है।

चर सारिणी

क्रान्त्यंश	२		४		६		८		१०		१२		१४		१६		१८		२०		२२		२४	
अक्षांश	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.	मि.	सै.
२	०	१७	०	३४	०	५०	१	०७	१	१४	१	४२	२	००	२	१८	२	३६	२	५४	३	१४	३	३४
४	०	३४	१	०७	१	४२	२	१५	२	५०	३	२४	४	००	४	३६	५	१२	५	५०	६	२९	७	०८
६	०	५०	१	४२	२	३२	३	२३	४	१५	५	०७	६	००	६	५४	७	५०	८	४६	९	४४	१०	४४
८	१	०७	२	१५	३	२३	४	३२	५	४१	६	५१	८	०२	९	१४	१०	२८	११	४४	१३	०१	१४	२१
९	१	१६	२	३२	३	४९	५	०६	६	२४	७	४३	९	०१	१०	२५	११	४८	१३	१३	१४	५१	१६	१०
१०	१	२४	२	४९	४	१४	५	४१	७	०८	८	३६	१०	०५	११	३६	१३	०८	१४	४३	१६	२०	१८	०१
११	१	३३	३	०७	४	४१	६	१६	७	५१	९	२८	११	०६	१२	४७	१४	२९	१६	१३	१८	००	१९	५२
१२	१	४२	३	२४	५	०७	६	५१	८	३६	१०	२१	१२	०९	१४	००	१५	५०	१७	४७	१९	४२	२१	४३
१३	१	५०	३	४२	५	३४	७	२६	९	२०	११	१५	१३	१२	१५	११	१७	१२	१९	१७	२१	२५	२३	२६
१४	२	००	४	००	६	००	८	०२	१०	०५	१२	०९	१४	१५	१६	२४	१८	३५	२०	५०	२३	००	२५	३०
१५	२	०९	४	१८	६	२७	८	३८	१०	५०	१३	०४	१५	१९	१७	३८	१९	५९	२२	२३	२४	५२	२७	२२
१६	२	१८	४	३६	६	५४	९	१४	११	३६	१३	५९	१६	२४	१८	५२	२१	२३	२३	५८	२६	३७	२६	२०
१७	२	२६	४	५४	७	२२	९	५१	१२	२२	१४	५४	१७	२९	२०	०७	२२	४८	२५	३३	२८	२३	३१	१८
१८	२	३६	५	१२	७	५०	१०	२८	१३	०८	१५	५०	१८	३५	२१	२३	२४	१४	२७	१०	३०	१०	३३	१६
१९	२	४५	५	३१	८	१८	११	०६	१३	५५	१६	४७	१९	४२	२२	४०	२५	४२	२८	४८	३१	५९	३५	१६
२०	२	५४	५	५०	८	४६	११	४३	१४	४३	१७	४५	२०	५०	२३	५८	२७	१०	३०	२७	३३	४९	३७	१८
२१	३	०४	६	०९	९	१५	१२	२२	१५	३१	१८	४३	२१	५८	२५	१७	२८	४०	३२	०७	३५	४१	३९	४२
२२	३	१४	६	२८	९	४४	१३	०१	१६	२०	१९	४२	२३	०८	२६	३६	३०	१०	३३	४९	३७	३५	४१	२७
२३	३	२४	६	४८	१०	१४	१३	४१	१७	१०	२०	४२	२४	१८	२७	५७	३१	४३	३५	३३	३९	३०	४३	३४
२४	३	३४	७	०८	१०	४४	१४	२१	१८	०१	२१	४३	२५	३०	२९	२०	३३	१६	३७	१८	४१	२७	४५	४४
२५	३	४४	७	२८	११	१४	१५	०२	१८	५२	२२	४५	२६	४२	३०	४४	३४	५२	३९	०५	४३	२६	४७	५६
२६	३	५४	७	४९	११	४५	११	४३	१९	४४	२३	४८	२७	५६	३२	०९	३६	२८	४०	५४	४५	२८	५०	१०
२७	४	०४	८	१०	१२	१७	१६	२६	२०	३६	२४	५२	२९	१२	३३	३६	३८	०७	४२	४५	४७	३१	५२	२७
२८	४	१५	८	३१	१२	४९	१७	०९	२१	३१	२५	४७	३०	२८	३५	०५	३९	४८	४४	३८	४९	३७	५४	४७
२९	४	२६	८	५३	१३	२२	१७	५२	२२	२६	२७	०४	३१	४७	३६	३५	४१	३०	४६	३३	५१	४५	५७	०९
३०	४	३७	९	१५	१३	५५	१८	३७	२३	२२	२८	१२	३३	०६	३८	०७	४३	१५	४८	३१	५३	५७	५९	३५
३१	४	४९	९	३८	१४	२९	१९	२३	२४	२०	२९	२१	३४	२८	३९	४१	४५	०२	५०	३२	५६	१२	६२	०४
३३	५	१२	१०	२५	१५	३९	२०	५७	२६	१८	३१	४४	३७	१६	४२	५६	४८	४४	५४	४१	६०	५१	६७	.०३
३५	५	३६	११	१४	१६	५३	२२	३५	२८	२२	३४	१४	४०	१३	४६	२०	५२	३६	५९	०४	६५	४४	७२	४०
४०	६	४३	१३	२७	२०	१४	२७	०५	३४	०२	४१	०६	४८	१८	५५	४१	६३	१७	७१	०८	७९	१६	८७	४५
४५	८	०१	१६	२०	२४	०८	३२	१८	४०	३७	४९	०५	४७	४५	६६	३६	७५	५०	८५	२२	९५	१९	१०५	४५
५०	९	३२	१९	०७	२८	४६	३८	३४	४८	३१	५८	४२	६९	०९	७९	५६	९१	०८	१०२	५०	११५	०८	१२८	११
५५	११	२६	२२	५६	३४	३२	४६	१९	५८	२०	७०	४१	८३	२६	९६	४२	११०	३५	१२५	१७	१४०	५८	१५७	५६
१३"४'	१	४४	३	५४	५	५१	७	५०	९	५०	११	५१	१३	५४	१६	००	१८	०८	२०	१९	२२	३३	२४	५२
१८"५५'	२	४५	५	३०	८	१५	११	०३	१३	५१	१६	४३	१९	३६	२२	३३	२५	३४	२८	४०	३१	५०	३५	०६
२२"३४'	३	२०	६	४०	१०	[illegible]	१३	२४	१६	४८	२०	१६	२३	४७	२७	२३	३१	०२	३४	४८	३८	४०	४२	३९
२८"३८'	४	२२	८	४५	१३	१०	१७	३६	२२	०६	२६	४९	३१	१८	३६	०२	४०	३१	४५	५१	५०	५८	५६	१६

वेलान्तर सारिणी

दिनांक	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	०३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३
+	३२	००	२८	२५	२२	४५	९	३४	०	२४	४८	११	३५	५७	१९	३९	००	१९	३८	५६	१४	३०	४७	०२	१७	३०	४३	५४	६	१६	२६
फरवरी	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	×	×
+	३०	४०	५०	५६	१	५	९	१२	१४	१५	१६	१५	१५	१३	११	८	४	०	५५	४९	४२	३४	२७	१९	१०	००	५१	४०	३४	×	×
मार्च	१२	१२	१२	११	११	११	११	१०	१०	१०	१०	९	९	९	९	८	८	८	७	७	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	४
+	२९	१७	५	५२	३९	२५	११	५६	४१	२५	१०	५४	३८	२१	५	४८	३१	१३	५६	३८	३१	०३	४५	२७	९	५१	३३	१४	५६	३८	२०
अप्रैल	४	३	३	३	२	२	२	२	१	१	१	०	०	−०	+०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	×
−	२	४२	२६	८	५१	३४	१७	०	४३	२६	१०	५४	३८	२४	९	१४	२०	३३	४७	०	१३	२४	३६	४७	५८	८	१८	२७	३६	४४	×
मई	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	२	२	२	२	२
−	५२	५९	६	१२	१८	२२	२७	३१	३५	३८	४०	४२	४३	४३	४३	४२	४१	३९	३७	३३	३०	२६	२२	१६	११	५	५८	५१	४४	३५	२७
जून	२	२	२	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	+०	−०	०	०	०	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	×
−	१९	१०	०	५०	४०	२९	१९	७	५६	४४	३२	२०	८	१३	१७	३०	४३	५६	९	२२	३६	४९	२	१५	२८	४०	५३	६	१८	३०	×
जुलाई	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६
−	४२	५३	४	१५	२६	३६	४६	५६	५	१३	२२	३०	३७	४४	५१	५७	२	७	१२	१६	२०	२३	२५	२६	२८	२८	२८	२७	२७	२५	२२
अगस्त	६	६	६	६	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	३	३	३	३	२	२	२	२	१	१	१	१	०	०
−	१८	१४	१०	४	५९	५२	४६	३९	३१	२२	१३	३	५३	४२	३१	१९	७	५४	४१	२७	१३	५८	४३	१७	१२	५५	३८	२०	३	४५	२७
सितंबर	०	०	०	०	१	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	९	×
−	८	१९	३१	५१	१०	३०	५१	११	३२	५३	१४	३५	५६	१७	३८	०	२१	४२	३	२४	४६	०७	२८	४९	९	३०	५१	११	३१	५१	×
अक्तूबर	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
+	११	३०	४९	७	२६	४४	२	१९	३६	५२	८	२३	३८	५२	६	१९	३२	४३	५५	००	१६	२५	३४	४२	५०	५६	३	८	१३	१७	२०
नवंबर	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	×
+	२२	२४	२५	२४	२४	२२	१९	१६	१२	६	००	५३	४६	२८	२८	१७	६	५४	४१	२७	१३	५७	४२	२५	८	४९	३०	१०	५०	२९	×
दिसंबर	११	१०	१०	९	९	९	८	८	७	७	६	६	६	५	५	४	४	३	३	२	२	१	१	०	+०	−०	०	१	१	२	२
+	८	४५	२२	५८	३४	९	४४	१७	५१	२४	५७	२९	१	३२	३	३४	५	३६	०	३७	७	३७	७	३७	७	२९	५२	२२	५१	२०	४९

नोट :- 26 दिसम्बर से 14 अप्रैल तक तथा 15 जून से 31 अगस्त तक वेलान्तर ऋण (−) 15 अप्रैल से 14 जून तक तथा 1 सितंबर से 15 दिसंबर तक वेलांतर धन (+) होता है। वेलान्तर मिनट एवं सेकेंड में हैं।

ॐ श्री गणेशाय नमः
श्रीसद्गुरवे नमः

विविधमुहूर्ताः

गर्भाधानसंस्कार मुहूर्त्त

भद्राषष्ठीपर्वरिक्ताश्च संध्याभौमार्कार्कीनाद्यरात्रीश्चतस्त्रः।
गर्भाधानं त्र्युत्तरेन्द्वर्कमैत्रब्राह्मस्वाती विष्णुवस्वम्बुपे सत्।। (मु०चि० मणि)

भद्रा, षष्ठी, पर्व (अष्टमी, चतुर्दशी, अमावस्या, पूर्णिमा) एवं रिक्ता (४, ९, १४) तिथियाँ, संध्याकाल, भौमरवि और शनिवार तथा ऋतुकाल की प्रथम चार रात्रियाँ गर्भाधान के लिए त्याज्य हैं तीनों उत्तरा (उ०फा०, उ०षा०उ०भा०) मृगशिरा, हस्त, अनुराधा, रोहिणी, स्वाती, श्रवण धनिष्ठा, शतभिषा इन सभी नक्षत्रों में गर्भाधान शुभ है।

गर्भाधान में शुभ लग्न :-

लग्न से केन्द्र त्रिकोण (१, ४, ७, १०, ९, ५) में शुभग्रह और ३, ६, ११ में पाप ग्रह हों, लग्न को पुरुषग्रह देखते हों, चन्द्रमा विषम राशि और विषम राशि के नवांश में हो, समरात्रि में गर्भाधान शुभ होता है। चित्रा, पुनर्वसु, पुष्य और अश्विनी नक्षत्रों को गर्भाधान के लिए मध्यम कहा है।

गर्भाधान मुहूर्त्त चक्र

श्रेष्ठनक्षत्र	रो० हस्त, स्वाती, मृग० अनु०श्र०ध० शतभिषा, तीनों उत्तरा
मध्यम नक्षत्र	पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा
लग्न	१-४-५-७-९-१० पापग्रहों की स्थिति ३, ६, ११वें हो
नवांश	१, ३, ५, ७, ९, ११
रात्रियाँ	रजोदर्शन से ६, ८, १०, १२, १४, १६वीं

गर्भ मासो के स्वामी तथा स्त्री पुरुष के चन्द्र बल की विशेषता।

मास	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
स्वामी	शुक्र	मंगल	गुरु	सूर्य	चन्द्रमा	शनि	बुध	गर्भा-धान लग्नेश	चन्द्रमा	सूर्य

शुक्र, भौम, गुरु, सूर्य, चन्द्र, शनि, बुध, गर्भाधानकालिक लग्नपति चन्द्र तथा सूर्य क्रम से गर्भ के प्रथमादि मासों के अधिपति होते हैं। विवाह एवं गर्भकालिक संस्कारों में स्त्री का चन्द्रबल तथा इनसे भिन्न कार्यों में पति के चन्द्रबल को देखना चाहिए।

पुंसवन का मुहूर्त्त अथवा विष्णुपूजन मुहूर्त्त

पुंसवनसंस्कार सीमन्तोन्नयन से पूर्व किया जाता है इसका मुख्य उद्देश्य है गर्भ में पुरुष जातक हेतु संस्कार करना। 'पुमान् सूयतेऽनेन कर्मणेति पुंसवनम्', गर्भस्थ शिशु का पुत्र अथवा पुत्री सम्बंधी विभाजन तीसरे मास में हो जाता है अतः पुंसवन संस्कार तीसरे मास में ही युक्तिसंगत है सीमान्तसंस्कार के लिए बताए जाने वाले तिथि वार नक्षत्रों में गर्भ के तीसरे मास में पुंसवन संस्कार करना चाहिए। आठवें मास में श्रवन, रोहिणी औरपुष्य नक्षत्रों में, शुभ लग्न में, अष्टम भाव शुद्ध रहने पर गर्भिणी को विष्णु पूजन करना चाहिए।

पुंसवन तथा सीमन्त मुहूर्त्त चक्रम्

मास	गर्भ से तीसरे मास में तथा मासाधिपति के बलवान होने पर ६, ८	लग्न	१-३-५-७-११
तिथि	शुक्लपक्ष की १, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ कृष्ण पक्ष के १ से १० तक	वार	रवि, मंगल, गुरु मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र भी
नक्षत्र	रो० मृग० पुष्य, पुन० हस्त, मूल श्रवन तीनों उत्तरा (जन्मनक्षत्र छोड़कर)		

स्तनपान कराने का मुहूर्त्त

जन्म से पाँचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात वैधृति, ४, ९, १४ तिथि को त्याग कर शुभतिथि में सोम, बुध, गुरु, शुक्रवारों में पुन० पुष्य, मृ० मघा श्रवण, रेवती नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान शुभ है।

स्तनपान कराने के लिए मुहूर्त्तचक्र

तिथि	२-३-५-८-१०-११-१३-१५
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	पुन० पुष्प मृ० म० श्र० रे०
त्याज्य	भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, रिक्ता तिथि

जल पूजन करने का मुहूर्त्त

जन्म के पश्चात प्रथम मास समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र वारों में ४-९, १४-३० तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृ०पुन० पुण्य, हस्त, अनु० मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूत। स्त्री द्वारा जलपूजन श्रेष्ठ है।

जल पूजन के लिए मुहूर्त्त चक्र

तिथि	१-२-३-५-६-८-१०-११-१२-१३-१५
वार	सोम, बुध, गुरु
नक्षत्र	मृ० पुन, पुष्य, हस्त, अनु० मूल, श्रवण
त्याज्य	प्रथममासोपरान्त चैत्र, पौष, अधिकमास गुरु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमा० तिथि

सीमन्तसंस्कार मुहूर्त्तः

गुरु रवि और भौम वारों में, मृगशिरा, पुष्य, मूल, श्रवण पुनर्वसु तथा हस्त नक्षत्रों में रिक्ता (४, ९, १४) अमावास्या, द्वादशी, षष्ठी और अष्टमी तिथियों को छोड़कर शेष तिथियों में, गर्भमासपति के बलवान रहने पर, आठवें अथवा छठे मास में शुभग्रहों के केन्द्र में (१, ४, ७, १०) एवं त्रिकोण (५, ९) भावों में स्थित होने पर, पाप ग्रहों के ३, ६, ११ भाव में होने पर सीमन्त एवं (पुंसवन) संस्कार करना चाहिए।

ध्रुव संज्ञक (उत्तरा ३, रोहिणी) एवं रेवती नक्षत्रों में शुभग्रह वारों में पुरुष लग्न के नवांश में सीमन्त करना शुभ होता है।

सीमन्त संस्कार गर्भ का ही संस्कार है, गर्भ में शिशु की स्थिति एवं विकास हेतु कोई समस्या न हो इस उद्देश्य से यह संस्कार किया जाता है। इसे केश उत्पन्न होने के उपलक्ष्य में होने वाला संस्कार भी कहा जाता है क्योंकि गर्भस्थ शिशु के शिर एवं शरीर में रोम उत्पत्ति गर्भ के छठे मास में होती है। सीमन्त का अर्थ भी केश ही होता है।

गर्भकालिक स्थिति में तृतीय मास महत्वपूर्ण होता है क्योंकि तीसरे मास में ही अंगों की उत्पत्ति होती है तथा कन्या अथवा पुत्र का निर्णय हो जाता है। अतः तीसरे मास में पुंसवन नामक संस्कार का विधान बताया गया है। यद्यपि कुछ आचार्यों ने पुंसवन और सीमन्त दोनों संस्कारों को एक साथ करने के लिए कहा है।

सीमन्तोननयनस्योक्ततिथिवारभराशिषु।
पुंसवं कारयेद्विद्वान सहैवैकदिनेऽथवा।। (नृसिंहदेवज्ञः)

जम्मू तथा हिमाचल प्रदेश में भी सीमन्तपुंसवन दोनों संस्कारों को एक साथ कर लेने की प्रथा प्रचलित है।

जातकर्म–नामकरण मुहूर्त

अष्टमी, चतुर्दशी, अमावास्या इत्यादि पर्व दिन, रिक्तातिथियों (४/९/१४) को त्याग कर शुभ दिनों में, जन्म से एकादश अथवा द्वादश दिन मृगशिरा, रेवती, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, रोहिणी, हस्त, अश्विनी, पुष्य, स्वाती, पुनर्वसु, श्रवण, धनिष्ठा और शतभिषा नक्षत्रों में नवजात शिशु का जातकर्म और नामकरण करना चाहिए।

जातकर्म जातक की श्रीवृद्धि एवं ग्रहदोष निवारण हेतु किया जाता है। × × ×

सूतिकास्नानमुहूर्त्त

रेवती, उत्तरात्रय, रोहिणी, मृगशिरा, हस्त, स्वाती, अश्विनी, अनुराधा नक्षत्रों में रवि गुरु और भौमवारों में सूतीस्नान शुभ होता है।

आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, मघा, विशाखा कृत्तिका, मूल और चित्रा नक्षत्रों में, बुध शनिवारों में ६, ८ तथा रिक्ता (४, ९, १४) तिथियों में सूतीस्नान नहीं करना चाहिए।

दन्तोत्पत्तिफलम्

मास	दन्तोत्पत्तिफल
प्रथम	स्वयं बालक नष्ट हो
द्वितीय	अनुज (छोटे भाई) के लिए कष्टप्रद
तृतीय	भगिनी (बहन) के लिए कष्टप्रद
चतुर्थ	माता के लिए कष्ट
पञ्चम	अग्रज (बड़े भाई) के लिए अनिष्ट
षष्ठ	अतुल सुख प्राप्ति
सप्तम	पितृ सुख
अष्टम	स्वास्थ्यलाभ
नवम	धन लाभ
दशम	सुखप्राप्ति
एकादश	धनसम्पत्ति लाभ तथा सुखबाहुल्य

बालक यदि जन्मकाल में ही दान्त युक्त उत्पन्न हो तो स्वयं अपने और अपने माता पिता अथवा माता के लिए मृत्यु सूचक होता है।

जन्म के अनन्तर ऊपर की दान्त पंक्ति यदि निषिद्ध समय में (सदशन) दान्त सहित हो तब भी अपना, माता पिता के विनाश का सूचक होता है।

दोलारोहणनिष्क्रमण मुहूर्त्त

जन्म समय से बत्तीस, बारह, सोलह, अठारह एवं दश दिनों में शुभग्रहों के वासरों में (सोम, बुध, गुरु, शुक्र) मृदु-लघु और ध्रुव संज्ञक (मृगशिरा, रेवती, चित्रा, हस्त अश्विनी, पुष्य तीनों उत्तरा, रोहिणी नक्षत्रों में नवजात शिशु को दोला (झूला) में आरूढ़ करना चाहिए।

दोलारोहण चक्र

सूर्य नक्षत्र से चन्द्र नक्षत्र तक गिनें

५	५	५	५	७
नैरुज्य	मरण	कृशता	रोग	सौख्य

निष्क्रमण के लिए मुहूर्त्त चक्र

तिथि	१-२-३-५-६-८-१०-११-१२-१३-१५
वार	रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अ०रो०पुन० पुष्य, हस्त, अनु० स्वा० मूल० श्र० ध०
त्माज्य	मंगल, शनि, रिक्ता, अमा० विष्टि अशुभ योग

अन्नप्राशन मुहूर्त्त

बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद ६, ८, १०, १२वें मास में पुत्र को और ५, ७, ९, ११वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।।

अन्नप्राशन मुहूर्त्त चक्र

मास पुत्र के लिए	६, ८, १०, १२
मास कन्या के लिए	५, ७, ९, ११
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि० रो० मृ० पुन० पु० हस्त, चि० स्वा० अनु० श्र० ध० श० तीनों उत्तरा, रेवती
लग्न	२, ३, ४, ५, ६, ७, ९, १०, ११
त्याज्य	जन्म लग्न से व जन्म राशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा १२, १, ८ लग्न। लग्न दशम में पापग्रह भद्रा व्यतिपात दोष।

कर्ण वेध मुहूर्त्त

समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को छोड़कर जन्म से १२वें या १६वें दिन तथा ६, ७, ८ वें मास में विषम वर्षो में शुभवार (सोम, बुध, गुरु, शुक्र) अश्वि० मृ० पुन० पुष्य, हस्त, चि० अनु० श्र० ध० रे० नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्धसमय में वृष, तुला, धनु, मीन लग्न में तथा गुरु केन्द्र में स्थिति होने पर कर्ण वेध श्रेष्ठ समझें।

कर्ण वेध - मुहूर्त्त चक्र

वर्षादि	विषम वर्ष। ६, ७, ८ मास में जन्म से १२वें या १६वें दिन।।
तिथि १,	२, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
वार सोम,	बुध, शुक्र, गुरु
नक्षत्र	अश्वि० मृ० पुन० पु० हस्त, चि० अनु० श्र० धनि० रे०
लग्न २,	७, ९, १२
त्याज्य	समवर्ष, देवशयन (आषाढ़ शुक्ल एकादशी से का०शु० एकादशी तक) चैत्र, पौष, जन्ममास, तिथि, नक्षत्र, क्षय तथा रिक्त। तिथि

चूडाकर्म (मुण्डन) संस्कार मुहूर्त्त विचार

अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थस्थान पर मुण्डन संस्कार किया जा सकता है विषम वर्ष, उत्तरायण २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ तिथियों में शुभ वारों में अश्वि० मृ० पुन० पुष्य, हस्त, चि० स्वा० ज्ये० श्र० धनि० शत० रे० नक्षत्रों में करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध चाहिए। ज्येष्ठ एवं चैत्र मास त्याज्य हैं बालक की माता को ४ मास की गर्भ स्थिति होने पर ५ वर्ष से न्यून अवस्था के बालक का मुण्डन न करें।

चूड़ाकर्म (मुण्डन) संस्कार हेतु मुहूर्त्त चक्र

वर्ष	विषम। सूर्य उत्तरायण होने पर
तिथि	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि० मृ० पुन, पुष्य, हस्त, चि० स्वा० ज्ये० श्र० धनि० शत० रे०
त्याज्य	लग्न से अष्टग्रह, ज्येष्ट चैत्रमास, समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का विचार

शुक्लपक्ष, रिक्ता (४, ९, १४) अमा० रहित तिथि सोम, बुध, गुरु, शुक्र, प्रथम प्रहर अशुभ योग रहित अश्वि० मृ० पुन० पुष्य, हस्त, चि० अनु० श्र० धनि० रे० ३ उत्तरा, स्वाती० शत इन नक्षत्रों में कन्या का नाक बींधना शुभ है।

कन्या की नासिका छेदन–मुहूर्त्त चक्र

पक्ष	शुक्ल पक्ष
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
वार	सोम-बुध-गुरु-शुक्र
प्रहर	प्रथम
नक्षत्र	अश्वि०, मृ० पुन० पुष्य, हस्त० चि० अनु० श्र० धनि० रे० उत्तरा ३, स्वाती, शत०

अक्षरारम्भ करने का विचार

बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षर अंकादि ज्ञानार्थ अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो, जन्म से ५, ७वें वर्ष में २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ तिथि शुभवार, अश्वि, आर्द्रा, पुन० पुष्य, ह० चि० स्वा० अनु० श्र० रे० इन नक्षत्रों में, चर लग्नों को त्याग कर अन्य स्थिर, द्विस्वभाव लग्नों में, गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी तथा कुलदेवता का पूजन करके अक्षराम्भ करवाना चाहिए।

अक्षराम्भ के लिए मुहूर्त्त चक्र

अयन	उत्तरायण
वर्ष	५वां – ७वां
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ६, ८, १०, ११, १२
लग्न	२, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२
नक्षत्र	अश्वि० आर्द्रा, पुन० पुष्य हस्त, चि० स्वा० अनु० श्र० रे०

विद्यारम्भ विचार

अक्षराम्भ के पश्चात् विशेष ज्ञान को वृद्धिप्रद भाषास्थ विद्या (विशेषत: संस्कृत भाषास्थविद्या) का प्रारम्भ फाल्गुनमास छोड़कर उत्तरायण २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ तिथियों में, रवि, बुध, गुरु, शुक्र वारों में, अश्वि० आश्ले० मृ० आर्द्रा, पुन० पु० हस्त, चि० स्वा० अनु० मूल, श्र० ध० श० तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ है। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिए, रवि, मंगल, शनिवार रिक्ता (४, ९, १४) तिथि ज्ये० आश्ले० मघा, ३ पूर्वा, भ० कृ० वि० आर्द्रा, उ०षा० शत० इन नक्षत्रों में शुभ है।

विद्यारम्भ कराने के लिए मुहूर्त्त चक्र

अयन	उत्तरायण	
तिथि	२, ३, ५, ६, १०, ११, १२	
संस्कृत व हिन्दी विद्यारम्भ में त्याज्य	फाल्गुनमास, रिक्ता तिथि अशुभवार	
वार	रवि, बुध, गुरु, शुक्र	
नक्षत्र ग्राह्य	अश्वि० रो० मृ० आर्द्रा, पुन, पुष्य आ० हस्त० चि० स्वा० अनु० मू० श्र० ध० श० ३ पूर्वा रे०	
अंग्रेज़ी	वार	रवि, मंगल, शनि
फ़ारसी	तिथि	४, ९, १४
उर्दू आदि	नक्षत्र	ज्ये० आश्ले० म० ३ पूर्वा भ०कृ०वि० आर्द्रा, उ०षा० शत०

यज्ञोपवीत (उपनयन) संस्कार के मुहूर्त्त का विचार

यज्ञोपवीतपरिधान (उपनयनसंस्कार) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तीनों को करना चाहिए। बाकल के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण ८वें, क्षत्रिय ११वें, वैश्य १२वें वर्ष में यज्ञोपवीत संस्कार करें। इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण १६वें क्षत्रिय २२वें वैश्य २४वें वर्ष तक उपनयन करवा सकते हैं बालक का चन्द्रबल तथा गुरुबल विचार करना आवश्यक है देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य में, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११, १२ तथा कृष्ण पक्ष की २, ३, ५ तिथियों में अश्वि० रो० मृ० आर्द्रा, पुन० पुष्य, आश्ले० तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त० चि० स्वा० अनु०मू० श्र०ध०शत०रे० इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेध रहित होने पर पूर्वाह्न में, अभिजित् मुहूर्त्त में यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र में मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर अत्यन्त शुभफलप्रद होता है। सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ है परन्तु मंगल का बल विचारना आवश्यक है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन नहीं होना चाहिए। देवशयन, गुरु, शुक्र का बालवृद्धत्व अपराह्न काल, ज्ये० शुक्ल द्वितीया, आषाढ़ शुक्ल १०, पोष शु० ११, माघ शु० १२ संक्रान्ति दिन, रोगबाण, सूर्य के ८, १७, २६ गतांश, लग्नेश और चन्द्र, गुरु शुक्र की ६, ८, १२ में स्थिति, १, ५, ८वें भावों में पापग्रह अशुभ होते हैं इन सबका त्याग आवश्यक है।

उपनयन करने के लिए मुहूर्त्त चक्र

वर्ष	ब्राह्मण (८ या १६)	क्षत्रिय (११ या १२)	वैश्य (१२ या २४)
अयन	देवशयन से पूर्व उत्तरायण में		
वार	रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र		
पक्षतिथि	शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११, १२ कृष्णपक्ष की २, ३, ५		
नक्षत्र	अश्वि० रो० मृग० आर्द्रा, पुन० पुष्य, आश्ले० तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा० ह० चि० स्वा० अनु० मू० श्र० ध, शत रेवती		
गुरु	५, १, ९ २, ७ श्रेष्ठ	१, ३, ६, १० पूज्य	४, ८, १२ निन्दित
अन्य ग्राह्य	पूर्वाह्न, अभिजित्मुहूर्त्त (सामवेदियों को भौमबल व मंगलवार भी)		
त्याज्य	गुरु शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस, रोग बाण तथा लग्नेश, चं० शु०गु० की ६, ८, १२वें, पापग्रहों की १, ५, ८ वें स्थिति।		

ॐ श्री गणेशायन नमः

नमोऽस्तुरामाय

ब्रह्मर्षिवसिष्ठ द्वारा विरचित "वसिष्ठसांहता" में अष्टदश कूटों का विचार किया गया है, इन्हीं सभी कूटों का पूर्णरूपेण विवरण परमादरणीय सद्‌गुरु डॉ० बिहारी लाल वसिष्ठ जी द्वारा सम्पादित 'श्री वैष्णवविजयपञ्चाङ्गम्' में उपलब्ध है वर्त्तमान् में प्रसिद्ध अष्ट कूटों के सन्दर्भ में प्रतिपादन करते हैं।

वर्णोवश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रहमैत्रकम्।
गणमैत्रं भकूटं च नाड़ी चैते गुणाधिकाः।।

(१) वर्णकूट (२) वश्य (३) तारा (४) योनि (५) ग्रहमैत्री (६) गणकूट (७) भकूट (८) नाड़ी।। क्रमशः एकोत्तर गुणवृद्धि कारक होते हैं जैसे वर्ण का एक गुण, वश्य के दो, तारा के तीन योनि के चार, ग्रहमैत्री के पाँच, गणमैत्री के छः, भकूट के सात नाड़ी के आठ ज्ञात करें, कुल योग ३६ गुणों का बोधक है। सरलता के लिए वर्ण ज्ञान बोधक चक्र बताते हैं।

वर्णज्ञान चक्र

वर्ण	ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
राशि	कर्क वृश्चिक मीन	मेष सिंह धनु	वृष कन्या मकर	मिथुन तुला कुम्भ

मीनादि क्रम से ब्राह्मणादि चारों वर्ण सुनिश्चित हैं हीनवर्णा का विवाह उत्तम वर्ण के वर से नहीं होना चाहिए ऐसे ही उत्तम वर्णा का विवाह हीन वर्ण वर से नहीं होना चाहिए।

वर्णदोष परिहार

कन्या ↓	वर :– ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्रिय	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

कन्या के वर्ण से वर का वर्ण उत्तम हो या समान वर्ण हो तो १ गुणोपलब्धि समझें। वर से कन्या का वर्ण उत्तम हो तो ० शून्य गुण प्राप्त होता है। वर स्वयं उत्तम वर्ण में हो तो एक गुण, वर की राशि का स्वामी वर्णोत्तम हो तो भी एक गुण जानें।

राशीशयोः सुहृद्भावे मित्रत्वेवांशनाथयोः।
गणादिदौष्ट्येऽप्युद्वाहः पुत्रपौत्रविवर्धनः।। (अत्रि)
न वर्ग–वर्णो न गणो न योनिः द्विर्द्वादशे चैव षडष्टके वा।
तारा विरोधे नव–पञ्चमे वा मैत्री यदा स्यात् शुभदो विवाहः।। (वृ०ज्यो०सा०)

(२) वश्य विचार

सिंह राशि को छोड़कर सभी राशियाँ मनुष्य राशि के वश में है। जल राशियाँ (४, १०, १२) न राशियों (३, ६, ९ पू० ११) का भक्ष्य हें। सिंह वनचर और वृश्चिक कीट दोनों भयङ्कर मानी जाती हैं। दोनों के (कन्या एवं बालक) वश्य समान हों तो २ गुण, एक वश्य, दूसरा शत्रु होने पर एक गुण एक वश्य दूसरा भक्ष्य होने पर आधा गुण तथा एक शत्रु और एक भक्ष्य होने से शून्य गुण प्राप्ति समझें।

वश्यदोष परिहार

राशीश मित्रता, राशीश एकता, नवांशोश मैत्री एवं एकता तथा योनि मैत्री होने से वश्यदोष परिहार शास्त्रकारों ने माना है।

(३) ताराकूट

(१) जन्म (२) सम्पद् (३) विपद (४) क्षेम (५) प्रत्यरि (६) साधक (७) वध (८) मैत्र (९) अतिमैत्र ये नव ताराएँ हैं। कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक, वर नक्षत्र से कन्या नक्षत्र पर्यन्त गणना करके भिन्न-भिन्न दोनों को ९ का भाग दें शेष ३, ५, ७ बचें तो अशुभ, शेष शुभ समझें।

दोनों की तारा शुभ हो तो गुण ३
एक शुभ, दूसरे की अशुभ हो तो १ $^{1}/_{2}$ गुण
दोनों की अशुभ ताराएँ हों तो गुण शून्य समझें।

तारा दोष परिहार

राशीशमैत्री एवं एकता, नवांशेश मैत्री एवं एकता होने से परिहार समझें।

(४) योनिकूट

शास्त्रकारों ने अश्विनी आदि २८ नक्षत्रों की अश्व, गज, मेष सर्पादि योनियाँ स्वीकार की हैं। कन्या एवं वर की योनियों की परस्पर शत्रुता सर्वदा त्याज्य है, जैसे शेर एवं हाथी, गाय और चीता, सर्प तथा न्यौला, अश्व-महिष, श्वान-मृग्, वानर-मेष, चूहा एवं बिल्ली हैं।

कन्या एवं वर की एक ही योनि हो तो अत्यन्त शुभ, योनियाँ परस्पर परममित्र हों तो ४ गुण, मित्र हों तो ३ गुण समान एक जैसी प्रकृति की हों तो २ गुण, सामान्य वैर हो तो १ गुण, परम शत्रुता हो तो शून्य गुण प्राप्ति समझें।

योनि दोष परिहार

राशीश मैत्री, राशीश एकता, नवांशेश मैत्री, नवांशेश एकता परिहार कारक है।

(५) राशीशमैत्री कूट

वर कन्या की राशियों में स्वामियों का एकत्व अथवा मित्रता भावादि इस कूट के मुख्य स्तम्भ हैं। (१) यदि दोनों की राशियों का एक ही स्वामी हो या राशियों के स्वामी आपस में मित्र+मित्र हों तो मिलान सर्वोत्तम समझें, (२) एक दूसरे का मित्र परन्तु दूसरा सम हो उत्तम मिलान, सम+सम हो तो मिलान सामान्य, मित्र+शत्रु तो नेष्ट, सम-शत्रु हो तो अति नेष्ठ, एवं शत्रु+शत्रु हों तो अत्यन्त नेष्ट समझें।

शत्रुमित्रंच विज्ञेयं दम्पत्योः कलहप्रदम्।
अन्योन्यसमशत्रुत्वं दम्पत्योः विरहप्रदम्।। (वसिष्ठ)

राशीश एकत्व = ५
राशीश मित्र+मित्र = ५
राशीश मित्र+सम = ४
राशीश सम+सम = ३
राशीश मित्र+शत्रु = १
राशीश शत्रु+शत्रु = ०

राशीशमैत्री कूट परिहार

नवांशेशमैत्री एवं नवांशेश एकता, नक्षत्र एक परन्तु राशियाँ भिन्न-भिन्न हों तो परिहार हो जाता है।

(३) गणकूट

अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, स्वाती, अनुराधा, श्रवण एवं रेवती नक्षत्रों का देवगण, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, रोहिणी, भरणी और आर्द्रा नक्षत्रों का मनुष्यगण, कृत्तिका, आश्लेषा, मघा, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूला, घनिष्ठा और शतभिषा का राक्षसगण होता है।

वर कन्या के नक्षत्रों के गण यदि देव+देव = ७ गुण, मिलान सर्वोत्तम

मनुष्य-मनुष्य	–	६ गुण	–	मिलान उत्तम
मनुष्य-देव	–	६ गुण	–	मिलान उत्तम
राक्षस-राक्षस	–	६ गुण	–	मिलान उत्तम
देव-मनुष्य	–	५ गुण	–	मिलान शुभ
देव-राक्षस	–	१ गुण	–	नेष्ट मिलान
राक्षस-देव	–	० गुण	–	नेष्ट मिलान
मनुष्य-राक्षस	–	० गुण	–	नेष्ट मिलान
राक्षस-मनुष्य	–	० गुण	–	नेष्ट मिलान

गणदोष परिहार

राशीशयोः सुहृद्भावे मित्रत्वे वांशनाथयोः।
गणादिदौष्ट्येऽप्युद्वाहः पुत्र-पौत्रविवर्धनः।। *(अत्रि)*
द्विर्द्वादशे वा नवपञ्चमे वा षड्काष्टके राक्षसयोषितो वा।
एकाधिपत्ये भवनेशमैत्र्ये शुभाय पाणिग्रहणं विधेयम्।। *(वसिष्ठ)*

राशीश मैत्री, राशीश एकता, नवांशेश मित्रता एवं नवांशेश एकाधिपत्य परिहार कारक हैं।

कृत्तिका रोहिणी स्वातिर्मघाचोत्तराफाल्गुनी।
पूर्वाषाढ़ोत्तराषाढ़े न क्वचिद् गणदोष दे।। *(वृ०दै०र० मुहूर्तकल्पद्रुमः)*
गणदोषोयोनिदोषो वर्ण दोषः षडष्टकम्।
चत्वारि नैवदुष्यन्ति राशि मैत्री यदाभवेत्।। *(वृ०ज्यो०सा०)*

कृत्तिका, रोहिणी, स्वाती, मघा, उत्तराफाल्गुनी पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा ये सभी नक्षत्र गणदोष परिहार करने की क्षमता रखते हैं।

गणदोष, योनि दोष, वर्ण, षडाष्टकदोष राशि मित्रता होने पर दूषित नहीं करते।

७ भकूट

भकूट का दूसरा नामान्तर राशिकूट भी है। यह तीन प्रकार का है– (१) द्विर्दादशादोष (२) नवमपञ्चमदोष (३) षडष्टकदोष – कन्या की राशि से वर की राशि दूसरी व बारहवीं (२-१२) अथवा वर की राशि से कन्या की राशि दूसरी व बारहवीं (२-१२) हो तो द्विर्द्वदश दोष होता है, इसी प्रकार दोनों (वर-कन्या) की राशियाँ नौवीं व पाँचवीं हो तो नवम-पञ्चम, तथा छठी व आठवीं हो तो षडष्टक दोष होता है। राशिकूट शुद्धि होने पर ७ गुण माने जाते हैं। षडाष्टक परिहार– १, ८, २-७, ३-१०, ४-९, ५-१२ तथा ६-११ – इन राशियों का षडाष्टक शुभ है १-६, २-९, ३-८, ४-११, ५-१०, ७-१२ राशियों का शत्रुभाव होने के कारण त्याज्य कहा है।

नवमपञ्चम परिहार :–

वरस्यपञ्चमेकन्या, कन्यायाा नवमेवरः
एतत् त्रिकोणकं ग्राह्यं पुत्रपौत्र सुखावहम्।। *(वृ०ज्यो०स्प०)*

वर से कन्या की राशि पञ्चम और कन्या की राशि से नवम वर की राशि हो तो परिहार होता है ऐसी जोड़ी पुत्रपौत्र तक सुख देखती है।

शुभ नवपञ्चम :–

मेषे च सिंहे वृषभे च कन्ये युग्मे घटे वृश्चिक कर्कटेच।
सिंहेच चापे मकरे युवल्या मित्र त्रिकोणं बहुपुत्रलाभः।। *(चण्डेश्वर)*

१-५, २-६, ३-११, ८-४, ५-९, १०-६ ये सभी शुभ नवपञ्चम हैं ग्राह्य हैं।

अशुभववपञ्चम :–

मेषे च चापे मकरे वृषे च कुम्भे च युग्मे झषकर्कटे च।
कुम्भे तुलायां झषकीटयोश्च शत्रु त्रिकोणं बहुदुःखहानि।। *(चण्डेश्वर)*

१-९, १०-२, ११-३, १२-४, ११-७, १२-४ ये सभी अशुभ नवपञ्चम है दुःखप्रद होते हैं।

अशुभद्विर्न्द्वादश दोष :–

कन्याहरौकीट तुलाधरौ वा चापेमृगे वा झषगे च कुम्भे।
कुलीर युग्मे वृषभे च मेषे द्विर्द्वादशे वै निधनं करोति।।

शुभद्विर्द्वादश :–

चापे फणीन्द्रे घटभे मृगे च अजे झषे सिंह कुलीरके च।
कन्यातुलायां वृषभे च युग्मे द्विर्द्वादशेचाथकरोतिवृद्विम्।।

एकाधिपत्य, राशीश मैत्री तथा नवांशेश मैत्री पूर्णतः परिहार कारक मानी गई है।
द्विर्द्वादशा में दारिद्रिय, षडष्टक में मृत्यु, नवपञ्चम में अपत्य हानि कहा है।

षडाष्टके गोमिथुन प्रदेयं।
कास्यं सरोप्यं नवपञ्चमे च।।
नाड्यां सुवर्णान्नमथोसधेनुं।
द्विर्द्वादशे ब्राह्मनतर्पणं च।।

८. नाड़ी कूट

अष्टकूटों में शिरोमणि कूट नाड़ी कूट है।
नाड़ीकूटं तु संग्राह्य कूटानां हि शिरोमणिः।
ब्रह्माण कन्यका कण्ठे सूत्रत्वेन विनिर्मितम्।।
"एक नाड़ीस्थ नक्षत्रे दम्पत्योःमरणं ध्रुवम्।" *(मुहूर्त्तप्रकाशे)*

वर कन्या की एक ही नाड़ी होना विवाह में अशुभ सूचक है मृत्युप्रद है। सुविधा के लिए त्रिनाड़ी चक्र को समझें। अश्विन्यादि २७ नक्षत्रों को तीन पंक्तियों (नाड़ियों) में विभाजित किया गया है– आदि, मध्य और अन्त्य।

त्रिनाड़ीचक्रम्

आदि	अ	आ	पुन	उ०फा	ह	ज्ये	मू	शत	पूर्वभा
मध्य	भ	मृग्	पुष्य	पू०फा	चि	अनु	पू०षा	ध	उ०भा०
अन्त्य	कृ	रो	आश्ले०	मघा	स्वा	वि	उ०षा	श्र	रे

कन्या एवं वर का जन्म नक्षत्र एक नाड़ी में पड़े तो विवाह अशुभ सूचक होता है, दोनों की आद्य नाड़ी हो तो विवाहोपरान्त विरहा की स्थिति हो, मध्यनाड़ी हो तो दोनों की हानि तथा अन्त्य नाड़ी हो तो वैधव्य योग अथवा घोर कष्ट होता है। भिन्न नाड़ी में आठ गुणों की प्राप्ति तथा समान नाड़ी होने पर शून्य गुण प्राप्त होता है।

नाड़ी दोष परिहार

नाड़ीदोषस्तु विप्राणां वर्णदोषस्तु भूभुजाम्।
गणदोषश्च वैश्येषु योनिदोषस्तु पादजे।।
एवमपि ग्रहमैत्रं ब्राह्मणानां क्षत्रियाणां गणस्तथा।
वैश्यानां राशिकूटं हि शूद्राणां योनिरुत्तमा।। *(शीघ्रवोधे)*

नाड़ीयोनौ द्विजस्योक्ते गणवर्णोच बाहुजे।
वैश्यानां राशिकूटं स्याद्योनिवर्गस्तु पादजे।। *(मुहूर्तकल्पद्रुमे)*

नाड़ी दोष ब्राह्मणों के लिए, वर्ण दोष क्षत्रियों के लिए, गणदोष वैश्यों के लिए तथा योनि दोष शूद्रों के लिए विचारणीय है।

विशेष :– अब चूकि वर्ण व्यवस्था भङ्ग होती जा रही है सभी जातियाँ अपने-अपने कर्मो से विमुख होती जा रही हैं अतः ब्राह्मणेतर वर्ण जातियों के लिए भी नाड़ी दोष उपेक्षनीय नहीं है। सर्वश्रेष्ठ मिलान हेतु नाड़ी दोष परिहार देखना परमावश्यक है।

यदि वर कन्या दोनों की राशि एक हो परन्तु नक्षत्र भिन्न-भिन्न हों यदि दोनों का नक्षत्र एक हो राशि भिन्न-भिन्न हो, तथा नक्षत्र चरण भिन्न-भिन्न (पाद भेद) हो ऐसी स्थिति में नाड़ी दोष नहीं होता– शुभफलप्रद होता है।

आद्यांशेन चतुर्थांशं चतुर्थांशेन चादिमम्।
द्वितीयेन तृतीयं तु तृतीयेन द्वितीयकम्।।
एवं भांश व्यधोयत्र जायते वर कन्ययोः
तत्र मृत्युर्नसंदेहः शेषांशाः स्वल्पदोषदाः।।

स्वरोदये शास्त्रानुसार प्रथम पाद का चतुर्थपाद से एवं चतुर्थपाद का प्रथमपाद से वेध, द्वितीय का तृतीय से तथा तृतीय का द्वितीय से वर कन्या के नक्षत्रों का वेध समझें। शेष चरणों का परस्पर स्वल्प दोष होने से उपेक्ष्य जानें।

एक राश्यादि योगे तु नाड़ी दोषो न विद्यते।
अन्यत्र तु विचार्यैषा स्वभावाच्छोभनाश्च ते।।
सुहृदेकाधिपयोगे ताराबलेवश्य राशौ वा।
अपिनाड्यादि विरोधे विवाहो भवति हितार्थाय।। (ज्यो०त० सुधार्णवे)

श्रीपति निबंध एवं ज्योतिषत्व सुधार्णव में एकाधिपत्य एवं राशि मैत्री नाड़ी प्रभृति समस्त कूटों में पाये जाने वाले दोषों में परिहारक माने गए हैं। इसी प्रकार एक राशि भिन्न नक्षत्र एवं एक नक्षत्र में भी राशि भेद तथा चरण भेद होने से नाड़ी दोष निवृत्त हो जाता है।

एक राशिरुभयोर्भिन्नभं चेदभिन्न भमुतान्य राशिता।
पुंस्त्रियोरतिरतीव नो यदा रोहिणी शुचि भनाड़ी कोडुवत्।। (ज्योतिर्विदाभरणे)
एक नक्षत्र जातानां नाड़ी वेधो न विद्यते।
भिन्नांशश्चैकराशीनां दम्पत्योः प्रीतिहेतवे।।
एकराशौ पृथगधिष्ण्ये पृथग् राशौ तथैकभे।
गणनाड़ी नृदूरं च ग्रहवैरं न चिन्तयेत्।। (वृहस्पतिः)
दम्पत्योरेक राशिश्चेद् भिन्नमृक्षं यदा तदा।
गणदोषोऽप्येकनाडायां विवाहः शुभदः स्मृतः।। (ज्यो० निबध)

[illegible] गत दोनों को एक चरण होने पर भी मिलान शुभ मानते हैं।

"केचिन्नेच्छन्ति चैकांशे केचिदिच्छन्तिमेलकम्।।"

सप्तविंशति नक्षत्रों में कुछ नक्षत्र है जो नाड़ी दोष निरस्त करने की क्षमतारखते हैं यदि इन नक्षत्रों में वर कन्या का जन्म हो तो भी नाड़ी दोष निरस्त समझें।

वैश्वानरद्रुहिणयोरदितीशयोश्चतद्वत्करार्यमभयोर्द्वयधिपानिलेन्दोः।

छागैकपादवरुणयोः श्रुतिवैश्वयोश्चस्यादभिन्नभवनेनहिनाड़ीदोषः।। (रत्नकोषे)

कृत्तिकारोहिणी नक्षत्रों में, पुनर्वसु आर्द्रा में, उत्तराफाल्गुनी हस्त में, स्वाती विशाखा में, शतभिषापूर्वाभाद्रपदा में, उत्तराषाढ़ा श्रवण में, इन नक्षत्रों में जन्म होने पर चाहे वे एक पाद हों या भिन्नपाद में हों, चाहे अभिन्न राशि ही क्यों न हो नाड़ी दोष नहीं हो सकता।

प्रीतिवित्तसुखदः करग्रहेस्त्वेकराशिषु च भिन्नभं यदि।

वारुणाजपादभं भवेद्यदा नाड़ी दोषगणजो न विद्यते।।

नाड़ीगणो नैकराशौचिन्त्यो भिन्नभयोर्यथा।

कृत्तिकाकभयोर्द्वीशस्वात्योः पूभाजलेशयोः।।

आचार्यलल्ल ने भी रत्नकोषकार की भान्ति कृत्तिका, रोहिणी, विशाखा, स्वाती, पूर्वाभाद्रपदा, शतभिषा इन नक्षत्रों को नाड़ी दोष का पूर्णरूपेण परिहार स्वीकार किया है।

विवाह वृन्दान का प्रमांण ज्योतिर्निबंध में इस प्रकार से उपलब्ध है।

नक्षत्रमेकं यदि भिन्नराश्योरभिन्नराश्योर्यदि भिन्नमृक्षम्।

प्रीतिस्तदानीं निविडानूनार्योश्चेत् कृत्तिकारोहिणीवन्न नाड़ी।।

उक्त नक्षत्रों में एक नक्षत्र यदि वर या कन्या का आ जाए जिसका परिहार कहा गया है, दूसरे का ऐसा नक्षत्र आ जाए जिसका परिहार नहीं, ऐसी स्थिति में "**निमित्तायाये नैमित्तिकस्याप्यपायः**" इस परिभाषा से एक का परिहार होने पर दूसरे का स्वयं परिहार हो जाता है।

इसके अतिरिक्त 'वृहद्दैवज्ञरञ्जनम्' में ऐसाप्रमाण उपलब्ध है जिसमें और भी नक्षत्रों का समावेश किया गया है।

अजैकपान्मित्रवसुद्विदैव प्रभंजनाग्न्यर्क भुजंगभानि।

मुकुन्दजीवान्तक भानि नूनं शुभानि योषिन्नरजन्मभैक्ये।। (वृ०दै०र०)

पूर्वाभाद्रपदा, अनुराधा, धनिष्ठा, विशाखा, स्वानी, कृत्तिका, हस्त, आश्लेषा, श्रवण, पुष्य भरणी, इन नक्षत्रों में कोई भी दो नक्षत्र वर कन्या के आ जाएं तो नाड़ी दोष का परिहार हो जाता है, वर कंन्या के लिए शुभ फलप्रद हो जाता है। "एक राशि में दो नक्षत्र हों और नाड़ी भेद भी हो जाए तो विवाह में वर्जित जानना।

एकराशौद्विनक्षत्रेकृत्तिकायाम्यतारके।

धनिष्ठा शततारे च पुष्याश्लेषौ च वर्जयेत्।।

शुक्रे जीवे तथा सौम्य एक राशीश्वरेयदि।

नाड़ीदोषो न वक्तव्यः सर्वथा यत्नतो बुधैः।। (विवाह कोतुहले)

शुक्र जीव तथा बुध यदि राशीश्वर हो जाए तो भी नाड़ी दोष परिहार हो जाता है।

दोषानुपत्तये नाड़या मृत्युञ्जयजपादिकम्।

विधाय ब्राह्मणांश्चैव तर्पयेत् काञ्चनादिना।।

हिरण्यमयीं दक्षिणां च दद्याद्वर्णादिकूटके।

गावोऽन्नं वसनं हेमं सर्वदोषापहारकम्।। (गुरुः)

नाड़ी दोष हो जाने पर अत्यावश्यक में महामृत्युञ्जय जप श्रेष्ठ सात्विक ब्राह्मणें द्वारा करवाकर गो, अन्न, वस्त्र, सोनादि दान करना चाहिए। **शुभम्भूभात।**

विवाह संस्कार

"भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशीलयुक्ता
शीलं शुभं भवति लग्न वशेन तस्याः
तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि
तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः

मुहूर्त्तचिन्तामणि (रामदवैज्ञः)

स्त्री को प्रधान रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान उत्पत्ति की मुख्य स्रोत समझकर विवाह समय का विचार विशेष रूप से करना परमावश्यक है।

जीवन की पूर्ण रूपेण सिद्धि के लिए चारों आश्रम आवश्यक हैं– ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्त और सन्यास!

ब्रह्मचर्याश्रम– जीवन की एक विशेष अवस्था है जिसमें अपने मस्तिष्क को उन्नत करके बुद्धिजन्य ज्ञान को प्राप्त करना होता है, इस प्रकार के समस्त ज्ञान हेतु शारीरिक उन्नति होना भी आवश्यक है।

गृहस्थाश्रम– चारों आश्रमों में मुख्य गृहस्थाश्रम है और गृहस्थाश्रम का मुख्य आधार है 'विवाह संस्कार'। विवाह धर्मार्थ काममोक्ष रूपी चतुर्वर्ग फलप्राप्ति करवाने में एकमात्र सहायक है। यह एक ऐसी अवस्था है कि जस समय विषयों का राग विचार पूर्वक त्याग न कर सके उस राग का यथार्थ ज्ञान करने के लिए नियम पूर्वक (जिस काम को जिसके लिए करना चाहिए) अर्थ और काम का न्यायपूर्वक संचय करना और शेष आश्रमों की द्राव्यादि से सेवा करनी होती है।

वानप्रस्थाश्रम– जीवन की वह अवस्था है कि जिस समय विषयों में अरूचि होवे फिर तपश्चर्यापूर्वक मन इन्द्रिय आदि का संयम करना और पारिवारिक जीवन का त्याग करना होता है। समस्त संसार से समभाव रखना ही सही वानप्रस्थ है।

सन्यासाश्रम– अवस्था भेद मिटाकर सभी प्रकार से निडर हो जाना अर्थात् अपने आप में स्थायी रूप से सत्य का अनुभव करना ही सन्यास आश्रम है। जीवन की पूर्णता सिद्ध करने के लिए सन्यास अत्यन्त आवश्यक है।

विवाह संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देवर्षिपितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। धर्मशास्त्रोक्त आठ प्रकार के विवाहों में 'ब्रह्म विवाह विधि' श्रेष्ठ है। इस

विधि में मुख्य रूप से वर कन्या की जाति गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान) विचार किया जाता है। परन्तु आज अधिकांश लोगों द्वारा गान्धर्व विवाह विधि को (प्रेम विवाह) अपनाया जा रहा है और श्रेष्ठ भी समझा जा रहा है।

इससे पूर्व अष्टकूटों का विचार कर चुके हैं अब कुण्डली मिलान में मङ्गल के सन्दर्भ में विचार प्रस्तुत करते हैं कुण्डली मिलान में सर्वप्रथम यह देखना चाहिए कि कुण्डली मङ्गली तो नहीं है यदि दोनों कुण्डलियाँ मङ्गली हों तो विवाह शुभ होता है। कुण्डली में मङ्गल यदि १, ४, ७, ८ १२वें भाव में हो तो कुण्डली मङ्गली मानी जाती है, विशेष परिस्थितियों में मङ्गली परिहार के द्वारा ही विवाह किया जा सकता है जैसे कि एक की कुण्डली में १, ४, ७, ८ १२वें से जिस भाव में मङ्गल पड़ा हो तो दूसरे की कुण्डली में उसी भाव में शनि या अन्यपापग्रह विद्यमान हो तो मङ्गली दोष परिहार हो जाता है।

भौमेन सदृशो भौभः पापो वा तादृशो भवेत्।
विवाहः शुभदो प्रोक्तश्चिरायुः पुत्र पौत्रदः।।

चन्द्र कुण्डली में भी इसी प्रकार विचार करके तभी विवाह करना चाहिए। विशेषतः मङ्गल का निर्णय भावचलित से करना चाहिए।

लग्ने तुर्ये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्तृ विनाशाय भर्ता कन्या विनाशकृत्।।

लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम और व्यय स्थान में मङ्गल से कन्या पति को नष्ट करती है और वर कन्या को नष्ट करता है इसलिए वर कन्या दोनों को मंगल होना आवश्यक है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

जामित्रे च यदा सौरिर्लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोष विनाशकृत्।।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽपिवाऽथवा भौमे।
वक्रिणी नीचारिगृहे वार्कस्थेपि वा न कुजदोषः।।

केन्द्रेकोणे शुभाढये च त्रिषडायेऽप्यसद्ग्रहाः।
तदा भौमस्य दोषो न मदने मदपस्त था।।

न मंगली चन्द्रभृगु द्वितीये, न मंगली पश्यति यस्य जीवा।
न मंगली केन्द्रगते च राहुः न मङ्गली मंगल राहु योगे।।

तनु धन सुख मादनायुर्लभ व्ययगः [illegible]
विघट्यति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

राशिमैत्रं यदा याति गणैक्यं वा यदा भवेत्।
अथवा गुण बाहुल्ये भौम दोषो न विद्यते।।

इन्हीं परिहार वाक्यों से भौम (कुज) दोष निरस्त होता है फिर भी वर कन्या के लग्न लग्नेश, सप्तम, सप्तमेश, अष्टम अष्टमेश इनके योगों को देखकर सूक्ष्म रीति से परिहार योगों को विचार कर ज्योतिषी लोग कुण्डली मिलान करें तो श्रेयस्कर होगा। यहाँ यह भी स्मरण रहे कि कुण्डली ठीक-ठीक बनी होनी चाहिए। कन्या की कुण्डली में यदि कुयोगों द्वार वैधव्य योग हो तो शालिग्राम से, पिप्पल वृक्ष से, अर्कवृक्ष से वा कुम्भसे यथाविधि विवाह करवाकर स्वर्णदान, गोदान, महामृत्युञ्जयादि जप करके कन्या का विवाह करने से कन्या सौभाग्य पुत्र तथा धनधान्यादि से युक्त होती है।

जन्मोत्थं च विलोक्य वालविधवायोगं विधायव्रतम्।
सावित्र्या उत पैप्पलं हि सुतरां दद्यादिमां वारहः।।
सल्लग्नेऽच्युतमूर्त्तिपिप्पलघटैः कृत्वा विवाहंस्फुटम्।
दद्यात्तां चिरजीविनेऽत्र न भवेद्दोषः पुनर्भूभवः।।

विवाह से पूर्व कन्या का नाम परिवर्तन

यदि कन्या एवं वर की जन्म कुण्डली न हो और दोनों का प्रसिद्ध नाम परस्पर मिलान में शुभ न हो तो आवश्यकता में कन्या का नाम बदला जा सकता है वर का नहीं! कन्या का नाम बदलने के लिए मेलापक सारिणी में वर के नक्षत्र के अनुसार यहाँ दोषांक का अभाव हो उसी आद्यक्षरानुसार सुन्दर नाम रख लेना चाहिए।

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।
व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्।।

वर का प्रसिद्ध नाम तथा कन्या का जन्मनाम, कन्या का प्रसिद्ध नाम और वर का जन्म नाम लेना ऐसी विपरीत कदापि न करें। विशेषतः दोनों का जन्म नाम ही लेना शास्त्रोक है और आवश्यक भी। यथा–

विवाहेसर्वमांगल्येयात्रायां ग्रहगोचरे।
जन्मराशेःप्रधानत्वं नामराशि न चिन्तयेत्।।
कुर्यात्षोडश कर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।
सर्वाण्यन्यानि कर्माणि नामराशौ बलान्विते।।
मन्त्रेपुनर्भूर्वरणे नामराशेः प्रधानता।
कुर्यात्षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।।

नाम राशि का विचार

देशेग्रामेगृहेयुद्धेसेवायां व्यवहारके। नामराशेः प्रधानत्वं जन्मराशि न चिन्तयेत्।।
काकिण्यां वर्ग शुद्धौ च दाने द्यूते ज्वरोदये। मन्त्रे पुनर्भूवरणे नामराशेः प्रधानता।।

विवाहघटनं चैव लग्नजं ग्रहजं बलम्। नाम भात् चिन्तयेत् सर्वं जन्म न ज्ञायते यदा।।

वर वरण मुहूर्त्त

विवाह संस्कार से पूर्व पञ्चाङ्ग शुद्धि देख कुयोग रहित दिन में शुभतिथि वार कृत्तिका, रोहिणी, पू० ३ उ० ३ नक्षत्रों में चन्द्रबल देखकर शुभलग्न तथा शुभ नवांश में, अपने कुल पुरोहित या कन्या का भ्राता वर के घर आकर पूर्वोत्तर या पूर्वा पर दिशा में बैठे कुंकुम या केसर से वर को तिलक करें, वस्त्र यज्ञोपवीत आदि वर को देकर वर का सत्कार करें।

कन्या वरण मुहूर्त्त

पञ्चाङ्ग शुद्धि देखकर कुयोग रहित दिन में कृ० पूर्वा० ३ स्वा० अनु० उ०षा०श्र०ध० तथा विवाहोक्त नक्षत्रों में शुभसमय में वस्त्रालङ्कार फल पुष्पों सहित कन्या वरण करें।

• विवाह निश्चय के कुछ नियम

वधु वर की सगोत्र और माता की सात पीढ़ी में से न हो। दो सगी बहनों का विवाह दो सगे भाईयों से न करें। दो सगी बहनों का दो सगे भाईयों का एक संस्कार ६ मास में साथ ही न करें। लड़की के विवाह के पश्चात् लड़के का विवाह हो सकता है पृथक् माता (सौतेली) से हुए भाई बहिनों का एक संस्कार द्वार भेद, मण्डपभेद और आचार्य भेद से हो सकता है। यमल (जोड़े) भाई बहिनों का एक ही मण्डप में विवाह करने में हानि नहीं। इसी प्रकार विवाह के पश्चात् मुण्डन, यज्ञोपवीत ६ मास तक न करें, संवत्सर भेद से मङ्गल कार्य हो सकते हैं। मङ्गल कार्य के मध्य पितृ कर्म (श्रद्धादि) न करें। वाग्दान के अनन्तर वर कन्या के तीन पीढ़ी में किसी की मृत्यु हो जाय तो १ मास के बाद अथवा सूतक निवृत्त होने पर शान्ति करके विवाह करने में हानि नहीं। नान्दीमुख श्राद्ध हो जाने के पश्चात् यदि किसी की मृत्यु हो जाए तो कन्या वर के माता पिता को अशौच नहीं लगता निश्चित समय पर विवाह कर देना चाहिए।

विवाह में त्रिबल शुद्धि

बल	गुरु	चन्द्र	सूर्य
श्रेष्ठ	२, ५, ७, ९, ११	१, २, ३, ५, ६, ७, ९, १०, ११	३, ६, १०, ११
पूज्य	१, ३, ६, १०	१२	१, २, ५, ७, ९
नेष्ट	४, ८, १२	४, ८	४, ८, १२

वरस्य भास्कर बलं कन्यायाश्च गुरोर्बलम्।
द्वयोश्चन्द्रबलं ग्राह्यं विवाहो नान्यथा भवेत्।।

यहाँ वर का सूर्यबल, कन्या का गुरु बल तथा दोनों का चन्द्रबल देखना चाहिए।

विशेष :– गुरु व सूर्य स्वोच्च, स्वमित्र, स्वराशि, स्वनवांश, वर्गोत्तम नवांश में होने पर ४, ८, १२वें होनें पर भी शुभ होते हैं।

स्वोच्चे स्वमैत्रे वा स्वांश वर्गोत्तमेगुरो।।
रिष्फाष्टतुर्यगोऽपीष्टो नीचारिस्थः शुभोऽप्यसत्।।

(रामदैवज्ञ)

यदि गुरु नीच या शत्रु राशि का हो तो शुभ होने पर भी अशुभ फलप्रद होता है अतः नीच या शत्रु राशिस्थ गुरु कन्या की राशि से २, ५, ७, ९, ११वें होने पर भी अशुभ माना गया है यह पूजा करने पर ही श्रेयस्कर होता है। ऐसे ही सूर्य ४, ८, १२वें होने पर परिहार वाक्य–

"स्वोच्चे स्वमित्रसदने स्वगृहे स्ववर्गे।
स्वांशे ततश्च निधन व्ययतुर्यगोऽपि।।
श्रेयस्तनोति रिपुनीचगलोऽप्यनिष्टम्।
तुल्यं फलं निगदितं रवि जीवयोश्च।।

(दैवज्ञकल्पद्रुम)

सूर्य यदि तुला राशि वाले वर के लिए २, ५, ९वें हो तो भी शुभ फलप्रद होता है उसकी पूजा की आवश्यकता नहीं होती।

"धर्मधीधनगतोदिवाकरस्तौलि राशि जनितस्य शोभनः।।"

अन्य राशि वालों के लिए २, ५, ९वां सूर्य १३ अंश बीत जाने पर शुभ माना जाता है पूज्य नहीं होता।

"गर्ग्याङ्गिरो वत्सवसिष्ठगौत–।
मपराशराद्या मुनयो वदन्ति।।
द्वितीय पंचाङ्गतो दिवाकर–
स्त्रयोदशा हात्परतः शुभावहः।।"

विवाह मुहूर्त्त में दश दोषों का विचार

१. लत्तादोष चक्रम् :–

ग्रहाः	सूर्य	पूर्णचन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु
वि.न.	१२	२२	३	७	६	५	८	९
दिशा	दक्षिण	वाम	दक्षिण	वाम	दक्षिण	वाम	दक्षिण	वाम
फल	धननाशः	भयम्	मृत्यु	भयम्	बंधुनाश	कार्यहानिः	कुलक्षय	मरणम्

उदाहरण– जैसे सूर्य के नक्षत्र से विवाह का नक्षत्र यदि १२वां हो तो सूर्य की लत्ता दोष वाला विवाह नक्षत्र होगा इसी भान्ति शेष ग्रहों की लत्ता दोष भी जानें।

२. पात दोष ज्ञान चक्रम् :–

रो	मृ	मघा	उ.फा.	हृ.	स्वा.	अनु.	मू.	उ.षा.	उ.भा.	रे	विवाह नक्षत्राणि
आर्द्रा	मृ	अ	कृ	भ	कृ	अ	रो	भ	भ	अ	सूर्याधिष्ठित नक्षत्रानि
पुन	अ	मृ	अ	मृ	श्र	अ	ज्ये	पुन	श	ज्ये	
श	ज्ये	ज्ये	वि	श	ध	उषा	ध	श	वि	ध	
पूफा	ध	पुष्य	पूफा	पूभा	पुष्य	पूभा	श्ले	वि	उफा	म	
चि	म	ह	उभा	स्वा	ह	पूषा	मू	ऽनु	पूफा	पूफा	
मू	ह	रे	पूभा	म	रे	पूफा	उभा	उषा	मू	स्वा	

ऊपर के नक्षत्रों में सूर्य हो तो नीचे के नक्षत्रों को पात दोष लगता है हर्षण, वैधृति, साध्य, व्यतिपात, गंड और शूल योगों का अन्त जिस नक्षत्र में हो वह पात दोष से दूषित हो जाता है, इन दूषित नक्षत्रों में विवाह नहीं करना चाहिए।

३. युति दोष :– जिस नक्षत्र का विवाह हो उसी नक्षत्र में यदि कोई ग्रह हो तो उसी ग्रह की युति का दोष समझें, चन्द्रमा उच्च स्वक्षेत्री या मित्रक्षेत्री हो तो युति दोष नहीं होता। शुक्रकी युति विशेष रूप से वर्जित है, सू, मं, श, रा, के इत्यादि की युति मृत्यु, दारिद्रय एवं भयप्रद मानी गई है।

४. वेध दोष चक्रम :–

रो	मृ	मघा	उ.फा.	हृ.	स्वा.	अनु.	मू.	उ.षा.	उ.भा.	रे	वि.न.
अभि	उषा	श्र	रे	उभा	श	भ	पुन	मृ	ह	उफा	ग्र.न.

ऊपर के नक्षत्र का विवाह हो और नीचे के नक्षत्र पर कोई भी ग्रह हो वेध दोष होता है यह सर्वत्र निन्दित है इसका सर्वदा त्याग करना हितकारी है।

५. जामित्र दोष चक्रम :–

रो	मृ	मघा	उ.फा.	हृ.	स्वा.	अनु.	मू.	उ.षा.	उ.भा.	रे	वि.न.
अनु	ज्ये	ध	पूभा	उभा	अ	कृ	मृ	पुन	उफा	[illegible]	ग्र.न.

ऊपर के नक्षत्रों में विवाह का नक्षत्र हो और नीचे के नक्षत्रों पर कोई ग्रह हो तो उस ग्रह का जामित्र दोष होता [illegible] ८वें नक्षत्र में पापीग्रह का जामित्र दोष वर्जित है।

६. वाणज्ञानाय सुलभ चक्रम् :–

वाण नाम	अर्कस्य राशि प्रति गतांशाः	५ कर्म वर्ज्या	वार वर्ज्या	समय परत्वेन वर्ज्या
रोग	०८/१७/२६	व्रतबंधे	रवौ	रात्रौत्याज्यम्
अग्नि	२/११/२०/२९	गेहगोपे	भौमे	सदैव वर्ज्यम्
नृप	४/१३/२२	नृपसेवा	मन्दे	दिवा त्याज्यम्
चारे	६/१५/२४	यात्रायां	भौमे	रात्रौ वर्ज्यम्
मृत्यु	१/१०/१९/२८	विवाहे	बुधे	संध्ययो: वर्ज्यम्

७. एकार्गलदोष :– व्याघात, गण्ड, व्यतिपात, विष्कम्भ, शूल, वैधृति, वज्र, परिघ, अतिगण्ड ये योग हों और सूर्य के नक्षत्र से विवाह का नक्षत्र अभिजित् सहित गिनने से विषम हो तो एकार्गल दोष होता है।

८. उपग्रहदोष :– सूर्य के नक्षत्र से ५वें, ७वें, ८वें, १०वें, १४वें, १५वें, १८वें, १९वें, २१वें, २२वें, २३वें, २४वें और २५वें नक्षत्र पर चन्द्रमा हो तो उपग्रह दोष होता है।

९. क्रान्तिसाम्य दोष चक्रम :–

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	कन्या	तुला
सिंह	म	ध	वृश्चिक	मी	कुम्भ

नीचे और ऊपर की राशि पर सूर्य एवं चंद्रमा हों तो स्थूल रूप से क्रान्ति साम्य दोष आ जाता है जैसे मिथुन के सूर्य और धनु के चन्द्रमा में या धनु के सूर्य और मिथुन के चन्द्रमा में। यह दोष सर्वत्र वर्जित है विशेषत: इसकी सूक्ष्म क्रान्ति ही वर्जित है इसका निर्णय महायातगणित से किया जा सकता है।

१०. दग्धातिथिदोष :–

धनु	वृष	कर्क	कन्या	सिंह	मकर	सूर्य:
मीन	कुम्भ	मेष	मिथुन	वृश्चिक	तुला	राशि
२	४	६	८	१०	१२	तिथि

इन उक्त सङ्क्रान्तियों के सौर मास में ये दग्धा तिथियाँ विवाह में वर्जनीय हैं।

भुजङ्गं क्रान्तिसाम्यं च वाणवेधं तथैवच।
लग्नहीनं विवाहं तु कलौ पञ्च विवर्जयेत्।।

लत्ताःमालवके (उज्जैनप्रान्त) देशे पातश्च कुरु (कुरुक्षेत्र) बांगर जांगले (फिरोजपुर भटिण्डा प्रांत) एकार्गलं च काश्मीरे वेधं सर्वत्र वर्जयेत्। उपग्रहर्क्ष कुरुवाल्हीकेषु (आगरा प्रान्त बलखबुखारा) कलिङ्ग वंगेषु (जगन्नाथपुरी बंगाल अयोध्या) च पातितं भम्।। सौराष्ट्र (काठियावाड़) शल्वे (उज्जैन प्रान्त) च लत्तितं भम्। त्यजेत्तु विदभं किल सर्वदेशे।। युतिदोषो भवेद् गौड़े (बंगाल) जामित्रस्य च यामुने (मथुरादि प्रान्त) मासदग्धा च तिथयो मध्यदेशे विवर्जिताः।।

विवाहे लग्न शुद्धि चक्रम्

१	. २	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	भावेषु
चं पापा	००	शुक्र	००	००	चं. शु. लग्नेश	सर्वे	चं मं शुभा. लग्नेश	००	मं	००	श	त्याज्या ग्रहा:
चंद्रक्रूर	कुलिकं क्रांति साम्यं च				चं	मं	चंद्रभौम		विद्भभं च गोधूलौ त्याज्या:			

युति परिहार :-

स्वोच्चगे वा मित्रक्षेत्रगतो विधुः।
युति दोषाय न भवेद्दम्पत्योः श्रेयसे तदा।।

दोषापवाद ज्योतिर्निबंधे :-

दोषाश्च बहवः सन्ति गुणाः स्वल्पा कलौ युगे।
तथापि दोषा नश्यन्ति स्वापवादगुणैः सह।।

अपवादान्तरम् :-

उक्तानुक्ताश्च ये दोषास्तान्निहन्ति बली गुरुः।
केन्द्रसंस्थे सितौ वापि पन्नगान् गरुडो यथा।।
मुहूर्त्त लग्न षड्वर्ग कुनवांश ग्रहोद्भवाः
ते सर्वे नाशमायान्ति केन्द्रसंस्थे शुभग्रहे।।
लग्नाधिपो यदा केन्द्रे लग्नादेका दशालये।
सर्वग्रहकृतारिष्टमेकोऽपि विलयं नयेत्।
बलवान् केन्द्रगः सौम्यो हन्ति दोषशतत्रयम्।
धूनं विहाय दैत्येज्य सहस्रं लक्षमंगिराः।।

स्मरण रहे पूर्वोक्त अपवाद वाक्यों में सर्वत्र सप्तमरहित केन्द्र (१/४/१०) ही ग्रहण करना।

विवाह काल निर्णयः

प्रथम गर्भ के ज्येष्ठ वर कन्या का विवाह ज्येष्ठ मास में नहीं होता इसको त्रिज्येष्ठ कहते हैं। वर कन्या में से एक ज्येष्ठ हो तो ज्येष्ठ मास में विवाह करना मध्यम है फिर भी आवश्यश्कता में कृत्तिका का सूर्य निकल जाने पर दानादि करके विवाह करने में हानि नहीं। ऐसे ही वृश्चिक के सूर्य में कार्तिक में विवाह हो सकते हैं।

जन्म नक्षत्र में अन्न प्राशन, यज्ञोपवीत धारण, मुण्डन (चूड़ाकरण) राज्याभिषेक, जन्मदिनादि कृत्यों को शुभ माना गया है परन्तु सीमन्तोन्नयन तथा विवाहादि कार्यो में जन्मनक्षत्र अनिष्टफलप्रद होता है :-

बालान्नभुक्तौ व्रतबंधनेऽपि राज्याभिषेके खलुजन्मधिष्ण्यम्।
शुभं तु अनिष्टं सततं विवाह सीमन्त यात्रादिषु मंगलेषु वसिष्ठः।।

जन्ममास एवं जन्म नक्षत्र में बड़े लड़के या लड़की का विवाह करने का निषेध माना गया है।

न जन्ममासे जन्मर्क्षे न जन्मदिवसेऽपि वा
आद्यगर्भसुतस्याथ दुहितुर्वा करग्रहः।।

परन्तु छोटे लड़के या लड़की का विवाह जन्ममास में हो सकता है।

वधु प्रवेश मुहूर्त्तः

विवाह संस्कार हो जाने के पश्चात् पहली बार वधु का पतिगृह में प्रवेश वधु प्रवेश कहलाता है विवाह के १६ दिन के भीतर बिना तिथि मुहूर्त्तादि का विचार किए भी स्थिर लग्न में वधु प्रवेश हो सकता है। एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में तीसरे, ५वें वर्ष में भी शुभ है। वधु प्रवेश में रे. अ. रोहि. मृ. श्र. ध. ह. चि. स्वा. म. मू. उत्तरा ३, पुष्य, अनु. इन नक्षत्रों में और चं. बु. वृ. शु. श. इन वारों में चतुर्थ अष्टमस्थान शुद्ध हो, १/२/३/५/६/७/८/१०/११/१२/१३/१५ तिथियों में ५/८/११ लग्नों में शुभ होता है। व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति अमा. संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधु प्रवेश वर्जित है।

वधु प्रवेश मुहूर्त्त चक्र

दिन	१६ दिन तक अथवा ७, ५, ९वें दिन
मास वर्ष	विषम मास, विषम वर्ष
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
नक्षत्र	रे अ. रो. मृ. श्र. ध. हस्त. चि. स्वा. म. मूल. पुष्य, अनु. तीनों उत्तरा. आभि.
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
लग्न	२, ५, ८, ११ लग्न ४, ८ भाव शुद्ध हो
त्याज्य	व्यतीपात, क्षयतिथि, रिक्ता, उमा. ग्रहण. वैधृति. संक्रान्ति दिन

वधु प्रवेशो न दिवा प्रशस्तः
राजप्रवेशो न निशिप्रशस्तः।
दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः
सत् कीर्त्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः।।

द्विरागमन मुहूर्त्त– वधुप्रदेशोपरान्त द्वितीयवार पिता के घर (प्योके) से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है, १, ३, ५ विषम वर्षों में, १-८-११ राशि के सूर्य में गुरु की शुद्धि विचार कर शुभवार १, २, ३, ६, ७, १२ लग्नों में, ह. अ. रे तीनों उत्तरा अभिजित्, रो. मृ. पुन. पु. श्र. ध. श. मू. चि. अनु. नक्षत्रों में शुभ कहा है। शुक्र सामने या दाहिने हो तो अशुभ होता है।

द्विरागमन मुहूर्त्त चक्रम्

वर्ष	विषम (५ वर्ष तक)
मास	१, ८, ११वीं राशि के सूर्य में, सूर्य गुरु की शुद्धि
तिथि वार	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १५ सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र
लग्न	१, २, ३, ६, ७, १२
नक्षत्र	ह. चि. अ. रे रो. स्वा. पुन. पुष्य श्र. ध. श. मृ. मू. अनु. ३ उत्तरा
त्याज्य	सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र (रेवती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है) सामान्य अवस्था में त्याज्य

विशेष :-

द्विरागमं षोडषवासरान्त एकादशाहेसमवासरेषु।
न चात्र ऋक्षं न तिथिर्न योगो न वार शुद्धयादि विचारनीयम्।।
रेवत्यादिमृगान्ते च यावत्तिष्ठति चन्द्रमा।
तावच्छुक्रो भवेदन्धः सम्मुखे दक्षिणे शुभः।।

यात्रा मुहूर्त्त का विचार

यात्रा करने में चन्द्रवास, दिक्शूल, योगिनी चन्द्रबल ये चार मुख्य बातें विचारणीय है। यात्रा में ह. श्र. अश्वि. मृ. पुष्य. पुन. ध. अनु. रे सर्वश्रेष्ठ हैं। अत्यावश्यक में भ. कृ. आ. आश्ले, मघा. चि. स्वा. वि. ज्ये. की पहली क्रमशः ७ - २१ - १० [illegible] घटियां यात्रा में त्याज्य हैं। रो. तीनों उत्तरा. पूर्वा ३ मूल नक्षत्र यात्रा में मध्यम कहे हैं।

कृष्णपक्ष प्रतिपदा, शुक्ल द्वितीया यात्रा में शुभ हैं। जन्म लग्न और जन्मराशि से अष्टमलग्न व अष्टमनवांश में, कुभ लग्न अथवा कुम्भ के नवांश में यात्रा सदैव वर्जित है।

यात्रा में चन्द्रवास

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च कन्यामकरेच याम्ये।
युग्मे तुलायां च घटे प्रतीच्यां कर्कालिमीने दिशिचोत्तरस्याम्।।

दिशा	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
राशि	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
राशि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन

यात्रा फल

यात्रा काल में चन्द्रमा सम्मुख होने पर अर्थलाभ, दक्षिण होने पर सुख सम्पत्ति, पृष्ठ होने पर मृत्युतुल्य कष्ट या मृत्यु, वाम होने पर धन हानि करता है।

"सर्वे दोषाः लयं यान्तिपूर्ण चन्द्रे हि सम्मुखे।"

दिशा	सम्मुख	दक्षिण	पृष्ठ	वाम
फल	अर्थलाभ	सुख सम्पत्ति	मृत्यु	धनहानि कष्ट

सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुख सम्पदः।
पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धनक्षयः।।

योगिनी विचार

प्रतिपदा से शुरू करके पूर्व, उत्तर, अग्नि, नैऋत्य, दक्षिण, पश्चिम, वायव्य, ईशान इन दिशाओं में क्रमशः योगिनी भ्रमण करती है। योगिनी दक्षिण तथा पृष्ठ में रहने पर शुभ तथा सम्मुख एवं वाम हो तो अशुभ फलप्रद होती है।

योगिनी निवास चक्रम

पूर्व	अग्नि	दक्षिण	नैऋत्य	पश्चिम	वायव्य	उत्तर	ईशान	दिशा
१/९	३/११	५/१३	४/१२	६/१४	७/१५	२/१०	८/३०	तिथयः

योगिनी विशेष विचार

योगिनी के शुभा-शुभत्व के सन्दर्भ में भिन्न-भिन्न मत उपलब्ध हैं :-

योगिनी सम्मुखे द्यूते गमे युद्धे च मृत्युदा।
अशुभा वामभागस्था पृष्ठे दक्षे जयप्रदा।। *(मुहूर्त गणपति)*

योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी।
दक्षिणे धनहन्त्री च सम्मुखे मरणंप्रदा।। *(शीघ्रबोध)*

जयदा पृष्ठदक्षस्था भंगदा वामसम्मुखी।
त्रिविधं योगिनी चक्रम् इत्युक्तं ब्रह्मयामले।। *(स्वरोदये)*

"सम्मुखवामगा न शस्ता" – मुहूर्त्त चिन्तामनि में ऐसे कहा गया है।

तथा च–

पृष्ठतो दक्षिणे वापि योगिनी गमने हिता।
वामसम्मुखयोर्नेष्टा वामुमेवं विचिन्तयेत्।। *(विजयकल्पलता)*

तथा :-

वामे शुभकरी देवी पृष्ठेसर्वार्थदायिनी।
वंशबंधकरी चाग्रे दक्षिणे मृत्युदायिनी।।

मुहूर्त चिन्तामणि, मुहूर्त्तगणपति, स्वरोदये विजयकल्पलता इत्यादि ग्रंथों के परस्पर विरोधी वचनों को देखते हुए दक्षिण तथा पुष्ठस्थ योगिनी शुभ एवं वाम और सम्मुख योगिनी अशुभ मानी गई है।

दिक्शूल विचारार्थ चक्र

पूर्व	पश्चिम	दक्षिण	उत्तर	दिशा	पूर्व	अग्नि	दक्षिण	नैत्रा	प.	वा	उ.	दिशा
चन्द्र	रवि	गुरु	बुध	वार	श	शु	गुरु	बुध	मं	चं	र	वार
शनि	शुक्र	०	मंगल	वार			संमुख काल वासवर्ज्यम्					

आवश्यकेदिक्शूलेपदार्था:

सू	धृत	ताम्बूल
चं	पय	चन्दन
मं	गुड	मृद
बु	पुष्प	तिल
वृ	दधि	दधि
शु	धृत	यव
श	तिल	माषान
वार	भक्ष	धारण

समय	शूल
प्रातःकाल	पूर्वदिशा
मध्याहन	दक्षिण
संध्याकाल	पश्चिम
अर्धरात्रि	उत्तर

अत्यावश्यक कार्य में रविवार में धृतपान, सोम को दूध, मंगल को गुड़, बुध को तिल, गुरु को दधि, शुक्र को यवान्न शनि को उड़द या तेल की वस्तु का सेवन करके जाना शुभ है।

नक्षत्रशूल विचार

पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	दिशा
ज्येष्ठा	पू.भा.	रोहिणी	उ.फा.	नक्षत्र

यात्रा शुद्धि :– जन्मलग्नेश, राशीश, जन्मदशेश ये अस्त हो, गुरु शुक्र अस्त, सिंहस्थगुरु, नीचस्थ गुरु ये सब यत्न से वर्ज्य करें।

लग्नशुद्धि :– शुभग्रह १, ४, ५, ७, ९, १०वें, पापग्रह ३, ६, १०, ११वें श्रेष्ठ हैं चन्द्रमा १, ६, ८, १२वें, लग्नेश ६, ७, ८, १२वें, शनि १०वें शुक्र ७वें नेष्ट हैं।

दिशाओं के विभाग से लग्न विचार

दिशा	शुभलग्न	मध्यम	भय	महाभय
पूर्व	१-५-९	२-६-१०	४-८-१२	३-७-११
दक्षिण	२-१०-६	३-७-११	१-५-९	४-८-१२
पश्चिम	३-७-११	४-८-१२	२-६-१०	१-५-९
उत्तर	४-८-१२	१-५-९	३-७-११	२-६-१०

दिक्शूल परिहार :–

"न वार दोषः प्रभवन्तिरात्रौ देवेज्यदैत्येज्यदिवाकराणम् दिवा शशांकर्कजभूसुतानां सर्वत्र निन्द्यो बुधरवार दोषः।

प्रस्थान विचार :– यात्रा मुहूर्त्त में देरी हो तो यात्रा के तीन दिन के अन्दर वर्णानुसार यज्ञोपवीतादि वस्तु या मनपसन्द प्रियवस्तु को किसी के पास रख दें पुनः यात्रा में जाते समय लेते जाएँ।

यात्रा में शुभ शकुन :– विप्र २, अश्व, गज, मद, फल, अन्न, दुग्ध, जौ, दधि, सर्षप, कमल, निर्मल वस्त्र, वाद्य, वेश्या, मयूर, नकुल, सिंहासन, शस्त्र, मांस, दीप्ताग्नि, मत्स्य, ससुतस्त्री, गौरीकन्या, कार्यसिद्धिवाक्य जलपूर्णघट, पश्चाद्रिक्तघट ये सभी यात्रा समय शुभ होते हैं।

गृहारम्भमुहूर्त्त विचार

वैशख, श्रावण, मार्ग, माघ, फाल्गुन सौर महीने गृहारम्भ में श्रेष्ठ कहे हैं, भाद्रपद और कार्तिक मास मध्यम हैं २/३/५/६/७/१०/११/१२/१३/१५ और कृष्ण पक्ष

की प्रतिपदा इन तिथियों में चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनिवारों में, रो. मृ. चि. ह. स्वा. अनु. उत्तरा ३, ध. श. रे. वेध रहित नक्षत्रों में २/३/५/६/८/११/१२ लग्नों में, पञ्चवाण और भूमिशयन से रहित दिनों में, लग्न से केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभग्रह और ३/६/११ वें स्थान में पापग्रह तथा अष्टमस्थान शुद्ध होने पर गृहारम्भ मुहूर्त्त शुभ होता है।

नवीन गृहनिर्माण के पूर्व नींव खोदने के उपरान्त इष्टिका स्थापना का विचार करना चाहिए। नींव खनन करते समय राहुमुख का विचार कर राहुमुख के पीछे वाली दिशा से खात (नींव) खनन प्रारम्भ करें।

राहुमुख एवं खात दिशा ज्ञान के लिए चक्र

कोण	ईशन	वायव्य	नैऋत्य	अग्नि
गृहारम्भ	सिंह, कन्या तुला	वृश्चिक, धनु मकर	कुम्भ, मीन मेष	वृष, मिथुन कर्क
देवाल्या-रम्भ	मीन, मेष वृष	मि. कर्क सिंह	कन्या, तुला वृश्चिक	धनु, म. कुम्भ
जलाश्या-रम्भ	म. कु. मीन	मेष, वृष मिथुन	कर्क, सिंह कन्या	तुला, वृ. धनु.
खातदिशा	आग्नेय	ई.	वाय.	नै.

गृहारम्भ से पूर्व भूमि के शुभाशुभत्व की भी परीक्षा करनी चाहिए। भूमि में एक हाथ चौड़ा, एक हाथ लम्बा, एक हाथ गहरा गड्ढा बनाकर रात्रिकाल में जल से भर कर प्रातःकाल निरीक्षण करें यदि जलयुक्त हो तो शुभ, निर्जल हो तो मध्यम, जलहीन तथा फटी हो तो भूमि अशुभ जानें।

गृहारम्भ मुहूर्त्त चक्र

नक्षत्र	रो. मृ. चि. ह. स्वा. अनु. उ. ३ ध, श. रे.
मास	वै. श्रा. मार्ग. माघ. फाल्गुन इन मासों में १ सूर्य क्रमशः १, ४, ५, ८, १०, ११ राशियों में स्थित होने पर
वार	बुध, गुरु, शुक्र, सोम
तिथियाँ	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५
लग्न	२, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२
लग्नशुद्धि	स्वामी की दृष्टि हो, लग्न से १, ४, ७, १०, ५, ९वें शुभग्रह, ३, ६, ११वें पाप ग्रह तथा ८, १२ स्थान शुभ पाप से रहित
त्याज्य	भद्रा, अशुभयोग, अष्टमचन्द्र, चक्र अशुद्धि
विशेष	शुक्लपक्ष, गुरु शुक्र के उदय में गृहारम्भ विशेष शुभ है

अन्य विशेष :- पुष्य, उ. ३. रो. म. आश्ले. पूषा नक्षत्रों में गुरु जिस नक्षत्र पर हो उस नक्षत्र में गुरुवार को गृहारम्भ पुत्रप्रद तथा लक्ष्मीप्रद कहा है। रो. ह. श्र. उफा, चित्रा इनमें जिस नक्षत्र में बुध हो उसी नक्षत्र में बुध हो उसी नक्षत्र में बुधवार गृहारम्भ पुत्र और सुखप्रद है। वि. चि. आ. ध. श. इनमें शुक्राधिष्ठित नक्षत्र में शुक्रवार को गृहारम्भ धन धान्यप्रद होता है।

चैत्रादिमास में गृहारम्भ का मास के अनुसार फल

मास	फल
चै.	शोक
वै.	धान्य
ज्ये.	पशुमरण
आषा.	हृति
श्रा.	द्रव्यवृद्धि
भाद्र.	नाश
अश्वि.	युद्ध
का.	भृत्यक्षय
मार्ग.	धन
पौ.	श्रीप्राप्ति
मा.	वहनिभय
फाल्गु.	लक्ष्मीलाभ

गृहारम्भ में शिलान्यास (प्रथम इष्टिका स्थापना) पूर्व दक्षिणकोण (अग्निकोण) में करें।
"क्षेत्रभित्तिशिलान्यासासस्तम्भस्यारोपणं तथा पूर्वदक्षिणयोर्मध्ये कुर्यादित्याहकश्यपः।।"

भूमि शयन विचार

नींव खोदने में भूमि शयन का भी विचार करना आवश्यक है। सूर्य नक्षत्र से ५, ७, ९, १२, १९, २६ संख्यक नक्षत्रों में भूमि खनन अशुभ है। बहुत जरूरी हो तो इन नक्षत्रों की ५, ११, ७, ६, २, १० घटियां वर्जित हैं।

वत्सचक्र विचार

सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उससे गृहारम्भ नक्षत्र तक अभिजित् सहित गणना करें पुनः चक्रानुसार फल विचारें।

वत्स चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
३	शीर्ष	वह्निभय
४	अग्निमपाद	रिक्त, अशुभ
४	पृष्ठपाद	स्थिरता
३	पृष्ठ	श्रीलाभ
४	दक्षिण कुक्षि	शुभलाभ
३	पुच्छ	स्वामिनाश
४	वामकुक्षि	निर्धनता
३	मुख	अशुभ, कष्ट

कुआ खोदने व नल लगाने के लिए चक्र

पूर्व	ऐश्वर्य
अग्नि	सुतहानि
दक्षिण	स्त्रीनाश
नैर्ऋत्य	गृहपतिनाश
पश्चिम	सम्पत्ति
वायव्य	शत्रुभय
उत्तर	सुख
ईशान	पुष्टि
मध्य	अर्थहानि

द्वारस्थापन विचार

सूर्य नक्षत्र से गणना करके चक्र देखकर शुभफलदायक नक्षत्र में चक्रबल शुद्धि में द्वार (मुख्यद्वार) की स्थापना करें।

द्वारस्थापन चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
४	शिर	श्रीप्राप्ति
८	कोण	उद्वसन
८	शाखा	सौख्य
३	देहली	गृहेशनाश
४	मध्य	सौख्य

जीर्ण व नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्त चक्र

मास	वै. ज्ये. माघ. फाल्गुन
नक्षत्र	३ उ. अनु. रो. मृ. चि. रे इन नक्षत्रों में कुम्भ चक्र शुद्धि होने पर
वार	चं. बु. गु. शु.
तिथियां	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३
लग्न	(२, ५, ८, ११) शुभ (३, ६, ९, १२) मध्यम
लग्नशुद्धि	लग्न से १, २, ३, ५, ७, ९, १०, ११ स्थानों पर शुभग्रह, ३, ६, ११ पाप तथा ४, ८ स्थान ग्रह रहित श्रेष्ठ हैं।
जीर्ण	उपरोक्त मास तथा श्रा. मार्ग, कार्त्तिक भी ग्राह्य हैं गुरु शुक्रास्त में भी।
गृह प्रवेश	श. पुष्य, स्वाती और धनिष्ठा नक्षत्रों में भी शुभ है।

कुम्भ चक्र

५	अशुभ
८	शुभ
८	अशुभ
६	शुभ

सूर्य नक्षत्र से गणना कर विचार करें। सूर्य नक्षत्र से गृह प्रवेश तक उक्त चक्रानुसार गणना कर शुभ फल वे ़समय में ही गृह प्रवेश करना चाहिए।

स्पष्टफल ज्ञान के लिए अन्य कुम्भ चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
१	मुख	अग्निदाह
४	पूर्व	उद्वसन
४	दक्षिण	लाभ
४	पश्चिम	लक्ष्मीप्राप्ति
४	उत्तर	कलह
४	गर्भ	विनाश
३	अधः	स्थिरता
३	कण्ठ	स्थिरता

दुकान (विपणि) करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	रो. तीनों उत्तरा. ह. पुष्य, चि. रे. अनु. मृ. अश्वि
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, १०, १२, १३
अन्य	चन्द्र शुद्धि, शुभलग्न

क्रयनक्षत्र– रे. अ. शत. स्वा. श्र. चित्रा नक्षत्र बुधवार तथा रविवार श्रेष्ठ है।

विक्रय नक्षत्र– पूफा, पूषा, पूभा, वि. कृ. आश्ले. भर. ये सात नक्षत्र गुरुवार और सोमवार श्रेष्ठ हैं।

विशेष– बेचने के नक्षत्रों में खरीदना तथा खरीदने के नक्षत्रों में बेचना हानिप्रद है।

बड़ा व्यापार करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	ह, पुष्य, तीनों उत्तरा, चित्रा
वार	बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, ११, १३

नौकरी करने का मुहूर्त्त

हस्त, चित्रा, अनु. रे अ. मृ. पुष्य नक्षत्रों में बुध, गुरु, शुक्र, रवि इन वारों में रिक्ता, अमा. को छोड़ कर नौकरी शुरू करना श्रेष्ठ है।

मुकद्दमा दायर करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	ज्ये. आर्द्रा. मघा. तीनों उत्तरा, मृ. आश्ले. भ.
वार	रवि, बु. गु. शु.
तिथि	३, ५, ८, १०, १३, १५
लग्न	३, ६, ७, ८, १२
लग्न शुद्धि	सूर्य बुध, गुरु, शुक्र, चन्द्र ये ग्रह १, ४, ७, १० इन स्थानों में पापग्रह ३, ६, ११ स्थानों पर शुभ हैं। अष्टम स्थान में कोई ग्रह न हो।

विशेष– लग्न में कोई पापग्रह बलशाली हो तो ऐसे लग्न में मुकद्दमा दायर करना अत्यन्त शुभ होता है।

मशीनरी चालू करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	धनिष्ठा, अश्वि. ह. चि. अनु, पुन. पुष्य, ज्ये. एवं रेवती
वार	बुधवार सर्वश्रेष्ठ, अन्य शुभवार
लग्नशुद्धि	श. मं. शु. चं. शुभस्थानों में हो
अन्य	शनि की होरा, चर लग्न

मन्दिर निर्माण का मुहूर्त्त

मास	माघ. फा. वै. ज्ये. मार्ग. पौष.
नक्षत्र	पुष्य उत्तरा ३. मृ. श्र. अश्वि. चि. पुन. आर्द्रा ह. ध. रो
वार	चं. बु. गुरु शुक्र
तिथि	२-३-५-७-११-१२-१३

जलाशय राम सुरप्रतिष्ठा मुहूर्त्त

समय	उत्तरायण, गुरु, शुक्र व मंगल के बली होने पर
तिथि	शुक्ल पक्ष की १-२-५-१०-१३-१५ कृष्ण पक्ष की १-२-५ मतान्तर से शुक्ल पक्ष की ७-११
नक्षत्र	पुष्य, उत्तरात्रय, ह. रे. रो. अश्वि. मृ. श्र. ध. पुन. मतान्तर से चि. स्वा. भ. मू. अत्यावश्यक होने पर
वार	चं. बु. गु. शु.
लग्नशुद्धि	२, ३, ५, ६, ९, ११, १२ (लग्नराशियाँ) केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह ३, ६, ११वें पापग्रह, अष्टम शुद्ध हो।
अन्य	पूर्वाह्न अपने-अपने मास तिथि, नक्षत्र में दक्षिणायन में प्रतिष्ठा के लिए शास्त्रज्ञा (यथा चतुर्दशी में शंकर चतुर्थी में गणेश) इत्यादि।

शुभ विवाह मुहूर्त्त विक्रमी संवत् २०६३ (सन् २००६-०७ ई०)

मुहूर्त्त निर्णेता : पं० रवीन्द्र रैणा, बी०एस०सी०एल०एल०बी०, रैणा ज्योतिष कार्यालय, ५ बी, कर्णनगर जम्मू
एवं पं० सुरेश शास्त्री, फलित ज्योतिषाचार्य, दहोतरा कम्प्यूटराईज़ड ज्योतिष कार्यालय, १२१-रघुनाथपुरी, जम्मू

काल शुद्धि :-

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण – भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा गुरुवार तदनुसारेण सन् 2006 ई० सितम्बर तारिख 7 को चन्द्रग्रहण होगा।
श्राद्धकाल – 7 सितम्बर से 22 सितम्बर तक श्राद्ध पक्ष रहेगा।
शुक्र वार्धक्य दोष – 4 अक्तूबर से।
शुक्रास्त – 6 अक्तूबर से 30 नवम्बर तक।
गुरु अस्त – 7 नवम्बर से 3 दिसम्बर तक, 4 से 6 दिसम्बर तक गुरु वाल्यत्व दोष रहेगा।
1 नवम्बर से 5 नवम्बर तक भीष्म पञ्चक हैं।
पौषमास – 16 दिसम्बर से 13 जनवरी 2007 तक पौष मास है।
होलाष्टक– 24 फरवरी 2007 से 3 मार्च तक होलाष्टक होंगे, होलाष्टक में शुभ कार्य वर्जित हैं।
3 मार्च 2007 को खग्रास चन्द्र ग्रहण होगा।
19 मार्च 2007 को ग्रस्तोदय खण्डग्रास सूर्य ग्रहण लगेगी।

वैशाख मास (अप्रैल-मई) विवाह मुहूर्त सन् २००६ ई० वि०सं० २०६३

पक्ष तिथि	वार	मास प्रविष्टा	तारीख अंग्रेज़ी	नक्षत्र	चन्द्र राशि	सूर्य राशि	गुरु राशि	लत्ता आदि दश-दोष रेखाएँ	शुद्ध लग्न-ग्रह की पूजा दानादि विवरण
वैशाख कृ० 3	रवि	3 वैशा	16 अप्रैल	अनु	वृश्चिक	मेष	तुला	I S III S III	ल.गो. धूलि, रा.ल. कुंभ (शनि पूज्यः), गुरु दृष्टिः
वैशाख कृ० 4	सोम	4 वैशा	17 अप्रैल	अनु	वृश्चिक	मेष	तुला	I S व्य IIII S III	दि.ल 2, 5 (सप्तमे शुक्रः पूज्यः)
वैशाख कृ० 5	मंग	5 वैशा	18 अप्रैल	मूल	धनु	मेष	तुला	IIIIII SS II	गोधूलि, रा.ल. 11, शनि पूज्यः गुरु दृष्टि शुभः
वैशाख कृ० 6	बुध	6 वैशा	19 अप्रैल	मूल	धनु	मेष	तुला	IIIIII SS I S	दि.ल. 5 (शुक्रसप्तमे पूज्यः) रात्रौ भद्रा
वैशाख कृ० 7	गुरु	7 वैशा	20 अप्रैल	उ.षा.	धन/मकर	मेष	तुला	S गु S IIII S IIII	गौ.धूलि, रा.ल. 11 (शनिपूज्यः)
वैशाख कृ० 8	शुक्र	8 वैशा	21 अप्रैल	उ.षा.	मकर	मेष	तुला	S गु शु IIIIIII	दि.ल. 2, 3 (मिथुने अष्टमे भौमः अत्यावश्यके)
वैशाख कृ० 8	शुक्र	8 वैशा	21 अप्रैल	श्रव	मकर	मेष	तुला	I S II S श I SS II	क्रान्तिसाम्यदोषः सायंकाल पर्यन्तम् (रा.ल. 11 चं.श. दान अत्यावश्यके)
वैशाख कृ० 9	शनि	9 वैशा	22 अप्रैल	श्रव	मकर	मेष	तुला	I S II S श I SS II	दिवा लग्न 2
वैशाख कृ० 10	रवि	10 वैशा	23 अप्रैल	धनि	कुंभ	मेष	तुला	IIIIIII S II	दि. ल. 2 A (सप्तमेचन्द्रः पूज्यः), 11
वैशाख शु० 2	शनि	16 वैशा	29 अप्रैल	रोहि	वृष	मेष	तुला	IIIIIIIIII	रा. ल. 11 शनिपूज्यः (गुरुदृष्टि प्रशस्तः)
वैशाख शु० 3	रवि	17 वैशा	30 अप्रैल	रोहि./मृ.	वृष	मेष	तुला	IIIIIIIIII	दि.ल 2, 5 (शुक्र अष्टम परिहारः) अक्षय 3 रात्रि ल. 8, A
वैशाख शु० 4	सोम	18 वैशा	1 मई	मृग्	मिथुन	मेष	तुला	IIIII S रो S III	ल.गो. धूलि, रा.ल. 8 (गुरु दुष्टि)
वैशाख शु० 9	शनि	23 वैशा	6 मई	मघा	सिंह	मेष	तुला	IIIIII S I S I	ल.गो. धूलि, रा.ल. 11 (श.चं. दान)
वैशाख शु० 10	रवि	24 वैशा	7 मई	मघा	सिंह	मेष	तुला	IIIIII S I S I	दि. ल. 2
वैशाख शु० 11	सोम	25 वैशा	8 मई	उ.फा.	सिंह/कन्या	मेष	तुला	III के III S I S I	रा.ल. 11 (च. श. दान) अत्यावश्यके
वैशाख शु० 11-12	मंग	26 वैशा	9 मई	उ.फा.	कन्या	मेष	तुला	II S के II S चौ S III	दि. ल. 5 (शु. दान)
वैशाख शु० 12	बुध	27 वैशा	10 मई	चित्रा	कन्या	मेष	तुला	II S के II S चौ S III	ल. गो. धू. 8, 11, वृश्चिके गुरु दृष्टि प्रशातः कुंभ च.श. दान
वैशाख शु० 13	गुरु	28 वैशा	11 मई	चित्रा	कन्या/तुला	मेष	तुला	IIIII SS III	दि.ल. 2, 5 गोधू
वैशाख शु० 13-14	शुक्र	28 वैशा	11 मई	स्वाति	तुला	मेष	तुला	I S श S IIII S III	रा.ल. 11 (श. दान)
वैशाख शु० 15	शनि	29 वैशा	12 मई	स्वाति	तुला	मेष	तुला	I S श S व्य IIII S I	दि.ल. 2

ज्येष्ठ मास (मई–जून) विवाह मुहूर्त सन् २००६ ई०, वि०सं० २०६३

पक्ष तिथि	वार	मास प्रविष्टा	तारीख अंग्रेज़ी	नक्षत्र	चन्द्र राशि	सूर्य राशि	गुरु राशि	लत्ता आदि दश–दोष रेखाएँ	शुद्ध लग्न–ग्रह की पूजा दानादि विवरण
ज्ये०कृ० 4	बुध	4 ज्येष्ठ	17 मई	उ.षा.	धन/मकर	वृष	तुला	।।। ऽ शु ऽ श ।। ऽ ऽ ऽ	ल.गोधू. रा.ल. 11 (श.दा. गुरु दृष्ट्याशुभः)
ज्ये०कृ० 5	गुरु	5 ज्येष्ठ	18 मई	उ.षा.	मकर	वृष	तुला	।।।। ऽ भौ । ऽऽऽ ।	ल. गोधूलि, रा.ल. 11, 1 (गुरु, दान)
ज्ये०शु० 1	रवि	15 ज्येष्ठ	28 मई	मृग	वृ/मि	वृष	तुला	।। ऽ बु ।।।।।।।	दि.ल. 3, 5, गोधूलि, रा.ल. ९, 11, 1, कुंभे (श. दान), मेषे (गुरु दान) युत्याभावः युतिदोषः कश्मीरे न भवति।
ज्ये०शु० 6	शुक्र	20 ज्येष्ठ	2 जून	मघा	सिंह	वृष	तुला	ऽ मं ।।।।। ऽ व्या ऽ ।।	ल.गो.धू. रा.ल. 11 (चं श. दान) 1 (गुरु दा.)
ज्ये०शु० 7	शनि	21 ज्येष्ठ	3 जून	मघा	सिंह	वृष	तुला	ऽ मं ।।।।। ऽ ह ऽ ।।	दि.ल. 3
ज्ये०शु० 8	रवि	22 ज्येष्ठ	4 जून	उ.फा.	सिंह/कन्या	वृष	तुला	।। ऽ के ।। ऽ अ ऽ व ।।।	ल.गो.धू., रा.ल. 11 (चं. श. दान), 1 (गु. दान) युतिदोषपरिहारः
ज्ये०शु० 9	चंद्र	23 ज्येष्ठ	5 जून	उ.फा	कन्या	वृष	तुला	।। ऽ के ।। ऽऽ ।।।	दि.ल. 3, 5, रा. ल. ९ (बुध दान, मं. दान) के युतिदोषपरिहारः
ज्ये०शु० 10	मंगल	24 ज्येष्ठ	6 जून	चित्रा	कन्या	वृष	तुला	। ऽ ।।। ऽ वृ ऽ व्य ।।।	रा.ल. 1 (चं.गु. दान)
ज्ये०शु० 11	बुध	25 ज्येष्ठ	7 जून	चित्रा	कन्या/तुला	वृष	तुला	। ऽ ।।।। ऽ व्य ।।।	दि.ल. 3, 5 (मं.श. दान) रा.ल. 11, 1 (चं.गु. दान)
ज्ये०शु० 11	बुध	25 ज्येष्ठ	7 जून	स्वाति	तुला	वृष	तुला	। ऽ सू श । गु ।।।।।।	रा.ल. 1 (गुरु युत्याभाव)
ज्ये०शु० 12	गुरु	26 ज्येष्ठ	8 जून	स्वाति	तुला	वृष	तुला	। श । ऽ गु ।। ऽ चो ऽ ।।।	दि. ल 3 (चं. दान) गोधूलि, रा. ल. 11, 1
ज्ये०शु० 14	शनि	28 ज्येष्ठ	10 जून	अनु	वृश्चिक	वृष	तुला	।।। ऽ शु ।। ऽ ।।।	दि.ल. 3 (चं. दान) 5 (चं. दान) गोधूलि

आषाढ़ मास (जून–जुलाई) विवाह मुहूर्त सन् २००६ ई०, वि०सं० २०६३

पक्ष तिथि	वार	मास प्रविष्टा	तारीख अंग्रेज़ी	नक्षत्र	चन्द्र राशि	सूर्य राशि	गुरु राशि	लत्ता आदि दश–दोष रेखाएँ	शुद्ध लग्न–ग्रह की पूजा दानादि विवरण
आषा०कृ० 10	मंगल	6 आषाढ़	20 जून	अश्विनी	मेष	मिथुन	तुला	। ऽ वु ।।।।। ऽऽ ।।	रा. ल. 11 (शनि दान), 2 (चंद्र दान)
आषाढ़ कृ० 11	बुध	7 आषाढ़	21 जून	अश्विनी	मेष	मिथुन	तुला	ऽ वु ।।।।। ऽ ति ऽ ।।	दि. ल. 5 (शनि–मंगल दान)
आषाढ़ शु० 5	शुक्र	16 आषाढ़	30 जून	मघा	सिंह	मिथुन	तुला	।।।।।। ऽ व ऽ ।।	ल. गोधूलि, रा. ल. 11, शनि पूजन
आषाढ़ शु० 6	शनि	17 आषाढ़	1 जुलाई	उ.फा.	सिंह	मिथुन	तुला	। ऽऽ के ।।। ऽ व्य ऽ ।।	रा.ल. 2 (केतु युति परिहारः)
आषाढ़ शु० 6/7	रविवार	18 आषाढ़	2 जुलाई	उ.फा.	सिंह/कन्या	मिथुन	तुला	। ऽऽ के ।।। ऽ व्य ऽ ।।	दि. ल. 5 (शनि मंगल दान), गोधूलि, रा.ल. 11 (चं. श. दान), 1 (चं. दान) 2
आषाढ़ शु० 8	मंगल	20 आषा	4 जुलाई	चित्रा	कन्या/तुला	मिथुन	तुला	।।।।।। ऽ परि ।।।	दि.ल. 5 (श.मं. दान), 8 (शु. दान), गोधूलि, रा.ल. 11 (चं.श. दान), 1 (चं. वृ. दान)
आषाढ़ शु० 9	बुध	21 आषा	5 जुलाई	स्वाति	तुला	मिथुन	तुला	।। ऽ गु ।। ऽ । ऽ ।।	रा.ल. 11 (श. दान)
आषाढ़ शु० 10	वृह	22 आषा	6 जुलाई	स्वाति	तुला	मिथुन	तुला	।। ऽ गु ।। ऽऽ ।।।	दि. ल. 5 (मं. श. दान)
आषाढ़ शु० 11	शुक्र	23 आषा	7 तुलाई	अनु	वृश्चिक	मिथुन	तुला	।।।।।। ऽ ।।।	गोधूलि, रा. ल. 11 (श. मं. दान), 1, 2 (चं. दान)
आषाढ़ शु० 12	शनि	24 आषा	8 जुलाई	अनु	वृश्चिक	मिथुन	तुला	।।।।। ऽ वृ ऽ ।।।	दिवा. ल. 5 (मं. श. दान)
आषाढ़ शु० 15	मंगल	27 आषा	11 जुलाई	उ.षा.	धनु/मकर	मिथुन	तुला	। ऽ शु ऽ सु । ऽ वै ऽऽ ।	दि. ल. 8 (शु. दान) गोधूलि रा. ल. 11 (श.मं. दान), 1 (गु. दान) 2
श्रावण कृ० 1/2	बुध	28 आषा	12 जुलाई	श्रव	मकर	मिथुन	तुला	।।।। ऽ वु रो ऽ वि ।।।	दि. ल. 5, गोधूलि रा. ल. 11 (चं. श. दान), 1(गु. दान), 2

श्रावण मास (जुलाई–अगस्त) विवाह मुहूर्त सन् २००६ ई०, वि०सं० २०६३

पक्ष तिथि	वार	मास प्रविष्टा	तारीख अंग्रेज़ी	नक्षत्र	चन्द्र राशि	सूर्य राशि	गुरु राशि	लत्ता आदि दश–दोष रेखाएँ	शुद्ध लग्न–ग्रह की पूजा दानादि विवरण
श्रावण कृ० 10	वृह	5 श्रावण	20 जुलाई	रोहिणी	वृष	कर्क	तुला	।।।।। ऽ वृ ऽऽ ।।	रा. ल. 1 (गु. दान), 2, 3 (चं. दान)
श्रावण कृ० 11	शुक्र	6 श्रावण	21 जुलाई	रोहिणी	वृष	कर्क	तुला	।।।।।। ऽऽ ।।	दि. ल. 9 (वु. शु. दान), गोधूलि, 9 आवश्यके
श्रावण कृ० 11/12	शुक्र	6 श्रावण	21 जुलाई	मृगशिरा	वृष	कर्क	तुला	।।।।।।। ऽ ।।	रा. ल. 1 (गु. दान), 3 (चं दान)
श्रावण शु० 4	शनि	14 श्रावण	29 जुला	उ.फा.	सिंह/कन्या	कर्क	तुला	ऽ मं. । ऽ के ।।। ऽ परि ऽ ।।	ल. गोधूलि, रा. ल. 1 (चं. गु. दान), 2, 3 (केतु युति परिहारः)
श्रावण शु० 5	रवि	15 श्रावण	30 जुला	उ.फा.	कन्या	कर्क	तुला	ऽ मं । ऽ के ।।। ऽऽ ।।	दि. ल. 7 (चं. दान), केतु युति परिहारः
श्रावण शु० 6	चंद्र	16 श्रावण	31 जुला	चित्रा	कन्या	कर्क	तुला	।।।।।। ऽ सा ऽ । ऽ	ल. गोधूलि, रा. ल. 1 (चं. गु. दान), 2, 3 (चंद्र परिहारः)
श्रावण शु० 7	मंगल	17 श्रावण	1 अगस्त	चित्रा	तुला	कर्क	तुला	।।।।। ऽ चो ऽ सा ऽ ।।	दि. ल. 7 (चं. दान) केन्द्रे गुरु शुभः
श्रावण शु० 7	मंगल	17 श्रावण	1 अगस्त	स्वाति	तुला	कर्क	तुला	। ऽ सा ऽ गु ।। ऽ चो । ऽ ।।	ल. गोधूलि, रा. ल. 1 (चं. गु. दान)
श्रावण शु० 9	वृह	19 श्रावण	3 अगस्त	अनु	वृश्चिक	कर्क	तुला	।।।।। ऽ रो ऽ । ऽ ।	रा. ल. 1 (चं. दान), 2
श्रावण शु० 10	शुक्र	20 श्रावण	4 अगस्त	अनु	वृश्चिक	कर्क	तुला	।।।।। ऽ । ऽ ।	दि. ल. गोधूलि रा.ल. 1 (चं. दान)
श्रावण शु० 13	चंद्र	23 श्रावण	7 अगस्त	उ.षा.	धनु/मकर	कर्क	तुला	।।।। ऽ बु शु । ऽ ।।।	रा. ल. 1 (गु. दान)
श्रावण शु० 14	मंगल	24 श्रावण	8 अगस्त	उ.षा.	मकर	कर्क	तुला	।।।। ऽ बु शु । ऽ ।।।	दि. ल. 7, 8 (मं. दान), गोधूलि
श्रावण शु० 15	बुध	25 श्रावण	9 अगस्त	श्रवण	मकर	कर्क	तुला	।।।। ऽ बु । ऽऽ ।।	दि. ल. 7, 8 (मं. दान)
भाद्रपद कृ०3/4	शनि	28 श्रावण	12 अगस्त	उ.भा.	मीन	कर्क	तुला	।।।। ऽ के ऽ रो ऽ ।।।	दि. ल. 8 (मं. दान) गोधूलि, रा. ल. 1 (चं. गु. दान), 2 (शु. दान)

भाद्रपद मास (अगस्त–सितम्बर) विवाह मुहूर्त सन् २००६ ई०, वि०सं० २०६३

पक्ष तिथि	वार	मास प्रविष्टा	तारीख अंग्रेज़ी	नक्षत्र	चन्द्र राशि	सूर्य राशि	गुरु राशि	लत्ता आदि दश–दोष रेखाएँ	शुद्ध लग्न–ग्रह की पूजा दानादि विवरण
भाद्रपद कृ० 9	वृह	2 भाद्र	17 अगस्त	रोहिणी	वृष	सिंह	तुला	ऽ शु ।।।।। ऽ व्या ऽ । ऽ	दि. ल. 8 (चं. दान), गोधूलि, रा. ल. 1 (गु. दान) 2, 3 (चं. दान)
भाद्रपद कृ० 9	वृह	2 भाद्र	17 अगस्त	मृग्	वृष	सिंह	तुला	। ऽ ह ।।।।। ऽ । ऽ	रा. ल. 3 (चं. दान)
भाद्रपद शु० 2	शुक्र	10 भाद्र	25 अग.	उ.फा.	सिंह/कन्या	सिंह	तुला	।। ऽ मं के । ऽ रा ऽ रो ऽ ।।।	ल. गोधूलि रा. ल. 1
भाद्रपद शु० 3	शनि	11 भाद्र	26 अग.	हस्त	कन्या	सिंह	तुला	। ऽ सा ।।।।।।।।	रा. ल. 1 (चं. दान), 2 (शु. दान), 3 (के. दान)
भाद्रपद शु० 3/4	रवि	12 भाद्र	27 अग.	हस्त	कन्या	सिंह	तुला	। ऽ ।।। ऽ मृ ।।।।	दि. ल. 7
भाद्रपद शु० 5	मंगल	14 भाद्र	29 अग.	स्वाति	तुला	सिंह	तुला	।। ऽ गु ।।।।।।।	दि. ल. 7, चं. दान, 8 गोधूलि, रा. ल. 1 (चं. गु. दान), 3
भाद्रपद शु० 7	वृह	16 भाद्र	31 अग.	अनु	वृश्चिक	सिंह	तुला	। ऽ ।।।। ऽ वै ऽ ।।	दि. ल. 7 चं. दान, गोधूलि, रा. ल. 1 (चं. गु. दान),2, 3 (चं. दान)
भाद्रपद शु० 9	शनि	18 भाद्र	2 सितंबर	मूल	धनु	सिंह	तुला	।।।।।। ऽ ।। ऽ	दि. ल. 7, 8, गोधूलि, रा. ल. 1 (गु. दान)

आश्विन मास (सितम्बर) विवाह मुहूर्त सन् २००६ ई०, वि०सं० २०६३

पक्ष तिथि	वार	मास प्रविष्टा	तारीख अंग्रेज़ी	नक्षत्र	चन्द्र राशि	सूर्य राशि	गुरु राशि	लत्ता आदि दश–दोष रेखाएँ	शुद्ध लग्न–ग्रह की पूजा दानादि विवरण
अश्विन शु० 1	शनि	8 अश्विन	23 सितं	हस्त	कन्या	कन्या	तुला	।। ऽ मं ।। ऽ चो ।।।।	दि. ल. 7 (चं. दान), 8, 9, रा.ल. 2 (चं. दान)
अश्विन शु० 7	शुक्र	14 अश्विन	29 सितं	मूल	धनु	कन्या	तुला	।।।।।। ऽऽ ।।	रा. ल. 3 (चं. दान), 5 (श. दान)
अश्विन शु० 8	शनि	15 अश्विन	30 सितं	मूल	धनु	कन्या	तुला	[illegible]	[illegible] (मं. शु. दान), 8 (गु. दान).

मार्गशीर्ष मास (दिसम्बर) विवाह मुहूर्त सन् २००६ ई०, वि०सं० २०६३

पक्ष तिथि	वार	मास प्रविष्टा	तारीख अंग्रेज़ी	नक्षत्र	चन्द्र राशि	सूर्य राशि	गुरु राशि	लत्ता आदि दश–दोष रेखाएँ	शुद्ध लग्न–ग्रह की पूजा दानादि विवरण
पौष कृ० 6	रवि	25 मार्ग	10 दिसंबर	मघा	सिंह	वृश्चि	वृश्चि	। ऽऽ श ।। ऽ चौ ऽ वै ।।।	ल. गोधूलि, रा. ल. 6
पौष कृ० 8	मंगल	27 मार्ग	12 दिसंबर	उ.फा	सिंह/कन्या	वृश्चि	वृश्चि	।। ऽ के । ऽ रा । ऽऽ ।।	रा. ल. 4 (चं. शु. दान), 6 (चं. श. दान), 7, केतु युति परिहारः
पौष कृ० 8/9	बुध	28 मार्ग	13 दिसंबर	उ.फा.	कन्या	वृश्चि	वृश्चि	।। ऽ के । ऽ रा । ऽऽ ।।	दि. ल. 9 (मं. गु. दान), 12 (चं. दान), गोधूलि, रा.ल. 4 (शु. दान)
पौष कृ० 8/9	बुध	28 मार्ग	13 दिसंबर	हस्त	कन्या	वृश्चि	वृश्चि	।।।।।।। ऽ ।।	रा. ल. 7 (चं. शु. दान)

माघ मास (जनवरी–फरवरी) विवाह मुहूर्त सन् २००७ ई०, वि०सं० २०६३

पक्ष तिथि	वार	मास प्रविष्टा	तारीख अंग्रेज़ी	नक्षत्र	चन्द्र राशि	सूर्य राशि	गुरु राशि	लत्ता आदि दश–दोष रेखाएँ	शुद्ध लग्न–ग्रह की पूजा दानादि विवरण
माघ कृ० 11	चंद्र	2 माघ	15 जनवरी	अनुराधा	वृश्चिक	मकर	वृश्चिक	। ऽ गं ।।। ऽ मृ ऽऽ । ऽ	दि. ल. 12 (चं. मं. दान)
माघ शु० 1/2	शनि	7 माघ	20 जन.	श्रवण	मकर	मकर	वृश्चिक	।। ऽ बु ।। ऽ चौ ऽ ।।।	दि. ल. 12 (मं. दान)
माघ शु० 5	मंगल	10 माघ	23 जन.	उ.भा.	मीन	मकर	वृश्चिक	।।।।।। ऽ परि ।।।	दि. ल. 1 (चं. गु. दान), रा.ल. 8, रा. दान (बसन्त पञ्चमी विशेषः)
माघ शु० 6	बुध	11 माघ	24 जन.	उ.भा.	मीन	मकर	वृश्चिक	।।।।।।।।।।	दि. ल. 12 (लग्ने चंद्रस्य परिहारः)
फाल्गुन कृ० 3	चंद्र	23 माघ	5 फरवरी	उ.फा.	सिंह/कन्या	मकर	वृश्चिक	।।।। ऽ रा ।। ऽ ।।	रा. ल. 7 (चं. दान), रा. ल. 8 (रा. दान)
फाल्गुन कृ० 4	मंगल	24 माघ	6 फरवरी	उ.फा.	कन्या	मकर	वृश्चिक	।।।। ऽ रा ।। ऽ ।।	दि. ल. 12 (चं. दान)
फाल्गुन कृ० 4	मंगल	24 माघ	6 फरवरी	हस्त	कन्या	मकर	वृश्चिक	।।।।।।।।।।	लग्न गोधूलि, रा. ल. 7 (चं. दान), 8 (रा. दान)
फाल्गुन कृ० 5	बुध	25 माघ	7 फरवरी	हस्त	कन्या	मकर	वृश्चिक	।।।।। ऽ चौ ऽऽ ।।	दि. ल. 12 (चं. दान)
फाल्गुन कृ० 8	शनि	28 माघ	10 फरवरी	अनुराधा	वृश्चिक .	मकर	वृश्चिक	।।।।।।।।।।	रा. ल. 7

फाल्गुन मास (फरवरी–मार्च) विवाह मुहूर्त सन् २००७ ई०, वि०सं० २०६३

पक्ष तिथि	वार	मास प्रविष्टा	तारीख अंग्रेज़ी	नक्षत्र	चन्द्र राशि	सूर्य राशि	गुरु राशि	लत्ता आदि दश–दोष रेखाएँ	शुद्ध लग्न–ग्रह की पूजा दानादि विवरण
फाल्गुन कृ० 11	मंगल	2 फाल्गु.	13 फर.	मूल	धनु	कुंभ	वृश्चिक	। ऽ ह ।।।।। ऽ ।।	दि. ल. 12, रा. ल. 8, 10 (मं. शु. दान)
फाल्गुन शु० 3	मंगल	9 फाल्गु.	20 फर.	रेवती	मीन	कुंभ	वृश्चिक	।।।।। ऽ रो ।।।।	रा. ल. 8 (रा. दान), 9 (गु. दान)
चैत्र कृ० 1	चंद्र	22 फाल्गु.	5 मार्च	हस्त	कन्या	कुंभ	वृश्चिक	। ऽ गं ।।।।।।।।	रा. ल. 8 (रा. दान), 9 (गु. दान)
चैत्र कृ० 4	वृह	25 फाल्गु.	8 मार्च	स्वाति	तुला	कुंभ	वृश्चिक	।।।।। ऽ चौ । ऽऽ ।	दि. ल. 1(चं. गु. दा.), 2(चं. दा.), रा. ल. 8(चं. रा. दा.),9(गु.दा.)
चैत्र कृ० 7	रवि	28 फाल्गु.	11 मार्च	अनुराधा	वृश्चिक	कुंभ	वृश्चिक	ऽ बु ऽ ।।। ऽ रो ।।।।	दि. ल. 2 (चं. गु. दान)

मुण्डन मुहूर्त (२००६-०७ ई०)

उत्तरायण मासों में, जन्मकाल से १, ३ ५ इत्यादि वर्षों में, शुभ कहा गया है। जन्म मास, ज्येष्ठ बालक का ज्येष्ठ मास अथवा ज्येष्ठ नक्षत्र में, जन्म राशि अष्टमस्थ राशि एवं अष्टमस्थ लग्न में मुण्डन न करें। अपने कुलानुसार अश्विन एवं चैत्र नवरात्रों में किसी देवस्थान एवं विवाह के साथ कर सकते हैं।

पक्ष तिथि	वार	तारीख अंग्रेज़ी	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त समय लग्न
वै. कृ. 11	सोम	24 अप्रै	11 वैशाख	शत्भिषा	दि. 9:20 तक
वै. शु. 3	रवि	30 अप्रै	17 वैशाख	रोहिणी	ल. 2/3 अभिजित (अक्षय 3)
वै. शु. 6	बुध	3 मई	20 वैशा	पुनर्वसु	ल. 2, अभिजित
वै. शु. 11	सोम	8 मई	25 वैशा	उ.फा.	दि. अभि. 11:36 से 12:24 तक
ज्ये. कृ. 12	बुध	24 मई	11 ज्येष्ठ	अश्विनी	ल. 5 अभि. 11:36 से 12:24
ज्ये. शु. 2	सोम	29 मई	16 ज्येष्ठ	मृगशिरा	प्रातः 7:12 तक
ज्ये. शु. 4,5	बुध	31 मई	18 ज्येष्ठ	पुनर्वसु	ल. 3, 5 अभि. 11:36 से 12:24
ज्ये. शु. 11	बुध	7 जून	25 ज्येष्ठ	चित्रा	ल. 3, 5
आषा. कृ. 5	शुक्र	16 जून	2 आषाढ़	धनिष्ठा	ल. 5, अभिजित
आषा. कृ. 11	बुध	21 जून	7 आषाढ़	अश्विनी	ल. 5, अभिजित
			सन् 2007 ई०		
माघ कृ. 11	सोम	15 जन	2 माघ	अनुराधा	ल. 12, अभिजित
माघ शु. 6	बुध	24 जन	11 माघ	रेवती	अभिजित
माघ शु. 11	सोम	29 जन	16 माघ	मृगशिरा	अभिजित
माघ शु. 13	बुध	31 जन	18 माघ	पुनर्वसु	ल. 12, अभिजित
फाल्गु. कृ. 5	बुध	7 फर	25 माघ	हस्त	ल. 12, अभिजित
फाल्गु. कृ. 7	शुक्र	9 फर	27 माघ	स्वाति	ल. 1, अभिजित
फाल्गु. शु. 5	बुध	21 फर	10 फाल्गु	रेवती	ल. 1, 2
चैत्र कृ. 6	शुक्र	9 मार्च	26 फाल्गु	स्वाति	प्रातः 8:2 तक

शिलान्यास मुहूर्त (नीव)

पक्ष तिथि	वार	तारीख अंग्रेज़ी	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त समय लग्न
वै. कृ. 8	शुक्र	21 अप्रै.	8 वैशाख	उ.षा.	ल. 2, अभिजित्
वै. कृ. 11	सोम	24 अप्रै.	11 वैशाख	शतभिषा	प्रातः 9:20 तक
वै. शु. 3	रवि	30 अप्रै.	17 वैशाख	रोहिणी	ल. 2, 3, अभिजित् (अक्षय 3)
वै. शु. 6	बुध	3 मई	20 वैशा	पुनर्वसु	ल. 2, अभिजित्
वै. शु. 11	सोम	8 मई	25 वैशा	उ.फा.	अभिजित् 11:43 के बाद
वै. शु. 13	गुरु	11 मई	28 वैशा	चित्रा	ल. 2
ज्ये. कृ. 12	बुध	24 मई	11 ज्येष्ठ	अश्विनी	अभिजित्
ज्ये. शु. 2	सोम	29 मई	16 ज्येष्ठ	मृगशिरा	प्रातः 7:11 तक
ज्ये. शु. 11	बुध	7 जून	25 ज्येष्ठ	चित्रा	ल. 3, 5
ज्ये. शु. 12	गुरु	8 जून	26 ज्येष्ठ	स्वाति	ल. 3, 5, अभिजित्
आषा. कृ. 5	शुक्र	16 जून	2 आषाढ़	धनिष्ठा	दिन 11:23 तक
आषा. कृ. 6	शनि	17 जून	3 आषाढ़	शत्भिषा	ल. 5, 7, अभिजित्
आषा. शु. 10	गुरु	6 जुलाई	22 आषा	स्वाति	ल. 5, अभिजित्
श्राव. कृ. 1,2	बुध	12 जुला	28 आषा	उ.षा.	ल. 9:47 तक
श्राव. कृ. 11	शुक्र	21 जुला	6 श्रावण	रोहिणी	अभिजित्
श्राव. शु. 8	बुध	2 अगस्त	18 श्रावण	स्वाति	ल. 7, अभिजित्
श्राव. शु. 10	शुक्र	4 अगस्त	20श्रावण	अनुराधा	ल. 7, अभिजित्
श्राव. शु. 15	बुध	9 अगस्त	25श्रावण	श्रवण	ल. 7, अभिजित्
भाद्र शु. 3	शनि	26 अग.	11 भाद्र	उ.फा.	ल. 7, 8, अभिजित् (कुनेत्र दोषः) जम्मू प्रदेशे
भाद्र शु. 7	गुरु	31 अग.	16 भाद्र	अनुराधा	ल.7,अभि.(कुनेत्र दोषः)जम्मू प्रदेशे
			सन् 2007 ई०		
माघ कृ. 11	सोम	15 जन	2 माघ	अनुराधा	ल. 12, अभिजित्
माघ शु. 6	बुध	24 जन	11 माघ	उ.भा./रेवती	ल. 12, अभिजित्
माघ शु. 7	गुरु	25 जन	12 माघ	रेवती	8:43 तक
माघ शु. 13	बुध	31 जन	18 माघ	पुनर्वसु	12, 1, अभिजित्
फाल्गु कृ. 5	बुध	7 फर	25 माघ	हस्त	.12, अभिजित्
फाल्गु कृ. 7	शुक्र	9 फर	27 माघ	स्वाति	12, अभिजित्
चैत्र कृ. 5	शुक्र	9 मार्च	26 फाल्गु	स्वाति	8:2 तक
चैत्र कृ. 6	शनि	10 मार्च	27 फाल्गु	अनुराधा	अभिजित्

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त सं० २०६३

नूतन (नवीन) गृह प्रवेश में वास्तु शान्ति, नवग्रह-पूजन-शान्ति एवं पंचदेव पूजन आदि के पश्चात् ब्राह्मणों एवं आश्रितजनों को यथा शक्ति भोजन-दानादि एवं कन्या पूजन पूर्वक सवत्सा गाय, जलपूर्ण कलश तथा ब्राह्मणों को आगे करके शंख ध्वनि एवं मंगल गान सहित नव गृह में प्रवेश करना चाहिए।

पक्ष तिथि	वार	ता. अंग्रे.	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त्त विवरण
वै. कृ. 8	शुक्र	21 अप्रैल	8 वैशाख	उ.षा.	ल. 2, अभिजित्
वै. कृ. 11	सोम	24 अप्रै.	11 वैशाख	शतभिषा	ल. 2
वै. शु. 6	बुध	3 मई	20 वैशा	पुनर्वसु	ल. 2, अभिजित्
वै. शु. 11	सोम	8 मई	25 वैशा	उ.फा.	अभिजित् 11:36 से 12:24 तक
वै. शु. 13	गुरु	11 मई	28 वैशा	चित्रा	10:57 तक
ज्ये. कृ. 5	गुरु	18 मई	5 ज्येष्ठ	उ.षा.	अभिजित्
ज्ये. कृ. 6	शुक्र	19 मई	6 ज्येष्ठ	श्रवण	ल. 5, अभिजित्
ज्ये. कृ. 8	शनि	20 मई	7 ज्येष्ठ	धनिष्ठा	ल. 5, अभिजित्
ज्ये. कृ. 12	बुध	24 मई	11 ज्येष्ठ	अश्विनी	अभिजित्
ज्ये. शु. 11	बुध	7 जून	25 ज्येष्ठ	चित्रा	ल. 3, 5
ज्ये. शु. 12	गुरु	8 जून	26 ज्येष्ठ	स्वाति	ल. 3, 5, अभिजित्
आषा. कृ 5	शुक्र	16 जून	2 आषाढ़	धनिष्ठा	ल. 5
आषा.कृ. 11	बुध	21 जून	7 आषाढ़	अश्विनी	ल. 5, अभिजित्
			सन् 2007 ई०		
माघ कृ. 11	सोम	15 जन	2 माघ	अनुराधा	ल. 12, अभिजित्
माघ शु.1,2	शनि	20 जन	7 माघ	श्रवण	ल. 12, अभिजित्
माघ शु. 6	बुध	24 जन	11 माघ	उ.भा./रेव	ल. 12, अभिजित्
माघ शु. 7	गुरु	25 जन	12 माघ	रेवती	प्रातः 8:43 तक
माघ शु. 13	बुध	31 जन	18 माघ	पुनर्वसु	ल. 12, अभिजित्
फाल्गु.कृ. 5	बुध	7 फर	25 माघ	हस्त	ल. 12, अभिजित्
फाल्गु.कृ.7	शुक्र	9 फर	27 माघ	स्वाति	ल. 12, अभिजित्
चैत्र कृ.1,2	सोम	5 मार्च	22 फाल्गु	उ.फा.	ल. 12, 2 (चं. गु. दान)
चैत्र कृ. 5	शुक्र	9 मार्च	26 फाल्गु	स्वाति	प्रातः 8:2 तक
चैत्र कृ 6	शनि	10 मार्च	27 फाल्गु	अनुराधा	ल. 2, अभिजित्

जीर्ण (पुरातन) गृह प्रवेश मुहूर्त्त

प्राचीन (पुराने) गृह में प्रवेश के लिए ऊपर लिखे नवीन गृह मुहूर्तों के अतिरिक्त नीचे लिखे मुहूर्त्त भी ग्राह्य होंगे।

पक्ष तिथि	वार	ता. अंग्रे.	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त्त विवरण
वै. कृ. 4	सोम	17 अप्रैल	4 वैशाख	अनुराधा	ल. 2, अभिजित्
वै. कृ. 9	शनि	22 अप्रै	9 वैशाख	श्रवण	ल. 2, अभिजित्
वै. शु. 3	रवि	30 अप्रै.	17 वैशाख	रोहिणी	ल. 2, 3, अभिजित्
ज्ये. शु. 9	सोम	5 जून	23 ज्येष्ठ	उ.फा.	ल. 3, अभिजित्
आषा.कृ. 6	शनि	17 जून	3 आषाढ़	शत्भिषा	ल. 5, अभिजित्
आषा.शु. 12	शनि	8 जुलाई	24 आषा.	अनुराधा	ल. 5, अभिजित्
श्राव.कृ. 11	शुक्र	21 जुला	6 श्रावण	रोहिणी	अभिजित्
श्राव.शु. 5	रवि	30 जुला	15 श्रावण	उ.फा.	ल. 5, अभिजित्
श्राव. शु. 8	बुध	2 अग.	18 श्रावण	स्वाति	ल. 7, अभिजित्
श्राव.शु. 10	शुक्र	4 अग.	20 श्राव	अनुराधा	ल. 7, अभिजित्
श्राव.शु. 15	बुध	9 अग.	25 श्राव	श्रवण	ल. 7, अभिजित्
			सन् 2007 ई०		
माघ शु. 4	सोम	22 जन.	9 माघ	शत्भिषा	ल. 12, अभिजित्
माघ शु. 10	रवि	28 जन.	15 माघ	रोहिणी	ल. 12, अभिजित्
चैत्र कृ. 7	रवि	11 मार्च	28 माघ	अनुराधा	ल. 12, आभिजित्

विपणि मुहूर्त्त

विपणि (दुकान) अथवा व्यवसाय प्रारम्भ करने से पूर्व मुहूर्त वाले दिन अपने कार्यालय में किसी विद्वान् ब्राह्मण द्वारा श्री गणपति सहित पंचदेव पूजा, नवग्रह पूजन, कलशस्थापनादि के पश्चात् ब्राह्मण भोजन एवं यथाशक्ति दानादि करना चाहिए।

पक्ष तिथि	वार	ता. अंग्रे.	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त्त विवरण
वै. कृ. 8	शुक्र	21 अप्रै.	8 वैशा.	उ.षा.	ल. 2 अभिजित्
वै. शु. 3	रवि	30 अप्रै.	17 वैशा.	रोहिणी	ल. 2, 3, अभिजित्
वै. शु. 6	बुध	3 मई	20 वैशा.	पुन	ल. 2, अभिजित्
वै. शु. 11	चंद्र	8 मई	25 वैशा.	उ.फा.	अभिजित्
वै. शु. 13	गुरु	11 मई	28 वैशा.	चित्रा	10:57 से पहले
ज्ये. कृ. 5	गुरु	18 मई	5 ज्येष्ठ	उ.षा.	अभिजित्
ज्ये. कृ. 8	शनि	20 मई	7 ज्येष्ठ	धनिष्ठा	ल. 5, अभिजित्
ज्ये. शु. 1/2	रवि	28 मई	15 ज्येष्ठ	मृग	ल. 3, 5, अभिजित्
ज्ये. शु. 11	बुध	7 जून	25 ज्येष्ठ	चित्रा	ल. 3, 5 (प्रात: 11/12 तक)
ज्ये. शु. 12	गुरु	8 जून	26 ज्येष्ठ	स्वाति	ल. 3, 5, अभिजित्
आषा. कृ. 11	बुध	21 जून	7 आषाढ़	अश्विनी	ल. 5, अभिजित्
आषा. शु. 6	रवि	2 जुलाई	18 आषाढ़	उ.फा.	ल. 5, अभिजित्
आषा. शु. 7	चंद्र	3 जुलाई	19 आषाढ़	उ.फा.	प्रात: 8:55 तक
आषा. शु. 10	बुध	5 जुलाई	21 आषाढ़	स्वाति	11:55 उपरांत
आषा. शु. 10	गुरु	6 जुलाई	22 आषाढ़	स्वाति	ल. 5, अभिजित्
आषा. शु. 12	शनि	8 जुलाई	24 आषा.	अनुराधा	ल. 5, अभिजित्
श्राव.कृ. 1, 2	बुध	12 जुलाई	28 आषा.	उ.षा.	ल. 5, अभिजित्
श्राव. कृ. 11	शुक्र	21 जुलाई	6 श्रावण	रोहिणी	अभिजित्
श्राव. शु. 5	रवि	30 जुला.	15 श्रावण	उ.फा.	ल. 5, अभिजित्
श्राव. शु. 8	बुध	2 अगस्त	18 श्रावण	स्वाति	ल. 7 (चं. दान)
श्राव. शु. 10	शुक्र	4 अगस्त	20 श्रावण	अनुराधा	ल. 7 (चं. दान), अभिजित्
श्राव. शु. 15	बुध	9 अगस्त	25 श्रावण	श्रवण	ल. 7 (श. दान)
पौष कृ. 8	बुध	13 दिसं.	28 मार्ग.	उ.फा.	ल. 9, अभिजित्
पौ.कृ. 9, 10	गुरु	14 दिसं.	29 मार्ग.	हस्त	ल. 9 (प्रात: 8/12)
			सन् 2007 ई०		
मा. कृ. 11	चंद्र	15 जन.	2 माघ	अनुराधा	ल. 12, अभिजित् (चं. दान)
मा. शु. 1, 2	शनि	20 जन.	7 माघ	श्रवण	ल. 12 (मं. दान), अभिजित्
मा. शु. 6	बुध	24 जन.	11 माघ	उ.भा./रेव	ल. 1, अभिजित्
मा. शु. 7	गुरु	25 जन.	12 माघ	रेवती	8:42 तक
मा. शु. 10	रवि	28 जन.	15 माघ	रोहिणी	ल. 12, 1, अभिजित्
मा. शु. 13	बुध	31 जन.	18 माघ	पुर्न	प्रात: 10:32 तक
फा. कृ. 5	बुध	7 फरवरी	25 माघ	हस्त	ल. 12 (चं. दान), अभिजित्
फा. कृ. 7	शुक्र	9 फरवरी	27 माघ	स्वाति	ल. 12, 1 (चं दान), अभिजित्
फा. शु. 1	रवि	18 फर	7 फागु.	शत	ल. 12, 1, अभिजित्
चै. कृ. 1/2	चंद्र	5 मार्च	22 फागु.	उ.फा.	ल. 12, 2 (चं. गु. दान)
चै. कृ. 5	शुक्र	9 मार्च	26 फागु.	स्वाति	प्रात: 8:02 तक
चै. कृ. 6	शनि	10 मार्च	27 फागु.	अनु	प्रात: 10:44, ल. 2
चै. कृ 7	रवि	11 मार्च	28 फागु.	अनु	ल. 12, 2, अभि. (चं. गु. दान)

वधू प्रवेश एवं मुकलावा मुहूर्त्त सं. २०६२

विवाह दिन के बाद प्रथम बार पति के गृह में प्रवेश करने को वधू प्रवेश कहते हैं विवाह दिन से १६ दिनों के भीतर वधू प्रवेश हो तो २, ४, ६, ८, १०, १२, १४, १६वें सम दिनों में तथा किसी कारणवश १६ दिनों के पश्चात् प्रवेश हो तो विषम दिनों में शुभ होता है।

द्विरागमन (मुहूर्त्त मुकलावा)

वधू प्रवेश के पश्चात्-वधू द्वारा पिता के गृह में लौट कर पुन: (दूसरी बार) पति के गृह में जाने को द्विरागमन (मुकलावा) कहते हैं। द्विरागमन में नवजात बालक, गर्भिणी स्त्री एवं नव-विवाहिता के लिए सम्मुख एवं दक्षिण शुक्र वर्जित माना जाता है। परिहार स्वरूप, द्विरागमन १६ दिनों के भीतर हो तो, शुक्र दोष उपेक्षणीय है। विशेष- दीपावली को दीपमाला के प्रकाश में द्विरागमन (मुकलावा) करना विशेष प्रशस्त माना गया है। वर्तमान में शुक्र जिस दिशा में उदित होता हो; उसी दिशा में शुक्रवास माना जाता है।

पक्ष तिथि	वार	ता. अंग्रे.	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त्त विवरण
वै. कृ. 6	बुध	19 अप्रैल	6 वैशाख	मूल	अभिजित्
वै. कृ. 8	शुक्र	21 अप्रैल	8 वैशाख	उ.षा.	ल. 2, अभिजित्
वै. कृ. 11	चंद्र	24 अप्रैल	11 वैशाख	शतभिषा	9:20 से पहले
वै. शु. 3	रवि	30 अप्रैल	17 वैशाख	रोहिणी	ल. 2, अभिजित्

पक्ष तिथि	वार	ता. अंग्रे.	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त्त विवरण
वै. शु. 6	बुध	3 मई	20 वैशाख	पुर्नवसु	ल. 2, अभिजित्
वै. शु. 11	चंद्र	8 मई	25 वैशाख	उ.फा.	अभिजित्
वै. शु. 13	वृह	11 मई	28 वैशाख	चित्रा	ल. 2, अभिजित्
ज्ये. कृ. 5	वृह	18 मई	5 ज्येष्ठ	उ.षा.	अभिजित्
ज्ये. कृ. 6	शुक्र	19 मई	6 ज्येष्ठ	श्रवण	ल. 5, अभिजित्
ज्ये. कृ. 12	बुध	24 मई	11 ज्येष्ठ	अश्विनी	अभिजित्
ज्ये. शु. 11	बुध	7 जून	25 ज्येष्ठ	चित्रा	ल. 3
ज्ये. शु. 12	वृह	8 जून	26 ज्येष्ठ	स्वाति	ल. 3, अभिजित्
			सन् 2007 ई०		
फागुन शु. 1	रवि	18 फर.	7 फागुन	शतभिषा	ल. 12, अभिजित्
फागु. शु. 5	बुध	21 फर.	10 फागु.	रेवती	अभिजित्
चैत्र कृ. 1,2	चंद्र	5 मार्च	22 फागु.	उ.फा.	ल. 12, 2
चैत्र कृ. 7	रवि	11 मार्च	28 फागु.	अनुराधा	12, 2, अभिजित्

सर्वदेव प्रतिष्ठा (मूर्त्ति स्थापना) मुहूर्त्त सं. २०६३

निम्न सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त देवी-देवताओं की मूर्त्ति स्थापना, जलाशय, तालाब, बावड़ी, कुआं आदि के निर्माण हेतु भी ग्रहणीय होंगे। प्रायः सात्विक देवी-देवताओं की मूर्त्ति स्थापना में उत्तरायण मास विशेष प्रशस्त माने जाते हैं। उत्तरायण में मुहूर्त्तों के अतिरिक्त भगवान् विष्णु की मूर्त्ति स्थापना में वामन जयन्ती, मत्स्य जयं, अक्षया तृतीया, भारत में श्रीकृष्ण मन्दिर की प्रतिष्ठा हेतु कृष्ण जन्माष्टमी, मार्गशीर्ष मास भी विशेष प्रशस्त है।

इसी भान्ति श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना में उभा., रेवती नक्षत्र, मंगलवार, गणेश चतुर्थी विशेषकर भाद्रपद कृष्ण एवं शुक्ल चतुर्थी तिथि विशेषतः शुभ मानी जाती है।

श्री राम की मूर्त्ति स्थापना में उत्तरायण मासों के अतिरिक्त, श्री परशुराम जयंती, अक्षया तृतीया, रामनवमी, विजयादशमी, दीपावली आदि विशेष शुभ है। श्री विष्णु प्रतिमा में माघ मास वर्जित माना जाता है।

श्री शिव मूर्त्ति, शिवलिंग की प्रतिष्ठा में श्रावण एवं फाल्गुण मास की चतुर्दशी (शिवरात्री) विशेषतया प्रशस्त है।

श्री दुर्गा माता, सरस्वती, गौरी एवं काली माता की भी प्रतिष्ठा में दक्षिणायण (गुर्वास्तादि रहित) मास में नवरात्रे, अष्टमी/नवमी तिथि, मूला नक्षत्र एवं बसन्त पंचमी विशेष शुभ माने जाते हैं।

श्री हनुमान जी की मूर्त्ति स्थापना में चैत्र शु. पूर्णिमा, कार्तिक कृष्ण चौदश, मंगल, रविवार एवं आर्द्रा नक्षत्र विशेष शुभ माने जाते हैं।

पक्ष तिथि	वार	ता. अंग्रे.	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त्त विवरण
वै. कृ. 4	चंद्र	17 अप्रैल	4 वैशाख	अनुराधा	अभिजित् (श्रीगणेश)
वै. कृ. 6	बुध	19 अप्रैल	6 वैशाख	मूल	अभिजित् (माता वैष्णवी प्रतिष्ठा)
वै. कृ. 8	शुक्र	21 अप्रैल	8 वैशाख	उ.षा.	ल. 2, अभिजित् (शिवशक्ति)
वै. कृ. 9	शनि	22 अप्रैल	9 वैशाख	श्रवण	ल. 2, अभि. (राम, कृष्ण)
वै. कृ. 10,11	रवि	23 अप्रैल	10 वैशा	धनिष्ठा	ल. 2, अभिजित् (श्री विष्णु)
वै. शु. 3	रवि	30 अप्रै.	17 वैशा	रोहिणी	ल. 2, 5, अभि. (श्री लक्ष्मी नारायण) श्री विष्णु अवतार
वै. शु. 5	मंगल	2 मई	19 वैशा	आर्द्रा	अभि. (श्री हनुमान, शिव शक्ति)
वै. शु. 6	बुध	3 मई	20 वैशा	पुर्नवसु	ल. 2, अभिजित् (सर्वदेवता)
वै. शु. 11	चंद्र	8 मई	25 वैशा	उ.फा.	11:43 से 12:24 तक (श्रीविष्णु)
वै. शु. 13	वृह	11 मई	28 वैशा	चित्रा	ल. 2, अभि. (श्री विष्णु, शिवशक्ति)
ज्ये. कृ. 5	वृह	18 मई	5 ज्येष्ठ	उ.षा.	अभि. (श्री विष्णु एवं सभी अवतार)
ज्ये. कृ. 6	शुक्र	19 मई	6 ज्येष्ठ	श्रवण	ल. 5, अभिजित् (नवग्रह, कार्तिकेय)
ज्ये. कृ. 8	रवि	20 मई	7 ज्येष्ठ	धनिष्ठा	ल. 7, अभिजित् (शिवशक्ति)
ज्ये. कृ. 12	बुध	24 मई	11 ज्येष्ठ	अश्विनी	अभिजित् (श्री लक्ष्मीनारायण)
ज्ये. शु. 1,2	रवि	28 मई	15 ज्येष्ठ	मृगशिरा	ल. 3, 5 (नवग्रह, शनिदेव, इत्यादि)
ज्ये. शु. 2	चंद्र	29 मई	16 ज्येष्ठ	मृगशिरा	ल. 3, अभिजित् (सर्वदेव)
ज्ये. शु. 3,4	मंग	30 मई	17 ज्येष्ठ	आर्द्रा	ल. 3, अभिजित् (शिवशक्ति, हनुमान)
ज्ये. शु. 9	चंद्र	5 जून	23 ज्येष्ठ	उ.फा.	ल. 3, 5 (श्रीराम, दुर्गा)
ज्ये. शु. 11	बुध	7 जून	25 ज्येष्ठ	चित्रा	ल. 3, 5 (श्री विष्णु)
ज्ये. शु. 12	वृह	8 जून	26 ज्येष्ठ	स्वाति	ल. 3, 5 (श्री विष्णु, शिवशक्ति)
आषा. कृ. 1	चंद्र	12 जून	30 ज्येष्ठ	मूल	ल. 3, 5 (श्री दुर्गा)
आषा. कृ. 5	शुक्र	16 जून	2 आषाढ़	धनिष्ठा	ल. 5 (श्री विष्णु, राम, कृष्ण)
आषा. कृ. 11	बुध	21 जून	7 आषाढ़	अश्विनी	ल. 5, अभि. (नवग्रह, शनिदेव, भैरव)

पक्ष तिथि	वार	ता. अंग्रे.	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त्त विवरण
आषा. शु. 12	शनि	8 जुलाई	24 आषा	अनुराधा	ल. 5, अभि. (शनिदेव, भैरव)
श्राव.कृ.12,13	शनि	22 जुला	7 श्रावण	मृगशिरा	ल. 5 (भैरव, शनिदेव)
			सन् 2007 ई०		
माघ कृ. 11	चंद्र	15 जन.	2 माघ	अनुराधा	ल. 12, अभिजित् (श्री विष्णु)
माघ शु. 1,2	शनि	20 जन.	7 माघ	श्रवण	ल. 12, अभिजित् (शिवशक्ति)
माघ शु. 6	बुध	24 जन.	11 माघ	उ.भा./रेव	ल. 12, अभि. (गणेश, शिवशक्ति)
माघ शु. 10	रवि	28 जन.	15 माघ	रोहिणी	ल. 12, अभि. (सूर्य, नवग्रह)
माघ शु. 11	चंद्र	29 जन.	16 माघ	मृगशिरा	अभिजित् (श्री विष्णु)
माघ शु. 13	बुध	31 जन.	18 माघ	पुनर्वसु	ल. 12 (शिवशक्ति)
माघ शु. 14	वृह	1 फरवरी	19 माघ	पुष्य	प्रातः 10/40 तक (शिवलिंग)
फागु. कृ. 4	मंग	6 फरवरी	24 माघ	उ.फा.	ल. 12, अभिजित् (श्री गणेश)
फागु. कृ. 5	बुध	7 फरवरी	25 माघ	हस्त	ल. 12, अभि. (श्री विष्णु, राम, कृष्ण)
फागु. कृ. 11	मंग	13 फर	2 फागुन	मूल	ल. 12, 1, अभि. (श्री दुर्गा, शिवशक्ति)
फागु. शु. 1	रवि	18 फर	7 फागुन	शतभिषा	ल. 12, 1 (सूर्य प्रतिमा)
फागु. शु. 5	बुध	21 फर	10 फागुन	रेवती	प्रातः 9/20 के बाद (श्री विष्णु)
चैत्र कृ. 5	शुक्र	9 मार्च	26 फागु.	स्वाति	प्रातः8/02 तक (विष्णु, राम, कृष्ण)
चैत्र कृ. 6	शनि	10 मार्च	27 फागु.	अनुराधा	प्रातः10/45 के बाद, ल. 2 (तामसिक देवता)

यज्ञोपवीत मुहूर्त्त

पक्ष तिथि	वार	ता. अंग्रे.	प्रविष्टा	नक्षत्र	मुहूर्त्त विवरण
चै. शु. 1	वृह	30 मार्च	17 चैत्र	रेवती	ल. 1, अभिजित्
चै. शु. 2	शुक्र	31 मार्च	18 चैत्र	अश्विनी	ल. 1, अभिजित्
चै. शु. 6	चंद्र	3 अप्रैल	21 चैत्र	रोहिणी	ल. 1, 2, अभिजित्
चै. शु. 12	चंद्र	10 अप्रैल	28 चैत्र	पू.फा.	ल. 1, 2, अभिजित्
वै. शु. 3	रवि	30 अप्रै	17 वैशाख	रोहिणी	ल. 2, अभिजित्
वै. शु. 6	बुध	3 मई	20 वैशा	पुनर्वसु	ल. 2, अभिजित्
वै. शु. 11	चंद्र	8 मई	25 वैशा	पू.फा.	ल. 2, अभिजित्
वै. शु. 13	वृह	11 मई	28 वैशा	चित्रा	प्रातः 10/57 तक
ज्ये. कृ. 5	वृह	18 मई	5 ज्येष्ठ	उ.षा.	अभिजित्
ज्ये. शु. 2	रवि	28 मई	15 ज्येष्ठ	मृगशिरा	ल. 5, अभिजित्
ज्ये. शु. 2,3	चंद्र	29 मई	16 ज्येष्ठ	आर्द्रा	ल. 5, अभिजित्
ज्ये. शु. 8	रवि	4 जून	22 ज्येष्ठ	पू.फा.	ल. 3, अभिजित्
ज्ये. शु. 12	वृह	8 जून	26 ज्ये.	स्वाति	ल. 3, 5, अभिजित्
आषा.कृ. 5	शुक्र	16 जून	2 आषाढ़	धनिष्ठा	ल. 5, अभिजित्
			सन् 2007 ई०		
माघ शु. 6	बुध	24 जन	11 माघ	उ.भा.	दि. 10/12 तक
माघ शु. 10	रवि	28 जन	15 माघ	रोहिणी	ल. 12/1, अभिजित्
फागु. कृ. 5	बुध	7 फर	25 माघ	हस्त	ल. 12, अभिजित्
चैत्र कृ. 1,2	चंद्र	5 मार्च	22 फागु	उ.फा.	ल. 12, 2

रामायण अदि कथा प्रारम्भ करने का मुहूर्त्त

रामायण, भागवतादि पुराण, महाभारत इत्यादि धार्मिक ग्रन्थों की कथा प्रारम्भ करने में संयोज्य काल–

तिथि – (शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५)

वार – सू., चं., बु., गु. श.।

नक्षत्र – अश्वि, रोहि., मृग., पुन., पुष्य, पूर्वा ३, उत्तरा ३, हस्त, चित्रा, स्वा., अनु., श्रव., धनि शत., रेव।

चुनाव में खड़े होने का मुहूर्त्त

शुभ तिथियाँ – (१ कृ), २, ३, ५, ९, १०, १२ एवं १५ शुक्ल।

शुभ वार – सोम, बुध, गुरु एवं शुक्रवार।

शुभ नक्षत्र – अश्विनी, रोहिणी, पुर्न, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, अनुराधा, श्रवण, धनिष्टा, रेवती।

शुभ लग्न – १, ४, ७, १० ।

विशेष– केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह हों, ३, ६, ११वें पाप ग्रह हो। लग्न एवं लग्नेश पर शुभ ग्रह की दृष्टि हो। बुध, शुक्र, गुरु उदित हों। चन्द्र बली हो तथा प्रत्याशी की राशि मुहूर्त्त वाले दिन- छटे, आठवें एवं १२वें न हो।

संसद् में शपथ ग्रहण के समय स्थिर लग्न प्रशस्त होता है।

चन्द्रमा स्पष्ट से सारिणी द्वारा विंशोत्तरी दशा साधन

गणित के प्रयास से बचने के लिए सारिणी का उपयोग किया जाता है। यहाँ सरलता से दशा साधन क्रम दिखाया जायेगा। दशा साधन में सर्वप्रथम चन्द्रमा स्पष्ट की आवश्यकता रहती है सारिणी (१) में ऊपर राशि तथा बायें तरफ अंश दिये हैं अभीष्ट स्पष्ट चन्द्र की राशि अंश के सम्मुख कोष्ठक में लब्धफल दशा का भुक्त वर्षादि होगा। जो दशा दो अंशों के भीतर समाप्त होती है उस दशा के दो मान एक कोष्ठक में ही दिये हैं। मेष राशि के १३ अंश २० कला पर केतु की दशा समाप्त होती है अतः १३ अंश सम्बन्धित फल ६/९/२७ तथा उस दशा के समाप्ति के वर्ष ७ एक ही कोष्ठक में दिये हैं। इसका ध्यान दशा साधन में रखना चाहिए।

दूसरे संस्करण में कला विकला सम्बन्धित दशा फल के लिए एक विस्तृत सारिणी (२) दी है। इसमें प्रति कला विकला सम्बन्धित फल अनायास प्राप्त हो जाता है। इन सब फलों का योग दशा का भुक्तमान बन जाता है इसे दशा वर्ष में घटाने से दशा का भोग्यमान प्राप्त होगा।

उदाहरण – स्पष्टचन्द्र ५/१६/०५/१० पर से दशा साधन ऊपर लिखे नियमानुसार सारिणी द्वारा किया जाता है जातक का जन्म चन्द्र महादशा में हुआ है।

व. मा. दि. घ. प.

४ । ६ । ०० कन्या राशि १६ अंश से प्राप्त फल

० । २२ । ३० कला ०५ के अनुसार प्राप्त फल

०० । ४५ विकला १० के अनुसार प्राप्त फल

४ । ६ । २२ । ३० । ४५

चन्द्रभुक्तदशा वर्षादि

इसे चन्द्र के दशा वर्ष (१०) में घटाने से दशा वर्षादि प्राप्त होंगे।

१० । ०० । ०० । ०० । ००

४ । ०६ । २२ । ३० । ४५ चन्द्र भुक्तदशा वर्षादि

५ । ०५ । ०७ । २९ । १५ चन्द्र भोग्य दशा वर्षादि

इस प्रकार अन्य उदाहरणों का साधन करना चाहिये।

दशा सारिणी

विंशोत्तरी दशा सारिणी (१)

अं.		मे. सिं. ध. व.	मा.	दि.		वृ. क. म. व.	मा.	दि.		मि. तु. कुं. व.	मा.	दि.		क. वृ. मी. व.	मा.	दि.
०		०	०	०		१	६	०		३	६	०		१२	०	०
१	के.	०	६	९	सू.	१	११	१२	मं.	४	०	९	बृ.	१३	२	१२
२		१	०	१८		२	४	२४		४	६	१८		१४	४	२४
३		१	६	२७		२	१०	६		५	०	२७		१५	७	६
३/२०														१६	०	०
४		२	१	६		३	३	१८		५	७	६	श.	०	११	१२
५		२	७	१५		३	९	०		६	१	१५		२	४	१५
६		३	१	२४		४	२	१२		६	७	२४		३	९	१८
६/४०										७	०	०				
७		३	८	९		४	७	२४	रा.	०	५	१२		५	२	२१
८		४	२	१२		५	१	६		१	९	१८		६	७	२४
९		४	८	२१		५	६	१८		३	१	२४		८	०	२७
१०		५	३	०		६	०	०		४	६	०		९	६	०
११		५	९	९	चं.	०	९	०		५	१०	६		१०	११	३
१२		६	३	१८		१	६	०		७	२	१२		१२	४	६
१३		६	९	२७		२	६	०		८	६	१८		१३	९	९
१२/२०		७	०	०												
१४	शु.	१	०	०		३	०	०		९	१०	२४		१५	२	१२
१५		२	६	०		३	९	०		११	३	०		१६	२	१२
१६		४	०	०		४	६	०		१२	७	६		१८	०	१८
१६/४०														१९	०	०
१७		५	६	०		५	३	०		१३	११	१२	बु.	०	५	३
१८		७	०	०		६	०	०		१५	३	१८		१	८	१२
१९		८	६	०		६	९	०		१६	७	२४		२	११	२१
२०		१०	०	०		७	६	०		१८	०	०		४	३	०
२१		११	६	०		८	३	०	बृ.	१	२	१२		५	६	९
२२		१३	०	०		९	०	०		२	४	२४		६	९	१८
२३		१४	६	०		९	९	०		३	७	६		८	०	२७
२३/२०						१०	०	०								
२४		१६	०	०	मं.	०	४	६		४	९	१८		९	४	६
२५		१७	६	०		०	१०	२५		६	०	०		१०	७	१५
२६		१९	०	०		१	४	२४		७	२	१२		११	१०	२४
२६/४०		२०	०	०												
२७	सू.	०	१	२४		१	११	३		७	४	२४		१३	२	३
२८		०	७	६		२	५	१२		९	४	२४		१४	५	१२
२९		१	०	२१		२	११	२१		१०	९	१८		१५	८	२१
३०	सू.	१	६	०		३	६	०	बृ.	१२	०	०	बु.	१७	०	०

विंशोत्तरी दशा कला–विकला सारिणी

	सूर्य						चन्द्र						मंगल–केतु					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.
१	०	२	४२	०	२	४२	०	४	३०	०	४	३०	०	३	९	०	३	९
२	०	५	२४	०	५	२४	०	९	०	०	९	०	०	६	१८	०	६	१८
३	०	८	६	०	८	६	०	१३	३०	०	१३	३०	०	९	२७	०	९	२७
४	०	१०	४८	०	१०	४८	०	१८	०	०	१८	०	०	१२	३६	०	१२	३६
५	०	१३	३०	०	१३	३०	०	२२	३०	०	२२	३०	०	१५	४५	०	१५	४५
६	०	१६	१२	०	१६	१२	०	२७	०	०	२७	०	०	१८	५४	०	१८	५४
७	०	१८	५४	०	१८	५४	१	१	३०	०	३१	३०	०	२२	३	०	२२	३
८	०	२१	३६	०	२१	३६	१	६	०	०	३६	०	०	२५	१२	०	२५	१२
९	०	२४	१८	०	२४	१८	१	१०	३०	०	४०	३०	०	२८	२१	०	२८	२१
१०	०	२७	०	०	२७	०	१	१५	०	०	४५	०	१	१	३०	०	३१	३०
११	०	२९	४२	०	२९	४२	१	१९	३०	०	४९	३०	१	४	३९	०	३४	३९
१२	१	२	२४	०	३२	२४	१	२४	०	०	५४	०	१	७	४८	०	३७	४८
१३	१	५	६	०	३५	६	१	२८	३०	०	५८	३०	१	१०	५७	०	४०	५७
१४	१	७	४८	०	३७	४८	२	३	०	१	३	०	१	१४	६	०	४४	६
१५	१	१०	३०	०	४०	३०	२	७	३०	१	७	३०	१	१७	१५	०	४७	१५
१६	१	२३	३२	०	४३	३२	२	१२	०	१	१२	०	१	२०	२४	०	५०	२४
१७	१	१५	५४	०	४५	५४	२	१६	३०	१	१६	३०	१	२३	३३	०	५३	३३
१८	१	१८	३६	०	४८	३६	२	२१	०	१	२१	०	१	२६	४२	०	५६	४२
१९	१	२१	१८	०	५१	१८	२	२५	३०	१	२५	३०	१	२९	५१	०	५९	५१
२०	१	२४	०	०	५४	०	३	०	०	१	३०	०	२	३	०	१	३	०
२१	१	२६	४२	०	५६	४२	३	४	३०	१	३४	३०	२	६	९	१	६	९
२२	१	२९	२४	०	५९	२४	३	९	०	१	३९	०	२	९	१८	१	९	१८
२३	२	२	६	१	२	६	३	१३	३०	१	४३	३०	२	१२	२७	१	१२	२७
२४	२	४	४८	१	४	४८	३	१८	०	१	४८	०	२	१५	३६	१	१५	३६
२५	२	७	३०	१	७	३०	३	२२	३०	१	५२	३०	२	१८	४५	१	१८	४५
२६	२	१०	१२	१	१०	१२	३	२७	०	१	५७	०	२	२१	५४	१	२१	५४
२७	२	१२	५४	१	१२	५४	४	१	३०	२	१	३०	२	२५	३	१	२५	३
२८	२	१५	३६	१	१५	३६	४	६	०	२	६	०	२	२८	१२	१	२८	१२
२९	२	१८	१८	१	१८	१८	४	१०	३०	२	१०	३०	३	१	२१	१	३१	२१
३०	२	२१	०	१	२१	०	४	१५	०	२	१५	०	३	४	३०	१	३४	३०

विंशोत्तरी दशा कला–विकला सारिणी

	सूर्य						चन्द्र						मंगल–केतु					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.
३१	२	२३	४२	१	२३	४२	४	१९	३०	२	१९	३०	३	७	३९	१	३७	३९
३२	२	२६	२४	१	२६	२४	४	२४	०	२	२४	०	३	१०	४८	१	४०	४८
३३	२	२९	६	१	२९	६	४	२८	३०	२	२८	३०	३	१३	५७	१	४३	५७
३४	३	१	४८	१	३१	४८	५	३	०	२	३३	०	३	१७	६	१	४७	६
३५	३	४	३०	१	३४	३०	५	७	३०	२	३७	३०	३	२०	१५	१	५०	१५
३६	३	७	१२	१	३७	१२	५	१२	०	२	४२	०	३	२३	२४	१	५३	२४
३७	३	९	५४	१	३९	५४	५	१६	३०	२	४६	३०	३	२६	३३	१	५६	३३
३८	३	१२	३६	१	४२	३६	५	२१	०	२	५१	०	३	२९	४२	१	५९	४२
३९	३	१५	१८	१	४५	१८	५	२५	३०	२	५५	३०	४	२	५१	२	२	५१
४०	३	१८	०	१	४८	०	६	०	०	३	०	०	४	६	०	२	६	०
४१	३	२०	४२	१	५०	४२	६	४	३०	३	४	३०	४	९	९	२	९	९
४२	३	२३	२४	१	५३	२४	६	९	०	३	९	०	४	१२	१८	२	१२	१८
४३	३	२६	६	१	५६	९	६	१३	३०	३	१३	३०	४	१५	२७	२	१५	२७
४४	३	२८	४८	१	५८	४८	६	१८	०	३	१८	०	४	१८	३६	२	१८	३६
४५	४	१	३०	२	१	३०	६	२२	३०	३	२२	३०	४	२१	४५	२	२१	४५
४६	४	४	१२	२	४	१२	६	२७	०	३	२७	०	४	२४	५४	२	२४	५४
४७	४	६	५४	२	६	५४	७	१	३०	३	३१	३०	४	२८	३	२	२८	३
४८	४	९	३६	२	९	३६	७	६	०	३	३६	०	५	१	१२	२	३१	१२
४९	४	१२	१८	२	१२	१८	७	१०	३०	३	४०	३०	५	४	२१	२	३४	२१
५०	४	१५	०	२	१५	०	७	१५	०	३	४५	०	५	७	३०	२	३७	३०
५१	४	१७	४२	२	१७	४२	७	१९	३०	३	४९	३०	५	१०	३९	२	४०	३९
५२	४	२०	२४	२	२०	२४	७	२४	०	३	५४	०	५	१३	४८	२	४३	४८
५३	४	२३	६	२	२३	६	७	२८	३०	३	५८	३०	५	१६	५७	२	४६	५७
५४	४	२५	४८	२	२५	४८	८	३	०	४	३	०	५	२०	६	२	५०	६
५५	४	२८	३०	२	२८	३०	८	७	३०	४	७	३०	५	२३	१५	२	५३	१५
५६	५	१	१२	२	३१	१२	८	१२	०	४	१२	०	५	२६	२४	२	५६	२४
५७	५	३	५४	२	३३	५४	८	१६	३०	४	१६	३०	५	२९	३३	२	५९	३३
५८	५	६	३६	२	३६	३६	८	२१	०	४	२१	०	६	२	४२	३	२	४२
५९	५	९	१८	२	३९	१८	८	२५	३०	४	२५	३०	६	५	५१	३	५	५१

विंशोत्तरी दशा कला-विकला सारिणी

	राहु						गुरु						शनि					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.
१	०	८	६	०	८	६	०	७	१२	०	७	१२	०	८	३३	०	८	३३
२	०	१६	१२	०	१६	१२	०	१४	२४	०	१४	२४	०	१७	६	०	१७	६
३	०	२४	१८	०	२४	१८	०	२१	३६	०	२१	३६	०	२५	३९	०	२५	३९
४	१	२	२४	०	३२	२४	०	२८	४८	०	२८	४८	१	४	१२	०	३४	१२
५	१	१०	३०	०	४०	३०	१	६	०	०	३६	०	१	१२	४५	०	४२	४५
६	१	१८	३६	०	४८	३६	१	१३	१२	०	४३	१२	१	२१	१८	०	५१	१८
७	१	२६	४२	०	५६	४२	१	२०	२४	०	५०	२४	१	२९	५१	०	५९	५१
८	२	४	४८	१	४	४८	१	२७	३६	०	५७	३६	२	८	२४	१	८	२४
९	२	१२	५४	१	१२	५४	२	४	४८	१	४	४८	२	१६	५७	१	१६	५७
१०	२	२१	०	१	२१	०	२	१२	०	१	१२	०	२	२५	३०	१	२५	३०
११	२	२९	६	१	२९	६	२	१९	१२	१	१९	१२	३	४	३	१	३४	३
१२	३	७	१२	१	३७	१२	२	२६	२४	१	२६	२४	३	१२	३६	१	४२	३६
१३	३	१५	१८	१	४५	१८	३	३	३६	१	३३	३६	३	२१	९	१	५१	९
१४	३	२३	२४	१	५३	२४	३	१०	४८	१	४०	४८	३	२९	४२	१	५९	४२
१५	४	१	३०	२	१	३०	३	१८	०	१	४८	०	४	८	१५	२	८	१५
१६	४	९	३६	२	९	३६	३	२५	१२	१	५५	१२	४	१६	४८	२	१६	४८
१७	४	१७	४२	२	१७	४२	४	२	२४	२	२	२४	४	२५	२१	२	२५	२१
१८	४	२५	४८	२	२५	४८	४	९	३६	२	९	३६	५	३	५४	२	३३	५४
१९	५	३	५४	२	३३	५४	४	१६	४८	२	१६	४८	५	१२	२७	२	४२	२७
२०	५	१२	०	२	४२	०	४	२४	०	२	२४	०	५	२१	०	२	५१	०
२१	५	२०	६	२	५०	६	५	१	१२	२	३१	१२	५	२९	३३	२	५९	३३
२२	५	२८	१२	२	५८	१२	५	८	२४	२	३८	२४	६	८	६	३	८	६
२३	६	६	१८	३	६	१८	५	१५	३६	२	४५	३६	६	१६	३९	३	१६	३९
२४	६	१४	२४	३	१४	२४	५	२२	४८	२	५२	४८	६	२५	१२	३	२५	१२
२५	६	२२	३०	३	२२	३०	६	०	०	३	०	०	७	३	४५	३	३३	४५
२६	७	०	३६	३	३०	३६	६	७	१२	३	७	१२	७	१२	१८	३	४२	१८
२७	७	८	४२	३	३८	४२	६	१४	२४	३	१४	२४	७	२०	५१	३	५०	५१
२८	७	१६	४८	३	४६	४८	६	२१	३६	३	२१	३६	७	२९	२४	३	५९	२४
२९	७	२४	५४	३	५४	५४	६	२८	४८	३	२८	४८	८	७	५७	४	७	५७
३०	८	३	०	४	३	०	७	६	०	३	३६	०	८	१६	३०	४	१६	३०

विंशोत्तरी दशा कला-विकला सारिणी

	राहु						गुरु						शनि					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.
३१	८	११	६	४	११	६	७	१३	१२	३	४३	१२	८	२५	३	४	२५	३
३२	८	१९	१२	४	१९	१२	७	२०	२४	३	५०	२४	९	३	३६	४	३३	३६
३३	८	२७	१८	४	२७	१८	७	२७	३६	३	५७	३६	९	१२	९	४	४२	९
३४	९	५	२४	४	३५	२४	८	४	४८	४	४	४८	९	२०	४२	४	५०	४२
३५	९	१३	३०	४	४३	३०	८	१२	०	४	१२	०	९	२९	१५	४	५९	१५
३६	९	२१	३६	४	५१	३६	८	१९	१२	४	१९	१२	१०	७	४८	५	७	४८
३७	९	२९	४२	४	५९	४२	८	२६	२४	४	२६	२४	१०	१६	२१	५	१६	२१
३८	१०	७	४८	५	७	४८	९	३	३६	४	३३	३६	१०	२४	५४	५	२४	५४
३९	१०	१५	५४	५	१५	५४	९	१०	४८	४	४०	४८	११	३	२७	५	३३	२७
४०	१०	२४	०	५	२४	०	९	१८	०	४	४८	०	११	१२	०	५	४२	०
४१	११	२	६	५	३२	६	९	२५	१२	४	५५	१२	११	२०	३३	५	५०	३३
४२	११	१०	१२	५	४०	१२	१०	२	२४	५	२	२४	११	२९	६	५	५९	६
४३	११	१८	१८	५	४८	१८	१०	९	३६	५	९	३६	१२	७	३९	६	७	३९
४४	११	२६	२४	५	५६	२४	१०	१६	४८	५	१६	४८	१२	१६	१२	६	१६	१२
४५	१२	४	३०	६	४	३०	१०	२४	०	५	२४	०	१२	२४	४५	६	२४	४५
४६	१२	१२	३६	६	१२	३६	११	१	१२	५	३१	१२	१३	३	१८	६	३३	१८
४७	१२	२०	४२	६	२०	४२	११	८	२४	५	३८	२४	१३	११	५१	६	४१	५१
४८	१२	२८	४८	६	२८	४८	११	१५	३६	५	४५	३६	१३	२०	२४	६	५०	२४
४९	१३	६	५४	६	३६	५४	११	२२	४८	५	५२	४८	१३	२८	५७	६	५८	५७
५०	१३	१५	०	६	४५	०	१२	०	०	६	०	०	१४	७	३०	७	७	३०
५१	१३	२३	६	६	५३	६	१२	७	१२	६	७	१२	१४	१६	३	७	१६	३
५२	१४	१	१२	७	१	१२	१२	१४	२४	६	१४	२४	१४	२४	३६	७	२४	३६
५३	१४	९	१८	७	९	१८	१२	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३६	१५	३	९	७	३३	९
५४	१४	१७	२४	७	१७	२४	१२	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	४८	१५	११	४२	७	४१	४२
५५	१४	२५	३०	७	२५	३०	१३	६	०	[illegible]	३६	०	१५	२०	१५	७	५०	१५
५६	१५	३	३६	७	३३	३६	१३	१३	१२	६	४३	१२	१५	२८	४८	७	५८	४८
५७	१५	११	४२	७	४१	४२	१३	२०	२४	६	५०	२४	१६	७	२१	८	७	२१
५८	१५	१९	४८	७	४९	४८	१३	२७	३६	६	५७	३६	१६	१५	५४	८	१५	५४
५९	१५	२७	५४	७	५७	५४	१४	४	४८	७	४	४८	१६	२४	२७	८	२४	२७

विंशोत्तरी दशा कला-विकला सारिणी

	बुध						शुक्र					बुध						शुक्र			
	कला			विकला			कला		विकला			कला			विकला			कला		विकला	
	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	दि.	घ.		मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	दि.	घ.
१	०	७	३९	०	७	३९	०	९	०	९	३१	७	२७	९	३	५७	९	९	९	४	३९
२	०	१५	१८	०	१५	१८	०	१८	०	१८	३२	८	४	४८	४	४	४८	९	१८	४	४८
३	०	२२	५७	०	२२	५७	०	२७	०	२७	३३	८	१२	२७	४	१२	२७	९	२७	४	५७
४	१	०	३६	०	३०	३६	१	६	०	३६	३४	८	२०	६	४	२०	६	१०	६	५	६
५	१	८	१५	०	३८	१५	१	१५	०	४५	३५	८	२७	४५	४	२७	४५	१०	१५	५	१५
६	१	१५	५४	०	४५	५४	१	२४	०	५४	३६	९	५	२४	४	३५	२४	१०	२४	५	२४
७	१	२३	३३	०	५३	३३	२	३	१	३	३७	९	१३	३	४	४३	३	११	३	५	३३
८	२	१	१२	१	१	१२	२	१२	१	१२	३८	९	२०	४२	४	५०	४२	११	१२	५	४२
९	२	८	५१	१	८	५१	२	२१	१	२१	३९	९	२८	२१	४	५८	२१	११	२१	५	५१
१०	२	१६	३०	१	१६	३०	३	०	१	३०	४०	१०	६	०	५	६	०	१२	०	६	०
११	२	२४	९	१	२४	९	३	९	१	३९	४१	१०	१३	३९	५	१३	३९	१२	९	६	९
१२	३	१	४८	१	३१	४८	३	१८	१	४८	४२	१०	२१	१८	५	२१	१८	१२	१८	६	१८
१३	३	९	२७	१	३९	२७	३	२७	१	५७	४३	१०	२८	५७	५	२८	५७	१२	२७	६	२७
१४	३	१७	६	१	४७	६	४	६	२	६	४४	११	६	३६	५	३६	३६	१३	६	६	३६
१५	३	२४	४५	१	५४	४५	४	१५	२	१५	४५	११	१४	१५	५	४४	१५	१३	१५	६	४५
१६	४	२	२४	२	२	२४	४	२४	२	२४	४६	११	२१	५४	५	५१	५४	१३	२४	६	५४
१७	४	१०	३	२	१०	३	५	३	२	३३	४७	११	२९	३३	५	५९	३३	१४	३	७	३
१८	४	१७	४२	२	१७	४२	५	१२	२	४२	४८	१२	७	१२	६	७	१२	१४	१२	७	१२
१९	४	२५	२१	२	२५	२१	५	२१	२	५१	४९	१२	१४	५१	६	१४	५१	१४	२१	७	२१
२०	५	३	०	२	३३	०	६	०	३	०	५०	१२	२२	३०	६	२२	३०	१५	०	७	३०
२१	५	१०	३९	२	४०	३९	६	९	३	९	५१	१३	०	९	६	३०	९	१५	९	७	३९
२२	५	१८	१८	२	४८	१८	६	१८	३	१८	५२	१३	७	४८	६	३७	४८	१५	१८	७	४८
२३	५	२५	५७	२	५५	५७	६	२७	३	२७	५३	१३	१५	२७	६	४५	२७	१५	२७	७	५७
२४	६	३	३६	३	३	३६	७	६	३	३६	५४	१३	२३	६	६	५३	६	१६	६	८	६
२५	६	११	१५	३	११	१५	७	१५	३	४५	५५	१४	०	४५	७	०	४५	१६	१५	८	१५
२६	६	१८	५४	३	१८	५४	७	२४	३	५४	५६	१४	८	२४	७	८	२४	१६	२४	८	२४
२७	६	२६	३३	३	२६	३३	८	३	४	३	५७	१४	१६	३	७	१६	३	१७	३	८	३३
२८	७	४	१२	३	३४	१२	८	१२	४	१२	५८	१४	२३	४२	७	२३	४२	१७	१२	८	४२
२९	७	११	५१	३	४१	५१	८	२१	४	२१	५९	१५	१	२१	७	३१	२१	१७	२१	८	५१
३०	७	१९	३०	३	४९	३०	९	०	४	३०											

पूजा होमादि में पत्नी दिशा विचार

वामो सिन्दूरदाने च वामे चैव द्विरागमे।
वामेऽशनैकाशय्यां भवेज्जाया प्रियार्थिनी।
सर्वेषु कार्येषु पत्नी दक्षिणतः शुभा।
अभिषेके विप्रपादक्षालने चैव वामता।।
वामे पत्नीं त्रिषुस्थानो पितृणां पादशौचने।
रथारोहण काले च ऋतुकाले सदा भवेत्।। (संस्कार गणपति)

पाँच स्वयं सिद्ध मुहूर्त्त

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, अक्षय तृतीया, विजयादशमी, दीपावली और बसन्त पञ्चमी ये पाँच स्वयं सिद्ध मुहूर्त्त हैं। आवश्याकता होने पर शुभ कार्य इन दिनों में किये जा सकते हैं।

होम में अग्निवास विचार

सैका तिथिर्वारयुता कृताप्ता शेषे गुणेऽभ्रे भुविवह्निवासः।
सौख्याय होम शशियुग्म शेषे प्राणार्थनाशौ दिविभूतले च।।

(मुहूर्ति चिन्तामण)

शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से कृष्ण पक्ष अमावस्या तक ३० तिथियों में वर्तमान तिथि में एक जोड़कर उसमें वार संख्या (रवि से शनि तक ७) जोड़ कर इस जोड़ में ४ का भाग देने से यदि शून्य ० और तीन ३ शेष बचें तो भूमि में अग्नि वास होता है। यदि एक बचे तो अग्नि वास स्वर्ग में होता है इसमें प्राणनाश, यदि दो बचे तो अग्निवास पाताल मे होता है इसमें धन नाश होता है। अग्नि वास भूमि पर होने से ही हवन में उत्तम फल प्राप्ति होती है।

अथ विंशोत्तरीसूर्यमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ सूर्यांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
र	0	0	5	24
चं	0	0	9	0
मं	0	0	6	18
रा.	0	0	16	12
बृ	0	0	14	24
श.	0	0	17	6
बु	0	0	15	18
के.	0	0	6	18
शु	0	0	18	0

अथ चंद्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
चं	0	0	15	0
मं	0	0	10	30
रा.	0	0	27	0
बृ	0	0	24	0
श.	0	0	28	30
बु	0	0	25	30
के.	0	0	10	30
शु	0	1	0	0
र	0	0	9	0

अथ भौमांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
मं	0	0	7	21
रा.	0	0	18	54
बृ	0	0	16	48
श.	0	0	19	57
बु	0	0	17	51
के.	0	0	7	21
शु	0	0	21	0
र	0	0	6	18
चं	0	0	10	30

अथ राहंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	0	1	18	36
बृ	0	1	13	12
श.	0	1	21	18
बु	0	1	15	54
के.	0	0	18	54
शु	0	1	24	0
र	0	0	16	12
चं	0	0	27	0
मं	0	0	18	54

अथ गुर्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बृ	0	1	8	24
श.	0	1	15	36
बु	0	1	10	48
के.	0	0	16	48
शु	0	1	18	0
र	0	0	14	24
चं	0	0	24	0
मं	0	0	16	48
रा.	0	1	13	12

अथ शन्यंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
श.	0	1	24	6
बु	0	1	18	27
के.	0	0	19	57
शु	0	1	27	0
र	0	0	17	6
चं	0	0	28	30
मं	0	0	19	57
रा.	0	1	21	18
बृ	0	1	15	36

अथ बुधांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बु	0	1	13	21
के.	0	0	17	51
शु	0	1	21	0
र	0	0	15	18
चं	0	0	25	30
मं	0	0	17	51
रा.	0	1	15	54
बृ	0	1	10	48
श.	0	1	18	27

अथ केत्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
के.	0	0	7	21
शु	0	0	21	0
र	0	0	6	18
चं	0	0	10	30
मं	0	0	7	21
रा.	0	0	18	54
बृ	0	0	16	48
श.	0	0	19	57
बु	0	0	17	51

अथ शुक्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
शु	0	2	0	0
र	0	0	18	0
चं	0	1	0	0
मं	0	0	21	0
रा.	0	1	24	0
बृ	0	1	18	0
श.	0	1	27	0
बु	0	1	21	0
के.	0	0	21	0

अथ विंशोत्तरीचंद्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ चंद्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
चं	0	0	25	0
मं	0	0	17	30
रा.	0	1	15	0
बृ	0	1	10	0
श.	0	1	17	30
बु	0	1	12	30
के.	0	0	17	30
शु	0	1	20	0
र	0	0	15	0

अथ भौमांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
मं	0	0	12	15
रा.	0	1	1	30
बृ	0	0	28	0
श.	0	1	3	15
बु	0	0	29	45
के.	0	0	12	15
शु	0	1	5	0
र	0	0	10	30
चं	0	0	17	30

अथ राहंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	0	2	21	0
बृ	0	2	12	0
श.	0	2	25	30
बु	0	2	16	30
के.	0	1	1	30
शु	0	3	0	0
र	0	0	27	0
चं	0	1	15	0
मं	0	1	1	30

अथ गुर्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बृ	0	2	4	0
श.	0	2	16	0
बु	0	2	8	0
के.	0	0	28	0
शु	0	2	20	0
र	0	0	24	0
चं	0	1	10	0
मं	0	0	28	0
रा.	0	2	12	0

अथ शन्यंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
श.	0	3	0	15
बु	0	2	20	45
के.	0	1	3	15
शु	0	3	5	0
र	0	0	28	30
चं	0	1	17	30
मं	0	1	3	15
रा.	0	2	25	30
बृ	0	2	16	0

अथ बुधांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बु	0	2	12	15
के.	0	0	29	45
शु	0	2	25	0
र	0	0	25	30
चं	0	1	12	30
मं	0	0	29	45
रा.	0	2	16	30
बृ	0	2	8	0
श.	0	2	20	45

अथ केत्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
के.	0	0	12	15
शु	0	1	5	0
र	0	0	10	30
चं	0	0	17	30
मं	0	0	12	15
रा.	0	1	1	30
बृ	0	0	28	0
श.	0	1	3	15
बु	0	0	29	45

अथ शुक्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
शु	0	3	10	0
र	0	1	0	0
चं	0	1	20	0
मं	0	1	5	0
रा.	0	3	0	0
बृ	0	2	20	0
श.	0	3	5	0
बु	0	2	25	0
के.	0	1	5	0

अथ सूर्यांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
र	0	0	9	0
चं	0	0	15	0
मं	0	0	10	30
रा.	0	0	27	0
बृ	0	0	24	0
श.	0	0	28	30
बु	0	0	25	30
के.	0	0	10	30
शु	0	1	0	0

अथ विंशोत्तरीभौममहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ भौमांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
मं	0	0	8	35
रा.	0	0	22	3
बृ	0	0	19	36
श.	0	0	23	16
बु	0	0	20	50
के.	0	0	8	34
शु	0	0	24	30
र	0	0	7	21
चं	0	0	12	15

अथ राहंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	0	1	26	42
बृ	0	1	20	24
श.	0	1	29	51
बु	0	1	23	33
के.	0	0	22	3
शु	0	2	3	0
र	0	0	18	54
चं	0	1	1	30
मं	0	0	22	3

अथ गुर्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बृ	0	1	14	48
श.	0	1	23	12
बु	0	1	17	36
के.	0	0	19	36
शु	0	1	26	0
र	0	0	16	48
चं	0	0	28	0
मं	0	0	19	36
रा.	0	1	20	24

अथ शन्यंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
श.	2	3	10	30
बु	1	26	31	30
के.	0	23	16	30
शु	2	6	30	0
र	0	19	57	0
चं	1	3	15	0
मं	0	23	16	0
रा.	1	29	51	0
बृ	1	23	12	0

अथ बुधांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बु	1	20	34	30
के.	0	20	49	30
शु	1	29	30	0
र	0	17	51	0
चं	0	29	45	0
मं	0	20	49	30
रा.	1	23	33	0
बृ	1	17	36	0
श.	1	26	31	30

अथ केत्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
के.	0	8	34	30
शु	0	24	30	0
र	0	7	21	0
चं	0	12	15	0
मं	0	8	34	30
रा.	0	22	3	0
बृ	0	19	36	0
श.	0	23	16	30
बु	0	20	49	30

अथ शुक्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
शु	0	2	10	0
र	0	0	21	0
चं	0	1	5	0
मं	0	0	24	30
रा.	0	2	3	0
बृ	0	1	26	0
श.	0	2	6	30
बु	0	1	29	30
के.	0	0	24	30

अथ सूर्यांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
र	0	0	6	18
चं	0	0	10	30
मं	0	0	7	21
रा.	0	0	18	54
बृ	0	0	16	48
श.	0	0	19	57
बु	0	0	17	51
के.	0	0	7	21
शु	0	0	21	0

अथ चंद्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
चं	0	0	17	30
मं	0	0	12	15
रा.	0	1	1	30
बृ	0	0	28	0
श.	0	1	3	15
बु	0	0	29	45
के.	0	0	12	15
शु	0	1	5	0
र	0	0	10	30

अथ विंशोत्तरीराहुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ राहंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
रा.	0	4	25	48
बृ	0	4	9	36
श.	0	5	3	54
बु	0	4	17	42
के.	0	1	26	42
शु	0	5	12	0
र	0	1	18	36
चं	0	2	21	0
मं	0	1	26	42

अथ गुर्वंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
बृ	0	3	24	12
श.	0	4	16	48
बु	0	4	2	24
के.	0	1	20	24
शु	0	4	24	0
र	0	1	13	12
चं	0	2	12	0
मं	0	1	20	24
रा.	0	4	9	36

अथ शन्यंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
श.	0	5	12	27
बु	0	4	25	21
के.	0	1	29	51
शु	0	5	21	0
र	0	1	21	18
चं	0	2	25	30
मं	0	1	29	51
रा.	0	5	3	54
बृ	0	4	16	48

अथ बुधांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
बु	0	4	10	3
के.	0	1	23	33
शु	0	5	3	0
र	0	1	15	54
चं	0	2	16	30
मं	0	1	23	33
रा.	0	4	17	42
बृ	0	4	2	24
श.	0	4	25	21

अथ केत्वंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
के.	0	0	22	3
शु	0	2	3	0
र	0	0	18	54
चं	0	1	1	30
मं	0	0	22	3
रा.	0	1	26	42
बृ	0	1	20	24
श.	0	1	29	51
बु	0	1	23	33

अथ शुक्रांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
शु	0	6	0	0
र	0	1	24	0
चं	0	3	0	0
मं	0	2	3	0
रा.	0	5	12	0
बृ	0	4	24	0
श.	0	5	21	0
बु	0	5	3	0
के.	0	2	3	0

अथ सूर्यांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
र	0	0	16	12
चं	0	0	27	0
मं	0	0	18	54
रा.	0	1	18	36
बृ	0	1	13	12
श.	0	1	21	18
बु	0	1	15	54
के.	0	0	18	54
शु	0	1	24	0

अथ चंद्रांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
चं	0	1	15	0
मं	0	1	1	30
रा.	0	2	21	0
बृ	0	2	12	0
श.	0	2	25	30
बु	0	2	16	30
के.	0	1	1	30
शु	0	3	0	0
र	0	0	27	0

अथ भौमांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
मं	0	0	22	3
रा.	0	1	26	42
बृ	0	1	20	24
श.	0	1	29	51
बु	0	1	23	33
के.	0	0	22	3
शु	0	2	3	0
र	0	0	18	54
चं	0	1	1	30

अथ विंशोत्तरीगुरुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ गुर्वंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
बृ	0	3	12	24
श.	0	4	1	36
बु	0	3	18	48
के.	0	1	14	48
शु	0	4	8	0
र	0	1	8	24
चं	0	2	4	0
मं	0	1	14	48
रा.	0	3	25	12

अथ शन्यंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
श.	0	4	24	24
बु	0	4	6	12
के.	0	1	23	12
शु	0	5	2	0
र	0	1	15	36
चं	0	2	16	0
मं	0	1	23	12
रा.	0	4	16	48
बृ	0	4	1	36

अथ बुधांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
बु	0	3	25	36
के.	0	1	17	36
शु	0	4	16	0
र	0	1	10	46
चं	0	2	8	0
मं	0	1	17	36
रा.	0	4	2	24
बृ	0	3	18	48
श.	0	4	9	12

अथ केत्वंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
के.	0	0	19	36
शु	0	1	26	0
र	0	0	16	48
चं	0	0	28	0
मं	0	0	19	36
रा.	0	1	20	24
बृ	0	1	14	48
श.	0	1	23	12
बु	0	1	17	36

अथ शुक्रांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
शु	0	5	10	0
र	0	1	18	0
चं	0	2	20	0
मं	0	1	26	0
रा.	0	4	24	0
बृ	0	4	8	0
श.	0	5	2	0
बु	0	4	16	0
के.	0	1	26	0

अथ सूर्यांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
र	0	0	14	24
चं	0	0	24	0
मं	0	0	16	48
रा.	0	1	13	12
बृ	0	1	8	24
श.	0	1	15	36
बु	0	1	10	48
के.	0	0	16	48
शु	0	1	18	0

अथ चंद्रांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
चं	0	1	10	0
मं	0	0	28	0
रा.	0	2	12	0
बृ	0	2	4	0
श.	0	2	16	0
बु	0	2	8	0
के.	0	0	28	0
शु	0	2	20	0
र	0	0	24	0

अथ भौमांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
मं	0	0	11	36
रा.	0	1	20	24
बृ	0	1	14	48
श.	0	1	23	12
बु	0	1	17	36
के.	0	0	19	36
शु	0	1	26	0
र	0	0	16	48
चं	0	0	28	0

अथ राहंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
रा.	0	4	9	36
बृ	0	3	25	12
श.	0	4	16	48
बु	0	4	2	24
के.	0	1	20	24
शु	0	4	24	0
र	0	1	13	12
चं	0	2	12	0
मं	0	1	20	24

अथ विंशोत्तरीशनिमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शन्यंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.	प.
श.	0	5	21	28	30
बु.	0	5	3	25	30
के.	0	2	3	10	30
शु.	0	6	0	30	0
र.	0	1	24	9	0
चं	0	3	0	15	0
मं.	0	2	3	10	30
रा.	0	5	12	27	0
बृ.	0	4	24	24	0

अथ बुधांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	0	4	17	16	30
के.	0	1	26	31	30
शु.	0	5	11	30	0
र.	0	1	18	27	0
चं	0	2	20	45	0
मं.	0	1	26	31	30
रा.	0	4	25	31	0
बृ.	0	4	9	12	0
श.	0	5	3	25	30

अथ केत्वंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.	प
के	0	0	23	16	30
शु.	0	2	6	30	0
र.	0	0	19	57	0
च	0	1	3	15	0
मं.	0	0	23	16	30
रा.	0	1	29	51	0
बृ.	0	1	23	12	0
श.	0	2	3	10	30
बृ.	0	1	26	31	30

अथ शुक्रांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
शु	0	6	10	0
र	0	1	27	0
चं	0	3	5	0
मं	0	2	6	30
रा.	0	5	21	0
बृ	0	5	2	0
श.	0	6	0	30
बु	0	5	11	30
के.	0	2	6	30

अथ सूर्यांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
र	0	0	17	6
चं	0	0	28	30
मं	0	0	19	57
रा.	0	1	21	18
बृ	0	1	15	36
श.	0	1	24	9
बु	0	1	18	27
के.	0	0	19	57
शु	0	1	27	0

अथ चंद्रांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
चं	0	1	17	30
मं	0	1	3	15
रा.	0	2	25	30
बृ	0	2	16	0
श.	0	3	0	15
बु	0	2	20	45
के.	0	1	3	15
शु	0	3	5	0
र	0	0	28	30

अथ भौमांतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.	प.
मं.	0	0	23	16	30
रा.	0	1	29	51	0
बृ.	0	1	23	12	0
श.	0	2	3	10	0
बु.	0	1	26	31	30
के.	0	0	23	16	30
शु.	0	2	6	30	0
र	0	0	19	57	0
चं.	0	1	3	15	0

अथ राहंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
रा.	0	5	3	54
बृ	0	4	16	48
श.	0	5	12	27
बु	0	4	25	21
के.	0	1	29	51
शु	0	5	21	0
र	0	1	21	18
चं	0	2	25	30
मं	0	1	29	51

अथ गुर्वंतरे प्रत्यंतराणि

	व	मा.	दि.	घ.
बृ	0	4	1	36
श.	0	4	24	24
बु	0	4	9	12
के.	0	1	23	12
शु	0	5	2	0
र	0	1	15	36
चं	0	2	16	0
मं	0	1	23	12
रा.	0	4	16	48

अथ विंशोत्तरीबुधमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ बुधांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	0	4	2	49	30
के.	0	1	20	34	30
शु.	0	4	24	30	0
र.	0	1	13	21	0
चं	0	2	12	15	0
मं.	0	1	20	34	30
रा.	0	4	10	3	0
बृ.	0	3	25	36	0
श.	0	4	17	16	30

अथ केत्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.	प.
के.	0	0	20	49	30
शु.	0	1	29	30	0
र.	0	0	17	51	0
चं	0	0	29	45	0
मं.	0	0	20	49	30
रा.	0	1	23	33	0
बृ.	0	1	17	36	0
श.	0	1	26	31	30
बु.	0	1	20	34	30

अथ शुक्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
शु	0	5	20	0
र	0	1	21	0
चं	0	2	25	0
मं	0	1	29	30
रा.	0	5	3	0
बृ	0	4	16	0
श.	0	5	11	30
बु	0	4	24	30
के.	0	1	26	30

अथ सूर्यांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
र	0	0	15	18
चं	0	0	25	30
मं	0	0	17	51
रा.	0	1	15	54
बृ	0	1	10	48
श.	0	1	18	27
बु	0	1	13	21
के.	0	0	17	51
शु	0	1	21	0

अथ चंद्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
चं	0	1	12	30
मं	0	0	29	45
रा.	0	2	16	30
बृ	0	2	8	0
श.	0	2	20	45
बु	0	2	12	15
के.	0	0	29	45
शु	0	2	25	0
र	0	0	25	30

अथ भौमांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.	प.
मं.	0	0	20	49	30
रा.	0	1	23	33	0
बु.	0	1	17	36	0
श.	0	1	26	31	30
बु.	0	1	20	34	30
के.	0	0	20	49	30
शु	0	1	29	30	0
र.	0	0	17	51	0
चं	0	0	29	45	0

अथ राहंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	0	4	17	42
बृ	0	4	2	24
श.	0	4	25	21
बु	0	4	10	3
के.	0	1	23	33
शु	0	5	3	0
र	0	1	15	54
चं	0	2	16	30
मं	0	1	23	33

अथ गुर्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बृ	0	3	18	48
श.	0	4	9	12
बु	0	3	25	36
के.	0	1	17	36
शु	0	4	16	0
र	0	1	10	48
चं	0	2	8	0
मं	0	1	17	36
रा.	0	4	2	24

अथ शन्यंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.	प.
शु.	0	5	3	25	30
बु.	0	4	17	16	30
के.	0	1	26	31	30
शु.	0	5	11	30	0
र.	0	1	18	27	0
चं	0	2	20	45	0
मं.	0	1	26	31	30
रा.	0	4	25	21	0
बृ.	0	4	3	12	0

अथ विंशोत्तरीकेतुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ केत्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.	प.
के.	0	0	8	34	30
शु.	0	0	24	30	0
र.	0	0	7	21	0
चं	0	0	12	15	0
मं.	0	0	8	34	30
रा.	0	0	22	3	7
बृ.	0	0	19	36	0
श.	0	0	23	16	30
बु.	0	0	20	49	30

अथ शुक्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
शु	0	2	10	0
र	0	0	21	0
चं	0	1	5	0
मं	0	0	24	30
रा.	0	2	3	0
बृ	0	1	26	0
श.	0	2	6	30
बु	0	1	29	30
के.	0	0	24	30

अथ सूर्यांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
र	0	0	6	18
चं	0	0	10	30
मं	0	0	7	21
रा.	0	0	18	54
बृ	0	0	16	48
श.	0	0	19	57
बु	0	0	17	51
के.	0	0	7	21
शु	0	0	21	0

अथ चंद्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
चं	0	0	17	30
मं	0	0	12	15
रा.	0	1	1	30
बृ	0	0	28	0
श.	0	1	3	15
बु	0	0	29	45
के.	0	0	12	15
शु	0	1	5	0
र	0	0	10	30

अथ भौमांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.	प.
मं.	0	0	8	34	30
रा.	0	0	22	3	0
बृ	0	0	19	36	0
श	0	0	23	16	30
बृ.	0	0	20	49	30
के.	0	0	8	34	30
शु.	0	0	24	30	0
र.	0	0	7	21	0
चं.	0	0	12	15	0

अथ राहंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	0	1	26	42
बृ	0	1	20	24
श.	0	1	29	51
बु	0	1	23	33
के.	0	0	22	3
शु	0	2	3	0
र	0	0	18	54
चं	0	1	1	30
मं	0	0	22	3

अथ गुर्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बृ	0	1	24	48
श.	0	1	23	12
बु	0	1	17	36
के.	0	0	19	36
शु	0	1	26	0
र	0	0	16	48
चं	0	0	28	0
मं	0	0	19	36
रा.	0	1	20	24

अथ शन्यंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.	प.
श.	0	2	3	10	30
बु.	0	1	26	31	30
के.	0	0	23	16	30
शु.	0	2	6	30	0
र.	0	0	19	57	0
चं.	0	1	3	15	0
मं.	0	0	23	16	30
रा.	0	1	29	51	0
बृ.	0	1	23	12	0

अथ बुधांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	0	1	20	34	30
के.	0	0	20	49	30
शु.	0	1	29	30	0
र.	0	0	17	51	0
चं.	0	0	29	45	0
मं.	0	0	20	49	30
रा.	0	1	23	33	0
बृ.	0	1	17	36	0
श.	0	1	26	31	30

अथ विंशोत्तरीशुक्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शुक्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
शु	0	6	20	0
र	0	2	0	0
चं	0	3	10	0
मं	0	2	10	0
रा.	0	6	0	0
बृ	0	5	10	0
श.	0	6	10	0
बु	0	5	20	0
के.	0	2	10	0

अथ सूर्यांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
र	0	0	18	0
चं	0	1	0	0
मं	0	0	21	0
रा.	0	1	24	0
बृ	0	1	18	0
श.	0	1	27	0
बु	0	1	21	0
के.	0	0	21	0
शु	0	2	0	0

अथ चंद्रांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
चं	0	1	20	0
मं	0	1	5	0
रा.	0	3	0	0
बृ	0	2	20	0
श.	0	3	5	0
बु	0	2	25	0
के.	0	1	5	0
शु	0	3	10	0
र	0	1	0	0

अथ भौमांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
मं	0	0	24	30
रा.	0	2	3	0
बृ	0	1	26	0
श.	0	2	6	30
बु	0	1	29	30
के.	0	0	24	30
शु	0	2	10	0
र	0	0	21	0
चं	0	1	5	0

अथ राहंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	0	5	12	0
बृ	0	4	24	0
श.	0	5	21	0
बु	0	5	3	0
के.	0	2	3	0
शु	0	6	0	0
र	0	1	24	0
चं	0	3	0	0
मं	0	2	3	0

अथ गुर्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बृ	0	4	8	0
श.	0	5	2	0
बु	0	4	16	0
के.	0	1	26	0
शु	0	5	10	0
र	0	1	18	0
चं	0	2	20	0
मं	0	1	26	0
रा.	0	4	24	0

अथ शन्यंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
श.	0	6	0	30
बु	0	5	11	30
के.	0	2	6	30
शु	0	6	10	0
र	0	1	27	0
चं	0	3	5	0
मं	0	2	6	30
रा.	0	5	21	0
बृ	0	5	2	0

अथ बुधांतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
बु	0	4	24	30
के.	0	1	29	30
शु	0	5	20	0
र	0	1	21	0
चं	0	2	25	0
मं	0	1	29	30
रा.	0	5	3	0
बृ	0	4	16	0
श.	0	5	11	30

अथ केत्वंतरे प्रत्यंतराणि	व.	मा.	दि.	घ.
के.	0	0	24	30
शु	0	2	10	0
र	0	0	21	0
चं	0	1	5	0
मं	0	0	24	30
रा.	0	2	3	0
बृ	0	1	26	0
श.	0	2	6	30
बु	0	1	29	30

अथ ग्रहाणां विंशोत्तरीमहादशान्तर्दशादिज्ञानाय चक्रमिदम्

सूर्यदशा वर्ष 6 कृ.उ.फा. उषा.				चंद्रदशा वर्ष 10 रोहि. ह. श्रवण				भौमदशा वर्ष 7 मृ. चि. ध.			
ग्र.	व	मा.	दि.	ग्र.	व	मा.	दि.	ग्र.	व	मा.	दि.
सू.	0	3	18	चं	0	10	0	मं	0	4	27
चं	0	6	0	मं	0	7	0	रा.	1	0	18
मं	0	4	6	रा.	1	6	0	बृ	0	11	6
रा.	0	10	24	बृ	1	4	0	श	1	1	9
बृ	0	9	18	श	1	7	0	बु	0	11	27
श	0	11	12	बु	1	5	0	के.	0	4	27
बु	0	10	6	के.	0	7	0	शु	1	2	0
के.	0	4	6	शु	1	8	0	सू.	0	4	6
शु	1	0	0	सू.	0	6	0	चं	0	7	0

राहुदशा वर्ष 18 आर्द्रा. स्वा. शत				गुरुदशा वर्ष 16 पुन. वि. पू. भा.				शनिदशा वर्ष 19 पुष्य अनु. उ. भा.			
ग्र.	व	मा.	दि.	ग्र.	व	मा.	दि.	ग्र.	व	मा.	दि.
रा.	2	8	12	बृ	2	1	18	श.	3	0	3
बृ	2	4	24	श.	2	6	12	बु	2	8	9
श.	2	10	6	बु	2	3	6	के.	1	1	9
बु	2	6	18	के.	0	11	6	शु	3	2	0
के.	1	0	18	शु	2	8	0	सू.	0	11	12
शु	3	0	0	सू.	0	9	18	चं	1	7	0
सू.	0	10	24	चं	1	4	0	मं	1	1	9
चं	1	6	0	मं	0	11	6	रा.	2	10	6
मं	1	0	18	रा.	2	4	24	बृ	2	6	12

बुधदशा वर्ष 17 आश्ले ज्ये रेवती				केतुदशा वर्ष 7 मघा. मू. अश्वि				शुक्रदशा वर्ष 20 पू. फा. पू. षा. भ.			
ग्र.	व	मा.	दि.	ग्र.	व	मा.	दि.	ग्र.	व	मा.	दि.
बु	2	4	27	के.	0	4	27	शु	3	4	0
के.	0	11	27	शु	1	2	0	सू.	1	0	0
शु	2	10	0	सू.	0	4	6	चं	1	8	0
सू.	0	10	6	चं	0	7	0	मं	1	2	0
चं	1	5	0	मं	0	4	27	रा.	3	0	0
मं	0	11	27	रा.	1	0	18	बृ	2	8	0
रा.	2	6	18	बृ	0	11	6	श.	3	2	0
बृ	2	3	6	श.	1	1	9	बु	2	10	0
श.	2	8	9	बु	0	11	27	के.	1	2	0

योगिनीदशाऽन्तर्दशा चक्र

मंगला 1 श्रवण, आर्द्रा, चित्रा — चन्द्र				पिंगला 2 पुनर्वसु, स्वाति, धनिष्ठा — सूर्य				धान्या 3 पुष्य, विशाखा, शतभिषा — वृहस्पति				भ्रामरी 4 आश्ले, अनु. पूर्वा भा. अश्विनी — मंगल			
	व	मा.	दि.		व	मा.	दि.		व	मा.	दि.		व	मा.	दि.
मं	0	0	10	पि	0	1	10	धा.	0	3	0	भ्रा.	0	5	10
पि	0	0	20	धा.	0	2	0	भ्रा.	0	4	0	भ.	0	6	20
धा.	0	1	0	भ्रा.	0	2	20	भ.	0	5	0	उ.	0	8	0
भ्रा.	0	1	10	भ.	0	3	10	उ.	0	6	0	सि.	0	9	10
भ.	0	1	20	उ.	0	4	0	सि.	0	7	0	सं.	0	10	20
उ.	0	2	0	सि.	0	4	20	सं.	0	8	0	मं	0	1	10
सि.	0	2	10	सं.	0	5	10	मं	0	1	0	पि.	0	2	20
सं.	0	2	20	मं	0	0	20	पि	0	2	0	धा.	0	4	0

भद्रिका 5 मघा, ज्येष्ठा, उ.भा, भरणी — बुध				उल्का 6 पूर्वा फा, मूला रेवती कृतिका — शनि				सिद्धा 7 उ.फा., पूर्वाषाढ़ा रोहिणी — शुक्र				संकटा 8 हस्त, उतराषाढ़ा मृगशिरा — केतु			
	व	मा.	दि.		व	मा.	दि.		व	मा.	दि.		व	मा.	दि.
भ.	0	8	10	उ.	1	0	0	सि.	1	4	10	सं.	1	9	10
उ.	0	10	0	सि.	1	2	0	सं.	1	6	20	मं	0	2	20
सि.	0	11	20	सं.	1	4	0	मं	0	2	10	पि	0	5	10
सं.	1	1	10	मं	0	2	0	पि	0	4	20	धा.	0	8	0
मं	0	1	20	पि	0	4	0	धा.	0	7	0	भ्रा.	0	10	20
पि	0	3	10	धा.	0	6	0	भ्रा.	0	9	10	भ.	1	1	10
धा.	0	5	0	भ्रा.	0	8	0	भ.	0	11	20	उ.	1	4	0
भ्रा.	0	6	20	भ.	0	10	0	उ.	1	2	0	सि.	1	6	20

योगिनी दशा विचार :– योगिनी दशा कुल 36 वर्ष की होती है प्रत्येक 36 वर्षों के पश्चात् पुनः उसी दशा में पुनरावृत्ति होती है।

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल अभीष्ट हो, उस अभीष्ट संवत् में से जन्म संवत् घटाने पर जो शेष बचे वे जन्म से गत वर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से पृष्ठ संख्या 182 पर दी गई प्राचीन एवं पृष्ठ संख्या 183 दी गई नवीन मतानुसार वर्ष प्रवेश सारिणी के नीचे दिए गए वार, घटी, पलादि फल लेकर उसमें जन्म के वार इष्टघटी, पलादि जोड़ने पर वर्ष प्रवेशकालिक वारादि इष्टकालज्ञात होता है। पल, घटी आदि यदि 60 से अधिक हों, तो उन्हें सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या 7 से अधिक हो, तो 7 का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक स्पष्ट सूर्य होता है। वर्षेष्ट के स्वदेशीय (समीपस्थ अक्षांश) लग्न सारिणी से लग्न साधन करने पर वर्ष प्रवेश कालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष लग्न में वर्ष प्रवेश कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन– वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है, यह प्रतिवर्ष एक-एक राशि बढ़ती है। अतः गतवर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़ने पर यदि 12 से अधिक हो तो 12 का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

त्रिपताकी चक्रम् – वर्ष प्रवेश की संख्या को 9 का भाग दें जो शेष बचे जन्म कुण्डली में जिस राशि में चंद्रमा हो उससे आगे उतने स्थान गिन कर प्राप्त राशि अंक पर चंद्रमा लगायें। शेष ग्रहों के लिए वर्ष प्रवेश संख्या को 4 का भाग दें शेष को जन्म स्थान के ग्रहों से उतने आगे गिन कर लगायें।

मुद्दादशासाधन– गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोड़कर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें 2 घटाकर 9 का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य, चन्द्र, मंगल, राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु, शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिन पृ० सं० - - पर दिए मुद्दादशा चक्र से जानें।

हर्षबलसाधन– वर्ष कुण्डली में स्थानबल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल – ये चार वर्ष बल कहलाते हैं।

स्थानबल– वर्ष लग्न से 9 स्थान में सूर्य, 3 में चन्द्रमा, 6 में मंगल, 1 में बुध, 11 में गुरु, 5 में शुक्र तथा 12 में शनि 5 हर्षबल देते हैं।

स्वोच्चबल– प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में 5 राशि में 5 हर्षबल देते हैं। अर्थात् सूर्य 1/5 व चन्द्र 2/4, मंगल 1/8/10, बुध 3/6, गुरु 4/9/12, शुक्र 2/7/12, शनि 10/11/7 इन सवोच्च राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित होते हैं।

पुरुषस्त्रीबल– स्त्रीग्रह (चं. बु. शु. श.) 1/2/3/7/8/9 स्थानों में तथा पुरुषग्रह (सू.मं.गु.) 4/5/6/10/11/12 स्थानों में 5 हर्षबल देते हैं।

दिनरात्रिबल– दिन में वर्षप्रवेश हो तो पुरुषग्रह तथा रात्रि में हो तो स्त्री ग्रह 5 हर्षबल देते हैं।

यहाँ यह ध्यान देना चाहिए जहाँ बल प्राप्त हो वहाँ 5 तथा जहाँ बल प्राप्त न हो वहाँ 0 शून्य रखना चाहिए। इस प्रकार सूर्यादि सात ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश–निर्णय– जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी ये पञ्चाधिकारी कहलाते हैं। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान् होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान् होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो वर्षेश नहीं होगा। समान वली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्पबल हो तो मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि में हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी लग्न को न देखता हो तो जो गृह सबसे बलवान हो वह वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करे वह वर्षेश होगा। यदि इत्थाशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि में बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि–विचार– वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे 5/9 स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, 3/11 स्थान का गुप्त मित्र दृष्टि से, 1/7 स्थान को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा 4/10 स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कार्यों में कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगाड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रु दृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

वर्षफल बनाने की सारिणी (सूर्य सिद्धान्तीय)

गताब्द	१	२	३	४	५.	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
वार	०१	०२	०३	०५	०६	००	०१	०३	०४	०५	०६	०१	०२	०३	०४	०६	००	०१	०२	०४	०५	०६	००	०२	०३	०४	०५	००	०१	०२
घटी	१५	३१	४६	०२	१७	३३	४८	०४	१९	३५	५०	०६	२१	३७	५२	०८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५
पल	३१	०३	३४	०६	३७	०९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	०१	३३	०४	३६	०७	३९	१०	४२	१३	४५
विपल	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००
गताब्द	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	०४	०५	०६	००	०२	०३	०४	०५	००	०१	०२	०३	०५	०६	००	०१	०३	०४	०५	०६	०१	०२	०३	०४	०६	००	०१	०३	०४	०५
घटी	०१	१६	३२	४७	०३	१८	३४	४९	०५	२१	३६	५२	०७	२३	३८	५४	०९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	००	१५	३१
पल	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	००	३१	०३	३४	०६	३७	०९	४०	१३	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०
विपल	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००
गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
वार	०६	०१	०२	०३	०४	०६	००	०१	०२	०४	०५	०६	००	०२	०३	०४	०५	००	०१	०२	०३	०५	०६	००	०१	०३	०४	०५	००	०१
घटी	४७	०२	१८	३३	४९	०४	२०	३५	५१	०६	२२	३७	५३	०८	२४	३९	५५	१०	२६	४०	५७	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	४३	१७
पल	०१	३३	०४	३६	०७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	००	३१	०३	३४	०६	३७	०९	४०	१२	३०	१५
विपल	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००

त्रिराशिपतिचक्र

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु	मी.	राशि
सू.	शु.	श.	शु.	बृ.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	बृ.	चं.	दिनपति
बृ.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	बृ.	चं.	रात्रिपति

विं. मुद्दादशाचक्र

सूर्य	चन्द्र	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
०	१	०	१	१	१	१	०	२
१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	

योगिनीक्रमेण मुद्दादशाचक्र

यो.	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मा.	०	०	१	१	१	२	२	२
दि.	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०

वर्ष कुण्डली में दृष्टि चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रत्यक्ष मित्र	५-९	५-९	५-९	५-९	५-९	५-९	५-९
गुप्त मित्र	३-११	३-११	३-११	३-११	३-११	३-११	३-११
प्रत्यक्ष शत्रु	१-७	१-७	१-७	१-७	१-७	१-७	१-७
गुप्त शत्रु	४-१०	४-१०	४-१०	४-१०	४-१०	४-१०	४-१०

जन्म एवं वर्ष कुण्डली में द्वादश भाव

फलादेश में सुगमता के लिए जन्म अथवा वर्ष कुण्डली के विभिन्न भावों के अलग-अलग नाम रखे गए हैं। लग्न, चतुर्थ, सप्तम एवं दशम भाव– केन्द्र कहलाते हैं। लग्न से पंचम (5) नवम (9) भावों को त्रिकोण कहते हैं। केन्द्र एवं त्रिकोण में स्थित शुभ ग्रह शुभफलदायक होते हैं।

पणफर– लग्न से 2-5-8-11वें भावों को पणफर कहते हैं। इन भावों में स्थित ग्रह यदि उच्च, मित्रादि राशि का हो, तो शुभफलप्रद होता है।

आपोक्लिम– 3, 6, 9 तथा 12 द्वादशभाव को आपोक्लिम कहते हैं। इन भावों में नीच-शत्रु आदि राशि का ग्रह अशुभफल प्रदान करता है।

उपचय– 3, 6, 10, 11वें भावों को उपचय भाव कहते हैं। शेष भावों को अनुपचय कहते हैं।

वेध–सिद्ध नवीन मतानुसार वर्ष प्रवेश सारिणी

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२३	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१
पल	२२	४५	०८	३१	५४	१७	४०	३	२५	४८	११	३४	५७	२०	४३	६	२९	५१	१४	३७	०	२३	४६	०९	३२	५४	१७	४०	०३	२६
विपल	५३	४६	३९	३२	२५	१८	११	०४	५७	५०	४३	३६	२९	२२	१५	०८	०१	५४	४७	४०	३३	२६	१९	१२	०५	५८	५१	४४	३७	३०
गताब्द	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५
घटी	५६	१२	२७	४२	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०	४६	०१	१६	३२	४७	०२	१८	३३	४९	०४	१९	३५	५०	०५	२१	३६	५२	०७	२२
पल	४९	१२	३५	५८	२०	४३	०६	२९	५२	१५	३८	०१	२३	४६	०९	३२	५५	१८	४१	०४	२७	४९	१२	३५	५८	२१	४४	०७	३०	५३
विपल	२३	१६	०९	०२	५५	४८	४१	३४	२७	२०	१३	०६	५९	५२	४५	३८	३१	२४	१७	१०	०३	५६	४९	४२	३५	२८	२१	१४	०७	००
गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
वार	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	२	३	४	५	६	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१
घटी	३८	५३	०९	२४	३९	५५	१०	२५	४१	५६	१२	२७	४२	५८	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४५	०१	१६	३२	४७	०२	१८	३३	४८	०४
पल	१५	३८	०१	२४	४७	१०	३३	५६	१८	४१	०४	२७	५०	१३	३६	५९	२२	४४	०७	३०	५३	१६	३९	०२	२५	४७	१०	३३	५६	१९
विपल	५३	५६	३९	३२	२५	१८	११	०४	५७	५०	४३	३६	२९	२२	१५	०८	०१	५४	४७	४०	३३	२६	१९	१२	०५	५८	५१	४४	३७	३०

गण्ड – मूलादि – जन्म – विचार

अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती– ये 6 नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में उत्पन्न बालक, माता, पिता, कुल या स्वयं को अरिष्टदायक होता हे। यदि यह अरिष्ट से बच जाये तो अपने बल-बुद्धि से संसार में सुखपूर्वक दीर्घायु प्राप्त करता है। इसलिए गण्डमूल में उत्पन्न शिशु के पिता को 27 दिन तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। और फिर प्रसूति-स्नान के बाद गण्डमूल की शान्ति गौदान आदि देकर बालक का मुख देखना चाहिए।

मूलनिवास – चक्र

मास के अनुसार	वैशा. ज्ये, मार्ग. फा.	चै.श्रा.का.पौ.	आषा.अश्वि., भाद्र, माघ
लग्न के अनुसार	2, 5, 8, 11	3, 6, 9, 12	1, 4, 7, 10
मूल निवास स्थान	पाताल	भूमि	स्वर्ग
फल	शुभ	कुलनाश	शुभ

मूल – आश्लेषा चरण – फल

मूल चरण-फल		आश्लेषा चरण-फल		समय-फल	
1	पितृनाश	1	शांति से शुभ	दिन में	पिता को भय
2	मातृनाश	2	धन नाश	सन्ध्या में	स्वशरीर भय
3	धननाश	3	मातृनाश	रात्रि में	माता को भय
4	शान्ति से शुभ	4	पितृनाश		

मूलजन्म में वृक्ष विभाग

विभाग	मूल	स्तम्भ	त्वचा	शाखा	पत्र	पुष्प	फल	शिखा
घटी	7	8	10	11	12	5	4	3
फल	मूल नाश	वंशनाश	मातृक्लेश	मातुल-कष्ट	मन्त्री पद	मन्त्री पद	प्रचुर लाभ	अल्पायु

मूल – पुरुष – चक्र

विभाग	शिर	मुख	कन्धा	बाहु	हाथ	हृदय	नाभि	गुप्तांग	जानु	पैर
घटी	5	7	4	8	3	9	2	10	6	6
फल	राजा	पितृ-नाश	वली	वली	दानी	मन्त्री	तानी	कामी	बुद्धि-मान	बुद्धि-मान

मूल – कन्या – चक्र

विभाग	शिर	मुख	कण्ठ	हृदय	भुजा	हाथ	गुप्तांग	जंघा	जानु	पैर
घटी	4	6	5	5	5	8	9	4	4	10
फल	पशु नाश	धन नाश	धन लाभ	कुटिला	धन-लाभ	दया-वती	कामिनी	मातृ-नाश	भ्रातृ-नाश	विधवा

आश्लेषा – चक्र

विभाग	शिर	मुख	कण्ठ	हृदय	भुजा	हाथ	गुप्तांग	जंघा	जानु	पैर
घटी	5	7	2	4	4	8	1	6	7	7
फल	पुत्रादि	पितृ-नाश	स्त्री-नाशं	स्त्री-लाभ	गुरु भय	वली	आत्महा	भ्रम	तपस्वी हानि	धन

आश्लेषा – पुरुष – चक्र

विभाग	फल	पुष्प	पत्ता	शाखा	त्वचा	लता	स्कन्ध
घटी	1	5	9	7	13	12	4
फल	धन	धन	राजभय	हानि	मानहानि	पितृहानि	अल्पायु

अभुक्त मूल – विचार

ज्येष्ठा नक्षत्र के अन्त की 4 घटी मतान्तर से 1 घटी और मूल नक्षत्र के प्रारम्भ की 4 घटी मतानन्तर से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इस समय में कदाचित् बालक का जन्म हो, तो बालक के पिता को 8 वर्ष तक मतान्तर से 6 मास तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। इसकी शान्ति के लिए रुद्रार्चन अभिषेक एवं महामृत्युञ्जय की विधि सहित अभुक्त मूल शान्ति कर शुभ मुहूर्त्त में बालक का मुख देखना चाहिए।

अश्विनीपाद फलम्– 1 में पाद में पितृकष्ट, 2 पाद में सुख सम्पद, 3 या में मन्त्रिसम, 4र्थ में राजा तुल्य होता है। **रेवती पाद फलम्**– 1 में राजा तुल्य, 2य में मन्त्रितुल्य, 3य में सुखसम्पद, 4र्थ में पितृकष्ट। **मघा पाद फलम्**– प्रथम में मातृ कष्ट, 2य में पितृ कष्ट, 3य में सौख्य प्राप्ति, 4र्थ में धनमान विद्याप्राप्ति। **ज्येष्ठा पाद फलम्**– प्रथम में ज्येष्ठ भातृ कष्ट, 2य में अनुज क्लेश, 3य में मातृ कष्ट, 4र्थ में पितृकष्ट।

विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरली) गिरने का फल एवं उपचार

शरीर पर पल्ली (छिपकली/किरली) गिरने पर उस समय जो वस्त्र पहने हों उन वस्त्रों सहित स्नान करना चाहिए। जन्म नक्षत्र, दग्धा-तिथि, मृत्युयोग, पापग्रहयुक्त लग्न एवं अष्टम चन्द्रमा में पल्ली पतन अरिष्ट फलदायक होता है, अतः उसकी शान्ति के लिए पञ्चगव्य से स्नान कर छायापात्रदान, महामृत्युञ्य का जप, होमादि करना श्रेयस्कर होता है।

पल्ली-पतन के शुभ तिथि, वार एवं नक्षत्र :- छिपकली के 1, 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12, 13 इन तिथियों, सोम, बुध, गुरू, शुक्र इन वारों तथा अश्वि., रोहि., पुन., पुष्य, उ.फा., हस्त, चित्रा, स्वा., अनु., धनि., शत., इन नक्षत्रों में गिरने पर शुभ फलदायक है। इनके अतिरिक्त तिथि, वार एवं नक्षत्रों में गिरने पर अशुभफलदायक है।

अंग विभागवश पल्ली-पतनफल जानने के लिए चक्र

अंग	फल	अंग	फल	अंग	फल	अंग	फल
मस्तक	राज्यलाभ	कण्ठ	शत्रुनाश	पृष्ठ मध्य	झगड़ा-झंझट	कटिप्रदेश	रोग-भय
कपाल	ऐश्वर्य प्राप्ति	दक्षिण-भुज	मान-सम्मान	दक्षिण-पृष्ठ	सुखलाभ	दक्षिण जंघा	धन-हानि
नासिकाग्र	व्याधि	वाम-भुज	राज-भय	वाम-पृष्ठ	रोग-भय	वाम जंघा	पुत्र-लाभ
मुख-प्रदेश	मिष्ठान-भोजन	दक्षिण-स्कन्ध	सफलता	दक्षिण-हस्त	धन-लाभ	गुदा	रोग-भय
दक्षिण-कर्ण	आयु-वृद्धि	वाम-स्कन्ध	शत्रुभय	वाम-हस्त	धन-हानि	गुप्तांग	मित्र-प्राप्ति
वाम-कर्ण	भूषण लाभ	स्तर-प्रदेश	दौर्भाग्य	नाभि-प्रदेश	पुत्र-प्राप्ति	दक्षिण-पाद	यात्रा
				हृदय	यश-प्राप्ति	वाम-पाद	रोग भय

अंग स्फुरण फल :- शकुन की दृष्टि से शरीर के किसी भी भाग में अचानक स्फुरण हो जाता है। यह स्फुरण यदि निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायु विकार से सम्बन्धित होता है। वह स्फुरण निष्फल होता है।

यदि क्षणिक अंग- स्फुरण हो, तो वह शुभाशुभ फल बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामांग एवं पुरुष का दक्षिणांग स्फुरण शुभ माना गया है। विस्तृत फल निम्न प्रकार ज्ञात करें।

अंग स्फुरण फल जानने के लिए चक्र

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक (सिर)	भूमिलाभ	भृकुटि	धन प्राप्ति	कण्ठ	भूषण प्राप्ति	पृष्ठ	पराजय	बाहू-प्रदेश	प्रिय-प्राप्ति
ललाट	स्थान लाभ	नासिका	सुगन्ध लाभ	ग्रीवा	शत्रु भय	नाभि	स्त्रीनाश	गुप्तांग	प्रिय-प्राप्ति
नेत्र	प्रियदर्शनलाभ	दक्षिण कण	आयु-वृद्धि	स्कन्ध	मित्र-समागम	कुक्षि	सुप्रीति	जंघा	हानिप्रद
कपोल	स्त्री सुख	वाम-कण	भूषण लाभ	वक्षः स्थल	विजय	कटि प्रदेश	प्रिय-प्राप्ति	घटना	शत्रुसन्धि
भ्रुमध्य	सुख-प्राप्ति	अधर	प्रिय प्राप्ति	हृदय	इष्ट सिद्धि	हरत	धन-प्राप्ति	पाद	स्थान-प्राप्ति

छींक (छिक्का) विचार :-

कोई शुभ कार्य प्रारम्भ करते समय अथवा यात्रा करते समय छींक आने पर अपशकुन माना जाता है। इसका विचार भारत वर्ष में प्रायः सभी प्रदेशों में होता है इसके विषय में अनेक लोकोक्ति अथवा घाघ, भड्डली इत्यादि की किवदन्तियाँ मुहावरों के रूप में प्रचलित हैं।

संकेत में सारांश यह है कि सूँघने आदि पदार्थों के द्वारा ली गई बनावटी छींक निष्फल होती है। पीछे की छींक कुशलक्षेमकारक है। बाईं ओर की छींक सभी कार्य को सिद्ध करने वाली, सामने की छींक लड़ाई कराने वाली, दाहिनी ओर की छींक धन-नाश करने वाली, ऊँची छींक विजय देने वाली, नीची छींक भय करने वाली तथा अपनी छींक बहुत दुःख देने वाली होती है। कन्या, विधवा, मालिन, धोबिन, रजस्वला, वैश्या की छींक बहुत अशुभफल देने वाली होती है। यदि भोजन के अन्त में छींक आए तो दूसरे दिन प्रिय भोजन प्राप्त होता है।

स्नश्रयावन्दनादि, शयन के समय, शौच के समय, दानकाल, भोजन के समय, बाईं ओर तथा पीछे की छींक शुभफल करने वाली होती है। छींक के विषय में अनेक किंवदन्तियाँ प्रचलित हैं, उनमें से प्रचलित उक्ति यहाँ दी जा रही हैं-

(छींकत न्हइयै छींकत खइयै, छींकत जइयै सोय। छींकत पर घर कबहूँ न जइयै सब सोने की होय। एक नाक दो छींका। इनसे सगुन हात है नीका।।)

दैनिक लग्न सारणी जनवरी भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

जनवरी	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	बृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	8:12:09	9:53:32	11:19:40	12:43:08	14:16:57	16:11:36	18:26:25	20:47:50	23:06:34	1:28:13	3:48:57	6:08:16
2	8:08:13	9:49:36	11:15:44	12:39:12	14:13:01	16:07:41	18:22:29	20:43:54	23:02:38	1:24:17	3:45:01	6:04:20
3	8:04:17	9:45:40	11:11:48	12:35:17	14:09:05	16:03:45	18:18:33	20:39:59	22:58:42	1:20:21	3:41:06	6:00:25
4	8:00:21	9:41:44	11:07:52	12:31:21	14:05:09	15:59:49	18:14:37	20:36:03	22:54:46	1:16:26	3:37:10	5:56:29
5	7:56:25	9:37:49	11:03:56	12:27:25	14:01:13	15:55:53	18:10:41	20:32:07	22:50:50	1:12:30	3:33:14	5:52:33
6	7:52:30	9:33:53	11:00:00	12:23:29	13:57:17	15:51:57	18:06:45	20:28:11	22:46:54	1:08:34	3:29:18	5:48:37
7	7:48:34	9:29:57	10:56:04	12:19:33	13:53:21	15:48:01	18:02:49	20:24:15	22:42:59	1:04:38	3:25:22	5:44:41
8	7:44:38	9:26:01	10:52:09	12:15:37	13:49:25	15:44:05	17:58:53	20:20:19	22:39:03	1:00:42	3:21:26	5:40:45
9	7:40:42	9:22:05	10:48:13	12:11:41	13:45:30	15:40:09	17:54:58	20:16:23	22:35:07	0:56:46	3:17:30	5:36:49
10	7:36:46	9:18:09	10:44:17	12:07:45	13:41:34	15:36:13	17:51:02	20:12:27	22:31:11	0:52:50	3:13:34	5:32:53
11	7:32:50	9:14:13	10:40:21	12:03:49	13:37:38	15:32:17	17:47:06	20:08:31	22:27:15	0:48:54	3:09:38	5:28:57
12	7:28:54	9:10:17	10:36:25	11:59:53	13:33:42	15:28:22	17:43:10	20:04:36	22:23:19	0:44:58	3:05:43	5:25:01
13	7:24:58	9:06:21	10:32:29	11:55:58	13:29:46	15:24:26	17:39:14	20:00:40	22:19:23	0:41:03	3:01:47	5:21:06
14	7:21:02	9:02:25	10:28:33	11:52:02	13:25:50	15:20:30	17:35:18	19:56:44	22:15:27	0:37:07	2:57:51	5:17:10
15	7:17:06	8:58:30	10:24:37	11:48:06	13:21:54	15:16:34	17:31:22	19:52:48	22:11:31	0:33:11	2:53:55	5:13:14
16	7:13:11	8:54:34	10:20:41	11:44:10	13:17:58	15:12:38	17:27:26	19:48:52	22:07:35	0:29:15	2:49:59	5:09:18
17	7:09:15	8:50:38	10:16:45	11:40:14	13:14:02	15:08:42	17:23:30	19:44:56	22:03:40	0:25:19	2:46:03	5:05:22
18	7:05:19	8:46:42	10:12:50	11:36:18	13:10:06	15:04:46	17:19:34	19:41:00	21:59:44	0:21:23	2:42:07	5:01:26
19	7:01:23	8:42:46	10:08:54	11:32:22	13:06:11	15:00:50	17:15:39	19:37:04	21:55:48	0:13:31	2:38:11	4:57:30
20	6:57:27	8:38:50	10:04:58	11:28:26	13:02:15	14:56:54	17:11:43	19:33:08	21:51:52	0:09:35	2:34:15	4:53:34
21	6:53:31	8:34:54	10:01:02	11:24:30	12:58:19	14:52:59	17:07:47	19:29:12	21:47:56	0:05:39	2:30:19	4:49:38
22	6:49:35	8:30:58	9:57:06	11:20:34	12:54:23	14:49:03	17:03:51	19:25:17	21:44:00	0:01:44	2:26:24	4:45:43
23	6:45:39	8:27:02	9:53:10	11:16:39	12:50:27	14:45:07	16:59:55	19:21:21	21:40:04	23:57:48	2:22:28	4:41:47
24	6:41:43	8:23:06	9:49:14	11:12:43	12:46:31	14:41:11	16:55:59	19:17:25	21:36:08	23:53:52	2:18:32	4:37:51
25	6:37:47	8:19:11	9:45:18	11:08:47	12:42:35	14:37:15	16:52:03	19:13:29	21:32:12	23:49:56	2:14:36	4:33:55
26	6:33:52	8:15:15	9:41:22	11:04:51	12:38:39	14:33:19	16:48:07	19:09:33	21:28:16	23:46:00	2:10:40	4:29:59
27	6:29:56	8:11:19	9:37:26	11:00:55	12:34:43	14:29:23	16:44:11	19:05:37	21:24:21	23:42:04	2:06:44	4:26:03
28	6:26:00	8:07:23	9:33:31	10:56:59	12:30:47	14:25:27	16:40:16	19:01:41	21:20:25	23:38:08	2:02:48	4:22:07
29	6:22:04	8:03:27	9:29:35	10:53:03	12:26:52	14:21:31	16:36:20	18:57:45	21:16:29	23:34:12	1:58:52	4:18:11
30	6:18:08	7:59:31	9:25:39	10:49:07	12:22:56	14:17:35	16:32:24	18:53:49	21:12:33	23:30:16	1:54:56	4:14:15
31	6:14:12	7:55:35	9:21:43	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	21:08:37	23:26:20	1:51:01	4:10:19

दैनिक लग्न सारणी फरवरी भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

फरवरी	मकर	कुम्भ	मीन	मेर्ष	बृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
ता.	घ. मि. सै.	घ. नि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	7:51:39	9:17:47	10:41:15	12:15:04	14:09:44	16:24:32	18:45:58	21:04:41	23:22:25	1:47:05	4:06:24	6:10:16
2	7:47:43	9:13:51	10:37:20	12:11:08	14:05:48	16:20:36	18:42:02	21:00:45	23:18:29	1:43:09	4:02:28	6:06:20
3	7:43:47	9:09:55	10:33:24	12:07:12	14:01:52	16:16:40	18:38:06	20:56:49	23:14:33	1:39:13	3:58:32	6:02:24
4	7:39:52	9:05:59	10:29:28	12:03:16	13:57:56	16:12:44	18:34:10	20:52:53	23:10:37	1:35:17	3:54:36	5:58:28
5	7:35:56	9:02:03	10:25:32	11:59:20	13:54:00	16:08:48	18:30:14	20:48:58	23:06:41	1:31:21	3:50:40	5:54:33
6	7:32:00	8:58:07	10:21:36	11:55:24	13:50:04	16:04:52	18:26:18	20:45:02	23:02:45	1:27:25	3:46:44	5:50:37
7	7:28:04	8:54:12	10:17:40	11:51:28	13:46:08	16:00:57	18:22:22	20:41:06	22:58:49	1:23:29	3:42:48	5:46:41
8	7:24:08	8:50:16	10:13:44	11:47:33	13:42:12	15:57:01	18:18:26	20:37:10	22:54:53	1:19:33	3:38:52	5:42:45
9	7:20:12	8:46:20	10:09:48	11:43:37	13:38:16	15:53:05	18:14:30	20:33:14	22:50:57	1:15:37	3:34:56	5:38:49
10	7:16:16	8:42:24	10:05:52	11:39:41	13:34:21	15:49:09	18:10:35	20:29:18	22:47:01	1:11:42	3:31:00	5:34:53
11	7:12:20	8:38:28	10:01:56	11:35:45	13:30:25	15:45:13	18:06:39	20:25:22	22:43:06	1:07:46	3:27:05	5:30:57
12	7:08:24	8:34:32	9:58:00	11:31:49	13:26:29	15:41:17	18:02:43	20:21:26	22:39:10	1:03:50	3:23:09	5:27:01
13	7:04:28	8:30:36	9:54:05	11:27:53	13:22:33	15:37:21	17:58:47	20:17:30	22:35:14	0:59:54	3:19:13	5:23:05
14	7:00:32	8:26:40	9:50:09	11:23:57	13:18:37	15:33:25	17:54:51	20:13:34	22:31:18	0:55:58	3:15:17	5:19:09
15	6:56:37	8:22:44	9:46:13	11:20:01	13:14:41	15:29:29	17:50:55	20:09:39	22:27:22	0:52:02	3:11:21	5:15:14
16	6:52:41	8:18:48	9:42:17	11:16:05	13:10:45	15:25:33	17:46:59	20:05:43	22:23:26	0:48:06	3:07:25	5:11:18
17	6:48:45	8:14:53	9:38:21	11:12:09	13:06:49	15:21:38	17:43:03	20:01:47	22:19:30	0:44:10	3:03:29	5:07:22
18	6:44:49	8:10:57	9:34:25	11:08:14	13:02:53	15:17:42	17:39:07	19:57:51	22:15:34	0:40:14	2:59:33	5:03:26
19	6:40:53	8:07:01	9:30:29	11:04:18	12:58:57	15:13:46	17:35:11	19:53:55	22:11:38	0:36:18	2:55:37	4:59:30
20	6:36:57	8:03:05	9:26:33	11:00:22	12:55:02	15:09:50	17:31:16	19:49:59	22:07:43	0:32:23	2:51:41	4:55:34
21	6:33:01	7:59:09	9:22:37	10:56:26	12:51:06	15:05:54	17:27:20	19:46:03	22:03:47	0:28:27	2:47:46	4:51:38
22	6:29:05	7:55:13	9:18:41	10:52:30	12:47:10	15:01:58	17:23:24	19:42:07	21:59:51	0:24:31	2:43:50	4:47:42
23	6:25:09	7:51:17	9:14:46	10:48:34	12:43:14	14:58:02	17:19:28	19:38:11	21:55:55	0:16:39	2:39:54	4:43:46
24	6:21:13	7:47:21	9:10:50	10:44:38	12:39:18	14:54:06	17:15:32	19:34:15	21:51:59	0:12:43	2:35:58	4:39:50
25	6:17:18	7:43:25	9:06:54	10:40:42	12:35:22	14:50:10	17:11:36	19:30:20	21:48:03	0:08:47	2:32:02	4:35:55
26	6:13:22	7:39:29	9:02:58	10:36:46	12:31:26	14:46:14	17:07:40	19:26:24	21:44:07	0:04:51	2:28:06	4:31:59
27	6:09:26	7:35:33	8:59:02	10:32:50	12:27:30	14:42:19	17:03:44	19:22:28	21:40:11	0:00:55	2:24:10	4:28:03
28	6:05:30	7:31:38	8:55:06	10:28:54	12:23:34	14:38:23	16:59:48	19:18:32	21:36:15	23:56:59	2:20:14	4:24:07
29	6:01:34	7:27:42	8:51:10	10:24:59	12:19:38	14:34:27	16:55:52	19:14:36	21:32:19	23:53:04	2:16:18	4:20:11

दैनिक लग्न सारणी मार्च भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

मार्च	कुम्भ	मीन	मेष	बृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	7:23:46	8:47:14	10:21:03	12:15:43	14:30:31	16:51:57	19:10:40	21:28:24	23:49:08	2:12:22	4:16:15	5:57:38
2	7:19:50	8:43:18	10:17:07	12:11:47	14:26:35	16:48:01	19:06:44	21:24:28	23:45:12	2:08:27	4:12:19	5:53:42
3	7:15:54	8:39:22	10:13:11	12:07:51	14:22:39	16:44:05	19:02:48	21:20:32	23:41:16	2:04:31	4:08:23	5:49:46
4	7:11:58	8:35:27	10:09:15	12:03:55	14:18:43	16:40:09	18:58:52	21:16:36	23:37:20	2:00:35	4:04:27	5:45:50
5	7:08:02	8:31:31	10:05:19	11:59:59	14:14:47	16:36:13	18:54:56	21:12:40	23:33:24	1:56:39	4:00:31	5:41:54
6	7:04:06	8:27:35	10:01:23	11:56:03	14:10:51	16:32:17	18:51:01	21:08:44	23:29:28	1:52:43	3:56:36	5:37:59
7	7:00:10	8:23:39	9:57:27	11:52:07	14:06:55	16:28:21	18:47:05	21:04:48	23:25:32	1:48:47	3:52:40	5:34:03
8	6:56:14	8:19:43	9:53:31	11:48:11	14:03:00	16:24:25	18:43:09	21:00:52	23:21:36	1:44:51	3:48:44	5:30:07
9	6:52:19	8:15:47	9:49:35	11:44:15	13:59:04	16:20:29	18:39:13	20:56:56	23:17:40	1:40:55	3:44:48	5:26:11
10	6:48:23	8:11:51	9:45:40	11:40:19	13:55:08	16:16:33	18:35:17	20:53:00	23:13:45	1:36:59	3:40:52	5:22:15
11	6:44:27	8:07:55	9:41:44	11:36:23	13:51:12	16:12:38	18:31:21	20:49:04	23:09:49	1:33:03	3:36:56	5:18:19
12	6:40:31	8:03:59	9:37:48	11:32:28	13:47:16	16:08:42	18:27:25	20:45:09	23:05:53	1:29:08	3:33:00	5:14:23
13	6:36:35	8:00:03	9:33:52	11:28:32	13:43:20	16:04:46	18:23:29	20:41:13	23:01:57	1:25:12	3:29:04	5:10:27
14	6:32:39	7:56:07	9:29:56	11:24:36	13:39:24	16:00:50	18:19:33	20:37:17	22:58:01	1:21:16	3:25:08	5:06:31
15	6:28:43	7:52:12	9:26:00	11:20:40	13:35:28	15:56:54	18:15:37	20:33:21	22:54:05	1:17:20	3:21:12	5:02:35
16	6:24:47	7:48:16	9:22:04	11:16:44	13:31:32	15:52:58	18:11:42	20:29:25	22:50:09	1:13:24	3:17:17	4:58:40
17	6:20:51	7:44:20	9:18:08	11:12:48	13:27:36	15:49:02	18:07:46	20:25:29	22:46:13	1:09:28	3:13:21	4:54:44
18	6:16:55	7:40:24	9:14:12	11:08:52	13:23:41	15:45:06	18:03:50	20:21:33	22:42:17	1:05:32	3:09:25	4:50:48
19	6:12:59	7:36:28	9:10:16	11:04:56	13:19:45	15:41:10	17:59:54	20:17:37	22:38:21	1:01:36	3:05:29	4:46:52
20	6:09:04	7:32:32	9:06:21	11:01:00	13:15:49	15:37:14	17:55:58	20:13:41	22:34:26	0:57:40	3:01:33	4:42:56
21	6:05:08	7:28:36	9:02:25	10:57:04	13:11:53	15:33:19	17:52:02	20:09:45	22:30:30	0:53:44	2:57:37	4:39:00
22	6:01:12	7:24:40	8:58:29	10:53:09	13:07:57	15:29:23	17:48:06	20:05:50	22:26:34	0:49:49	2:53:41	4:35:04
23	5:57:16	7:20:44	8:54:33	10:49:13	13:04:01	15:25:27	17:44:10	20:01:54	22:22:38	0:45:53	2:49:45	4:31:08
24	5:53:20	7:16:48	8:50:37	10:45:17	13:00:05	15:21:31	17:40:14	19:57:58	22:18:42	0:41:57	2:45:49	4:27:12
25	5:49:24	7:12:53	8:46:41	10:41:21	12:56:09	15:17:35	17:36:18	19:54:02	22:14:46	0:38:01	2:41:53	4:23:16
26	5:45:28	7:08:57	8:42:45	10:37:25	12:52:13	15:13:39	17:32:22	19:50:06	22:10:50	0:34:05	2:37:57	4:19:20
27	5:41:32	7:05:01	8:38:49	10:33:29	12:48:17	15:09:43	17:28:27	19:46:10	22:06:54	0:30:09	2:34:02	4:15:25
28	5:37:36	7:01:05	8:34:53	10:29:33	12:44:22	15:05:47	17:24:31	19:42:14	22:02:58	0:26:13	2:30:06	4:11:29
29	5:33:40	6:57:09	8:30:57	10:25:37	12:40:26	15:01:51	17:20:35	19:38:18	21:59:02	0:22:17	2:26:10	4:07:33
30	5:29:45	6:53:13	8:27:01	10:21:41	12:36:30	14:57:55	17:16:39	19:34:22	21:55:07	0:14:25	2:22:14	4:03:37
31	5:25:49	6:49:17	8:23:06	10:17:45	12:32:34	14:54:00	17:12:43	19:30:26	21:51:11	0:10:30	2:18:18	3:59:41

दैनिक लग्न सारणी (अप्रैल) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

अप्रैल	मीन	मेष	बृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:45:21	8:19:10	10:13:50	12:28:38	14:50:04	17:08:47	19:26:31	21:47:15	0:06:34	2:14:22	3:55:45	5:21:53
2	6:41:25	8:15:14	10:09:54	12:24:42	14:46:08	17:04:51	19:22:35	21:43:19	0:02:38	2:10:26	3:51:49	5:17:57
3	6:37:19	8:11:18	10:05:58	12:20:46	14:42:12	17:00:55	19:18:39	21:39:23	23:58:42	2:06:30	3:17:13	5:14:01
4	6:33:33	8:07:22	10:02:02	12:16:50	14:38:16	16:56:59	19:14:43	21:35:27	23:54:46	2:02:34	3:43:57	5:10:05
5	6:29:38	8:03:26	9:58:06	12:12:54	14:34:20	16:53:03	19:10:47	21:31:31	23:50.50	1:58:38	3:40:01	5:06:09
6	6:25:42	7:59:30	9:54:10	12:08:58	14:30:24	16:49:08	19:06:51	21:27:35	23:46:54	1:54:43	3:36:06	5:02:13
7	6:21:46	7:55:34	9:50:14	12:05:03	14:26:28	16:45:12	19:02:55	21:23:39	23:42:58	1:50:47	3:32:10	4:58:17
8	6:17:50	7:51:38	9:46:18	12:01:07	14:22:32	16:41:16	18:58:59	21:19:43	23:39:02	1:46:51	3:28:14	4:54:21
9	6:13:54	7:47:42	9:42:22	11:57:11	14:18:36	16:37:20	18:55:03	21:15:48	23:35:06	1:42:55	3:24:18	4:50:25
10	6:09:58	7:43:47	9:38:26	11:53:15	14:14:41	16:33:24	18:51:07	21:11:52	23:31:11	1:38:59	3:20:22	4:46:30
11	6:06:02	7:39:51	9:34:31	11:49:19	14:10:45	16:29:28	18:47:12	21:07:56	23:27:15	1:35:03	3:16:26	4:42:34
12	6:02:06	7:35:55	9:30:35	11:45:23	14:06:49	16:25:32	18:43:16	21:04:00	23:23:19	1:31:07	3:12:30	4:38:38
13	5:58:10	7:31:59	9:26:39	11:41:27	14:02:53	16:21:36	18:39:20	21:00:04	23:19:23	1:27:11	3:08:34	4:34:42
14	5:54:14	7:28:03	9:22:43	11:37:31	13:58:57	16:17:40	18:35:24	20:56:08	23:15:27	1:23:15	3:04:38	4:30:46
15	5:50:19	7:24:07	9:18:47	11:33:35	13:51:01	16:13:44	18:31:28	20:52:12	23:11:31	1:19:19	3:00:42	4:26:50
16	5:46:23	7:21:11	9:14:51	11:29:39	13:51:05	16:09:49	18:27:32	20:48:16	23:07:35	1:15:24	2:56:46	4:22:54
17	5:42:27	7:16:15	9:10:55	11:25:44	13:47:09	16:05:53	18:23:36	20:44:20	23:03:39	1:11:28	2:52:51	4:18:58
18	5:38:31	7:12:19	9:06:59	11:21:48	13:43:13	16:01:57	18:19:40	20:40:24	22:59:43	1:07:32	2:48:55	4:15:02
19	5:34:35	7:08:23	9:03:03	11:17:52	13:39:17	15:58:01	18:15:44	20:36:28	22:55:47	1:03:36	2:44:59	4:11:06
20	5:30:39	7:04:28	8:59:07	11:13:56	13:35:22	15:54:05	18:11:48	20:32:33	22:51:51	0:59:40	2:41:03	4:07:11
21	5:26:43	7:00:32	8:55:12	11:10:00	13:31:26	15:50:09	18:07:53	20:28:37	22:47:56	0:55:44	2:37:07	4:03:15
22	5:22:47	6:56:36	8:51:16	11:06:04	13:27:30	15:46:13	18:03:57	20:24:41	22:44:00	0:51:48	2:33:11	3:59:19
23	5:18:51	6:52:40	8:47:20	11:02:08	13:23:34	15:42:17	18:00:01	20:20:45	22:40:04	0:47:52	2:29:15	3:55:23
24	5:14:55	6:48:44	8:43:24	10:58:12	13:19:38	15:38:21	17:56:05	20:16:49	22:36:08	0:43:56	2:25:19	3:51:27
25	5:11:00	6:44:48	8:39:28	10:54:16	13:15:42	15:34:26	17:52:09	20:12:53	22:32:12	0:40:00	2:21:23	3:47:31
26	5:07:04	6:40:52	8:35:32	10:50:20	13:11:46	15:30:30	17:48:13	20:08:57	22:28:16	0:36:04	2:17:27	3:43:35
27	5:03:08	6:36:56	8:31:36	10:46:25	13:07:50	15:26:34	17:44:17	20:05:01	22:24:20	0:32:09	2:13:32	3:39:39
28	4:59:12	6:33:00	8:27:40	10:42:29	13:03:54	15:22:38	17:40:21	20:01:05	22:20:24	0:28:13	2:09:36	3:35:43
29	4:55:16	6:29:04	8:23:44	10:38:33	12:59:58	15:18:42	17:36:25	19:57:10	22:16:28	0:24:17	2:05:40	3:31:47
30	4:51:20	6:25:09	8:19:48	10:34:37	12:56:03	15:14:46	17:32:29	19:53:14	22:12:33	0:20:21	2:01:44	3:27:52

दैनिक लग्न सारणी मई भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

मई	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:21:13	8:15:53	10:30:41	12:52:07	15:10:50	17:28:34	19:49:18	22:08:37	0:12:29	1:57:48	3:23:56	4:47:24
2	6:17:17	8:11:57	10:26:45	12:48:11	15:06:54	17:24:38	19:45:22	22:04:41	0:08:33	1:53:52	3:20:00	4:43:28
3	6:13:21	8:08:01	10:22:49	12:44:15	15:02:58	17:20:42	19:41:26	22:00:45	0:04:37	1:49:56	3:16:04	4:39:32
4	6:09:25	8:04:05	10:18:53	12:40:19	14:59:02	17:16:46	19:37:30	21:56:49	0:00:41	1:46:00	3:12:08	4:35:36
5	6:05:29	8:00:09	10:14:57	12:36:23	14:55:06	17:12:50	19:33:34	21:52:53	23:56:45	1:42:04	3:08:12	4:31:40
6	6:01:33	7:56:13	10:11:01	12:32:27	14:51:11	17:08:54	19:29:38	21:48:57	23:52:50	1:38:08	3:04:16	4:27:45
7	5:57:37	7:52:17	10:07:06	12:28:31	14:47:15	17:04:58	19:25:42	21:45:01	23:48:54	1:34:13	3:00:20	4:23:49
8	5:53:41	7:48:21	10:03:10	12:24:35	14:43:19	17:01:02	19:21:46	21:41:05	23:44:58	1:30:17	2:56:24	4:19:53
9	5:49:45	7:44:25	9:59:14	12:20:39	14:39:23	16:57:06	19:17:51	21:37:09	23:41:02	1:26:21	2:52:28	4:15:57
10	5:45:50	7:40:29	9:55:18	12:16:44	14:35:27	16:53:11	19:13:55	21:33:14	23:37:06	1:22:25	2:48:33	4:12:01
11	5:41:54	7:36:34	9:51:22	12:12:48	14:31:31	16:49:15	19:09:59	21:29:18	23:33:10	1:18:29	2:44:37	4:08:05
12	5:37:58	7:32:38	9:47:26	12:08:52	14:27:35	16:45:19	19:06:03	21:25:22	23:29:14	1:14:33	2:40:41	4:04:09
13	5:34:02	7:28:42	9:43:30	12:04:56	14:23:39	16:41:23	19:02:07	21:21:26	23:25:18	1:10:37	2:36:45	4:00:13
14	5:30:06	7:24:46	9:39:34	12:01:00	14:19:43	16:37:27	18:58:11	21:17:30	23:21:22	1:06:41	2:32:49	3:56:17
15	5:26:10	7:20:50	9:35:38	11:57:04	14:15:48	16:33:31	18:54:15	21:13:34	23:17:26	1:02:45	2:28:53	3:52:21
16	5:22:14	7:16:54	9:31:42	11:53:08	14:11:52	16:29:35	18:50:19	21:09:38	23:13:31	0:58:49	2:24:57	3:48:26
17	5:18:18	7:12:58	9:27:47	11:49:12	14:07:56	16:25:39	18:46:23	21:05:42	23:09:35	0:54:54	2:21:01	3:44:30
18	5:14:22	7:09:02	9:23:51	11:45:16	14:04:00	16:21:43	18:42:27	21:01:46	23:05:39	0:50:58	2:17:05	3:40:34
19	5:10:26	7:05:06	9:19:55	11:41:21	14:00:04	16:17:47	18:38:32	20:57:50	23:01:43	0:47:02	2:13:09	3:36:38
20	5:06:30	7:01:10	9:15:59	11:37:25	13:56:08	16:13:52	18:34:36	20:53:55	22:57:47	0:43:06	2:09:13	3:32:42
21	5:02:35	6:57:15	9:12:03	11:33:29	13:52:12	16:09:56	18:30:40	20:49:59	22:53:51	0:39:10	2:05:18	3:28:46
22	4:58:39	6:53:19	9:08:07	11:29:33	13:48:16	16:06:00	18:26:44	20:46:03	22:49:55	0:35:14	2:01:22	3:24:50
23	4:54:43	06:49.23	9:04:11	11:25:37	13:44:20	16:02:04	18:22:48	20:42:07	22:45:59	0:31:18	1:57:26	3:20:54
24	4:50:47	6:45:27	9:00:15	11:21:41	13:40:24	15:58:08	18:18:52	20:38:11	22:42:03	0:27:22	1:53:30	3:16:58
25	4:46:51	6:41:31	8:56:19	11:17:45	13:36:29	15:54:12	18:14:56	20:34:15	22:38:07	0:23:26	1:49:34	3:13:02
26	4:42:55	6:37:35	8:52:24	11:13:49	13:32:33	15:50:16	18:11:00	20:30:19	22:34:12	0:19:30	1:45:38	3:09:07
27	4:38:59	6:33:39	8:48:28	11:09:53	13:28:37	15:46:20	18:07:04	20:16:23	22:30:16	0:11:39	1:41:42	3:05:11
28	4:35:03	6:29:43	8:44:32	11:05:57	13:24:41	15:42:24	18:03:09	20:22:27	22:26:20	0:07:43	1:37:46	3:01:15
29	4:31:07	6:25:47	8:40:36	11:02:02	13:20:45	15:38:28	17:59:13	20:18:31	22:22:24	0:03:47	1:33:50	2:57:19
30	4:27:11	6:21:51	8:36:40	10:58:06	13:16:49	15:34:33	17:55:17	20:14:36	22:18:28	23:59:51	1:29:54	2:53:23
31	4:23:16	6:17:56	8:32:44	10:54:10	13:12:53	15:30:37	17:51:21	20:10:40	22:14:32	23:55:55	1:25:59	2:49:27

दैनिक लग्न सारणी जून भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

जून	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. सै.	घ. मि. से.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:14:00	8:28:48	10:50:14	13:08:57	15:26:41	17:47:25	20:06:44	22:10:36	23:51:59	1:22:03	2:45:31	4:19:20
2	6:10:04	8:24:52	10:46:18	13:05:01	15:22:45	17:43:29	20:02:48	22:06:40	23:48:03	1:18:07	2:41:35	4:15:24
3	6:06:08	8:20:56	10:42:22	13:01:05	15:18:49	17:39:33	19:58:52	22:02:44	23:44:07	1:14:11	2:37:39	4:11:28
4	6:02:12	8:17:00	10:38:26	12:57:10	15:14:53	17:35:37	19:54:56	21:58:49	23:40:11	1:10:15	2:33:43	4:07:32
5	5:58:16	8:13:05	10:34:30	12:53:14	15:10:57	17:31:41	19:51:00	21:54:53	23:36:16	1:06:19	2:29:48	4:03:36
6	5:54:20	8:09:09	10:30:34	12:49:18	15:07:01	17:27:46	19:47:04	21:50:57	23:32:20	1:02:23	2:25:52	3:59:40
7	5:50:24	8:05:13	10:26:38	12:45:22	15:03:05	17:23:50	19:43:08	21:47:01	23:28:24	0:58:27	2:21:56	3:55:44
8	5:46:28	8:01:17	10:22:43	12:41:26	14:59:10	17:19:54	19:39:13	21:43:05	23:24:28	0:54:31	2:18:00	3:51:48
9	5:42:33	7:57:21	10:18:47	12:37:30	14:55:14	17:15:58	19:35:17	21:39:09	23:20:32	0:50:35	2:14:04	3:47:53
10	5:38:37	7:53:25	10:14:51	12:33:34	14:51:18	17:12:02	19:31:21	21:35:13	23:16:36	0:46:40	2:10:08	3:43:57
11	5:34:41	7:49:29	10:10:55	12:29:38	14:47:22	17:08:06	19:27:25	21:31:17	23:12:40	0:42:44	2:06:12	3:40:01
12	5:30:45	7:45:33	10:06:59	12:25:42	14:43:26	17:04:10	19:23:29	21:27:21	23:08:44	0:38:48	2:02:16	3:36:05
13	5:26:49	7:41:37	10:03:03	12:21:47	14:39:30	17:00:14	19:19:33	21:23:25	23:04:48	0:34:52	1:58:20	3:32:09
14	5:22:53	7:37:42	9:59:07	12:17:51	14:35:34	16:56:18	19:15:37	21:19:30	23:00:52	0:30:56	1:54:24	3:28:13
15	5:18:57	7:33:46	9:55:11	12:13:55	14:31:38	16:52:22	19:11:41	21:15:34	22:56:56	0:27:00	1:50:29	3:24:17
16	5:15:01	7:29:50	9:51:15	12:09:59	14:27:42	16:48:27	19:07:45	21:11:38	22:53:01	0:23:04	1:46:33	3:20:21
17	5:11:05	7:25:54	9:47:20	12:06:03	14:23:46	16:44:31	19:03:49	21:07:42	22:49:05	0:19:08	1:42:37	3:16:25
18	5:07:10	7:21:58	9:43:24	12:02:07	14:19:51	16:40:35	18:59:54	21:03:46	22:45:09	0:11:16	1:38:41	3:12:29
19	5:03:14	7:18:02	9:39:28	11:58:11	14:15:55	16:36:39	18:55:58	20:59:50	22:41:13	0:07:21	1:34:45	3:08:34
20	4:59:18	7:14:06	9:35:32	11:54:15	14:11:59	16:32:43	18:52:02	20:55:54	22:37:17	0:03:25	1:30:49	3:04:38
21	4:55:22	7:10:10	9:31:36	11:50:19	14:08:03	16:28:47	18:48:06	20:51:58	22:33:21	23:59:29	1:26:53	3:00:42
22	4:51:26	7:06:14	9:27:40	11:46:23	14:04:07	16:24:51	18:44:10	20:48:02	22:29:25	23:55:33	1:22:57	2:56:46
23	4:47:30	7:02:18	9:23:44	11:42:28	14:00:11	16:20:55	18:40:14	20:44:06	22:25:29	23:51:37	1:19:01	2:52:50
24	4:43:34	6:58:23	9:19:48	11:38:32	13:56:15	16:16:59	18:36:18	20:40:11	22:21:33	23:47:41	1:15:05	2:48:54
25	4:39:38	6:54:27	9:15:52	11:34:36	13:52:19	16:13:03	18:32:22	20:36:15	22:17:37	23:43:45	1:11:10	2:44:58
26	4:35:42	6:50:31	9:11:56	11:30:40	13:48:23	16:09:08	18:28:26	20:32:19	22:13:42	23:39:49	1:07:14	2:41:02
27	4:31:46	6:46:35	9:08:01	11:26:44	13:44:28	16:05:12	18:24:30	20:28:23	22:09:46	23:35:53	1:03:18	2:37:06
28	4:27:51	6:42:39	9:04:05	11:22:48	13:40:32	16:01:16	18:20:35	20:24:27	22:05:50	23:31:57	0:59:22	2:33:10
29	4:23:55	6:38:43	9:00:09	11:18:52	13:36:36	15:57:20	18:16:39	20:20:31	22:01:54	23:28:02	0:55:26	2:29:15
30	4:19:59	6:34:47	8:56:13	11:14:56	13:32:40	15:53:24	18:12:43	20:16:35	21:57:58	23:24:06	0:51:30	2:25:19

दैनिक लग्न सारणी जुलाई भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

जुलाई	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:30:51	8:52:17	11:11:00	13:28:44	15:49:28	18:08:47	20:12:39	21:54:02	23:20:10	0:47:34	2:21:23	4:16:03
2	6:26:55	8:48:21	11:07:05	13:24:48	15:45:32	18:04:51	20:08:43	21:50:06	23:16:14	0:43:38	2:17:27	4:12:07
3	6:23:00	8:44:25	11:03:09	13:20:52	15:41:36	18:00:55	20:04:47	21:46:10	23:12:18	0:39:42	2:13:31	4:08:11
4	6:19:04	8:40:29	10:59:13	13:16:56	15:37:40	17:56:59	20:00:52	21:42:14	23:08:22	0:35:46	2:09:35	4:04:15
5	6:15:08	8:36:33	10:55:17	13:13:00	15:33:45	17:53:03	19:56:56	21:38:19	23:04:26	0:31:51	2:05:39	4:00:19
6	6:11:12	8:32:38	10:51:21	13:09:04	15:29:49	17:49:07	19:53:00	21:34:23	23:00:30	0:27:55	2:01:43	3:56:23
7	6:07:16	8:28:42	10:47:25	13:05:09	15:25:53	17:45:12	19:49:04	21:30:27	22:56:34	0:23:59	1:57:47	3:52:27
8	6:03:20	8:24:46	10:43:29	13:01:13	15:21:57	17:41:16	19:45:08	21:26:31	22:52:38	0:20:03	1:53:51	3:48:32
9	5:59:24	8:20:50	10:39:33	12:57:17	15:18:01	17:37:20	19:41:12	21:22:35	22:48:43	0:12:11	1:49:56	3:44:36
10	5:55:28	8:16:54	10:35:37	12:53:21	15:14:05	17:33:24	19:37:16	21:18:39	22:44:47	0:08:15	1:46:00	3:40:40
11	5:51:32	8:12:58	10:31:41	12:49:25	15:10:09	17:29:28	19:33:20	21:14:43	22:40:51	0:04:19	1:42:04	3:36:44
12	5:47:36	8:09:02	10:27:46	12:45:29	15:06:13	17:25:32	19:29:24	21:10:47	22:36:55	0:00:23	1:38:08	3:32:48
13	5:43:41	8:05:06	10:23:50	12:41:33	15:02:17	17:21:36	19:25:29	21:06:51	22:32:59	23:56:27	1:34:12	3:28:52
14	5:39:45	8:01:10	10:19:54	12:37:37	14:58:21	17:17:40	19:21:33	21:02:55	22:29:03	23:52:32	1:30:16	3:24:56
15	5:35:49	7:57:15	10:15:58	12:33:41	14:54:26	17:13:44	19:17:37	20:59:00	22:25:07	23:48:36	1:26:20	3:21:00
16	5:31:53	7:53:19	10:12:02	12:29:46	14:50:30	17:09:49	19:13:41	20:55:04	22:21:11	23:44:40	1:22:24	3:17:04
17	5:27:57	7:49:23	10:08:06	12:25:50	14:46:34	17:05:53	19:09:45	20:51:08	22:17:15	23:40:44	1:18:28	3:13:09
18	5:24:01	7:45:27	10:04:10	12:21:54	14:42:38	17:01:57	19:05:49	20:47:12	22:13:19	23:36:48	1:14:32	3:09:13
19	5:20:05	7:41:31	10:00:14	12:17:58	14:38:42	16:58:01	19:01:53	20:43:16	22:09:24	23:32:52	1:10:37	3:05:17
20	5:16:09	7:37:35	9:56:18	12:14:02	14:34:46	16:54:05	18:57:57	20:39:20	22:05:28	23:28:56	1:06:41	3:01:21
21	5:12:13	7:33:39	9:52:23	12:10:06	14:30:50	16:50:09	18:54:01	20:35:24	22:01:32	23:25:00	1:02:45	2:57:25
22	5:08:18	7:29:43	9:48:27	12:06:10	14:26:54	16:46:13	18:50:05	20:31:28	21:57:36	23:21:04	0:58:49	2:53:29
23	5:04:22	7:25:47	9:44:31	12:02:14	14:22:58	16:42:17	18:46:09	20:27:32	21:53:40	23:17:08	0:54:53	2:49:33
24	5:00:26	7:21:51	9:40:35	11:58:18	14:19:02	16:38:21	18:42:14	20:23:36	21:49:44	23:13:13	0:50:57	2:45:37
25	4:56:30	7:17:56	9:36:39	11:54:22	14:15:07	16:34:25	18:38:18	20:19:40	21:45:48	23:09:17	0:47:01	2:41:41
26	4:52:34	7:14:00	9:32:43	11:50:27	14:11:11	16:30:30	18:34:22	20:15:45	21:41:52	23:05:21	0:43:05	2:37:45
27	4:48:38	'7:10:04	9:28:47	11:46:31	14:07:15	16:26:34	18:30:26	20:11:49	21:37:56	23:01:25	0:39:09	2:33:50
28	4:44:42	7:06:08	9:24:51	11:42:35	14:03:19	16:22:38	18:26:30	20:07:53	21:34:00	22:57:29	0:35:13	2:29:54
29	4:40:46	7:02:12	9:20:55	11:38:39	13:59:23	16:18:42	18:22:34	20:03:57	21:30:04	22:53:33	0:31:18	2:25:58
30	4:36:50	6:58:16	9:16:59	11:34:43	13:55:27	16:14:46	18:18:38	20:00:01	21:26:09	22:49:37	0:27:22	2:22:02
31	4:32:54	6:54:20	9:13:04	11:30:47	13:51:31	16:10:50	18:14:42	19:56:05	21:22:13	22:45:41	0:23:26	2:18:06

दैनिक लग्न सारणी (अगस्त) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

अगस्त	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	6:50:24	9:09:08	11:26:51	13:47:35	16:06:54	18:10:46	19:52:09	21:18:17	22:41:45	0:19:30	2:14:10	4:28:59
2	6:46:28	9:05:12	11:22:55	13:43:39	16:02:58	18:06:51	19:48:13	21:14:21	22:37:49	0:11:38	2:10:14	4:25:03
3	6:42:32	9:01:16	11:18:59	13:39:44	15:59:02	18:02:55	19:44:17	21:10:25	22:33:54	0:07:42	2:06:18	4:21:07
4	6:38:37	8:57:20	11:15:03	13:35:48	15:55:06	17:58:59	19:40:21	21:06:29	22:29:58	0:03:46	2:02:22	4:17:11
5	6:34:41	8:53:24	11:11:08	13:31:52	15:51:11	17:55:03	19:36:26	21:02:33	22:26:02	23:59:50	1:58:26	4:13:15
6	6:30:45	8:49:28	11:07:12	13:27:56	15:47:15	17:51:07	19:32:30	20:58:37	22:22:06	23:55:54	1:54:31	4:09:19
7	6:26:49	8:45:32	11:03:16	13:24:00	15:43:19	17:47:11	19:28:34	20:54:41	22:18:10	23:51:59	1:50:35	4:05:23
8	6:22:53	8:41:36	10:59:20	13:20:04	15:39:23	17:43:15	19:24:38	20:50:45	22:14:14	23:48:03	1:46:39	4:01:27
9	6:18:57	8:37:40	10:55:24	13:16:08	15:35:27	17:39:19	19:20:42	20:46:50	22:10:18	23:44:07	1:42:43	3:57:31
10	6:15:01	8:33:45	10:51:28	13:12:12	15:31:31	17:35:23	19:16:46	20:42:54	22:06:22	23:40:11	1:38:47	3:53:35
11	6:11:05	8:29:49	10:47:32	13:08:16	15:27:35	17:31:27	19:12:50	20:38:58	22:02:26	23:36:15	1:34:51	3:49:40
12	6:07:09	8:25:53	10:43:36	13:04:20	15:23:39	17:27:32	19:08:54	20:35:02	21:58:30	23:32:19	1:30:55	3:45:44
13	6:03:13	8:21:57	10:39:40	13:00:25	15:19:43	17:23:36	19:04:58	20:31:06	21:54:34	23:28:23	1:26:59	3:41:48
14	5:59:18	8:18:01	10:35:45	12:56:29	15:15:47	17:19:40	19:01:02	20:27:10	21:50:39	23:24:27	1:23:03	3:37:52
15	5:55:22	8:14:05	10:31:49	12:52:33	15:11:52	17:15:44	18:57:07	20:23:14	21:46:43	23:20:31	1:19:07	3:33:56
16	5:51:26	8:10:09	10:27:53	12:48:37	15:07:56	17:11:48	18:53:11	20:19:18	21:42:47	23:16:35	1:15:12	3:30:00
17	5:47:30	8:06:13	10:23:57	12:44:41	15:04:00	17:07:52	18:49:15	20:15:22	21:38:51	23:12:40	1:11:16	3:26:04
18	5:43:34	8:02:17	10:20:01	12:40:45	15:00:04	17:03:56	18:45:19	20:11:26	21:34:55	23:08:44	1:07:20	3:22:08
19	5:39:38	7:58:21	10:16:05	12:36:49	14:56:08	17:00:00	18:41:23	20:07:31	21:30:59	23:04:48	1:03:24	3:18:12
20	5:35:42	7:54:26	10:12:09	12:32:53	14:52:12	16:56:04	18:37:27	20:03:35	21:27:03	23:00:52	0:59:28	3:14:16
21	5:31:46	7:50:30	10:08:13	12:28:57	14:48:16	16:52:08	18:33:31	19:59:39	21:23:07	22:56:56	0:55:32	3:10:21
22	5:27:50	7:46:34	10:04:17	12:25:01	14:44:20	16:48:12	18:29:35	19:55:43	21:19:11	22:53:00	0:51:36	3:06:25
23	5:23:54	7:42:38	10:00:21	12:21:06	14:40:24	16:44:17	18:25:39	19:51:47	21:15:15	22:49:04	0:47:40	3:02:29
24	5:19:59	7:38:42	9:56:25	12:17:10	14:36:28	16:40:21	18:21:43	19:47:51	21:11:20	22:45:08	0:43:44	2:58:33
25	5:16:03	7:34:46	9:52:30	12:13:14	14:32:33	16:36:25	18:17:48	19:43:55	21:07:24	22:41:12	0:39:48	2:54:37
26	5:12:07	7:30:50	9:48:34	12:09:18	14:28:37	16:32:29	18:13:52	19:39:59	21:03:28	22:37:16	0:35:53	2:50:41
27	5:08:11	7:26:54	9:44:38	12:05:22	14:24:41	16:28:33	18:09:56	19:36:03	20:59:32	22:33:21	0:31:57	2:46:45
28	5:04:15	7:22:58	9:40:42	12:01:26	14:20:45	16:24:37	18:06:00	19:32:07	20:55:36	22:29:25	0:28:01	2:42:49
29	5:00:19	7:19:03	9:36:46	11:57:30	14:16:49	16:20:41	18:02:04	19:28:11	20:51:40	22:25:29	0:24:05	2:38:53
30	4:56:23	7:15:07	9:32:50	11:53:34	14:12:53	16:16:45	17:58:08	19:24:16	20 47:44	22:21:33	0:20:09	2:34:58
31	4:52:27	7:11:11	9:28:54	11:49:38	14:08:57	16:12:49	17:54:12	19:20:20	20:43:48	22:17:37	0:12:17	2:31:02

दैनिक लग्न सारणी सितम्बर भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

सितम्बर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	7:07:15	9:24:58	11:45:42	14:05:01	16:08:53	17:50:16	19:16:24	20:39:52	22:13:41	0:08:21	2:27:06	4:48:31
2	7:03:19	9:21:02	11:41:47	14:01:05	16:04:58	17:46:20	19:12:28	20:35:56	22:09:45	0:04:25	2:23:10	4:44:35
3	6:59:23	9:17:06	11:37:51	13:57:09	16:01:02	17:42:24	19:08:32	20:32:01	22:05:49	0:00:29	2:19:14	4:40:40
4	6:55:27	9:13:11	11:33:55	13:53:14	15:57:06	17:38:28	19:04:36	20:28:05	22:01:53	23:56:33	2:15:18	4:36:44
5	6:51:31	9:09:15	11:29:59	13:49:18	15:53:10	17:34:33	19:00:40	20:24:09	21:57:57	23:52:38	2:11:22	4:32:48
6	6:47:35	9:05:19	11:26:03	13:45:22	15:49:14	17:30:37	18:56:44	20:20:13	21:54:01	23:48:42	2:07:26	4:28:52
7	6:43:39	9:01:23	11:22:07	13:41:26	15:45:18	17:26:41	18:52:48	20:16:17	21:50:06	23:44:46	2:03:30	4:24:56
8	6:39:44	8:57:27	11:18:11	13:37:30	15:41:22	17:22:45	18:48:52	20:12:21	21:46:10	23:40:50	1:59:34	4:21:00
9	6:35:48	8:53:31	11:14:15	13:33:34	15:37:26	17:18:49	18:44:57	20:08:25	21:42:14	23:36:54	1:55:39	4:17:04
10	6:31:52	8:49:35	11:10:19	13:29:38	15:33:30	17:14:53	18:41:01	20:04:29	21:38:18	23:32:58	1:51:43	4:13:08
11	6:27:56	8:45:39	11:06:23	13:25:42	15:29:34	17:10:57	18:37:05	20:00:33	21:34:22	23:29:02	1:47:47	4:09:12
12	6:24:00	8:41:43	11:02:28	13:21:46	15:25:39	17:07:01	18:33:09	19:56:37	21:30:26	23:25:06	1:43:51	4:05:16
13	6:20:04	8:37:47	10:58:32	13:17:50	15:21:43	17:03:05	18:29:13	19:52:41	21:26:30	23:21:10	1:39:55	4:01:21
14	6:16:08	8:33:52	10:54:36	13:13:55	15:17:47	16:59:09	18:25:17	19:48:46	21:22:34	23:17:14	1:35:59	3:57:25
15	6:12:12	8:29:56	10:50:40	13:09:59	15:13:51	16:55:14	18:21:21	19:44:50	21:18:38	23:13:19	1:32:03	3:53:29
16	6:08:16	8:26:00	10:46:44	13:06:03	15:09:55	16:51:18	18:17:25	19:40:54	21:14:42	23:09:23	1:28:07	3:49:33
17	6:04:20	8:22:04	10:42:48	13:02:07	15:05:59	16:47:22	18:13:29	19:36:58	21:10:47	23:05:27	1:24:11	3:45:37
18	6:00:24	8:18:08	10:38:52	12:58:11	15:02:03	16:43:26	18:09:33	19:33:02	21:06:51	23:01:31	1:20:15	3:41:41
19	5:56:29	8:14:12	10:34:56	12:54:15	14:58:07	16:39:30	18:05:37	19:29:06	21:02:55	22:57:35	1:16:19	3:37:45
20	5:52:33	8:10:16	10:31:00	12:50:19	14:54:11	16:35:34	18:01:42	19:25:10	20:58:59	22:53:39	1:12:24	3:33:49
21	5:48:37	8:06:20	10:27:04	12:46:23	14:50:15	16:31:38	17:57:46	19:21:14	20:55:03	22:49:43	1:08:28	3:29:53
22	5:44:41	8:02:24	10:23:09	12:42:27	14:46:20	16:27:42	17:53:50	19:17:18	20:51:07	22:45:47	1:04:32	3:25:57
23	5:40:45	7:58:28	10:19:13	12:38:31	14:42:24	16:23:46	17:49:54	19:13:22	20:47:11	22:41:51	1:00:36	3:22:02
24	5:36:49	7:54:33	10:15:17	12:34:36	14:38:28	16:19:50	17:45:58	19:09:27	20:43:15	22:37:55	0:56:40	3:18:06
25	5:32:53	7:50:37	10:11:21	12:30:40	14:34:32	16:15:55	17:42:02	19:05:31	20:39:19	22:34:00	0:52:44	3:14:10
26	5:28:57	7:46:41	10:07:25	12:26:44	14:30:36	16:11:59	17:38:06	19:01:35	20:35:23	22:30:04	0:48:48	3:10:14
27	5:25:01	7:42:45	10:03:29	12:22:48	14:26:40	16:08:03	17:34:10	18:57:39	20:31:28	22:26:08	0:44:52	3:06:18
28	5:21:05	7:38:49	9:59:33	12:18:52	14:22:44	16:04:07	17:30:14	18:53:43	20:27:32	22:22:12	0:40:56	3:02:22
29	5:17:10	7:34:53	9:55:37	12:14:56	14:18:48	16:00:11	17:26:18	18:49:47	20:23:36	22:18:16	0:37:00	2:58:26
30	5:13:14	7:30:57	9:51:41	12:11:00	14:14:52	15:56:15	17:22:23	18:45:51	20:19:40	22:14:20	0:33:05	2:54:30

दैनिक लग्न सारणी (अक्तूबर) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

अक्तूबर	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	7:27:01	9:47:45	12:07:04	14:10:56	15:52:19	17:18:27	18:41:55	20:15:44	22:10:24	0:29:09	2:50:34	5:09:18
2	7:23:05	9:43:50	12:03:08	14:07:00	15:48:23	17:14:31	18:37:59	20:11:48	22:06:28	0:25:13	2:46:38	5:05:22
3	7:19:09	9:39:54	11:59:12	14:03:05	15:44:27	17:10:35	18:34:03	20:07:52	22:02:32	0:21:17	2:42:43	5:01:26
4	7:15:14	9:35:58	11:55:17	13:59:09	15:40:31	17:06:39	18:30:07	20:03:56	21:58:36	0:13:25	2:38:47	4:57:30
5	7:11:18	9:32:02	11:51:21	13:55:13	15:36:35	17:02:43	18:26:12	20:00:00	21:54:41	0:09:29	2:34:51	4:53:34
6	7:07:22	9:28:06	11:47:25	13:51:17	15:32:40	16:58:47	18:22:16	19:56:04	21:50:45	0:05:33	2:30:55	4:49:38
7	7:03:26	9:24:10	11:43:29	13:47:21	15:28:44	16:54:51	18:18:20	19:52:09	21:46:49	0:01:37	2:26:59	4:45:42
8	6:59:30	9:20:14	11:39:33	13:43:25	15:24:48	16:50:55	18:14:24	19:48:13	21:42:53	23:57:41	2:23:03	4:41:46
9	6:55:34	9:16:18	11:35:37	13:39:29	15:20:52	16:46:59	18:10:28	19:44:17	21:38:57	23:53:46	2:19:07	4:37:51
10	6:51:38	9:12:22	11:31:41	13:35:33	15:16:56	16:43:04	18:06:32	19:40:21	21:35:01	23:49:50	2:15:11	4:33:55
11	6:47:42	9:08:26	11:27:45	13:31:37	15:13:00	16:39:08	18:02:36	19:36:25	21:31:05	23:45:54	2:11:15	4:29:59
12	6:43:46	9:04:31	11:23:49	13:27:41	15:09:04	16:35:12	17:58:40	19:32:29	21:27:09	23:41:58	2:07:19	4:26:03
13	6:39:50	9:00:35	11:19:53	13:23:46	15:05:08	16:31:16	17:54:44	19:28:33	21:23:13	23:38:02	2:03:24	4:22:07
14	6:35:55	8:56:39	11:15:57	13:19:50	15:01:12	16:27:20	17:50:48	19:24:37	21:19:17	23:34:06	1:59:28	4:18:11
15	6:31:59	8:52:43	11:12:02	13:15:54	14:57:16	16:23:24	17:46:53	19:20:41	21:15:22	23:30:10	1:55:32	4:14:15
16	6:28:03	8:48:47	11:08:06	13:11:58	14:53:21	16:19:28	17:42:57	19:16:45	21:11:26	23:26:14	1:51:36	4:10:19
17	6:24:07	8:44:51	11:04:10	13:08:02	14:49:25	16:15:32	17:39:01	19:12:49	21:07:30	23:22:18	1:47:40	4:06:23
18	6:20:11	8:40:55	11:00:14	13:04:06	14:45:29	16:11:36	17:35:05	19:08:54	21:03:34	23:18:22	1:43:44	4:02:27
19	6:16:15	8:36:59	10:56:18	13:00:10	14:41:33	16:07:40	17:31:09	19:04:58	20:59:38	23:14:27	1:39:48	3:58:32
20	6:12:19	8:33:03	10:52:22	12:56:14	14:37:37	16:03:44	17:27:13	19:01:02	20:55:42	23:10:31	1:35:52	3:54:36
21	6:08:23	8:29:07	10:48:26	12:52:18	14:33:41	15:59:49	17:23:17	18:57:06	20:51:46	23:06:35	1:31:56	3:50:40
22	6:04:27	8:25:12	10:44:30	12:48:22	14:29:45	15:55:53	17:19:21	18:53:10	20:47:50	23:02:39	1:28:00	3:46:44
23	6:00:31	8:21:16	10:40:34	12:44:27	14:25:49	15:51:57	17:15:25	18:49:14	20:43:54	22:58:43	1:24:05	3:42:48
24	5:56:36	8:17:20	10:36:39	12:40:31	14:21:53	15:48:01	17:11:29	18:45:18	20:39:58	22:54:47	1:20:09	3:38:52
25	5:52:40	8:13:24	10:32:43	12:36:35	14:17:57	15:44:05	17:07:34	18:41:22	20:36:03	22:50:51	1:16:13	3:34:56
26	5:48:44	8:09:28	10:28:47	12:32:39	14:14:02	15:40:09	17:03:38	18:37:26	20:32:07	22:46:55	1:12:17	3:31:00
27	5:44:48	8:05:32	10:24:51	12:28:43	14:10:06	15:36:13	16:59:42	18:33:30	20.28:11	22:42:59	1:08:21	3:27:04
28	5:40:52	8:01:36	10:20:55	12:24:47	14:06:10	15:32:17	16:55:46	18:29:35	20:24:15	22:39:03	1:04:25	3:23:08
29	5:36:56	7:57:40	10:16:59	12:20:51	14:02:14	15:28:21	16:51:50	18:25:39	20:20:19	22:35:08	1:00:29	3:19:13
30	5:33:00	7:53:44	10:13:03	12:16:55	13:58:18	15:24:25	16:47:54	18:21:43	20:16:23	22:31:12	0:56:33	3:15:17
31	5:29:04	7:49:48	10:09:07	12:12:59	13:54:22	15:20:30	16:43:58	18:17:47	20:12:27	22:27:16	0:52:37	3:11:21

दैनिक लग्न सारणी नवंबर भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

नवंबर	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	7:45:53	10:05:11	12:09:03	13:50:26	15:16:34	16:40:02	18:13:51	20:08:31	22:23:20	0:48:41	3:07:25	5:25:08
2	7:41:57	10:01:15	12:05:08	13:46:30	15:12:38	16:36:06	18:09:55	20:04:35	22:19:24	0:44:46	3:03:29	5:21:13
3	7:38:01	9:57:20	12:01:12	13:42:34	15:08:42	16:32:10	18:05:59	20:00:39	22:15:28	0:40:50	2:59:33	5:17:17
4	7:34:05	9:53:24	11:57:16	13:38:38	15:04:46	16:28:15	18:02:03	19:56:44	22:11:32	0:36:54	2:55:37	5:13:21
5	7:30:09	9:49:28	11:53:20	13:34:42	15:00:50	16:24:19	17:58:07	19:52:48	22:07:36	0:32:58	2:51:41	5:09:25
6	7:26:13	9:45:32	11:49:24	13:30:47	14:56:54	16:20:23	17:54:11	19:48:52	22:03:40	0:29:02	2:47:45	5:05:29
7	7:22:17	9:41:36	11:45:28	13:26:51	14:52:58	16:16:27	17:50:16	19:44:56	21:59:44	0:25:06	2:43:49	5:01:33
8	7:18:21	9:37:40	11:41:32	13:22:55	14:49:02	16:12:31	17:46:20	19:41:00	21:55:49	0:21:10	2:39:54	4:57:37
9	7:14:25	9:33:44	11:37:36	13:18:59	14:45:06	16:08:35	17:42:24	19:37:04	21:51:53	0:13:18	2:35:58	4:53:41
10	7:10:29	9:29:48	11:33:40	13:15:03	14:41:10	16:04:39	17:38:28	19:33:08	21:47:57	0:09:22	2:32:02	4:49:45
11	7:06:34	9:25:52	11:29:44	13:11:07	14:37:15	16:00:43	17:34:32	19:29:12	21:44:01	0:05:27	2:28:06	4:45:49
12	7:02:38	9:21:56	11:25:49	13:07:11	14:33:19	15:56:47	17:30:36	19:25:16	21:40:05	0:01:31	2:24:10	4:41:53
13	6:58:42	9:18:01	11:21:53	13:03:15	14:29:23	15:52:51	17:26:40	19:21:20	21:36:09	23:57:35	2:20:14	4:37:58
14	6:54:46	9:14:05	11:17:57	12:59:19	14:25:27	15:48:55	17:22:44	19:17:25	21:32:13	23:53:39	2:16:18	4:34:02
15	6:50:50	9:10:09	11:14:01	12:55:23	14:21:31	15:45:00	17:18:48	19:13:29	21:28:17	23:49:43	2:12:22	4:30:06
16	6:46:54	9:06:13	11:10:05	12:51:28	14:17:35	15:41:04	17:14:52	19:09:33	21:24:21	23:45:47	2:08:26	4:26:10
17	6:42:58	9:02:17	11:06:09	12:47:32	14:13:39	15:37:08	17:10:57	19:05:37	21:20:26	23:41:51	2:04:31	4:22:14
18	6:39:02	8:58:21	11:02:13	12:43:36	14:09:43	15:33:12	17:07:01	19:01:41	21:16:30	23:37:55	2:00:35	4:18:18
19	6:35:06	8:54:25	10:58:17	12:39:40	14:05:47	15:29:16	17:03:05	18:57:45	21:12:34	23:33:59	1:56:39	4:14:22
20	6:31:11	8:50:29	10:54:21	12:35:44	14:01:51	15:25:20	16:59:09	18:53:49	21:08:38	23:30:04	1:52:43	4:10:26
21	6:27:15	8:46:33	10:50:25	12:31:48	13:57:56	15:21:24	16:55:13	18:49:53	21:04:42	23:26:08	1:48:47	4:06:30
22	6:23:19	8:42:37	10:46:30	12:27:52	13:54:00	15:17:28	16:51:17	18:45:57	21:00:46	23:22:12	1:44:51	4:02:35
23	6:19:23	8:38:42	10:42:34	12:23:56	13:50:04	15:13:32	16:47:21	18:42:01	20:56:50	23:18:16	1:40:55	3:58:39
24	6:15:27	8:34:46	10:38:38	12:20:00	13:46:08	15:09:36	16:43:25	18:38:06	20:52:54	23:14:20	1:36:59	3:54:43
25	6:11:31	8:30:50	10:34:42	12:16:04	13:42:12	15:05:41	16:39:29	18:34:10	20:48:58	23:10:24	1:33:03	3:50:47
26	6:07:35	8:26:54	10:30:46	12:12:09	13:38:16	15:01:45	16:35:33	18:30:14	20:45:02	23:06:28	1:29:07	3:46:51
27	6:03:39	8:22:58	10:26:50	12:08:13	13:34:20	14:57:49	16:31:38	18:26:18	20:41:07	23:02:32	1:25:12	3:42:55
28	5:59:43	8:19:02	10:22:54	12:04:17	13:30:24	14:53:53	16:27:42	18:22:22	20:37:11	22:58:36	1:21:16	3:38:59
29	5:55:47	8:15:06	10:18:58	12:00:21	13:26:28	14:49:57	16:23:46	18:18:26	20:33:15	22:54:40	1:17:20	3:35:03
30	5:51:52	8:11:10	10:15:02	11:56:25	13:22:32	14:46:01	16:19:50	18:14:30	20:29:19	22:50:45	1:13:24	3:31:07

दैनिक लग्न सारणी (दिसंबर) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल हरिद्वार

दिसम्बर	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. से.	घ. मि. से	घ. मि से.	घ. मि. से.	घ. मि. सै.	घ. मि. से.	घ. मि. से	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	8:07:14	10:11:07	11:52:29	13:18:37	14:42:05	16:15:54	18:10:34	20:25:23	22:46:49	1:09:28	3:27:12	5:47:56
2	8:03:19	10:07:11	11:48:33	13:14:41	14:38:09	16:11:58	18:06:38	20:21:27	22:42:53	1:05:32	3:23:16	5:44:00
3	7:59:23	10:03:15	11:44:37	13:10:45	14:34:13	16:08:02	18:02:43	20:17:31	22:38:57	1:01:36	3:19:20	5:40:04
4	7:55:27	9:59:19	11:40:41	13:06:49	14:30:17	16:04:06	17:58:47	20:13:35	22:35:01	0:57:40	3:15:24	5:36:08
5	7:51:31	9:55:23	11:36:45	13:02:53	14:26:22	16:00:10	17:54:51	20:09:39	22:31:05	0:53:44	3:11:28	5:32:12
6	7:47:35	9:51:27	11:32:50	12:58:57	14:22:26	15:56:14	17:50:55	20:05:44	22:27:09	0:49:48	3:07:32	5:28:16
7	7:43:39	9:47:31	11:28:54	12:55:01	14:18:30	15:52:19	17:46:59	20:01:48	22:23:13	0:45:53	3:03:36	5:24:20
8	7:39:43	9:43:35	11:24:58	12:51:05	14:14:34	15:48:23	17:43:03	19:57:52	22:19:17	0:41:57	2:59:40	5:20:24
9	7:35:47	9:39:39	11:21:02	12:47:09	14:10:38	15:44:27	17:39:07	19:53:56	22:15:21	0:38:01	2:55:44	5:16:29
10	7:31:51	9:35:43	11:17:06	12:43:13	14:06:42	15:40:31	17:35:11	19:50:00	22:11:26	0:34:05	2:51:48	5:12:33
11	7:27:55	9:31:48	11:13:10	12:39:18	14:02:46	15:36:35	17:31:15	19:46:04	22:07:30	0:30:09	2:47:53	5:08:37
12	7:24:00	9:27:52	11:09:14	12:35:22	13:58:50	15:32:39	17:27:19	19:42:08	22:03:34	0:26:13	2:43:57	5:04:41
13	7:20:04	9:23:56	11:05:18	12:31:26	13:54:54	15:28:43	17:23:24	19:38:12	21:59:38	0:22:17	2:40:01	5:00:45
14	7:16:08	9:20:00	11:01:22	12:27:30	13:50:58	15:24:47	17:19:28	19:34:16	21:55:42	0:18:21	2:36:05	4:56:49
15	7:12:12	9:16:04	10:57:26	12:23:34	13:47:03	15:20:51	17:15:32	19:30:20	21:51:46	0:10:30	2:32:09	4:52:53
16	7:08:16	9:12:08	10:53:31	12:19:38	13:43:07	15:16:56	17:11:36	19:26:25	21:47:50	0:06:34	2:28:13	4:48:57
17	7:04:20	9:08:12	10:49:35	12:15:42	13:39:11	15:13:00	17:07:40	19:22:29	21:43:54	0:02:38	2:24:17	4:45:01
18	7:00:24	9:04:16	10:45:39	12:11:46	13:35:15	15:09:04	17:03:44	19:18:33	21:39:58	23:58:42	2:20:21	4:41:05
19	6:56:28	9:00:20	10:41:43	12:07:50	13:31:19	15:05:08	16:59:48	19:14:37	21:36:03	23:54:46	2:16:25	4:37:10
20	6:52:32	8:56:24	10:37:47	12:03:54	13:27:23	15:01:12	16:55:52	19:10:41	21:32:07	23:50:50	2:12:29	4:33:14
21	6:48:37	8:52:29	10:33:51	11:59:59	13:23:27	14:57:16	16:51:56	19:06:45	21:28:11	23:46:54	2:08:34	4:29:18
22	6:44:41	8:48:33	10:29:55	11:56:03	13:19:31	14:53:20	16:48:01	19:02:49	21:24:15	23:42:58	2:04:38	4:25:22
23	6:40:45	8:44:37	10:25:59	11:52:07	13:15:35	14:49:24	16:44:05	18:58:53	21:20:19	23:39:02	2:00:42	4:21:26
24	6:36:49	8:40:41	10:22:03	11:48:11	13:11:39	14:45:28	16:40:09	18:54:57	21:16:23	23:35:06	1:56:46	4:17:30
25	6:32:53	8:36:45	10:18:07	11:44:15	13:07:44	14:41:32	16:36:13	18:51:02	21:12:27	23:31:11	1:52:50	4:13:34
26	6:28:57	8:32:49	10:14:12	11:40:19	13:03:48	14:37:37	16:32:17	18:47:06	21:08:31	23:27:15	1:48:54	4:09:38
27	6:25:01	8:28:53	10:10:16	11:36:23	12:59:52	14:33:41	16:28:21	18:43:10	21:04:35	23:23:19	1:44:58	4:05:42
28	6:21:05	8:24:57	10:06:20	11:32:27	12:55:56	14:29:45	16:24:25	18:39:14	21:00:40	23:19:23	1:41:02	4:01:47
29	6:17:09	8:21:01	10:02:24	11:28:31	12:52:00	14:25:49	16:20:29	18:35:18	20:56:44	23:15:27	1:37:06	3:57:51
30	6:13:13	8:17:05	9:58:28	11:24:35	12:48:04	14:21:53	16:16:33	18:31:22	20:52:48	23:11:31	1:33:11	3:53:55
31	6:09:18	8:13:10	9:54:32	11:20:40	12:44:08	14:17:57	16:12:37	18:27:26	20:48:52	23:07:35	1:29:15	3:49:59

दैनिक लग्न सारणी जनवरी भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

जनवरी	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	8:31:15	10:10:17	11:33:24	12:53:47	14:24:51	16:18:02	18:33:30	20:57:18	23:19:02	1:43:46	4:07:14	6:28:03
2	8:27:19	10:06:21	11:29:28	12:49:51	14:20:55	16:14:06	18:29:34	20:53:22	23:15:06	1:39:50	4:03:19	6:24:07
3	8:23:24	10:02:25	11:25:32	12:45:55	14:17:00	16:10:10	18:25:38	20:49:26	23:11:10	1:35:55	3:59:23	6:20:11
4	8:19:28	9:58:29	11:21:36	12:41:59	14:13:04	16:06:14	18:21:42	20:45:30	23:07:14	1:31:59	3:55:27	6:16:15
5	8:15:32	9:54:33	11:17:40	12:38:03	14:09:08	16:02:18	18:17:46	2.0:41:34	23:03:18	1:28:03	3:51:31	6:12:19
6	8:11:36	9:50:37	11:13:44	12:34:07	14:05:12	15:58:22	18:13:51	20:37:38	22:59:22	1:24:07	3:47:35	6:08:23
7	8:07:40	9:46:41	11:09:48	12:30:12	14:01:16	15:54:27	18:09:55	20:33:42	22:55:26	1:20:11	3:43:39	6:04:27
8	8:03:44	9:42:45	11:05:52	12:26:16	13:57:20	15:50:31	18:05:59	20:29:46	22:51:31	1:16:15	3:39:43	6:00:31
9	7:59:48	9:38:49	11:01:56	12:22:20	13:53:24	15:46:35	18:02:03	20:25:51	22:47:35	1:12:19	3:35:47	5:56:35
10	7:55:52	9:34:53	10:58:01	12:18:24	13:49:28	15:42:39	17:58:07	20:21:55	22:43:39	1:08:23	3:31:51	5:52:39
11	7:51:56	9:30:58	10:54:05	12:14:28	13:45:32	15:38:43	17:54:11	20:17:59	22:39:43	1:04:27	3:27:56	5:48:44
12	7:48:00	9:27:02	10:50:09	12:10:32	13:41:36	15:34:47	17:50:15	20:14:03	22:35:47	1:00:32	3:24:00	5:44:48
13	7:44:05	9:23:06	10:46:13	12:06:36	13:37:41	15:30:51	17:46:19	20:10:07	22:31:51	0:56:36	3:20:04	5:40:52
14	7:40:09	9:19:10	10:42:17	12:02:40	13:33:45	15:26:55	17:42:23	20:06:11	22:27:55	0:52:40	3:16:08	5:36:56
15	7:36:13	9:15:14	10:38:21	11:58:44	13:29:49	15:22:59	17:38:27	20:02:15	22:23:59	0:48:44	3:12:12	5:33:00
16	7:32:17	9:11:18	10:34:25	11:54:48	13:25:53	15:19:03	17:34:32	19:58:19	22:20:03	0:44:48	3:08:16	5:29:04
17	7:28:21	9:07:22	10:30:29	11:50:53	13:21:57	15:15:08	17:30:36	19:54:23	22:16:07	0:40:52	3:04:20	5:25:08
18	7:24:25	9:03:26	10:26:33	11:46:57	13:18:01	15:11:12	17:26:40	19:50:27	22:12:12	0:36:56	3:00:24	5:21:12
19	7:20:29	8:59:30	10:22:37	11:43:01	13:14:05	15:07:16	17:22:44	19:46:32	22:08:16	0:29:04	2:56:28	5:17:16
20	7:16:33	8:55:34	10:18:42	11:39:05	13:10:09	15:03:20	17:18:48	19:42:36	22:04:20	0:25:08	2:52:32	5:13:21
21	7:12:37	8:51:39	10:14:46	11:35:09	13:06:13	14:59:24	17:14:52	19:38:40	22:00:24	0:21:13	2:48:37	5:09:25
22	7:08:42	8:47:43	10:10:50	11:31:13	13:02:17	14:55:28	17:10:56	19:34:44	21:56:28	0:17:17	2:44:41	5:05:29
23	7:04:46	8:43:47	10:06:54	11:27:17	12:58:22	14:51:32	17:07:00	19:30:48	21:52:32	0:13:21	2:40:45	5:01:33
24	7:00:50	8:39:51	10:02:58	11:23:21	12:54:26	14:47:36	17:03:04	19:26:52	21:48:36	0:09:25	2:36:49	4:57:37
25	6:56:54	8:35:55	9:59:02	11:19:25	12:50:30	14:43:40	16:59:09	19:22:56	21:44:40	0:05:29	2:32:53	4:53:41
26	6:52:58	8:31:59	9:55:06	11:15:29	12:46:34	14:39:45	16:55:13	19:19:00	21:40:44	0:01:33	2:28:57	4:49:45
27	6:49:02	8:28:03	9:51:10	11:11:33	12:42:38	14:35:49	16:51:17	19:15:04	21:36:49	23:57:37	2:25:01	4:45:49
28	6:45:06	8:24:07	9:47:14	11:07:38	12:38:42	14:31:53	16:47:21	19:11:08	21:32:53	23:53:41	2:21:05	4:41:53
29	6:41:10	8:20:11	9:43:18	11:03:42	12:34:46	14:27:57	16:43:25	19:07:13	21:28:57	23:49:45	2:17:09	4:37:57
30	6:37:14	8:16:15	9:39:22	10:59:46	12:30:50	14:24:01	16:39:29	19:03:17	21:25:01	23:45:49	2:13:13	4:34:02
31	6:33:18	8:12:20	9:35:27	10:55:50	12:26:54	14:20:05	16:35:33	18:59:21	21:21:05	23:41:54	2:09:18	4:30:06

दैनिक लग्न सारणी (फरवरी) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

फरवरी	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. से.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. से.	घ. मि. सै	घ. मि. से.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	8:08:24	9:31:31	10:51:54	12:22:58	14:16:09	16:31:37	18:55:25	21:17:09	23:37:58	2:05:22	4:26:10	6:29:23
2	8:04:28	9:27:35	10:47:58	12:19:03	14:12:13	16:27:41	18:51:29	21:13:13	23:34:02	2:01:26	4:22:14	6:25:27
3	8:00:32	9:23:39	10:44:02	12:15:07	14:08:17	16:23:45	18:47:33	21:09:17	23:30:06	1:57:30	4:18:18	6:21:31
4	7:56:36	9:19:43	10:40:06	12:11:11	14:04:21	16:19:50	18:43:37	21:05:21	23:26:10	1:53:34	4:14:22	6:17:35
5	7:52:40	9:15:47	10:36:10	12:07:15	14:00:26	16:15:54	18:39:41	21:01:25	23:22:14	1:49:38	4:10:26	6:13:39
6	7:48:44	9:11:51	10:32:14	12:03:19	13:56:30	16:11:58	18:35:45	20:57:30	23:18:18	1:45:42	4:06:30	6:09:43
7	7:44:48	9:07:55	10:28:19	11:59:23	13:52:34	16:08:02	18:31:50	20:53:34	23:14:22	1:41:46	4:02:34	6:05:47
8	7:40:52	9:03:59	10:24:23	11:55:27	13:48:38	16:04:06	18:27:54	20:49:38	23:10:26	1:37:50	3:58:38	6:01:51
9	7:36:56	9:00:03	10:20:27	11:51:31	13:44:42	16:00:10	18:23:58	20:45:42	23:06:31	1:33:55	3:54:43	5:57:55
10	7:33:01	8:56:08	10:16:31	11:47:35	13:40:46	15:56:14	18:20:02	20:41:46	23:02:35	1:29:59	3:50:47	5:53:59
11	7:29:05	8:52:12	10:12:35	11:43:39	13:36:50	15:52:18	18:16:06	20:37:50	22:58:39	1:26:03	3:46:51	5:50:04
12	7:25:09	8:48:16	10:08:39	11:39:44	13:32:54	15:48:22	18:12:10	20:33:54	22:54:43	1:22:07	3:42:55	5:46:08
13	7:21:13	8:44:20	10:04:43	11:35:48	13:28:58	15:44:26	18:08:14	20:29:58	22:50:47	1:18:11	3:38:59	5:42:12
14	7:17:17	8:40:24	10:00:47	11:31:52	13:25:02	15:40:31	18:04:18	20:26:02	22:46:51	1:14:15	3:35:03	5:38:16
15	7:13:21	8:36:28	9:56:51	11:27:56	13:21:07	15:36:35	18:00:22	20:22:06	22:42:55	1:10:19	3:31:07	5:34:20
16	7:09:25	8:32:32	9:52:55	11:24:00	13:17:11	15:32:39	17:56:26	20:18:11	22:38:59	1:06:23	3:27:11	5:30:24
17	7:05:29	8:28:36	9:49:00	11:20:04	13:13:15	15:28:43	17:52:31	20:14:15	22:35:03	1:02:27	3:23:15	5:26:28
18	7:01:33	8:24:40	9:45:04	11:16:08	13:09:19	15:24:47	17:48:35	20:10:19	22:31:07	0:58:31	3:19:19	5:22:32
19	6:57:37	8:20:44	9:41:08	11:12:12	13:05:23	15:20:51	17:44:39	20:06:23	22:27:12	0:54:36	3:15:24	5:18:36
20	6:53:42	8:16:49	9:37:12	11:08:16	13:01:27	15:16:55	17:40:43	20:02:27	22:23:16	0:50:40	3:11:28	5:14:40
21	6:49:46	8:12:53	9:33:16	11:04:20	12:57:31	15:12:59	17:36:47	19:58:31	22:19:20	0:46:44	3:07:32	5:10:45
22	6:45:50	8:08:57	9:29:20	11:00:24	12:53:35	15:09:03	17:32:51	19:54:35	22:15:24	0:42:48	3:03:36	5:06:49
23	6:41:54	8:05:01	9:25:24	10:56:29	12:49:39	15:05:07	17:28:55	19:50:39	22:11:28	0:38:52	2:59:40	5:02:53
24	6:37:58	8:01:05	9:21:28	10:52:33	12:45:43	15:01:12	17:24:59	19:46:43	22:07:32	0:34:56	2:55:44	4:58:57
25	6:34:02	7:57:09	9:17:32	10:48:37	12:41:48	14:57:16	17:21:03	19:42:47	22:03:36	0:27:04	2:51:48	4:55:01
26	6:30:06	7:53:13	9:13:36	10:44:41	12:37:52	14:53:20	17:17:07	19:38:52	21:59:40	0:23:08	2:47:52	4:51:05
27	6:26:10	7:49:17	9:09:41	10:40:45	12:33:56	14:49:24	17:13:12	19:34:56	21:55:44	0:19:12	2:43:56	4:47:09
28	6:22:14	7:45:21	9:05:45	10:36:49	12:30:00	14:45:28	17:09:16	19:31:00	21:51:48	0:15:17	2:40:00	4:43:13
29	6:18:18	7:41:25	9:01:49	10:32:53	12:26:04	14:41:32	17:05:20	19:27:04	21:47:53	0:11:21	2:36:05	4:39:17

दैनिक लग्न सारणी मार्च भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

मार्च	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	7:37:30	8:57:53	10:28:57	12:22:08	14:37:36	17:01:24	19:23:08	21:43:57	0:07:25	2:32:09	4:35:21	6:14:22
2	7:33:34	8:53:57	10:25:01	12:18:12	14:33:40	16:57:28	19:19:12	21:40:01	0:03:29	2:28:13	4:31:25	6:10:27
3	7:29:38	8:50:01	10:21:05	12:14:16	14:29:44	16:53:32	19:15:16	21:36:05	23:59:33	2:24:17	4:27:30	6:06:31
4	7:25:42	8:46:05	10:17:10	12:10:20	14:25:49	16:49:36	19:11:20	21:32:09	23:55:37	2:20:21	4:23:34	6:02:35
5	7:21:46	8:42:09	10:13:14	12:06:24	14:21:53	16:45:40	19:07:24	21:28:13	23:51:41	2:16:25	4:19:38	5:58:39
6	7:17:50	8:38:13	10:09:18	12:02:29	14:17:57	16:41:44	19:03:28	21:24:17	23:47:45	2:12:29	4:15:42	5:54:43
7	7:13:54	8:34:17	10:05:22	11:58:33	14:14:01	16:37:48	18:59:33	21:20:21	23:43:49	2:08:33	4:11:46	5:50:47
8	7:09:58	8:30:21	10:01:26	11:54:37	14:10:05	16:33:53	18:55:37	21:16:25	23:39:53	2:04:37	4:07:50	5:46:51
9	7:06:02	8:26:26	9:57:30	11:50:41	14:06:09	16:29:57	18:51:41	21:12:29	23:35:58	2:00:41	4:03:54	5:42:55
10	7:02:06	8:22:30	9:53:34	11:46:45	14:02:13	16:26:01	18:47:45	21:08:34	23:32:02	1:56:46	3:59:58	5:38:59
11	6:58:10	8:18:34	9:49:38	11:42:49	13:58:17	16:22:05	18:43:49	21:04:38	23:28:06	1:52:50	3:56:02	5:35:03
12	6:54:15	8:14:38	9:45:42	11:38:53	13:54:21	16:18:09	18:39:53	21:00:42	23:24:10	1:48:54	3:52:06	5:31:08
13	6:50:19	8:10:42	9:41:46	11:34:57	13:50:25	16:14:13	18:35:57	20:56:46	23:20:14	1:44:58	3:48:11	5:27:12
14	6:46:23	8:06:46	9:37:51	11:31:01	13:46:30	16:10:17	18:32:01	20:52:50	23:16:18	1:41:02	3:44:15	5:23:16
15	6:42:27	8:02:50	9:33:55	11:27:05	13:42:34	16:06:21	18:28:05	20:48:54	23:12:22	1:37:06	3:40:19	5:19:20
16	6:38:31	7:58:54	9:29:59	11:23:10	13:38:38	16:02:25	18:24:09	20:44:58	23:08:26	1:33:10	3:36:23	5:15:24
17	6:34:35	7:54:58	9:26:03	11:19:14	13:34:42	15:58:29	18:20:14	20:41:02	23:04:30	1:29:14	3:32:27	5:11:28
18	6:30:39	7:51:02	9:22:07	11:15:18	13:30:46	15:54:34	18:16:18	20:37:06	23:00:34	1:25:18	3:28:31	5:07:32
19	6:26:43	7:47:07	9:18:11	11:11:22	13:26:50	15:50:38	18:12:22	20:33:10	22:56:39	1:21:22	3:24:35	5:03:36
20	6:22:47	7:43:11	9:14:15	11:07:26	13:22:54	15:46:42	18:08:26	20:29:15	22:52:43	1:17:27	3:20:39	4:59:40
21	6:18:51	7:39:15	9:10:19	11:03:30	13:18:58	15:42:46	18:04:30	20:25:19	22:48:47	1:13:31	3:16:43	4:55:44
22	6:14:55	7:35:19	9:06:23	10:59:34	13:15:02	15:38:50	18:00:34	20:21:23	22:44:51	1:09:35	3:12:47	4:51:48
23	6.11:00	7:31:23	9:02:27	10:55:38	13:11:06	15:34:54	17:56:38	20:17:27	22:40:55	1:05:39	3:08:52	4:47:53
24	6:07:04	7:27:27	8:58:31	10:51:42	13:07:10	15:30:58	17:52:42	20:13:31	22:36:59	1:01:43	3:04:56	4:43:57
25	6:03:08	7:23:31	8:54:36	10:47:46	13:03:15	15:27:02	17:48:46	20:09:35	22:33:03	0:57:47	3:01:00	4:40:01
26	5:59:12	7:19:35	8:50:40	10:43:50	12:59:19	15:23:06	17:44:50	20:05:39	22:29:07	0:53:51	2:57:04	4:36:05
27	5:55:16	7:15:39	8:46:44	10:39:55	12:55:23	15:19:10	17:40:55	20:01:43	22:25:11	0:49:55	2:53:08	4:32:09
28	5:51:20	7:11:43	8:42:48	10:35:59	12:51:27	15:15:15	17:36:59	19:57:47	22:21:15	0:45:59	2:49:12	4:28:13
29	5:47:24	7:07:47	8:38:52	10:32:03	12:47:31	15:11:19	17:33:03	19:53:51	22:17:20	0:42:03	2:45:16	4:24:17
30	5:43:28	7:03:52	8:34:56	10:28:07	12:43:35	15:07:23	17:29:07	19:49:56	22:13:24	0:38:08	2:41:20	4:20:21
31	5:39:32	6:59:56	8:31:00	10:24:11	12:39:39	15:03:27	17:25:11	19:46:00	22:09:28	0:30:16	2:37:24	4:16:25

दैनिक लग्न सारणी अप्रैल भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

अप्रैल	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से
1	6:56:00	8:27:04	10:20:15	12:35:43	14:59:31	17:21:15	19:42:04	22:05:32	0:26:20	2:33:28	4:12:29	5:35:36
2	6:52:04	8:23:08	10:16:19	12:31:47	14:55:35	17:17:19	19:38:08	22:01:36	0:22:24	2:29:32	4:08:34	5:31:41
3	6:48:08	8:19:12	10:12:23	12:27:51	14:51:39	17:13:23	19:34:12	21:57:40	0:18:28	2:25:37	4:04:38	5:27:45
4	6:44:12	8:15:17	10:08:27	12:23:56	14:47:43	17:09:27	19:30:16	21:53:44	0:14:32	2:21:41	4:00:42	5:23:49
5	6:40:16	8:11:21	10:04:31	12:20:00	14:43:47	17:05:31	19:26:20	21:49:48	0:10:36	2:17:45	3:56:46	5:19:53
6	6:36:20	8:07:25	10:00:36	12:16:04	14:39:51	17:01:36	19:22:24	21:45:52	0:06:40	2:13:49	3:52:50	5:15:57
7	6:32:24	8:03:29	9:56:40	12:12:08	14:35:55	16:57:40	19:18:28	21:41:56	0:02:44	2:09:53	3:48:54	5:12:01
8	6:28:28	7:59:33	9:52:44	12:08:12	14:32:00	16:53:44	19:14:32	21:38:00	23:58:48	2:05:57	3:44:58	5:08:05
9	6:24:33	7:55:37	9:48:48	12:04:16	14:28:04	16:49:48	19:10:37	21:34:05	23:54:53	2:02:01	3:41:02	5:04:09
10	6:20:37	7:51:41	9:44:52	12:00:20	14:24:08	16:45:52	19:06:41	21:30:09	23:50:57	1:58:05	3:37:06	5:00:13
11	6:16:41	7:47:45	9:40:56	11:56:24	14:20:12	16:41:56	19:02:45	21:26:13	23:47:01	1:54:09	3:33:10	4:56:17
12	6:12:45	7:43:49	9:37:00	11:52:28	14:16:16	16:38:00	18:58:49	21:22:17	23:43:05	I:50:13	3:29:15	4:52:22
13	6:08:49	7:39:53	9:33:04	11:48:32	14:12:20	16:34:04	18:54:53	21:18:21	23:39:09	1:46:18	3:25:19	4:48:26
14	6:04:53	7:35:58	9:29:08	11:44:37	14:08:24	16:30:08	18:50:57	21:14:25	23:35:13	1:42:22	3:21:23	4:44:30
15	6:00:57	7:32:02	9:25:12	11:40:41	14:04:28	16:26:12	18:47:01	21:10:29	23:31:17	1:38:26	3:17:27	4:40:34
16	5:57:01	7:28:06	9:21:17	11:36:45	14:00:32	16:22:17	18:43:05	21:06:33	23:27:21	1:34:30	3:13:31	4:36:38
17	5:53:05	7:24:10	9:17:21	11:32:49	13:56:37	16:18:21	18:39:09	21:02:37	23:23:25	1:30:34	3:09:35	4:32:42
18	5:49:09	7:20:14	9:13:25	11:28:53	13:52:41	16:14:25	18:35:13	20:58:42	23:19:29	1:26:38	3:05:39	4:28:46
19	5:45:13	7:16:18	9:09:29	11:24:57	13:48:45	16:10:29	18:31:17	20:54:46	23:15:34	1:22:42	3:01:43	4:24:50
20	5:41:18	7:12:22	9:05:33	11:21:01	13:44:49	16:06:33	18:27:22	20:50:50	23:11:38	1:18:46	2:57:47	4:20:54
21	5:37:22	7:08:26	9:01:37	11:17:05	13:40:53	16:02:37	18:23:26	20:46:54	23:07:42	1:14:50	2:53:51	4:16:58
22	5:33:26	7:04:30	8:57:41	11:13:09	13:36:57	15:58:41	18:19:30	20:42:58	23:03:46	1:10:54	2:49:55	4:13:02
23	5:29:30	7:00:34	8:53:45	11:09:13	13:33:01	15:54:45	18:15:34	20:39:02	22:59:50	1:06:59	2:46:00	4:09:07
24	5:25:34	6:56:39	8:49:49	11:05:18	13:29:05	15:50:49	18:11:38	20:35:06	22:55:54	1:03:03	2:42:04	4:05:11
25	5:21:38	6:52:43	8:45:53	11:01:22	13:25:09	15:46:53	18:07:42	20:31:10	22:51:58	0:59:07	2:38:08	4:01:15
26	5:17:42	6:48:47	8:41:58	10:57:26	13:21:13	15:42:58	18:03:46	20:27:14	22:48:02	0:55:11	2:34:12	3:57:19
27	5:13:46	6:44:51	8:38:02	10:53:30	13:17:18	15:39:02	f7:59:50	20:23:18	22:44:06	0:51:15	2:30:16	3:53:23
28	5:09:50	6:40:55	8:34:06	10:49:34	13:13:22	15:35:06	I7:55:54	20:19:23	22:40:11	0:47:I9	2:26:20	3:49:27
29	5:05:54	6:36:59	8:30:10	10:45:38	13:09:26	15:31:10	17:51:59	20:15:27	22:36:15	0:43:23	2:22:24	3:45:31
30	5:01:59	6:33:03	8:26:14	10:41:42	13:05:30	15:27:14	17:48:03	20:11:31	22:32:19	0:39:27	2:18:28	3:41:35

दैनिक लग्न सारणी मई भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

मई	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	6:29:07	8:22:18	10:37:46	13:01:34	15:23:18	17:44.07	20:07:35	22:28:23	0:35:31	2:14:32	3:37:39	4:58:03
2	6:25:11	8:18:22	10:33:50	12:57:38	15:19:22	17:40:11	20:03:39	22:24:27	0:31:35	2:10:36	3:33:43	4:54:07
3	6:21:15	8:14:26	10:29:54	12:53:42	15:15:26	17:36:15	19:59:43	22:20:31	0:23:44	2:06:41	3:29:48	4:50:11
4	6:17:19	8:10:30	10:25:59	12:49:46	15:11:30	17:32:19	19:55:47	22:16:35	0:19:48	2:02:45	3:25:52	4:46:15
5.	6:13:24	8:06:34	10:22:03	12:45:50	15:07:34	17:28:23	19:51:51	22:12:39	0:15:52	1:58:49	3:21:56	4:42:19
6	6:09:28	8:02:39	10:18:07	12:41:54	15:03:39	17:24:27	19:47:55	22:08:43	0:11:56	1:54:53	3:18:00	4:38:23
7	6:05:32	7:58:43	10:14:11	12:37:59	14:59:43	17:20:31	19:43:59	22:04:47	0:08:00	1:50:57	3:14:04	4:34:27
8	6:01:36	7:54:47	10:10:15	12:34:03	14:55:47	17:16:35	19:40:04	22:00:52	0:04:04	1:47:01	3:10:08	4:30:31
9	5:57:40	7:50:51	10:06:19	12:30:07	14:51:51	17:12:40	19:36:08	21:56.56	0:00:08	1:43:05	3:06:12	4:26:35
10	5:53:44	7:46:55	10:02.23	12:26:11	14:47:55	17:08:44	19:32:12	21:53:00	23:56:12	1:39:09	3:02:16	4:22:40
11	5:49:48	7:42:59	9:58:27	12:22:15	14:43:59	17:04:48	19:28:16	21:49:04	23:52:16	1:35:13	2:58:20	4:18:44
12	5:45:52	7:39:03	9:54:31	12:18:19	14:40:03	17:00:52	19:24:20	21:45:08	23:48:21	1:31:17	2:54:24	4:14:48
13	5:41:56	7:35:07	9:50:36	12:14:23	14:36:07	16:56:56	19:20:24	21:41:12	23:44:25	1:27:22	2:50:29	4:10:52
14	5:38:00	7:31:11	9:46:40	12:10:27	14:32:11	16:53:00	19:16:28	21:37:16	23:40:29	1:23:26	2:46:33	4:06:56
15	5:34:05	7:27:15	9:42:44	12:06:31	14:28:15	16:49:04	19:12:32	21:33:20	23:36:33	1:19:30	2:42:37	4:03:00
16	5:30:09	7:23:20	9:38:48	12:02:35	14:24:20	16:45:08	19:08:36	21:29:24	23:32:37	1:15:34	2:38:41	3:59:04
17	5:26:13	7:19:24	9:34:52	11:58:40	14:20:24	16:41:12	19:04:40	21:25:28	23:28:41	1:11:38	2:34:45	3:55:08
18	5:22:17	7:15:28	9:30:56	11:54:44	14:16:28	16:37:16	19:00:45	21:21:33	23:24:45	1:07:42	2:30:49	3:51:12
19	5:18:21	7:11:32	9:27:00	11:50:48	14:12:32	16:33:21	18:56:49	21:17:37	23:20:49	1:03:46	2:26:53	3:47:16
20	5:14:25	7:07:36	9:23:04	11:46:52	14:08:36	16:29:25	18:52:53	21:13:41	23:16:53	0:59:50	2:22:57	3:43:21
21	5:10:29	7:03:40	9:19:08	11:42:56	14:04:40	16:25:29	18:48:57	21:09:45	23:12:57	0:55:54	2:19:01	3:39:25
22	5:06:33	6:59:44	9:15:12	11:39:00	14:00:44	16:21:33	18:45:01	21:05:49	23:09:02	0:51:58	2:15:05	3:35:29
23	5:02:37	6:55:48	9:11:17	11:35:04	13:56:48	16:17:37	18:41:05	21:01:53	23:05:06	0:48:03	2:11:09	3:31:33
24	4:58:42	6:51:52	9:07:21	11:31:08	13:52:52	16:13:41	18:37:09	20:57:57	23:01:10	0:44:07	2:07:14	3:27:37
25	4:54:46	6:47:56	9:03:25	11:27:12	13:48:57	16:09:45	18:33:13	20:54:01	22:57:14	0:40:11	2:03:18	3:23:41
26	4:50:50	6:44:01	8:59:29	11:23:17	13:45:01	16:05:49	18:29:17	20:50:05	22:53:18	0:36:15	1:59:22	3:19:45
27	4:46:54	6:40:05	8:55:33	11:19:21	13:41:05	16:01:53	18:25:22	20:46:09	22:49:22	0:32:19	1:55:26	3:15:49
28	4:42:58	6:36:09	8:51:37	11:15:25	13:37:09	15:57:58	18:21:26	20:42:14	22:45:26	0:24:27	1:51:30	3:11:53
29	4:39:02	6:32:13	8:47:41	11:11:29	13:33:13	15:54:02	18:17:30	20:38:18	22:41:30	0:20:31	1:47:34	3:07:57
30	4:35:06	6:28:17	8:43:45	11:07:33	13:29:17	15:50:06	18:13:34	20:34:22	22:37:34	0:16:35	1:43:38	3:04:01
31	4:31:10	6:24:21	8:39:49	11:03:37	13:25:21	15:46:10	18:09:38	20:30:26	22:33:38	0:12:39	1:39:42	3:00:06

दैनिक लग्न सारणी (जून) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

जून	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:20:25	8:35:53	10:59:41	13:21:25	15:42:14	18:05:42	20:26:30	22:29:43	0:08:43	1:35:46	2:56:10	4:27:14
2	6:16:29	8:31:58	10:55:45	13:17:29	15:38:18	18:01:46	20:22:34	22:25:47	0:04:48	1:31:50	2:52:14	4:23:18
3	6:12:33	8:28:02	10:51:49	13:13:33	15:34:22	17:57:50	20:18:38	22:21:51	0:00:52	1:27:55	2:48:18	4:19:22
4	6:08:38	8:24:06	10:47:53	13:09:38	15:30:26	17:53:54	20:14:42	22:17:55	23:56:56	1:23:59	2:44:22	4:15:27
5	6:04:42	8:20:10	10:43:58	13:05:42	15:26:30	17:49:58	20:10:46	22:13:59	23:53:00	1:20:03	2:40:26	4:11:31
6	6:00:46	8:16:14	10:40:02	13:01:46	15:22:35	17:46:03	20:06:51	22:10:03	23:49:04	1:16:07	2:36:30	4:07:35
7	5:56:50	8:12:18	10:36:06	12:57:50	15:18:39	17:42:07	20:02:55	22:06:07	23:45:08	1:12:11	2:32:34	4:03:39
8	5:52:54	8:08:22	10:32:10	12:53:54	15:14:43	17:38:11	19:58:59	22:02:11	23:41:12	1:08:15	2:28:38	3:59:43
9	5:48:58	8:04:26	10:28:14	12:49:58	15:10:47	17:34:15	19:55:03	21:58:15	23:37:16	1:04:19	2:24:43	3:55:47
10	5:45:02	8:00:30	10:24:18	12:46:02	15:06:51	17:30:19	19:51:07	21:54:19	23:33:20	1:00:23	2:20:47	3:51:51
11	5:41:06	7:56:35	10:20:22	12:42:06	15:02:55	17:26:23	19:47:11	21:50:24	23:29:24	0:56:27	2:16:51	3:47:55
12	5:37:10	7:52:39	10:16:26	12:38:10	14:58:59	17:22:27	19:43:15	21:46:28	23:25:29	0:52:31	2:12:55	3:43:59
13	5:33:14	7:48:43	10:12:30	12:34:15	14:55:03	17:18:31	19:39:19	21:42:32	23:21:33	0:48:36	2:08:59	3:40:04
14	5:29:19	7:44:47	10:08:34	12:30:19	14:51:07	17:14:35	19:35:23	21:38:36	23:17:37	0:44:40	2:05:03	3:36:08
15	5:25:23	7:40:51	10:04:39	12:26:23	14:47:11	17:10:39	19:31:27	21:34:40	23:13:41	0:40:44	2:01:07	3:32:12
16	5:21:27	7:36:55	10:00:43	12:22:27	14:43:16	17:06:44	19:27:32	21:30:44	23:09:45	0:36:48	1:57:11	3:28:16
17	5:17:31	7:32:59	9:56:47	12:18:31	14:39:20	17:02:48	19:23:36	21:26:48	23:05:49	0:32:52	1:53:15	3:24:20
18	5:13:35	7:29:03	9:52:51	12:14:35	14:35:24	16:58:52	19:19:40	21:22:52	23:01:53	0:25:00	1:49:19	3:20:24
19	5:09:39	7:25:07	9:48:55	12:10:39	14:31:28	16:54:56	19:15:44	21:18:56	22:57:57	0:21:04	1:45:23	3:16:28
20	5:05:43	7:21:12	9:44:59	12:06:43	14:27:32	16:51:00	19:11:48	21:15:01	22:54:01	0:17:08	1:41:28	3:12:32
21	5:01:47	7:17:16	9:41:03	12:02:47	14:23:36	16:47:04	19:07:52	21:11:05	22:50:05	0:13:12	1:37:32	3:08:36
22	4:57:51	7:13:20	9:37:07	11:58:51	14:19:40	16:43:08	19:03:56	21:07:09	22:46:10	0:09:17	1:33:36	3:04:40
23	4:53:56	7:09:24	9:33:11	11:54:56	14:15:44	16:39:12	19:00:00	21:03:13	22:42:14	0:05:21	1:29:40	3:00:45
24	4:50:00	7:05:28	9:29:16	11:51:00	14:11:48	16:35:16	18:56:04	20:59:17	22:38:18	0:01:25	1:25:44	2:56:49
25	4:46:04	7:01:32	9:25:20	11:47:04	14:07:52	16:31:21	18:52:09	20:55:21	22:34:22	23:57:29	1:21:48	2:52:53
26	4:42:08	6:57:36	9:21:24	11:43:08	14:03:57	16:27:25	18:48:13	20:51:25	22:30:26	23:53:33	1:17:52	2:48:57
27	4:38:12	6:53:40	9:17:28	11:39:12	14:00:01	16:23:29	18:44:17	20:47:29	22:26:30	23:49:37	1:13:56	2:45:01
28	4:34:16	6:49:44	9:13:32	11:35:16	13:56:05	16:19:33	18:40:21	20:43:33	22:22:34	23:45:41	1:10:00	2:41:05
29	4:30:20	6:45:48	9:09:36	11:31:20	13:52:09	16:15:37	18:36:25	20:39:37	22:18:38	23:41:45	1:06:04	2:37:09
30	4:26:24	6:41:53	9:05:40	11:27:24	13:48:13	16:11:41	18:32:29	20:35:42	22:14:42	23:37:49	1:02:09	2:33:13

दैनिक लग्न सारणी जुलाई भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू												
जूलाई	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:37:57	9:01:44	11:23:28	13:44:17	16:07:45	18:28:33	20:31:46	22:10:46	23:33:53	0:58:13	2:29:17	4:22:28
2	6:34:01	8:57:48	11:19:33	13:40:21	16:03:49	18:24:37	20:27:50	22:06:51	23:29:58	0:54:17	2:25:21	4:18:32
3	6:30:05	8:53:53	11:15:37	13:36:25	15:59:53	18:20:41	20:23:54	22:02:55	23:26:02	0:50:21	2:21:26	4:14:37
4	6:26:09	8:49:57	11:11:41	13:32:29	15:55:58	18:16:45	20:19:58	21:58:59	23:22:06	0:46:25	2:17:30	4:10:41
5	6:22:13	8:46:01	11:07:45	13:28:34	15:52:02	18:12:50	20:16:02	21:55:03	23:18:10	0:42:29	2:13:34	4:06:45
6	6:18:17	8:42:05	11:03:49	13:24:38	15:48:06	18:08:54	20:12:06	21:51:07	23:14:14	0:38:33	2:09:38	4:02:49
7	6:14:21	8:38:09	10:59:53	13:20:42	15:44:10	18:04:58	20:08:10	21:47:11	23:10:18	0:34:37	2:05:42	3:58:53
8	6:10:25	8:34:13	10:55:57	13:16:46	15:40:14	18:01:02	20:04:14	21:43:15	23:06:22	0:30:41	2:01:46	3:54:57
9	6:06:30	8:30:17	10:52:01	13:12:50	15:36:18	17:57:06	20:00:18	21:39:19	23:02:26	0:22:50	1:57:50	3:51:01
10	6:02:34	8:26:21	10:48:05	13:08:54	15:32:22	17:53:10	19:56:23	21:35:23	22:58:30	0:18:54	1:53:54	3:47:05
11	5:58:38	8:22:25	10:44:09	13:04:58	15:28:26	17:49:14	19:52:27	21:31:27	22:54:34	0:14:58	1:49:58	3:43:09
12	5:54:42	8:18:29	10:40:14	13:01:02	15:24:30	17:45:18	19:48:31	21:27:32	22:50:38	0:11:02	1:46:02	3:39:13
13	5:50:46	8:14:34	10:36:18	12:57:06	15:20:34	17:41:22	19:44:35	21:23:36	22:46:43	0:07:06	1:42:07	3:35:18
14	5:46:50	8:10:38	10:32:22	12:53:10	15:16:39	17:37:26	19:40:39	21:19:40	22:42:47	0:03:10	1:38:11	3:31:22
15	5:42:54	8:06:42	10:28:26	12:49:15	15:12:43	17:33:31	19:36:43	21:15:44	22:38:51	23:59:14	1:34:15	3:27:26
16	5:38:58	8:02:46	10:24:30	12:45:19	15:08:47	17:29:35	19:32:47	21:11:48	22:34:55	23:55:18	1:30:19	3:23:30
17	5:35:02	7:58:50	10:20:34	12:41:23	15:04:51	17:25:39	19:28:51	21:07:52	22:30:59	23:51:22	1:26:23	3:19:34
18	5:31:06	7:54:54	10:16:38	12:37:27	15:00:55	17:21:43	19:24:55	21:03:56	22:27:03	23:47:26	1:22:27	3:15:38
19	5:27:11	7:50:58	10:12:42	12:33:31	14:56:59	17:17:47	19:20:59	21:00:00	22:23:07	23:43:31	1:18:31	3:11:42
20	5:23:15	7:47:02	10:08:46	12:29:35	14:53:03	17:13:51	19:17:04	20:56:04	22:19:11	23:39:35	1:14:35	3:07:46
21	5:19:19	7:43:06	10:04:51	12:25:39	14:49:07	17:09:55	19:13:08	20:52:08	22:15:15	23:35:39	1:10:39	3:03:50
22	5:15:23	7:39:10	10:00:55	12:21:43	14:45:11	17:05:59	19:09:12	20:48:13	22:11:19	23:31:43	1:06:43	2:59:54
23	5:11:27	7:35:15	9:56:59	12:17:47	14:41:16	17:02:03	19:05:16	20:44:17	22:07:24	23:27:47	1:02:48	2:55:59
24	5:07:31	7:31:19	9:53:03	12:13:51	14:37:20	16:58:08	19:01:20	20:40:21	22:03:28	23:23:51	0:58:52	2:52:03
25	5:03:35	7:27:23	9:49:07	12:09:56	14:33:24	16:54:12	18:57:24	20:36:25	21:59:32	23:19:55	0:54:56	2:48:07
26	4:59:39	7:23:27	9:45:11	12:06:00	14:29:28	16:50:16	18:53:28	20:32:29	21:55:36	23:15:59	0:51:00	2:44:11
27	4:55:43	7:19:31	9:41:15	12:02:04	14:25:32	16:46:20	18:49:32	20:28:33	21:51:40	23:12:03	0:47:04	2:40:15
28	4:51:47	7:15:35	9:37:19	11:58:08	14:21:36	16:42:24	18:45:36	20:24:37	21:47:44	23:08:07	0:43:08	2:36:19
29	4:47:52	7:11:39	9:33:23	11:54:12	14:17:40	16:38:28	18:41:40	20:20:41	21:43:48	23:04:12	0:39:12	2:32:23
30	4:43:56	7:07:43	9:29:27	11:50:16	14:13:44	16:34:32	18:37:45	20:16:45	21:39:52	23:00:16	0:35:16	2:28:27
31	4:40:00	7:03:47	9:25:32	11:46:20	14:09:48	16:30:36	18:33:49	20:12:49	21:35:56	22:56:20	0:31:20	2:24:31

दैनिक लग्न सारणी (अगस्त) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

अगस्त	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	6:59:52	9:21:36	11:42:24	14:05:52	16:26:40	18.29:53	20:08:54	21:32:00	22:52:24	0:23:29	2:20:36	4:36:04
2	6:55:56	9:17:40	11:38:28	14:01:57	16:22:44	18:25:57	20:04:58	21:28:05	22:48:28	0:19:33	2:16:40	4:32:08
3	6:52:00	9:13:44	11:34:33	13:58:01	16:18:49	18:22:01	20:01:02	21:24:09	22:44:32	0:15:37	2:12:44	4:28:12
4	6:48:04	9:09:48	11:30:37	13:54:05	16:14:53	18:18:05	19:57:06	21:20:13	22:40:36	0:11:41	2:08:48	4:24:16
5	6:44:08	9:05:52	11:26:41	13:50:09	16:10:57	18:14:09	19:53:10	21:16:17	22:36:40	0:07:45	2:04:52	4:20:20
6	6:40:12	9:01:56	11:22:45	13:46:13	16:07:01	18:10:13	19:49:14	21:12:21	22:32:44	0:03:49	2:00:56	4:16:24
7	6:36:16	8:58:00	11:18:49	13:42:17	16:03:05	18:06:17	19:45:18	21:08:25	22:28:48	23:59:53	1:57:00	4:12:29
8	6:32:20	8:54:04	11:14:53	13:38:21	15:59:09	18:02:21	19:41:22	21:04:29	22:24:53	23:55:57	1:53:04	4:08:33
9	6:28:24	8:50:08	11:10:57	13:34:25	15:55:13	17:58:26	19:37:26	21:00:33	22:20:57	23:52:01	1:49:08	4:04:37
10	6:24:28	8:46:13	11:07:01	13:30:29	15:51:17	17:54:30	19:33:30	20:56:37	22:17:01	23:48:05	1:45:12	4:00:41
11	6:20:33	8:42:17	11:03:05	13:26:33	15:47:21	17:50:34	19:29:35	20:52:41	22:13:05	23:44:10	1:41:17	3:56:45
12	6:16:37	8:38:21	10:59:09	13:22:38	15:43:25	17:46:38	19:25:39	20:48:46	22:09:09	23:40:14	1:37:21	3:52:49
13	6:12:41	8:34:25	10:55:14	13:18:42	15:39:30	17:42:42	19:21:43	20:44:50	22:05:13	23:36:18	1:33:25	3:48:53
14	6:08:45	8:30:29	10:51:18	13:14:46	15:35:34	17:38:46	19:17:47	20:40:54	22:01:17	23:32:22	1:29:29	3:44:57
15	6:04:49	8:26:33	10:47:22	13:10:50	15:31:38	17:34:50	19:13:51	20:36:58	21:57:21	23:28:26	1:25:33	3:41:01
16	6:00:53	8:22:37	10:43:26	13:06:54	15:27:42	17:30:54	19:09:55	20:33:02	21:53:25	23:24:30	1:21:37	3:37:05
17	5:56:57	8:18:41	10:39:30	13:02:58	15:23:46	17:26:58	19:05:59	20:29:06	21:49:29	23:20:34	1:17:41	3:33:10
18	5:53:01	8:14:45	10:35:34	12:59:02	15:19:50	17:23:02	19:02:03	20:25:10	21:45:33	23:16:38	1:13:45	3:29:14
19	5:49:05	8:10:49	10:31:38	12:55:06	15:15:54	17:19:07	18:58:07	20:21:14	21:41:38	23:12:42	1:09:49	3:25:18
20	5:45:09	8:06:54	10:27:42	12:51:10	15:11:58	17:15:11	18:54:11	20:17:18	21:37:42	23:08:46	1:05:53	3:21:22
21	5:41:14	8:02:58	10:23:46	12:47:14	15:08:02	17:11:15	18:50:16	20:13:22	21:33:46	23:04:51	1:01:58	3:17:26
22	5:37:18	7:59:02	10:19:50	12:43:19	15:04:06	17:07:19	18:46:20	20:09:26	21:29:50	23:00:55	0:58:02	3:13:30
23	5:33:22	7:55:06	10:15:55	12:39:23	15:00:11	17:03:23	18:42:24	20:05:31	21:25:54	22:56:59	0:54:06	3:09:34
24	5:29:26	7:51:10	10:11:59	12:35:27	14:56:15	16:59:27	18:38:28	20:01:35	21:21:58	22:53:03	0:50:10	3:05:38
25	5:25:30	7:47:14	10:08:03	12:31:31	14:52:19	16:55:31	18:34:32	19:57:39	21:18:02	22:49:07	0:46:14	3:01:42
26	5:21:34	7:43:18	10:04:07	12:27:35	14:48:23	16:51:35	18:30:36	19:53:43	21:14:06	22:45:11	0:42.18	2:57:46
27	5:17:38	7:39:22	10:00:11	12:23:39	14:44:27	16:47:39	18:26:40	19:49:47	21:10:10	22:41:15	0:38:22	2:53:51
28	5:13:42	7:35:26	9:56:15	12:19:43	14:40:31	16:43:43	18:22:44	19:45:51	21:06:14	22:37:19	0:34:26	2:49:55
29	5:09:46	7:31:31	9:52:19	12:15:47	14:36:35	16:39:48	18:18:48	19:41:55	21:02:19	22:33:23	0:26:34	2:45:59
30	5:05:51	7:27:35	9:48:23	12:11:51	14:32:39	16:35:52	18:14:52	19:37:59	20:58:23	22:29:27	0:22:39	2:42:03
31	5:01:55	7:23:39	9:44:27	12:07:56	14:28:43	16:31:56	18:10:56	19:34:03	20:54:27	22:25:31	0:18:43	2:38:07

दैनिक लग्न सारणी सितंबर भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

सितंबर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	7:19:43	9:40:31	12:04:00	14:24:47	16:28:00	18:07:01	19:30:07	20:50:31	22:21:36	0:14:47	2:34:11	4:57:59
2	7:15:47	9:36:36	12:00:04	14:20:52	16:24:04	18:03:05	19:26:12	20:46:35	22:17:40	0:10:51	2:30:15	4:54:03
3	7:11:51	9:32:40	11:56:08	14:16:56	16:20:08	17:59:09	19:22:16	20:42:39	22:13:44	0:06:55	2:26:19	4:50:07
4	7:07:55	9:28:44	11:52:12	14:13:00	16:16:12	17:55:13	19:18:20	20:38:43	22:09:48	0:02:59	2:22:23	4:46:11
5	7:03:59	9:24:48	11:48:16	14:09:04	16:12:16	17:51:17	19:14:24	20:34:47	22:05:52	23:59:03	2:18:27	4:42:15
6	7:00:03	9:20:52	11:44:20	14:05:08	16:08:20	17:47:21	19:10:28	20:30:51	22:01:56	23:55:07	2:14:32	4:38:19
7	6:56:07	9:16:56	11:40:24	14:01:12	16:04:24	17:43:25	19:06:32	20:26:55	21.58:00	23:51:11	2:10:36	4:34:23
8	6:52:12	9:13:00	11:36:28	13:57:16	16:00:29	17:39:29	19:02:36	20:23:00	21:54:04	23:47:15	2:06:40	4:30:27
9	6:48:16	9:09:04	11:32:32	13:53:20	15:56:33	17:35:33	18:58:40	20:19:04	21:50:08	23:43:20	2:02:44	4:26:32
10	6:44:20	9:05:08	11:28:37	13:49:24	15:52:37	17:31:37	18:54:44	20:15:08	21:46:12	23:39:24	1:58:48	4:22:36
11	6:40:24	9:01:12	11:24:41	13:45:28	15:48:41	17:27:42	18:50:48	20:11:12	21:42:17	23:35:28	1:54:52	4:18:40
12	6:36:28	8:57:17	11:20:45	13:41:33	15:44:45	17:23:46	18:46:53	20:07:16	21:38:21	23:31:32	1:50:56	4:14:44
13	6:32:32	8:53:21	11:16:49	13:37:37	15:40:49	17:19:50	18:42:57	20:03:20	21:34:25	23:27:36	1:47:00	4:10:48
14	6:28:36	8:49:25	11:12:53	13:33:41	15:36:53	17:15:54	18:39:01	19:59:24	21:30:29	23:23:40	1:43:04	4:06:52
15	6:24:40	8:45:29	11:08:57	13:29:45	15:32:57	17:11:58	18:35:05	19:55:28	21:26:33	23:19:44	1:39:08	4:02:56
16	6:20:44	8:41:33	11:05:01	13:25:49	15:29:01	17:08:02	18:31:09	19:51:32	21:22:37	23:15:48	1:35:13	3:59:00
17	6:16:48	8:37:37	11:01:05	13:21:53	15:25:05	17:04:06	18:27:13	19:47:36	21:18:41	23:11:52	1:31:17	3:55:04
18	6:12:52	8:33:41	10:57:09	13:17:57	15:21:09	17:00:10	18:23:17	19:43:40	21:14:45	23:07:56	1:27:21	3:51:08
19	6:08:57	8:29:45	10:53:13	13:14:01	15:17:14	16:56:14	18:19:21	19:39:45	21:10:49	23:04:00	1:23:25	3:47:12
20	6:05:01	8:25:49	10:49:17	13:10:05	15:13:18	16:52:18	18:15:25	19:35:49	21:06:53	23:00:05	1:19:29	3:43:17
21	6:01:05	8:21:53	10:45:22	13:06:09	15:09:22	16:48:22	18:11:29	19:31:53	21:02:58	22:56:09	1:15:33	3:39:21
22	5:57:09	8:17:58	10:41:26	13:02:14	15:05:26	16:44:27	18:07:33	19:27:57	20:59:02	22:52:13	1:11:37	3:35:25
23	5:53:13	8:14:02	10:37:30	12:58:18	15:01:30	16:40:31	18:03:38	19:24:01	20:55:06	22:48:17	1 07:41	3:31:29
24	5:49:17	8:10:06	10:33:34	12:54:22	14:57:34	16:36:35	17:59:42	19:20:05	20:51:10	22:44:21	1:03:45	3:27:33
25	5:45:21	8:06:10	10:29:38	12:50:26	14:53:38	16:32:39	17:55:46	19:16:09	20:47:14	22:40:25	0:59:49	3:23:37
26	5:41:25	8:02:14	10:25:42	12:46:30	14:49:42	16:28:43	17:51:50	19:12:13	20:43:18	22:36:29	0:55:54	3:19:41
27	5:37:29	7:58:18	10:21:46	12:42:34	14:45:46	16:24:47	17:47:54	19:08:17	20:39:22	22:32:33	0:51:58	3:15:45
28	5:33:33	7:54:22	10:17:50	12:38:38	14:41:50	16:20:51	17:43:58	19:04:21	20:35:26	22:28:37	0:48:02	3:11:49
29	5:29:38	7:50:26	10.13:54	12:34:42	14:37:55	16:16:55	17:40:02	19:00:26	20:31:30	22:24:41	0:44:06	3:07:53
30	5:25:42	7:46:30	10:09:58	12:30:46	14:33:59	16:12:59	17:36:06	18:56:30	20:27:34	22:20:46	0:40:10	3:03:58

दैनिक लग्न सारणी अक्तूबर भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

अक्तूबर	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	7:42:34	10:06:03	12:26:50	14:30:03	16:09:03	17:32:10	18:52:34	20:23:38	22:16:50	0:36:14	3:00:02	5:21:46
2	7:38:39	10:02:07	12:22:55	14:26:07	16:05:08	17:28:14	18:48:38	20:19:43	22:12:54	0:32:18	2:56:06	5:17:50
3	7:34:43	9:58:11	12:18:59	14:22:11	16:01:12	17:24:19	18:44:42	20:15:47	22:08:58	0:24:26	2:52:10	5:13:54
4	7:30:47	9:54:15	12:15:03	14:18:15	15:57:16	17:20:23	18:40:46	20:11:51	22:05:02	0:20:30	2:48:14	5:09:58
5	7:26:51	9:50:19	12:11:07	14:14:19	15:53:20	17:16:27	18:36:50	20:07:55	22:01:06	0:16:35	2:44:18	5:06:02
6	7:22:55	9:46:23	12:07:11	14:10:23	15:49:24	17:12:31	18:32:54	20:03:59	21:57:10	0:12:39	2:40:22	5:02:06
7	7:18:59	9:42:27	12:03:15	14:06:27	15:45:28	17:08:35	18:28:58	20:00:03	21:53:14	0:08:43	2:36:26	4:58:10
8	7:15:03	9:38:31	11:59:19	14:02:31	15:41:32	17:04:39	18:25:02	19:56:07	21:49:18	0:04:47	2:32:30	4:54:14
9	7:11:07	9:34:35	11:55:23	13:58:36	15:37:36	17:00:43	18:21:06	19:52:11	21:45:22	0:00:51	2:28:34	4:50:19
10	7:07:11	9:30:39	11:51:27	13:54:40	15:33:40	16:56:47	18:17:11	19:48:15	21:41:27	23:56:55	2:24:39	4:46:23
11	7:03:15	9:26:44	11:47:31	13:50:44	15:29:44	16:52:51	18:13:15	19:44:19	21:37:31	23:52:59	2:20:43	4:42:27
12	6:59:20	9:22:48	11:43:36	13:46:48	15:25:49	16:48:55	18:09:19	19:40:24	21:33:35	23:49:03	2:16:47	4:38:31
13	6:55:24	9:18:52	11:39:40	13:42:52	15:21:53	16:44:59	18:05:23	19:36:28	21:29:39	23:45:07	2:12:51	4:34:35
14	6:51:28	9:14:56	11:35:44	13:38:56	15:17:57	16:41:04	18:01:27	19:32:32	21:25:43	23:41:11	2:08:55	4:30:39
15	6:47:32	9:11:00	11:31:48	13:35:00	15:14:01	16:37:08	17:57:31	19:28:36	21:21:47	23:37:16	2:04:59	4:26:43
16	6:43:36	9:07:04	11:27:52	13:31:04	15:10:05	16:33:12	17:53:35	19:24:40	21:17:51	23:33:20	2:01:03	4:22:47
17	6:39:40	9:03:08	11:23:56	13:27:08	15:06:09	16:29:16	17:49:39	19:20:44	21:13:55	23:29:24	1:57:07	4:18:51
18	6:35:44	8:59:12	11:20:00	13:23:12	15:02:13	16:25:20	17:45:43	19:16:48	21:09:59	23:25:28	1:53:11	4:14:55
19	6:31:48	8:55:16	11:16:04	13:19:17	14:58:17	16:21:24	17:41:47	19:12:52	21:06:03	23:21:32	1:49:15	4:11:00
20	6:27:52	8:51:20	11:12:08	13:15:21	14:54:21	16:17:28	17:37:52	19:08:56	21:02:08	23:17:36	1:45:20	4:07:04
21	6:23:56	8:47:25	11:08:12	13:11:25	14:50:25	16:13:32	17:33:56	19:05:00	20:58:12	23:13:40	1:41:24	4:03:08
22	6:20:01	8:43:29	11:04:17	13:07:29	14:46:29	16:09:36	17:30:00	19:01:05	20:54:16	23:09:44	1:37:28	3:59:12
23	6:16:05	8:39:33	11:00:21	13:03:33	14:42:34	16:05:40	17:26:04	18:57:09	20:50:20	23:05:48	1:33:32	3:55:16
24	6:12:09	8:35:37	10:56:25	12:59:37	14:38:38	16:01:45	17:22:08	18:53:13	20:46:24	23:01:52	1:29:36	3:51:20
25	6:08:13	8:31:41	10:52:29	12:55:41	14:34:42	15:57:49	17:18:12	18:49:17	20:42:28	22:57:57	1:25:40	3:47:24
26	6:04:17	8:27:45	10:48:33	12:51:45	14:30:46	15:53:53	17:14:16	18:45:21	20:38:32	22:54:01	1:21:44	3:43:28
27	6:00:21	8:23:49	10:44:37	12:47:49	14:26:50	15:49:57	17:10:20	18:41:25	20:34:36	22:50:05	1:17:48	3:39:32
28	5:56:25	8:19:53	10:40:41	12:43:53	14:22:54	15:46:01	17:06:24	18:37:29	20:30:40	22:46:09	1:13:52	3:35:36
29	5:52:29	8:15:57	10:36:45	12:39:57	14:18:58	15:42:05	17:02:28	18:33:33	20:26:44	22:42:13	1:09:56	3:31:41
30	5:48:33	8:12:02	10:32:49	12:36:02	14:15:02	15:38:09	16:58:33	18:29:37	20:22:49	22:38:17	1:06:01	3:27:45
31	5:44:37	8:08:06	10:28:53	12:32:06	14:11:06	15:34:13	16:54:37	18:25:41	20:18:53	22:34:21	1:02:05	3:23:49

दैनिक लग्न सारणी नवंबर भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

नवंबर	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. से.
1	8:04:10	10:24:58	12:28:10	14:07:10	15:30:17	16:50:41	18:21:46	20:14:57	22:30:25	0:58:09	3:19:53	5:40:42
2	8:00:14	10:21:02	12:24:14	14:03:15	15:26:21	16:46:45	18:17:50	20:11:01	22:26:29	0:54:13	3:15:57	5:36:46
3	7:56:18	10:17:06	12:20:18	13:59:19	15:22:26	16:42:49	18:13:54	20:07:05	22:22:33	0:50:17	3:12:01	5:32.50
4	7:52:22	10:13:10	12:16:22	13:55:23	15:18:30	16:38:53	18:09:58	20:03:09	22:18:38	0:46:21	3:08:05	5:28:54
5	7:48:26	10:09:14	12:12:26	13:51:27	15:14:34	16:34:57	18:06:02	19:59:13	22:14:42	0:42:25	3:04:09	5:24:58
6	7:44:30	10:05:18	12:08:30	13:47:31	15:10:38	16:31:01	18:02:06	19:55:17	22:10:46	0:38:29	3:00:13	5:21:02
7	7:40:34	10:01:22	12:04:34	13:43:35	15:06:42	16:27:05	17:58:10	19:51:21	22:06:50	0:34:33	2:56:17	5:17:06
8	7:36:38	9:57:26	12:00:38	13:39:39	15:02:46	16:23:09	17:54:14	19:47:25	22:02:54	0:30:37	2:52:22	5:13:10
9	7:32:43	9:53:30	11:56:43	13:35:43	14:58:50	16:19:13	17:50:18	19:43:30	21:58:58	0:22:46	2:48:26	5:09:14
10	7:28:47	9:49:34	11:52:47	13:31:47	14:54:54	16:15:18	17:46:22	19:39:34	21:55:02	0:18:50	2:44:30	5:05:18
11	7:24:51	9:45:39	11:48:51	13:27:51	14:50:58	16:11:22	17:42:27	19:35:38	21:51:06	0:14:54	2:40:34	5:01:23
12	7:20:55	9:41:43	11:44:55	13:23:56	14:47:02	16:07:26	17:38:31	19:31:42	21:47:10	0:10:58	2:36:38	4:57:27
13	7:16:59	9:37:47	11:40:59	13:20:00	14:43:06	16:03:30	17:34:35	19:27:46	21:43:14	0:07:02	2:32:42	4:53:31
14	7:13:03	9:33:51	11:37:03	13:16:04	14:39:11	15:59:34	17:30:39	19:23:50	21:39:19	0:03:06	2:28:46	4:49:35
15	7:09:07	9:29:55	11:33:07	13:12:08	14:35:15	15:55:38	17:26:43	19:19:54	21:35:23	23:59:10	2:24:50	4:45:39
16	7:05:11	9:25:59	11:29:11	13:08:12	14:31:19	15:51:42	17:22:47	19:15:58	21:31:27	23:55:14	2:20:54	4:41:43
17	7:01:15	9:22:03	11:25:15	13:04:16	14:27:23	15:47:46	17:18:51	19:12:02	21:27:31	23:51:19	2:16:59	4:37:47
18	6:57:19	9:18:07	11:21:20	13:00:20	14:23:27	15:43:50	17:14:55	19:08:06	21:23:35	23:47:23	2:13:03	4:33:51
19	6:53:24	9:14:11	11:17:24	12:56:24	14:19:31	15:39:54	17:10:59	19:04:11	21:19:39	23:43:27	2:09:07	4:29:55
20	6:49:28	9:10:15	11:13:28	12:52:28	14:15:35	15:35:59	17:07:03	19:00:15	21:15:43	23:39:31	2:05:11	4:26:00
21	6:45:32	9:06:20	11:09:32	12:48:32	14:11:39	15:32:03	17:03:08	18:56:19	21:11:47	23:35:35	2:01:15	4:22:04
22	6:41:36	9:02:24	11:05:36	12:44:37	14:07:43	15:28:07	16:59:12	18:52:23	21:07:51	23:31:39	1:57:19	4:18:08
23	6:37:40	8:58:28	11:01:40	12:40:41	14:03:47	15:24:11	16:55:16	18:48:27	21:03:56	23:27:43	1:53:23	4:14:12
24	6:33:44	8:54:32	10:57:44	12:36:45	13:59:52	15:20:15	16:51:20	18:44:31	20.60:00	23:23:47	1:49:27	4:10:16
25	6:29:48	8:50:36	10:53:48	12:32:49	13:55:56	15:16:19	16:47:24	18:40:35	20:56:04	23:19:51	1:45:31	4:06:20
26	6:25:52	8:46:40	10:49:52	12:28:53	13:52:00	15:12:23	16:43:28	18:36:39	20:52:08	23:15:55	1:41:35	4:02:24
27	6:21:56	8:42:44	10:45:56	12:24:57	13:48:04	15:08:27	16:39:32	18:32:43	20:48:12	23:12:00	1:37:40	3:58:28
28	6:18:00	8:38:48	10:42:01	12:21:01	13:44:08	15:04:31	16:35:36	18:28:47	20:44:16	23:08:04	1:33:44	3:54:32
29	6:14:05	8:34:52	10:38:05	12:17:05	13:40:12	15:00:35	16:31:40	18:24:52	20:40:20	23:04:08	1:29:48	3:50:37
30	6:10:09	8:30:57	10:34:09	12:13.09	13:36:16	14:56:40	16:27:44	18:20:56	20:36:24	23:00:12	1:25:52	3:46:41

दैनिक लग्न सारणी दिसंबर भा. स्टै. टा. समाप्ति काल जम्मू

दिसंबर	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
ता.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	8:27:01	10:30:13	12:09:13	13:32:20	14:52:44	16:23:49	18:17:00	20:32:28	22:56:16	1:21:56	3:42:45	6:06:13
2	8:23:05	10:26:17	12:05:18	13:28:24	14:48:48	16:19:53	18:13:04	20:28:32	22:52:20	1:18:00	3:38:49	6:02:17
3	8:19:09	10:22:21	12:01:22	13:24:28	14:44:52	16:15:57	18:09:08	20:24:37	22:48:24	1:14:04	3:34:53	5:58:21
4	8:15:13	10:18:25	11:57:26	13:20:33	14:40:56	16:12:01	18:05:12	20:20:41	22:44:28	1:10:08	3:30:57	5:54:25
5	8:11:17	10:14:29	11:53:30	13:16:37	14:37:00	16:08:05	18:01:16	20:16:45	22:40:32	1:06:12	3:27:01	5:50:29
6	8:07:21	10:10:33	11:49:34	13:12:41	14:33:04	16:04:09	17:57:20	20:12:49	22:36:37	1:02:17	3:23:05	5:46:33
7	8:03:25	10:06:37	11:45:38	13:08:45	14:29:08	16:00:13	17:53:24	20:08:53	22:32:41	0:58:21	3:19:09	5:42:37
8	7:59:29	10:02:42	11:41:42	13:04:49	14:25:12	15:56:17	17:49:29	20:04:57	22:28:45	0:54:25	3:15:13	5:38:42
9	7:55:33	9:58:46	11:37:46	13:00:53	14:21:16	15:52:21	17:45:33	20:01:01	22:24:49	0:50:29	3:11:18	5:34:46
10	7:51:38	9:54:50	11:33:50	12:56:57	14:17:21	15:48:25	17:41:37	19:57:05	22:20:53	0:46:33	3:07:22	5:30:50
11	7:47:42	9:50:54	11:29:54	12:53:01	14:13:25	15:44:30	17:37:41	19:53:09	22:16:57	0:42:37	3:03:26	5:26:54
12	7:43:46	9:46:58	11:25:59	12:49:05	14:09:29	15:40:34	17:33:45	19:49:14	22:13:01	0:38:41	2:59:30	5:22:58
13	7:39:50	9:43:02	11:22:03	12:45:09	14:05:33	15:36:38	17:29:49	19:45:18	22:09:05	0:34:45	2:55:34	5:19:02
14	7:35:54	9:39:06	11:18:07	12:41:14	14:01:37	15:32:42	17:25:53	19:41:22	22:05:09	0:30:49	2:51:38	5:15:06
15	7:31:58	9:35:10	11:14:11	12:37:18	13:57:41	15:28:46	17:21:57	19:37:26	22:01:14	0:22:58	2:47:42	5:11:10
16	7:28:02	9:31:14	11:10:15	12:33:22	13:53:45	15:24:50	17:18:01	19:33:30	21:57:18	0:19:02	2:43:46	5:07:14
17	7:24:06	9:27:18	11:06:19	12:29:26	13:49:49	15:20:54	17:14:06	19:29:34	21:53:22	0:15:06	2:39:50	5:03:19
18	7:20:10	9:23:23	11:02:23	12:25:30	13:45:53	15:16:58	17:10:10	19:25:38	21:49:26	0:11:10	2:35:54	4:59:23
19	7:16:15	9:19:27	10:58:27	12:21:34	13:41:57	15:13:02	17:06:14	19:21:42	21:45:30	0:07:14	2:31:59	4:55:27
20	7:12:19	9:15:31	10:54:31	12:17:38	13:38:02	15:09:06	17:02:18	19:17:46	21:41:34	0:03:18	2:28:03	4:51:31
21	7:08:23	9:11:35	10:50:35	12:13:42	13:34:06	15:05:11	16:58:22	19:13:50	21:37:38	23:59:22	2:24:07	4:47:35
22	7:04:27	9:07:39	10:46:40	12:09:46	13:30:10	15:01:15	16:54:26	19:09:55	21:33:42	23:55:26	2:20:11	4:43:39
23	7:00:31	9:03:43	10:42:44	12:05:50	13:26:14	14:57:19	16:50:30	19:05:59	21:29:46	23:51:30	2:16:15	4:39:43
24	6:56:35	8:59:47	10:38:48	12:01:55	13:22:18	14:53:23	16:46:34	19:02:03	21:25:50	23:47:35	2:12:19	4:35:47
25	6:52:39	8:55:51	10:34:52	11:57:59	13:18:22	14:49:27	16:42:38	18:58:07	21:21:55	23:43:39	2:08:23	4:31:51
26	6:48:43	8:51:55	10:30:56	11:54:03	13:14:26	14:45:31	16:38:42	18:54:11	21:17:59	23:39:43	2:04:27	4:27:56
27	6:44:47	8:47:59	10:27:00	11:50:07	13:10:30	14:41:35	16:34:47	18:50:15	21:14:03	23:35:47	2:00:31	4:24:00
28	6:40:51	8:44:04	10:23:04	11:46:11	13:06:34	14:37:39	16:30:51	18:46:19	21:10:07	23:31:51	1:56:36	4:20:04
29	6:36:56	8:40:08	10:19:08	11:42:15	13:02:38	14:33:43	16:26:55	18:42:23	21:06:11	23:27:55	1:52:40	4:16:08
30	6:33:00	8:36:12	10:15:12	11:38:19	12:58:43	14:29:47	16:22:59	18:38:27	21:02:15	23:23:59	1:48:44	4:12:12
31	6:29:04	8:32:16	10:11:16	11:34:23	12:54:47	14:25:52	16:19:03	18:34:32	20:58:19	23:20:03	1:44:48	4:08:16

दैनिक लग्न सारणी जनवरी भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

जनवरी	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	8:24:15	10:03:50	11:27:40	12:48:47	14:20:30	16:14:02	18:29:21	20:52:34	23:13:36	1:37:36	4:00:25	6:20:52
2	8:20:19	9:59:54	11:23:44	12:44:51	14:16:34	16:10:06	18:25:25	20:48:38	23:09:40	1:33:40	3:56:30	6:16:56
3	8:16:23	9:55:58	11:19:48	12:40:55	14:12:38	16:06:10	18:21:29	20:44:43	23:05:44	1:29:45	3:52:34	6:13:00
4	8:12:27	9:52:02	11:15:52	12:36:59	14:08:42	16:02:14	18:17:33	20:40:47	23:01:48	1:25:49	3:48:38	6:09:05
5	8:08:31	9:48:06	11:11:56	12:33:03	14:04:47	15:58:18	18:13:37	20:36:51	22:57:52	1:21:53	3:44:42	6:05:09
6	8:04:35	9:44:10	11:08:00	12:29:07	14:00:51	15:54:23	18:09:41	20:32:55	22:53:56	1:17:57	3:40:46	6:01:13
7	8:00:39	9:40:14	11:04:04	12:25:11	13:56:55	15:50:27	18:05:45	20:28:59	22:50:00	1:14:01	3:36:50	5:57:17
8	7:56:43	9:36:18	11:00:08	12:21:15	13:52:59	15:46:31	18:01:49	20:25:03	22:46:04	1:10:05	3:32:54	5:53:21
9	7:52:47	9:32:22	10:56:12	12:17:20	13:49:03	15:42:35	17:57:53	20:21:07	22:42:09	1:06:09	3:28:58	5:49:25
10	7:48:52	9:28:27	10:52:16	12:13:24	13:45:07	15:38:39	17:53:58	20:17:11	22:38:13	1:02:13	3:25:02	5:45:29
11	7:44:56	9:24:31	10:48:21	12:09:28	13:41:11	15:34:43	17:50:02	20:13:15	22:34:17	0:58:17	3:21:07	5:41:33
12	7:41:00	9:20:35	10:44:25	12:05:32	13:37:15	15:30:47	17:46:06	20:09:20	22:30:21	0:54:22	3:17:11	5:37:37
13	7:37:04	9:16:39	10:40:29	12:01:36	13:33:19	15:26:51	17:42:10	20:05:24	22:26:25	0:50:26	3:13:15	5:33:42
14	7:33:08	9:12:43	10:36:33	11:57:40	13:29:23	15:22:55	17:38:14	20:01:28	22:22:29	0:46:30	3:09:19	5:29:46
15	7:29:12	9:08:47	10:32:37	11:53:44	13:25:28	15:18:59	17:34:18	19:57:32	22:18:33	0:42:34	3:05:23	5:25:50
16	7:25:16	9:04:51	10:28:41	11:49:48	13:21:32	15:15:04	17:30:22	19:53:36	22:14:37	0:38:38	3:01:27	5:21:54
17	7:21:20	9:00:55	10:24:45	11:45:52	13:17:36	15:11:08	17:26:26	19:49:40	22:10:41	0:34:42	2:57:31	5:17:58
18	7:17:24	8:56:59	10:20:49	11:41:56	13:13:40	15:07:12	17:22:30	19:45:44	22:06:45	0:30:46	2:53:35	5:14:02
19	7:13:28	8:53:03	10:16:53	11:38:01	13:09:44	15:03:16	17:18:34	19:41:48	22:02:50	0:22:54	2:49:39	5:10:06
20	7:09:33	8:49:08	10:12:57	11:34:05	13:05:48	14:59:20	17:14:39	19:37:52	21:58:54	0.18:58	2:45:44	5:06:10
21	7:05:37	8:45:12	10:09:02	11:30:09	13:01:52	14:55:24	17:10:43	19:33:57	21:54:58	0:15:03	2:41:48	5:02:14
22	7:01:41	8:41:16	10:05:06	11:26:13	12:57:56	14:51:28	17:06:47	19:30:01	21:51:02	0:11:07	2:37:52	4:58:19
23	6:57:45	8:37:20	10:01:10	11:22:17	12:54:00	14:47:32	17:02:51	19:26:05	21:47:06	0:07:11	2:33:56	4:54:23
24	6:53:49	8:33:24	9:57:14	11:18:21	12:50:04	14:43:36	16:58:55	19:22:09	21:43:10	0:03:15	2:30:00	4:50:27
25	6:49:53	8:29:28	9:53:18	11:14:25	12:46:09	14:39:40	16:54:59	19:18:13	21:39:14	23:59:19	2:26:04	4:46:31
26	6:45:57	8:25:32	9:49:22	11:10:29	12:42:13	14:35:45	16:51:03	19:14:17	21:35:18	23:55:23	2:22:08	4:42:35
27	6:42:01	8:21:36	9:45:26	11:06:33	12:38:17	14:31:49	16:47:07	19:10:21	21:31:22	23:51:27	2:18:12	4:38:39
28	6:38:05	8:17:40	9:41:30	11:02:37	12:34:21	14:27:53	16:43:11	19:06:25	21:27:27	23:47:31	2:14:16	4:34:43
29	6:34:09	8:13:44	9:37:34	10:58:42	12:30:25	14:23:57	16:39:15	19:02:29	21:23:31	23:43:35	2:10:20	4:30:47
30	6:30:14	8:09:49	9:33:38	10:54:46	12:26:29	14:20:01	16:35:20	18:58:33	21:19:35	23:39:39	2:06:25	4:26:51
31	6:26:18	8:05:53	9:29:43	10:50:50	12:22:33	14:16:05	16:31:24	18:54:38	21:15:39	23:35:44	2:02:29	4:22:55

दैनिक लग्न सारणी (फरवरी) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

फरवरी	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	8:01:57	9:25:47	10:46:54	12:18:37	14:12:09	16:27:28	18:50:42	21:11:43	23:31:48	1:58:33	4:19:00	6:22:22
2	7:58:01	9:21:51	10:42:58	12:14:41	14:08:13	16:23:32	18:46:46	21:07:47	23:27:52	1:54:37	4:15:04	6:18:26
3	7:54:05	9:17:55	10:39:02	12:10:45	14:04:17	16:19:36	18:42:50	21:03:51	23:23:56	1:50:41	4:11:08	6:14:30
4	7:50:09	9:13:59	10:35:06	12:06:50	14:00:22	16:15:40	18:38:54	20:59:55	23:20:00	1:46:45	4:07:12	6:10:34
5	7:46:13	9:10:03	10:31:10	12:02:54	13:56:26	16:11:44	18:34:58	20:55:59	23:16:04	1:42:49	4:03:16	6:06:38
6	7:42:17	9:06:07	10:27:14	11:58:58	13:52:30	16:07:48	18:31:02	20:52:03	23:12:08	1:38:53	3:59:20	6:02:42
7	7:38:21	9:02:11	10:23:18	11:55:02	13:48:34	16:03:52	18:27:06	20:48:08	23:08:12	1:34:57	3:55:24	5:58:46
8	7:34:25	8:58:15	10:19:22	11:51:06	13:44:38	15:59:57	18:23:10	20:44:12	23:04:16	1:31:01	3:51:28	5:54:50
9	7:30:29	8:54:19	10:15:27	11:47:10	13:40:42	15:56:01	18:19:14	20:40:16	23:00:21	1:27:06	3:47:32	5:50:55
10	7:26:34	8:50:23	10:11:31	11:43:14	13:36:46	15:52:05	18:15:19	20:36:20	22:56:25	1:23:10	3:43:36	5:46:59
11	7:22:38	8:46:28	10:07:35	11:39:18	13:32:50	15:48:09	18:11:23	20:32:24	22:52:29	1:19:14	3:39:41	5:43:03
12	7:18:42	8:42:32	10:03:39	11:35:22	13:28:54	15:44:13	18:07:27	20:28:28	22:48:33	1:15:18	3:35:45	5:39:07
13	7:14:46	8:38:36	9:59:43	11:31:26	13:24:58	15:40:17	18:03:31	20:24:32	22:44:37	1:11:22	3:31:49	5:35:11
14	7:10:50	8:34:40	9:55:47	11:27:31	13:21:02	15:36:21	17:59:35	20:20:36	22:40:41	1:07:26	3:27:53	5:31:15
15	7:06:54	8:30:44	9:51:51	11:23:35	13:17:07	15:32:25	17:55:39	20:16:40	22:36:45	1:03:30	3:23:57	5:27:19
16	7:02:58	8:26:48	9:47:55	11:19:39	13:13:11	15:28:29	17:51:43	20:12:44	22:32:49	0:59:34	3:20:01	5:23:23
17	6:59:02	8:22:52	9:43:59	11:15:43	13:09:15	15:24:33	17:47:47	20:08:49	22:28:53	0:55:38	3:16:05	5:19:27
18	6:55:06	8:18:56	9:40:03	11:11:47	13:05:19	15:20:38	17:43:51	20:04:53	22:24:57	0:51:43	3:12:09	5:15:32
19	6:51:10	8:15:00	9:36:08	11:07:51	13:01:23	15:16:42	17:39:56	20:00:57	22:21:02	0:47:47	3:08:13	5:11:36
20	6:47:15	8:11:04	9:32:12	11:03:55	12:57:27	15:12:46	17:36:00	19:57:01	22:17:06	0:43:51	3:04:17	5:07:40
21	6:43:19	8:07:09	9:28:16	10:59:59	12:53:31	15:08:50	17:32:04	19:53:05	22:13:10	0:39:55	3:00:22	5:03:44
22	6:39:23	8:03:13	9:24:20	10:56:03	12:49:35	15:04:54	17:28:08	19:49:09	22:09:14	0:35:59	2:56:26	4:59:48
23	6:35:27	7:59:17	9:20:24	10:52:07	12:45:39	15:00:58	17:24:12	19:45:13	22:05:18	0:32:03	2:52:30	4:55:52
24	6:31:31	7:55:21	9:16:28	10:48:11	12:41:43	14:57:02	17:20:16	19:41:17	22:01:22	0:24:11	2:48:34	4:51:56
25	6:27:35	7:51:25	9:12:32	10:44:16	12:37:48	14:53:06	17:16:20	19:37:21	21:57:26	0:20:15	2:44:38	4:48:00
26	6:23:39	7:47:29	9:08:36	10:40:20	12:33:52	14:49:10	17:12:24	19:33:25	21:53:30	0:16:19	2:40:42	4:44:04
27	6:19:43	7:43:33	9:04:40	10:36:24	12:29:56	14:45:14	17:08:28	19:29:30	21:49:34	0:12:23	2:36:46	4:40:08
28	6:15:47	7:39:37	9:00:44	10:32:28	12:26:00	14:41:19	17:04:32	19:25:34	21:45:38	0:08:28	2:32:50	4:36:12
29	6:11:51	7:35:41	8:56:49	10:28:32	12:22:04	14:37:23	17:00:36	19:21:38	21:41:43	0:04:32	2:28:54	4:32:17

दैनिक लग्न सारणी मार्च भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

मार्च	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	7:31:45	8:52:53	10:24:36	12:18:08	14:33:27	16:56:41	19:17:42	21:37:47	0:00:36	2:24:58	4:28:21	6:07:56
2	7:27:50	8:48:57	10:20:40	12:14:12	14:29:31	16:52:45	19:13:46	21:33:51	23:56:40	2:21:03	4:24:25	6:04:00
3	7:23:54	8:45:01	10:16:44	12:10:16	14:25:35	16:48:49	19:09:50	21:29:55	23:52:44	2:17:07	4:20:29	6:00:04
4	7:19:58	8:41:05	10:12:48	12:06:20	14:21:39	16:44:53	19:05:54	21:25:59	23:48:48	2:13:11	4:16:33	5:56:08
5	7:16:02	8:37:09	10:08:52	12:02:24	14:17:43	16:40:57	19:01:58	21:22:03	23:44:52	2:09:15	4:12:37	5:52:12
6	7:12:06	8:33:13	10:04:57	11:58:29	14:13:47	16:37:01	18:58:02	21:18:07	23:40:56	2:05:19	4:08:41	5:48:16
7	7:08:10	8:29:17	10:01:01	11:54:33	14:09:51	16:33:05	18:54:06	21:14:11	23:37:00	2:01:23	4:04:45	5:44:20
8	7:04:14	8:25:21	9:57:05	11:50:37	14:05:55	16:29:09	18:50:11	21:10:15	23:33:04	1:57:27	4:00:49	5:40:24
9	7:00:18	8:21:25	9:53:09	11:46:41	14:02:00	16:25:13	18:46:15	21:06:19	23:29:09	1:53:31	3:56:53	5:36:28
10	6:56:22	8:17:29	9:49:13	11:42:45	13:58:04	16:21:17	18:42:19	21:02:24	23:25:13	1:49:35	3:52:58	5:32:32
11	6:52:26	8:13:34	9:45:17	11:38:49	13:54:08	16:17:22	18:38:23	20:58:28	23:21:17	1:45:39	3:49:02	5:28:36
12	6:48:30	8:09:38	9:41:21	11:34:53	13:50:12	16:13:26	18:34:27	20:54:32	23:17:21	1:41:44	3:45:06	5:24:41
13	6:44:35	8:05:42	9:37:25	11:30:57	13:46:16	16:09:30	18:30:31	20:50:36	23:13:25	1:37:48	3:41:10	5:20:45
14	6:40:39	8:01:46	9:33:29	11:27:01	13:42:20	16:05:34	18:26:35	20:46:40	23:09:29	1:33:52	3:37:14	5:16:49
15	6:36:43	7:57:50	9:29:33	11:23:05	13:38:24	16:01:38	18:22:39	20:42:44	23:05:33	1:29:56	3:33:18	5:12:53
16	6:32:47	7:53:54	9:25:38	11:19:10	13:34:28	15:57:42	18:18:43	20:38:48	23:01:37	1:26:00	3:29:22	5:08:57
17	6:28:51	7:49:58	9:21:42	11:15:14	13:30:32	15:53:46	18:14:47	20:34:52	22:57:41	1:22:04	3:25:26	5:05:01
18	6:24:55	7:46:02	9:17:46	11:11:18	13:26:36	15:49:50	18:10:52	20:30:56	22:53:45	1:18:08	3:21:30	5:01:05
19	6:20:59	7:42:06	9:13:50	11:07:22	13:22:41	15:45:54	18:06:56	20:27:00	22:49:50	1:14:12	3:17:34	4:57:09
20	6:17:03	7:38:10	9:09:54	11:03:26	13:18:45	15:41:58	18:03:00	20:23:05	22:45:54	1:10:16	3:13:39	4:53:13
21	6:13:07	7:34:15	9:05:58	10:59:30	13:14:49	15:38:03	17:59:04	20:19:09	22:41:58	1:06:20	3:09:43	4:49:17
22	6:09:11	7:30:19	9:02:02	10:55:34	13:10:53	15:34:07	17:55:08	20:15:13	22:38:02	1:02:24	3:05:47	4:45:22
23	6:05:16	7:26:23	8:58:06	10:51:38	13:06:57	15:30:11	17:51:12	20:11:17	22:34:06	0:58:29	3:01:51	4:41:26
24	6:01:20	7:22:27	8:54:10	10:47:42	13:03:01	15:26:15	17:47:16	20:07:21	22:30:10	0:54:33	2:57:55	4:37:30
25	5:57:24	7:18:31	8:50:14	10:43:46	12:59:05	15:22:19	17:43:20	20:03:25	22:26:14	0:50:37	2:53:59	4:33:34
26	5:53:28	7:14:35	8:46:18	10:39:51	12:55:09	15:18:23	17:39:24	19:59:29	22:22:18	0:46:41	2:50:03	4:29:38
27	5:49:32	7:10:39	8:42:23	10:35:55	12:51:13	15:14:27	17:35:28	19:55:33	22:18:22	0:42:45	2:46:07	4:25:42
28	5:45:36	7:06:43	8:38:27	10:31:59	12:47:17	15:10:31	17:31:33	19:51:37	22:14:26	0:38:49	2:42:11	4:21:46
29	5:41:40	7:02:47	8:34:31	10:28:03	12:43:22	15:06:35	17:27:37	19:47:41	22:10:31	0:34:53	2:38:15	4:17:50
30	5:37:44	6:58:51	8:30:35	10:24:07	12:39:26	15:02:39	17:23:41	19:43:46	22:06:35	0:30:57	2:34:19	4:13:54
31	5:33:48	6:54:56	8:26:39	10:20:11	12:35:30	14:58:44	17:19:45	19:39:50	22:02:39	0:23:05	2:30:24	4:09:58

दैनिक लग्न सारणी अप्रैल भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

अप्रैल	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:51:00	8:22:43	10:16:15	12.31:34	14:54:48	17:15:49	19:35:54	21:58:03	0:19:10	2:26:28	4:06:03	5:29:52
2	6:47:04	8:18:47	10:12:19	12:27:38	14:50:52	17:11:53	19:31:58	21:54:37	0:15:14	2:22:32	4:02:07	5:25:56
3	6:43:08	8:14:51	10:08:23	12:23:42	14:46:56	17:07:57	19:28:02	21:50:51	0:11:18	2:18:36	3:58:11	5:22:01
4	6:39:12	8:10:55	10:04:27	12:19:46	14:43:00	17:04:01	19:24:06	21:46:55	0:07:22	2:14:40	3:54:15	5:18:05
5	6:35:16	8:06:59	10:00:32	12:15:50	14:39:04	17:00:05	19:20:10	21:42:59	0:03:26	2:10:44	3:50:19	5:14:09
6	6:31:20	8:03:04	9:56:36	12:11:54	14:35:08	16:56:09	19:16:14	21:39:03	23:59:30	2:06:48	3:46:23	5:10:13
7	6:27:24	7:59:08	9:52:40	12:07:58	14:31:12	16:52:14	19:12:18	21:35:07	23:55:34	2:02:52	3:42:27	5:06:17
8	6:23:28	7:55:12	9:48:44	12:04:03	14:27:16	16:48:18	19:08:22	21:31:12	23:51:38	1:58:56	3:38:31	5:02:21
9	6:19:32	7:51:16	9:44:48	12:00:07	14:23:20	16:44:22	19:04:27	21:27:16	23:47:42	1:55:00	3:34:35	4:58:25
10	6:15:36	7:47:20	9:40:52	11:56:11	14:19:25	16:40:26	19:00:31	21:23:20	23:43:46	1:51:05	3:30:39	4:54:29
11	6:11:41	7:43:24	9:36:56	11:52:15	14:15:29	16:36:30	18:56:35	21:19:24	23:39:51	1:47:09	3:26:43	4:50:33
12	6:07:45	7:39:28	9:33:00	11:48:19	14:11:33	16:32:34	18:52:39	21:15:28	23:35:55	1:43:13	3:22:48	4:46:37
13	6:03:49	7:35:32	9:29:04	11:44:23	14:07:37	16:28:38	18:48:43	21:11:32	23:31:59	1:39:17	3:18:52	4:42:42
14	5:59:53	7:31:36	9:25:08	11:40:27	14:03:41	16:24:42	18:44:47	21:07:36	23:28:03	1:35:21	3:14:56	4:38:46
15	5:55:57	7:27:40	9:21:13	11:36:31	13:59:45	16:20:46	18:40:51	21:03:40	23:24:07	1:31:25	3:11:00	4:34:50
16	5:52:01	7:23:45	9:17:17	11:32:35	13:55:49	16:16:50	18:36:55	20:59:44	23:20:11	1:27:29	3:07:04	4:30:54
17	5:48:05	7:19:49	9:13:21	11:28:39	13:51:53	16:12:55	18:32:59	20:55:48	23:16:15	1:23:33	3:03:08	4:26:58
18	5:44:09	7:15:53	9:09:25	11:24:44	13:47:57	16:08:59	18:29:03	20:51:53	23:12:19	1:19:37	2:59:12	4:23:02
19	5:40:13	7:11:57	9:05:29	11:20:48	13:44:01	16:05:03	18:25:07	20:47:57	23:08:23	1:15:41	2:55:16	4:19:06
20	5:36:17	7:08:01	9:01:33	11:16:52	13:40:06	16:01:07	18:21:12	20:44:01	23:04:27	1:11:46	2:51:20	4:15:10
21	5:32:22	7:04:05	8:57:37	11:12:56	13:36:10	15:57:11	18:17:16	20:40:05	23:00:32	1:07:50	2:47:24	4:11:14
22	5:28:26	7:00:09	8:53:41	11:09:00	13:32:14	15:53.15	18:13:20	20:36:09	22:56:36	1:03:54	2:43:29	4:07:18
23	5:24:30	6:56:13	8:49:45	11:05:04	13:28:18	15:49:19	18:09:24	20:32:13	22:52:40	0:59:58	2:39:33	4:03:22
24	5:20:34	6:52:17	8:45:49	11:01:08	13:24:22	15:45:23	18:05:28	20:28:17	22:48:44	0:56:02	2:35:37	3:59:27
25	5:16:38	6:48:21	8:41:54	10:57:12	13:20:26	15:41:27	18:01:32	20:24:21	22:44:48	0:52:06	2:31:41	3:55:31
26	5:12:42	6:44:26	8:37:58	10:53:16	13:16:30	15:37:31	17:57:36	20:20:25	22:40:52	0:48:10	2:27:45	3:51:35
27	5.08:46	6:40:30	8:34:02	10:49:20	13:12:34	15:33:36	17:53:40	20:16:29	22:36:56	0:44:14	2:23:49	3:47:39
28	5:04:50	6:36:34	8:30:06	10:45:25	13:08:38	15:29:40	17:49:44	20:12:34	22:33:00	0:40:18	2:19:53	3:43:43
29	5:00:54	6:32:38	8:26:10	10:41:29	13:04:42	15:25:44	17:45:49	20:08:38	22:29:04	0:36:22	2:15:57	3:39:47
30	4 56:58	6:28:42	8:22:14	10:37:33	13:00:47	15:21:48	17:41:53	20:04:42	22:25:08	0:32:27	2:12:01	3:35:51

दैनिक लग्न, सारणी मई भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

मई	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:24:46	8:18:18	10:33:37	12:56:51	15:17:52	17:37:57	20:00:46	22:21:13	0:28:31	2:08:05	3:31:55	4:53:02
2	6:20:50	8:14:22	10:29:41	12:52:55	15:13:56	17:34:01	19:56:50	22:17:17	0:20:39	2:04:10	3:27:59	4:49:07
3	6:16:54	8:10:26	10:25:45	12:48:59	15:10:00	17:30:05	19:52:54	22:13:21	0:16:43	2:00:14	3:24:03	4:45:11
4	6:12:58	8:06:30	10:21:49	12:45:03	15:06:04	17:26:09	19:48:58	22:09:25	0:12:47	1:56:18	3:20:08	4:41:15
5	6:09:02	8:02:35	10:17:53	12:41:07	15:02:08	17:22:13	19:45:02	22:05:29	0:08:51	1:52:22	3:16:12	4:37:19
6	6:05:07	7:58:39	10:13:57	12:37:11	14:58:12	17:18:17	19:41:06	22:01:33	0:04:55	1:48:26	3:12:16	4:33:23
7	6:01:11	7:54:43	10:10:01	12:33:15	14:54:17	17:14:21	19:37:10	21:57:37	0:00:59	1:44:30	3:08:20	4:29:27
8	5:57:15	7:50:47	10:06:06	12:29:19	14:50:21	17:10:25	19:33:15	21:53:41	23:57:03	1:40:34	3:04:24	4:25:31
9	5:53:19	7:46:51	10:02:10	12:25:24	14:46:25	17:06:30	19:29:19	21:49:45	23:53:08	1:36:38	3:00:28	4:21:35
10	5:49:23	7:42:55	9:58:14	12:21:28	14:42:29	17:02:34	19:25:23	21:45:50	23:49:12	1:32:42	2:56:32	4:17:39
11	5:45:27	7:38:59	9:54:18	12:17:32	14:38:33	16:58:38	19:21:27	21:41:54	23:45:16	1:28:46	2:52:36	4:13:43
12	5:41:31	7:35:03	9:50:22	12:13:36	14:34:37	16:54:42	19:17:31	21:37:58	23:41:20	1:24:51	2:48:40	4:09:48
13	5:37:35	7:31:07	9:46:26	12:09:40	14:30:41	16:50:46	19:13:35	21:34:02	23:37:24	1:20:55	2:44:44	4:05:52
14	5:33:39	7:27:11	9:42:30	12:05:44	14:26:45	16:46:50	19:09:39	21:30:06	23:33:28	1:16:59	2:40:49	4:01:56
15	5:29:43	7:23:16	9:38:34	12:01:48	14:22:49	16:42:54	19:05:43	21:26:10	23:29:32	1:13:03	2:36:53	3:58:00
16	5:25:47	7:19:20	9:34:38	11:57:52	14:18:53	16:38:58	19:01:47	21:22:14	23:25:36	1:09:07	2:32:57	3:54:04
17	5:21:52	7:15:24	9:30:42	11:53:56	14:14:58	16:35:02	18:57:52	21:18:18	23:21:40	1:05:11	2:29:01	3:50:08
18	5:17:56	7:11:28	9:26:47	11:50:00	14:11:02	16:31:06	18:53:56	21:14:22	23:17:44	1:01:15	2:25:05	3:46:12
19	5:14:00	7:07:32	9:22:51	11:46:05	14:07:06	16:27:11	18:50:00	21:10:26	23:13:49	0:57:19	2:21:09	3:42:16
20	5:10:04	7:03:36	9:18:55	11:42:09	14:03:10	16:23:15	18:46:04	21:06:31	23:09:53	0:53:23	2:17:13	3:38:20
21	5:06:08	6:59:40	9:14:59	11:38:13	13:59:14	16:19:19	18:42:08	21:02:35	23:05:57	0:49:27	2:13:17	3:34:24
22	5:02:12	6:55:44	9:11:03	11:34:17	13:55:18	16:15:23	18:38:12	20:58:39	23:02:01	0:45:32	2:09:21	3:30:29
23	4:58:16	6:51:48	9:07:07	11:30:21	13:51:22	16:11:27	18:34:16	20:54:43	22:58:05	0:41:36	2:05:25	3:26:33
24	4:54:20	6:47:52	9:03:11	11:26:25	13:47:26	16:07:31	18:30:20	20:50:47	22:54:09	0:37:40	2:01:30	3:22:37
25	4:50:24	6:43:57	8:59:15	11:22:29	13:43:30	16:03:35	18:26:24	20:46:51	22:50:13	0:33:44	1:57:34	3:18:41
26	4:46:29	6:40:01	8:55:19	11:18:33	13:39:35	15:59:39	18:22:28	20:42:55	22:46:17	0:29:48	1:53:38	3:14:45
27	4:42:33	6:36:05	8:51:24	11:14:37	13:35:39	15:55:43	18:18:33	20:38:59	22:42:21	0:25:52	1:49:42	3:10:49
28	4:38:37	6:32:09	8:47:28	11:10:41	13:31:43	15:51:48	18:14:37	20:35:03	22:38:25	0:18:00	1:45:46	3:06:53
29	4:34:41	6:28:13	8:43:32	11:06:46	13:27:47	15:47:52	18:10:41	20:31:07	22:34:30	0:14:04	1:41:50	3:02:57
30	4:30:45	6:24:17	8:39:36	11:02:50	13:23:51	15:43:56	18:06:45	20:27:12	22:30:34	0:10:08	1:37:54	2:59:01
31	4:26:49	6:20:21	8:35:40	10:58:54	13:19:55	15:40:00	18:02:49	20:23:16	22:26:38	0:06:12	1:33:58	2:55:05

दैनिक लग्न सारणी (जून) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

जून	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:16:25	8:31:44	10:54:58	13:15:59	15:36:04	17:58:53	20:19:20	22:22:42	0:02:17	1:30:02	2:51:10	4:22:53
2	6:12:29	8:27:48	10:51:02	13:12:03	15:32:08	17:54:57	20:15:24	22:18:46	23:58:21	1:26:06	2:47:14	4:18:57
3	6:08:33	8:23:52	10:47:06	13:08:07	15:28:12	17:51:01	20:11:28	22:14:50	23:54:25	1:22:11	2:43:18	4:15:01
4	6:04:38	8:19:56	10:43:10	13:04:11	15:24:16	17:47:05	20:07:32	22:10:54	23:50:29	1:18:15	2:39:22	4:11:05
5	6:00:42	8:16:00	10:39:14	13:00:16	15:20:20	17:43:10	20:03:36	22:06:58	23:46:33	1:14:19	2:35:26	4:07:10
6	5:56:46	8:12:05	10:35:18	12:56:20	15:16:25	17:39:14	19:59:40	22:03:02	23:42:37	1:10:23	2:31:30	4:03:14
7	5:52:50	8:08:09	10:31:23	12:52:24	15:12:29	17:35:18	19:55:44	21:59:06	23:38:41	1:06:27	2:27:34	3:59:18
8	5:48:54	8:04:13	10:27:27	12:48:28	15:08:33	17:31:22	19:51:49	21:55:11	23:34:45	1:02:31	2:23:38	3:55:22
9	5:44:58	8:00:17	10:23:31	12:44:32	15:04:37	17:27:26	19:47:53	21:51:15	23:30:49	0:58:35	2:19:42	3:51:26
10	5:41:02	7:56:21	10:19:35	12:40:36	15:00:41	17:23:30	19:43:57	21:47:19	23:26:53	0:54:39	2:15:46	3:47:30
11	5:37:06	7:52:25	10:15:39	12::36:40	14:56:45	17:19:34	19:40:01	21:43:23	23:22:58	0:50:43	2:11:51	3:43:34
12	5:33:10	7:48:29	10:11:43	12:32:44	14:52:49	17:15:38	19:36:05	21:39:27	23:19:02	0:46:47	2:07:55	3:39:38
13	5:29:15	7:44:33	10:07:47	12:28:48	14:48:53	17:11:42	19:32:09	21:35:31	23:15:06	0:42:51	2:03:59	3:35:42
14	5:25:19	7:40:37	10:03:51	12:24:53	14:44:57	17:07:46	19:28:13	21:31:35	23:11:10	0:38:56	2:00:03	3:31:46
15	5:21:23	7:36:42	9:59:55	12:20:57	14:41:01	17:03:51	19:24:17	21:27:39	23:07:14	0:35:00	1:56:07	3:27:51
16	5:17:27	7:32:46	9:55:59	12:17:01	14:37:06	16:59:55	19:20:21	21:23:43	23:03:18	0:31:04	1:52:11	3:23:55
17	5:13:31	7:28:50	9:52:04	12:13:05	14:33:10	16:55:59	19:16:25	21:19:47	22:59:22	0:27:08	1:48:15	3:19:59
18	5:09:35	7:24:54	9:48:08	12:09:09	14:29:14	16:52:03	19:12:30	21:15:52	22:55:26	0:19:16	1:44:19	3:16:03
19	5:05:39	7:20:58	9:44:12	12:05:13	14:25:18	16:48:07	19:08:34	21:11:56	22:51:30	0:15:20	1:40:23	3:12:07
20	5:01:43	7:17:02	9:40:16	12:01:17	14:21:22	16:44:11	19:04:38	21:08:00	22:47:34	0:11:24	1:36:27	3:08:11
21	4:57:47	7:13:06	9:36:20	11:57:21	14:17:26	16:40:15	19:00:42	21:04:04	22:43:39	0:07:28	1:32:32	3:04:15
22	4:53:51	7:09:10	9:32:24	11:53:25	14:13:30	16:36:19	18:56:46	21:00:08	22:39:43	0:03:32	1:28:36	3:00:19
23	4:49:56	7:05:14	9:28:28	11:49:29	14:09:34	16:32:23	18:52:50	20:56:12	22:35:47	23:59:37	1:24:40	2:56:23
24	4:46:00	7:01:18	9:24:32	11:45:34	14:05:38	16:28:27	18:48:54	20:52:16	22:31:51	23:55:41	1:20:44	2:52:27
25	4:42:04	6:57:23	9:20:36	11:41:38	14:01:42	16:24:32	18:44:58	20:48:20	22:27:55	23:51:45	1:16:48	2:48:32
26	4:38:08	6:53:27	9:16:41	11:37:42	13:57:47	16:20:36	18:41:02	20:44:24	22:23:59	23:47:49	1:12:52	2:44:36
27	4:34:12	6:49:31	9:12:45	11:33:46	13:53:51	16:16:40	18:37.06	20:40:28	22:20:03	23:43:53	1:08:56	2:40:40
28	4:30:16	6:45:35	9:08:49	11:29:50	13:49:55	16:12:44	18:33:11	20:36:33	22:16:07	23:39:57	1:05:00	2:36:44
29	4:26:20	6:41:39	9:04:53	11:25:54	13:45:59	16:08:48	18:29:15	20:32:37	22:12:11	23:36:01	1:01:04	2:32:48
30	4:22:24	6:37:43	9:00:57	11:21:58	13:42:03	16:04:52	18:25:19	20:28:41	22:08:15	23:32:05	0:57:08	2:28:52

दैनिक लग्न सारणी जुलाई भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

जुलाई	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:33:47	8:57:01	11:18:02	13:38:07	16:00:56	18:21:23	20:24:45	22:04:20	23:28:09	0:53:13	2:24:56	4:18:28
2	6:29:51	8:53:05	11:14:06	13:34:11	15:57:00	18:17:27	20:20:49	22:00:24	23:24:13	0:49:17	2:21:00	4:14:33
3	6:25:55	8:49:09	11:10:11	13:30:15	15:53:04	18:13:31	20:16:53	21:56:28	23:20:18	0:45:21	2:17:04	4:10:37
4	6:22:00	8:45:13	11:06:15	13:26:19	15:49:09	18:09:35	20:12:57	21:52:32	23:16:22	0:41:25	2:13:08	4:06:41
5	6:18:04	8:41:18	11:02:19	13:22:24	15:45:13	18:05:39	20:09:01	21:48:36	23:12:26	0:37:29	2:09:13	4:02:45
6	6:14:08	8:37:22	10:58:23	13:18:28	15:41:17	18:01:43	20:05:05	21:44:40	23:08:30	0:33:33	2:05:17	3:58:49
7	6:10:12	8:33:26	10:54:27	13:14:32	15:37:21	17:57:48	20:01:10	21:40:44	23:04:34	0:29:37	2:01:21	3:54:53
8	6:06:16	8:29:30	10:50:31	13:10:36	15:33:25	17:53:52	19:57:14	21:36:48	23:00:38	0:25:41	1:57:25	3:50:57
9	6:02:20	8:25:34	10:46:35	13:06:40	15:29:29	17:49:56	19:53:18	21:32:52	22:56:42	0:17:49	1:53:29	3:47:01
10	5:58:24	8:21:38	10:42:39	13:02:44	15:25:33	17:46:00	19:49:22	21:28:56	22:52:46	0:13:54	1:49:33	3:43:05
11	5:54:28	8:17:42	10:38:43	12:58:48	15:21:37	17:42:04	19:45:26	21:25:01	22:48:50	0:09:58	1:45:37	3:39:09
12	5:50:32	8:13:46	10:34:47	12:54:52	15:17:41	17:38:08	19:41:30	21:21:05	22:44:54	0:06:02	1:41:41	3:35:14
13	5:46:37	8:09:50	10:30:52	12:50:56	15:13:46	17:34:12	19:37:34	21:17:09	22:40:59	0:02:06	1:37:45	3:31:18
14	5:42:41	8:05:54	10:26:56	12:47:00	15:09:50	17:30:16	19:33:38	21:13:13	22:37:03	23:58:10	1:33:49	3:27:22
15	5:38:45	8:01:59	10:23:00	12:43:05	15:05:54	17:26:20	19:29:42	21:09:17	22:33:07	23:54:14	1:29:54	3:23:26
16	5:34:49	7:58:03	10:19:04	12:39:09	15:01:58	17:22:24	19:25:46	21:05:21	22:29:11	23:50:18	1:25:58	3:19:30
17	5:30:53	7:54:07	10:15:08	12:35:13	14:58:02	17:18:29	19:21:51	21:01:25	22:25:15	23:46:22	1:22:02	3:15:34
18	5:26:57	7:50:11	10:11:12	12:31:17	14:54:06	17:14:33	19:17:55	20:57:29	22:21:19	23:42:26	1:18:06	3:11:38
19	5:23:01	7:46:15	10:07:16	12:27:21	14:50:10	17:10:37	19:13:59	20:53:33	22:17:23	23:38:30	1:14:10	3:07:42
20	5:19:05	7:42:19	10:03:20	12:23:25	14:46:14	17:06:41	19:10:03	20:49:37	22:13:27	23:34:35	1:10:14	3:03:46
21	5:15:09	7:38:23	9:59:24	12:19:29	14:42:18	17:02:45	19:06:07	20:45:42	22:09:31	23:30:39	1:06:18	2:59:50
22	5:11:13	7:34:27	9:55:28	12:15:33	14:38:22	16:58:49	19:02:11	20:41:46	22:05:35	23:26:43	1:02:22	2:55:55
23	5:07:18	7:30:31	9:51:33	12:11:37	14:34:27	16:54:53	18:58:15	20:37:50	22:01:40	23:22:47	0:58:26	2:51:59
24	5:03:22	7:26:35	9:47:37	12:07:41	14:30:31	16:50:57	18:54:19	20:33:54	21:57:44	23:18:51	0:54:30	2:48:03
25	4:59:26	7:22:40	9:43:41	12:03:46	14:26:35	16:47:01	18:50:23	20:29:58	21:53:48	23:14:55	0:50:35	2:44:07
26	4:55:30	7:18:44	9:39:45	11:59:50	14:22:39	16:43:05	18:46:27	20:26:02	21:49:52	23:10:59	0:46:39	2:40:11
27	4:51:34	7:14:48	9:35:49	11:55:54	14:18:43	16:39:10	18:42:32	20:22:06	21:45:56	23:07:03	0:42:43	2:36:15
28	4:47:38	7:10:52	9:31:53	11:51:58	14:14:47	16:35:14	18:38:36	20:18:10	21:42:00	23:03:07	0:38:47	2:32:19
29	4:43:42	7:06:56	9:27:57	11:48:02	14:10:51	16:31:18	18:34:40	20:14:14	21:38:04	22:59:11	0:34:51	2:28:23
30	4:39:46	7:03:00	9:24:01	11:44:06	14:06:55	16:27:22	18:30:44	20:10:18	21:34:08	22:55:15	0:30:55	2:24:27
31	4:35:50	6:59:04	9:20:05	11:40:10	14:02:59	16:23:26	18:26:48	20:06:23	21:30:12	22:51:20	0:26:59	2:20:32

दैनिक लग्न सारणी अगस्त भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

अगस्त	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	6:55:08	9:16:10	11:36:14	13:59:03	16:19:30	18:22:52	20:02:27	21:26:16	22:47:24	0:19:07	2:16:36	4:31:54
2	6:51:12	9:12:14	11:32:18	13:55:08	16:15:34	18:18:56	19:58:31	21:22:21	22:43:28	0:15:11	2:12:40	4:27:59
3	6:47:17	9:08:18	11:28:23	13:51:12	16:11:38	18:15:00	19:54:35	21:18:25	22:39:32	0:11:16	2:08:44	4:24:03
4	6:43:21	9:04:22	11:24:27	13:47:16	16:07:42	18:11:04	19:50:39	21:14:29	22:35:36	0:07:20	2:04:48	4:20:07
5	6:39:25	9:00:26	11:20:31	13:43:20	16:03:47	18:07:08	19:46:43	21:10:33	22:31:40	0:03:24	2:00:52	4:16:11
6	6:35:29	8:56:30	11:16:35	13:39:24	15:59:51	18:03:13	19:42:47	21:06:37	22:27:44	23:59:28	1:56:56	4:12:15
7	6:31:33	8:52:34	11:12:39	13:35:28	15:55:55	17:59:17	19:38:51	21:02:41	22:23:48	23:55:32	1:53:00	4:08:19
8	6:27:37	8:48:38	11:08:43	13:31:32	15:51:59	17:55:21	19:34:55	20:58:45	22:19:52	23:51:36	1:49:04	4:04:23
9	6:23:41	8:44:42	11:04:47	13:27:36	15:48:03	17:51:25	19:30:59	20:54:49	22:15:56	23:47:40	1:45:08	4:00:27
10	6:19:45	8:40:46	11:00:51	13:23:40	15:44:07	17:47:29	19:27:04	20:50:53	22:12:01	23:43:44	1:41:12	3:56:31
11	6:15:49	8:36:51	10:56:55	13:19:44	15:40:11	17:43:33	19:23:08	20:46:57	22:08:05	23:39:48	1:37:17	3:52:35
12	6:11:53	8:32:55	10:52:59	13:15:49	15:36:15	17:39:37	19:19:12	20:43:02	22:04:09	23:35:52	1:33:21	3:48:40
13	6:07:58	8:28:59	10:49:04	13:11:53	15:32:19	17:35:41	19:15:16	20:39:06	22:00:13	23:31:57	1:29:25	3:44:44
14	6:04:02	8:25:03	10:45:08	13:07:57	15:28:23	17:31:45	19:11:20	20:35:10	21:56:17	23:28:01	1:25:29	3:40:48
15	6:00:06	8:21:07	10:41:12	13:04:01	15:24:28	17:27:49	19:07:24	20:31:14	21:52:21	23:24:05	1:21:33	3:36:52
16	5:56:10	8:17:11	10:37:16	13:00:05	15:20:32	17:23:54	19:03:28	20:27:18	21:48:25	23:20:09	1:17:37	3:32:56
17	5:52:14	8:13:15	10:33:20	12:56:09	15:16:36	17:19:58	18:59:32	20:23:22	21:44:29	23:16:13	1:13:41	3:29:00
18	5:48:18	8:09:19	10:29:24	12:52:13	15:12:40	17:16:02	18:55:36	20:19:26	21:40:33	23:12:17	1:09:45	3:25:04
19	5:44:22	8:05:23	10:25:28	12:48:17	15:08:44	17:12:06	18:51:40	20:15:30	21:36:37	23:08:21	1:05:49	3:21:08
20	5:40:26	8:01:27	10:21:32	12:44:21	15:04:48	17:08:10	18:47:44	20:11:34	21:32:42	23:04:25	1:01:53	3:17:12
21	5:36:30	7:57:32	10:17:36	12:40:26	15:00:52	17:04:14	18:43:49	20:07:38	21:28:46	23:00:29	0:57:58	3:13:16
22	5:32:34	7:53:36	10:13:40	12:36:30	14:56:56	17:00:18	18:39:53	20:03:42	21:24:50	22:56:33	0:54:02	3:09:21
23	5:28:39	7:49:40	10:09:45	12:32:34	14:53:00	16:56:22	18:35:57	19:59:47	21:20:54	22:52:38	0:50:06	3:05:25
24	5:24:43	7:45:44	10:05:49	12:28:38	14:49:04	16:52:26	18:32:01	19:55:51	21:16:58	22:48:42	0:46:10	3:01:29
25	5:20:47	7:41:48	10:01:53	12:24:42	14:45:09	16:48:30	18:28:05	19:51:55	21:13:02	22:44:46	0:42:14	2:57:33
26	5:16:51	7:37:52	9:57:57	12:20:46	14:41:13	16:44:35	18:24:09	19:47:59	21:09:06	22:40:50	0:38:18	2:53:37
27	5:12:55	7:33:56	9:54:01	12:16:50	14:37:17	16:40:39	18:20:13	19:44:03	21:05:10	22:36:54	0:34:22	2:49:41
28	5:08:59	7:30:00	9:50:05	12:12:54	14:33:21	16:36:43	18:16:17	19:40:07	21:01:14	22:32:58	0:30:26	2:45:45
29	5:05:03	7:26:04	9:46:09	12:08:58	14:29:25	16:32:47	18:12:21	19:36:11	20:57:18	22:29:02	0:26:30	2:41:49
30	5:01:07	7:22:08	9:42:13	12:05:02	14:25:29	16:28:51	18:08:25	19:32:15	20:53:22	22:25:06	0:18:39	2:37:53
31	4:57:11	7:18:13	9:38:17	12:01:07	14:21:33	16:24:55	18:04:30	19:28:19	20:49:27	22:21:10	0:14:43	2:33:58

दैनिक लग्न सारणी सितंबर भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

सितम्बर ता.	सिंह घ. मि. सै.	कन्या घ. मि. सै.	तुला घ. मि. सै.	वृश्चिक घ. मि. सै.	धनु घ. मि. सै.	मकर घ. मि. सै.	कुम्भ घ. मि. सै.	मीन घ. मि. सै.	मेष घ. मि. सै.	वृष घ. मि. सै.	मिथुन घ. मि. सै.	कर्क घ. मि. सै.
1	7:14:17	9:34:21	11:57:11	14:17:37	16:20:59	18:00:34	19:24:23	20:45:31	22:17:14	0:10:47	2:30:02	4:53:15
2	7:10:21	9:30:26	11:53:15	14:13:41	16:17:03	17:56:38	19:20:28	20:41:35	22:13:18	0:06:51	2:26:06	4:49:20
3	7:06:25	9:26:30	11:49:19	14:09:45	16:13:07	17:52:42	19:16:32	20:37:39	22:09:23	0:02:55	2:22:10	4:45:24
4	7:02:29	9:22:34	11:45:23	14:05:50	16:09:11	17:48:46	19:12:36	20:33:43	22:05:27	23:58:59	2:18:14	4:41:28
5	6:58:33	9:18:38	11:41:27	14:01:54	16:05:16	17:44:50	19:08:40	20:29:47	22:01:31	23:55:03	2:14:18	4:37:32
6	6:54:37	9:14:42	11:37:31	13:57:58	16:01:20	17:40:54	19:04:44	20:25:51	21:57:35	23:51:07	2:10:22	4:33:36
7	6:50:41	9:10:46	11:33:35	13:54:02	15:57:24	17:36:58	19:00:48	20:21:55	21:53:39	23:47:11	2:06:26	4:29:40
8	6:46:45	9:06:50	11:29:39	13:50:06	15:53:28	17:33:02	18:56:52	20:17:59	21:49:43	23:43:15	2:02:30	4:25:44
9	6:42:49	9:02:54	11:25:43	13:46:10	15:49:32	17:29:06	18:52:56	20:14:03	21:45:47	23:39:20	1:58:34	4:21:48
10	6:38:54	8:58:58	11:21:48	13:42:14	15:45:36	17:25:11	18:49:00	20:10:08	21:41:51	23:35:24	1:54:39	4:17:52
11	6:34:58	8:55:02	11:17:52	13:38:18	15:41:40	17:21:15	18:45:04	20:06:12	21:37:55	23:31:28	1:50:43	4:13:56
12	6:31:02	8:51:07	11:13:56	13:34:22	15:37:44	17:17:19	18:41:08	20:02:16	21:33:59	23:27:32	1:46:47	4:10:01
13	6:27:06	8:47:11	11:10:00	13:30:26	15:33:48	17:13:23	18:37:13	19:58:20	21:30:04	23:23:36	1:42:51	4:06:05
14	6:23:10	8.43:15	11:06:04	13:26:31	15:29:52	17:09:27	18:33:17	19:54:24	21:26:08	23:19:40	1:38:55	4:02:09
15	6:19:14	8:39:19	11:02:08	13:22:35	15:25:56	17:05:31	18:29:21	19:50:28	21:22:12	23:15:44	1:34:59	3:58:13
16	6:15:18	8:35:23	10:58:12	13:18:39	15:22:01	17:01:35	18:25:25	19:46:32	21:18:16	23:11:48	1:31:03	3:54:17
17	6:11:22	8:31:27	10:54:16	13:14:43	15:18:05	16:57:39	18:21:29	19:42:36	21:14:20	23:07:52	1:27:07	3:50:21
18	6:07:26	8:27:31	10:50:20	13:10:47	15:14:09	16:53:43	18:17:33	19:38:40	21:10:24	23:03:56	1:23:11	3:46:25
19	6:03:30	8:23:35	10:46:24	13:06:51	15:10:13	16:49:47	18:13:37	19:34:44	21:06:28	23:00:01	1:19:15	3:42:29
20	5:59:35	8:19:39	10:42:29	13:02:55	15:06:17	16:45:51	18:09:41	19:30:49	21:02:32	22:56:05	1:15:19	3:38:33
21	5:55:39	8:15:43	10:38:33	12:58:59	15:02:21	16:41:56	18:05:45	19:26:53	20:58:36	22:52:09	1:11:24	3:34:37
22	5:51:43	8:11:48	10:34:37	12:55:03	14:58:25	16:38:00	18:01:49	19:22:57	20:54:40	22:48:13	1:07:28	3:30:42
23	5:47:47	8:07:52	10:30:41	12:51:07	14:54:29	16:34:04	17:57:54	19:19:01	20:50:45	22:44:17	1:03:32	3:26:46
24	5:43:51	8:03:56	10:26:45	12:47:12	14:50:33	16:30:08	17:53:58	19:15:05	20:46:49	22:40:21	0:59:36	3:22:50
25	5:39:55	8:00:00	10:22:49	12:43:16	14:46:37	16:26:12	17:50:02	19:11:09	20:42:53	22:36:25	0:55:40	3:18:54
26	5:35:59	7:56:04	10:18:53	12:39:20	14:42:42	16:22:16	17:46:06	19:07:13	20:38:57	22:32:29	0:51:44	3:14:58
27	5:32:03	7:52:08	10:14:57	12:35:24	14:38:46	16:18:20	17:42:10	19:03:17	20:35:01	22:28:33	0:47:48	3:11:02
28	5:28:07	7:48:12	10:11:01	12:31:28	14:34:50	16:14:24	17:38:14	18:59:21	20:31:05	22:24:37	0:43:52	3:07:06
29	5:24:11	7:44:16	10:07:05	12:27:32	14:30:54	16:10:28	17:34:18	18:55:25	20:27:09	22:20:42	0:39:56	3:03:10
30	5:20:16	7:40:20	10:03:09	12:23:36	14:26:58	16:06:32	17:30:22	18:51:29	20:23:13	22:16:46	0:36:00	2.59:14

दैनिक लग्न सारणी (अक्तूबर) भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

अक्तूबर	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	7:36:24	9:59:14	12:19:40	14:23:02	16:02:37	17:26:26	18:47:34	20:19:17	22:12:50	0:32:05	2:55:18	5:16:20
2	7:32:29	9:55:18	12:15:44	14:19:06	15:58:41	17:22:30	18:43:38	20:15:21	22:08:54	0:28:09	2:51:22	5:12:24
3	7:28:33	9:51:22	12:11:48	14:15:10	15:54:45	17:18:34	18:39:42	20:11:26	22:04:58	0:20:17	2:47:27	5:08:28
4	7:24:37	9:47:26	12:07:52	14:11:14	15:50:49	17:14:39	18:35:46	20:07:30	22:01:02	0:16:21	2:43:31	5:04:32
5	7:20:41	9:43:30	12:03:57	14:07:18	15:46:53	17:10:43	18:31:50	20:03:34	21:57:06	0:12:25	2:39:35	5:00:36
6	7:16:45	9:39:34	12:00:01	14:03:23	15:42:57	17:06:47	18:27:54	19:59:38	21:53:10	0:08:29	2:35:39	4:56:40
7	7:12:49	9:35:38	11:56:05	13:59:27	15:39:01	17:02:51	18:23:58	19:55:42	21:49:14	0:04:33	2:31:43	4:52:44
8	7:08:53	9:31:42	11:52:09	13:55:31	15:35:05	16:58:55	18:20:02	19:51:46	21:45:18	0:00:37	2:27:47	4:48:48
9	7:04:57	9:27:46	11:48:13	13:51:35	15:31:09	16:54:59	18:16:06	19:47:50	21:41:23	23:56:41	2:23:51	4:44:52
10	7:01:01	9:23:51	11:44:17	13:47:39	15:27:13	16:51:03	18:12:10	19:43:54	21:37:27	23:52:46	2:19:55	4:40:57
11	6:57:05	9:19:55	11:40:21	13:43:43	15:23:18	16:47:07	18:08:15	19:39:58	21:33:31	23:48:50	2:15:59	4:37:01
12	6:53:10	9:15:59	11:36:25	13:39:47	15:19:22	16:43:11	18:04:19	19:36:02	21:29:35	23:44:54	2:12:03	4:33:05
13	6:49:14	9:12:03	11:32:29	13:35:51	15:15:26	16:39:15	18:00:23	19:32:06	21:25:39	23:40:58	2:08:08	4:29:09
14	6:45:18	9:08:07	11:28:33	13:31:55	15:11:30	16:35:20	17:56:27	19:28:11	21:21:13	23:37:02	2:04:12	4:25:13
15	6:41:22	9:04:11	11:24:38	13:27:59	15:07:34	16:31:24	17:52:31	19:24:15	21:17:47	23:33:06	2:00:16	4:21:17
16	6:37:26	9:00:15	11:20:42	13:24:03	15:03:38	16:27:28	17:48:35	19:20:19	21:13:51	23:29:10	1:56:20	4:17:21
17	6:33:30	8:56:19	11:16:46	13:20:08	14:59:42	16:23:32	17:44:39	19:16:23	21:09:55	23:25:14	1:52:24	4:13:25
18	6:29:34	8:52:23	11:12:50	13:16:12	14:55:46	16:19:36	17:40:43	19:12:27	21:05:59	23:21:18	1:48:28	4:09:29
19	6:25:38	8:48:27	11:08:54	13:12:16	14:51:50	16:15:40	17:36:47	19:08:31	21:02:04	23:17:22	1:44:32	4:05:33
20	6:21:42	8:44:32	11:04:58	13:08:20	14:47:54	16:11:44	17:32:51	19:04:35	20:58:08	23:13:27	1:40:36	4:01:38
21	6:17:46	8:40:36	11:01:02	13:04:24	14:43:58	16:07:48	17:28:55	19:00:39	20:54:12	23:09:31	1:36:40	3:57:42
22	6:13:51	8:36:40	10:57:06	13:00:28	14:40:03	16:03:52	17:25:00	18:56:43	20:50:16	23:05:35	1:32:45	3:53:46
23	6:09:55	8:32:44	10:53:10	12:56:32	14:36:07	15:59:56	17:21:04	18:52:47	20:46:20	23:01:39	1:28:49	3:49:50
24	6:05:59	8:28:48	10:49:14	12:52:36	14:32:11	15:56:00	17:17:08	18:48:52	20:42:24	22:57:43	1:24:53	3:45:54
25	6:02:03	8:24:52	10:45:19	12:48:40	14:28:15	15:52:05	17:13:12	18:44:56	20:38:28	22:53:47	1:20:57	3:41:58
26	5:58:07	8:20:56	10:41:23	12:44:44	14:24:19	15:48:09	17:09:16	18:41:00	20:34:32	22:49:51	1:17:01	3:38:02
27	5:54:11	8:17:00	10:37:27	12:40:49	14:20:23	15:44:13	17:05:20	18:37:04	20:30:36	22:45:55	1:13:05	3:34:06
28	5:50:15	8:13:04	10:33:31	12:36:53	14:16:27	15:40:17	17:01:24	18:33:08	20:26:40	22:41:59	1:09:09	3:30:10
29	5:46:19	8:09:08	10:29:35	12:32:57	14:12:31	15:36:21	16:57:28	18:29:12	20:22:44	22:38:03	1:05:13	3:26:14
30	5:42:23	8:05:13	10:25:39	12:29:01	14:08:35	15:32:25	16:53:32	18:25:16	20:18:49	22:34:08	1:01:17	3:22:19
31	5:38:27	8:01:17	10:21:43	12:25:05	14:04:39	15:28:29	16:49:36	18:21:20	20:14:53	22:30:12	0:57:21	3:18:23

दैनिक लग्न सारणी नवंबर भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

नवम्बर ता.	तुला घ. मि. सै.	वृश्चिक घ. मि. सै.	धनु घ. मि. सै.	मकर घ. मि. सै.	कुम्भ घ. मि. सै.	मीन घ. मि. सै.	मेष घ. मि. सै.	वृष घ. मि. सै.	मिथुन घ. मि. सै.	कर्क घ. मि. सै.	सिंह घ. मि. सै.	कन्या घ. मि. सै.
1	7:57:21	10:17:47	12:21:09	14:00:44	15:24:33	16:45:41	18:17:24	20:10:57	22:26:16	0:53:26	3:14:27	5:34:32
2	7:53:25	10:13:51	12:17:13	13:56:48	15:20:37	16:41:45	18:13:28	20:07:01	22:22:20	0:49:30	3:10:31	5:30:36
3	7:49:29	10:09:56	12:13:17	13:52:52	15:16:41	16:37:49	18:09:33	20:03:05	22:18:24	0:45:34	3:06:35	5:26:40
4	7:45:33	10:06:00	12:09:21	13:48:56	15:12:46	16:33:53	18:05:37	19:59:09	22:14:28	0:41:38	3:02:39	5:22:44
5	7:41:37	10:02:04	12:05:25	13:45:00	15:08:50	16:29:57	18:01:41	19:55:13	22:10:32	0:37:42	2:58:43	5:18:48
6	7:37:41	9:58:08	12:01:30	13:41:04	15:04:54	16:26:01	17:57:45	19:51:17	22:06:36	0:33:46	2:54:47	5:14:52
7	7:33:45	9:54:12	11:57:34	13:37:08	15:00:58	16:22:05	17:53:49	19:47:21	22:02:40	0:29:50	2:50:51	5:10:56
8	7:29:49	9:50:16	11:53:38	13:33:12	14:57:02	16:18:09	17:49:53	19:43:26	21:58:44	0:25:54	2:46:55	5:07:00
9	7:25:54	9:46:20	11:49:42	13:29:16	14:53:06	16:14:13	17:45:57	19:39:30	21:54:49	0:18:02	2:43:00	5:03:04
10	7:21:58	9:42:24	11:45:46	13:25:20	14:49:10	16:10:17	17:42:01	19:35:34	21:50:53	0:14:07	2:39:04	4:59:08
11	7:18:02	9:38:28	11:41:50	13:21:25	14:45:14	16:06:22	17:38:05	19:31:38	21:46:57	0:10:11	2:35:08	4:55:13
12	7:14:06	9:34:32	11:37:54	13:17:29	14:41:18	16:02:26	17:34:09	19:27:42	21:43:01	0:06:15	2:31:12	4:51:17
13	7:10:10	9:30:37	11:33:58	13:13:33	14:37:22	15:58:30	17:30:14	19:23:46	21:39:05	0:02:19	2:27:16	4:47:21
14	7:06:14	9:26:41	11:30:02	13:09:37	14:33:27	15:54:34	17:26:18	19:19:50	21:35:09	23:58:23	2:23:20	4:43:25
15	7:02:18	9:22:45	11:26:06	13:05:41	14:29:31	15:50:38	17:22:22	19:15:54	21:31:13	23:54:27	2:19:24	4:39:29
16	6:58:22	9:18:49	11:22:11	13:01:45	14:25:35	15:46:42	17:18:26	19:11:58	21:27:17	23:50:31	2:15:28	4:35:33
17	6:54:26	9:14:53	11:18:15	12:57:49	14:21:39	15:42:46	17:14:30	19:08:02	21:23:21	23:46:35	2:11:32	4:31:37
18	6:50:30	9:10:57	11:14:19	12:53:53	14:17:43	15:38:50	17:10:34	19:04:07	21:19:26	23:42:39	2:07:37	4:27:41
19	6:46:35	9:07:01	11:10:23	12:49:57	14:13:47	15:34:54	17:06:38	19:00:11	21:15:30	23:38:44	2:03:41	4:23:45
20	6:42:39	9:03:05	11:06:27	12:46:01	14:09:51	15:30:58	17:02:42	18:56:15	21:11:34	23:34:48	1:59:45	4:19:50
21	6:38:43	8:59:09	11:02:31	12:42:06	14:05:55	15:27:03	16:58:46	18:52:19	21:07:38	23:30:52	1:55:49	4:15:54
22	6:34:47	8:55:13	10:58:35	12:38:10	14:01:59	15:23:07	16:54:50	18:48:23	21:03:42	23:26:56	1:51:53	4:11:58
23	6:30:51	8:51:18	10:54:39	12:34:14	13:58:03	15:19:11	16:50:55	18:44:27	20:59:46	23:23:00	1:47:57	4:08:02
24	6:26:55	8:47:22	10:50:43	12:30:18	13:54:08	15:15:15	16:46:59	18:40:31	20:55:50	23:19:04	1:44:01	4:04:06
25	6:22:59	8:43:26	10:46:47	12:26:22	13:50:12	15:11:19	16:43:03	18:36:35	20:51:54	23:15:08	1:40:05	4:00:10
26	6:19:03	8:39:30	10:42:52	12:22:26	13:46:16	15:07:23	16:39:07	18:32:39	20:47:58	23:11:12	1:36:09	3:56:14
27	6:15:07	8:35:34	10:38:56	12:18:30	13:42:20	15:03:27	16:35:11	18:28:43	20:44:02	23:07:16	1:32:13	3:52:18
28	6:11:12	8:31:38	10:35:00	12:14:34	13:38:24	14:59:31	16:31:15	18:24:48	20:40:07	23:03:20	1:28:18	3:48:22
29	6:07:16	8:27:42	10:31:04	12:10:38	13:34:28	14:55:35	16:27:19	18:20:52	20:36:11	22:59:25	1:24:22	3:44:26
30	6:03:20	8:23:46	10:27:08	12:06:42	13:30:32	14:51:39	16:23:23	18:16:56	20:32:15	22:55:29	1:20:26	3:40:31

दैनिक लग्न सारणी दिसंबर भा. स्टै. टा. समाप्ति काल कांगड़ा

दिसम्बर	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
ता.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.	घ. मि. सै.
1	8:19:50	10:23:12	12:02:47	13:26:36	14:47:44	16:19:27	18:13:00	20:28:19	22:51:33	1:16:30	3:36:35	5:59:24
2	8:15:55	10:19:16	11:58:51	13:22:40	14:43:48	16:15:31	18:09:04	20:24:23	22:47:37	1:12:34	3:32:39	5:55:28
3	8:11:59	10:15:20	11:54:55	13:18:44	14:39:52	16:11:36	18:05:08	20:20:27	22:43:41	1:08:38	3:28:43	5:51:32
4	8:08:03	10:11:24	11:50:59	13:14:49	14:35:56	16:07:40	18:01:12	20:16:31	22:39:45	1:04:42	3:24:47	5:47:36
5	8:04:07	10:07:29	11:47:03	13:10:53	14:32:00	16:03:44	17:57:16	20:12:35	22:35:49	1:00:46	3:20:51	5:43:40
6	8:00:11	10:03:33	11:43:07	13:06:57	14:28:04	15:59:48	17:53:20	20:08:39	22:31:53	0:56:50	3:16:55	5:39:44
7	7:56:15	9:59:37	11:39:11	13:03:01	14:24:08	15:55:52	17:49:24	20:04:44	22:27:57	0:52:54	3:12:59	5:35:48
8	7:52:19	9:55:41	11:35:15	12:59:05	14:20:12	15:51:56	17:45:29	20:00:48	22:24:01	0:48:59	3:09:03	5:31:53
9	7:48:23	9:51:45	11:31:19	12:55:09	14:16:16	15:48:00	17:41:33	19:56:52	22:20:06	0:45:03	3:05:08	5:27:57
10	7:44:27	9:47:49	11:27:23	12:51:13	14:12:20	15:44:04	17:37:37	19:52:56	22:16:10	0:41:07	3:01:12	5:24:01
11	7:40:31	9:43:53	11:23:28	12:47:17	14:08:25	15:40:08	17:33:41	19:49:00	22:12:14	0:37:11	2:57:16	5:20:05
12	7:36:36	9:39:57	11:19:32	12:43:21	14:04:29	15:36:12	17:29:45	19:45:04	22:08:18	0:33:15	2:53:20	5:16:09
13	7:32:40	9:36:01	11:15:36	12:39:25	14:00:33	15:32:17	17:25:49	19:41:08	22:04:22	0:29:19	2:49:24	5:12:13
14	7:28:44	9:32:05	11:11:40	12:35:30	13:56:37	15:28:21	17:21:53	19:37:12	22:00:26	0:25:23	2:45:28	5:08:17
15	7:24:48	9:28:10	11:07:44	12:31:34	13:52:41	15:24:25	17:17:57	19:33:16	21:56:30	0:17:31	2:41:32	5:04:21
16	7:20:52	9:24:14	11:03:48	12:27:38	13:48:45	15:20:29	17:14:01	19:29:21	21:52:34	0:13:36	2:37:36	5:00:25
17	7:16:56	9:20:18	10:59:52	12:23:42	13:44:49	15:16:33	17:10:06	19:25:25	21:48:38	0:09:40	2:33:40	4:56:30
18	7:13:00	9:16:22	10:55:56	12:19:46	13:40:53	15:12:37	17:06:10	19:21:29	21:44:43	0:05:44	2:29:44	4:52:34
19	7:09:04	9:12:26	10:52:00	12:15:50	13:36:57	15:08:41	17:02:14	19:17:33	21:40:47	0:01:48	2:25:49	4:48:38
20	7:05:08	9:08:30	10:48:04	12:11:54	13:33:01	15:04:45	16:58:18	19:13:37	21:36:51	23:57:52	2:21:53	4:44:42
21	7:01:12	9:04:34	10:44:09	12:07:58	13:29:06	15:00:49	16:54:22	19:09:41	21:32:55	23:53:56	2:17:57	4:40:46
22	6:57:17	9:00:38	10:40:13	12:04:02	13:25:10	14:56:53	16:50:26	19:05:45	21:28:59	23:50:00	2:14:01	4:36:50
23	6:53:21	8:56:42	10:36:17	12:00:06	13:21:14	14:52:58	16:46:30	19:01:49	21:25:03	23:46:04	2:10:05	4:32:54
24	6:49:25	8:52:46	10:32:21	11:56:10	13:17:18	14:49:02	16:42:34	18:57:53	21:21:07	23:42:08	2:06:09	4:28:58
25	6:45:29	8:48:51	10:28:25	11:52:15	13:13:22	14:45:06	16:38:38	18:53:57	21:17:11	23:38:13	2:02:13	4:25:02
26	6:41:33	8:44:55	10:24:29	11:48:19	13:09:26	14:41:10	16:34:43	18:50:02	21:13:15	23:34:17	1:58:17	4:21:07
27	6:37:37	8:40:59	10:20:33	11:44:23	13:05:30	14:37:14	16:30:47	18:46:06	21:09:20	23:30:21	1:54:21	4:17:11
28	6:33:41	8:37:03	10:16:37	11:40:27	13:01:34	14:33:18	16:26:51	18:42:10	21:05:24	23:26:25	1:50:26	4:13:15
29	6:29:45	8:33:07	10:12:41	11:36:31	12:57:38	14:29:22	16:22:55	18:38:14	21:01:28	23:22:29	1:46:30	4:09:19
30	6:25:49	8:29:11	10:08:45	11:32:35	12:53:42	14:25:26	16:18:59	18:34:18	20:57:32	23:18:33	1:42:34	4:05:23
31	6:21:54	8:25:15	10:04:50	11:28:39	12:49:47	14:21:30	16:15:03	18:30:22	20:53:36	23:14:37	1:38:38	4:01:27

ग्रहों के दान, दान समय, जप-संख्या, जपनीय-मन्त्र एवं हवनसमिधा ज्ञानार्थ-चक्र

दान–पदार्थ													दान समय	जप संख्या	जपनीय मन्त्र	हवन समिधा
सूर्य	माणिक	सुवर्ण	ताम्र	गेहूँ	गुड़	घी	रक्तपुष्प	केशर	मूंग	रक्तगौ	र.वस्त्र	र. चन्दन	सूर्योदय	7000	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः	अर्क
चन्द्र	मोती	सुवर्ण	रजत	चावल	मिश्री	दही	श्वेतपुष्प	शंख	कर्पूर	श्वेतबैल	श्वे वस्त्र	श्वे.चंदन	संध्या	11000	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः	पलाश
भौम	मूंगा	सुवर्ण	ताम्र	मसूर	गुड़	घी	रक्तकेशर	केशर	कस्तूरी	रक्तबैल	रक्तवस्त्र	र.चंदन	प.2 शेष दिन	10000	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः	खदिर
बुध	पन्ना	सुवर्ण	काँसी	मूंग	खांड	घी	सर्वपुष्प	हाथी दाँत	कर्पूर	शस्त्र	ह.वस्त्र	फल	प.5 शेष दिन	19000	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः	अपामार्ग
गुरु	पुखराज	सुवर्ण	काँसी	दा.चना	खांड	घी	पीतपुष्प	हल्दी	पुस्तक	घोड़ा	पीतवस्त्र	पीतफल	संध्या	29000	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा	सुवर्ण	रजत	चावल	मिश्री	दूध	श्वेतपुष्प	सुगन्ध	दधि	श्वे.घोड़ा	श्वे.वस्त्र	श्वे.चंदन	सूर्योदय	6000	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः	उदुम्बर
शनि	नीलम	सुवर्ण	लोहा	उड़द	कुलथी	तेल	कृष्णपुष्प	कस्तूरी	कृष्णांग	भैंस	कृ.वस्त्र	उपानह	मध्याह्न	23000	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः	शमी
राहु	गोमेद	सुवर्ण	सीसा	तिल	सरसों	तेल	कृष्णपुष्प	खड्ग	कम्बल	घोड़ा	नी.वस्त्र	शस्त्र	रात्रि	18000	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः	दूर्वा
केतु	लसन	सुवर्ण	लोंहा	तिल	सप्तधा	तेल	धूम्रपुष्प	नारियल	कम्बल	बकरा	धूम्रवस्त्र	शस्त्र	रात्रि	17000	ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः	कुशा
मुन्था	मणि	सुवर्ण	चाँदी	चावल	सुवर्ण	घी	श्वेतपुष्प	कपूर	मिश्री	श्वेतवस्त्र	श्वे.चंदन	हाथीदांत	मुंकाल	मुंथेशवत्	मुंथेशमन्त्रवत्	

यज्ञोपवीत-धारण करने की आवश्यकता

उपनयन के समय पिता तथा आचार्य द्वारा त्रैवर्णिक वटुओं को जो यज्ञोपवीत धारण कराया जाता है, ब्रह्मचर्य, गार्हस्थ्य, वानप्रस्थ- तीनों आश्रमों में उसे अनिवार्यतः अखण्डरूप में धारण किये रहने का शास्त्रों का आदेश है। किंतु धारण किया हुआ यज्ञोपवीत अवस्था-विशेष में बदलकर नवीन यज्ञोपवीत धारण करना पड़ता है।

यज्ञोपवीत कब बदलें?

यदि यज्ञोपवीत कंधे से सरककर बायें हाथ के नीचे आ जाय, गिर जाय कोई धागा टूट जाय, शौच आदि के समय कान पर डालना भूल जाय और अस्पृश्य से स्पर्श हो जाय तो नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिये। गृहस्थ और वानप्रस्थ-आश्रम वाले को दो यज्ञोपवीत पहनना आवश्यकता है। ब्रह्मचारी एक जनेऊ पहन सकता है। चादर और गमछे के लिये एक यज्ञोपवीत और धारण करें। चार महीने बीतने पर नया यज्ञोपवीत पहन लें। इसी तरह उपाकर्म में, जननाशौच और मरणाशौच में, श्राद्ध में, यज्ञ आदि में, चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण के उपरान्त भी नये यज्ञोपवीतों का धारण करना अपेक्षित है। यज्ञोपवीत कमर तक रहे।

जैसे पत्थर ही भगवान् नहीं होता, प्रत्युत मन्त्रों से भगवान् को उसमें प्रतिष्ठित किया जाता है, वैसे ही यज्ञोपवीत धागा मात्र नहीं होता। प्रत्युत निर्माण के समय से ही यज्ञोपवीत में संस्कारों का आधान होने लगता है। बन जाने पर इसकी ग्रन्थियों में नवों तन्तुओं में ओंकार, अग्नि आदि भिन्न-भिन्न देवताओं के आवाहन आदि कर्म होते हैं। लोग सुविधा के लिये एक वर्ष के लिये श्रावणी में यज्ञोपवीत को अभिमन्त्रित कर रख लेते हैं और आवश्यकता पड़ने पर धारण विधि से इसे पहन लेते हैं। यदि श्रावणी का यज्ञोपवीत न हो तो निम्नलिखित विधि से उसे संस्कृत कर ले।

यज्ञोपवीत-संस्कार एवं धारण की विधि

यज्ञोपवीत में देवताओं के आवाहन की विधि- यज्ञोपवीत को पलाश आदि के पत्ते पर रखकर जल से प्रक्षालित करे, फिर निम्नलिखित एक-एक मन्त्र पढ़कर चावल अथवा एक-एक फूल को यज्ञोपवीत पर छोड़ता जाय-

प्रथमतन्तौ ॐ ओंकारमावाहयामि। द्वितीयतन्तौ ॐ सर्पानावाहयामि। तृतीयतन्तौ ॐ सर्पानावाहयामि। चतुर्थतन्तौ ॐ सोममावाहयामि। पञ्चमतन्तौ ॐ पितृनावाहयामि। षष्ठतन्तौ ॐ प्रजापतिमावाहयामि। सप्तमतन्तौ ॐ अनिलमावाहयामि। अष्टमतन्तौ ॐ सूर्यमावाहयामि। नवमतन्तौ ॐ विश्वान् देवानावाहयामि। प्रथमग्रन्थौ ॐ ब्रह्मणे नमः, ब्रह्माणमावाहयामि। द्वितीयग्रन्थौ ॐ विष्णवे नभः, विष्णुमावाहयामि। तृतीयग्रन्थौ ॐ रुद्राय नमः, रुद्रमावाहयामि।

इसके बाद **'प्रणवाद्यावाहितदेवताभ्यो नमः'-** इस मन्त्र से **'यथास्थानं न्यसामि'** कहकर उन-उन तन्तुओं में न्यास कर चन्दन आदि से पूजा करे। फिर जनेऊ को दस बार गायत्री से अभिमन्त्रित करे।

यज्ञोपवीत-धाण-विधि- इसके बाद नूतन यज्ञोपवीत-धारण का संकल्प कर निम्नलिखित विनियोग पढ़कर जल गिराये। फिर मन्त्र पढ़कर एक जनेऊ पहनें, इसके बाद आचमन करे। फिर दूसरा यज्ञोपवीत धारण करे। एक-एक कर यज्ञोपवीत पहनना चाहिये।

विनियोग- **ॐ यज्ञोपवीतमिति मन्त्रस्य परमेष्ठी ऋषिः, लिङ्गोक्ता देवताः, त्रिष्टुप् छन्दः, यज्ञोपवीतधारणे विनियोगः।**

निम्नलिखित मन्त्र से जनेऊ पहने-

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत् सहजं पुरस्तात्।
आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः।।
ॐ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।

जीर्ण यज्ञोपवीत का त्याग- इसके बाद निम्नलिखित मन्त्र पढ़कर पुराने जनेऊ को कण्ठी-जैसा बनाकर सिर पर से पीठ की ओर निकालकर उसे जल में प्रवाहित कर दे-

एतावद्दिनपर्यन्तं ब्रह्म त्वं धारितं मया।
जीर्णत्वात् त्वत्परित्यागो गच्छ सूत्र यथासुखम्।।

इसके बाद यथाशक्ति गायत्री का जप करे और आगे का वाक्य बोल कर भगवान् को अर्पित दें- ॐ तत्सत् श्री ब्रह्मार्पणमस्तु फिर हाथ जोड़कर भगवान् का स्मरण करे।



स्वप्न विचार



जो स्वप्न बीमारी और या परेशानी की हालत में आता है उस पर भरोसा नहीं करना चाहिये। जो स्वप्न दिन को देखा जाता है वह भी सचाई में कम होता है। रात्रि के पहिले पहर में स्वप्न आए तो उसका फल एक वर्ष में मालूम होता है दूसरे पहर के स्वप्न का फल 7 माह में, तीसरे पहर के स्वप्न का फल तीन महीने में और चौथे पहर का देखा हुआ स्वप्न एक मास में अपना अच्छा या बुरा फल दिखा देता है जो स्वप्न सुबह सूर्य निकलने के समय देखा जाए उसका फल एक प्रहर में प्रकट हो जाता है।

स्वप्न	फल	स्वप्न	फल	स्वप्न	फल
अपने को मारना	दीर्घायु	जुआ खेलना	कारोबार में तंगी	मदिरा पीना	कोई कष्ट आए
अनाज भरना	धन लाभ	झाड़ू देखना	फजूल खर्च होना	मौत देखना	हानिकारक
अन्न बेचना	नुकसान	तख्त देना	तरक्की व इज्ज़त	मकान गिरते देखना	रोज़गार में तरक्की हो
आग उठाना	कष्ट	तख्त पर बैठना	सफलता, इज्ज़त	मुंदरी पाना	परेशानी हो
आंधी देखना	सफर व परेशानी	तालाब में नहाना	इज्ज़त पाना	मंदिर में जाना	रोग पाना
आसमान देखना	राजदरबार में मान	तेल देखना	कष्ट पाना	मुरदा रोते हुए देखना	तरक्की व इज्ज़त पाना
आग देखना	धन प्राप्ति	दांतों का गिरना	दीर्घायु नीरोगता	रोटी खाना	खुशखबरी पाना
इमारत बनाना	लाभ व तरक्की हो	श्वेत सर्प का काटना	लाभ हो	रीछ देखना	खुशी और तरक्की हो
ऊंट देखना	धन का लाभ	दरया में नहाना	रोग से छूटना	वृक्ष काटना	फिकर, नुकसान हो
ऊंट की सवारी करना	कष्ट पाना	दूध पीना	खुशी पाना	विष खाना	फिकर व ग़म हो
ऊंचाई से गिरना	इज्ज़त में कमी हो	नेवला देखना	कलह	विवाह देखना	कलह
किला देखना	तरक्की हो	पुरुष का मांस खाना	राज्य की प्राप्ति	वर्षा देखना	फिकर व रंज पाना
कछुआ देखना	धन प्राप्ति	पर्वत पर चढ़ना	तरक्की रोज़गार	वृक्ष पर चढ़ना	काम में सफलता हो
कुत्ते का काटना	शत्रु से भय	पानी पर चलना	कामयाबी सफलता	विष खाकर मर जाना	दुःख व कष्ट पाना
कूप में गिरना	परेशानी हो	पानी पीना	रोज़गार में तंगी	शरीर में तेल मलना	धनवान् होना
कब्र में जाना	परेशानी हो	पानी में डूबना	इज्ज़त, तरक्की पाना	शत्रु देखना	सफलता पाना
किशती देखना	परेशानी हो	फूल व धान्य की प्राप्ति	क्लेशों, दुःखों का नाश	श्रेष्टों से पूजा जाना	धन धान्य की प्राप्ति
कूप गुफा या गढ़ा में प्रवेश करना	विपत्ति पाना	बंसरी बजाना	कष्ट पाना	साफा गिरते देखना	ग़म व कष्ट पाना
कत्ल करना	स्वस्थ लाभ	बंदर देखना	धन प्राप्ति	सोना पाना	परेशानी व ग़म हो
गधे की सवारी	कष्ट पाना	बाल कटे देखना	परेशानी से छूटना	सांप देखना	परेशानी व खतरा
चांद देखना	खुशी पाना	बर्फ गिरते देखना	बिमारी व फिकर	सांप काटना	धन प्राप्ति
चित्रा देखना	राज्य प्राप्ति	बगीचा देखना	ऋण, कष्ट से छूटना	स्त्रियों की लड़ाई देखना	दुःख पाना
चूहा देखना	कुरूपा स्त्री प्राप्ति	बरात देखना	बीमारी	सूर्यचन्द्र ग्रहण देखना	मृत्यु को प्राप्त हो
चीखें मारना	मुसीबत, पाना	बुलबुल देखना	खुशी	सुवर्ग में जाना	तबदीली
जूता गुम होना	वैमनस्य	बिच्छु देखना	फिकर व ग़म	सांप मारना	कष्ट से बचना
जहाज़ पर चढ़ना	तबदीली हो	बादल देखना	लाभ	सिंह देखना	शत्रु पर विजय पाना
ज्वाहरात देखना	काम में सफलता	भैंस देखना	इज्ज़त बढ़े	हाथी पर सवार होना	लाभ व तरक्की पाना
		भूषण का चुराना	यात्रा हो	हाथों का कटना	माता पिता को दुःख

कर्जे से मुक्ति पाने के लिए श्रीगणेशमन्त्र विधान

इस ऋणहर्तृ-गणेशमन्त्र का प्रभाव हमने अनेकदा अनुभव किया है। ऋण से परेशान व्यक्ति विधिवत् इस मन्त्र का पुरश्चरण करे, स्वतः अनुभव हो जाएगा। यह गुप्त रहस्यात्मक मन्त्र 'कृष्णायामल तन्त्र' में 'शिव-पार्वती-संवाद' में उपलब्ध है। यह मन्त्र बहुत ही चमत्कारी है, सर्वजनहिताय इसे पंचांग प्रेमियों के लिए उद्धृत किया गया है।

मन्त्र–

"ॐ गौ गणेश! ऋणं छिन्धि वरेण्यं हुं नमः फट्।"

इस मन्त्र का 21 हजार संख्या में पुरश्चरण करें तो मनुष्य सर्वप्रिय हो जाता है, साथ ही साथ ज्ञान तथा धनलाभ होता है। सवालक्ष जाप करने से मनोरथ अनायास पूर्ण होने लगते हैं।

जो लोग इस मन्त्र का पुरश्चरण न कर सकें, उनके लिए, ऋणहर्तृ गणेशस्तोत्र लिख रहे हैं; ऋण हरने वाले इस स्तोत्र का प्रतिदिन एक बार प्रातः सायं पाठ करने से ही आप कर्जे से राहत पर सकेंगे तथा दरिद्रता से छुटकारा पा लेंगे। प्रतिदिन नित्यकर्म के बाद आप श्रद्धा, विश्वास के साथ इस स्तोत्र का पाठ करें और अनुभव करें।

गणेश जी का ध्यान–

ॐ सिन्दूरवर्ण द्विजुजं गणेशं लम्बोदरं पद्मदले निविष्टम्।
ब्रह्मादि देव्यैः परिसेव्यमानं सिद्धैर्युतं तं प्रणमामि देवम्।।

इस प्रकार कमल में स्थित, सिन्दूरवर्ण, ब्रह्मादि देवताओं से पूजित, द्विभुज, लम्बोदर गणेश जी का ध्यान करके, निम्नांकित स्तोत्र का पाठ करें। यह स्तोत्र ऋणहरण के लिए सर्वोत्तम है। इस स्तोत्र का पाठ बिना नागा एक वर्ष तक नियम पूर्वक करें; ऋण से मुक्ति मिलेगी।

ऋणहर्तृ गणेशस्तोत्रम्

सृष्ट्यादौ ब्रह्मणा सम्यक् पूजितः फल सिद्धये।
सदैव पार्वती पुत्रः ऋणनाशं करोतु मे।।
त्रिपुरेस्तु वधात् पूर्व शंभुना सम्यगर्चितः।
सदैव पार्वती पुत्रः ऋणनाशं करोतु मे।।
हिरण्यकश्यपादीनां वधार्थ विष्णुनार्चितः।
सदैव पार्वती पुत्रः ऋणनाशं करोतु मे।।
महिषस्य वधे देव्याः गणनाथः प्रपूजितः।
सदैव पार्वती पुत्रः ऋणनाशं करोतु मे।।
तारकस्य वधात्पूर्वं कुमारेण प्रपूजितः।
सदैव पार्वती पुत्रः ऋणनाशं करोतु मे।।
भास्करेण गणेशो हि पूजितश्छवि सिद्धये।
सदैव पार्वती पुत्रः ऋणनाशं करोतु मे।।
शशिना कान्तिवृण यर्थ पूजितो गणनायकः।
सदैव पार्वती पुत्रः ऋणनाशं करोतु मे।।
वृत्रस्य नाशनार्थाय शक्रेण परिपूजितः।
सदैव पार्वती पुत्रः ऋणनाशं करोतु मे।।
देवैः समुद्र मथने प्रारम्भे परिपूजितः।
सदैव पार्वती पुत्रः ऋणनाशं करोतु मे।।
पालनाय च तपसां विश्वामित्रेण पूजितः।
सदैव पार्वती पुत्र ऋणनाशं करोतु मे।।

।। दारिद्र्यनाशंक गणेशस्तोत्रं सम्पूर्णमिदम् ।।

नेत्र ज्योति को सुरक्षित करने के लिए अद्भुत प्रयोग

"ॐ चक्षुः चक्षुः चक्षुः तेजः स्थिरो भव। मां पाहि। त्वरितं चक्षु - रोगान् शमय शमय। मम जातरूपं तेजो दर्शय दर्शय। यथा अहम् अन्धो न स्यां तथा कृपया कल्याणं कुरु कुरु मम यानि यानि पूर्वजन्मोपार्जितानि चक्षुःप्रतिरोधकदुष्कृतानि सर्वाणि निर्मूलय निर्मूलय।

ॐ नमः चक्षुस्तेजोदात्रे दिव्य भास्कराय। ॐ नमः करुणाकरायामृताय। ॐ नमो भगवते सूर्यायाक्षितेजसे नमः। खेचराय नमः। महते नमः। रजसे नमः। तमसे नमः। असतो मा अद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मा अमृतं गमय। उष्णो भगवाञ्छुचिरूपः। हंसो भगवान् शुचिरप्रतिरूपः।

य इमां चाक्षुष्मतीविद्यां ब्राह्मणो नित्यमधीते न तस्याक्षिरोगो भवति। न तस्य कुले अन्धो भवति। अष्टौ ब्राह्मणान् सम्यग् ग्राहयित्वा विद्यासिद्धिर्भवति। ॐ विश्वरूपं घृणिनं जातवेदसं हिरण्मयं ज्योतिरूपं तपन्तं सहस्त्ररश्मिभिः शतधा वर्तमानः पुरः प्रजानामुदयत्येष सूर्यः ॐ नमो भगवते आदित्याय अवाग्वादिने स्वाहा।

Printed at **Bright Printer**, *Jalandhar*

Laser typesetting by **Rajinder Sougunia,** 21-B, Subash Nagar, Jammu. Ph. 0191-2574855

TIN NO. 01041070653
REGD. UNDER SSI / 07 / 04 / 05[illegible]-90

PROP : RAJEEV MALHOTRA

MALHOTRA COLOUR COMPANY

Manufacturers of DRY DISTEMPER, CEMENT PAINT, LIME COLOUR, STAINERS, RED OCHRE, YELLOW OCHRE, SYNTHETIC YELLOW, CEMENT OXIDE COLOURS, ETC.



- UNMATCHED CHEMICALS USED UNDER THESE CATEGORY OF PRODUCTS..
- PRODUCTS WELL SUPERVISED BY THE CHEMISTS..
- TESTED & EXPERIMENTED FORMULAE'S APPLIED BY THE CHEMISTS..



- OUR MOTTO : QUALITY & CUSTOMER SATISFACTION..
- RELIABILITY & DURABILITY AT ITS BEST, AMONG ITS CATEGORY..
- COST ON THE BASIS OF QUALITY..

ADDRESS
PLOT NO. 13,
SICOP INDUSTRIAL COMPLEX,
BARI BRAHMANA,
JAMMU - 33

PHONES
MOBILE : 9419199063
OFFICE : 01923-220487
RESIDENCE : 01923-220128

e-mail id : mcc_1990@rediffmail.com